𑒁𑒬𑒏𑓂𑒞 **अशक्त**—वि०। निर्बल, कमजोर, असमर्थ। [सं०] तु० क० अस०, हि०, बं०, ने०, **अशक्त**, प्राकृ० **असत्त**। राम० ४७ (अयलहुँ शरण **अशक्त** पड़ाय); पारो ६६ (पीसी अपन **अशक्त** कण्ठसँ ठोहि पाड़ि कानऽ लगलीह)। *aśakta—Adj.* Weak, incapable.

𑒁𑒬𑒏𑓂𑒨 **अशक्य**—वि०। नहि कयेबा योग्य, असम्भव, असाध्य, असमर्थ। [सं०]। तु० क० **असक्क**; हि०, ने०, **अशक्य** पा०, प्राकृ० असक्क। राम० ३१३ (हमहुँ **अशक्य** अहाँकाँ माय); मोद उद० १५६-६ (अधिक आग्रह कयला पर **अशक्य** भै)। *aśakya—Adj.* Unable to act.

𑒁𑒬𑒑𑒳𑒝 **अशगुण**—अशकुन (दे०) केर का० रू०। राम लालदास २५१ (शिर कटलै नहि **अशगुण** लेश) *aśaguṇa*—P. F. of *aśakuna* (q. v.)

𑒁𑒬𑒢 **अशन**—१. भोजन २. भोजनक क्रिया ३. अशन वृक्ष (जकरा आसन सेहो कहल जाइछ, ई बहुधा तराइ क्षेत्र दिसि भेटैत छैक)। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा० **अशन**, प्राकृ० **असण**। राम ७० (गरल **अशन** कए त्यागल प्राण); मोद उद०। १५०-१६ (भूषन वसन **अशन** सुधि नाही)। *aśana*—Food, eating; kind of tree.

𑒁𑒬𑒢𑒰 **अशना**—भोजनक इच्छा, भूख। [सं० अशनाय, अशनाया > अशना]। तु० क० हि० **अशना**। चन्द्र० ५ (जय काल विभव **अशना**); महेश० ४५ (जत विष **अशना**)। *aśanā*—Desire of eating, hunger.

𑒁𑒬𑒢𑒱 **अशनि**—१. वज्र, आकाशीय विद्युत्, ठनका २. विजलोका (विजलोता) ३. महास्त्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **अशनि**, पा० **असनी**, प्राकृ० असणि; प० आहण, आहिण, ऐहण, सिं० सेण। राम० ७० (**अशनि** पतन तरुगण गति जेहन); अमर० १२ (दम्भोलि, **अशनि**)। *aśani*—Thunderbolt, lightening.

𑒁𑒬𑒥𑓂𑒠 **अशब्द**—वि०। १ अव्यक्त, शब्दरहित २. जे शब्द-मे प्रकट नहि कएल जाए सकए। [सं०]। तु० क० निःशब्द (दे०); हि० **अशब्द**। *aśabda—Adj.* That which cannot be expressed through words.

𑒁𑒬𑒩𑒝 **अशरण**—हि०। जकरा कतहु शरण नहि होइक, निराश्रय, अनाथ, गृहरहित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, **अशरण**। मि० ३६ (**अशरण** मिथिलाक राजपद फेर मैथिलहिक हाथ आएल); शतदल १८ (रभसि रहल कहु के भै **अशरण**)। *aśaraṇa*—*Adj.* Destitute.

𑒁𑒬𑒩𑒤𑒲 **अशरफी**—दश मासाक सुवर्ण मुद्रा, सोनाक कोनो-सिक्का, मोहर। [फा०]। **अशरफीक लूटि कोइलापर छाप**—मिथ्या आरोप कए मूल्यवान वस्तु बनाएब। *aśaraphi*—A gold coin.

𑒁𑒬𑒩𑓂𑒧 **अशर्म**—वि०। १. दुखी, बेचएन २. अमङ्गलशील, लाज रहित। [अ+का० शर्म] पुरु० २२ (निज अपराध **अशर्म**) *aśarma—Adj.* Sorrowful, shameless.

𑒁𑒬𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 **अशस्त्र**—वि०। शस्त्रविहीन। [सं०]। तु० क० हि०, बं० **अशस्त्र**; प्राकृ० **असत्थ**। महेश्वर विनोद ३४। *aśastra—Adj.* Without weapons.

𑒁𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞 **अशान्त**—वि०। जे शान्त नहि हो, जतए शान्ति नहि रहए, अस्थिर, चंचल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने० **अशान्त**; प्राकृ० असंत। प्रणम्य० २१४ (**अशान्त** मस्तक पर हाथ फेरए लगलथिन्ह); आमक जलखरी ७७ (हमर चित्त तऽ **अशान्त** अछि)। *aśānta—Adj.* Restless.

𑒁𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱 **अशान्ति**—चंचलता, अस्थिरता। [सं०]। तु० क० हि० **अशांति**। मोद ६६-१८ (**अशान्ति** रहला सँ सदाचारक परिपालन नहि भै सकैत छैक)। *aśānti*—Restlessness, disturbance.

𑒁𑒬𑒱𑒪𑓂𑒣𑒞𑒰 **अशिल्पता**—शिल्पता वा कारीगरीक अभाव। [अ+शिल्पता]। व्य० वि० १४८। *aśilpatā*—Lack of skill.

𑒁𑒬𑒱𑒭𑓂𑒙 **अशिष्ट**—वि०। अविनीत, दुःशील। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अशिष्ट। विडम्बना ३७। *aśiṣṭa—Adj.* Rude.

𑒁𑒬𑒱𑒭𑓂𑒙𑒞𑒰 **अशिष्टता**—अभद्रता, उजडुता, अविवेकिता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशिष्टता**। सीता स्वयम्बर ३७; आमक जलखरी ३० (जे नहि करथि के **अशिष्टता**)। *aśiṣṭatā*—Lack of culture, boorish.

𑒁𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 **अशिक्षित**—वि०। जे शिक्षित नहि अछि, अलूरि; मूर्ख। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशिक्षित**। मोद १७१-८ (एहेन **अशिक्षित** भयावह घोड़ाकैं अहाँ लै जाउ)। *aśikṣita—Adj.* Foolish, illiterate, untrained.

𑒁𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞𑒰 **अशिक्षिता**—अशिक्षित (दे०) केर स्त्रो० रू०। द्विरा० ६० (**अशिक्षिता** स्त्रीक स्वामी भेलाक अपेक्षे तऽ अहाँक सुशिक्षिताक सेवक बननाइ लाख कच्छे नीक)। *aśikṣitā*—Fem. form of *aśikṣita* (q. v).

𑒁𑒬𑒳𑒔𑒱 **अशुचि**—वि०। मैल, अपवित्र, कारी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशुचि**; प्राकृत **असुइ**। महेश० ३५ (कि विष अमृत **अशुचि** शुचि कि थिक)। *aśuci—Ādj.* Dirty, polluted, black.

𑒁𑒬𑒳𑒠𑓂𑒡[1] **अशुद्ध**[1]—वि०। जे शुद्ध वा ठीक नहि अछि, गलती, अपवित्र, कुटिलहृदय। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **अशुद्ध**। पुरु० १५७ (कह **अशुद्ध** अज्ञान सौं, सभा अबुधकाँ हास); महेश० ४७ (जग व्यवहार **अशुद्ध**)। *aśuddha*[1]—*Adj.* Not Right, crooked.

𑒁𑒬𑒳𑒠𑓂𑒡[2] **अशुद्ध**[2]—वि०। एहन समय जखन उपनयन, विवाह आदि शुभ कार्य नहि कएल जाए सकैत अछि, जतबा समय बृहस्पति क्षीण वा अस्त रहथि। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशुद्ध**। (अशुद्ध रहलाक कारणेँ नीराक विवाह एहि साल न हि होएतन्हि)। *aśuddha*[2]—*Adj.* A period or time not fit for auspicious ceremonies.

𑒁𑒬𑒳𑒦 **अशुभ**—वि०। अधलाह, अमंगल, दुर्भाग्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा०, प्राकृ० **अशुभ**। मोद उद० १५७-४

(अशुभ अमंगल इत्यादि); खट्टर० ६८ (अशुभ होयत) । *aśubha*—*Adj.* Inauspicious, ill-fated.

𑒁𑒬𑒹𑒭 **अशेष**—वि० । सम्पूर्ण, शेष रहित । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० अशेष; प्राकृत असेस । चन्द० २४१ (अशेष दोष हारि श्रीगणेशनाथ) । *aśeṣa*—*Adj.* Entire.

𑒁𑒬𑒼𑒂𑒮𑒪 **अशोआसल**—क्रि० । आश्वासन देल गेल । भू० कृ० । [सं० आश्वासन] । गी० ग० १ अमर २५ (गोविन्द दास निसिस अशोआसल रोय रोय चलु घर कान्ह) । *aśoāsala*—*V. P. F.* Assured.

𑒁𑒬𑒼𑒂𑒮𑒪𑒱 **अशोआसलि**—क्रि० । आश्वासन देलन्हि । आश्वासन केर भू० स्त्री० कृ० । का० कृ० । अशोआसल (दे०) । गी० ग० १ अमर १४ (माधव कान्ह अशोआसलि राधा) । *aśoāsali*—*V. Fem. P. F.* Assured.

𑒁𑒬𑒼𑒏 **अशोक**—१. एक प्रसिद्ध देवद्रुम, २. एक हिन्दू राजाक नाम, ३. शोकक अभाव । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अव० अशोक; प्राकृत असोअ, असोअ; सिं० हो । वर्ण० ३८ (अमर, अशोक, तेन्दु, तिलक;) राम० १४० (जाय अशोक वाटिक रावण); मोद व्द० १५८-१६ (अशोकक सिंस मेलल अछि); रासदल ७ (अग आनृत जा, अहिना अशोक) । *aśoka*—A tree, the name of a Hindu king, absence of grief.

𑒁𑒬𑒼𑒏𑒞𑒲𑒩𑓂𑒟 **अशोकतीर्थ**—एक गीठ प्रसिद्ध तीर्थक नाम । [सं०] । वर्ण० ५६ (पुरुषोत्तम, अशोकतीर्थ, गौरीतीर्थ) । *aśokatīrtha*—A place of pilgrimage.

𑒁𑒬𑒼𑒏𑒫𑒰𑒙𑒱𑒏𑒰 **अशोकवाटिका**—जो फुलवारी जाहिमे अशोक वृक्ष लागल हो, रावणक ओ फुलवारी जाहिमे सीताकेँ चोराय रखने छलन्हि । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अव० अशोकवाटिका । दिरा० २११ (रावण नाचय सीखि अशोकवाटिकामे रहलिखि) । *Aśokavāṭikā*—A garden full of Aśoka trees, famous Aśokavāṭikā of Rāvaṇa in Laṅkā.

𑒁𑒬𑒼𑒔𑒢𑒲𑒨 **अशोचनीय**—वि० । जे शोचनीय नहि हो । [सं०] । शकुन्तला नाटक ५० । *aśocanīya*—*Adj.* Not to be lamented.

𑒁𑒬𑒼𑒔𑒱 **अशोचि**—वि० । का० कृ० । जकर चिन्ता नहि रहए वा नहि करए पड़ए । [सं० अशोच्य] । राम० ६५ (तौं अशोचि मए जयदे) । *aśoci*—*Adj. P. F.* Not fit to be lamented.

𑒁𑒬𑒼𑒟𑒏𑒱𑒞 **अशोथकित**—अपरिहार्य, दस्तम थाकल । अशोथकित (दे०) केर विक० रू० । अमदुवेहौँ चलथा-फिरथासँ असमर्थ । [अ॰ (दे०)सं० स्थगित] । तु० क० अस्थगित । भलमानुष ५० । *asothakita*—*Adj.* Alternate F. F. of *asothakita* (q. v.)

𑒁𑒬𑒾𑒔 **अशौच**—शुचि नहि, हिन्दू शास्त्रक अनुसार कोनो आप्त सम्बन्धिकक मुइला पर वा जन्म भेला पर अशौच मान्य होयत, अपवित्रता । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अव० अशौच; प्राकृत असोय । राम० १०६ (मेल अशौचक काल समाप्त); मि० ६३ दुलक अशौच जीजीकेँ मानब विशाल भेल) । *aśauca*—Defilement especially after death or birth in the family or that of close relatives.

𑒁𑒬𑒾𑒔𑒰𑒢𑓂𑒞 **अशौचान्त**—हिन्दू शास्त्रानुसार एकादशाहसँ एक दिन पूर्व क्रियाकेँ करबाक समयकेँ अशौचान्त कर्म कहल जाइछ । [सं०] । *aśaucānta*—End of the *aśauca* (q. v.) period.

𑒁𑒬𑓀𑒏𑒱𑒞 **अशंकित**—वि० । बिनु शंकाक; निडर, निर्भय । [सं०] । राम० १०२ (लंकापुरी अशंकित जाय) । *aśaṅkita*—*Adj.* Fearless.

𑒁𑒬𑓂𑒧𑒮𑒰𑒩 **अश्मसार**—लोह । [सं०] । तु० क० हि० अश्मसार । अमर० २२२ (अयस्, अश्मसार); रत्नावली परिच्छ ६६ । *āśmasāra*—Iron.

𑒁𑒬𑓂𑒧𑒰𑒩𑒼𑒯𑒝 **अश्मारोहण**—विवाहमे पाथर पर कनियाँक पयर राखि विवाहक विधि सम्पन्न होयब । [सं०] । वर्ण० ६५ (करग्रहण, अश्मारोहण, प्रदक्षिण, सप्त-पदाक्रमण इत्यादि) । *aśmārohaṇa*—Name of a ceremony of placing the bride's foot on a piece of stone at the time of marriage.

𑒁𑒬𑓂𑒩𑒠𑓂𑒡𑒰 **अश्रद्धा**—श्रद्धा, आदर वा विश्वासक अभाव । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० अश्रद्धा । (तुलकापर अश्रद्धा होयबाक अनेक कारण भेल) । *aśraddhā*—Absence of faith or respect.

𑒁𑒬𑓂𑒩𑒨𑒹 **अश्रये**—आश्रय (दे०) केर का० रू० । वर्ण० १५ (आपदहि आश्रा अश्रये भय) । *aśraye*—P. F. of *āśraya* (q. v.).

𑒁𑒬𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒞 **अश्रान्त**—वि० । विश्रामरहित, निरन्तर श्रमशील । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० अश्रान्त । (अश्रान्त रहलाक कारणेँ किछु कए नहि सकैत छी) । *aśrānta*—*Adj.* Without rest, active.

𑒁𑒬𑓂𑒩𑒳 **अश्रु**—नोर, कोनो प्रकारक आवेगक कारण आँखिमे आयल जल । [सं०] । वर्ण० ७ (कान्त, वैवर्ण, अश्रु), मोद ६६-२२ (कातिक विरह पावकमे पाओल ओकर अश्रु जल); प्रणम्य० १८८ (आँखिमे अश्रु बिन्दु आबि गेलैक) । *aśru*—Tear.

𑒁𑒬𑓂𑒩𑒳𑒞 **अश्रुत**—वि० । १. जे सुनल नहि गेल हो २. अज्ञात ३. अशास्त्रज्ञ, मूर्ख । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, राज० अश्रुत । मि० २४५ (वेदना अश्रुत अलभ्यादिकी यथाकेँ); नवतुरिया २११ (वायसपति भाक कोनो अज्ञात अश्रुत नहि छलाह) । *aśruta*—*Adj.* That which is not heard of, unknown; ignorant.

𑒁𑒬𑓂𑒪𑒲𑒪 **अश्लील**—वि० । अशोभनीय, असुन्दर, लज्जाकर, फूहड़ नग्न वा निर्लज्ज । [सं०] । तु० क० हि०, नै०, असं०, बं० अश्लील; प्राकृत असलील । मोद वद० १५७-८ (अश्लील सबके ओहिठाम); रंग० १३२ (ओतेकौँ ठाम परम अश्लील बात कहि बैस रहैक) । *aślīla*—*Adj.* Shameful, obscene.

अश्लीलता—अमङ्गल, घृणास्पद, लज्जाजनक, निर्लज्जता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० **अश्लीलता**। मिहिर ३८-५-३७ (विद्यापतिक काव्यपर अश्लीलताक जे आक्षेप कैल जाइछ); वेडफिल्डक पारसी १६३। *aślīlatā*—Obscenity.

अश्लेषा—राशि चक्रक २७ गोट नक्षत्रमेसँ नवम नक्षत्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० **अश्लेषा**; प्राकृत **असिलेषा**। प्रणम्य० १३१ (किएक ने अश्लेषा नक्षत्रमे जन्म भेल छैन्ह) । *aśleṣā*—The ninth lunar mansion or Nakṣatra.

अश्व—१. घोड़ा २. सातक संख्या। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० **अश्व**; प्राकृत **अस्स**। राम० २० (अश्व चढ़ल कर धनुष सुवाण)। *aśva*—Horse, the number seven.

अश्वत्थ—पीपरक गाछ, सूर्यक नाम, अश्विनी नक्षत्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० **अश्वत्थ**; प्राकृत **अस्सत्थ**। वर्ण० ४३ (दुर्वा, उदुम्बर, अश्वत्थ); अमर० ८० (अश्वत्थ वेणु)। *aśvattha*—Peepal tree, name of the aśvinī Nakṣatra.

अश्वबन्ध—१. घोड़ा पकड़बाक वा बन्हबाक कला २. छन्दक नामविशेष, चित्रकाव्य। [सं०]। वर्ण० ३ (अश्वबन्ध, गजबन्ध)। *aśvabandha*—A device to catch a horse, a groom. Name of a metre.

अश्वमाहिष—शाश्वत विरोध, जन्म भरिक झगड़ा। [सं०। अश्वमहिषिका] तु० क० **महिषाबध; महिषाबइर**। आमक जलखरी ८६ (रेबाक मध्य कतहु अश्वमाहिष हो)। *aśvamāhiṣa*—The natural enmity between a horse and a buffalo, hence bitter difference between any two.

अश्वमेध—एकटा पैघ यज्ञ जाहिमे घोड़ाकेँ विजय पत्र बान्हि घुमाओल जाइछ यदि ओ ककरहु द्वारा पड़कल गेल तँ यज्ञ पूर्ण नहि होइछ अन्यथा पूर्ण मानल जाइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज० **अश्वमेध**। राम० ८८ (अश्वमेध जे कएल); खट्टर० ७२ (अश्वमेध यज्ञक फल हो)। *aśvamedha*—The name of a yajña in which a horse is sacrificed.

अश्वमेधिकपर्व्व—महाभारतक १८ गोट पर्वमेसँ एकेटा नाम। [सं०]। वर्ण० ६० (शान्तिपर्व्व, अनुशासनिकपर्व्व, अश्वमेधिकपर्व्व)। *aśvamedhikaparvva*—Name of a conto of the Mahābhārata.

अश्वरथ—घोड़ाक रथ, जाहि रथकेँ घोड़ा द्वारा चलाओल जाए। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव० **अश्वरथ**। वर्ण० २१ (सहस्र अश्वरथ); राम० ४१ (शत सहस्र देल अश्वरथ)। *aśvaratha*—A chariot driven by horse.

अश्ववार—सवार, असवार, घोड़सवार। [सं० अथवा अ+सवार]। राम० ९७ (अश्ववार घोड़ा दौड़ाए)। *aśvavara*—A horseman.

अश्ववाहक—घोड़सवार। [सं०]। वर्ण० ६ (अश्ववाहक हस्तिपक कीड़क नर्मसचिव, दण्डपाले), *aśvavāhaka*—A horseman.

अश्ववैद्य—अश्वरोग चिकित्सक, घोड़ाक वैद्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० **अश्ववैद्य**। वर्ण० ६ (विषवैद्य, नरवैद्य, गजवैद्य, अश्ववैद्य)। *aśvavaidya*—Veterinary doctor.

अश्वशिक्षा—घोड़ा सम्बन्धी विद्या। [सं०]। वर्ण० ३ (अश्वशिक्षा, गजशिक्षा)। *aśvaśikṣā*—The science of horse training, horsemanship etc.

अश्वहृदयवेत्ता—वि०। घोड़ाक समस्त विषयक जानकार; चतुर सवार। [सं०]। वर्ण० ३० (आठ आयें अश्वहृदयवेत्ता। *aśvahṛdayavettā*—*Adj.* An expert in horsemanship.

अश्वारोही—घोड़सवार। [सं०]। तु० क० हि०, बं० असवार (दे०); **अश्वारोही**। रंग० १५१ अश्वारोहीक झुण्ड आदि)। *aśvārohī*—A rider.

अश्वास—असास पड़ब, परिश्रान्त भेला पर थाकनि मेटाएब। [सं० आश्वास]। तु० क० **दम मारव; उसास**। मधुश्रावणी ४८। *aśvāsa*—Breathing freely.

अश्विनी—१. सत्ताइस नक्षत्रमेसँ पहिल नक्षत्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं० असा०, ने० **अश्विनी**; प्राकृत **अस्सिणी**। प्रणम्य० १४० (चुचे चौल अश्विनीएमे लटकल छइ)। *aśvinī*—First lunar mansion out of twenty-seven Nakṣatras.

अश्विनीकुमार—त्वष्टाक पुत्री प्रभा नामक स्त्रीसँ जनमल सूर्यक दुइ पुत्रक नाम, एक गोट देववैद्यक नामविशेष। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज०, अव० **अश्विनीकुमार**। वर्ण० ६२ (धन्वन्तरि, अश्विनीकुमार...देववैद्य अधिकाइ) *aśvinīkumāra*—Name of the sons of the sun, Name of a doctor of the gods.

असलु—क्रि० लु० रु०। देखबा मे अबैछ। [अछ=अष+लु] वर्ण० ३६ (परिमल से कइसन अषलु)। *aṣalu*—*V. obs.* Is seen.

अषाढ़—आषाढ़, ओ मास जाहिमे पूर्णिमा पूर्वाषाढ़ नक्षत्रमे पड़ैक। [सं० आषाढ़] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अषाढ़। चन्द्र १६२ (अषाढ़मे नवीन मेघ); चित्रा २२ (सेवि कैं थिकैक मास ई अषाढ़)। *aṣāḍha*—Name of a month in the rainy season.

अषढ़िआ[1]—वि०। अखाड़ा पर लड़निहार। ...

कृ० । [अखाड़+इआ] चन्द्र २१ (हाथी ओ घोड़ा अषढ़िआ) । *ashaḍhiā—Adj.* Fit to give a fight.

अषढ़िआ²—'असढ़िआ ताक' कहल छन्हि—खेतीक हेतु गृहस्थक व्यग्रता पानि मेला पर भए जाइत अछि । *asaḍhiā²*—Belonging to *asāḍha*.

अष्ट—वि० । आठ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० नै०, अव०, अष्ट । वि० पदा० मजु० ११, न० गु० (१२) ५ क० ६१४ (अष्ट भैरवि सङ्ग मालिनी); राम० २६५ (सुन्दर आज छवि दिव्यक अष्ट) । *asṭa*— *Adj.* Eight.

अष्टक—श्राद्धक काल विशेष, ज्योतिषक दीपनि फल देवाक गणनारीति विशेष । [सं०] । *Asṭaka*—Name of a method of *śrāddha* or in jyotiṣa.

अष्टदल—वि० । पीठक प्रकार, आठ दल वा पातक, आठ कोनकेँ, आठ खाढ़ीक । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, नै०, अव० अष्टदल । मि० ५०१ (नीड़ा पिपरक पैघ पातकेँ अष्टदल कमलाकार राखि); मन० ४० (पुरइनिक पात आ बीच-बीच मे अष्टदल कमल अंकित रहइक) । *asṭadala—Adj.* Having eight petals, name of a form of common folk painting on the floor on auspicious occasions in the form of an eight-petalled (lotus-like;) figure.

अष्टदशओ—वि० । अठारहो । तु० क० । [सं०] अष्टदश+उ (ओ) । वर्ण० ४७ (गन्धार प्रभृति अष्टदशओ दे जाति से अलंकृत) । *asṭadasao—Adj.* All the eighteen.

अष्टद्रव्य—आठ द्रव्य—अश्वत्थ, गुलरि, पाकड़ि, वट, तिल, सर्षप, दूध तथा घृत—जे हवनकेँ कार्यमे अबैछ । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अस०, नै० अष्टद्रव्य । *asṭadravya*—The eight sacrificial substances.

अष्टधा—वि० । आठ प्रकारेँ । [सं०] । मि० ४२२ (धर्म स्मृति वचनक अनुसार अष्टधा विभक्त दिनक अष्टम सातम भागमे कएल करथि) । *asṭadhā— Adj.* Eightfold

अष्टभुजा—आठ बाँहि वाली दुर्गा । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, नै० अष्टभुजा । जगन्नाथपुरी यात्रा ५५ । *asṭabhujā*—Goddess having eight arms.

अष्टम—वि० । आठम । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नै० अष्टम । पुरु० १६४ (ततय चौथक आविष्कयसी अष्टम ओंजलि सुवर्ण आयार्थ माक० मध्यहि धरतीमेरा कहल), मोद ६६–६ (अरिष्टकर अष्टमो चितल वर्ष ई मीहकेँ) । *asṭama*—Eighth.

अष्टमि(मी)—शुक्लपक्ष तथा कृष्णपक्षक आठम तिथि । [सं०] । तु० क० बं०, हि०, अस०, नै० अष्टमी । वि० पदा० मजु० ५७८ (अष्टमि दिन महापूजा निसि बलि); मन० ८ (भादव कृष्ण अष्टमी आनी); राम लालदास १२१; प्रभ० १६८ (ओहि दिन अष्टमी शुभ रहैक) । *asṭami(mī)*—The eighth day of the lunar fortnight.

अष्टयाम—आठो पहर वा दिन राति, बहुधा एतेक कालक भगवन्नाम आदिक कीर्तन । [सं०] । राम० १६ (कृतार्थ लोक अष्टयाम) । *asṭayāma*—Eight equal parts of the day and night.

अष्टसाहस्त्रिका—वि० । आठहजार श्लोक आदि जाहिमे रहैत छैक । [सं०] । वर्ण० ६१ (अष्टसाहस्त्रिका पारायणी) । *asṭasāhasrikā—Adj.* Work containing eight thousand verses.

अष्टसिद्धि—योगद्वारा प्राप्त भेनिहार आठ अलौकिक शक्ति यथा अणिमा, लघिमा, गरिमा, महिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० अष्टसिद्धि । पुरु० १० (अष्टसिद्धि तोहरा मात) । *asṭasiddhi*— The eight superhuman powers.

अष्टहु—अष्ट (दे०) केर विश्व० रू० । पुरु० २३३ (ध्यान धारणा अष्टहु अङ्ग योग करथित साक्षात्कार होइ मिथैन्हीं) । *asṭahu*—Emphatic form of *asṭa* (q.v.)

अष्टाङ्ग—वि० । आठो अंग, योगक क्रियाक आठ भेद यथा—यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान आओर समाधि । आयुर्वेद शास्त्रक आठ अंग । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नै० अष्टाङ्ग । *asṭāṅga—Adj.* Having eight parts.

अष्टादश—अठारह । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नै० अष्टादश । वर्ण० ५१ (अष्टादश जातिरत), मो० २२–२६ (६४ वेद व्यास जनिकाएँ अष्टादश पुराण ख्यात भय) । *asṭādaśa*—Eighteen.

अष्टाध्यायी—संस्कृत व्याकरणक प्रसिद्ध ग्रन्थ, जाहिमे आठ अध्याय छैक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नै० अष्टाध्यायी । मि० उदा० १५८–१२ (व्याकरण सूत्रक प्रणेता पाणिनि अष्टाध्यायीमे) । *asṭādhyāyī*—Name of famous Sanskrit Vyākaraṇa work having eight chapters.

अष्टावक्र—१. एक ऋषि २. जे मनुष्य जकर अंग आठ ठाम टेढ़ होइक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नै० अष्टावक्र । राम० १४४ (अष्टावक्र देखल हम आजना); कन्या २३ (हम अष्टावक्र मुनिक सामाने मसिवीत भिखहुँ) । *asṭāvakra*—Name of a sage.

अष्टोत्तर—वि० । आठ अधिक (एक सए) । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अस०, नै०, अष्टोत्तर । मि० ४२१ (गायत्री जप अष्टोत्तर सहस्र ठाढ़ भेल करथ करथि); कन्या २६ (अष्टोत्तर शत रुद्राक्षमाला देखि); विश्व ६६ (जपति सतजय अष्टोत्तर

सत नाम !) । *āṣṭottara—Adj.* Eight more (used with hundred or thousa nd)

𑒁𑒮¹ **अस¹**—लु० का० रू० । क्रि० वि० । एहि प्रकारें, एहि तरहें, एना कएलन्हि अछि । [सं० ईदृश अथवा एत] । तु० क० हि० **ऐसा** । कीर्तिलता ५८ (अस पथ एक चोड़ गणिअ न होइ सरह चासर भाषा) । *asa¹—Obs.* P. F . *Adv.* Like this.

𑒁𑒮² **अस²—क्रि०** । लु० का० रू० अछि । ई अर्थ मजु० कयलन्हि अछि । [सं० अस्ति > असि > अस] । वि० पदा० मजु० २२ (आकास पाताल बस से ओ कइसे गेल अस) । *asa²—Obs. P. F. V.* Is.

𑒁𑒮𑒍𑒛 **असओड**—नावीक साजक एक नाम । लु० रु० । [सं०] । वर्ण० ६८ (स-ारी वेहलि **असओड** नौका संभृति समन्वित ह) । *asaoḍa - Obs.* An epuipment for the boat.

𑒁𑒮𑒏(𑒏𑓂𑒏) **असक(क्क)—वि०** । शक्तिहीन । गर्भिणी (स्त्री), असमर्थ, रोगी [सं० अशक्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, **असक** प्राकृ० असक्क । कीर्तिलता ४८ (पुहवी तासु **असक्क** की जसु प्रसन्न सुरतान); गौरी परिणय १३ (**असक** परलि गिरिरानी) *asaka(kka)—Adj.* Weak, pregnant (wo nan).

𑒁𑒮𑒏𑒞𑒰𑒃(𑒋)𑒥 **असकताइ(ए)ब—क्रि०** । आलस्य करब (दी०) । [आसकति + इ (एब)] । मि० भा० वि० ५१८, मि भा० प्रकाश ५८ *asakatāi(e)va—V.* To feel sluggish.

𑒁𑒮𑒏𑒞𑒰𑒯(𑒯𑒱)² **असकताह(हि)²**—वि० । आलस्यसँ युक्त, रोगी [आसकति + आह(+ इ)] । भलमानुस १६८ *asakatāha (hi)—Adj.* Full of laziness.

𑒁𑒮𑒏𑒞𑒱 **असकति**—वि० । शक्तिहीन । [सं० अशक्ति) । तु० क० मै० **असकति** हि० असकति । *asakati—Adj.* Without strength.

𑒁𑒮𑒏𑒮𑒰𑒯𑒱 **असकसाहि—स्त्री०** वि० । दुर्निवारि । वि पदा० [अशक्य + साहब]मजु० १६३; न० गु० ७२४ (रितुपति वेकताएल **असकसाहि**) । *asakasāhi—Adj.* Fem. Difficult to control.

𑒁𑒮𑒏𑒴𑒩 **असकूर**—असंनिधि (दी०) । [सं० असौकर्य] । असौकर्य *asakura*—Distantness, difficult.

𑒁𑒮𑒏𑒵𑒞 **असकृत**—पुनः पुनः, बारम्बार । [सं० अ + सकृत्] । मि० ६७ (एवं एहन **असकृत** त्रुटि हाए शब्दे); मि० ५४ (बेतिआधीशकाँ अमुक्त बुभैने **असकृत** पलैं) । *asakṛta*—Agan and again.

𑒁𑒮𑒏𑓂𑒞 **असक्त**—अशक्त (दे०) केर वा० रू० । राम ३५७ (संग असक्त विरक्त); मो० उदा० १५७-१२ (बनथि फकीर **असक्त**) । *asakta*—Coll. of *aśakta*.

𑒁𑒮𑒑𑒢𑒲 **असगनी**—नूआ वा वस्त्र टंगबाक डोर । [असज्यति अथवा आलम्बयति, आलस Turner 61 IAL, Turner 67 1479)] तु० क० **अरगनी** । प्रण० ५२ (**असगनीक** फन्दासँ गरदनि छोड़बैत); रंग १० (**असगनीपरसँ** सभक धोती कुर्ता उतारि ल क गेलैक) । *asaganī*—A stick or rope for hanging clothes.

𑒁𑒮𑒑𑒢𑓂𑒡 **असगन्ध—अश्वगन्ध** औषध विशेष (दी०) [सं०] । तु० क० हि० **असगन्ध** । *asagandha*—A kind of medicine.

𑒁𑒮𑒑𑒩 **असगर**—वि० । एकसर, एकगोटे, एक सँ बेशी नहि । [सं० एकशः] । तु० क० बं० एकला, हि० अकेला; उत्तर राम० ६६ फुलवारी ५ । *asagar—Adj.* Alone, lonely.

𑒁𑒮𑒑𑒳𑒢 **असगुन**—वि० । अशुभ, अमंगल अकल्याण । [सं० अशकुन] । तु० क० हि०, ने० **असगुन** । मि० १४५४ । राम० ५० (**असगुन** मुनि मन चिन्ता भाव) । *asaguna—Adj.* Inouspicious.

𑒁𑒮𑒑𑒼𑒞𑓂𑒩 **असगोत्र**—वि० । आन भिन्न वंशक । [सं०] । महि० ३८-१२-६ (**असगोत्र** सपिण्ड पुनि जाकर शरीर निरोगा) । *asagotra—Adj.*—Not belonging to the same *gotra.*

𑒁𑒮𑒒𑒢𑒲 **असघनी**—**असगनी** (दे०) केर वा० रू० । भारती १६१ (बाँसक फट्ठी हथजोड़सँ **असघनी** बनहैते देखलक) । *asaghanī—Coll.* of asagani (q.v.).

𑒁𑒮𑒓𑓂𑒏 **असङ्क**—वि० । शंका विहीन, शंका वा भयसँ रहित । [सं० अशङ्क] । राम० १४५ (पुरी **असङ्क** दसानन धाम) । *asanka—Adj.*—Fearless, without doubts.

𑒁𑒮𑒓𑓂𑒑𑒞 **असङ्गत**—वि० । १. संगतिहीन, युक्तिशून्य, २. अन्याय । अन्याय । [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने० **असङ्गत** । *asṁgata—Adj.* Incongruous.

𑒁𑒮𑒖𑓂𑒖𑒢 **असज्जन**—वि० । दुर्जन, जे सज्जन नहि हो, जे आदरणीय नहि हो । [सं०] । तु० क० ने० बं० **असज्जन** पुरु० ७७ (एखन **असज्जन** मैत्रीक विपत्ति छुटल); मेघनाद ८१ । *asajjana—Adj* Not respectable, not gentle.

𑒁𑒮𑒞 (𑒞𑓂𑒞) **असत (त्त)**—वि० । १. मिथ्या अस्तित्वहीन, सत्तारहित २. खराप । [सं० असत्, असत्य) तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, **असत** । राम० २७६ (ओतय न लेस **असत** व्यवहार); महेश० ६ **असत** अभिलाषित मोर मन); म० वि० १३६ (**असत** धटक धर भेल उपहास), मोद उदा० १५७४ (अनाचार अधर्म **असत**) कन्या० २२४ (**असत्तक** विश्वास भय गेलैन्ह जे हमही बैसल छी) । *asata* (tta) *Adj.*—Unreal.

𑒁𑒮𑒞𑒰 (𑒞𑓂𑒞𑒰) **असता (त्ता)**—असत (दे०) केर वि० रू० । १. सत्तारहित २. बिनु सत्ताक वा अधिकारक । [अ + सत्ता] । (माधव आब कि बोलब **असता** हे); मिहि २८-२-११ (कोनो वस्तुक सत्ता वा **असत्ताक** व्यवस्थासँ कोनो प्रयोजन नहि) *asata (tta)*—Alt. form of *asata* (q. v.) Powerless, not existent.

𑒁𑒮𑒞𑒲 **असती**—वि० । जे सती नहि हो, कुलटा व्यभिचारिणी स्त्री । [सं०] । तु० क० हि० बं०, **असती**; प्राकृ० **असई** । चन्द्र १३३ (जानि बुझि **असती**); मोद १२४-४ (दुख सौं कतै सती तथा

असती कुछ पावै); स्त्री कर्त्तव्य ३१ । *asatī—Adj.* Unchaste (woman).

असत्य—वि० । मिथ्या, १. झूठ २. अवास्तविक ३. अनिश्चित फलवला । [सं०] । तु० क० हि० बं० असत्य, नै०, अ०, असत्य; प्राकृ० असच्च; तु० असाच । कहुर० ७७ (सत्यक नाम पर कतह असत्यक) । *asatya—Adj.* untrue unreal.

असत्यता—मिथ्यात्व । [सं०] तु० क० हि० बं० असत्यता । खट्ट० १०१ (राजनीतिक असत्यता प्रगटी देखा देलहु) । *Asatyatā*—untruthfulness.

असदरे—वि० । १. अधरे २. असगरे । [अ+सदर (सर्वत्र)] । वर्णं० १ । (सकरी सदर भलिके असदरे) *asadare*—Naked, Alone.

असदर्थ—[सं०] । अनुचित विषय, प्रतिकूल अर्थ । सं० । वर्ण० (अनेक ये असदर्थ) । *asadartha*—Improper objects.

असदाचार—अधलाह आचरण । (सं०) । तु० क० हि०, बं०, असदाचार । मि० मि० ६४ (पतिकहा असदाचार स्वकर्म अथवा पहि हिन्दू समाज कें जा सबसँ अधिक मान्हइ सर्वां कें अवःपतित कैलक) । *asadācāra*—Evil conduct.

असदृश—वि० । १. असमान २. अयोग्य, अनुचित । [सं०] । तु० क० हि० बं० असदृश । *asadṛiśa—Adj.* Inequal, improper.

असद्भाव—१. अस्तित्वक अभाव २. कुटिल वा शत्रुतापूर्ण विचार भावा व । [सं०] । तु० क० हि० बं०, असद्भाव प्राकृ० असब्भाव । *asadbhāva*—Non-existence, wicked, or inimical feeling.

असद्भावना—नीक भाव वा विचारक अभाव । [सं०] । शिव प्रसाद १२ *asadbhāvanā*—Lack of good feeling.

असदभिमान—अनुचित गर्व । [सं०] । अमद्दुत ७ । *asadabhimāna*—Improper pride.

असद्व्यवहार—अधलाह व्यवहार । [सं०] । मौ० १०४-६ (इतबा मुसलमान असद्व्यवहार करैत कनेको नहि लज्जित भेल) । *asadvyavahāra-Adj.* Evil behaviour.

असद्वृत्तशाली—वि० । अनाचारी, अधलाह वृत्तिवला । [सं०] । मौ० ३०-३१-१२७ (असद्वृत्तिशाली मैलासँ तिरस्कार औ दण्डक भागी भिकषि) *asadvṛttaśālī—Adj.* Illbehaved.

असन[1]—भोजन । [सं० अशन] । तु० क० हि० बं०, असन० नै० असन । वि० वि० (असन भुसुरफल भसम भवम्बर) । *asana*—Food.

असन[2](नो) एक प्रकारक वृक्ष, पीतशाल । [सं०] । तु० क० प्रा० असया; असन; म० असन । वर्ण० ६७ असन गोक); मि० पदा० मञ्जु० २. राग त० २१०; भ० २६१ (नयन देखिअ जनि असन कमल दल) । *asana* (no) A kind of tree.

असनान(ने)—स्नान (दे०) केर ग्राम्य रूप । (सं० स्नान) । तु० क० हि० असनान । वि० पदा० मञ्जु० १७५ (कामिनी करु असनाने); गी० श्री० १ अमर ८ (उबथक साथ तबहु मौर मदल अमिआँ करब असनान), वि० ८० १० (आवि कएल असनानें); वि० प० १६ (औ सब असनान मधल भल); (११३ प्रथमहि कमल करत असनान); चन्द्र० ८४ (तनकहि जल असनान) । *asanāna* (e) Folk of form *snāna.* (q.v.)

असनी—अश्वनी (दे०) केर ग्राम रू० । अम्ब १६ । *asanī*—Folk form of *aśvanī* (q.v.)

असन्तति—वि० । बिनु सन्तानक । (सं०) । मि० ४५० (चाह माधव ओर मैतै असन्तति के रहताह); मि० ५११ (राजा जब असन्ततिके परलोक सिधारल) । *asantati—Adj.* is useless.

असन्तुष्ट—वि० । जे सन्तुष्ट नहि हो, जे अघाए नहि, अतृप्त । [सं०] । तु० क० हि० बं० असं० नै० असंतुष्ट; मि० भा० वि० १४७; पुरु० २१६ (असंतुष्ट अति धूर्त मन); रंग० (ओ सर्वदा सबसँ असन्तुष्ट रहथि । *asantuṣṭa—Adj.* Dissatisfied.

असन्तुष्टि—१. सन्तोषक अभाव, २. अतृप्ति, ३. अप्रसन्नता । [सं०] । वर्ण० १२ (असंतुष्टि कृपा) । *asantuṣṭi*—Dissatisfaction.

असन्तोष—सन्तोषक अभाव, अतृप्ति । [सं०] पुरु० १६१ (असन्तोष सन आफलहु चित्त) । *asantoṣa*—Discontentment.

असन्तोषी—वि० । जकरा सन्तोष नहि होइक, जेकरा तृप्ति नहि होइक । (सं०) । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० असन्तोषी, असंतोषी । *asantoṣī—Adj.* Dissatisfied.

असपताल—अस्पताल (दे०) केर अशु० रू० । अम्ब ५५ । *asapatāla*— Err. of *asapatāla* (q.v.)

असपरस—अस्पर्श केर अशु० रू० । [सं० अस्पर्श] प्य० वि० २१४ (भूतक असपरस वे कहल से फोना हैत से की कहै छी) । *asaparasa*—Err. form of *sparśa.*

असपिण्ड वि० । जे सपिण्ड नहि हो; एक गोत्रहु मे जकरा सँ सात खाढ़ी ऊपर वा नीचाँ नहि जाय । [सं०] । तु० क० बं०, असं०, नै० असपिण्ड । मिह० ३६-१३-६ (असगोत्रा असपिण्ड पुनि जकर शरीर निरोग) । *asapiṇḍa Adj.*—Not or other than *sapiṇḍa.*

असफल वि० । जे सफल नहि हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, असफल । हिरागमन ५.३ (स्वाभाविक यत्नेवाक असफल भेला करैत बकलाह) । *asaphala—Adj.* unsucessful

असफलता—सफलताक अभाव, हारि, पराजय । (सं०) । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, राज० असफलता । मौ० १३४-३५ (असफलताक समीक्षा करैत-करैत हृदय हरि गेल) । *asaphalatā*—Unsuccessfulness.

𑒁𑒮𑒦𑓂𑒨 **असभ्य**—बि०। १ अशिष्ट, जे सभ्य नहि हो २ जे सभा। मे बैसवा योग्य नहि हो। (सं०)। तु० क० हि०, बं०, अस० ने० राज० असभ्य। प्राकृ० असभ *asabhya—Adj.* uncivilised.

𑒁𑒮𑒦𑓂𑒨𑒞𑒰 **असभ्यता**–सभ्यता वा शिष्टताक अभाव। [सं०]। तु० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असभ्यता द्विरा० १६७ (पान के असभ्यता सूचक बुझि लिपिष्टिक कें महत्व देवय लगलीह)। *asabhyatā*—Incivility.

𑒁𑒮𑒧 **असम** बि०। जे समान वा तुल्य नहि हो [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस, ने० राज० असम। पुरु० ७ (असम समर संसार विक्रमादित्य)। *asama—Adj.* Inequal.

𑒁𑒮𑒧𑒁 **असमअ**—असमय (दे०) केर रूप। राम० ३५ [असमअ पसि अनला पाप)। *asamaa—Coll* of *asamaya*

𑒁𑒮𑒧𑒘𑓂𑒖𑒮 **असमञ्जस**—१. दुविधा, किंकर्त्तव्यविमूढ़, पेशोपेश २. कठिनाइ। [सं०]। तु० क०, हि०, बं०, अस०, ने० राज०, प्राकृ० असमंजस असमञ्जस। राम० ३६ (असमञ्जस अपयश जन सहब); चन्द्र ८१ (संग्रह असमञ्जस समुदाय); मि० उदा० १५६–२० (ई असमञ्जस देखि उक्त प्रिंसिपल कहलथिन); मो० ६७–१८ (केहन असमञ्जस !); प्रग० ३ (हमरा असमंजस मे पड़ल देखि; कन्या० १२६ (मि० मिश्राकें असमञ्जसमे पड़ल देखि)। *asamañjasa* In dilemma.

𑒁𑒮𑒧𑒢𑓂𑒡𑒱𑒏 **असमन्धिक**—बि०। असम्बन्धितक, अशु० रू०। [सं०]। सम्बन्धित नहि रहनिहार। राम० २६२ (असमन्धिक जनकें) *asamandhika*—A nonrelative. erform of asambandhika. (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒨 **असमय**—विपत्तिक समय, अघलाह समय, कुअवसर। [सं०]। तु० क० हि०, बं० ने०, अस०, रा०, अव०, असमय। वि० ने० १४८ (समय न वरिसस असमय मोर); वि० प०१० मजु० १०८ रामभद्रपुर पोथी १८८ (असमय पसि आलाना पाप); गो० श्व० १ अमर० २६ (ए धनि दूर कर असमय मान); राम० २°५ असमय ज्ञान धर्म्म ही लोप); चन्द्र० २०८ (परिहर मानिनि असमय मान); मि० २४७ (पद्मावती साहेबक असमय ओ अज्ञान अनवरत मेला सँ ओहू ठामसँ मन उछटलैन्ह); नव ७१ (बाप असमय ये मुइल रहइक); शतदल १८ (जल बनि अ मय मे देल बना)। *asmaya*—Bad times.

𑒁𑒮𑒧𑒩𑓂𑒟 **असमर्थ**—बि०। १. सामर्थ्यहीन, निर्बल, २. अयोग्य। [सं०]। तु० क० हि०, अस०, ने०, राज० असमर्थ। मै० हि० सा० (३-४) ३० (सर्वथा असमर्थ रहै छथि); मो० १००–६ (असमर्थ पुरुष कदापि विवाह नहि करथि); रु्द्र० ३३ (भोग करबाये असमर्थ भ गेलाह); प्रग० २७ (जमाय असमर्थ भ गेलाह); द्विरा० २३ (स्त्री अबला ओर आत्मरक्षामे असमर्थ छथि); । *asamartha—Adj.* weak, incompetent.

𑒁𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞 **असमस्त**—बि०। सम्पूर्ण नहि, खण्डशः। [सं०]। मि० मा० प्र० ३३। *asamasta—Adj.* Not all, incomplete.

𑒁𑒮𑒧𑒮𑒰𑒢 **असमसान**—समसान (दे०) केर बा० रु० [सं० श्मशान]। मि०। *asamasāna*—Coll of śmasāna (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒡𑒹𑒨 **असमाधेय**—बि०। जे समाधान करबा योग्य नहि हो। [सं०]। मि० ४३३ (अपन अपन प्रश्न असमाधेय जानि ठेकनौने स्वदेशसँ लबैत छलाह)। *asamādheya—Adj.* Insolvable.

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢[1] **असमान**[1]—आसमान (दे०) केर ग्रा० रु०। मि० २०८; B. P. L 385; पारो ३३ (फेर असमान दिश ताकय लगलहु)। *asamāna*[5]—Folk f. of *āsamāna* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢[2] **असमान**[2]—बि०। समान नहि, छोट-बा वैष। *asrmāna—Adj.* not identital, but less or more.

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢𑒲 **असमानी**—आकाशक नीलिमा सदृश रंग। [असमान+ई]। य० वि० २६६ (असमानी रंग)। *asamānī*—Colour corresponding to that of the sky, agu e.

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢𑒹 **असमाने**—असमान (दे०) केर का० रु०। राम० ७७ (संग कलंक हुअओ असमाने)। *asamāne*—Poet f. of *asamāne* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒯𑒱𑒞 (𑒯𑒴𑒞𑒼) **असमाहित (हूतो)**—बि०। चंचल, अस्थिर, असावधान, एकाग्रतासँ रहित चित्त। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, असमाहित। उपनिषद दीपक ११; मि० ४३५ *asamāhnt*—Emph. form of *asamāhita* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒲𑒣 **असमीप**—बि०। जे लग नहि हो, दूर। [सं०]। नि० मा० वि० ४८। *asamīpa—Adj.* Not near distant.

𑒁𑒮𑒧𑒳𑒢𑒱 **असमुनि**—एक मुनिक नाम। [सं०]। वर्ण ५३ (जेउखीक असमुनि अइसन कान)। *asamuni*—Name of a sage.

𑒁𑒮𑒧𑒹𑒡 **असमेध**—अश्वमेध (दे०) केर का० रु०। वि० पदा० मजु० ८. बं० सा० प० पत्रिका १३०१ पृ० ३० न० गु० ०. श्र० १००७ (राजसूय असमेध जहाँ)। *asamedha—Poet* of *aśvamedha* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒣𑒳𑒭𑓂𑒙𑒱 **असम्पुष्टि**—सम्पुष्टिक अभाव [सं०]। मै० ग० संग्रह ११। *asampuṣṭi*—Absence of confirmation.

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒥𑒠𑓂𑒡 **असम्बद्ध**—बि०। परस्पर सम्बद्ध नहि, फराक-फराक [सं०] तु० क० अस० असम्बद्ध। शिव प्रसाद ११; मृच्छकटिक १६३; रुद्र० १०. (ततेक असम्बद्ध नहि)। *asambaddha—Adj.* Unrelated, out of context.

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒦𑒫 **असम्भव**—बि०। जे सम्भव नहि अछि, जे होअयवला नहि अछि। [सं०]। तु० क० हि०, बं० ने० असम्भव। वि० पदा० मजु० १३७, न० गु० तालपत्र ३०, अ० २६ (अरथ असम्भव कें पातआए); राल० १६८ (युद्ध असम्भव असुरसौं नहि होइछ मन थीर); पुरु० १६७ (सपरिवारक दूर गमन असम्भव; मि० उदा० १५८–१२ (लिखय असम्भव बुझि पड़ैछ); मो० ६६–१५ (समावेश होएबो

असम्भव): पारी ४८ (एक बक अभिनवीन ऐ असम्भव) । *asambhava*—*Adj.* Impossible.

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒦𑒰𑒫𑒱𑒞 **असम्भावित**—वि० सम्भावना रहित । [सं०] । तु० क० असo, असम्भावित । मि० १४६ (असमय की असम्भावित आशाक अनवरत मेलासँ) । *asambhāvita*—*Adj.* Improbable

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒧𑒞 **असम्मत**—वि० । १ विरुद्ध, प्रतिकूल । [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने० असम्मत; असo आसैमत । नवाल कुम्बला परिच्छेद २ । *asammata*—*Adj.* Opposed, unacceptable.

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒧𑒞𑒱 **असम्मति**—१ सम्मतिक अभाव, विरुद्ध मत, २ अनादर, अश्रद्धा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने० असम्मति । (हमरा अहाँ पर बड़ असम्मति भ गेल) । *asammati*.—Loss of faith.

𑒁𑒮𑒧𑒩𑒢 **असमरन**—स्मरण (दे०) केर ग्राम्य रूप । [सं० स्मरण FML 120] । *asamarana*—Folk form of *smaraṇa* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒫𑒰𑒠𑒱𑒞 **असम्वादित**—वि० । अतुलित । [सं० असंवादित] । मिथिला २-४६ (बङ्गला भाषा एवं साहित्यक असम्वादित आदि कवि एवं अनमोल रत्न रहलाह) । *asamvādita*—*Adj.* Unparalleled.

𑒁𑒮𑒨𑒰𑒢 **असयान**—वि० । चतुर नहि, [अ+सयान] । तु० क० बं० असयान । वि० प०ा० मजु० १३०, मिथिला न० यु० ५२६, अ० ५२४ (नागर सब पहु भेल असयान) । *asayāna*—*Adj.* Unskilful.

𑒁𑒮𑒩 **असर**—प्रभाव, चिन्ह, गुण । [अ०] । तु० क० हि०, ने० असर । खट्० ६६ (बातमे दुधीक असर रहैत अछि) *aasar*—Result, sign.

𑒁𑒮𑒩𑒝 **असरण**—अशरण (दे०) केर ग्रा० रू० । पदावली परिणय १० । *asaraṇa*—*Coll* of *aśaraṇā* (q. v.)

𑒁𑒮𑒩𑒢 **असरन**—असरण (दे०) केर वि० रूप । वि० पदा० मजु० १०५ असरन सरन नरन सिर नाओल; गौरी परिणय १ (असरन सरन सकल भय सुनिअ दुख नासन एक बौल) । *asarana*—*Alt. asaraṇa* (q. v.)

𑒁𑒮𑒩𑒤𑒲 **असरफी**—सोनाक बनल सिक्का । [फा०] वि० । तु० क० ने० असर्फी; असo आचरफि । *asarāphi*—Golden coin

𑒁𑒮𑒩𑒮 **असरस**—वि० । १ सरस नहि, शुष्क, तु० क० नीरस । [सं०] । स्मृति कथा १४ । *asarasa*—*Adj.* Without relish or charm.

𑒁𑒮𑒩𑒰[1] **असरा**[1]—आसरा (दे०) केर ग्रा० रू० । मि० १३ (नाकर अर्हां आनक असरा पर चलैत छथि) । *asarā*[1]—Folk form of *āsarā* (q.v.)

𑒁𑒮𑒩𑒰[2] **असरा**[2]—लकड़ीक ऊपरका भाग । [सं० शिरः < सिरा, सीरा, सरा] । तु० क० उ०, बं० असरा । *asarā*[2]—Top part of a wooden log.

𑒁𑒮𑒩𑒰[3] **असरा**[3]—आसाम देशक कछारमे उपजऽ बला एक प्रकारक धान । [सं० आषाढ़ीय] । *asarā*[3]—A kind of paddy which is grown in Assam.

𑒁𑒮𑒩𑒰𑒋𑒥 **असराएब**—क्रि० । धातुकें ठोकि ठोकि कए पसारब (दे०) । [अ+सं० सारय् > सरा+एब, धातव्य प्रत्यय] । *asarāeba*—*V.* lengthening of a metal piece by beating it

𑒁𑒮𑒩𑒹𑒐𑒰 (𑒐) **असरेखा (ख)**—असलेखा (दे०) केर विक० रू० । डाकवचनामृत १४ BPL 1082; अपूर्व रसगुल्ला १ । *asarekhā* (sa)—Alt. form of *aśleṣā* (q.v.)

𑒁𑒮𑒩𑓂𑒡 **असर्ध**—वि० । १ जकरामे ककरो आचार-विचारक प्रति श्रद्धा नहि होइक । २. घृणित, जकरा पर श्रद्धा नहि होइक । [सं० अश्रद्धा] । चित्रा ३२ (हमि घर्षित असर्ध लागे) । *asardha*—*Adj.* Disgustling, repulsive

𑒁𑒮𑒪 **असल**—वि० । १. सत्य, ठीक २. श्रेष्ठ, वैध, ३. शुद्ध, बिना मिलावटिक । [अर० असल] । तु० क० हि० बं०, असo, ने०, मैo असल । वर्ण ३३ (अनेका असल वाक्य बीतहते आइ); पुरु० १७ (छत्रधारी छत्री असल); पारी १६ असलदात पीसीसँ बात भेल); नवo २ (असल जेतो रहहमि पवित्रताक दिया सपत); *asala*—*Adj.* True, pure, authentic.

𑒁𑒮𑒪𑒰𑒝(𑒢) **असलाण(न)**—राजा कीर्त्ति सिंहक समकालीन मुसलमान राजा क नाम । कीर्त्तिलता, ३७ (जैहाँ तोहें तहाँ असलान कीर्त्तिलता ४६ (पकलि दौमी असलाण गय) । *asalāṇa* (na)—A muslim king contemporary of Raja Kirttisimha.

𑒁𑒮𑒪𑒱𑒁(𑒨)𑒞 **असलिअ(य)त**—१ वास्तविकता, तथ्य २ मूल कारण । [अर० असलियत] । तु० क० उर्दू असलियत । (वस्तुक असलियत पर मनुष्यक ध्यान नहि जाइछ) । *asalia (ya) ta*—Reality, main reason.

𑒁𑒮𑒪𑒱𑒪 **असलिल**—अश्लील (दे०) केर अशु० रू० । मिहिर ४०८२०-२६ (ववैत गीत असलिल गबैत) । *asalila*—Err. form of *aślila* (p.v)

𑒁𑒮𑒪𑒲 **असली**—वि० । १ सत्य, ठीक, विशुद्ध २ मूल, प्रधान [अर० असली] । तु० क० हि०, उर्दू असली । प्रणo १७ (असली चोर बनारसँ मंगा दिवौन्ह) । *asalī*—*Adj.* Appropriate, pure, significent.

𑒁𑒮𑒪𑒹 **असले**—असल (दे०) केर निश्च० रूप । प्रणo १५७ (असले बस्तु छुटि गेल); कन्या० ६५ असले सत्यहुगी अवतार) । *asale*—*Emph.* of *asala* (q. v.)

𑒁𑒮𑒪𑒹𑒐𑒰 **असलेखा**—अश्लेषा (दे०) केर ग्रा० रू० । BPL 108 । *asalekhā*—Folk form of *aśleṣā* (q. v.)

𑒁𑒮𑒫𑒩𑓂𑒝 **असवर्ण**—वि० । भिन्न वर्ण वा जाति केर । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, मैo, राज०, अव० असवर्ण । व्यवहार

वि० २३६; शकुन्तला ना० ११ । *asavarṇa—Adj.* Of a different caste, loss, *Cāṇḍāla*.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒩 **असवार**—वि० । कोनो सवारी वा पशुपर चढ़ल व्यक्ति । का० रू० [सं० अश्ववार > अस्सवार > असवार] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असवार । वर्ण० ३२ (एक असवार देखुआइ); कीर्तिलता ५२ (आस पुरावइ असवार कइ); ऐ० ८८ (असवार चलन्ते पाअ धलन्ते पुहवी भए जा छोटी); मन० ४४ नेकक पिठि नारद असवार); राम० २१० (बहुत पदाथि अश्व असवार); चन्द्र १०० (हर बूढ़ बड़द असवार); गौरी परिणय (बूढ़ बड़द असवार दिगम्बर की देखिवइलह ताही); मै० लोक गीत ३३४ । *asavāra—Adj.* P. F. Driver, rider.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒩𑒢𑓂𑒯𑒱 **असवारन्हि**—असवार (दे०) केर बहुवचन रूप । वर्ण० ३५ (असवारन्हि के विलम्हअ) । *asavāranhi*—Horsemen.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒫(𑒥) **असवाव(ब)**—सामान, वस्तु, । [अर०] । वि० प० ४० (सिजिल कयल असवाव); कन्या० ७० (ओहिमे असवाव रखबावय लगलाह); रंग ५७ (हुनक कुली असवाव लय हमरा लग ठाढ़); ढिरा० ११६ (हम एसगरे सभ असबाबो चढ़ा लेब); ससरफानी २७ । *asavāva(ba)*—Luggage.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒬𑒪 **असवासल**—क्रि० । का० रू० । आश्वासन देल [सं० आश्वासन] । गो० शृं० २ अमर २३ (गोविन्द दास मिसहि असवासल अबपु न नोलल कान) । *asavāśala—V.* Poet F. consoled.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒮 **असवास**—वस्त्रादि । का० रू० । [सं० वास] वि० पदा० मञ्जु० १०८, रामभद्रपुर पोथी १८८ (साजनि अबकेत देह असवास) । *asavāsa*—P. F. Garments.

𑒁𑒮𑒮𑒢 **अससन**—वि० । एहन सन, एहन सन क्रम [सं० अस्य > अस + सं० सम > सन] । चन्द्र ७५ (अससन व्रत नहि) । *asasana—Adj.* of this likely kind.

𑒁𑒮𑒯 **असह**—वि० । नहि सहबा योग्य, असाध्य [सं० असह्य] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, असह । वि० पदा० मञ्जु० ३६५ (हिय नहि सहय असह दुख रे); गो० शृं० १ अमर० ६१ (समर शर सम शर शशिकर, सशिकर असह सहय तनु शेषे); राम० १६३ (असह विपति विच कंसक घातक); मै० हि० सा० ३ (२-३) (पतित लोकक असह दुर्दशा); शतदल २ (रखलें तुकाय ई असह क्लान्ति) । *asaha—Adj.* Unbearable.

𑒁𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑 **असहयोग**—संग मिलिकए कार्य नहि करबाक भावना । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, असहयोग मि० उद० १५८–७ (आब असहयोगक वायु चलाओल अछि) । *asahayoga*—Non-cooperation.

𑒁𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑𑒱𑒞𑒰 **असहयोगिता**—सहयोगीक अभाव, वा विरोध होएब । [सं०] । मि० १११ (परिवारसँ श्रोत्रियलोकनि असहयोगिता कै हुनका वारि देल) । *asahayogitā*—Absence of cooperation.

𑒁𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑𑒲 **असहयोगी**—वि० । जे असहयोग करए । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०; राज० असहयोगी । मि० उद० १५६–१५ (दोसर दिश असंख्य असहयोगी) । *asahayogī—Adj.* Non-cooperator.

𑒁𑒮𑒯𑒰𑒖 **असहाज**—वि० । असाध्य (दे०), जे सहाज वा सह्य नहि कएल जाए सकए । [सं० असह्य] । *asahāja—Adj.* Intolerable.

𑒁𑒮𑒯𑒰𑒢𑒳𑒦𑒴𑒞𑒱 **असहानुभूति**—सहानुभूतिक अभाव । [सं०] । *asahānubhūti*—Absence of sympathy.

𑒁𑒮𑒯𑒰𑒨 **असहाय**—वि० । जकर केओ सहाय नहि होइक, निराश्रित, अनाथ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असहाय; उ० असाहा । राम० ११० (सीता नहि जानय असहाय); राम० २५० (चिन्तातुर रावण असहाये); एकावली परिणय १२६; मो० ८७–६ (दीन-दुखी असहाय) । *asahāya—Adj.* Helpless.

𑒁𑒮𑒯𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 **असहिष्णु**—वि० । जे सहन नहि कए सकए, असहनशील । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, राज० असहिष्णु । मि० उद० १५०–२१ (असहिष्णु भए संगीसँ कहलन्हि); नव० ६८ (आधुनिक युग दिश हुनक नजरि असहिष्णु नहि होइन्ह) । *asahiṣṇu—Adj.* Intolerant.

𑒁𑒮𑒯𑒲-𑒠𑒳𑒮𑒯𑒲 **असही-दुसही**—वि० । जकरा दोसराक नीक देखल नहि जाय, नीक सँ नीक वस्तुकेँ दुसि देनिहारि । अधिकतर एकर प्रयोग स्त्रिगणक लेल होइत अछि । (देपा दीदी आजुक नहि सबदिनक असही-दुसही थिकी); मै० लोक गीत १३३ । *asahīdusahī—Adj.* A habitual fault-finder (esp. a woman)

𑒁𑒮𑒯𑓂𑒨 **असह्य**—वि० । सहन नहि करबा योग्य, असहनीय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० असह्य । राम० १७५ (बुरला वस्तु असह्य विचारि); महेश० ३४ (असह्य आधि व्याधि कर्म;) (मो० १००–१३ (असह्य भए जाइछ); नव० ५ (बाबूकेँ असह्य बुझि पड़तैन्ह कोनो कोठलीमे बन्द कर देताह) । *asahya—Adj.* Unbearable.

𑒁𑒮𑒰𑒃 **असाइ**—कीटविशेष (दी०); पशु आदिक घाओ पर माछी द्वारा छोड़ल गेल एक प्रकारक पिलुआ । [उर्दू अंशाइ] । (महिसक घाव पर असाइ बहुत विशेष पड़ि गेलैक अछि) । *asāi*—An insect.

𑒁𑒮𑒰𑒜𑒲𑒏𑒼𑒩(𑒢) **असाढ़ीकोर(न)**—आषाढ़ मासक कोड़नि वा कमैनी । [आषाढ़ + कोड़व] B.P.L 1009, 866 । *asāḍhīkora(na)*—A special hoeing in the month of *āṣāḍha* (q. v.)

𑒁𑒮𑒰𑒠𑓂𑒡 **असाद्ध**—वि० । असाध्य (दे०) केर ग्राम्यरूप । तु० क० उर्दू असाद्ध । *asāddha—Adj.* folk form of *asādhya* (q. v.)

𑒁𑒮𑒰𑒡 **असाध**—वि० । असाद्ध (के०) केर विकल्प रूप । अप्रतीकार्य (दी०) । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असाध । *asādha—Adj.* Alt. form of *asāddha* (q. v.)

𑒁𑒮𑒰𑒡𑒢 **असाधन**—वि० । साधन सँ भिन्न, जे साधन नहि हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, असाधन; प्राकृ० असाहण । *asādhana—Adj.* That which is not the means.

𑒁𑒮𑒰𑒡𑒰𑒩𑒝 **असाधारण**—वि० । जे साधारण नहि हो, असामान्य । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, असु० असाधारण; प्राकृ० असाहारण । प्रया० २ (ई कोनो असाधारण व्यक्ति थिकाह) । *asādhāraṇa—Adj.* Extraordinary.

𑒁𑒮𑒰𑒡𑒳 **असाधु**—वि० । १ साधु नहि, २ दुर्जन, अनुचित, ३ अशिष्ट । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० असाधु । राम० १४९ (साधु असाधु चल स्त्र हात); चन्द्र १०२ (साधु असाधु हृदय मन पूरल); मिदि० ४०-१-७ (असाधु संसर्गक पाप नाश कै उपाय प्राणान्तक कष्ट संगने) । *asādhu—Adj.* Not Saintly, incorrect usage.

𑒁𑒮𑒰𑒢 **असान**—वि० । किछु कम (दी०) । असाजीन सेवी मा० क० डोहक (दी०) । [हि० आसान] । *asāna—Adj.* Easy.

𑒁𑒮𑒰𑒧𑒘𑓂𑒖𑒮𑓂𑒨 **असामञ्जस्य**—सामञ्जस्यक अभाव । [सं०] । साहित्य पत्र १-१४ । *asāmañjasya*—Absence of goodwill.

𑒁𑒮𑒰𑒧𑒨𑒱𑒏 **असामयिक**—वि० । जे समय पर नहि होअय; प्रसङ्गक विरुद्ध वा अननुकूल । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० असामयिक । मि० बर० १९७-२५ (असामयिक चिन्तनमे महाविघ्न भए गेलन्हि); मो० १४७-६५ (कलानन्द सिंहक असामयिक मृत्यु सँ बड़ क्षति भेल अछि) । *asāmayika—Adj.* Untimely, out of context.

𑒁𑒮𑒰𑒧𑒩𑓂𑒟𑓂𑒨 **असामर्थ्य**—१. दुर्बलता २. समुचित शक्तिक अभाव । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० असामर्थ्य । पुरु० ८१ (बालकक प्रति पालन असामर्थ्यसँ माता व्याधि भेलन्हि) । *asāmarthya*—Weakness, inability.

𑒁𑒮𑒰𑒧𑒰𑒢𑓂𑒨 **असामान्य**—वि० । जे सामान्य वा साधारण नहि हो, असाधारण । [सं०] । तु० क० हि०, असु० असामान्य । मन० १२ (व्यक्ति ओ कोनो असामान्य थिकाह) । *asāmānya Adj.* —Extraordinary.

𑒁𑒮𑒰𑒧𑒲 **असामी**—रैयति, मालगुजारी दए जमीन जोतनिहार । [अर० असामी] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, उर्दू असामी । महेश० ५१ (बंधुआ विवश असामी); प्रश० १८ (असामीसभक दरे जोतमे लगाही करैत छैक); विरा० १७८ (कतरो असामी छैक जे दार पहिकए हाकिम भर रहैत) । *asāmī*—A tax-paying tiller of the land (esp. of a landlord).

𑒁𑒮𑒰𑒩 **असार**—वि० । १. बिनु सत्वक, साररहित २. शून्य ३. खाली, तुच्छ ४. कमजोर, निर्बल ५. दरिद्र ६. सारिसँ भिन्न (दी०) । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, असु०, राज०, पा० असार । वि० पदा० मजु० ७८ रामभद्रपुर पोथी पद ३११ (सामनि मन्दिर भेल असार); वि० वि० ३२ (सुत मित धन जन सकल असार); राम० ८० (ई संसार असार सर्वदा); महेश० ७५ (ई असारमे मोहित); मि० बर० १५०-१८ (ई शरीर थिक परम असार) । *asāra—Adj.* Worthless, poor.

𑒁𑒮𑒰𑒩-𑒣𑒮𑒰𑒩 **असार-पसार**—वस्तुजातकेँ पसारब, पसारल वस्तुजात । [सं० अ + सारयति > प्रा० सारइ > सारब > सार + प्रसारयति > पसारइ > पसार] । *asāra-pasāra*—Lay-out.

𑒁𑒮𑒰𑒩𑒥 **असारब**—क्रि० । पीटि कए नाम्र बनाएब (दी०) । [अ + सं० सारयति > सार + अब धातुगत प्रत्यय] । *asāraba—V.* To lengthen (a piece of metal etc.) by beating.

𑒁𑒮𑒰𑒩𑒹 **असारे**—असार (दे०) केर निश्च० रू० । पुरु० २६८ (सर्वाङ्ग दोहल असारे) । *asāre*—Emph. form of *asāra* (q. v.)

𑒁𑒮𑒰𑒫𑒡𑒰𑒢 **असावधान**—वि० । जे सावधान किंवा सचेत नहि हो । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, राज० असावधान । पुरु० २११ (सवाक वचन सौँ असावधान भए गेलहुँ); मि० २४२ (बहुत काल असावधान रहैत छथि; वेदविद्यक पादरी २८ । *asāvadhāna—Adj.* Inattentive, careless.

𑒁𑒮𑒰𑒫𑒡𑒰𑒢𑒲 **असावधानी**—प्रमाद, बेफिकिर रहनाइ, [सं० असावधानता] तु० क० हि०, बं० असु०, ने० असावधानी । कन्यादान १४ (फुलमतियाक असावधानी सुनि लालकाकी अपन कुतुकरानीक मन बहलाबथि) । *asāvadhānī*—Carelessness.

𑒁𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 **असाहित्य**—१. सहयोगक अभाव २. संग नहि रहब, फराक रहब । [अ + साहित्य] । पुरु० १६९ (हमरा पुत्र सबहक असाहित्य कदापि नहि करब जाए) । *asāhitya*—Separatness.

𑒁𑒮𑒱 **असि**—तरुआरि, खड्ग । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, पा०, ने०, अव० असि; प्राकृ० असि । वि० पदा० मजु० २६६ (ए जाँघ असि कि कसि कए कारी); राम० १५६ (अपन सज्ज रहु असि लए हाथ); शब्दद० १२ (असि लौ भेल हाथमे) । *Asi*—Sword.

𑒁𑒮𑒱𑒂 **असिआ**—असि (दे०) केर का० रू० । चन्द्र० ४४ (पहिलौं भल लागए सभौ असिया) *asiā*—Poet. form of *asi* (q. v.)

𑒁𑒮𑒱𑒂𑒮 **असिआस**—अत्यायास (दी०), थाकनि । [सं० अत्यास] । *asiāsa*—Excessive effort (esp. tiredness as a result of it).

𑒁𑒮𑒱𑒂 𑒮𑒻 **असिआ सै**—एकसए अस्सी । [सं० अशीत्यधिकशत] । (FML 370) । *asiā sai.*—One hundred and eighty.

𑒁𑒮𑒱𑒏 **असिक**—ओष्ठ आ ठुड्डीकेर मध्यकेर भाग । [सं०] । तु० क० हि०, असु०, बं० असिक । बीर अङ्क १३ । *asika*—The part of the face between the lower lip and the chin.

𑒁𑒮𑒱𑒜𑒰𑒏 𑒛𑒰𑒩 **असिढाक डार** । (?) वृक्ष विशेष (प्रायः ढाकक प्रभेद) केर डारि । [असि + ढाक + डार] । वर्ण० ४२ (असिढाक डार कसमन बाड) *asiḍhāka ḍāra*—(?) Branch of a *ḍhāka* (q. v.) tree.

𑒁𑒮𑒱𑒞 **असित**—वि० जे उज्जर नहि हो, कारी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नं०, राज० असित । प्राकृ० असिअ । अमर ३४ (कृष्ण नील असित स्याम); मि० उदा० १२७-६ (असित हृदय थिक ओ) । *Asita—Adj.* Black.

𑒁𑒮𑒱𑒞𑒰𑒓𑓂𑒑 **असिताङ्ग**—वि० । १. कारी शरीरवला २. कारी रंगक । [सं०] । तु० क० हि० असिताङ्ग; ब०, ने० असिताङ्ग । वर्ण० असिताङ्ग रु कोशु । *asitāṅga—Adj.* Whose body is black.

𑒁𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 **असिद्ध**—वि० । १. जे सिद्ध व सिजहल नहि हो, पाकल नहि, काँच २. अकृत ३. निष्फल, व्यर्थ ४. अप्रमाणित । [सं०] । तु० क० हि०, ने० असिद्ध; बं० आसिजा; उ० असिफा । *asiddha Adj.*—Unboiled, immature.

𑒁𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱 **असिद्धि**—असफलता, अपूर्णता, अप्राप्ति । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असिद्धि । पुरु० ८२ (इच्छित कार्यक विषय असिद्धि) । *asiddhi*—Incompleteness, non-attainment.

𑒁𑒮𑒱𑒡𑒰𑒩𑒰 **असिधारा**—तरुआरिक धार वा तादृश भयप्रद कोनो विषय । [सं०] । तु० क० हि०, अस०, ब० असिधारा। द्विरा० १६४ (किन्तु एहन असिधारा व्रतक पालन करक हेतु) । *asidhārā*—Edge of a sword.

𑒁𑒮𑒱𑒡𑒰𑒩𑒱𑒝𑒲 **असिधारिणी**—वि०, स्त्री० । तरुआरि वा खड्ग धारण कएनिहारि । [सं०] । प्रण० १६६ (असिधारिणी दुर्गा जकाँ महिषासुर मर्दन करू) । *asidhāriṇī—Adj.* (A woman) carrying sword

𑒁𑒮𑒱𑒢𑒯𑒙 **असिनहट**—आसिन (दे०) ओ तत्समीपक समय (दी०) । (आसिन + आहट) (एहिबेर असिनहट धरि वर वान्हवाक विचार कय रहल छी) । *asinahaṭa*—The month of āsvina or the period or time immediately before and after it.

𑒁𑒮𑒱𑒢𑒲 **असिनी**—आसिन (दे०) केर अशु० रू० । अथवा आसिन सम्बन्धी (ग्राम्य रू०) । [सं० आश्विन] । FML 80 । *asinī*—Erratic form of *āsina*, Folk Form for something conerning *āsina* (q. v.)

𑒁𑒮𑒱𑒪𑒰𑒋 **असिलाए**—अलसाए (दे०) केर का० रू० । अथवा अरुआएब, मलिन होएब । तु० क० अलसायुद । वि० ने० (परसे जाए असिलाए) । *asilāe*—To wither up, P. form of *alasāe* (q. v.)

𑒁𑒮𑒱𑒪𑒰𑒋𑒪 **असिलाएल**—असिलाए (दे०) केर भूत रू० । वि० पदा० मजु० ६८ तालपत्र न० गु० ३७१, अ० ३६८ (सरोवर सौँ से कमल असिलाएल) । *asilāela*—Past tense form of *asilāe* (q. v.)

𑒁𑒮𑒲 **असी**—क्रि० वि० । एहन । तु० क० लु० रू० अइसन । वि० पदा० मजु० १८६ नेपाल २४० पृ० ८६ (कथा असी कथा ओसी पारि ओ आरि बासा) । *asī—Adv.* such.

𑒁𑒮𑒲𑒞 **असीत**—वि० । उष्ण, शीत वा ठण्ढा नहि । [सं० अशीत] । राम० ३४६ (असीत विलास) । *asīta—Adj.* Not cold, hot.

𑒁𑒮𑒲𑒞𑒩 **असीतर**—वि० । अस्सीसँ किछु कम वयसक लोक (दी०) । [अस्सी + तर] । *asītara—Adj.* A person less than eighty years of age.

𑒁𑒮𑒲𑒞𑒱 **असीति**—वि० । अस्सी । [सं० अशीति] । रस निर्भरणी ३५ । *asīti—Adj.* Eighty.

𑒁𑒮𑒲𑒧 **असीम**—वि० । १. सीमारहित २. अनन्त ३. अपार, अगाध । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० असीम । मि० २७४ (श्रीमान्क असीम कृपासँ ब्राह्मण मानल जाएब) । *asīma—Adj.* Unlimited.

𑒁𑒮𑒲𑒧𑒱𑒞 **असीमित**—वि० । १. जे सीमित नहि होअए । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असीमित । मधु० ३४ । *asīmita—Adj.* Unlimited.

𑒁𑒮𑒲𑒬(𑒭)(𑒮) **असीश(ष)(स)**—आशिष दे० केर का० रू० । गोरक्ष विजय १२ (क) (सेवा अइलहुँ देहु असीष); मि० उद० १२८-२० (मिथिला करथि असीस) । डा० उ० ना० ति० २५१ असीस । *asīśa* (ṣa) (sa)—Poet. form of *āśiṣa* (q. v.)

𑒁𑒮𑒳 **असु**—१ प्राण २ प्राणवायु ३ चित्त ४ जल ५ विचार ६ हृदय ७ वेदना, गरमी, ताप । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० असु । वि० पदा० मजु १६०, रामभद्रपुर पोथी पद ४१० (अनल फुकिअ हेरि असु) । *asu*—Breath, life.

𑒁𑒮𑒳𑒂 **असुआ**[1]—असुआएब (दे०) केर संक्षिप्त रूप । तु० क० असुआ = (मार: असुआ गेल आब ओ सिद्ध नहि होयत) । *asuā*—१ Short form of *asuāeba* (q. v.)

𑒁𑒮𑒳𑒂 **असुआ**[2]—आँउस (दे०) केर विक० रूप । एकप्रकारक भदइ धान । *asuā*[2]—Alt. form of *āsu* (q. v.)

𑒁𑒮𑒳𑒂𑒋𑒥 **असुआएब**—क्रि० । अत्यन्त शान्त भए पड़ि रहब [सं० असु विपरीतार्थक] (भरि दिनक थाकल मारल साँझे असुआ कए पड़ि रहैत छथि) । *asudeba*—V. Lying down tired, lifeless.

𑒁𑒮𑒳𑒂𑒋𑒪 **असुआएल**— वि० । असुआएब (दे०) केर भू० रू० । गाढ़ निद्रामे पड़ल । राम० १३३ (असुआएल अछि तें नहि जाए); नवम ४५: क० कू० ६८ । *asuāela—Adj.* Tired or exhausted.

𑒁𑒮𑒳𑒖𑒢 **असुजन**—वि० । का० रू० । अस्वजन । तु० क० असौजनिवा । एक दोसरासँ सम्बन्ध विच्छेद । [सं० अ + स्वजन] । मन० ३६८ (कौन कएल एहो असुजन) । *asujana—Adj.* One who is not a relation.

𑒁𑒮𑒳𑒮𑓂𑒞 **असुस्त**—वि० । दुःखित, रोगी । लु० रू० । [सं० अस्वस्थ] । अकबरनामा २५ । *asusta—Adj.* Unwell.

𑒁𑒮𑒳𑒮𑓂𑒞𑒰𑒯 **असुस्ताह**—वि० । किछु दुखित, किंचित दुःख युक्त (दी०) । [अस्वस्थ + आह] । *asustāha—Adj.* A little unwell.

𑒁𑒮𑒳𑒢𑓂𑒠𑒩 **असुन्दर**—वि०। सुन्दर नहि, अधलाह। [सं०]। ज्वाला ६६। *asundara*—*Adj.* Not beautiful.

𑒁𑒮𑒳𑒧𑒰𑒩 **असुमार**—वि०। अत्यधिक, अगणित। [फा०]। तु० क० बेशुमार। अम्ब चरित १६५। *asumāra*—*Adj.* Countless.

𑒁𑒮𑒳𑒩 **असुर**—१ दैत्य, राक्षस २. नीचवृत्ति, कायर ३. पृथ्वी, ४. सर्प ५. मेघ। [सं०]। मन० ४४ (यहि असुरक डर इन्द्र कराथि); श्रीकृष्णकेलिमाला १४ (सुनु सुनु अधम असुर रे); राम० ६७ (असुर भयंकर समर विरुद्ध); सङ्० ११६ (जहाँ असुर सभ कहाइ करैन्ह)। *asura*—Demon.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒰𑒩𑒱 **असुरारि**—असुरक शत्रु, देवता। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने०, असा० असुरारि। राम० २६ (अपनहि सौं असुरारि) *asurāri*—Enemy of demons, god.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒰𑒪𑒲 **असुराली**—असुरक समूह। [सं०]। पद्मावली परिचय १२१। *asurālī*—Group of demons.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 **असुरेन्द्र**—असुरसभहिक राजा, असुर सभहिमे श्रेष्ठ। [सं०]। तु० क० प्रा० असुरिन्द। राम लाल दास० २१५। *asurendra*—King of the demons.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒹𑒬 **असुरेश**—असुरक ईश वा राजा। [सं०]। राम० ६७ (दशमुख बिस भुज दस असुरेश)। *asureśa*—King or lord of demons.

𑒁𑒮𑒳𑒪𑒦 **असुलभ**—वि०। जे सुलभ नहि हो, कठिन। [सं० अ+सुलभ]। दिनमणि ४। *asulabha*—*Adj.* Inaccessible.

𑒁𑒮𑒳𑒫𑒱𑒡𑒰 **असुविधा**—असौकर्य, कठिनता। [सं०]। *asuvidhā*—Hardship, inconvenience.

𑒁𑒮𑒴𑒞𑒰 **असूता**—वि०। प्रसव रहिता (स्त्री), बाँझ। [सं०]। रंग० १२५ (असूता प्रसूता बनि गेलीहि)। *asūtā*—*Adj.* Issueless (woman).

𑒁𑒮𑒴𑒨𑒰 **असूया**—१. असहिष्णुता २. दोसराक गुणमे दोष देखब ३. क्रोध। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने०, असा० असूया। वर्ण० ४६ (असूया मद श्रम आलस्य); मालविकाग्निमित्र ४६; मि० मि० १ (न कि असूया या अवहेला); गी० १४४-१६ (गर्व असूया चपलता व्यभिचारी)। *asūyā*—Envy.

𑒁𑒮𑒴𑒩 **असूर**—असुर (दे०) केर का० रू०। मन० ९ (समर समर जत जुझत असूर)। *asūra*—Poet. form of *asura* (q.v.).

𑒁𑒮𑒴𑒪 **असूल**—वसूली, कर आदि केर प्राप्ति। [अर० उसूल]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० वसूल। नव ८७ (असूल तहसील लए हम थकल सहजे आओर कोतल)। *asūla*—Collection.

𑒁𑒮𑒹𑒮𑒩 **असेसर**—१. ओ व्यक्ति जे जजक फैसलामे विचार देबाक हेतु सुनल जाइछ २. कर लगओनिहार ३. ओ व्यक्ति जे बही-खाता आदि मे कर रकम निश्चित करैछ। [अं० असेसर]। तु० क० हि० असेसर। पारी ४३ (जमादार असेसर कोतवाल सभ जुटि क पहुँचलैन्ह); सहोदर १२; विवेची २६। *asesara*—Assessor.

𑒁𑒮𑒼𑒏 **असोक**—वृक्ष विशेष (दे०)। का० रू०। [सं० अशोक]। FML, मि०। *asoka*—P. F. A kind of tree.

𑒁𑒮𑒼𑒐 (𑒐𑒰) **असोख (खा)**—वि०। विचार शून्य, धृष्ट। [फा० शोख]। तु० क० शिशोख। मै० लो० गीत ७७। *asokha* (*khā*)—*Adj.* Impudent.

𑒁𑒮𑒼𑒑 **असोग**—अशोक (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञ्ज० १०६, तालपत्र नं० गु० ६१३, अ० ६१६, । (अहल असोग दीप दहु आनि)। *asoga*—*P. F.* of *aśoka* (q.v.).

𑒁𑒮𑒼𑒡𑒰𑒩𑒰 **असोधारा**—दहोबहो, बहइत नोर। [सं० अश्रु + धारा]। तु० क० बसोधारा। पारी ४ (असोधारा नोर बहल चल आइल)। *asodhārā*—Unending flow of tears.

𑒁𑒮𑒼𑒩𑒰 **असोरा**—घरक बाहरक हिस्सा वा भाग, बरंडा। [सं० आश्रय, प्रसर]। तु० क० असआरा, ओसारा, ओसार। *asorā*—Out side portion adjacent to a living room, verandah.

𑒁𑒮𑒾𑒏𑒩𑓂𑒨 **असौकर्य**—सौकर्यक अभाव, असुविधा। [सं० सौकर्य]। युग० ५० (असौकर्य नहि पाब); मिहिर ४१-११-१७ (प्रेसक असौकर्यसँ असामयिकताय अछि); नवतुरिया ५ (तुलकालीकनिकें असौकर्य कुव्याइन)। *asaukarya*—Inconvenience.

𑒁𑒮𑒾𑒖𑒢 **असौजन**—खएबाक वा पिबाक खएबाक व्यवहार (दे०)। [सं० अ+सौजन्य सं० स्वजन+युक्त]। *asaujana*—Absence of eating terms (esp. between two families)

𑒁𑒮𑒾𑒖𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿 (𑒨𑒰𑒿) **असौजनियाँ (याँ)**—वि०। असौजन (दे०) वला। एक दोसराक ओहिठाम सिद्ध अन्न नहि खेनिहार। [असौजन + इयाँ]। कन्या० ५४ (आओर ते बेथी असौजनियाँ छथि)। *asaujaniyā* (*yā̃*)—*Adj.* One who is not on terms of *saujanya* (q.v.).

𑒁𑒮𑒾𑒩𑒰 **असौरा**—असोरा (दे०) केर अशु० रू०। *asaurā*—I. form of *asora* (q. v.)

𑒁𑒮𑓀𑒏𑒪𑓂𑒣𑒱𑒞 **असंकल्पित**—वि०। जे संकल्पित नहि हो। [सं०]। मिहिर ३-१२-१०६। *asaṁkalpita*—*Adj.* Undesired, unintended.

𑒁𑒮𑓀𑒐(𑒐𑓂𑒨) **असंख(ख्य)**—वि०। असंख्य केर का० रू०, जकर गनती नहि हो अनगिनती, बहुत अधिक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० असंख्य। राम० ३४७ (मुनि असंख्य लेल संग साथ); पद्मावली परिचय ३५; मि० उद० १५६-१३ (सकलक दोसगली लोक असंख्य छल); गी० ६६-११ (असंख्य निज पूर्व पुरुषाक सचित्रो धर्म); मञ्ज० १६७ (असंख्य ऐश्वर्यहिमी)। *asaṁkhya*—*Adj.* Innumerable, countless.

𑒁𑒮𑓀𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞 **असंख्यात**—वि०। असंख्य, अपरिमित संख्याक। [असंख्य + आत]। मि० ४७७ (वरनेस्वरी अपन असंख्यात म्लेच्छ सेना सहित हुनक सामुख्य कए लड़लाह); रावणवध ४४। *asaṁkhyāta*—*Adj.* Countless.

𑒁𑒮𑓀𑒑𑒞 **असंगत**—वि० । १ अयुक्त २. अनुचित । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, **असंगत** । मि० १२ (हमरा जनैत असंगत होयत); मो० ११०–१३ (क्षुद्र बुद्धि लै बोधव होइछ परम **असंगत**); रंग २० (कोनो ततेक **असंगत** नहि); आमक० ४५ (आर्थिक परिस्थितिक प्रत्यक्ष अनुभवसँ **असंगत** नहि बुझि पड़ल) । *asaṅgata—Adj.* Improper.

𑒁𑒮𑓀𑒗𑒯𑒱 **असंझहि**—असँझा केर निश्च० रू०, साँझसँ पहिने । [अ + साँझ + हि] । कीο ल० ३४ (तौंड़ **असंझहि** मज्जुपुर विषधरहि करु वास) । *asaṁjhahi*—Emph. form of *asaṁjhā,* meaning before dusk.

𑒁𑒮𑓀𑒮𑓂𑒏𑒵𑒞𑒱𑒏 **असंस्कृतिक**—वि० । अशु० रू० । सांस्कृतिक नहि । [सं० असांस्कृतिक] । गो० काव्यालोक ४० । *asaṁskṛtika—Adj.* E. F. Not pertaining to culture.

𑒁𑒮𑓀𑒪𑒑𑓂𑒢 **असंलग्न**—वि० । जे संलग्न नहि हो, फराक, अ] सम्बद्ध । [सं०] । मि० ८६ (कतहु **असंलग्न** कथा कियो बजलाह); अलयांकुल प्रकाश ६ । *asaṁlagna—Adj.* Unconnected.

𑒁𑒮𑓀𑒮𑒰𑒩𑒲 **असंसारी**—वि० । जे संसारी नहि हो, विरक्त । सं०] । उपनि० दी० १२ । *asaṁsārī—Adj.* Unworldly (person).

𑒁𑒮𑓂𑒞 **अस्त**—वि० । १. तिरोहित, विलीन, अदृश्य । २. अवनतिग्रस्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **अस्त**; प्राकृ० **अस्त** । राम० २४ (तरनि अस्त भेल); चन्द्र १६१ (धर्म कर्म **अस्त**); मि० उद० १५७-२ (प्रताप सूर्यक **अस्त** कए देलक); चित्रा ५३ (ताहीठाँ होइत अछि **अस्त**) । *asta—Adj.* Setting in general, finished.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒓𑓂𑒑𑒞 **अस्तङ्गत**—वि० । डुबल, अधोगत । [सं०] । कुमार २२ । *astaṅgata—Adj.* Having set, fallen or declined.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 **अस्तप्राय**—वि० । पूर्ण अस्त नहि, अस्त जकाँ । [सं०] । गल्पाञ्जलि ६७ । *astaprāya—Adj.* Almost set or vanished.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒥𑒪 **अस्तबल**—घोड़सार । [अर० अस्तब्ल] । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने० **अस्तबल** । *astabala*—Stable.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒩 **अस्तर**—वस्त्र (जेना कोट, पेण्ट, आदि) केर तरका आधार मजबूत कर लेल देल गेल मोटका कपड़ा । [फा०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, उर्दू **अस्तर** । मो० ८०–११ (एकरङ्गाक **अस्तर** लगवाए); प्रण० १८६ (एक क्षण पहिने वैराग्य **अस्तर** चढ़ा देने छलाह) । *astara*—Lining.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞 **अस्तव्यस्त**—वि० । छितराएल, पसरल, उनटल-पुनटल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अस्तव्यस्त** । मै० हि० सा० (३–४) २८ (अस्तव्यस्त देखि पड़त); वेकफिल्डक पादरी ६; मै० नवीन सा० ८४ । *astavyasta—Adj.* Scattered.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒰𑒔𑒪 **अस्ताचल**—कल्पित पर्वत जे कि पश्चिम दिशामे अवस्थित अछि आ जकरा अढ़मे सूर्यास्त होइछ, अधोगतिक पराकाष्ठा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अस्ताचल** । वर्ण० ६५ (चिन्ताकेँ **अस्ताचल** गइ) । *astācala*—The imaginary western mountain behind which the sun sets.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒱𑒞𑓂𑒫 **अस्तित्व**—१. सत्ता, भाव २. विद्यमानता । [सं०] । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने०, **अस्तित्व** । मि० ३१३ (अपनेक अस्तित्व हुनका ज्ञान कराओल); मि० उद० १५८; आमक० ३ २ (तहिसँ एकरा कोनो अस्तित्व छैक) *astitva*—Existence, reality.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳 **अस्तु**—अव्य० । बेस, बड़ नीक, वार्ताक्रममे कोनो निर्णय वा प्रसङ्गक समाप्तिसूचक शब्द । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने० **अस्तु** । मै० हि० सा० (८–१२) ३ (अस्तु परामर्श नीके); मि० उद० १५८–७ (**अस्तु** जाइत अछि); मो० ८०–२ (**अस्तु** ई रूपै मुदित होथु); प्रण० ११ (**अस्तु** कोनो तरहेँ गजेन्द्र मोक्ष कैल गेल) । *astu*—*Ind.* All right, well (the matter ends).

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞𑒱 **अस्तुति**—स्तुति (दे०) केर ग्रा० वा० रू० । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने०, **अस्तुति** ललितेश्वर रंजन २ *astuti—Folk* form of *stuti* (q.v.)

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞𑒲 **अस्तुती**—अस्तुति (दे०) केर वि० रू० । सूक्ति सुधा ५ । *astuti—Alt.* form of *astuti* (q. v.)

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳𑒩𑒰 **अस्तुरा**—छूरा । [फा० उस्तरा] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, **अस्तुरा** । धातुपाठ ५ । *asturā*—Razor.,

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒼𑒢𑓂𑒧𑒳𑒐 **अस्तोन्मुख**—वि० । अस्त हैबालय उद्यत [सं०] । मि० दर्शन १६ (**अस्तोन्मुख** सूर्यक प्रतिबिम्ब पोखरिक स्वर्णिम तरंगमालापर हिलि डोलि रहल छलैक) । *astonmukha—Adj*—Almost setting, nearly vanished.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰 **अस्था**[1]—धन, स्थिति । [सं० अवस्था] तु० क० **अस्था**-पात (पात = सं० पात्रत्व) । अपूर्व २ (हुनका किछु **अस्था** छन्हिए नहि) *asthā*[1]—Wealth, status.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰 **अस्था**[2]—विशेष सेवा-शुश्रूषा वा आदर । तु० क० अवस्था । *asthā*[2]—Special service or respect.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 **अस्थान**—स्थान (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अस्थान) । *asthāna—Folk* form of *sthāna* (q. v.)

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰𑒨𑒲 **अस्थायी**—वि० । स्थायी (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अस्थायी** । *asthā(yī)—Adj.* Folk Form of *sthāyī.*

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱 **अस्थि**—हड्डी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अस्थि; प्राकृ० अट्ठि । वर्ण ५३ (त्वच **अस्थि** शिरा एतन्मय शरीर); राम० १२० (अस्थि कपाल पड़ल छल ढेर); मि० उद० १५७–२२ (अनेरो **अस्थि** पड़ि जाइन्हि); चित्रा ५० (**अस्थि** संचित भेल); रंग ६६ (केवल अस्थि ओ चमड़ा शेष रहि गेल छैन्ह) । *asthi*—Bone.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 **अस्थिप्राय**—वि० । हड्डी-हड्डी जागल, अत्यन्त दुर्बल । [सं०] । चौनीक लड्डू ६० । *asthiprāya —Adj.*

Emaciated, very weak, (reduced to) mere bones.

अस्थिर[1]—वि० जे स्थिर नहि हो, चंचल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्थिर; प्राकृ० अथिर; कुमार ४०। *asthira*[1]—*Adj.* Unfixed, Confused.

अस्थिर[2]—थिर (वि०) केर ग्रा० रू०। (अस्थिर नहु)। *asthira*[2]—*Folk form of sthira* (q. v.)

अस्थिरता—चंचलता, व्यग्रता; परिवर्तनशीलता। [सं०]। तु० क० हि० अस्थिरता। *asthiratā*—Unsteadiness, confusion.

अस्थिविवर—हड्डीक भितरका भूर। वर्ण० ५४ (अस्थिविवर प्रविष्ट भे रहास)। *asthivivara*—Hollow space inside or between the bones.

अस्थिसंचय(न)—अंत्येष्टि संस्कारक चेसर दिन मुरदाक जरल बाँचल अस्थिकेँ एकत्र करबाक क्रिया। एहि अस्थिकेँ बाद मे गंगा आदिमे प्रवाहित कए देल जाइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्थिसंचय। *asthisañcaya(na)*—The act of collecting the bones (esp. those of a burnt dead human body).

अस्नान—स्नान (वि०) केर ग्राम्य रूप। [सं० स्नान]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० असनान, अस्नान। राम० २६६ (करबाओल तनिका अस्नान)। *asnāna*—Folk form of *snāna* (q. v.).

अस्पताल—दवाखाना, चिकित्सालय, औषधालय। [अं० हॉस्पिटल]। तु० क० हि० हस्पताल। मि० (?) (कलकत्ताक अस्पतालमे प्रत्येक दिन आठ दस मृत्यु होइत छलैक); पारो २० (अस्पतालमे जा क देखोनि छलैथी)। *aspatāla*—Hospital.

अस्पन्द(न)—वि०। गतिहीनता, बिना कम्पनकेर रहब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज० अस्पन्द। वनकुसुम ४४, ४२। *aspanda(na)*—*Adj.* Unmoving, non-vibrating.

अस्पर्धा—स्पर्धा (वि०) केर ग्रा० रू०। [सं० स्पर्धा]। F. M. L. 120 *aspardhā*—Folk form of *spardhā* (q. v.).

अस्पष्ट—वि०। स्पष्ट नहि, अप्रकट; स्पष्ट (वि०) केर ना० रू०। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्पष्ट; अप० अफ्पष्ट। नव० ६० (अस्पष्ट न भाषल)। *aspaṣṭa*—*Adj.* Indistinct.

अस्पृश्य—वि०। स्पर्श नहि करबा योग्य। [सं०]। रमेश चन्द्र १३। *aspṛśya*—Adj. Untouchable.

अस्फुट—वि०। अस्पष्ट। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्फुट। कीचक वध १०; कथा पराग २४। *asphuṭa*—*Adj.* Unclear (esp. such pronunciation).

अस्म—पाथर। [सं० अश्मन्]। तु० क० हि०, बं०, ने० अश्म। शतदल १८ (अस्माक लग उपेक्षित भावि मरल)। *asma*—Stone.

अस्मदादि—सर्व० बहुवचन प्र० पु० केर रू०। हमसभ, हमरालोकनि। [सं० अस्मद् + आदि]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अस्मदादि। मिथिला २–४४८ (अस्मदादि स्थूल जनक बुद्धि प्रवेश नहि करी से भिन्न विषय थिक); मि० तद० २५७–३ (व्यवहृत अस्मदादि भीरुवान्वित भै चुप्प छी); मोद ६२–१० (प्रथम पुल्लिंगत व्यवहारे अस्मदादिक सम्बन्ध अछि)। *asmadādi*—*Pronoun.* We people.

अस्मानखोंचा—क्रि०। असाध्य कार्य करब (वि०)। [आसमान + खोंचब]। *asmānakhoṃcā*—*V.* To hit the sky.

अस्मानतारा—आतिशबाजीक एकटा प्रभेद (वि०)[आसमान + तारा]। *asmānatārā*—A kind of fireworks.

अस्यास—अभिलाषा (वि०) केर वि० रू०। वैदेही १६–१०१ (बैसी रहने अस्यास न भेल)। *asyāsa*—*Alt.* form of *asvāsa* (q.v.).

अस्वजनपत्र—विवाहक सम्बन्धक अवधवाहक विषय मे देल गेल पत्र वा लेख। विवाहक स्वीकृतिपत्र; मै० सं० श्री सम्पादक भाग २–२२। तु० क० असीजनिका। *asvajanapatra*—A document spelling out the custom of eating boiled rice (as relations).

अस्वस्थ—वि०। दुखित, रोगी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अस्वस्थ; प्राकृ० अस्सत्थ। राम० २३ (एक समय अस्वस्थ रहनी); मि० ४९२ (नी माय पिताक पर अधिक अस्वस्थ भेला पर)। *asvastha*—*Adj.* Unwell.

अस्वस्थता—रोग, दुःख। [सं०]। मिहिर ११–२०–१३ (अस्वस्थताक दूर करबाक हेतु औषधिक व्यवहार करैछ)। *asvasthatā*—Loss of health, the state of being unwell.

अस्वाभाविक—वि०। जे स्वाभाविक नहि हो, प्रकृति-विरुद्ध, कृत्रिम। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अस्वाभाविक। मि० २६४ (नारायण सेहो अस्वाभाविक कहथैह)। *asvabhāvika*—*Adj.* Unnatural, artificial.

अस्वीकार—स्वीकारक विपरीतार्थक शब्द, इनकार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्वीकार। मै० हि० सा० (३.४) ३० (यदि पण्डितजी अस्वीकार करथि); प्रबा० १२९ (बुद्ध कथा अस्वीकार क लेल); दिरा० १०१ (दाबल माइक बनि कए रहब अस्वीकार क देलथिन)। *asvīkāra*—Non acceptance.

अस्वीकृत(ति)—वि०। अस्वीकार कयल गेल। [सं०]। तु० क० उ० अस्वीकृत; हि०, बं०, ने०, असं० अस्वीकृत, अस्वीकृति। *asvīkṛta (ti)*—*Adj.* Disapproved (-al).

अस्स—अश्व (वि०) केर ग्रा० तु० रू०। कीर्तिपताका ३ (मुख प्रसन्न दिय अस्स)। *assa*—*Obs.* old form of *asva* (q.v.).

𑒁𑒮𑓂𑒮𑒪 **अस्सल**—असल (दे०) केर निश्च० रू०। नव० २३ (अस्सल बयस की थिकइन्ह)। *assala—Emph.* form of *asala* (q.v.).

𑒁𑒮𑓂𑒮𑒲 **अस्सी**—वि०। दसक अठगुना; एकटा संख्या विशेष। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने० अस्सी; अस० आशी। प्रगु० ३५ (अस्सी बीघाक चकता त घरे लग छैन्ह); नव० ५६ (अस्सी भरि सूति चारि भरिक माँड़इ)। *assī*—Eighty.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 **अस्त्र**—आयुध, हथियार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अस्त्र। वि० वि० ७ (गुरु पाद पद्म सेवि शस्त्र अस्त्र;) राम० ४२ (स्थापित अस्त्र त्रिपुरारिक अस्त्र)। *astra*—Weapon.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒰𑒑𑒰𑒩 **अस्त्रागार**—हथियार रखबाक सुरक्षित स्थान। [सं०]। तु० क० अस० अस्त्रागार *astrāgāra*—An arsenal.

-𑒁𑒯[1] **-अह**[1]—प्रत्यय लु० रू०। भेल छल। [सं० अभवत्] तु० क० रहए (थ)। बर्णा० २४ (लल मनत्र विचारइतेँ अह)। *aha*[1]—*Suffix obs.* Was (thus engaged).

𑒁𑒯[2] **अह**[2]—१. दिन, २. विष्णु, ३. सूर्य, ४. आकाश। [सं० अहन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अह। राम० ४ (अह अभिसार हर रतिला)। *aha*[2]—Daytime.

𑒁𑒯[3] **अह**[3]—अव्यय। सम्बोधन सूचक शब्द, एकर व्यवहार आश्चर्य, खेद आ दुःखमे होइछ। [सं० अहह]। तु० क० अह उह; हि० बं०, अस० अह। (अह हमरा ई सब नहि नीक लगैत अछि)। *aha*,—*Interjection* Used for expresseing surprise or sorrow.

𑒁𑒯𑒿[1] **अहँ**[1]—क्रि० वि०। नहि। नहि-नहि कहब। (अहँ नै चाही हमरा आर वस्तु)। *ahā̃*[1]—*Adv.* (oh!) no.

𑒁𑒯𑒿[2] **अहँ**[2]—अहाँ (दे०) केर का० रू०। राम १८ (सुन्दर शिशु सरुप अहँ थिये)। *ahā̃*[2]—Poet. form of *ahā̃* (q.v.).

𑒁𑒯(𑒯𑒿)𑒃(𑒲) **अह(हँ)इ(ई)**—अहीं (दे०) केर का० रू०। राम० २५६ (अहइ रहौ हनुमान सौं कात); पुरु० ४१ (अहई दूनू व्यक्ति जकाँ जन्मान्तरमे हमरहु स्वामिक अनुराग हयत)। *aha(hā̃)i(ī)* Poet form of *ahī̃* (q.v.).

𑒁𑒯(𑒯𑒿)𑒃𑒏 **अह(हँ)इक**—अहाँक (दे०) केर का० रू०। राम ६३ (नाम हमर अहइक सम काज); राम० १६६ (कार्य सिद्ध अछि अहइक पाय)। *aha(hā̃)ika*—Poet. form of *ahā̃ka* (q.v.).

𑒁𑒯𑒿𑒃 **अहँई**—अहाँ (दे०) केर निश्च० रू०। तु० क० अहीं। सीता स्वयम्बर २। *ahā̃ī*—Poet. of *ahā̃hi*—*Emph.* form of *ahā̃* (q.v.)

𑒁𑒯𑒑𑒩 **अहगर**—वि०। अथाह, अधिक। [सं० अथाह > अथह + गर > अहगर]। तु० क० अहरी, गहिँड़गर वैदेही-१९५४-१६। *ahagara*—Very much.

𑒁𑒯𑓀𑒏𑒰𑒩 **अहङ्कार**—गौरव, घमंड, गर्व। [सं०]। तु० क० हि० अहंकार। *ahaṅkāra*—Pride, egoism.

𑒁𑒯𑒩𑒱𑒮𑒱 **अहरिसि**—अहर्निशि (दे०) केर प्रा० लु० रू०। चर्या १६/४। *ahanis.*—*Obs.* old form of *aharniśi* (q.v.).

𑒁𑒯𑒠𑒢𑒰𑒧(𑒧𑒰) **अहदनाम(मा)**—प्रतिज्ञापत्र, एकरारनामा, ओ लेख वा पत्र जकरा द्वारा दू वा दूसँ अधिक व्यक्ति कोनो विषय पर प्रतिज्ञा करए। तु० क० अहदनामा। [फा०]। लघु मैथिली साहित्य ८८। *ahadanāma(mā)*—A written agreement.

𑒁𑒯𑒠𑒰𑒋𑒥 **अहदाएब**—क्रि०। अहदी (दे०) केर क्रि० रूप। 'विलम्ब करब', आलस्य देखाएब। (एतेक अहदाएल शोभा नहि दैत अछि)। *ahadaeba*—*Verb.* Verbal form of *ahadī* (q.v.)

𑒁𑒯𑒠𑒰𑒨 **अहदाय**—अहदाएब (दे०) केर प्रेर० रू०। वि० ने० २६६ (दुख अहदाय सहए के पारत)। *ahadāya*—Causative form of *ahadaeba* (q.v.)

𑒁𑒯𑒠𑒱𑒢𑒰𑒧𑒰 **अहदिनामा**—अहदनामा (दे०) केर विक० रू०। अकबरनामा ४१। *ahadināmā*—*Alt.* of *ahadanāmā* (q.v.).

𑒁𑒯𑒠𑒱𑒣𑒢(𑒢𑒰) (𑒢𑒲) **अहदिपन(ना) (नी)**—आलस्यशीलता (दीप०), अहदी (दे०)। *ahadipana (nā) (nī)*—Laziness.

𑒁𑒯𑒠𑒲 **अहदी**—वि०। आलसी, अकर्मण्य, ओ व्यक्ति जे कार्य नहि करए। [अर०]। तु० क० हि०, उर्दू अहदी। मि० स० रा० इ० (प्रस्तावना); खट्ट० १२१ (कतहु एहन अहदी भेटल रहथ)। *ahadī*—*Adj.* Lazy.

𑒁𑒯𑒢𑒱𑒬𑒱(𑒮𑒱) **अहनिशि(सि)**—क्रि० वि०। अहर्निशं केर का० रू०। दिन आओर राति [सं० अहर्निशं] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अहर्निशि; अहनिसि। गो० सं० ३ अमर ३५ (अहनिशि खलत पराने); वि० पदा० मजु० १२७, तालपत्र न० गु० ६४८ अ० ८६८ (तो जे जानसि दुख अहनिसि हमरा)। *ahniśi (si)*—*Adv.* Day and night.

𑒁𑒯𑒢𑒲𑒬 **अहनीश**—अहर्निश (दे०) केर का० रू०। मा० का० २४१ (अबे चलू मने अहनीश)। *ahanīśa*—Poet. form of *aharniśa* (q.v.).

𑒁𑒯𑒧 **अहम**—घमण्ड, गौरव। [सं० अहम् + कार]। तु० क०, बं०, ने०, अस० अहम। *ahama*—Egotism.

𑒁𑒯𑒧𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠𑒲 **अहमदाबादी**—वि०। अहमदाबादक वस्तु वा लोक। [फा०]। व्यवहार वि० ४ (अहमदाबादी स्कौट, बुक, पन्जी, मोएल, आबरावाँ, पनिसौला तेहन तेहन जे एहि पारसँ ओहि पार ओहिना झल-झल)। *ahamadāvādī*—*Adj.* Belonging to Ahmedabad.

𑒁𑒯𑒧𑒯𑒧𑒱𑒏𑒰 **अहमहमिका**—हम पहिने तँ हम पहिने एहि प्रकारक स्पर्धा (विशेष कए कोनो लाभप्रद व्यवसाय वा अवसरपर जेना नैवेद्य परसए काल); स्वतस्फूर्त कोलाहल। *ahamahamikā*—Emulation, competition, assertion of superiority.

𑒁𑒯𑒧𑓂𑒧𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠 **अहम्मदाबाद**—भारतक एक प्रसिद्ध शहर, गुजरातक राजधानी। [फा०]। अकबरनामा १०६, १०८। *ahammadāvāda*—Capital of Gujarat.

𑒁𑒯𑒧𑓂𑒧𑒢𑓂𑒨 **अहम्मन्य**—वि०। अहङ्कारी, गर्वयुक्त। [सं० अहम्मान्य]। कुमार १६। *ahammanya*—*Adj.* Proud.

𑒁𑒯𑒧𑓂𑒧𑒢𑓂𑒨𑒞𑒰 **अहम्मन्यता**—घमण्डक भाव। [सं० अहम्मन्यता]। मिथिला १–१८८ (एहि अहम्मन्यताकेँ चूर-चूर अछि)। *ahammanyatā*—Sense of superiority (esp. in persons).

𑒁𑒯𑒿𑒨𑒱𑒏 **अहँयिक**—अहीक (दे०) केर अशु० का० रू०। राम लाल दास १२४ (क)। *ahãyika*—Poet. Err. form of *ahīka* (q.v.)

𑒁𑒯𑒩¹ **अहर¹**—अधर (दे०) केर प्रा० तु० रू०। कीर्तिलता ३८ (अहर बिम्ब पफुरिअ)। *ahara*—*Obs.* old of erm *adhara* (q.v.).

𑒁𑒯𑒩² **अहर²**—दिन [सं० अहन्]। तु० क० हि० अहर; पा० प्राकृ० अह। (अहर देखल पहर देखल) महा० ना० ५१ (किराट किराटि दखुहुँ अहर जाय)। *ahara*—Daytime.

𑒁𑒯𑒩𑒥𑒱𑒧𑓂𑒥𑒿 **अहरबिम्बँ**—अधरबिम्ब केर पु० प्रा० विक० रू०। कीर्तिलता ४८ (अहरबिम्बँ पफुरिअ नयने कोकनदे कान्ति परिअवँ)। *aharbimba*—*Obs.* Old alt form of *adharbimba*.

𑒁𑒯𑒩𑒯 **अहरह**—दिन प्रति दिन। [सं०] मेघनाद ८०। *aharada*—Daily.

𑒁𑒯𑒩𑒰¹ **अहरा¹**—पक्षीक आहार (दे०)। [सं० आहार]। *aharā*—Food for the birds.

𑒁𑒯𑒩𑒰² **अहरा²**—पैघ अहरी (दे०) [सं० आहार्य]। *ahara* big *aharī* (q.v.).

𑒁𑒯𑒩𑒰𑓀𑒑𑒲 **अहरांगी**—राग विशेष। मा० का २२८ (अहरांगी ॥ ९ ॥)। *aharāṅgī*—Name of a musical melody.

𑒁𑒯𑒩𑒲(𑒩𑒰) **अहरी(रा)**—भोजन बनएबाक हेतु धरतीपर खनाओल गेल चुल्हि। तु० क० उ० अहिरा। [सं० आहार्य ?] *aharī(rā)*—Oven dug on the ground for temporary cooking.

𑒁𑒯𑒩𑓂𑒢𑒱𑒬 **अहर्निश**—क्रि० वि०। दिन-राति। [सं०]। मि० १० (अहर्निश मैथिलीक चेराउ जीमे नहि अनुभूति मे सकैछ); मि० उद० १५७-६६ (तथापि अहर्निश आनन्द भए सकैछ); मि० उद० १५७-६६ (तथापि अहर्निश शक्ति, भक्ति, श्रवण); द्विरा० ५७ (हृदय मन्दिरमे अहर्निश पूजन करैत रहली सतर)। *aharnisa*—*Adv.* Day and night.

𑒁𑒯𑒪 **अहल**—वि०। १. बिनु जोतल (खेत) २. ध्वंसयोग्य। [सं० अहल्य]। तु० क० हि० अहल; बं० अहल्य। वि० वि० १२ (चोर दरशन राखमो न अहल जाय)। *ahala*—*Adj.* Uncultivated (land), without crushing.

𑒁𑒯𑒪𑒦𑒼𑒩 **अहलभोर**—क्रि० वि०। १. एकदम अन्हरोखे, दिन होएबासँ पूर्वहि। [सं० अहल्य अथवा अहन्+भोर]। मिहिर ६६-२४-७३ (श्रीमान मिथिलेश्वरक सवारी अहलभोरे बेतिया गेल छल); पारो ६१ दोसर दिन अहलभोरे सीके पर्व नहौलक); कथा पराग २३। *ahalabhora*—*Adv.* Early in the morning or before the day (dawns).

𑒁𑒯𑒪𑒠𑒱𑒪𑒲 **अहलदिली**—क्रि० वि०। हलदिली (दे०) केर वि० रू०। विशेष घबराहटि वा बरकताहटि। तु० क० हलदली पैसि गेलनि। (अ+हला+दिल+ई)। माधवी माधव ५०। Excessive anxiety or hurry.

𑒁𑒯𑓂𑒪𑒰𑒠 **अह्लाद**—वि०। १. आनन्द २. आदर। [सं० आह्लाद]। बहुधा ग्रा० औ० ना० रू०। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० अहलाद। महेश० १२ (कतहु न कितहु अहलाद)। *ahalāda* ५०। *ahalāda*—*Adj.* Excessive joy, respect.

𑒁𑒯𑒪𑒳𑒁𑒯 **अहलुअह**—क्रि०। रहल अछि। विद्यमान अछि, प्रा० तु० हैरिया० ६०। [रहल+अछि>अछि>अह]। वर्षे० ६४ (संख रखलुक अनेक साजन साजइ अहलुअह)। *ahaluaha*—*V.* Is taking place.

𑒁𑒯𑒪𑓂𑒨𑒰 **अहल्या**—गौतम ऋषिक स्त्री। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अहल्या। राम० २४ (तनिक अहल्या नारि सुकुमारी)। *ahalyā*—Wife of sage Gautama.

𑒁𑒯𑒯 **अहह**—अव्यय। आश्चर्य एवं शोकसूचक शब्द। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अहह। पुष्प० २१४ (अहह अवाञ्छित भेल)। *ahaha*—*Ind.* Used for expressing wonder or grief.

𑒁𑒯𑒰 **अहा**—अव्यय। अकस्मात् प्राप्त दुःख अथवा आनन्दकेँ अभिव्यक्ति करएबला शब्द। [सं०]। तु० क० हि०, बं० असं० नै० अस० अहा। मै० हि० सा० १ (२-३) (अहा ! आइ आशालता फलि गेल); मौ० W–१० (अहा ! मन विहीन कै रहत मौद ओ बालकें)। *ahā*—*Ind.* Used for expressing sudden joy or sorrow.

𑒁𑒯𑒰𑒿 **अहाँ**—सर्व०। अहाँ, अपने। आदरार्थक मध्यमपुरुष एकवचन मे सम्बोधन सूचक शब्द। तु० क० ओहाँ, अहाँ। [सं० अहम् अर्थ विपर्यय]। तु० क० हि० आप। मन० २६ (के अछि एहन अहाँ का हरत); राम २१ (हे राम अहाँ फूल तोडि लाउ); मौ० कद० १५६-२। *ahā̃*—*Pronoun.* Hon. II person singular—You.

𑒁𑒯𑒰𑒞𑒰 **अहाता**—घेरा, हता, चहरदेबारीसँ घेरल जगह। तु० क० हाता [अर०]। चारिभाना कैथा २२। *ahāta*—A ground enclosed by a boundary wall. A defined area or sphere.

𑒁𑒯𑒰𑒩 **अहार**—आहार (दे०) केर विक० रू०। तु० क० हि० अहार। नन्द ६२ (अहार की !); महेश० ३२ (भूख लाग बिन भात अहार); पुष्प० २४५ (तरपि निराकुल दुब अहार), FML ३८८. *ahāra*—*Alt.* form of *āhāra* (q.v.).

𑒁𑒯𑒰𑒩𑒱𑒪 **अहारिल**—अहार (दे०) कयल केर प्रा० तु० रू०। वर्षा ३१।८; FML 72 C 35 MIA. *Ahārila*—*Obs.* old verb form of *ahāra* (q.v.)

अहारी—वि० । भोजन कयनिहार । [सं० आहार + ई] । तु० क० हि० अहारी । चर्य्या ३६।१ । *ahārī—Adj.* One who takes food.

अहारे(रो)—अहार (दे०) केर का० रू० । वि० ने० २५६ (विभूति भुषण कर बीस अहारे) । *ahāre (ro)*—Poetic form of *ahāra* (q.v.)

अहाहा—अ० । विस्मय वा खेदमे व्यवहृत होएबला शब्द । [सं० अहह] । तु० क० अहह । कन्या० १३६ (अहाहा हिनका नहि किछु ...) । *ahāhā*—Ind. Used for expressing surprise or pity.

अहि[1]—एहि (दे० केर विक० अशु० रू० । (जौं अहि सं हुनक रक्षा होन्हि) । *ahi*—Alt. F. form of *eh.* (q. v.).

अहि[2]—१. साप २. सूर्य, ३. पृथ्वी, ४. पथिक ५ सीमा ६. अश्लेषा नक्षत्र ७ राहु ८. नाभि ९. मेघ १० जल । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० अहि । कीर्तिलता ५४ (पअ-मोरे कोल अहि मोल कर कुरुम उलटि करवट्ट रे); वि० ने० ३८ (तरुण तिमिर दिन न जानए (पद) अहि सिर गए रोपि); वि० पदा० मजु० ८४ रामभद्रपुर पोथी पद ४०४ (कत महि अहि देहे दसमल चरने तिमिर घोर); राम २३१ (कच्छप अहि डल चल); चन्द्र० २३४ (अहि कुण्डल हारे); चर्य्या ७ (भनइ कान्ह मोहि अहि न पइसेइ); मि० भा० वि० २०७ । *ahi*[2]—A snake.

अहि[3]—अछि (दे०) केर बा० रू० । *ahi*[3]—Colloq. form of *achi* (q.v.).

अहिआरी—एक प्रकारक प्रहेलिका, अहल्या स्थान । वि० व० (तहँ सौं चल अएला अहिआरी) । *ahiārī*—name of a riddle song in marriages, folk f. *Ahalyasthāna.*

अहि(हिँ)क—अहीक (दे०) केर का० रू० । आनन्द विजय नाटक २१; मै० हि० सा० २ प्र० ३-४-१ (सतत अहिँक पद पंकज सेवी); चित्रा ३२ (अहिँक मधुमय भावना) । *ahi-(hī)ka—Alt.* of *āhīka* (q.v.).

अहिकान्त—एक प्रकारक पानिमहँक मूल्यवान पाथर । [सं०] । तु० क० वर्ण० ५५ (मुक्ता प्रवाल वावट, मेघ अहिकान्त) । *ahikānta*—A kind of precious stone.

अहिकारिक—प्राचीन राजाक ओहिठाम ३६ गोट पद वा स्थान सम्मानित सेवकक रहैत छलैक, ओहिमेसँ एक प्रभेद । [सं० अधिकारिक] । वर्ण० ६ (राजवल्लभ, स्थगोवित, अहिकारिक, नैबन्धिक) । *ah.kār.ka*—A kind of honoured courtier

अहिँकारी—अहिकारिक (दे०) केर वि० रू० । वर्ण० ६ (महसुआर, महत्त, अखडलि अहिँकारी आसनउधि) । *ahikārī—Alt.* of *ahikār.ka.* (q.v.)

अहिछ(च्छ)त्र—प्राचीन दक्षिण पांचाल जकरा तिकए अर्जुन गुरुदक्षिणामे द्रोणाचार्यकेँ देने रहथिन्ह । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, अहिच्छत्र । वर्ण० ४१ (कुर्म्म महाकुर्म्म अहिछत्र श्यामसन्ध) । *ahicha(ccha)tra*—An old historical name of a particular territory.

अहित—वि० । १. अधलाह २. शत्रु वा विरोधी, हानिकयनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० अहित । वि० पदा० मजु० १३०, तालपत्र न० गु० ३१६ अ० ३१५ (परहित अहित सदा विहि वाम); राम० १८६ (आयल निकट तेहन दिन अहित); पुरु० २०० (अहित मे पराक्रम करइत किलासँ); मी० ८-२ (शुभ चिन्हु अहितहुकाँ होओ) । *ahita—Adj.* Evil, bad, enemy.

अहिद्रा— निद्राक देवी । स्त्रि० । *ahidrā*—The Goddess of sleep.

अहिनवाल—प्राचीन ३० प्रकारक पटम्बरक (नीक वस्त्रक) एक प्रभेद । [अ + हीन + वाला, वाल] । वर्ण० २१ (गजवन्ध अहिनवाल देवाङ्ग) । *ahinavāla*—A kind of superior cloth.

अहिना—क्रि० वि० । एना (दे०) केर नि० रू० । तु० क० एहिना । एहि तरहेँ । कन्या० ७ (भौजीकेँ त अहिना रहै छैन्हि); चित्रा ३४ (घूमैत अहिना बूढ़); पारो ६६ (अहिना ओहू दिन इएह छितन मड़ड़ हमरा वजा अनने छल); शतदल ७ (जग जाग्रत जा अहिना अशोक) । *ahinā—Adv.* Emph. of *enā* (q.v.)

अहिनाथ—१. शेसनाग २. श्रेष्ठ साप [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० । अहिनाथ । मा० का० २१३ (हिम हिमकर-सित उर अहिनाथ) । *ahināttha*—The lord of the snakes, *śeṣanāga.*

अहिनि—अहिना (दे०) केर लु० प्रा० विक० रू० । वर्ण० ६८ (अहिनि सेनाओक लोके देघु) । *ahini—Obs.* old alt. of *ahinā* (q.v.)

अहिनी—नागिन, सर्पिणी । [सं०] । तु० क० हि० अहिनी; प्राकृ० अहिणी । *ahinī*—A she-snake.

अहिनो—अहिना (दे०) केर निश्च० रूप । *ahinā*—Emph. form of *ahinā* (q. v.)

अहिनौ—अहिनो (दे०) केर अशु० रू० । मिहिर ३८-४०-१५ (अहिनौ मे जनिक ही कृपा नित्यस्वरूप मे) । *ahinau—Erro. form of āhino* (q.v.).

अहिपन—अइपन (दे०) केर बा० रू० । तु० क० अरिपन । मो० ८७-२३ (उत्तमोत्तम रेखा अहिपन बनाइ); स्वरगन्धा २; कोबर गीत २७ । *ahipana—Coll.* form of *aipana* (q. v.).

अहिबात—सौभाग्य, सोहाग (दे०) । [सं० अविधवात्व > प्राकृ० अइहात > अहिवात] । तु० क० अइहब, ऐहब (दे०), अहिबातक पातिल पात्र जाहिमे बरैत दीप सोहागक निरन्तरताक द्योतक होइछ । *ahibāta*—Married bliss of a woman.

अहिबाती—स्त्री वि० । सौभाग्यवती स्त्री, जाहि स्त्रीक स्वामी जिबैत हो । [अहिबात + ई] । *ahibātī— Adj.*

Concerning a woman whose husband is alive.

अहिबी गहिबी—वि० । हेय वा नहि हेय । [अप्राप्त-प्राप्त] । मिथिर २-४१-६३ (२४) । *ahibīgahibī*—*Adj.* Sometimes useful (or welcome) and sometimes not.

अहिमान—अभिमान (दे०) केर प्रा० रू० । कीर्ति० १७ (अबे करिअ अहिमानक अवल सर्व कलि दान) । *ahimāna*—*old* form of *abhimāna* (q. v.)

अहियारी—अहिल्या स्थान केर नाम । तु० कं० अहिआरी (दे०) । मिथिलाचारयदर्श २ । *ahiyārī*—Name of *Ahilyāsthāna.*

अहिर—अहीर (दे०) केर विक० रू० । वि० पदा० मनु० १४४, रागतर० न० गु० १२५, अ० ८७१ (पुनु अहीर कुल जनम होलह); मि० वद० १२७-१० (अहिर वैश्य कुरमी सर्ववंशीय ब्राह्मीण); मि० वि० २८ । *ahira*—*Alt.* of *ahīra* (q. v.).

अहिरिनि—अहीर (दे०) केर स्त्री रू० । वि० पदा० मनु० ४८, न० गु० रागतर० २१७, अ० २१७. (आजीर कतय मत अहिरिनि नाह) । *ahirini*—Fem. form of *ahīra* (q.v.).

अहिरेवा—आह रे बाप (दे०) केर ग्रा० रू० दीर्घद्० २० । *ahirevā*—*Coll.* form of *āhi re bāpa* । (q.v.) Oh ! god.

अहिर्बुध्न—१ एगारह रुद्रमेसँ एक २ नगर भाद्र पद नक्षत्र । [सं० अहिर्बुध्न्य] । तु० कं० हि०, बं०, अहिर्बुध्न ; नर्दी० ५८ (अहिर्बुध्न विनाशी) । प्रा० वैष्णव सम्प्रदाय १६ । *ahirvudhna*—One out of the eleven Rudras.

अहिवर—साँपक राजा, महासर्प । [सं०] । मै० हि० सा० ३ (२-३) ४ (मुखुत कालीपति गिरिवर अहिवर धारीना) । *ahivara*—The Lord of snakes.

अहिवात—अहिबात (दे०) केर विक० रू० । अवेहा० ६८ (जुग-जुग अहिवातक उमाक मनाउ); कन्या० ३ (भगवती अहिवातक पनीलि रमयुता); विक० ४ (अहिवातक राजिल गौरि-काचि) । *ahivāta*—*Alt.* form of *ahibāta* (q.v).

अहिवाती—अहिबाती (दे०) केर विक० रू० । *ahivātī*—*Alt.* form of *ahibātī* (q. v.).

अहिषेक—अभिषेक (दे०) केर प्रा० तु० रू० । कीर्तिलता ६८ (चारि वेद भँकार सुइ मङ्गल अहिषेक विविजय) । *ahiṣeka*—*Obs.* old form of *abhiṣeka* (q. v.).

अहिंसक—वि० । १ जे हिंसा नहि करय, जे ककरो दुःख नहि देअय । [सं०] । तु० कं० हि० बं० असा० ने० अव० अहिंसक; प्राकृ० अहिंसण । रुद्र० २६ (सबसँ बढ़का अहिंसक विक कनेरक गाछ) । *ahiṁsaka*—*Adj.* Non-violent.

अहिंसा—ककरो दुःख नहि देब वा वध नहि करब । [सं०] । तु० कं० हि०, बं०, असा० ने०, अव० अहिंसा । गी० १-५ (अहिंसा भावात्मक शब्द थिक) । *ahiṁsā*—Non-violence.

अहिहव—वि० । अहिवात (दे०) केर अशु० रू०, सधवा, जकर पति जिवैत छैक । तु० कं० विहव (दे०) । [सं० अविधवा > प्राकृ० अहइवा > अहिहव] । व्यवहार विज्ञान २०३ । *ahihava*—*Adj.* One whose husband is alive.

अही—वि० । अहि (दे०) केर निश्च० रू० । मिथा ३१ (अही चिन्तामे छदे, लागल रहे छी); (ओ अही केर फलैत पाछ बैसल अछि) । *ahī*—*Emph.* form of *ahi* (q. v.).

अहीँ—अहाँ (दे०) केर निश्च० रू० । मन० २६ (अहू हमर सब केओ थिकहुँ); राज० ३०२ (विरचि अहीँ छी); मि० ३१ (अहीँ हुनु भागि सुकरलवा); मघु० ४४ (कृष्णुन अहीँ वीद नाउ) *ahī̃*—*Emph.* form of *ahā̃* (q. v.).

अहीँक—अहाँक (दे०) केर निश्चय रू० । [अहाँ + ही > (ई) + (क] मना० २०७ (मानल वचन सदर्थ अहुँकें); मरिस २० (मानलें मत माथ बानर अहुकें); प्रयो० ११६ (अहीँक बदिन अहल्यावाय) पारो १४ (अहुक भरोस अछि; नव २१ (अहीँक हे बराबर रही); राव० ४ (अहीँक मुस्केरी पर) । *ahī̃ka*—*Emph.* *ahā̃ka* (q.v.)

अहीर—एक जाति जकर काज माल-जाल पालिस राखब तथा दही-दूध बेचब दोहब, गोआर । [सं० आभीर] । तु० क० हि०, बं०, मरा०, ने०, भो०, राज० अहिर । वि० पदा० मनु० (मानल भेल अहीर); मन्द १८३ (नहि किछु लौक अहीरक भाव) । *ahīra* form of —Cowherd.

अहु[1]—प्रत्यय । निश्चयात्मक अर्थमे जेना पढ़ु, करबहु । FML 577 । *ahu*—*Suff.* added to words to indicate the inclusive sense i. e. to make an emphatic orm.

अहु(हुँ)[2]—अहूँ (दे०) केर प्रा० का० (अनु०) रू० । अहाँ + अहु उ] । वि० पदा० मनु० ५६८ (अहुँ मन न अरिअ गेयान) मि० २४० (अन्मति अहुँ हुलक सन्तति) । *ahu* (*hũ*)[2]—Old poet. (Fml.) form of *ahū* (q. v.).

अहुखन—अइखन (दे०) केर विक० रू० । सुमति २ । *ahukhana*—*Alt.* form of *aikhana* (q. v.)

अहुठ—साढ़े तीन, तीन आ आधा । [सं०] अध्युष्ठ अथवा अर्ध + चतुर्थ > प्राकृ० अद्धुअट्ठ > अहुअट्ठ > अहुठ] । तु० क० हुठा, हि० अहुँठ, भो० अहुठ । वर्ण० १४ (अहुठ हाथ दीर्घ) । *ahuṭha*—Three and a half.

अहुना—अ(ए)हुना (दे०) केर निश्च० रू० । पारो ३५ (फुर्सा अहुना कयो बनैथि); नव० १२ (अहुना किछो करइत) । *ahunā*—Emph. form of *ahinā* or *ehinā* (q. v.).

अहुरिआ(या) काटब—क्रि० । छुराछी मनक मीतारिक कार्य नहि भेला पर मोन औनाए लागब । [सं० आतुर + इक] । मिथा १४ (अहुरिआ काटक मललना हाय) । हिरा० ११० अहुरिआ काटय लगलीह) । *ahuriā(yā) kāṭaba*—V. to

be extermely embarrassed.

अहू—एहू (दे०) केर बा० रू० । धारो १७ (तोरा गामक फुचाइ भा अहू गाम ऐल रहथि) । *ahū—Coll.* form of *ehū* .(qv.)

अहूँ—अहाँ (दे०) केर निश्च० रू० । मि० उदा० १६–६ (अहूँ ओकनि आइ गजा शक्तिहुँ) । *ahū̃—Emph.* of *ahā̃* (q.v.)

अहुछिआ(या)—(क्रि०) अहुरिआ (दे०) केर बा० रू० । मिहि० २६–३६–४ (आप अहुछिया करत अछ) । *ahuchiā(yā)—Coll.* form of *ahur.ā* (q. v.)

अहुठाँ—ए (अ) हिठाम (दे०) केर निश्च० रू० । विद्या ६३ (अहुठाँ सखि सूसलधार वर्षा हएत) । *aduṭhā̃*—Emph. form of *eiṭhāma* (q. v.)

अहे—अव्यय । सम्बोधन सूचक शब्द । [सं० हे (दे०)] । तु० क० हि०, अव०, बं०, **अहे** । तु० क० **आहे** (दे०) । वि० पदा० मञ्जु० २०४ (**अहे** सखि अहे सखि लए जुनि जाहे); गो० श्रृ० १ अमर० १५ (गोविन्ददास भन अहे नन्द नन्दन रह किय पिरितिक रीति) । *ahe—Ind.* Interjection of address.

अहेतु—वि० । बिना हेतुक वा कारणक, व्यर्थ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, **अहेतु** । राम० ३५७ (भक्ति **अहेतु** विचार करथि); राम० लालदास ६५ । *ahetu—Adj.* Without assigning any reason.

अहेन—एहन (दे०) केर प्रा० विक० रूप । FML 433 । वि० ने० १०० (एखने ईश्वरि **अहेन** संग ओ अति सैसबे न बुझ(ए) रङ्ग) । *ahena—Alt.* of *ehana* (q.v.)

अहेर—१ शिकार २. ओ जन्तु जकर शिकार कएल जाइक । [सं० आखेट] । तु० क० हि०, बं०; अस०, ने०, अव०, राज०, **अहेर**; प्राकृ० इहेड़, अहेड़; म० सिं० **आहेरो**; पा० **हेरा** । *ahera*—Hunting.

अहेरा—अहेरी (दे०) केर का० रू० । गो० श्रृ० १ अमर १३ (माधव मनमथ फिरए **अहेरा** सपेरा) । *aherā—Poet.* form of *aheri* (q.v.)

अहेरि—अहेरी (दे०) केर का० रू० । महेश० १ (हमर गन न तजय **अहेरि**); चर्च्या २३-१ *aheri—Poet.* form of *aheri* (q.v.).

अहेरी—सपेरा, शिकारी आदमी, आखेटक । [सं० अहि > अह + एरी] । तु० क० सं० **आहेय**, हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **अहेरी** । चर्य्या ६ (खनह न छाड़अ भुसुक **अहेरी**) । *aheri*—Snake-charmer, hunter.

अहेलाक—शिकारी । [सं० आखेटक] । तु० क० **अव-हेलना** । वर्ण० ३५ (अहेलाक साजन करल रजा एस भउ) । *Ahelāka*—Hunter.

अहैं—अहीं (दे०) केर का० रू० । राम ३४ (सदा सच्चिदानन्द रूपा **अहैं** छी) । *ahaĕ—Poet.* form of *ahī* (q.v.)

अहो—अव्यय । आश्चर्यसूचक शब्द । [सं०] । तु० क० बं०, अस०, **अहो**; प्राकृ० **अम्हो** । कीर्त्तिलता ३३ (**अहो** अहो आश्चर्य) *aho—Ind.* Used for expressing wonder, grief or joy).

अहोभाग्य—आनन्दसूचक शब्द । (दी०) [सं०] । प्रणय० ३६ (अहोभाग्य जे एतेक दिन पर दर्शन भेल) । *ahobhāgya*—Good fortune.

अहोनिसि—अहर्निशि (दे०) केर बा० रू० । मन० १८ (**अहोनिसि** चौदसि संचर बीक); गौरी परि० ४ (जय करी **अहोनिशि** जागि) । *ahonisi—Coll.* form of *aharniśi* (q. v.).

अहोर बहोर—क्रि० वि० । दूर बहुर, आवागमन, आएब जाएब । [सं० अभ्यन्तरः बहिः] । तु० क० अहर पहर BPL 1294. *ahora-bahora—Adv.* Coming and going.

अहोरात्र—दिन आओर राति, एक दिनप्रातिक समय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज०, अव० अहोरात्र । मि० भा० वि० ४६; मि० ४२३ (**अहोरा**त्रमे छौ बेरि मूतओ तीन मलत्याग कएल करए); मो० ६६—११ (**अहोरा**त्रक परिश्रमसँ सफलता प्राप्त कैलन्हि); प्रणय० ८५ (आब एक **अहोरात्र** अनध्याय भ गेलैह); नव० ८३ (**अहोरात्र** ओकर मन घिरनी **भेल** नचइत रहइक) । *ahorātra*—Day and night.

अहौं—अहूँ (दे०) केर का० रू० । तु० क० **अहँहु** । मै० हि० सा० मि० इ० ५ (**अहौं** सँ पहिने हमरा दए चुकल छथि) । *ahaũ*—*Poet.* form of *ahū̃* (q.v.).

अहँउ—अहँहु, अहूँ केर लु० का० रू० । [अहाँ + हुँ] । पुरु० २०६ (ततय **अहँउ** जौ हमरा संगहि जाएब) । *ahãu*—*Obs.* Poet. Form of *ahãhu, ahū̃.*

अहँ(हं) कार—अहङ्कार (दे०) केर वि० रु० । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०; अव०, राज०, **अहंकार** । वर्ण० (**अहँकार** को मलवलित); कीर्त्तिलता ५२ (तन्हिकेंरओ **अहंकार**; सारि ओ) राम० १७६ (**अहँकार** जड़ अति अनादि); महेश ५१ (**अहंकार** मनसौं नहि छुटै); मो० १७४–२० (**अहँकार** कुविचार शान्ति मन सबकै कातर) । *ahãkāra—Alt.* form of *ahaṅkāra* (q.v.)

अहँकृत—वि० । अहङ्कार-प्रयुक्त, अहंकारक कारणें । [सं० अहङ्कार + कृत] । मि० मित्र ३४ (मानि विषय ई उँह **अहँकृत** तौं नहि धार डोलावए ठान) । *ahãkṛia—Adj.* Self-conceited.

अहँजरा—स्त्री० वि० । अहङ्कारकेँ निर्मूल कएनिहारि (आदि शक्ति) । ज्वाला १ । *ahãjarā—Adj.* Destroyer of egoism.

अह्म—सर्व० । हमर । प्रा० लु० रु० । [सं० अस्मत्] । कीर्त्तिलता ४६ (सरवस्स उपे करवइ **अह्म** काज) । *ayma*—

Pronoun. My.

अह्लाद—आह्लाद (दे०) केर का० रु० । [सं० आह्लाद] । तु० क० अह्लाद (हि०) । रामा० २५३ (ताहइ चलल रावण अह्लाद); रामा० (बालकाण्ड) ५ (सभमे भेल अति अह्लाद); शिक्षा सुधा ५ । *ahlāda*—Pleasure.

अक्ष—१. पेटाव २. चक्कीकी आदिकेर धर ३. गाड़ाक धुरी ४. गाड़ी ५. जुआक गोटी जे कनैलक बीआ प्रकृतिक बनाओल जाइछ । ६. ओ कल्पित स्थिर रेखा जे पृथ्वीक भीतरी केन्द्रसँ ओकर आर-पार होइत दुनू ध्रुवकेँ मिलबैछ । तु० क० अक्षरेखा, अक्षांश । ७ कोनो गोल वस्तुमे बीचोबीच लागल छड़ । ८. तराजूक डंडी ९. सोहागा १०. व्यवहार ११. आत्मा १२. मापक एक मान १३. रुद्राक्ष १४. साँप १५. गरुड़ १६. शिव । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, बव०, राज० अक्ष । रामा० ६० (दशरथ राजक अक्षरौं कीड़); अमर० (कर्ष, तुष, कार्य, फल) । *akṣa*—Axle, name of a measure.

अक्षकुमार—अक्षयकुमार (दे०) केर विक० रू० । रामा० २०१ (अगुआ चलल अक्षकुमार) । *akṣakumāra*—*Alt.* form of *Akṣayakumāra* (q.v.).

अक्षक्रीड़ा—१. पासाक खेल, चौपाड़ि २. जुआक खेल । [सं०] । तु० क० हि० अक्षक्रीड़ा । गोविन्द काव्यालोक ५१ । *akṣakrīḍā*—Game of gambling.

अक्षत—जौ; धान आदि जे क्षत नहि भेल हो वा (बिनु टुटल) अरबा चाउर जे पूजाक निमित्त धोअल हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, अव०, राज० अक्षत । वर्ण० ११ (अक्षत दुर्वा सवेविथी); प्रबा० ६३ (कुश चाहि अक्षत चाही); कन्या० १४६ (अक्षत चन्दन ओ पुष्प राखि); किरा० ५७ (फुल अक्षत नहि चढ़ा सकैत छिऐन्ह); शकुन्तल १ (नहि अक्षत अछि) । *akṣata*—Barley, paddy, Unbroken washed *arabā* rice for worship.

अक्षपति—वि० । जुआमे पारंगत वा जुआमे खेलीनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo अक्षपति । वर्ण० ५१ (अक्षपति इत्यादि) । *akṣapati*—Veteran gambler, gamble-leader.

अक्षम—वि० । १. (कार्यविशेष) करबामे असमर्थ । २. अशक्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, अव०, राज०, अक्षम । पुरु० (की विचारल जे अक्षम जानि अवस्थासँ केवल आलसीकाँ स्वामी वस्तु देखबथिन); मै० हि० सा० १६ (अक्षम कृपणक सम्भावना); मो० १७४-६७ (भेल सब अक्षम) । *akṣama*—*Adj.* Unable, unfit.

अक्षमा—क्षमाक अभाव, असहिष्णुता । [सं०] । तु० क० हि०, असo अक्षमा । रामायण शिक्षा ७५ । *akṣamā*—Absence of forgiveness.

अक्षमाला—१. रुद्राक्षक माला २. अ सँ क्ष धरिक अर्थात् सम्पूर्ण वर्णमाला । ३. वशिष्ठक पत्नी अरुन्धती । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, नेo अक्षमाला । वर्ण० ४६ (सुधी अक्षमाला धारण) । *akṣamālā*—Garland of *Rudrākṣas*.

अक्षय[1]—वि० । जकर क्षय वा नाश नहि हो, अविनश्वर । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, राज० अक्षय । रामा० ३२८ (अक्षय होयत आब सुख वास); गङ्गा० २३८ (ई सत अक्षय ओ अनन्त थिकाह); जगन्नाथपुरी यात्रा २६; गजग्राह उद्धार २४ । *akṣaya*—*Adj.* Indestructible.

अक्षय[2]—क्षय (दे०) केर का० रू० । रामा० २३८ (अक्षय वैरि न भेलह सहाय) । *akṣaya*[2]—*Poet.* form of *kṣaya* (q.v.).

अक्षयकुमार—रावणक पुत्र । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, नेo अक्षयकुमार, अक्षकुमार (दे०) । राम० २६१ (अक्षयकुमारकाँ पठवि मह मारलक) । *akṣayakumāra*—Son of *Rāvaṇa*.

अक्षयतृतीया—वैशाख मासक शुक्ल पक्षक तृतीया, जहि तिथिमे मिथिलाक नारी व्रत करैत छथि, तथा एकरा एकटा विशेष पर्व मानैत छथि । एहिमे (आदायवीँ वा समस्त सन्तानकेँ) चौभी दान आदि दिअबाक प्रथा अछि । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, अव०, राज० अक्षयतृतीया; (दे०) । मैथिल संस्कृति ओ सभ्यता भाग २. पृ० सी० १३१-३२ (अक्षयतृतीयामे एक एक लोटा देल) । *akṣayatṛtīyā*—Third day (or tithi) of the bright fortnight of *vaiśākha*, name of a festival.

अक्षयवट—प्रयाग वा गयामे एक गोट सुप्रसिद्ध वटकेर गाछ । ई अक्षय थिक तुरतँ मानल जाइछ जे पौराणिकलौकिकनिअम अनुसार नाश प्रलयो भेला पर नहि होइछ से मानैत छथि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, राज०, अव०, अक्षयवट; अक्षवट (दे०) । (गयामे अक्षयवटकेर प्रणाम करैत अछि) । *akṣaybaṭa*—A *vaṭa* tree which is situated at Gaya and Prayag.

अक्षयवाण—वि० । जे बाण चुकयवला नहि हो । [सं०] । पत्रराज ८१ । *akṣayavāṇa*—*Adj.* An arrow which does not fail to hit the mark.

अक्षर—१. आखर, मनुष्यक मुँहसँ बहराएल ध्वनिकेँ सूचित करबाक संकेत वा चिन्ह २. ओँकार ३. आत्मा ४. ब्रह्म ५. शिव ६. परमात्मा ७. शब्द (वाक्) । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, राज०, अव० अक्षर; अच्छर (दे०) राम० १३१ (कहइ अक्षुब न अक्षर आब); चन्द्र० ७८ (गिरनथि अक्षर बैसारि छव्वर); मि० गीता १४० (दुइ संसारी पुरुष छथि क्षर ओ अक्षर); मै० हि० सा० ५ (अक्षरमे की भेद छैक ?); मि० उद० १५८-१० (कलकत्ताक अक्षर सभाक रचित थिक); चित्रा ५६ (जनरा चारि अक्षर पढ़ा नका गाय) । *akṣara*—A letter of the Alphabet, the ultimate abiding reality.

अक्षरजीवा(वी)—लिखिकए कमाएवला व्यक्ति, लिपिक, लेखक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, अक्षरजीव, अक्षरज थिक, अक्षरजीवी । *akṣarjīva(vī)*—O…

who earns his livelihood by writing, a scribe.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒩𑒧𑒳𑒭𑓂𑒙𑒱𑒏𑒰 **अक्षरमुष्टिका**—चौसठि कलामेसँ एकक ला। सम्भव छैक ई कोनो जूआ वा बुझौअलिक प्रतियोगिता छल जाहिमे अक्ष [(? अक्ष)] (दे०) ओ मुट्ठीक उपयोग रहैत छल। [सं०] ।तु० क० हि० अक्षरमुष्टिका। वर्ण० २० (शिल्प विद्या, हमर अक्षरमुष्टिका)। *akṣaramūṣṭikā*—One out of the 64 arts, a kind of game.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒩𑒬𑓁 **अक्षरशः**—क्रि० वि०। १. एक-एक अक्षर हू बहू, मन-मेन, पूर्णतः, यथार्थमे। [सं०] । तु० क० हि० अक्षरशः। मो० ६८–२३ (अक्षरशः सत्य घटना घटि गेल) *akṣaraśaḥ—Adv.* Letter by letter, true or conforming entirely i. e. in every detail.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦 **अक्षरारम्भ**—एकटा संस्कार, जाहिमे छोट नेनाकेँ ५ वर्ष भेला पर पहिले पहिल अक्षर लिखब सिखाओल जाइत छैक। चाउर पर आँजीक चिन्ह दए सन्हीकाँटसँ पहिने तिरहुतामे 'आँजी सिद्धिरस्तु' तान्त्रिक मंत्र चाउरेपर बहुधा लिखल जाइत छलैक। आब देवाक्षरमे 'ओनामासीधं' गणेशकेँ प्रणाम कहि लिखल जाइछ। [सं०] । तु० क० हि० अक्षरारंभ। एकावली परिणय ४०; नव० २१ (अक्षरारम्भ कए कोनहुना स्वस्ति कहलथिन्ह)। *akṣarārambha*—A ceremony in which a child is first introduced to the art of writing.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 (𑒁𑒏𑓂𑒭𑒰𑒿𑒬) **अक्षान्तर (अक्षाँश)**—अक्ष (दे०)। मिहि० ४६-४७-५ (जीवनक देशान्तर अक्षान्तर वा देशान्तरसँ नहि केवल कार्यान्तरसँ प्रशासित भए सकैत छैक)। *akṣāntara*—Degree of latitude.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒱 **अक्षि**—आँखि, नेत्र। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अक्षि; प्राकृ० अच्छि। मो० १७४-२५ (अक्षि अरुण ओ भृकुटि-भङ्ग पुनि)। *akṣi*—Eye.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒲𑒝 **अक्षीण**—वि०। जे क्षीण नहि हो, अविनष्ट। [सं०] । तु० क० हि० अक्षीण। गणेश खण्ड ८। *akṣīṇa—Adj.* Undiminished, not become lean or worn out.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒳𑒝𑒞𑒰 **अक्षुणता**—अक्षुण्णता केर अशु० रू०। अक्षुण्ण रहबाक विशेषता। [सं० अक्षुण्णता] । तु० क० हि० अक्षुणता। मि० मित्र २२६ (मुक्तकक रचनामे रसक अक्षुणतापर कविकेँ पूर्ण ध्यान राखए पड़ैछ)। *akṣuṇatā*—Err. form of *akṣuṇṇatā*, the characterstic of being *akṣuṇṇa* (q.v.).

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒳𑒝𑓂𑒝 **अक्षुण्ण**—वि०। १. भग्न नहि, लगातार, अपराजित, अबाधित, व्यवधान रहित, स्थायी, अमिट २. बिन चलल (मार्ग), नवीन। [सं०] । तु० क० हि० अक्षुण, अक्षुण्ण। कपालकुण्डला २— परिच्छेद; शिव प्रसाद १६; मिथिला २–६३ (अक्षुण्ण टेक धएने रह निर्निमेष); मो० २६–२०–१८ (अध्यात्मिक शक्ति अक्षुण्ण रहतनि); विडम्बना ३३; भामक० ८१ (प्रेमके अमर एवं अक्षुण्ण बनएबाक हेतु)। *akṣuṇṇa—Adj.* Untrodden, unhampered, asting,

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒻 **अक्षै**—अक्षय (दे०) केर प्रा० लु० रू०। कीर्तिल० ४६ (अक्षै मन्ति विश्रकखणा तिरहुति केरा खंभ)। *akṣai*—*Obs.* Old form of *akṣaya* (q.v.).

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒼𑒠𑒏 **अक्षोदक**—नोर। [सं०] । अपूर्व रसगुल्ला ३२; झँकार ६। *akṣodaka*—Tears.

𑒁𑒏𑓂𑒭𑒼(𑒏𑓂𑒭𑒾)𑒯𑒱𑒝𑒲 **अक्षो(क्षौ)हिणी**—१ समस्त चतुरंगिणी सेना, (सेनाक) एक नियमित संख्या २१८७० रथ, २१८७० हाथी, ६५६१० घोड़ा तथा १०९३५० पदाति सेना मिलाए अक्षौहिणी कहबैत छल। [सं०] । तु० क० हि०, ने०, अक्षौहिणी; प्राकृ० अक्खोहिणी। राम० २११ (कय अर्ब्ब अक्षौहिणी); अमर १८६; मै० व्या० १२। *akṣo(kṣau)hiṇī*—Army consisting of 21870 elephant riders, 21870 charicteers, 65610 horsemen and 109350 foot-soldiers.

𑒁𑒞𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨 **अत्रत्य**—वि०। एतुका, एहि जगहेर, एहिठामक। [सं०] । तु० क० हि० अत्रत्य। मो० १-४-४६ (हमर अत्रत्य विद्यार्थीकेँ कहलथिन्ह)। *atratya—Adj.* Belonging to this place (or this world).

𑒁𑒞𑓂𑒩𑒱 **अत्रि**—सप्तर्षिमेसँ एक ऋषिक नाम। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अत्रि। राम० ११४ (जाय अत्रिकाँ कएल प्रणाम); अमर० २२ (अत्रि आदि सातो भाइ ऋषिक नाम)। *atri*—Name of a *Ṛṣi*.

𑒁𑒞𑓂𑒩𑒱𑒧𑒳𑒏𑓂𑒞 **अत्रिमुक्त**— ४९ वायुमेसँ एक वायुक नाम। [सं०] । वर्ण ५६ (अत्रिमुक्त, युगभ्रम्ह, ऋष्यपाद)। *atrimukta*—One of the 49 winds.

𑒁𑒖𑓂𑒘 **अज्ञ**—वि०। १. मूर्ख वा अज्ञानी, जड़ २. एहन व्यक्ति। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अज्ञ। राम० १५८ (बालि न बुझलक वानर अज्ञ), अम० २४६ (अज्ञ मूढ़); मो० ३–१ (अज्ञ रसज्ञ होथि नहि तैँ ओ दूरहि सौँ फटकारथि)। *ajña—Adj.* Foolish (person.)

𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰 **अज्ञा**—आज्ञा (दे०) केर बा० रू०। तु० क० 'अज्ञाक पान'। व्य० वि० १२। *ajñā*—*Coll.* of *ājñā* (q.v.).

𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞 **अज्ञात**—वि०। बिनु परिचयक, अनचिन्हार, अविदित। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अज्ञात। मो० १ ५–३ (अज्ञात नहि अछि); द्विरा० १६५ (कोनो अज्ञात कारणसँ रियुमर कय); नव० ११ (ओइना वाचस्पति भाक कीर्ति अज्ञात अश्रुत नहि छलइन)। *ajñāta—Adj.* Unknown.

𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞𑒢𑒰𑒧(𑒧𑒰) **अज्ञातनाम(मा)**—वि०। १. जकर नामक पता नहि हो, जकरा केओ नहि चिन्हैत होइक २. जे विख्यात नहि हो, तुच्छ। [सं०] । तु० क० ने०, हि०, बं०, अज्ञातनामा। कन्या० १५ (तखन कोनो अज्ञातनाम व्यक्तिसँ भगड़ा करए लागलि)। *ajñātanāma(mā)—Adj.* Unknown.

𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞𑒨𑒾𑒫𑒢𑒰 **अज्ञातयौवना**—१. मुग्धा नायिकाक दुइ भेदमेसँ एक २. जकरा अपना यौवनक आगमनक ज्ञान नहि हो। [सं०] । तु० क० हि० अज्ञातजौबना, बं०, अस०, ने० अज्ञातयौवना। कन्या० १५४ (अज्ञातयौवना; ज्ञातयौवना मुग्धा)।

ajñātayauvanā—A lady who is ignorant of her new youth.

अज्ञातवास—ककरो स्थानमे वास जकर ककरो पता नहि लगैक, नुका कए रहब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, उड़ि० अज्ञातवास। (रामचन्द्रकें चौदह वर्षक अज्ञातवास वनमे करए पड़लैन्हि)। *ajñātavāsa*—Living at a place hidden from public (anybody's) knowledge.

अज्ञाति—जे व्यक्ति ककरो देखए रहलो पर नइ कोनो सम्बन्ध नहि हो। गोतीति (दे०)। [सं०]। तु० क० हि० अज्ञाति। *ajñāti*—A non-relative.

अज्ञातिनी—अज्ञाति (दे०) स्त्री० रूप। [सं०]। वनगन्धा ११। *ajñātinī*—Fem. form of *ajñāti* (q.v.).

अज्ञान—मूर्खता, जड़ता, ज्ञानक अभाव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज० अज्ञान, मरा० अज्ञानपणा। वर्ण० ३६ (अज्ञान अथवा सम्मोहक); राम० १८ (हम सब अज्ञान के बाम); मो० १०१-१ (वन अज्ञान निवारिणी); क्रिरा० (अज्ञान आओर कुसंस्कारसें आच्छन्न); दशदल ६ (हम ज्ञान मान अज्ञानक अछ)। *ajñāna*–*Adj.* Ignorance, stupidity.

अज्ञानकृत—वि०। अज्ञानमे बिनु जानल कएल गेल। [सं०]। तु० क० हि० अज्ञानकृत। प्रबो० ६२ (अज्ञानकृत पल अवश्य कैलें पुनः उपवास आवश्यक)। *ajñānakṛta*—*Adj.* Performed due to ignorance.

अज्ञानता—१. अज्ञान (दे०) होएबाक स्थिति। २. अज्ञानताक कारणें कएल गेल कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज० अज्ञानता। प्रबा० २५ (एक भीतरमें अज्ञानता कएल बै नहि)। *ajñānatā*—Ignorance, ignorance.

अज्ञानतः—क्रि० वि०। अज्ञान वा मूर्खता कारणें। [सं०]। तु० क० हि० अज्ञानतः। *ajñānataḥ*—*Adv.* unknowingly, out of ignorance.

अज्ञानान्ध—वि०। मूर्खतासँ आन्हर, ज्ञान बिनु दयनीय। [सं०]। मिथिला २. ३३४ (जनक उपदेश कए आत्मिक ज्ञानानन्द तत्पुरुष मध्य विद्या अज्ञानान्ध हेतु नहिं कहि)। *ajñānāndha*—*Adj.* Miserably devoid of knowledge.

अज्ञानी—वि०। बिनु ज्ञानक, मूर्ख, बिना बुद्धिक, अनुभवहीन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अज्ञानी। राम० २० (इहु मयान अज्ञानी नीच); मो० ६६-८ (जो अज्ञान विकास); क्रिरा० १५ (अज्ञानी नारी है नहि बुझलन्हि)। *ajñānī*–*Adj.* Foolish.

अज्ञाने—अज्ञान (दे०) क का० रू०। राम० २०८ (बाजि कहत अनुचित अज्ञाने)। *ajñāne*—*Poet.* form *ajñāna* (q.v.).

अज्ञेय—वि०। नहि बुझबा-जनबा योग्य, ज्ञानातीत। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज० अज्ञेय, अज्ञेयता। अभिकाभिलाषित ३५; विद्या ८४ (जो रहत अज्ञेय)। *ajñeya*—*Adj.* Unknowable.

𑒂

आ¹—वर्णमालाक दोसर स्वर वर्ण। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० आ। *ā*¹—The second vowel of the alphabet.

आ-²—उपसर्ग। ई गमनार्थक धातुक पहिने लगैत अछि तथा ओकर अर्थमे किछु विशेषता आनि दैत अछि। यथा, आगमन, आयाल, आरोहण, आक्राण आदिमे धातुकेर पहिने लगैछ मुदा शब्दक अर्थकें बदलि दैत अछि यथा आगमन, आदान, इत्यादि। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० आ। *ā*–²*Pref.* in the sense of difference.

-आ³—प्रत्यय। संज्ञा, अथवा मनुष्यक नामसँ पर अनादर सूचित करबाक हेतु जोड़ल जाइछ। [सं०]। ल० वि० ४८ बहुरिआ, सुखना, सोमना, लोचना)। -*ā*³—*Suff.* added in the sense of calling a lower class person.

आ⁴—अव्यय। एकर प्रयोग मर्यादा, अर्थमे होइछ। [सं०]। यथा, आमरण=मरण धरि। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, आ। *ā*⁴—*Ind.* in the sense of 'inclusive'.

आ⁵—ओर करबाक लेल सम्बोधन सूचक शब्द। [FML 45]। (आ तू=कुकुरकें बजेबाक हेतु); (आ अरर=बकरीकें नोर करबाक हेतु)। *ā*⁵—Interjectional word for calling.

आ⁶—आबह (दे०) केर संक्षिप्त रू०। (रौ गेनवा हमरा आ)। *ā*⁶—Short form of *ābaha* (q.v.).

आ⁷—आओर (दे०) केर वि० रू०। पुरु० २१२ (आ दार कका सैही पैसा)। *ā*⁷—Alt. f. of *āora* (q.v.)

आ⁸—संगीत केर आलापक पहिल ध्वनि- आ आ। [सं०]। *ā*⁸ One of the primary sounds used in Indian music.

-आ⁹—आएब (दे०) केर प्रेरणा-रू०। नव्यी ३ (हसाबि दुआरस सिंह देखि आ)। *ā*⁹—Causative form of *āeba* (q.v.).

आअत—आयत (दे०) केर प्रा० तु० रू०। कीर्तिलता ४० (फल दैवह आअत पुरिस काम साहस करिज्जइ)। *āata* Obs. old form of *āyata* (q.v.)

𑒂𑒕𑒰 **आझा**—आएला (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता ४६, कीर्तिलता ३७ (तिरहुतए राआ सेवो आझा तेँ बहकाओ जाहो) । *āā*—Obs. old form of *āeba* (q.v.).

𑒂𑒃[1] **आइ**[1]—क्रि० वि० । अद्य, वर्तमान दिनमे (दी०) [सं० अद्य] । तु० क० हि० आज; प्राकृ० अज्ज ; अव० आइ । प्रि० । वि० पदा० मजु० ११६ (आइ सुफल कैके बोलिब आ); मै० हि० उदा० ३ (२-३) (आइ आशा लता फड़ि गेल); मो० ७३–१ आइ चतुर्दशीक सङ्ग अमावस्यामे श्यामा देवीक पूजन दिन थिक; प्रण० ६ (आइ सौंसे पटना दहाए देत) । *āi*[1]—*Adv*. Today.

–𑒂𑒃[2] **-आइ**[2]—**प्रत्यय** । १ भाव अर्थमे गुणवाचक शब्दसँ पर । यथा अमतसँ, अमताइ; पण्डितसँ पण्डिताइ आदि; पूर्वस्वरकेँ दीर्घ रहला उत्तर ह्रस्व कए देल जाइछ यथा चाकर + आइ चकराई + २. ठीक, आदि क्रियामे आइ प्रत्यय लगैछ यथा ठोकाइ, सिआइ, चिराइ, अराइ, ३. बिक आदि धातु जे धातु पाठमे परिगणित अछि ताहिसँ पर प्रत्ययादि ऐ केँ आइ आदेश तथा इच्छार्थक इं केँ आइ आदेश होइछ ५. आदर सूचकवाक हेतु संज्ञामे आइ जोड़ल जाइछ । भोला–भोलाइ, गङ्गा–गङ्गाइ । *ā*[2]—Suffix.

𑒂𑒃𑒁 **आइअ**—अएलाह (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता ३६ (किर्त्तिसिंह वर नृपति लए पसाओ बाहरओ आइअ) । *āia*—*Obs*. old form of *aelāha* (q.v.)

𑒂𑒃𑒉(𑒋) **आइए(ओ)**—आइ (दे०) केर निश्च० रू० । पुरु० २०७ (सुखरात्री पर्व आइए अछि); मो० ७३–१ (आइओ कि अहाँक नहि ?); चित्रा ७ (आइओ हम पड़लि कभला कातमे); नव० १४ (आइए राति सिन्दुरदान भए जेतइ) । *āie(o)*—*Emph*. form of *āi*[1] (q v.).

𑒂𑒃𑒏𑒰𑒪𑒱𑒯 **आइकालिह**—क्रि० वि० । वर्तमान समयमे । आइकालिह करब = समयक ठीक हिसाब नहि राखब, प्रतिज्ञासँ विचलित होएब । [आइ (q.v.) + सं० कल्य] । तु० क० हि० आज और कल; उ० आजि कालि; बं० आज काल ।मै० ि हि० सा० (३-४) ३० (आइकालिह मिथिला मध्य एक शोभा मानल जाइत अछि); मो० ६७–२२ (आइ कालिह अधिक चरितार्थक रहल छथि); पारो २० (आइ कालिह धो पुतोउ लोकनि ... इबत मे बेस बहादुर)ह *āikālhi*—*Adv*. Now-a-days.

–𑒂𑒃𑒞 **-आइत**—वर्तमान काल द्योतक प्रत्यय । आइत केँ अइत वा ऐत आदेश सेहो विकल्पसँ होइछ । ल० वि० १५७ (नहाइत देखलैन्हि, नहइतहिँ देखलैन्ह, नहैतहुँ अछि) । *āita*—Suffix in the present teuse.

𑒂𑒃𑒢(𑒢𑒱) **आइन(नि)**—प्रत्यय । व्यवहार, गन्ध वा रस विशेष आदिसँ युक्त रहबाक द्योतक, विशेषण बनाबए लेल संज्ञासँ पर जोड़ल जाइछ । यथा दुधाइन, दुधाइनि, दुहिआइन, पठिहराइन, कैथाइन (कायस्थ > कायथ > कैथ + आइन), तेलाइन आदि । FML 206. *āina(ini)* Suff.

𑒂𑒃𑒢𑒰 **आइना**—दर्प । हिन्दी शब्द । [फा० आइनह] तु० क० हि० आइना । आशाक बिन्दु ६० । *āinā*—Looking glass.

𑒂𑒃 𑒣𑒰𑒃 **आइ पाइ**—क्रि० वि० । शीघ्र कार्य समाप्त करबाक प्रयास । [सं आ + परिधि + अनुकरण अग्र + पश्चात् । आगू पाछू करब, खुशामद करब, सेवा करब । ग्रि० 362 A (बोलइ के आइ पाइ चमरा के विहान) जोलहा काज खुशामदेँ करैछ चमरा टारैछ । *āi pāi*—*Adv*. Trying for finishing a work, flattering.

𑒂𑒃𑒧𑒰𑒃 **आइमाइ**—माए आ पितामही, घरक वा समाजकेर प्रतिष्ठित स्त्रिगण । [सं० आर्या > आजी > आई > आइ + माए > माइ) तु० क० ने० आइमाइ । ग्रि० । (कि आइमाइ के सोर करै छथिन्हि) । *āi māi*—Respected ladies.

𑒂𑒃𑒨𑒹(𑒨𑒼) **आइये(यो)**—आइए(ओ) (दे०) केर विक० रू० । मि० ३६५ (छायाघाटमे खेमामे आइये सरकारक स्नान भजनार्थ पठाय देथुन्ह); द्विरा० ६१ (से फेर आइये देखै छिऐन्ह; चित्रा २६ (आइयो तँ छी समुद्रक कातमे हम ठाढ़) । *āiye(yo)*—*Alt*. of *āie(yo)*, (q.v.)

𑒂𑒃𑒩𑒱(𑒯𑒱) **आइरि(हि)**—आगरि (दे०) प्रा० स्त्री० रूप । कीर्तिपताका २० । *āiri*—Obs. old form of *āgari* (q. v.).

𑒂𑒃𑒪 **आइल**—क्रि० आएल (दे०) केर प्रा० स्त्री० रू० । वि० पदा० मजु० १८, न० गुप्त तालपत्र २०, अ० ६४ । (सुरपुर सओ चलि आइल गजगमनी); चर्य्या ३ (आइल गराहक अपणे वहिआ); BPL 8?3, FML 401. *āila*—*Alt*. of *āela* (q. v.).

𑒂𑒃𑒪𑒰 **आइला**—अएला (दे०) केर लु० का० रू० । चर्य्या ७–८ । *āilā*—Poet. obs. form of *aelā* (q.v.).

𑒂𑒃𑒪𑒱 **आइलि**—आएल (दे०)केर स्त्री० रू० । वि० ने० (सब संकेत निकेतन आइलि); वि० पदा० मजु० ००, रामभद्रपुर पोथी पद २६६ (जमुना तीर चलि आइलि राति); मि० उदा० १५७–२ (देह विसर्जन करबा लेल आइलि छी); FML 464; पारो १ (ताहि प्रसंगे पीसी आइलि रहथि) । *āili*—Fem. form of *āela* (q.v.).

𑒂𑒃𑒪𑒹𑒮𑒱 **आइलेसि**—आइल (दे०) केर प्रा० लु मध्य० रू० । चर्य्या ४४–४; FML 505. *āilesi*—*Obs*. Second person of *āila* (q.v.).

𑒂𑒃𑒮[1] **आइस**[1]—एना-एना, एहन । [सं० ईदृश] । चर्य्या० २६–१; FML 433. *āisa*[1]—such.

𑒂𑒃𑒮𑓀[2] **आइसँ**[2]—निम्नवर्गद्वारा प्रयुक्त सम्मान सूचक सम्बोधन शब्द । [सं० आयुष्मत्] । (आइसँ ! हमरा बजऔने रहथीन) । *āisā̃*[2]—Hon. Term of address used by lower classes for upper classes, your gracious self.

𑒂𑒃𑒮𑓀[3] **आइसँ**[3]—अव्य० । अद्यारभ्य (दी०) । प्रण० ३ (आइसँ कतेक हल्ला करए लगली) । *āisā̃*[3]—*Ind*. From Today.

आइँ—आइ (दे०) केर प्रा० रू०तथा का० रू० । वि० पदा० मजु० २७८ (अबे पश्चताबिक आइँ); मनo ७१ (झमिअ-झमिअ झलधर सन आइँ); पुरु० १६४ (आइँ राति चारिम देखब); मि०, भा०, वि० ८६; प्रल० १६ (आइँ कोना बाजल कोहल अछि) । *āĩ*—Err. form and poet form of *āi* (q.v.).

आइँलि—आइलि (दे०) केर का० रू० । पुरु० २६५ (कपालिनी आइँलि रीति) । *āĩli*—P. F. of *āili* (q. v.).

आउ[1]—आएउ (दे०) केर प्रेरणा० आद० मध्य पु० वर्त० रू० । FML 349. पु० रू० अव० आउ । वि० पदा० मजु० १८, रामभद्रपुर पोथी पद ६० (पुनु लोचन पथ सीम न आउ); रामा० ७५ (कौशल्या कहि ... आउ); चित्रा २५ (आउ स्वागत है हृदय है माथ); प्रपo २७६ (...जीवन ... आउ); नव २३ (आउ पाठक ... आउ) । *āu*[1]—*Hon.* Present tense second person imperative form of *āeba* (q. v.)

-आउ[2]—प्रत्यय । बिक आदि धातु जे धातु पाठमे परिगणित अछि ताहिसँ पर प्रत्ययादि -भी कें -आउ आदेश होइछ (म०) । वि० १०६, प्रेरणामे क प्रत्ययकें आउ आदेश होइछ । ला० वि०१११ (पढब+क=पढाउ) । *āu*[2]—Suffix.

आउग्न—पाँच प्रकारक हृदयमे सँ एक । [सं० आ+? अग्न] । वर्ण० ५१ [क] (पत आउग्न पञ्च प्रकारक हृदय देखु) । *āugna*—one among five hearts.

-आउजि—प्रत्यय । स्त्रीलिङ्ग अभिप्रेत रहला पर उपर्युक्त शब्दसँ जोड़ल जाइछ (भाएसँ-आउजि=भाउजि, भौजी) । तु०का० भटाउज] । [सं० जाया] । *āuji*—Suffix to form fem.

आउति—आओत (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० नै० १ (कैसे ... आउति पार); वि० पदा० मजु० ६६, तालपत्र न० गु० अ० २२५ (हि ... आउति जमुना पार), गौरी परिणय २ (रति आउति मिश्र ...) । *āuti*—Fem of *āota* (q.v.)

आँउधि—क्रि० । औंघल, प्रसाहित नहि । [सं० अन्ध+इ] वि० पदा० मजु० २४३ (अवतणो रहए आँउधि भए ...); (कोना आँउधि कय राखल छैक) । *āudhi*—Past participle of the root *āundhaba*.

आउपाशीस—पु० रू० । मालिशक करक एक प्रभेद । [सं० मन्त्र<पाश] । वर्ण० ११ (मर्जि आन्द आउपाशीस) । *aupāśisa*—*Obs.* A kind of massage of the body.

आउर[1]—आओर (दे०) तथा अन्य (दे०) केर ग्रा० रू० । ग्रि० ६०४, चित्रा ५३ (हमरा आउर ...) । *āura*[1]—Folk form of *āora* (q.v.).

आउर[2]—कन्दविशेष, जाक लती होइछ तथा जकर पात पानक पात सन होइछ तथा जहि एक मनसँ ऊपर धरि गाछमे होइछ जे ई मिथिलाक प्रसिद्ध तरकारी तरकारीमे गनल जाइत अछि । [सं० ...] । तु० रू० ... आकर, ... । (आउरक चक्का तथा तिलकोरक कमती ... पुरहरकें हमरा सभ सभ लगैत अछि) । *āura*[2]—an edible bulbous root used as vegetable.

आउरोल—विरवा नृत्यमे नर्तक केर संग पुरानकार वा बाजा बजौनिहार । [?] वर्ण० ५१ (दंकार पाछा आउरोल) । *aurola*—One who acompanies the principal dancer in a kind of dance.

आउल—आकुल (दे०) केर प्रा० पु० रू० । वि० पदा० मजु० १७, न० गु० तालपत्र १७६, ५० १६० (लाजें ... आउल नयन तरङ्गे) । *āula*—*Obs. old* form of *ākula* (q.v.)

आउल बाउल—विस्कृत पहल मनक अवस्था, एकदम हतप्रभ, सभतरि व्याकुल । [सं० आकुल > आउल+व्याकुल > बाउल] । तु० रू० म०० आउल बाउल । (बाबा के दूर-दूर पर ... कारणें मन तँ आउल-बाउल भए रहल अछि) । *āula-bāula*—Totally tired or overworked state especially due to physical strain.

आउस[1]—वि० पदा० मजु० २३ अ० १०२४ (... आउस परम हरि ...) [?] । *āusa*[1]—Obs. ?

आउस[2]—धानक एक प्रभेद अगता, अगहनक पूर्व भादबेमे होइछ । तु० आऊस । [सं० आशु] । तु० रू० हि० आउस; बं० आउश । *āusa*[2]—A kind of early growing paddy which grows in the month of *Bhādrapada* itself.

आऊ—आयब क्रिया केर आज्ञा अनुरोध अर्थमे मध्यमपुरुष एक व० केर रूप । मि० भा० वि० ८६ । तु० रू० अव० आऊ । *āū*—Imperative second person singular declension of the root *āeba*, Come.

आए[1]—प्रत्यय । बिकआदि धातुसँ पर -इ प्रत्ययकें-आए आदेश होइछ यथा बिक+इ=बिकाए, खाए, आए; अनेक स्वर वाला अवन्त धातुसँ पर इ कें आए आदेश तथा अन्तिम अ केर लोप भए जाइछ यथा पढब+इ=पढाए; बजब+इ=बजाए । ला० वि० १४५, १४६ । *-āe*—Suffix.

आए[2]—आइ (दे०) केर प्रा० पु० रू० । गोरक्ष विजय ७ (क) (... आए) । *āe*[2]—Obs. old form of *āi* q. v.).

आए[3]—आएब (दे०) केर संक्षि० औ का० रू० । वर्ण० ३० (आए भए गेल); वि० नै० ३८ (अवधि समापित आए); वि० पदा० मजु० ११७ रागत० ७५, न० गु० ६२६ ५० ६२२ (आए ...); श्रीकृष्ण जन्म रहस्य २८ (... आए ...) । *āe*[3]—*Short* and Poet. of *aeba* (q. v.).

आएँ—अव्य० । १ विस्मय २ सम्बोधनोत्तर सावधानता [आऍ > आएँ] *āe*—expression of surprise; expression showing alertness of a person, esp. on being addressed.

आएत[1]—आओत (दे०) केर प्रा० रू० । वि० नै० ५

...गिरि अएलाहु पए आएत काज)। *āeta—Coll.* of *āota* (q.v.).

आएत² आएत²—वि०। सुन्दर (दे०), विपुल, पैघ, [सं० आयत] नघ० ५ (श्याम कान्ति आ आएत आँखिबला तरुण कहल-कइन)। *āeta²—Adj.* Beautiful.

आएब¹ आएब¹—भविष्यमे अएबाक क्रिया, भविष्य कालक प्र० ओ मध्य० पु० केर रूप, आगमन। [सं० आगमन] तु० क० बं० आयश्च; उ० अइब। (कालिह हम आएब भ सकत त आइयो)। *āeba¹—V.* To come (in future).

आएब² आएब²—दोष, अवगुण। [फा०]] तु० क० उर्दू आएब, ऐब (हि०)। (ओहि कन्याक हेतु कोनो आएबवला वर आनब अनुचित)। *āeba²* —Fault, defect.

आएल¹ आएल¹—आएब (दे०) केर वर्त० रू०। तु० क० हि० आया; बं० एल; उ० अइल; अस० आएल। गोरक्ष विजय ७ (ख) (कृष्णपति आएल सयन तत्र); वि० ने० ६८ (तहिखने पहिआ पाहोन आएल बरिसए लागल देबा); वि पदा० मजु० ४८ न० गु० तालपत्र २१७, अ० २१८ (अ एल बइसल पाव दोआर); राम० २१ (आएल छथि मुनि जनिक निमित्त); गौरी परिणय ४ (गौरि वर कारण आएल निकट महेश हे); मो० ६७-७ (पण्डितसभ आएल छथि)। *āela¹—V.* Present tense of *āeba* (q. v.).

आएल² आएल²—आएब (दे) केर भूत० रू०। तु० क० हि० आया; बं० एल; उ० अइल, अस० आएल। चित्रा ५ (निंद छल आएल कतेक प्रयाससँ)। *āela²—V.* Past tense of *āeba* (q. v.).

आएला आएला—आएल (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २७० (पाउस निअर आएला रे से देखि सामि डराओ)। *āelā—Poet.* of *āela* (q. v.).

आएलाहु आएलाहु—आएल (दे०) केर लु० निश्चयात्मक रू० वि० ने० २३८ (कान्ध आएलाहु)। *āelāhu—Obs.* Emph. of *āela* (q v.).

आएलि आएलि—आएल (दे०) केर स्त्री० रु०। वि० पदा० मजु० ५६ प० त० २५३, न० गु० १८८ अ० १६७ (फेरि आएलि तुहुँ पुरुबक पूने); मो० ३४-१६५ (लज्जा नेत्रसँ मुखमे आएलि)। *āeli—Fem.* of *āela* (q. v.).

आएव आएव—आएब (दे०) केर विक० रु०। राम० ११ (हम आएव घुमि फिरि कए बेरि); प्रण० २६ (लहेरिया सरायसँ किनने बेसाहने आएव); चित्रा ४१ (आवहु नहि आएव त हम अवस्स तार देव)। *āeva—Alt.* of *āeba* (q. v.).

आओ¹ आओ¹—आओर (दे०) केर प्रा० संक्षि० रूप। वर्ण० ३६ (आओ जइसनि विपक्षक वनक धूमकेतु); वि० ने० १३० (कत एक नागर आओ चौघौल); वि० पदा० मजु० ८८, नेपाल ५, न० गु० ४२१, अ० ४१७ (साजनि आवे कि बोलव आओ)। *āo¹—Old* coll. form of *āora* (q.v.).

आओ² आओ²—प्रत्यय। भाव अर्थ मे जोड़ल जाइछ। ल० वि० १४७। [उठ+आओ=उठाओ-उठाव]। *āo*—Suffix for forming abstract nouns from adjectives.

आओँ आओँ—अन्नक विकारविशेष (दे०)। एक प्रकारकेर चिक्कन उज्जर लसलस मल जे अन्न ठीकसँ नहि पचलासँ उत्पन्न होइछ। [सं० आम]। तु० क० हिन्दी आँव; अमांसे (दे०), अमारय (आओँ खसत सब विकार दूर भ जाएत)। *āō*—Undigested food, found as white watery segments in stool, dysentery.

आओत आओत--क्रि०। आएब (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० पदा० मजु० १८३, न० गु० तालपत्र ६६ (मनक मनोरथ पुरत मधुरिपु, आओत आजे); मन० ५५ (कहलक सौभ हमर जौं आओत); राम० २८२(निकट न आओत हमर दूत); महेश २७ (अन्तमे केओ ने आओत काज); कन्या० ११६ (जिला जयवारसँ धाङि आओत)। *āota—V.* Optative form of *āeba* (q. v.).

आओति आओति—आओत (दे०) केर स्त्री रू०। गो० श्र० १ अमर ३२ (तुअ सखी होयति यतने चलि आओति थोरे करह इह श्यामा); मो० २०-६ (भरोसी आओति ने किएक)। *āoti—Fem.* of *āota* (q. v.).

आओन¹-आओन¹-१. प्रत्यय। व्यंजित अर्थमे प्रयुक्त कएल जाइछ। ल० वि० ५७ (निछाओन, निकाओन, कमाओन); (ल० वि०) ४६ युक्त अर्थमे अल्प मेघसँ युक्त मेघाओन। (ल० वि०) सदृश अर्थमे वदरआओन। *āona—*Suffix added in the senses of something partially similar or endowed with.

आओन² —आओन²—गाड़ीमे पहियाक सामी (दे०)। ग्रि० १७० । *āona²*—The iron axle box of a carriage.

आओर आओर—अव्यय। अन्य, दोसर, आन, अतिरिक्त, समुच्चयबोधक (दे०), पुनः। [सं० अपर >अवर >] तु० क० हि० और, अस० आओर; उ० आउरि, आउर। वर्ण० २ (आओर कइसन देषु); मन० ७५ (मगह मुङ्गेर आओर नेपाल); मि० ३३० (पोखरि आओर खुनवाओल गेलैन्ह); पारो ३५ (आओर चाही त से कहू); आमक० १ (आओर आकृति आतंककारी।) *āora—Ind.* And, besides, another.

आओल आओल—आएल (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ११० नेपाल १०८, न० गु० ३४, ३८, ४०, ४३-४ (कुसक धरम पहिलन्हि अलि आओल)। *āola—Poet.* of *āela* (q.v.).

आओव आओव—आएव (दे०) केर का० रू०। वि० पदा०

मनु० ८८, म० पु० लालपत्र २२१ रामभद्रपुर पोथी ३६६; अ० २८८ (पकुज लोभे भमरे धलि आओेव); गो० श्र० १ भजन ५१ (सुन्दर माधव आओेव जब गेह); मन० ४४ (जंस नहुव परस, प्रआोव)। *āovā*—*Poet.* of *āeva* (q. v.).

𑒂𑒏(𑒏𑒰)¹ -आक (का)¹-प्र त्यय। उपर्युक्त अर्थमे, धातु क्रियामे अभ्यास औ कौशल प्राप्त करनिहार कर्ता लेल क्रियामे जोड़ल जाइछ। ल० वि० ११५ (उड + आक = उड़ाक; तैर + आक (+ आ) = तैराक; चल + आक = चलाक)। -*āka*¹—Suffix added) in the sense of thoroughness or having experi ence and specialization.

𑒂𑒏(𑒏𑒰)² आक(का)²—अर्क, वृक्षविशेष (स्त्री०)। ई फूल महादेवकेँ विशेष प्रिय छनि। [सं० अर्क]। तु० क० हि० आक, अकवन; प्राकृ० अक्क। वि० पदा० मनु० ५७२ (आक धुथुर फल अकवन; गीतः परिणय ४ (आक धुथुर फुल नवदल धीकल देल मोह जोगी); मि० ३६६ (जनरा आक धाक छैणो; पुजल चरन करि प्रेम हे); मनु० १२३ (आक धथुर निदोने)। *āka*²—A small tree bearing flowers of the same name with medicinal sap and rind.

𑒂𑓀𑒏 आँक—१ एकसँ नवौ तक बेर संख्या। २ चिन्ह (स्त्री०) ३ परीक्षण। तु० क० आँकब (दे०)। [सं० अङ्क]। *āka*—Num bers zero to nine, mark, evaluation.

𑒂𑓀𑒏𑒛𑓃 आँकड़—कंकड़, बहुत छोट-छोट पाथर (स्त्री०), पाथर छोट-छोट टुकी। [सं० कर्कर > कक्कड़ > काँकड़]। नव० २१८ (छोटि छोट जिनमेसँ आँकड़ बिछल जाती)। आँकड़ पाथर। *ākaḍa*—Very small stones (especially those often found mixed in grains).

𑒂𑒏𑒝𑓂𑒚 आकण्ठ—वि०। कण्ठ धरि, पूर्णतः। [सं० आ + कण्ठ] प्रशा०, ११६ (आकण्ठ जलमे पैसलाह); हिरा० ५७ (जहाँ जखन आकण्ठ जलमग्नमे रहै छी); (आकण्ठ भोज खाए क आबि रहलाह अछि)। *ākaṇṭha—Adj.* Up to the brim, full.

𑒂𑒏𑒝𑓂𑒝𑒹 आकण्णे-क्रि०। तु० का० रू०। अकानि, सुनिसुनि। तु० क० अकानि। [सं० आकर्ण्य]। कीर्तिलता १५ (मीर वचन आकण्णे करइ)। *ākaṇṇe*—*V. Obs. Poet.* form. After having heard (something).

𑒂𑒏𑒢 आकन—एक प्रकारक गाछ वा लकड़ी। वर्ण० ११ (मरख मोखा आकन)। *ākana*—A kind of wood.

𑒂𑓀𑒏𑒥 आँकब—क्रि०। परीक्षा करब, गनब, चिन्हित करब। [आँक (दे०) + अब्]। *ākaba*—*V.* To evaluate, count or mark.

𑒂𑒏𑒩 आकर—समूह [सं०]। *ākara*—Group.

𑒂𑒏𑒩𑒱¹ आकरि¹—आकर (दे०) केर स्त्री० रू० मि० मिथ १-२१ (रोग सन्तापित आगरि-आकरि विकोह)। *ākari*¹—Fem. form of *ākara* (q. v.).

𑒂𑒏𑒩𑒱² आकरि²—बहिला (माल) (स्त्री०), जाहि मालकेँ सन्तान नहि होइक। [? सं० अकिम]। *ākari*²—An animal (female) which has no issue.

𑒂𑒏𑒩𑓂𑒭𑒏 आकर्षक—वि०। १ जो वस्तु, जे अपना दिसि खीचए, आकर्षण करनिहार। २ सुन्दर। ३ चुम्बकीय शक्ति सम्पन्न धातु। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० आकर्षक। [सं०]। (वाह! देखु आकर्षक फूल अछि)। *ākarṣaka*—*Adj.* Attractive.

𑒂𑒏𑒩𑓂𑒭𑒝 आकर्षण—१ कोनो वस्तुक दोसर वस्तु लग ओकर शक्ति वा प्रेरणासँ आबि जाएब। २ विशेष इच्छा। [सं०] तु० क० हि० असा०, नै० आकर्षण। वर्ण० ३ (आकर्षण); पुरु० (मोह गुटिका आकर्षण करथि)। *ākarṣaṇa*—attraction.

𑒂𑒏𑒩𑓂𑒭𑒏𑓂𑒩𑒲𑒛𑒰 आकर्षक्रीड़ा—६४ प्रकारक कलामेसँ एक प्रभेद [सं०]। वर्ण० २० (आकर्षक्रीड़ा चलितविहार)। *ākarṣa-krīḍā*—One of the 64 traditional Indian arts.

𑒂𑒏𑒩𑓂𑒭𑒱𑒞 आकर्षित—वि०। खीचल गेल, अपना दिसि आनल गेल। [सं० आकृष्ट = आकर्षित]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, आकर्षित; पा० आकस्सित; प्राकृ० आगासिय; सिं० हुत। मि० उद० १५७-१६ (आकर्षित भेल अछि); गो० ६८-२८ (ध्यानकेँ आकर्षित करै चाहैत छी); नव० ४१ (पेट्रोमैक्सुक प्रकाशसँ आकर्षित भेने मारि कीड़ा फतिङ्गा जकि-जकि लोकक पीठपर खसल)। *ākarṣita*—*Adj.* Attracted.

𑒂𑓀𑒏𑒪 आँकल—वि०। चिन्हित, लिखल, बनाओल। [सं० अंक]। नव० ४० (अष्टदल कमल आँकल रहक)। *ākala*—*Adj.* Marked, sketched, outlined.

𑒂𑒏𑒪𑒃𑒞𑒹𑓀 आकलइतेँ—क्रि० वि०। गिनैत-गिनैत; गनैत। [सं० आकलन + निश्चयात्मक अहि = अइ > ए, एँ]। वर्ण० २६ (कोटि प्रभृति असंख्याहिँ सहिआर आकलइतेँ लेल पुरबतो आइ)। *ākalaitē*—*Adv.* While figuring or counting.

𑒂𑒏𑒪𑒢 आकलन—क्रि०। लेखाक, कार्य संग्रह, सञ्चय, गनब, सम्पादन अनुसन्धान, जाँच, इच्छा, कामना, वर्णन करब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, मरा०, आकलन। मिहिर २-६१-६० (१०)। *ākalana*—*V.* Collection, amount, investigation.

𑒂𑒏𑒮𑓂𑒧𑒱𑒏 आकस्मिक—क्रि० वि०। अकस्मात् भेनिहार; जे बिना कोनो कारण नहि होइक, जकरा होएबाक पहिनेसँ कोनो अनुमान नहि हो। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज० आकस्मिक; प्राकृ० आकस्मिय। पुरु० १०४ (नीतिहि काल बिताव आयल आकस्मिक पवन); मि० ३०६ (आकस्मिक घटना घनघोर रात्रिमे); प्रशा० १६६ (एहि आकस्मिक पति परिवर्तनक रहस्य नहि बुझि सकलैन्ह)। *ākasmika*—*Adv.* Sudden.

श्राकाबाँका आकाबाका—अव्यय। का० रू०, अन्ट सन्ट बात-बिचार उचित-अनुचित । [आँकब < सं० अंकन = आँक > आक, अथवा बाक क शब्दानुकरण + बाक (बजबाकाल पुनरुक्ति + सं० वक्र ०: बाक्) तु० क० अकबक, हि० हक्का-बक्का । रुपैया राज० ५, (किछु चलय न आकाबाका । टनकाय टनाटन टाका) । *ākābākā*—Ind. P.F. Right or wrong words.

श्राकार आकार—आकृति, स्वरूप (दी०), मूर्ति, रूप सूरति, बनावट, संघटन, चिन्ह, चेष्टा, दीर्घ 'आ'क मात्रा । [सं० । तु० क० हि० बं०, अ०, ने०, अव० राज०, आकार; पा० ओअक; प्राकृ० आयार; सि० आयुर; आब; आ । वर्ण० १२ (पृथ्वीतल खसल अइसन आकार); वि० पदा० मजु० १७८ (नयन युगल भृंग आकार); राम० ७८ (स्वयं ज्योति रहित आकार छथि); मि० उद० १५७–१७ एकटा नारिकेरिक आकार भाण्ड बहार कै); द्विरा० १२८ (नीमकोक आकार ग्रहण कैने छलैन्ह)। *ākāra*—Shape, appearance, the *mātrā* (q.v.) or mark of *ā* added to a letter.

श्राकारी आकारी—वि० । आह्वान कएनिहार, बजओनिहार । [सं० आका > आकारण + इक < ई ।] तु० क० सं० आकारिक जकर अर्थ होइछ खानि केर अधीक्षण लेल नियुक्त व्यक्ति । तु० क० हि० आकारी । मो० १२२-३-३१ (केवल आकारी बनि उक्त पाठशालाक नामावलीकेँ भरथि) । *ākārī*—*Adj.* (One) who calls out especially by name; who convenes, who takes the attendance.

श्राकारे आकारे—आकार (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ७१ प० ता० २१६ न० गु० २५०, अ० २४६ (जिनि कम्बुकण्ठ आकारे) । *ākāre*—Poet form of *ākāra* (q.v.),

श्राकाल आकाल—अकाल (दे०) केर अशु० वा का० रू० । मो० ६३–१० (नियम छैक आकाल (रौदी) अवश्य हो) । *ākāla*—Err. or poetic form of *akāla* (q. v.).

काकालहि आकालहि—आकाल (दे०) केर निश्चय० रू० । राम०२६५ (तनिकर मरण आकालहि भेल) । *ākālahi*—*Emph.* of *ākāla* (q.v.).

श्राकाश आकाश—अन्तरिक्ष, गगन । [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, राज०, गु०, अव० आकाश, पा० आकाश, प्राकृ० आकास आगओ; आआओ; सि० अहस; अस । वर्ण० १० (कृष्ण पक्षक आकाश सन देखू); राम० १५१ (हा आकाशक पन्थ राक्षस बली से कुष्टनीता छली); मो० ६७–३ (आकाश सर्व व्यापक अछि); चित्रा ६१ (भए रहल अछि व्याप्त ई आकाश) । *ākāśa*—Sky.

श्राकाशकामिनी आकाशकामिनी—मन्त्रसंचारित योनि विशेष । ६४ योगिनीमेसँ एक । [सं०] । तु० क० डाइन-योगिन, योगिनी पिशाचिनी । वर्ण० ५२ (अन्धरोविका, मूका, मोहिणी, आकाशकामिनी प्रभृति चउसठि योगीनीतेँ आर्थि) *ākāśa-kāminī*—One of the 64 *yoginīs*.

श्राकाश कुसुम आकाश कुसुम—मात्र काल्पनिक सत्ता बला मिथ्या (वस्तु, फूल वा विषय) जे हास्यास्पद हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अस०, आकाशकुसुम; मृगतृष्णा (दे०) । मिहिर २–६१–५३ (१२), (की आकाशकुसुम तोड़बामे लागल छी) । *ākāśa-kusuma*—Flower of the sky. Figuratively used for an imaginary object.

श्राकाश गंगा आकाश गंगा—पौराणिक स्वर्गङ्गा (जकर निर्माता विश्वामित्र कहल जाइत छथि), छोट छोट ताराक एक विस्तृत समूह जे आकाशमे उत्तरसँ दक्षिण दिसि पसरल अछि । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस, ने०, आकाश गङ्गा । (मेघमे आकाश गङ्गा प्रत्यक्ष ओहिना देखि पड़ैछ) । *ākāśagaṅgā*—Ganges of the sky, the Milky Way in the heavens.

श्राकाशदीप आकाशदीप—आकाशमे पितरलोकनिक बाट इजोत कइबाक लेल खूब ऊँचपर गाड़ि क जराओल जाएबला दीप (विशेषतः कार्तिक मासमे) । ई धार्मिक दीपदान कहबैत अछि । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आकाशदीप । (आकाशदीप कार्तिकमे कल्पवास कएनिहार वा कएनिहारि, दइत छथि) *ākāśadīpa*—A lamp in the sky to act as light for the path of the dead ancestors in the month of kārttika.

श्राकाशस्थ आकाशस्थ—वि० । आकाशमे स्थित, आकाशमे होमएबला । [सं०] । मि० उद० १५७–२० (आकाशस्थ नव कादम्बिनी) । *ākāśastha*—*Adj.* Belonging to the sky.

श्राकाशवाणी आकाशवाणी—देववाणी, अप्रत्यक्ष शून्यसँ सुनाओल जाइत बाणी (नाटक आदिमे), बेतारक युक्तिसँ प्रसारित ध्वनि, भारतीय रेडिओक नाम । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आकाशवाणी । पुरु० १६६ (ई आकाशवाणी केहनि ?) *ākāṣavāṇī*—A voice from heaven, an incorporeal speech, Indian Name of the All India Radio.

श्राकाशज्ञान आकाशज्ञान—शून्य आकाशक अनुभव वा वर्षा विषयक ज्ञान । [सं०] । वर्ण० १६ (मेघक शब्देँ आकाशज्ञान) *ākāśa-jñāna*—Knowledge about the existence of the sky or of the conditions of the weather (esp. as regards the planets, rains, etc).

श्राकाशीय आकाशीय—वि० । आकाश सम्बन्धी; आकाशमे स्थिति, ग्रह आदिसँ सम्बद्ध, आकाशमे घटएबला, दैवात्, दिव्यज्ञानसँ, अकस्मात । [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने०, आकाशीय । मो० १७४–५८ (आकाशीय भविष्य ज्ञानसँ पूर्वहि कहल जाय तँ लोकमे चमत्कार होइछ) *ākāśīya*—*Adj.* Belonging to the heavens, unforeseen.

श्राकास आकास—आकाश (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा० मजु० २२ (आकास पाताल बस से ओ कइसे भेल अस) *ākāsa* *Coll.* of *ākāśa* (q. v.)

श्राकासी श्रालोचना आकासी आलोचना—व्यर्थकृत

आलोचना; निरर्थक आलोचना। [सं॰ आकाशीय, आकाशी + आलोचना] निहि॰ ३८-२५-८ (आकाशी आलोचना कहि बप सभ बालक पत्र लगाए आलोचना करथि) *ākāsī ālocanā*—Easless criticism.

𑒂𑒏𑒰𑓀𑒏𑓂𑒭𑒰 **आकांक्षा**—मनोरथ, महत्वाकांक्षा, इच्छा। [सं॰] वर्ण॰ ११ (ई से वस्तुक अधिक आकांक्षा); मि॰ उप॰ २५७-१६ (कालिकाक प्रसादक आकांक्षामे)। मी॰ १७१३- (आकांक्षाकेँ बढ़ाय कथी येतमे अवतीर्ण होइत छथि)। *ākāṅkṣā*—Wish, desire.

𑒂𑒏𑒲𑒩𑓂𑒝 **आकीर्ण**—भरल, पसरल वा छिड़िआएल। [सं॰] वर्ण॰ ४२ (चटकतें आकीर्ण), मलमासुम ६२। *ākīrṇa*—Filled.

𑒂𑒏𑒳𑒩 **आकुर**—आंकुर (दे॰) केर का॰ रू॰। वि॰ गी॰ ४० (प्रेम आकुर अंकुरल भेल)। *ākura*—Poet. of *aṅkura* (q. v.).

𑒂𑒿𑒏𑒳𑒩 **आँकुर**—अंकुर (दी॰), अंकुरा। [सं॰ अंकुर]। वि॰ पदा॰ मजु॰ १४३ तालपत्र न॰ गु॰ ७३७, मि॰ ३०२, स॰ ७६८ (पेमक आँकुरे पल्लव देल), पै॰ ३६, न॰ गु॰ तालपत्र ७५ अ॰ ३ (नदन आँकुर आँखि)। *ākura*—Sprout.

𑒂𑒏𑒳𑒪 **आकुल**—वि॰। (१) व्यग्र, घबराएल, (२) व्यस्त (३) उद्विग्न, क्षुब्ध, (४) विह्वल (५) चिन्तित, (६) असमर्थ (७) शारतम्यहीन। [सं॰]। तु॰ क॰ हि॰; बं॰, असा॰, मै॰, अव॰, राज॰ आकुल; पा॰ आकुल, ओभक; प्राकृ॰ आउल; अउलिया; उ॰ आउला, ओला; प्रा॰पु॰ आकुलई। वि॰ पदा॰ मजु॰ ३६, न॰ गु॰ १०४ तालपत्र नै॰ १८ पृ॰ ८, क॰ ११६ (आकुल पुलिन अलिकुल समरी); मन्द॰ २२ अति आकुल भए सभ पहुँचल घाय); राम॰ ६८ (लोक आकुल भरत खसला); पारी ९८ (आकुल स्वरमे बाजलि), आनद॰ ८३ (हृदय आकुल भ गेलैन्ह)। *ākula*—*Adj.* Distressed, anxious.

𑒂𑒏𑒳𑒪𑒰 (𑒪𑒱) **आकुला (लि)**—आकुल (दे॰) केर स्त्री रू॰। वि॰ पदा॰ मजु॰ १६६, न॰ गु॰ ८०३, मि॰ ८०४ (कि करत हियरा आकुला); नम॰ १३ (तनय सुहमौलहि आकुल भेल); गारी परिचय ६ (अति आकुल भए रति करवैत)। *ākulā (li)*—Fem. of *ākula* (q.v.)

𑒂𑒿𑒏𑒳𑒮 **आँकुस**—अंकुश, अंकुसी (दी॰), कोनहु वस्तुके रोक [सं॰ अंकुश]। कोकिला ५१ (महाकवीक आँकुस माडी मान); वि॰ पदा॰ मजु॰ १६६ तालपत्र न॰ गु॰ १३० (यदि हरि विनु आकुस) लाय)। *ākusa*—Pointed or hooked, iron-rod for controlling (esp. elephants),

𑒂𑒏𑒵𑒞𑒱 **आकृति**—स्वरूप, शकल, कार, आकार। [सं॰]। तु॰क॰ हि॰, बं॰, असा॰, ने॰, अव॰ आकृति। राम॰ ४१ (आकृति अनिक देखि सभ सटपट); मी॰ २६-२७-३ (आने आकृतिकेँ भय मिथिलाक्षर नाम सँ ख्यात भेल); रासदल १४ (आकृतिओ नम घनश्याम सनक); आमक॰ १ (आभीर आकृति आतंककारी)। *ākṛti*—Shape, appearance, form.

𑒂𑒏𑒵𑒭𑓂𑒙 **आकृष्ट**—वि॰। आकर्षित, [सं॰]। तु॰ क॰ हि॰, बं॰, असा॰, मै॰ आकृष्ट। पुरु॰ १०५ (निर्मल जौं आकृष्ट मन गन्ध सँ परम आकुल); मि॰ ४५२ (हमर आकृष्ट करबाक हेतु आक्रोश छनि कए रहल छी); मै॰ हि॰ सा॰ १६ (चित्त आकृष्ट करथि); मी॰ ९६-२ (आकृष्ट देखि); हिरा॰ ५ (ओ यदि चित्त आकृष्ट न रहल छैन)। *ākṛṣṭa*—*Adj.* Attracted.

𑒂𑒏𑒹𑒏𑒩𑒰 **आकेकरा**—वि॰। प्रा॰ तु॰ प्रयोग अर्धमीलित (आँखि)। [सं॰]। तु॰ क॰ हि॰ आकेकर। वर्ण॰ ४६ (आकेकरा कुञ्चित)। *ākekarā*—*Adj.* Half-shut (eyes)

𑒂𑒏𑓂𑒩𑒢𑓂𑒠 **आक्रन्द**—१. नाराज २. हल्ला, चीत्कार करब ३. ध्वनि, ४. घोर युद्ध। [सं॰]। तु॰ क॰ हि॰, बं॰, असा॰ ने॰ आक्रन्द। आम॰ २०१; मी॰ १-१८ (नरकक आक्रन्द देखि)। विशेषरूपसँ रजाकँ लोककेँ सोर पाकि-पाकि कए जोरसँ सन्नाद (चिकरब) शशदल २६। *ākranda*—Cry.

𑒂𑒏𑓂𑒩𑒢𑓂𑒠𑒢 **आक्रन्दन**—कानब, चिकरब, भोकाड़, विलाप। [सं॰]। तु॰ क॰ हि॰, बं॰, असा॰, ने॰ आक्रन्दन। चयनिका ८८। *ākrandana*—Lamentation.

𑒂𑒏𑓂𑒩𑒧𑒝 **आक्रमण**—चढ़ाइ, हमला, घेरब, आक्षेप वा निन्दा करब। तु॰ क॰ हि॰, बं॰, असा॰, ने॰ आक्रमण; प्राकृ॰, पा॰ अक्कमण; सि॰ आक्रमन। पुरु॰ १२८ (पाशबद्ध चन्द्रहीँ आक्रमण कि); मि॰ उप॰ १५६-६ (अगहणीकक आक्रमण बनारस गवर्नमेन्ट संस्कृत कालेजक परीक्षापर पूर्वे क्रमेय पड़ल); मी॰ १७४-४ (मिथिला पर आक्रमण कैने छल); रङ १५० (महाराजक हाथीपर आक्रमण क देलकैन्ह)। *ākramaṇa*—Attack, siege.

𑒂𑒏𑓂𑒩𑒧𑒞 **आक्रमत**—क्रि॰। आक्रमण करत। [आक्रमण सँ आक्रम + अत] अत प्रत्यय भविष्य प्रथम पुरुष लेल। तु॰ क॰ मार + अत = मारत, भाज + अत = भाजत। पवाद ४ मेद। *ākramata*—V. Will attack.

𑒂𑒏𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒞 **आक्रान्त**—वि॰। १. जकरापर आक्रमण कएल गेल होअए २. घेरल, आवृत ३. वशीभूत, पराजित ४. पीड़ित, दलित, ५. व्याप्त। [सं॰] तु॰ क॰ हि॰, बं॰, असा॰, ने॰, आक्रान्त; पा॰ अक्कन्त; प्राकृ॰ आक्कंत; गु॰ आक्रांतिबु। पुरु॰ १६९ (दारिद्र्य दोषसँ आक्रान्त रहब लगलाह)। *ākrānta*—*Adj.* Which has been overcome or occupied.

𑒂𑒏𑓂𑒩𑒲𑒛𑒱𑒞𑒰 **आक्रीड़िता**—नृत्यक छओ भङ्गिमामेसँ एक। [सं॰]। वर्ण॰ ४६ (आक्रीड़िता, विलम्बिता संपकेँ इत्यादि भंगक सुलभा)। *ākrīḍitā*—One of the six poses in dancing.

𑒂𑒏𑓂𑒩𑒼𑒬 **आक्रोश**—१. गारि, भर्त्सन, २. आह्वान। [सं॰]। तु॰ क॰ हि॰, बं॰, असा॰, ने॰ आक्रोश। अम॰ ३६ (शाप आक्रोश दुरैगता); सुभद्राहरण ३२; मि॰ ४५२ (हमर आकृष्ट करबाक हेतु आक्रोश कै रहल छी); स्वयम्बरा २८। *ākrośa*—An

abuse or disgusting.

आखर आखर—अक्षर (दे०) केर विकल्प रू०। [सं० अक्षर]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आखर। मै० अच्छर शब्दवत विकल्प वा० रू०। वि० पदा० मजु० १४६, न० गु० ६१४, अ० ६२० (मधुकरमाला अ खर पाति); मो० १३८–३९–३० (अपन शुद्ध मैथिलीक आखरहुक दिशि ध्यान रखैक थिक), द्विरा० २०६ (दुइए आखर अंग्रेजी पढ़ि कए तोरा एतेक बुद्धि भ गेलौक); पारो २० (कोनो बैबे जँ इ आखर पारोकेँ लिखि पठबितियै); नव० १४ (आगाँ एको आखर हुनका मुँहसँ नहि बहरेलन्हि); कनेक गीतक आखर कहिऔक। *ākhara* —A letter of the alphabet.

आखरी आखरी—वि० t अन्ततः, कमसँ कम। [फा० आखिर] आमक० ८४ (ऋतुओ आखरी चल्ले गेल), (मासक आखरी तारीखमे हमर सभक प.इ वेमाक अवश्य कए देब)। *ākharī*–At the end, lastly.

आखि आखि—आँखि (दे०) केर अशु० रू०। वि० ने० ३४ (आखि देखइते कुपथ धसिलहु); वि० पदा० मजु० ७० पंडित बाबा पोथी पद १०४ (प्रथमइ दुति पठायलि आखि)। *ākhi*—Err. form of *ā̃khi* (q.v.).

आँखि आँखि—नेत्र, चछु, नयन। [सं० अक्षि]। तु० क० हि० बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आँखि। वि० पदा० मजु० ३४ न० गु० तालपत्र ५२, नेपाल २६, क्षणदा ३४८, अ० ७६ (मँउद सुरेखलि आँखि), गो० शृ० १ अपर २ (निन्दह निन्द नयन नहि हेरिय नै जानिय कि भेल आँखि); मन० ४५ (मरदक नलिन मलि। करु आँखि) राम० २४ (मुनि कोप लल बड़ आँखि), मै० हि० सा० ३–४–२ (कत दिन साथ संध्या देखब कत दिन आँखि बहाने)। *ā̃khi*—eye.

आँखिए (ये) (यो) आँखिए (ये) (यो)–आँखि (दे०) केर निश्च० रूप। कन्या० ७ (काजर कर जैथिन्ह त बरक आँखिये फोड़ि कए वैसि रहथिन्ह); प्रय० २७ (आँखिए आँखसँ इशारा भेल); पारो ६८ (ईश्म हरा पहि आँखिए नहि देखल हैत), मैथिली लोकगीत १४६। *ā̃khie (ye) (yo)*—Emph. of *ā̃khi* (q.v.).

आँखिभौँह आंखि भौँह-नेत्र एवं भौँह (कपारक नीचाँ भाग में आँखिसँ उपर केशसँ आच्छादित स्थानके भौँह कहल जाइछ)। [सं० अक्षि+भ्रू] तु० क० ने० आंखिभौं। आंखिभौंह बिगाडब=प्र० प्रदर्शित करब—क्रोध प्रकट करब। *ā̃khi bhaũha*—Eyes and eyebrows.

आखिर आखिर—अन्ततोगत्वा, अन्तमे [फा०]। तु० क० मै० आखीर (दे०) हि०, बं० अस०, उर्दू, ने० आखिर। राग० ६४ (आखिर त ओ अञ्जन लागे); प्रय० १६७ (आखिर नहि रहि भेलैन्ह); पारो २१ (अनन्त आखिर नहिये बुझलियै)। *ākhira*—In the end, after all, however.

आखिरी आखिरी—आखिर (दे०) केर निश्च० रू०। द्विरा० १९ (आखिरी दर्जा धर स्त्रीक इज्जति कें पहुँचा देलथिन्ह)। *ākhirī*—Emph. of *ākhira* (q v.).

आँखी आँखी—आँखि (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १४६ (ते भोर लागल आँखी); वि० पदा० मजु० ४, नेपाल ३२१ पृष्ठ ७६ (खँजन नयन ताहि परिहर तैतनि लोलुमि आँखी); राम० ११७ (छवि देखल भरि आँखी); महेश० ६९ (एहन दुलह सखी देखल न आँखी)। *ā̃khī*—Poet. of *ā̃khi* (q. v.)

आखीर आखीर—आखिर (दे०) केर अशु० रू०। गोनू–विनोद २०। *ākhīra*—Err. of *ākhira* (q.v.)

आखु[1] आखु[1]—आँखि (दे०) केर का० रू०। श्रीकृष्णकेलिमाला ६ (आखु चढ़ल शिर चक मक चन्द)। *ākhu*—Poet. of *ā̃khi* (q.v.).

आखु[2] आखु[2]–पमही, अखुआ, पनुगी। [सं० अंकुर]। *ākhu*[2] —Sprout.

आखेट आखेट—शिकार, मृगया। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आखेट। अम० २३१ (मृगव्य,आखेट, मृगया); महेश० ४९ (जग आखेट पेट लय केवल)। *ākheṭa*—Hunt.

आखेटक आखेटक—शिकार कएनिहार; शिकारी, अहेरी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आखेटक। उदयन कथा ३३ *ākheṭaka—Adj.* Hunter.

आख्खिअ आख्खिअ—क्रि०। का० रू०। कहलक, कहल गेल [सं० आख्यातवान्; आख्यातन्]। कीर्ति पताका ८ (तेन आख्खिअ। *ākhkhia*—V. Said, was said.

आख्यात आख्यात-वि०। प्रसिद्ध,नामवर, विख्यात, कहल गेल [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आख्यात, प्राकृ० आहक्खिअ। अमर २६३ (जल्पित आख्यात)। *ākhyāta—Adj.* Said, told, declared, made known, famous.

आख्यान आख्यान—वर्णन, वृत्तान्त, उपदेश, खिस्सा, उपन्यासक नओ भेदमेसँ एक। तु० क० हि०, बं०, अस, ने०, आख्यान, प्रा० आइक्खण। *ākhyāna*—Story, description, tale, one of the nine forms of fiction.

आख्यायिका आख्यायिका—कथा, खिस्सा। एक कल्पित कथा जाहिसँ किछु उपदेश बहराइक, एक प्रकारक आख्यान जाहिमें पात्र स्वयं अपन चरितक उल्लेख अपनहि मुँहसँ करैछ [सं०]। तु० क० हि०, बं, अस०, ने० आख्यायिका। अम० ३६ (आख्यायिका अनुभूत वृत्तान्त प्रतिपादक वासवदत्ता आदिक नाम)। *ākhyāyikā*—Story, tale, a narration (as if) from the mouth of the author (narrator) about himself.

आग आग—आगाँ, आगि अथवा आङ्ग (दे०) केर अशु० का० रू०। वर्ण० ५ (काश्चि वरली अइसन आगक वान); वि० ने० ४२ (अपना आग अनाइति भेलि), वि० पदा० मजु० २०४ (आगि जारि पुनु आगक आश)। *āga*—Err. Poet. form of *āgā̃*, *ā̃ga* or *āgi* (q.v.).

आगइ—आगू (दे०) केर प्रा० प्रा० रू० । वर्ण० १० (धूलि धनि आगइ) । *āgai—Obs.* Form of *āgū* (q.v.)

आगड़ बागड़—बकलेल, तुच्छ, अर्थहीन, निरर्थक बात विशेषक ध्वनि । तु० क० (बील पतरा बील बतरा), अगड़ बगड़ असo, आगड़-बागड़ ['गड़बड़' सँ आगड़ + शब्दानुकरण अथवा बागड़ > पके = पताड़, बकलेल] (खेलमे) (आगड़ बम्बा मारि ढी अ गड़ बम्बा मारि ढी); (आगड़-बागड़ (पैड़ = पक—पकसँ बैसो)ठी बासी नब्बे बील) । *āgaḍe—bāgaḍe*—Miscellaneous, Meaningless, children's rhyme

आगत—वि० । अतिथि भेल (व्यक्ति) पाहुन, आएल, प्राप्त, उपस्थित । [सं०] । तु० क० हि०, अस०, ने० आगत; प्राकृ० आगय आय अइल; धमोली आगयेथ सि० आयो, लहन्दा आइआ, प्रा० मा० आइयो; सं० आइल; म० आला । राम० १०६ (आगत जे पुरलोक बुलाय), महेश० ? (आगत नव ऋतुराज); पुरु० १४६ (वंचित दाता ... आगत ...); वि० ३५४ (प्राप्त स्वीकार पत्र सङ्गमे आगत कोलआधीक प्रतिष्ठित द् इथवित कराबो पता देव महल); वि० हि० सा० ५ (आगत लोक सेक्कासँ अछि); दिरा० २७ (आगत स्वागत करबामे लगलाह) । *āgata—Adj.* Arrived, guest, present.

आगता—आगत (दे०) केर स्त्री रू० का० म० महेश० १८६ (वर्षा आगता रे); पुरु० २४४ (तसबी नुत पहुनाय सँ आगता छथि); उदयन तथा २५३ । *āgatā*—Fem. of *āgata* (q.v.)

आँगन—आङ्गन (दे०) केर विक० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३६८ (कितय भवन बत आँगन); गी० श० १ अमर १६ (ककर आँगन के पुनु नाँच); नमं० १२ (अपन आँगन सभ आँगन भेल); राम० २७ (मिथिलेश आँगन अछिन्ह) । *āgana—Alt.* Of *āṅgana* (q.v.).

आगनीपोह—रत्न विशेष । [अग्नि + पोह] । तु० प० पूर्वकाल मणि । वर्ण० ४२ (आगनीपोह माकर स्पल अछ) । *āganīkhcha*— Ent.

आगन्तुक—अवतिथार (दी०) आगन्तला, अतिथि [सं०] । तु० क० अस०, बं०, ने० आगन्तुक । मो० १७१–२२ (चौ आगन्तुक मैथिल तथा अन्यदेशीयहु आगन्तुक मात्र स्वयंता मैं मै छथि); प्रदा० १३० (आगन्तुक कललिन्ह), कन्या० २७(ई्लुनैल आगन्तुक होइ देलन्हि), रश० ८० (आगन्तुक हमसुँ मोर्चा लेबाक हेतु) । *āgantuka*—A newcomer, a guest.

आगम—भाविवर्णादिक चिन्ह (दी०), आवपड़ला समय, सम्भावना, समागम, आमदनी, आय, उत्पत्ति, वैयाकरणानुसार शब्द प्रमाण, वेद, शास्त्र, ज्ञान, प्रवाह, धारा, सिद्धान्त, व्याकरणमे प्रकृति ओ प्रत्यय, लिखित प्रलाया पत्र । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आगम नब्बाँ ४०११, २६१२; वि० वि० ३० (आगम पुरुष वेद नीति सुजान); मै० हि० सा० १७ (५–६) (आगम निगम पुराण बिचारद); मो० ६७–१० (दर्शन आगम ज्योतिष व्याकरण) । *āgama*—Coming future, the Veda; theory; origin; knowledge; flower; happening; written certificate etc.

आगमन—आयत; प्राप्ति; आय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, पा० आगमन; प्राकृ० आगमन । राम० ३० (करइत छी आगमनक काज) पुरु० ०३ (तुलक आगमनक हेतु दत कहे छी); वि० २४६ (यदि तरहक आगमन शिरोधार्य); दिरा० ११६ (अथवा आगमनक सूचना न देलकैन्ह) । *āgamana*—Arrival, income, origin.

आगमा—आगम (दे०) केर अशु० रू० । वर्ण० ६० (साम्हाली प्रभृति चौदह आगम) । *āgamā*—old Err. form of *āgama* (q. v.)

आगर[1]—अपरिवर्तकावातायन, हवादार, आकर, राशि (दी०), समूह वा ढेर । [सं० अग्र,आकर] । तु० क० अस० आगर । वि० नै० ४८ (सिनेह लागि सब गुण आगर),वि० पदा० मञ्जु० १५ रामभद्रपुर १५६ (चित बिमल मनहुँ तह आगर); गी० श०, अमर० १० (श्याम सुनागर गुण गण आगर के बसि बिछुरै पार) । *āgara*[1]—airy front, open airy (room), collection, mass, heap.

आगर[2] —पचीसी आदि खेलमे कोष्ठक, पासाक खाना वा कोष्ठक अर्थात घर । तु० क० घर; ... चौघर, चौरा । वर्ण० २६ (आगर ...) । *Āgara*[2]—Squares (in the game of chess etc.).

आगरा—उत्तर प्रदेशक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक शहर । तु० क० अस० आगरा । अकबरनामा ६७, ६८ । *āgarā*—A famous city of Uttar Pradesh.

आगरि—आगर (दे०) केर स्त्री० रू० । कोकिलता २२ (कत जौबन गुणे आगरि); वि०नै०२५२ (जगत नागरि कत न आगरि); गी० श० १ अमर० ४ (जे रस आगरि विलसथ नागरि हेरितहि तनिकर साथ); वि० वि० ७ (रूप गुण आगरि रति सह सुन्दरि); वि० मि० १–२२० (सकल रंग इत्यादिक आगरि आवरि सिर्जीहि) । *āgari*—Fem. form of *āgara* (q.v.)

आगलि—वि० । अगली स्थिगत, अत्य तथ बजनिहारि । आगाँ भए, अनकासँ बढ़ि कए । तु० सं० अग्र > अग्गर > आगल, स्त्री, रू० अग्गलि = आगलि । तु० क० हि० अग्गल-विवक्षुक; मै० अगिलही, अगराजित । FML. ३/२ (ऑनित आगलि नाहि खिनाली) । *āgali, Adj*—In the front, impudent, insolent.

आगवन—आगमन (दे०) केर अशु० वा का० रू० राम० लालदास १२४ । *āgawana*—Err. or poetic form of *āgamana* (q.v.).

आगा (गाँ)—क्रि० वि० । कोनो वस्तु वा व्यक्तिक अग्रभाग । [सं० अग्र, प्राकृ० अग्ग] । वर्ण० १३ (सर्व ... आगाँ ...); वि० नै० १२४ (... आगाँ ...); वि० पदा० मञ्जु० १११, वि० न० गु० ४७२, अ० ४८७ (आगा सभ केवो शील

निर्वेदय); गो० शृं० १ अमर ४६ (गोपीक मरन दैवे अनुमान करै सबै सबक आगाँ); रामः० ५१ (देखलि किछु दुरि आगाँ जाय); महेश० २ (यम दण्ड आगाँ); मो० ६७–४ (आगाँ भाग लेबै चाहैत छी); प्रमा० २२ (आब आगाँ गप्प सुनू); चित्रा १४ (आगाँ माथ झुलौलक माथ)। *āgā (ã)*—*Adv.* Front portion, further.

श्रागाँ पाछाँ **आगाँपाछाँ**—क्रि०वि०। आगू पाछू, इतस्ततः, धकचुकाएब। [सं० अग्र > आगाँ + सं० पश्चात् < पाछाँ]। तु० क० उ० आगपाछ, नै० आगाँपाछाँ, आगा पिछा। *āgā pāchā*—*Adv.* Hither and thither, pros and cons, hesitatingly.

श्रागामिनी **आगामिनी**—वि० स्त्री०। अएनिहारि। [सं०] मो० १२१ (आशा अछि जे आगामिनी), शन्दल ५ (चिन्ता न करथि आगामिनी)। *āgāminī*—*Adj.* (A woman) Coming in the (imminent) future.

श्रागामी **आगामी**—वि० पु०। भविष्य होअएबला, आबए-बला। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० आगामि आगामी। अम० २५ (ई आगामी आओर वर्तमानादि दिन सहित)। *āgāmī*—*Adj.* A person coming in the (often imminent) future.

श्रागार[1] **आगार**[1]—घर, मन्दिर, स्थान, जगह, निधि, खजाना। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, नै०, अव० आगार पा० आँगार, ओअक, प्राकृ० आगार अगोगर। राम० ४५ (वास अयोध्यापति आगार); चन्द्र० १० (महामहिम आगार); गा० मि० २ (कहल जाम मंगल आगार)। *āgāra*[1]—House, temple, spot, place of plenty, treasury.

श्रागार[2] **आगार**[2]—सेनाक विभिन्न अलङ्कारमे सं एक। [सं०]। वर्ण० ३६ (ध्वज, चिन्ह, चित्र,छत्र, टग, आगार प्रभृति अनेक सैन्याल-ङ्कार तें आकाश छन्न भइ गउ)। *āgāra*[2]—A decoration of the army.

श्रागि[1] **आगि**[1]—(दे०) आगी केर का० रू०। बि० वि० ११ (पहिरब आगि छूठि सोहा रे)। *āgi*[1]—Poet of *āgī* (q. v.).

श्रागि[2] **आगि**[2]—अग्नि, अनल। [सं० अग्नि]। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अव० आगि, प्राकृ० पा० अग्नि, अग्गिनि, गिनी; प्रा० सि० अग, प्रा० मार०, गु०, प्रा० गु० आगि; भोज० आगी; लहन्दा अग्ग, अगान; सिंहाली अगि; आगो। चर्या ४७/२; कीर्ति-लता ५६ (दूर दुग्गम आगि जारथि); वि० पदा० मजु० १६४ तालपत्र न० गु० ४१२, अ० ६१८ (केसु उपजल आगि); गो० शृं० १ अमर० १७ (ए सखि हृदयज्वलित मोर आगि); मन० १५ (कए बेरि आगि हाथसँ छीनू); मो० ६७–१३ (खड़काँ आगिसँ विरोध); प्रमा० १२७ (बात कहइत देखि आगि बबूला भ उठलाह); चित्रा १८ (आगि छुबैत छी त जरैत नहि छी)। *āgi*—Fire.

श्रागिल (ला) **आगिल (ला)**—वि०। अगिला (दे०) केर का० रू०। [आगाँ + इल]। वि० पदा० मजु०, ७३, नेपाल १०३, न० गु० तालपत्र २०६, अ० ५६ (जेकर आगिल खेम); ऐ० ३२३ (आगिला विषय अधिक परबन्ध)। *āgila (lā)*—*Adj.* Poetic form of *agilā* (q.v.)

श्रागिलि **आगिलि**—आगिल (दे०) केर स्त्री० रू०। तु० क० अगिली। पुरु० ११४ (हो ताबत आगिलि रात्रि जे समुचित से करबे)। *āgili*—*Fem.* of *āgila* (q.v.).

श्रागिहुँ **आगिहुँ**—आगि (दे०) केर निश्च० रु०। चन्द्र १७३ (आगिहुँ न जरय न जारत तोर)। *āgihũ*—*Emph.* of *āgi* (q.v.).

श्रागी **आगी**—आगि (दे०) केर का० रू०। वि० नै० १४५ (कओन सुगुधि आलिङ्गत आगी); वि० प० मजु० ३७, न० गु० ७५, तालपत्र अ० ३ (तनु पसाहल आगी)। *āgī*—Poet. of *āgi* (q. v.).

श्राँगी **आँगी**—आङ्गी, देहमें (अंगमे) पहिरबाक हेतु कुर्त्ता विशेषतः आब स्त्री केर देह में पहिरबाक वस्त्र। [सं०अङ्ग + ई]। वर्ण० ३५ (हराठु आँगी पहिरने)। *ãgī*—*Kurtā*, Blouse.

श्रागु **आगु**—आगू (दे०) केर वि० रू०। वर्ण० ११ (आगु-पाछु); वि० नै० ३८ (आगु गुनि जे काज न करए, वि० पदा० मजु० ३४; न० गु० तालपत्र ५२, नेपाल २१, क्षणदा (मणिताही) ३ अ० ७६ (बाम चरण आगु सारल), मन० ६१ (कथा प्रसङ्ग आगु हम कहल); राम० ५१ (दशरथ आगु ठाढ़ की कहल); मि० २५३ (हिनक स्वाग-तार्थ तीन कोशे आगु)। *āgu*—*Alt.* of *āgū* (q.v.).

श्रागुग **आगुग**—आगाँ गेनिहार वा भेनिहार। लु० तु० क० हि०, मै० अगुआ। [सं० अग्र + गः = अग्रगः]। महा० ना० ६८ (निश्चित आगुग भोर सहइ त्वरित आवे)। *āguga*—Obs. One who goes ahead or in front (of others).

श्राँगुठ **आँगुठ**—आँठा, बुढ़बा आङ्गुर। [सं० अङ्गुष्ठ]। *ãgutha*—Thumb.

श्रागुणि **आगुणि**—आगुणाए केर पू० क्रि० रू०। आगुण जोर जोरसँ प्रशंसामे सोर पाड़ब वा सम्बोधन करब [सं० आगुर् + यत > इ]। गो० शृं० १ अमर ५४ (कपट कानक पिरित आगुणि दरश करथि जनि होइ रे)। *āguṇi*—Part. of *āguṇa*—Having pronounced applauding or approving exclamation (s).

श्रागु-पाछु **आगु पाछु**—आगाँ पाछाँ (दे०) केर बा० रू०। मो० १६–२ (हम हिनक आगु पाछु जे करैत छी)। *āgu-pāchu*—Coll. of *āgā pāchā* (q. v.)

श्रागुर **आगुर**—अङ्कुर (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० ६१ (एगारह अगुर बरली पललि)। *āgura*—Obs. Form of *aṅgura* (q. v.)

श्राँगुर (रि) **आँगुर (रि)**—आङ्कुर (दे०) केर वि० का० रू०। वि० नै० २० (हम जल आँगुरि देवा);राम० १४१ (कान आँगुर मुनि); आमक० १७ (आँगुर गनैत आगू बढ़लाह)। *ãgura (ri)*—

P. F. *āṅgura* (q. v.)

𑒂𑒑𑒳𑒮𑒰𑒩𑒱 **आगुसारि**—पू० क्रि० स्त्री० रू० । अवसर कम, अथवा काल आगाँ अथवा सबेरे (अपनाईं पुर्वे) मेमिकारि वा तकर भाव। [सं० अग्र > आगु + √सृ > सर् + त्वा > अर + इ] । गो० शं० ३ अमर० २१ (गोविन्ददास चलल आगुसारि आयल मन्दिर कोइ लखय न पारि) । *āgusāri*—Part. going ahead or early.

𑒂𑒑𑒴 **आगू**—क्रि० वि० आगाँ । [सं० अग्र > आगे > आगू] । तु० क० हि० आगे, अव० आगू । मि० । वि० पदा० मजु० ५६, नेपाल ५; न० गु० तालपत्र ३२८, मि० ४०, भव० ३२५ (हेरहि न पारल आगू); मन० (लइ देव बढ़ा मेल आगू); चन्द्र० ६२ (ससुर ठाकुर आगू); प्रग० ४४ (बाट आगू); चित्रा ४० (आगू मे बड़ सखि); पारी ४१ (आगाक मुग पद कात दश क कहलनि) । *āgū*—Adv. in front of, forward.

𑒂𑒑𑒹¹ **आगे¹**—क्रि० वि० । आगाँ; आगुअहि, भविष्य । [सं० अग्रे > अग्गहिम > अग्गमहि > अग्गहि > आगे] । वि० ने० ६८ (आगे पाछ्ल बहु); वि० पदा० मजु० ८८; नेपाल ३४२, न० गु० ४९२, रू० ४६७ (आगे गुनि जे काज न करए); गो० शं० १ अमर० १६ (भावन अब कि कहब हुअ आगे) । *āge¹*—Adv. Before, earlier, further, later.

𑒂𑒑𑒹² **आगे²**—अव्यय [सं० अयि > अए > आगए = आगे] तु० क० मै० आगे; स्त्र्यां आदरार्थक अगे, अगे ऐ—ई सभ पद मूलतः एके छक । चर्या० १५/३; मन० २३ (आगे माइ आगे माइ अजगुत भेल); गौरी प'रल्ला ३ (आगे माइ गौरी संहित झुलपावि जानि हारलाप्त है) । *āge²*-*Ind*. A word used for addressinsg Women.

𑒂𑒑𑒹𑒂𑒢 **आगेआन**—अज्ञान वा अगेआन (दे०) केर का० आ० तु० रू० । वि० पदा० मजु० ६३, न० गु० तालपत्र २५४, अ० ३५७ (स्वदतेँ आनहु मोल आगेआन) । *ageāna*—Alt. P. F. of *ajñāna, ageāna* (q.v.)

𑒂𑒑𑒻¹ **आगै¹**—आगे¹ (दे०) केर का० रू० । चन्द्र० ३ (लहत कुचि पद आगै) । *āgai*—P. F. of *āge¹*.

𑒂𑒑𑒻² **आगै²**—अव्यय । स्त्रिगणके सीर पादव ते आउ । [आ + गै] । तु० क० आगे (दे०) । *āgai*—Ind. O lady, woman, come.

𑒂𑒿𑒑𑒼 **आँगो**—अङ्ग (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ४६, मि० २७, न० गु० २५३, अ० ४०६ (ठारि मैनहि चलि आँगो न होले) । *āgo*—Poet. of *aṅga* (q.v.).

𑒂𑒓𑓂𑒑𑒲 (𑒑𑒲) **आङ्गी (ङ्गी)**—कुर्ता विशेषतः आब स्त्रीक उपरका वहिनवाक वस्त्र । [अङ्ग + ई] । तु० क० बं०, असo मै० आङ्गि; आङ्गी; आङ्गी । पारी ६१ (जिनपड़िया ताकी भिसहथी आङ्गी) । *āṅgī* (*ṅgī*)—Blouse.

𑒂𑒓𑓂𑒑𑒳𑒚 **आङ्गुठ**—आँठा (पयरक वा हाथक) (दे०), अङ्गुष्ठ—Thumb.

𑒂𑒓𑓂𑒑𑒳(𑒑𑒴)𑒩(𑒩𑒱) **आङ्गु (ङ्गू) र (रि)**—अङ्गुलि (दे०)। आङ्गुरी । [सं० अङ्गुलि] । वर्ण० ४२ (आङ्गरिक अङ्गुलि अहसनि अङ्गुरि); वि० वह० १५७-२६ (ठोंठमे आङ्गुर कै मनन कर्त कहाइ); वह ६६ (परन्तु तीले आङ्गुरे त धी बहराय नहि); कन्या० ६० (घिने आङ्गुरे कै पार कदैत छल); पारी २७ (आङ्गुर पैनाक मारि देलि-ैक) । *āṅgu (ṅgū) ra (ri)*—Finger.

𑒂𑒓𑓂𑒑𑒹 (𑒑𑒹) **आङ्गे (ङ्गे)**—अङ्ग (दे०) केर का० रू० । मनो० ११ (सुन्दरि पयासन अङ्गे); वि० ने० २४१ (अलस विलिपित आङ्गे); चन्द्र० ३५ (उर लेत आङ्गे है) । *āṅ(ṅge)*—Poet. of *aṅga* (q.v.).

𑒂𑒔 **आच**—क्रि० । सन्धान करब । तु० रू० [सं० आँच] तु० क० मराठी । चन्द्र० ३५५ (चंक आलि आच तीर) । *āca*—V. Obs. To aim at (something).

𑒂𑒿𑒔 **आँच**—सुलहनि लपाओल आगनिक ज्वाला (दे०) ताप, गर्मी । (फा० अथवा सं० अर्चि) । तु० क० उर्दू, अव०, आँच । राम० २४० (बालि बन्धु सुमन अति आँच); महेश० ५ (अधिक अहि आँचा); चन्द्र० ६८ (आगि महनाक आँच से बाँचे); प्रग० ३८ (अपन आँच पघारी ना); पारी ८६ (आँच महिम भयल पचि जाहत छैक); नव० ३८ (बुढ़ा बैरा एकटा कहुँ बैरा महिम आँच) । *āca*—Flame, heat, blaze.

𑒂𑒔𑒧𑒢 **आचमन**—जलसँ मुँहक शुद्धि (दे०), शुद्ध जलसँ कुरर करब वा मुह धोअब, दाब धरब थोर पवित्र जल पैलब, पानि पिअब । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, नै०, पा० आचमन; प्राकृ० आचमन म० आयमणु; अचो; अचाएब । वर्ण० १३ (आचमन कए); राम० ३६२ (कएल आचमन शुद्ध मन); कथा० कुसुम २३ (पूजेगरी आचमन करलनि); गो० ३१-१२६ (आचमनादि शिष्टाचारसँ जो मरोचीतीर्थ भेवाइ); प्रग० ८६ (गोंती नदहि क आचमन करत न); । *ācamana*—Rinsing the mouth with pure water, sipping water before religious ceremonies, or before and after meals, with the palm of the hand.

𑒂𑒔𑒧𑒢𑒲𑒨 **आचमनीय**—आचमनक पात्र विशेष (दे०); जहि पात्रसँ आचमन कएल जाय, छोट अर्घाविशेष, आचमनीयक अत्र मेल आचमनीयसँ मद्धय करब बला वस्तु । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, नै० आचमनी, आचमनीय । वर्ण० ६४ (विभूर आचमनीय मधुपर्कक निर्बह) । *ācamanī(ya)*—A small spoon for performing *ācamana* (q. v.)

𑒂𑒔𑒩¹ **आचर¹**—राजाक विभिन्न जातिक विभिन्न कार्य करनिहारि, परिचारिका वा सेविकाक एक भेद । [सं०] तु० क० चरचारक (दे०) । वर्ण० ६३ (वारिनी, चलवारिन आचर चाचर) । *ācara*—A maidservant of the king.

𑒂(𑒂𑒿)𑒔𑒩² **आ(आँ)चर²**—अञ्चल (दे०), वस्त्रादिक अन्त भाग । [सं० अंचल तु० क० हि० बं आचर-आँचर । वर्ण० ७१ (आँचर आचर पहम) वि० पदा० मजु० १६६, न० गु० तालपत्र ७६, अ० ४ (आचर परइत करे लअनि लाज भरि); ए० १६ मि० २४,

न० गु० २७, ७१ (आब अनुखन देअ आँचर हाथ); गो० श्रं० १ अमर० २१ (भागलि सहचरि न बोलय कोइ । पलटि चललि मुख आँचर गोइ); पारो २ (ओकरा आँचरमे बान्हि देलिऐक) । *ā(ā̃)cara*—The end of *sāri* (q.v.).

𑒂𑒔𑒩𑒝(𑒢) **आचरण(न)**—व्यवहार, चालि, अनुष्ठान, आचार शुद्धि, चिन्ह, लक्षण । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आचरण** । राम० ३३९ (विप्रक सन करइत आचरण); पुरु० ३६ (केहन **आचरण** सम्प्रति करै छथि); सुशीला ४४ । *ācaraṇa(na)*—Conduct, behaviour.

𑒂𑒔𑒩𑒝𑒲𑒨 **आचरणीय**— वि० । व्यवहार करबा योग्य, अनुष्ठान करबा योग्य । [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने० **आचरणीय** । (आचरणीय विषयक समर्थन करवासँ पहिने किछु ओकर प्रसंग ज्ञान आवश्यक) । *ācaraṇiya—Adj.* Fit for observance.

𑒂𑒿𑒔𑒩𑒰(𑒩𑒹)(𑒩𑒼) **आँचरा(रे) (रो)**—आँचर (दे०) केर का० ओ बा० नि० रू० । वि० पदा० मजु० १६७, रामभद्रपुर पोथी पद ४६४ (अधरा सिरिफलओ रे आँचर आँचरा); ऐ० १९ न० गु० तालपत्र २०, अ० ६४ (अमिय धोए **आँचरे** धनि पोछलि); रङ्ग १२६ (आँचरोक सुधि नहि) । *ā̃carā (re) (ro)*—Poet. and coll. emph. form of *ā̃cara* (q. v.)

𑒂𑒔𑒰𑒩 **आचार**—नियम, व्यवहार, शील, भोजन । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, उ०, ने०, पा० **आचार**, प्राकृ० **आचार**; प्रा० सि० अजर । वर्ण० (निर्लज्ज **आचारहीन** निर्गति); वि० पदा० मजु० ८, बं० सा० पत्रिका १३०१ पृ० ३०, न० गु० ६, अ० १००७ (पण्डित घर आचार बखानिअ); राम० बालकाण्ड ३ (शूद्र निरत ब्राह्मण आचार); मौ० उद० १५८-८ (धर्म आचार कै); प्रगु० १०४ (आचार शास्त्र मे पारंगत भ गेलाह) । *ācāra*—Behaviour, conduct, usage, custom.

𑒂𑒔𑒰𑒩𑓂𑒨(𑒨𑓂𑒨)¹ **आचार्य(र्य्य)**¹—उपनयन करौनिहार गुरु (दी०),विद्या वा मन्त्र देनिहार । [सं०] पुरु० ८५ (हमर गुरु **आचार्य्य** चाणक्य); मै० हि० सा० ३ (**आचार्य** पूछल गेलाह); पारो ४८ (**मैयाक आचार्य** पीसे मेल रहथिन्ह) । *ācārya(yya)*¹—Teacher (especially one who gives initiation at the sacred thread bestowal ceremony of the Hindu).

𑒂𑒔𑒰𑒩𑓂𑒨² **आचार्य**²—पंडित, निष्णात, संस्कृत शिक्षाक एक कक्षा । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आचार्य** । मि० उद० १५६-६ (आचार्य परीक्षा कालेजिएट स्कूलमे); मौ० ६७-१८ (मध्यमा ओ **आचार्य** परीक्षा); नव० १३ (चउधरीक भागिन सेहो **आचार्य** पास रहथीन) । *ācārya*²*—Adj.* A class of Sanskrit education, learned or skilled.

𑒂𑒿𑒔𑒳 **आँचु**—क्रि० । आँच (दे०) ईन्धन द्वारा प्रज्वलित करू, आँच तेज करू । वन कुसुम ५; (तु० क० आँच उसकाउ) । *ā̃cu—V.* To fan the fire.

𑒂𑒔𑓂𑒕𑒢𑓂𑒢 **आच्छन्न**—वि० । झाँपल, आवृत, नुकाएल, तिरोहित । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, **आच्छन्न** । मौ० उद० १५७-२० (कोनो उत्कट भावसँ **आच्छन्न** होइत); द्विरा० ४४ (अज्ञान आओर कुसंस्कारसँ **आच्छन्न**); नव० ४८ (हुनक हृदय एक अपूर्व आशंकासँ **आच्छन्न** भ गेलन्हि) । *acchanna—Adj.* Covered, hidden.

𑒂𑒔𑓂𑒕𑒰𑒠𑒢 **आच्छादन**—आवरण, वस्त्र, छाजन, परिधान । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आच्छादन** । अमर० १५० (वस्त्र **आच्छादन** वासस्) । *acchādana*—Piece of cloth, a cover, a garment.

𑒂𑒔𑓂𑒕𑒰𑒠𑒱𑒞 **आच्छादित**—वि० । जे झाँपल अतएव अदृश्य अछि, आवृत । [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, **आच्छादित** । राम० २१२ (अर्क आच्छादित धूरा); मि० ५२० (कीर्ति पताकासँ मिथिलाकेँ आच्छादित कए देल); द्विरा० ३३ (केश बिन्याससँ आच्छादित ई स्त्रिगण); रङ्ग० ६४ (एक रेशमी दोलाइसँ आच्छादित) *āchādita—Adj.* Covered.

𑒂𑒕𑒻𑒞𑒹 **आछइते**—अछइते (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १३३ पदामृत समुद्र १३१, पदकल्प तरु १८८५, न० गु० ७४६, अ० ७४१ (आछइते आछल कांचन पुतला) । *āchaite*—P. F. of *achaite* (q.v.).

𑒂𑒕𑒞 **आछत**—अछत (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० पदा० मजु० ५०७ (आछत चानन अवर गंगाजल) । *āchata*—Old poetic form of *achata* (q.v.).

𑒂𑒕𑒨(𑒨𑒹) **आछय (ये)**-अछि (दे) केर प्रा० लु० का० रू० । गो० श्रं० १ अमर ५६ (केइन आछय ब्रजकुल नारि); वि० पदा० मजु० २६, राग० ५६, नेपाल २३५, न० गु० तालपत्र २२८, प० त० १०६१ (चान्द आछये मेर कलङ्क) । *āchaya (ye)*—Old poetic form of *achi* (q. v.).

𑒂𑒕𑒪 **आछल**—छल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मजु० १३३ पदामृत समुद्र १३१, पद कल्पतरु १८८५, न० गु० ७४६, अ० ७४१ (आछइते **आछल** कांचन पुतला) : *āchala*—old obs. form of *chala* (q. v.).

𑒂𑒕𑒪𑒱 **आछलि**—आछल (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० पदा० मजु० ५ (एते दिन छलौ सब आछलि ठाढे) । *āchali—Fem.* of *āchala* (q. v.).

𑒂𑒕𑒰𑒠 **आछाद**—छाजन, ढाकन, झपना, आवरण । [सं० आच्छादन] राम० २७६ (जकर धूम अम्बर आछाद) । *āchāda*—Cover.

𑒂𑒕𑒰𑒠𑒱𑒞 **आछादित**—आच्छादित (दे०) केर वि० का० रू० । वर्ण० १८ (आछादित रात्रि भअइ गउ) । *āchadita*—Alt. of *acchādita* (q. v.).

𑒂𑒖 **आज**—अव्य० । प्रा०का०रू० अद्य, वर्तमान दिनमे (दी०), आइ । [सं० अद्य] तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, राज०,ने०, उ०,

म०, गु०, मोत०, आज; पा० अवर्ज; पंजाबी अज्ज; सि० अद्०; प्रा० मार० आजीँ । वि० पदा० मधु० ५, रामत० १६, न० गु० ३२, अ० ४२ (आज देखल भवि आबए रे); मन० २ (सर्वसहा नाग सौँ आज); राम २० (बहुत कुतार्थ जगत मुनि आज); मीरो परिचय २ (हम नहि छोड़ब समाज आज मधि छिनार रे); मि० उद० १५७–८ (आब आजक चर्चा औँहल जाइछ); शत० (आज यौवन राय मम लखि) । *āja*—Ind. Obs. P.F. Today.

आजदेव—आर्य देव । [सं० आर्य, आज + देव] चर्या० ३१।१ । *ājadeva*—Obs. Āryadeva, your honour.

आजन बाजन—बाजा आदि, मनोरंजक बाद्य सामग्री । आ० प्र० । [शब्दानुकरण + सं० वाद्य > बाजा] तु० क० बाजा बाजा । मै० लो० गीत १४० । *ājana vājana*—musical instruments.

आँजन—अक्षिरोगक औषधि वा शृंगार विशेष (दी०), ग्राम्य रीतिसँ अपन बनाओल आँखि जुड़एबाक लगेबाक औषधि । तु० क० अव० आँजनी; पा० अञ्जन; प्राकृ० अंजन, ओनग; लि० अनीदन, अर्तु दन; गु० आँजण । [सं० अञ्जन] । गी० गं० २ अमर १२ (कुवलय नील रतन दलितांजन मेघ पुंज अनि वरण सुर्शोभ); गुरु० ७७ पुतरी आँजनि करि); कन्या० १० (पहिने आँजन बनाय लेल घी मौनीक); आमन० १७ (काजरक आँजन कए) । *ājana*—An eye ointment, collyrium.

आजन्म—क्रि० वि० । १. जन्मसँ, जन्मसँ लगले २. जीवन भरि, ३. अजुन तक जीबए । [सं०] तु० क० हि० बं०, असा०, ने० आजन्म । गुरु० १६१ (आजन्म हम आनपर हिंसा नहि कएल); मौ० ६६–५ (आजन्म दुख होइतन्हि); कन्या० १५० (अनमे आजन्म रोदनक कारण बनि जाइत अछि) । *ājanma*—Adv. For a life time, since birth.

आँजल—आँजब (दे०) केर आद० भू० रू० । वि० पदा० मधु० ५५६ (आरसि काजर पारहि आँखि आँजल); पै० ५ न० गु० लालप० ५४ (अलप काजरे नयन आँजल) । *ājala*—Hon. Past tense form of *ājava* (q. v.).

आँजलि—अञ्जलि (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा मधु० ५०६ (आँजलि भर कुसुम तोड़ल); श्रद्धांजलि । *ājali*–Coll. of *añjali* (q.v.).

आँजब—क्रि० । आँजन (दे०) क्रि० आद० व० भ० का० उ० पु० क्रि० रू० । वि० पदा० मधु० ५५६ (ताहि लए आँजब आँखि परचारब) । *ājava*—*V. Hon.* Pres. Future tense first person form of *ājana* (q. v.)

आजाद—वि० । लापरवाह, स्वतन्त्र, निर्भय, कोनो एक स्थान पर नहि रहयबला, एक प्रकारक फकीर (मुसलमान साधु) जे दाढ़ी मोछ आ भौँह कटओने रहैछ तथा ने रोजा रखैत अछि आ ने निमाज पढ़ैत अछि—ई सूफी सम्प्रदायक अन्तर्गत होइछ एवं आज़ादी कहबैत अछि । [फा०] तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, राज०, उर्दू, उ० आज़ाद । *ājāda—Adj.* Independent, fearless, a member of a Sufi sect.

आजानु—क्रि० वि० । ठेहुन धरि लटकल (बाँहिबला) । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आजानु । राम० लालदास १५१; अमरवाणी २० । आजानुबाहु एहन बाँहिबला व्यक्ति विशेष जे बहुधा कोनो महापुरुष होइछ । *ājanu—Adv.* Up to or beyond the knees.

आँजि—क्रि० । आँखिमे आंजन करब मे पू० क्रिया । तु० क० आँजि । [अंजन > आंजन करब >] वि० बे० ३४ (मंगु चल नयन काजरे आँजि); वि० ने० ६१ (काजरे चंचल लोचन आँजि) *ājit*, V.P.P. Having applied collyrium.

आजिज—वि० । तंग, हरान, दीन, आकण्ठ । [अर०] तु० क० हि०, बं०, असा० आजिज । (एहू एहिलमसँ मन आजिज भ गेल) । *ājija—Adj.* Utterly disturbed, harassed.

आजी—आज (दे०) केर का० रू० वि० ने० ३३८ (अवधि समापलि आजी) । *ājī*—Poetic form of *āja* (q.v.).

आँजी—बालककेँ विद्यारम्भ करबाक पहिल तिरहुता आखर, मद्दा भरबा काल एकरे प्रयोग आरम्भमे कएल जाइछ, चिट्ठी पत्री वा कोनो शुभ लेखक आदिमे एकरे प्रयोग कएल जाइछ । सम्भवतः ई चिन्ह कुण्डलिनीक प्रतीक थिक एवं तेँ तान्त्रिक महत्व रखैछ जेना तिरहुता वर्णमाला प्रत्येक अक्षर कहल जाइछ (कामधेनुतंत्र देखू) । केओ केओ आइकाल्हि एकरा गणेशजीक सूँढ़क प्रतीक मानि अक्षरारंभक पूर्व गणेशक वन्दना कुबैत छथि—श्री गणे 'ओनामासी' क सेहो आँजीक व्याख्या होइछ से सम्भव—मुदा मूलतः तिरहुताक आदिमे ई तान्त्रिके अर्थमे कुण्डलिनी जागरणक सिद्धि प्राप्त्यः ही एकरे प्रयोग आँजीक रेखा चित्रैक से बुझाइछ । [सं० आदि] । तु० क० असम देशमे कुण्डलिनीक प्रतीक; हि० ओनामासीधं । (आँजी लिखिएलु) *ājī*—Symbolic Tantric letter before the Tirhuta alphabet, said to symbolise the ***Kuṇḍalinī*** whose successful arousal is said to be the Highest Aim of Tantric worship. The idea is to pray for it before beginning to learn the alphabet, or writing a letter.

आजीगुज्जी—क्रीडाविशेष जाहिमे चिक्का पुका कानमे आंगुर दए कहैत अछि "आजी गुजी" कौन घर ? "कान गुजी" कौन घर ? [सं०] [आदि (आज) + गुञ्ज (अथवा शब्दानुकरण)] सुमति २६ । *ājī gujjī*– Nāme of a children's game.

आजीज—आजिज (दे०) केर विक० रू० । मिहि० ४२–२२–६ (एक दिन लगला आजीज मे बजलाह) । *ājīja*—Alt. of *ājija* (q. v.).

आजीव आजीव—आजीविका, धन्धा, उचित आय। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आजीव। कीर्तिलता ६८ (जै घ कें जीवसि आजीव जञो जाहि जाहि असलान); अमर० १६८ (आजीव जीविका); *ājiva*—Livelihood.

आजीवन आजीवन—क्रि० वि०। जीवन पर्यन्त। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आजीवन)। चन्द्र० ३२ (आजीवन जीवित जीवनक भाव); महेश० ५१ (आजीवन नहि त्यागै); मि० २१३ (शेष आजीवन रहिए गेलैन्ह); प्रण० १५२ (अदृष्ट शास्त्रसँ आजीवन सान्त्वना भेटैत रहैत छैक); नव० ५ (आजीवन नगर निवासिक कल्पना असह्य लगलैन्ह)। *ājivana—Adv.* —Life-long.

आजीवनार्थ आजीवनार्थ—क्रि० वि०। आजीवनक वा जीवन पर्यन्तक हेतु, जावत जीवय तावत तकक हेतु। [सं०] मि० २६० (आजीवनार्थ जाय बसल छलाह)। *ājivanārtha—Adv.* For or till life span.

आजीविका आजीविका—वृत्ति, रोजगार, नौकरी, सेवा। [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने० आजीविका। (आजीविकाक हेतु पढ़ल लिखल सभ कत-कत ने बौआइत अछि)। *ājivikā*—Service, livelihood.

आजु¹ आजु¹—आज (दे०) केर वि० का० रू०। वि० पदा० मजु० ६८, तालपत्र ३७१, अ० ३६८ (आजु कि रुसलि कालि जञो बउसलि); गो० श्रृं० १, अमर० २२ (आजु धनि साजल वासक सेज)। *āju¹*—Poet. of *āja* (q.v.)

आजु² आजु²—आँजव (दे०) केर आज्ञा रू०। वि० पदा० मजु० ६, नेपाल ८४ (क), न० गु० १५; अ० २०२६ (सन्कुल लोचने काजर आजु)। *āju²*—Imper. of *ãjava* (q.v.).

आजुक आजुक—वर्तमान दिन सम्बन्धी (दी०) [सं० अद्य > आज + उक] तु० क० उर्दू आजिका। वि० पदा० मजु० ६३, पण्डित बाबाजी पोथी ६५; (कि कहब सखि हे आजुक रंग); गो० श्रृं० १ अम० ४० (आजुक बात भल तुहुँ सखि जानसि कान्हे उपेख्ख राइ); मो० २७२-२० (आजुक चैह विकैक); द्विरा० २६५ (तों आजुक नेना भ क परतारए आएल छलाह); चित्रा ७४ (आजुक टटका रङ्ग)। *ājuka*—Of today, modern.

आँजुर आँजुर—मिलल दुहू हाथ (दी०), दूनू हाथकेँ मिलाए कल जोड़ल जकाँ अवस्था। [सं० अञ्जलि] प्रण० १५५ (ओहिठाम आँजुर आँजुर चीनी); नव० ६६ (वामनलोकनिकेँ भरि भरि आँजुर देने छलथिन्ह)। *ãjura*—A measure confined to as much as can be held in the palms of both hands combined or spread out jointly,

आ(आँ)जुरि आ(आँ)जुरि—आँजुर (दे०) केर वि० रू०। वि० पदा० मजु० १४०, नेपाल २०, न० गु० ७७२, ७६६ (हम जल आँजुरि देव); पुरु० १६३ (सात आँजुरि सुवर्ण ग्रहण कै); मि० उद० १५६-१६ (आँजुरि जोडिठाढ़ भै गेल)। *ā(ã)juri* —Alt. of *ãjura* (q.v.).

आजे (जै) आजे (जै)—आज (दे०) केर निश्च० रू० वि० ने० २४४ (के जान कि होइति आजे), वि० पदा० मजु० १८३, न० गु० तालपत्र ६६ (मनक मनोरथ पूरत मधुरिपु आओत आजे); राम० ६४ (जाउ अयोधा आजे); महेश० ७२ (जे सहाय होय आजे)। *āje (jai)*—*Emph.* of *āja* (q.v.)

आज्य आज्य—घृत आदि अग्निमे आहुति देबाक पदार्थ। [सं०] तु० क० हि० आज्य। वर्ण० ६४ (अग्निस्थापन, आज्य वह्नि); अम० २११ (घृत, आज्य हविष्य); सुभद्रा हरण १३३। *ājya*—Dried butter etc. esp, offered as oblations to Hindu gods.

आज्यस्थाली आज्यस्थाली—आज्य रखबाक पात्र वा थारी विशेष। [सं०] वर्ण० ४३ (आज्यस्थाली चरुस्थाली)। *ājyalsthāli*—A plate for ghee etc. used in sacrificial ceremonies.

आञ्जनेय आञ्जनेय—अञ्जनिक पुत्र हनुमान। [सं०] मेघनादवध १५। *āñjaneya*— Son of Añjāni; Hanumāna.

आट¹ आट¹—अटब (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ११४ (दिवसक ओजने वर्ष न आट); वि० ने० २३६ (भौंह न अटए चान्दक रेष)। *āṭa¹*—Poet. of *aṭaba* (q. v.)

आ(आँ)ट² आ(आँ)ट²—क्रि० वि०। ऐंठि जाएब, सुखा जाएब; परन्तु पं० दीनबन्धु झा एकर अर्थ प्रायः अटकब, ओट (देब) सँ मिलाए अवधि, समय लिखलनि अछि। [सं० अ.वट्यते ऐंठब > आँट] वि० पदा० मजु० ४०२ (सखि गेल तनु आट); राम० ७६ (भूख पिआसँ होएब आँट); चन्द्र० १६६ (रहैछ चित आँट); (पित्त भूखसँ आँट भ गेल अछि)। *ā(ã)ṭa²*—*Adv.* Dried up; restless (esp. out of thirst or hunger), dehydration pains and uneasiness.

आँ(आ)टा आँ(आ) टा—गोधूमादि चूर्ण (दी०), कोनो अन्नक चूर्ण, पिसल कोनो अन्न। [सं० आवर्त्तन] तु० क० हि० बाटना (पिसबाक अर्थमे), बं० आटा, फ० ओट्ठ, का० ओट्ठ, फा० आर्द (जोरसँ बबाएब अर्थमे) हि० आटा। प० आट्टा कु० आटो। कन्या० १४० (बरक आँटा गील भ जेतैन्ह); द्विरा० १५७ (लालकाकी आँटा सनैत बजलीह)। *ã(ā)ṭā*—Grinded dust of grain.

आँटी आँटी—प्रमाण विशेष परिच्छिन्न बद्ध तृण, थोड़ेक खड़ वा अन्नादिक काटल गाछ, बान्हल बोझसँ बहुतो छोट। [अँटब, दे०] तु० क० बोझपरक आँटी। (=अपन निर्वाह होएब कठिन अछि ताहिपरसँ उपर्दिष्या मालिक मङैत छथि से कोना देल जाएत)। एहिठाम पूर्वक साभाजिक प्रथाक संकेत छैक। प्रत्येक कटलाह बोझक हेतु गृहस्थ केँ एक आँटी (वा आदिमे आँटी अधिक देबाक बटाइदार वा जनसँ ओसूल करबाक सामन्ती प्रथा छल कतहु कतहु अछिओ)। *ãṭi*—A small measare of grain reaped whieh forms a larger measure called *bojha* (q.v.), a handful of (paddy or grass).

𑒂𑒙𑒼𑒣 आटोप—फैलाव, आच्छादन, आडम्बर, गर्व, घमण्ड, आधिक्य, प्राचुर्य, फुलब, शोथ, पेटक गुड़गुड़ाहट । [सं०] तु० फ० हि०, बं० आटोप । मि० उद० २५७–१ (आटोप टङ्कार देलैत); कन्या० ८ (मेघक आटोप चलो रहल); चित्रा ८० (अवह अछि मिलु काज नहि ई पुरुषक आटोप) । *āṭopa*—Swelling, pride; radiance.

𑒂𑒚 आठ—वि० । एक अधिक सात (दी०); सातोसँ एक कम । [सं० अष्ट] तु० फ० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, गु०, म०, मार०; राज०, प०, उर्दू० आठ; प्राकृ०, पा० अट्ठ; दामीली अष्ट; काती ओट;लहन्दा, सिंहाली अट;सि० अट । वर्ण० २३ (आठ पहर); गी०म्र० १ अम० ७८ (आठ प्रहरी तौ बिनु साजइ आठहु नायिका साज); सम० १७२ (चिन्तित आठ पहर निज धाम); मौ० अर० २५७-१३ (आठ वर्षसँ नियुक्त केने छथि);चित्रा ४५ (चारि काँक ओ आठ खाजामेसँ खसकी भरि नेवो); धारी २८ (ओ आठ सए टाका देलकन्हि अछि) । *āṭha—Adj.* Eight.

𑒂𑒚𑒌 आठओ—आठहु (दे०) केर वि० रू० । वर्ण० २ (आठओ जे महासिद्धि); गोरक्षविजय ८ (क) (धूरिक धूसर आठओ अङ्ग) । *āṭhao*—Old form of *āṭhahu* (q.v.)

𑒂𑒚𑒧 आठम—वि० । संख्यामे आठक स्थान परक । [सं० अष्टम] तु० फ० पा० अट्ठम, ओअक; प्राकृ० अट्ठम; आटम; प्रा० अव० आठव; हि० आठवाँ; मा० मार० आठवुं; गु० आठयुँ; म० आठवा; आठो; सि० अठेँई । मन० ४ (आठम भाव हम अपनहि आयब); मौ० ६८–२ (ई गेल आठम वर्ष) । *āṭhama—Adj.* Eighth.

𑒂𑒚𑒧𑒯𑒱 आठमहि—आठम (दे०) केर नि० रू० । कन्या० ६३ (हम त आठमहि वर्षसँ नुकिक भूँठमे आंच लगाएब लगलहुँ) । *āṭhamahi*—Emph. of *āṭhama* (q. v.).

𑒂𑒚𑒩𑒏 आठरक—आठ रंगक (?) । वर्ण० ६३ (वैकल्पीक आठरक ओँघास कैं) । *āṭharaka*—Of eight types (?).

𑒂𑒚𑒯𑒳 आठहु—आठ (दे०) केर निश्च० रू० । वर्ण० २ (आठहु भै उपसिद्धि); चन्द्र० २१ (पाप बढ़ौल आठहु पहर) । *āṭhahu*—Emph. of *āṭha* (q. v.).

𑒂𑓀𑒚𑒲 आँठी—आम्रादिक बीज (दी०), कोनो फलक चिक्कन सख्त भाग, बीआ । [सं० अष्टि] प्रश० ७ (आँठी ओ नेरहा मात्र शेष रहि गेलैन्ह); नव० ४ (चिलेउरीकेँ बनदलक आँठी पीसिकेँ पिआ देबाक बीक); ससरफानी ३५ । *āṭhī*—Stone-like seed of fruits.

𑒂𑒚𑒼 आठो—आठहु (दे०) केर वा० रू० । राम० २४३ (आठो लोकपाल भव कम्पित); चन्द्र० ५ (हरि आठोयाम); मौ० ६७–७ (रक्षा करथन्हि आठोयाम); कन्या० १३८ (आठो गोटकेँ परिवेष्टित करै आफल) । *āṭho*—Coll. of *āṭhahu* (q. v.).

𑒂𑒛𑒧𑓂𑒥𑒩 आडम्बर—गम्भीर शब्द, तूर्य फटक केर आयोजन, निरर्थक तड़क-भड़क, अधिक, अपार । [सं०] तु० फ० हि०, बं०, असा०, नै० आडम्बर । वि० मै० २५६ (आडम्बरे आदर वौ सबगहु); मि० वद्दना० १५०-५ आडम्बर आकाश लागल आहत अछि); मौ० १००–१७ (आडम्बर करी तँ गामिहुँक लौक नहि चिन्हत); प्रश० ६३ (अपन आडम्बर पसारल); नव ११० (कोनो प्रकारक आडम्बर नहि हेबाक चाही) । *āḍambara*—Deception, Hypocricsy.

𑒂𑒛𑒫𑒰𑒪 आडवाल—क्रि० वि० । विशेष इन्तजाम, अति उद्योग, नाकिर्य देखौ नहि हो । [सं० आडम्बर + वाला] नि०३४ (रहिना आडवाल रचि बिनरैत छथि) । *āḍvāla—Adv.* With special arrangements, excessive show.

𑒂𑒛𑒯𑒮𑒱 आड़हसि—क्रि० । ओठमे हँसि कए जिद करब । [आड़ + हँसि] वि० मै० २२२ (आलस कोपे आड़हसि बैरलन्हि) । *āḍahasi*—Part. Insisting with a suppressed smile.

𑒂𑒛𑓃[1] आड़[1]—प्रत्यय । युक्त अर्थमे लगाओल जाइछ । तु० फ० आर । ल० वि० ४६ (पाँजि बननिहार पँजियाड़) । *āḍa*[1]—Suff. in the sense of 'full of.'

𑒂𑒛𑓃[2] आड़[2]—आर (दे०) केर अशु० रू० । मौ० ६७–८ (आड़ नारि औ धर्मक मेमीलोकनि) । *āḍa*[2]—Err. of *āra* (q. v.).

𑒂𑒛𑓃[3] आड़[3]—वेर (दे०) अथवा (दे०), अथवा आड़ (दे०) अथवा अड़ (दे०) केर वा० रू० । वि० दया० मजु० ३६, न० गु० राजपथ२०, कीर्तनानन्द १२२, अ० ७४(आड़ वदन कए मधुर हास दए); ऐ० १७३ मै० ७८ न० गु० ११, अ० ५६ (भौंह भाँगि लोचन भेल आड़) । *āḍa*[3]—Coll. of *āḍha* (q. v.).

𑒂𑒛𑓃[4] आड़[4]—आज (दे०) केर वि० रू० । (चन्द्राकेँ पैथ मेला पर बधिया कराए देला उत्तर ओकरा आड़ नहि रहैत) । *aḍe*—Alt. of *āṅa*[2] ((q. v.)

𑒂𑒛𑓃𑒞𑒲 आड़ती—आरती (दे०) केर अशु० रू० । मेघमा ५१ । *āḍatī*—Err. of *āratī* (q. v.)

𑒂𑒛𑓃𑒰[1] आड़ा[1]—व्यवधानकारक लम्बा उच्च आरि (दी०); आरिसँ अत्यधिक उच्च आ मोट बनाओल गेल माटिक ढेर । [आरि > आर > आड़ा] । *āḍā*—A long high mound which causes obstruction.

𑒂𑒛𑓃𑒰[2] आड़ा[2]—आरा (दे०) केर ग्रा० रू० । (आड़ा सँ लकड़ी चिरबामे सुलभ होइछ) । *āḍā*[2]—Coll. of *ārā* (q. v.)

𑒂𑓀𑒛𑓃𑒰[3] आँड़ा[3]—अण्डकोष । [सं० अण्ड] (माछक आँड़ा खएबामे अत्यन्त स्वादिष्ट होइछ) । *āḍā*—Egg.

𑒂𑒛𑓃𑒲 आड़ी—आड़[3] (दे०) केर प्रा० स्त्री० रू० । कीर्तिलता २७ (आड़ी डीठि निहारि दसति दाढ़ो मुक बाढ़ल) । *āḍī*—*Old* obs. of *āḍa*[3] (q. v.).

𑒂𑒜𑓂𑒨 आढ्य—वि० । सम्पूर्ण, पूर्ण, युक्त, विशिष्ट धनिक । [सं०] तु० फ० मै० धनाढ्य (दे०), हि०, बं०, असा०, नै०, आढ्य । राम० ३४१ (आढ्य की जनरंजनयुक्त भोग);अम० २४० (धर्म आढ्य धनिन) । *āḍhya* —*Adj.* Rich, whole.

𑒂𑒜𑓃¹ **आढ़¹**—एक प्रकारक बाजी, गड्डी। तु० प्र०। [अढ़ = व्यवधान, आढ्य, समूह, ढेर [सर्वनन्दन]। (M P 236) 11. 10. 43 *āḍha¹*—Bet.

𑒂𑒜𑓃² **आढ़²**—अढ़ (दे०) केर विक० रू०। [हि० आढ़] (रौ गेनवा कनि आढ़ क दही ने)। तु० क० आड़³। *āḍha²*—Alt. of *aḍha* (q. v.).

𑒂𑒜𑓃𑒞 **आढ़त**—कोनो अन्य व्यापारिक माल लए किछु कमीशन वा लाभ लए ओकर बिक्री करएबाक व्यवसाय, स्थान जतए उक्त तरहक माल रहैछ, ओ धन जे वेचबाक बदलामे भेटैछ। [सं० आढ्य] (I.A.L. Turner आधापयति अथवा आधी)। तु० क० हि०, ने० आढत प्राकृ० आधवइ; आढत्त; लहन्दा आहृति; कु० आढत; गु० आड़ति; म० आड़त। (नेपाल बिदेशसँ आढ़त पर माल बिकी करैत अछि(३। *āḍhata*—Mercantile agency.

𑒂𑒜𑓃𑒞𑒱 **आढ़ति**—आढ़त (दे०) केर का० रू०। एकावली परिणय १७; मि० १७६ (कौतुक आढ़ति कीना); गीत रत्नावली ६। *āḍhati*—Poet. of *āḍhata* (q. v.).

𑒂𑒜𑓃𑒞𑒱𑒨𑒰 **आढ़तिया**—आढ़त सम्बन्धी। अढ़तिया केर वि० रू०। तु० क० हि०, बं०; आढ़तिया, जिपातसँ ज़िरतिया (दे०)। *āḍhatiyā*—Alt. of *aḍhatiyā* (q.v.), Agent.

𑒂𑒜𑓃𑒞𑒲 **आढ़ती**—आरती (दे०) केर अ० रू०। मो० १७४-५ (आढ़ती देखवैत गङ्गाजी केँ चढ़वैत छल)। *āḍhatī*—Err. of *ārati* (q. v.).

𑒂𑒜𑓃𑒰 **आढ़ा**—अढ़ाए (दे०) केर बा० रू०। F M L 378. *āḍhā*—Coll. of *aḍhāe* (q. v.).

𑒂𑒝¹ **आण¹**—आन = दोसर (दे०) केर प्रा० तु० रू०। कीर्तिलता ४० (अ ण करइते आण भउँ); चर्य्या० ४४/३; FML 424. *āṇa¹*—Obs. form of *āna* (q.v.).

𑒂𑒝² **आण²**—अण्ड, मनुष्य वा कोनो जीव जन्तुक अण्डकोश। [सं० अण्ड] मि० (अरना महिंसक आण विशेष पैघ होइछ); (कस्तूरी मृगक आँणसँ कस्तूरी बहराइत छैक)। *āṇa*—Testicle.

𑒂𑒝𑒰¹ **आणा¹**—आँड़ा³ (दे०) केर बा० रू०। (काछुक आणा आ सापक अण्डामे मात्र कनिएँ अन्तर होइछ)। *āṇā¹*—Coll. of *āṇā³* (q.v.).

𑒂𑒝𑒳𑒞𑒳 **आणुतु**—क्रि० वि०। विनु उत्तरक वा जवाबक। [सं० अनुत्तर] चर्य्या १६/३। *āṇutu*—*Adv.* Without answer.

𑒂𑒿𑒞 **आँत**—प्राणीक पेटक भीतर केर ओ लम्बा नली जे गुदा मार्ग तक रहैछ। [सं० अन्त्र] तु० क० हि० बं०, अस०, ने० आँत। (आँत उतरब = अण्डकोष रोग विशेष;) (आँत ममोड़ब = पेटक व्यथा विशेष)। *āta*—Intestine.

𑒂𑒞𑒋 **आतए**—क्रि०। पीड़ा दैत अछि, सतबैत अछि। तु० का० प्र०। [सं० आर्तयति] राग० ८७ (पाँचि बान आनि आतए धैरजे)। *ātae*—V. *Obs.* Pains.

𑒂𑒞𑒓𑓂𑒏 **आतङ्क**—भय; शंका, प्रताप; रोग। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० आतङ्क। वर्ण० १६ (आतंकक नगर अइसन भयानक); गो० शृं० १ अमर० ७१ आर केह लेपय मलयज पङ्क। जलतहि शतगुण मदन आतङ्क); राम० २३७ (तखनहि सौं मन बाढ़ आतङ्क); नव० ३२ (आतंके; ओकर प्राण सुखाएल जाइ) रंग, ७८ (जाहिसँ खूब आतंक भ जाए)। *ātaṅka*—Fear, Influence.

𑒂𑒞𑓀𑒏𑒏𑒰𑒩𑒲 **आतंककारी**—वि०। आतंक करनिहार; भय देखौनिहार। [सं०] आमक० १ (आओर आकृति, आतंककारी)। *ātaṅkakārī*—*Adj.* One who causes fear or panic.

𑒂𑒞𑒓𑓂𑒏𑒱𑒞 **आतङ्कित**—वि०। भयभीत, त्रस्त, डरल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०; ने० आतंकित। (हमर प्राण हरदम अशुभ घटना घटलासँ पूर्वहि आतङ्कित भए जइत अछि)। *ātankita*—*Adj.* Full of fear-

𑒂𑒞𑒞𑒰𑒨𑒱𑒞𑒰 **आततायिता**—अधलाह वा क्रूर कार्य करबाक भावना, दुःख देबाक कार्य। [सं०] मिहिर ३४-१० (जाहि आततायितासँ ओ एहि प्रकारक कुकृत्य कय गेल)। *ātatāyitā*—Inclination for cruelty or vices.

𑒂𑒞𑒞𑒰𑒨𑒲 **आततायी**—वि०। क्रूर, अत्याचारी; संताप देनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं० आतताई, आततायी। मि० ८८ (ओ आततायी भै आब हमरा नहिएँ आबथि); मो० १३२-३४। *ātatāyī*—*Adj.* (One) who gives great trouble to others, dangerous character.

𑒂𑒞𑒣 **आतप**—रौद, गर्मी, उष्णता, सूर्यक प्रकाश, ज्वर। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा० आतप; प्राकृ० आयव; उ० उवा; म० आव; सिं० आवुव। वर्ण० ५५ (आतपक मित्र अइसन); वि० ने० १३० (आतप दोसे रोसे चलअइलिहु); गो० शृ०, अमर १४ (नयन पुतलि तनु आतप मिलय जनु मिलब दुकुल चित्त वासे); चन्द्र० २६६ (आतप तापित व्याकुल भेल); साओन-भादव १० *ātapa*—Heat. snnshine, fever.

𑒂𑒞𑒣𑒔𑒩 **आतपचर**—वि०। उत्तापतप्त। [सं०] वि० पदा० मञ्जु० ३६१ (आतपचर विधु रविकर चरन परस की कर भीमा रे)। *ātapacara*—*Adj.* Excessively hot.

𑒂𑒞𑒣𑒞𑓂𑒩 **आतपत्र**—पैघ छतरी, छाता। [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, राज० आतपत्र; प्राकृ० आयवत्त; आवत बं० आओता। अम० १७७ (छत्र आतपत्र)। *ātapatra*—An umbrella.

𑒂𑒞𑒣𑒹 **आतपे**—आतप (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० नेपाल ६६, न० गु० तालपत्र २६६, अ० २६२, (आतपे मुइलि मृणाल लता)। *ātape*—Poet. of *ātapa* (q.v.)

𑒂𑒞𑒣𑒼𑒭𑓂𑒝 **आतपोष्ण**—रौदायल, रौदसँ गरम। [सं०] मि० ६ (शिशिर हेमन्तक आतपोष्ण मध्याह्नो बड़ मधुर)। *ātaporṇa*—*Adj.* Warm with the heat of the sun.

𑒂𑒞𑒧 **आतम**—आत्मा (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २७०

(अ तम ग द मद पुने पुनमत); राम० ६८ (पापक आतमा वथ ै) महेश ४६ (आतममे आतमा जौँ देखल, मु० ह० २६१)। *ātama*—Poet. of *ātmā* (q. v.).

आउव **आतर**—धारक बिचला प्रदेश, धार पार करबाक भाड़ा। [सं० अन्तर] वि० ने० १ (अति अथाह नि आतर जमुनि); अमर ५६ (आतर तरपन्थ)। *ātara*—Middle portion of the stream, fare for crossing a river.

आँउव **आँतर**[1]—अथम सिराउबक मध्य भाग (दी०)। [सं० अन्तर] (आँतर छाडि करब जोतब)। *ãtara*—(Leaving out) space in between two furrows.

आँउव[2] **आँतर**[2]—अन्तर (दे०) केर ग्रा० रू०। कीर्तिलता १७ (थमल पानीक आँतरे आँतरे); राग० ११६ (आँतर पाँइहु कुसुर नत थ); उ० गी० १०८ (आँतर भय रहु लागी) तु० क० अंतर पाँतर। *ãtara*—Coll. of *antara* (q. v.).

आउर्पण **आतर्पण**—मंगल द्रव्य। [सं०] मई० १३ (पंच सम आलर्पण, अलङ्कार)। *ātarpaṇa*—Auspicious matter.

आउल **आतल**—नुकायल, अव्यक्त। [आ+तल] वि० ने० १०४ (कुलक धरम पछिलहि अछि आतल)। *ātala*—Hidden.

आउव **आतव**—आतप (दे०) केर प्रा० का० रू०। वि० पदा० मजु० ५७ (आतव रौसे रौसे नहि अनाजिहि)। *ātava*—Old Coll. of *ātapa* (q. v.).

आउा **आता**—फल विशेष (दी०), सीताफल। अत्ता (दे०) केर विक० रू०। तु० क० हि० सरीफा। *ātā*—Alt. of *attā* (q.v.)

आउिख **आतिख**—आतिक्त, कसाय (दी०)। [सं० आतिक्त]। *ātikha*—Bitter.

आउिथेय **आतिथेय**—अतिथिक सत्कारक सामग्री। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने०, आतिथेय शिवप्रसाद २। *ātitheya*—Things meant for a guest.

आउिथ्य **आतिथ्य**—अतिथिक सत्कार वा आदर। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने० आतिथ्य। कीर्तिलता १८ (आहु आतिथ्य विनय कर); राम० २६ (अति आतिथ्य पाबल नृप आय); मि० (१८६ सेवामे उपस्थित भ आतिथ्य कमल)। *ātithya*—Hospitality.

आउिल **आतिल**—वि०। सख्त, कठोर, कड़ा, कोमल नहि। [सं०] तु० क० अस० आतिल। स्वरगथा २। *ātila*—*Adj.* Not Soft or delicate.

आउिशवाजी **आतिशबाजी**—विभिन्न प्रकारक मनोरंजक रसायन खेल। [फा०] तु० क० हि०, ने० आतिशबाजी। कीबर गीत २१। *ātiśabājī*—Fireworks.

आउी **आती**—एक प्रकारक तरकारी (फल) विशेष, पेरा सन पैघ डक्कर रेखा युक्त फल। तु० क० अत्ता। क्ष० पि०३१ (आती पीच, कच्चू परोक लेँ अपनहि बाड़ीमे यथेष्ट अछि)। *ātī*—A kind of vegetable or fruit.

आँउी **आँती**—आँतकी वा अन्त्र सम्बन्धी, अण्डकोषमे आँतकीक प्रवेश, रोग विशेष (दी०)। (१) मिरगी वा तत्समकक्ष रोग विशेष; (२) हर्निया, (३) माल-जालक बेदीशी। [सं० अन्त्र]। *ãtī*—Hernia.

आउुर **आतुर**—वि०। अति उत्सुक (दी०), व्याकुल, व्यग्र, अधीर, रोगी। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, म०, राज० आतुर; प्राकृ० आतुर। मि० ने० २२८ (आतुर भवय जल मरन्हि निभारत); वि० पदा० मजु० २८७ (रौहभंवे तौरे आतुर भेल लोचन); राम० १२७ (छथि सतु आतुर ढाक); कन्या० ७६ (लाल नालकी आतुर भय पुलकित); मित्रा १४ (धी रहथि आतुर)। *ātura*—*Adj.* Distressed, anxious.

आउरता **आतुरता**—व्याकुलता, बेचयनी, तत्परता। मि० २७३ (तखन यतीक आतुरता बिमख); मौ० १०३-४ (श्री मिथिलाक उपकारक हेतु सर्वदा आतुरता)। *āturatā*—State of distress.

आउुरि **आतुरि**—आतुर (दे०) केर स्त्री रू०। राम० ११० (आतुरि लंका गेल समाय)। *āturi*—Fem. of *ātura* (q.v.).

आ तु **आ तु**—अव्यय। कुकुरकेँ आह्वान करबाक शब्द (आतु लपक लपक)। *ātu*—*Ind.* A word for calling dogs.

आत्म **आत्म**—अपन, स्वकीय, निज। [सं० आत्मन्] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्म; पा० अत्ता; प्रा० अप्प, अप्पा, आदा, अप्पा; प्रा० अव० आपु; तु० आपु; म० आपला; सिं० आतु; गु० आपणो, भोज० आपन; प्रा० मार० आपणउ। राम १२५ (आत्म बुद्धि शरीरादिने); मि० उद० १५७-२१ (क्व आत्मरक्षार्थ पलायन)। *ātma*—Belonging to (oneself).

आत्मगौरव **आत्मगौरव**—अपन गुरुता वा प्रतिष्ठा। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मगौरव। हिरा० १६ (आत्मगौरव नष्ट भ गेलैन्ह)। *ātmagaurava*—One's own dignity or stature.

आत्मघात **आत्मघात**—अपनहि हाथेँ अपनाकेँ मारब। आत्महत्या, अपन हानि। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आत्मघात। पुरु० २३१ (विपत्तिमे नहि स्वामीकाँ छोड़ि वा आत्मघात कै नहि मरैछ); मौ० १३६-२८ (जहाँ मिथक आत्मघात करैत छी)। *ātmaghāta*—Suicide.

आत्मघाती **आत्मघाती**—वि०। अपन हत्या करनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने० आत्मघाती। प्रवा० ११६ (आत्मघातीकेँ गति नहि)। *ātmaghātī*—*Adj.* (One) who commits suicide.

आत्मज(जा) **आत्मज(जा)**—पुत्र, पुत्री, सुत, रक्त, स्वयं उत्पन्न। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मज; आत्मजा। नरोत्तम ३। *ātmaja(ā)*—A son (or daughter).

आत्मजीवन **आत्मजीवन**—अपन जीवन वा प्राण। [सं०] मौ० उद० १५७-२१ (आत्मजीवन विसर्जन करबामे)। *ātmajīvana*—Own life.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒞𑒞𑓂𑒫 **आत्मतत्त्व**—आत्मा पदार्थ, आत्माक स्वरूप। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आत्मतत्त्व। चन्द्र० २४४ (विवेक आत्मतत्व निष्ठ)। *Ātmatatva*—Soul, knowledge of the nature of self.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒞𑒳𑒪𑓂𑒨 **आत्मतुल्य**—अपन सदृश वा आत्माक समान। [सं०] राम० (बालकाण्ड) ४ (आत्मतुल्य धन दीनकाँ देथि)। *ātmatulya*—Similar to (one's own) self.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒞𑒳𑒭𑓂𑒙𑒱 **आत्मतुष्टि**—अपन प्रसन्नता किम्बा सन्तोष, आत्मज्ञानसँ उत्पन्न तुष्टि। [सं०] (आत्मतुष्टि कएने बिना ककरो चएन नहि होइछ)। *ātmatuṣṭi*—Self-satisfaction.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒞𑓂𑒨𑒰𑒑 **आत्मत्याग**—दोसरक हितक हेतु अपन स्वार्थक त्याग, अपन सांसारिक स्वार्थकेर त्याग। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मत्याग। (आत्मत्यागसँ बैध आर किछु नहि छैक)। *ātmatyāga*—Self-sacrifice.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒠𑒧𑒢 **आत्मदमन**—अपना कें (विशेषतः इन्द्रियसभक वृत्तिकें) संयमित करब, मनकें मरमसि कए राखब)। [सं०] तु० क० हि० बं०, अस०, ने० आत्मदमन। द्विरा०१७ (आत्मदमनक पाठ पढ़बि)। *ātmadamana*—Self-control.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒢𑒱𑒩𑓂𑒦𑒩𑒞𑒰 **आत्मनिर्भरता**—अपना पर निर्भर रहब स्वावलम्बिता। [सं०] द्विरा० २३ (आत्मनिर्भरता ओ स्वावलम्बनक महत्व ओहो बूझय लगलीह)। *ātmanirbharatā*—Self-reliaace.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒢𑒱𑒫𑒹𑒠𑒢 **आत्मनिवेदन**—आत्मसमर्पण, अपन कथ्य कहब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मनिवेदन। गो० ५०१ अमर० ८० (पुजन ध्यान आत्मनिवेदन गोबिन्ददास अभिलाष) द्विरा० ८७ (हृदय खोलिकए आत्मनिवेदन करए लगलाह); *ātmanivedana*-Selt-dedication of one's own self especially to god, Presenting own thoughts (etc.).

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒢𑒲𑒢 **आत्मनीन**—आत्माक हेतु हितकर। [सं०] का० २०। रावण वध २०। *ātmanīna*—Beneficial to self.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒥𑒪 **आत्मबल**—अपन शक्ति वा बल। [सं०] कन्या० १५२ (अपनामे आत्मबल ओ साहसक सञ्चार करथि)। *atmabala*—The power of self-confidence.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒩𑒏𑓂𑒭𑒰 **आत्मरक्षा**—अपन रक्षा वा हिफाजति, आत्मत्राण। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मरक्षा। वर्ण० ३ (व्यसन परिहार आत्मरक्षा); मो० १७१-१३ (आत्मरक्षाक अभिप्राय शरीर रक्षा नहि)। *ātmarakṣā*—Self-defence.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒪𑒲𑒢 **आत्मलीन**—अपनहिमे वा आत्मामे डुबल, आत्मज्ञानी। [सं०]—*ātmalīna*—Absorbed in the thought of the Self.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒫𑒘𑓂𑒔𑒢𑒰 **आत्मवञ्चना**—अपनाकें अपनहि ठकब। [सं०] मो० २६-२६-२० (ताहिसँ आत्मवञ्चनाक अतिरिक्त फल नहि)। *ātmavañcanā*—To cheat oneself.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰 **आत्मविद्या**—आत्मा (आदि) सम्बन्धित ज्ञान, वेदान्त, ब्रह्म विद्या, आध्यात्म विद्या। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मविद्या। मो० १-११ (केवल ई आत्मविद्या मात्र मे रहति जेना कि उपनिषद)। *ātmavidyā*—Knowledge of the Self.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒫𑒱𑒮𑓂𑒧𑒵𑒞 **आत्मविस्मृत**—वि०। अपनाकें वा स्वयं कें बिसरब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मविस्मृत बई सवर्धक प्रकृति प्रेम २१। *ātmavismṛta*—*Adj.* Forgetful of one's own existence (origin).

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒫𑒱𑒮𑒩𑓂𑒖𑒢 **आत्मविसर्जन**—आत्मत्याग, प्राणत्याग। [सं०] मि० उद० १५७-१६ (जहि सँ ओ आत्मविसर्जन करबा लए)। *ātmavisarjana*-Giving up one's self (for some greater causes).

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒮𑒧𑒩𑓂𑒣𑒝 **आत्मसमर्पण**—अपनाकें ककरो प्रति समर्पित करब। [सं०] द्विरा० १८६ (ओहि सेनाक बीच आत्मसमर्पण करय पड़लैन्ह)। *ātmasamarpaṇa*—Selt snrrender.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 **आत्मसम्मान**—आत्मगौरव, अपन (उचित) सम्मानकेर भाव। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मसम्मान प्रण० ८१ (चुल्हाइभाक आत्मसम्मान अग्नि मिक्षा क छाउड़ भ गेल छलैन्ह)। *ātmasammāna*—Self-respect.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒮𑒰𑒞 **आत्मसात**—वि०। अपना अधीन, अपनामे लीन। [सं० आत्मसात्] तु० क० अस० आत्मसात। मो० ३-५ (ओ गुजराती आत्मसात नहि कए सकल); मिहि० ३५-३५-१० (केवल वसात ओकरा शबकें आत्मसात कए लेलक)। *ātmasāta*—Lost into essential property of some person or objecti's natural self.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒮𑓂𑒟 **आत्मस्थ**—वि०। अपन बुद्धि वा विचारमे मग्न, ध्यानस्थ, प्रकृतिस्थ। [सं०] नव० ६२ (खोखाइ भा आत्मस्थ नहि लाइ)। *ātmastha*—*Adj.* Self-conscious, alert.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒯𑒞𑓂𑒨𑒰 **आत्महत्या**—अपन बध स्वयं करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्महत्या। प्रण० १४६ (आत्महत्या करबा पर तैयार भ गेलाह)। *ātmahatyā*—Suicide.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒰 **आत्मा**—जीव, अन्तःकरण, बुद्धि, अहंकार, मन, परमतत्त्व। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, गु० म० आत्मा। वर्ण० ५८ (चान्द, सूर्य, आत्मा); राम० ११ (आत्मामे नहि मानथि); मो० ६३-२ (सद्य; संकल्पित पवित्र आत्मा कें देखाय नक्षा जो कें राखि लेलन्हि)। *ātmā*—Soul, intellect, the ultimate reality.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 **आत्मानन्द**—आत्माक आनन्द। [सं०] श्रीमद् भा० २०। *ātmānanda*—Bliss of the Soul.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒰𑒩𑓂𑒣𑒝 **आत्मार्पण**—आत्माक अर्पण। [सं०] नव० ७०

(पूर्ण आत्मार्पण)। *ātmarpaṇa*—Complete surrender of one's self.

आत्मीय—वि०। अपन, अपनासँ सम्बन्धित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० ने० आत्मीय। पुरु० १०६ (सकल आत्मीय लोकसँ निष्कासित); मि० ३३६; मै० हि० सा० ६ (आत्मीय मैथिल गायक मतेक दुर्दशा देखैत छी); मौ० ३६–२२ (आत्मीय लोकसभ उत्तम व्यवहार करैत छथि), रंग० ८२ (कोनो आत्मीय सम्बन्धी हीहचिन्ह); *ātmiya*—*Adj.* Related to oneself.

आत्मीयता—मैत्री, अपनत्व, स्नेहसम्बन्ध। [सं०] तु० क० हि०, बं०, मरा०, ने० आत्मीयता। प्रया० २ (अयाचित कृपा कम मतेक आत्मीयता देखा रहल छथि); नइ० ३२ ओकरा सभ परस्पर आत्मीयताक सम्बन्धमे आबद्ध देल छल)। *ātmiyatā*—Fiendliness.

आथरि—वि०। अथार-पथार लागल रहब, विशेष मात्रामे पसरल। [सं० आस्तीर्ण अथवा आ + स्थल > थाल > थरि)। (थाडीमे आम अथ रि लागल छल)। *āthari*-*Adj.* Spread widely.

आथि—आबथि (वि०) केर प्रा० तु० रू०। का० प्र०४ FML 393 (V: 3n, 3)। वि० ने० ८० (केतन कान्ह तोहि नहि आथि); गी० वि० ५ (कदलिपुर पारल नगर यदु आथि)। *āthi* *Old* obs. of *ābathi* (q. v.)

आद—एक प्रकारक कन्द विशेष जकर आकार हरदि सन देखबामे होइछ। [सं० आर्द्रक] तु० क० हि०, ब०, अदरक। प्रया० ६६ (निर्लज्ज देखथि आद गुड़ खाइथि); प्रया० १६६ (बानर कि जान गेल आदक स्वाद); विरा० ६६ (आद गुड़ छप्पाक समस मेल आबत छैनि) = बच्चा जनमबाक समय जखन आद गुड़ खुआओल जाइछ; धारी १६ (आद देल कुमीक दालि)। *āda*—Ginger.

आदङ्क—भय, डर, आतंक। [सं० आतंक] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आदङ्क। राम० लालदास १६८ (नहि छथि बालि कृपा आदङ्क); म० वि० ६६ (अछि सबमे मरणैक आतंक)। *ādaṅka*—Fear.

आदति (त)—स्वभाव, प्रकृति, आति (दी०)। [अर०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आदत। आमक० ३८, (तुनका बीस वर्षक आदति रहैन्ह)। *ādati*—Habit, nature

आदमी—मनुष्य, व्यक्ति, भृत्य (दी०)। [अर० आदम + ई) तु० क० हि०, बं०, अस०, अर०, मै० आदमी। मै० हि० सा० (३–४) २८ (एहि तरहे दोसरे आदमी कहलक); मौ० २०–३ (तुरत आदमी मालिकक निकट गेल); मण० (हम गरीब आदमी छी) आदमी (बनब) = सभ्यता ओ संस्कृति सीखब (दी०)। *ādami*—Man, servant.

आदर—सम्मान, प्रतिष्ठा, इज्जति, सत्कार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० मरा०, पा० आदर; सि० आदु; कु० आदरी। वि० ने० २२ (आदर अधिक काज न बन्ध); मि० पदा० मञ्जु० १४; रामभद्रपुर पोथी १०७ (हरको आदर आयल जाय); गी० श्रु० १ कमर० ३५ (आदर लाज बाद करि तासह नहनिशि व्यसल परान); मन० ४६ (अपन भगत बुझि आदर कयल); राम० ४१ (तथा जनकहु आदर पाव); महेश० ३१ बिनु दरबारसौं आदर पाव); मि० ६ (ओलोकनि पहि पुस्तकक आदर करताह); मि० पद० १५७–४ (मयर्थक आदर सर्वत्र); मौ० ६७–७ (हुनक आदर सबठाम म सकैछ); प्रथ० ५७ (जमायक खूब आदर सत्कार भेलन्हि); विरा० ८६ (पुरुष जाली पुरुष आदर नहि करै छथि)। *ādara*—Respect, reputation.

आदरणीय—वि०। सम्माननीय, आदर करबाक योग्य। [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने० आदरणीय। मि० २५८ (राज्य मे विशेष आदरणीय छलाह); कीर्त्तनगीत, ७। *ādaraṇiya*—*Adj.* Respectable.

आदरास्पद(दा)—वि०। आदरक पात्र (पात्री)। [सं०] मिथिला १–३०१ (अत्यन्त शोभायुक्त भए लोकमे विशेष आदरास्पद भए जाइत); मि० मित्र १०४ (स्त्री घरसँ बाहर परिक सर्वसाधारणक आदरस्पद (मे सकैत छथि)। *ādaraspada(dā)*—*Adj.* Worthy of respect.

आदरार्थ—क्रि० वि०। आदरक हेतु वा निमित्त। [सं०] मि० ३७४ (अतः आदरार्थ सम्प्रति पहि शब्दें हिनका कहाय जड़ाथ); मौ० ६२–२२ पण्डितक आदरार्थ पोती किछु नहि); भल-मानुस ४६। *ādarārtha*—*Adv.* For showing respect.

आदरि—आदर (वि०) केर का० रू०। वि० ने० १६२ (भल परिहर नदि आदरि आनि)। *ādari*—Poet. of *ādara* (q.v.).

आदर्श[1]—उत्कृष्ट, युक्ति गत (सिद्धांत वा मान्यता)। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आदर्श। मौ० १०२–२० (लोक आदर्श मानैत छथि)। *ādarśa*[1]—*Adj.* Noble, idea (principal).

आदर्श[2]—दर्पण, अयना, शीशा, जकर रूप आ दृश्यक अनुकरण प्रत्यक्ष कयल जाय। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, मै० मव०, राज०, आदर्श; पा० आदास; ओकरक प्राकृ० आदंस ओअस, अ यंस आयास; सिंधाली आहिरी; लहन्दा अम्ही; आशि; गु० अ सिसो, आरसि; उ० आरिसि, ओआसि; म० आरसा, अरो; हि० मै० आरसि। वर्ण० [१] (आदर्श आनि उपनीत कर)। *ādarśa*[2]—Mirror.

आदर्शवाद—उत्कृष्ट, उपलब्ध, यथार्थ वा व्यवहारिक सँ भिन्न, जेना हुनक आदर्श (सर्वोत्तम) छैहए ताहरा कयन्‌ ओ अपेक्षा करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, आदर्श। विरा० ७७ (आदर्शवादक रक्षा करैत रहलाह)। *ādarśavāda*—Idealism.

𑒂𑒠𑒩𑓂𑒮𑒹 आदर्से—आदर्श (दे०) केर का० रू०। चन्द्र २१ (सुरी किन्नरी आदर्से)। *ādarse*—Poet. of *adarśe* (q. v.).

𑒂𑒠𑒰𑒢 आदान—लैब, ग्रहण करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, पा०, अस०, ने० **आदान** प्राकृ० **आयाण**। (आहाँ **आदान** केँ प्रदानसँ विशेष महत्त्व देने छिऐक)। *ādāna*—The act of taking.

𑒂𑒠𑒰𑒥 आदाब—नमस्कार, प्रणाम, सलाम, जोहार, तओर तरीका, कायदा। [अर०] तु० क० हि०, अर० उर्दू० फार० **आदाब**। (आदाब मौलवी साहेब)। *ādāba*—Salutation, manner.

𑒂𑒠𑒱[1] आदि[1]—वि०। प्रथम, पहिल, आरम्भ। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा० आदि; प्राकृ० **आइ, आइए**। वर्ण० ५६ (**आदि**पर्व, सभापर्व, अरण्य पर्व); राम० २१ (**आदि** अन्त दुहू देलक मारि;) महेश० २६ (**आदि** करम मोर की भेल), मि० उद० १५७–१ (**आदि** कालहिँसँ सर्वजन्य मान्यता); मो० १७–२ (नवम वर्षक **आदि** काँ) (**आदि** विरोध नीक अन्त विरोध त्रहि नीक); (**आदि** घरिसे अरदरा, अन्त ने वरखे हस्त। मध्य वरखे मघा, तँ कि करत गिरहस्त)। *Ādi*[1]—*Adj*. Beginning.

𑒂𑒠𑒱[2] आदि[2]—अव्य०। इत्यादि, आओर-आओर। [सं०] वि० वि० ४ (वीरसिंह राजादि) राम० ७६ (नृपति किरीटि **आदि** नहि अङ्ग); मै० हि० सा०, १५ (अलसता दीर्घसूत्रता आदि); मो० ७३ अपन नाम ग्रामादि स्पष्ट लिखथि); चित्रा ८२ (पौत्र, पौत्री, नाति-नतिनी **आदि**)। *ādi*[2]—Ind. Etc, so and so.

𑒂𑒠𑒱𑒁𑒯𑒱 आदिअहि—**आदि**[1] (दे०) केर निश्चय० रू०। मि० उद० १५८–६ (सृष्टिक **आदिअहि**सँ अछि)। *ādiahi*—Emph. of *ādi* (q. v.).

𑒂𑒠𑒱𑒋 आदिए—आदिअहि (दे०) केर वा० रू०। रंग ५४ (दाम्पत्य जीवनक **आदिए**मे हम परास्त भए जाएब)। *ādie*-Coll. of *ādiahi* (q.v.)

𑒂𑒠𑒱𑒏𑒰𑒪 आदिकाल—प्रारम्भिक काल वा समय। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आदिकाल। (आदिकाल सँ सब सब अपन अपन पूर्वजक रक्षा करैत आबि रहल अछि)। *ādikāla*—early period, beginning time.

𑒂𑒠𑒱𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨 आदिकाव्य—सबसँ पहिल काव्य, बाल्मिकी रामायण। [सं०] तु० क० हि० बं०, अस०, ने० **आदिकाव्य**। (**आदिकाव्यक** रचना कए बाल्मिकी अमर भए गेलाह)। Run *ādikāvya*—First (literary) composition (especially *Vālmīki. Rāmāyana* epic)

𑒂𑒠𑒱𑒞𑒱 आदिति—अदितिक ग्रा० रू०। तु० प्र०। अठारह पतिव्रता नारीमे सँ एककेर नाम। [सं० अदिति] वर्ण० ५६ (जानकी, गान्धारी **आदिति**)। *āditi*—Folk form of Aditi (q.v.), name of a woman in Hindu mythology, the mother of Gods.

𑒂𑒠𑒱𑒞𑓂𑒨 आदित्य—सूर्य, अदितिक पुत्र, देवता, इन्द्र, वामन, वसु, विश्वेदेव, मंदार पुष्प। [सं०] तु० क० हि० बं० अस०, ने०, आदित्य। वर्ण० १५ (**आदित्य** संसारक चिन्ताकइ अस्ताचल **गइ** उपघत भउअइ); अम० ४ (**आदित्य** विश्व वसु)। *āditya*—The sun.

𑒂𑒠𑒱𑒞𑓂𑒨𑒣𑒳𑒩𑒰𑒝 आदित्यपुराण—एकटा पुराणकेर नाम। [सं०] वर्ण० ६० (नरसिंह पुराण,आदित्यपुराण)। *ādityapurāṇa*—Name of a *Purāṇa*.

𑒂𑒠𑒱𑒧 आदिम—पहिलुका, प्राचीन। [सं० आदि + म] पुरु० १८६ (वर्ग पड़ **आदिम** नाम रेख); द्विरा० २६ (**आदिम** समयक सँ पुरुषक अत्याचारसँ पीड़ित)। *ādima*-First, earliest days.

𑒂𑒠𑒱𑒫𑒰𑒮𑒲 आदिवासी—वि०। सबसँ पहिले पहिल बसनिहार, प्रथमे प्रथम निवास कएनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आदिवासी। मै० इ० मा० ६ (भारतवर्षक **आदिवासी** लोकनि दक्षिण विहारमे रहैत छथि, एखनहु धरि हिनकालोकनिमे सभ्यताक पूर्ण प्रसार नहि भेलैन्ह अछि)। *ādivāsī*—*Adj*. First inhabitant, aborigine.

𑒂𑒠𑒱𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱 आदिशक्ति-मूल वा आदिशक्ति, महामाया दुर्गा। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, आदिशक्ति। पुरुष १८६ (आदिशक्तिकेँ प्रणाम सदा करैत छी); ऐ० (पद युगल कमले तैं आदिशक्ति प्रणाम); द्विरा० २१४ (सम्प्रति **आदिशक्ति** पुरुषक गोष्ठीमे रंग बिरंगी वेष भूषाक छटा देखा); *ādiśakti*—Divine power of God.

𑒂𑒠𑒱𑒭𑓂𑒙 आदिष्ट-वि०। आदेश प्राप्त, जकरा आज्ञा देल गेल छैक आदेश पाओल। [सं०] तु० क० हि० **आदिष्ट**। *ādiṣṭa*—*Adj*. Who has been ordered.

𑒂𑒠𑒲[1] आदी[1]—वि०। अभ्यस्त। [अर०] रुपैया राज २७। *ādī*—*Adj*. Habituated.

𑒂𑒠𑒲[2] आदी[2]—आद (दे०) केर ग्रा० रू०। (आदी, हरदी, धनियाँ लेबै यै)। *ādī*[2]—Folk of *āda* (q. v.).

𑒂𑒠𑒵𑒞 आदृत—आदर वा सम्मानित कएल गेल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आदृत**। मि० उ० १५७–२५ (आदृत सत्पंडितक अभाव भै गेल अछि)। *ādṛta*—*Adj*. Who is respected.

𑒂𑒠𑒹𑒬 आदेश—आज्ञा, हुकुम, उपदेश, विवरण। [सं०] तु० क० हि०; बं०, अस०, ने० आदेश, प्राकृ० अ.एस **आएस**; मि० ३०२ (यथा विधान करबाक **आदेश** देल); प्रण० ४२ (आंगनमे किछु **आदेश** द)। कन्या० १३६ (आदेशसँ झुनमुनका की पीठ झाड़ए लगलथिन्ह) *ādeśa*—Order.

𑒂𑒠𑒹𑒬𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 आदेशानुसार—आज्ञाक अनुसार वा

अनुकूल। [सं० आदेश + अनुसार] प्रबु० १३८ (यजमानक आदेशानुसार होम कर लगलाह), रंग ४४ हुनक आदेशानुसार एक उत्र बनबाओल गेल)। *ādeśānusāra*—According to the instruction.

आद्यन्त—अव्यय। आदिसँ लय अन्त तक, समस्त, सम्पूर्ण। [आदि + अन्त] मि० १०२ (सब समाचार आद्यन्त सुनि प्रसन्न भेलीह)। *ādyanta—Ind.* From the beginning to the end.

आद्याक्षर—पहिल अक्षर। [सं०]। मि० ४-७ (पुरोहितक दृष्टि शोभे सुमङ्गली नामक आद्याक्षर अकार पड़ला भेलै)। *ādyakṣara*—First letter.

आद्या—दुर्गा, प्रधानशक्ति, दश महाविद्यामेसँ प्रथम देवी, आदिमे उत्पन्न सृष्टि आदि। [सं०] तु० क० हि० आद्या। मौ० १३४-२ (आद्या देवीक मन्दिरसँ किछु दूर)। *ādyā*—Primitive Goddess, Durgā.

आद्योपान्त—क्रि० वि०। शुरूसँ आखिर धरि। [सं०] तु० क० हि० आद्योपान्त। मै० हि० सा० (२) (आद्योपान्त समान रूपसँ वक्ता भेल अछि); मि० ४४६ (आद्योपान्त इतिहास नाडनिक मूँह सुनल); द्वि० ८७ (आद्योपान्त अपना विवाहक उपाख्यान कहि सुनौलथिन); पारो ३५ (तकर आद्योपान्त सबटा सुनि त लेल)। *ādyopānta—Adv.* From the beginning to the end.

आद्रक—आद (दे०) केर प्रा० रू०। वर्ण० ६५ (अमानि आद्रक)। *ādraka*—Old form of *āda* (q.v.).

आद्रा—आर्द्रा (दे०) केर ब० रू०। तु० क० अदरा कहु० ६७ (आद्रा नक्षत्रमे आम खौआ)। *ādra*—Coll. of *ārdrā* (q.v.).

आध—आधा (दे०) केर संक्षि० रू०। (समस्त पद अथवा चमत्कारिक प्रयोगमे लेखो अछि)। वि० नै० ७८ (आध नयन दए लहु कर आध); वि० पदा० मजु० ६०, नेपाल ५८ (ख) तालपत्र न० गु० २०६; अ० २०७ (रजनी आध समाजे); मौ० ५० १ अमर ४ (आधक आध आध दिठि अचल जब धरि देखल कान); मन० ३६ (प्रातहिं आध बेर देख याहि); राम० १३० (आध पहर धरि कयलक काहि); प्रबु० २०३ (सूर्योदयसँ आध पहर पहिनहि)। *ādha*—*Short* Form of *ādhā* (q.v.).

आधहि (ञ) आधहि (हु)—आध (दे०) केर निश्चय रू०। वि० पदा० मजु० ३७७ (आधहु अधिक संकोचित अंग); राम० ७ (आधहि पथ सभी कहि उगल)। *ādhah (hu)*—Emph. of *ādha* (q.v.).

आधा—वि०। कोनो वस्तुक दुइ बरोबरि भागमेसँ एक भाग। [सं० अर्द्ध] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज०, आधा; प्राकृ० अद्ध; FML ३७८ आध आधे; प्रा० मै० अध; पा० अड्ढ; कश्मीरी अड; औडु; लहन्दा अध्ध, आधो; कु० आद्; आधो; म० आधा; मार० आधो; सि० अड; अड्डु; उ० अध। वि० पदा० मजु० ४६६ (चालिस कोटि आधा हरि लेल); मौ० १०-१२ (आधा नहि होयत), प्रबु० ५४ (आधा घन्टामे दारुकवनि ठमि कए बाहर ऐलाह); पारो १ (आ. ह न औंधी आधा बिछरिय गेल अछि); आधा आधी = परस्पर आधा (दे०)। *ādhā*—*Adj* Half.

आधान—स्थापन, राखब, ओ स्थान जतय वस्तु राखल जाए। [सं०] तु० क०, हि०, बं०, असा०, नै०, राज०, पा० आधान। रस निर्भ० ४१। *ādhāna*—The act of keeping or placing (something) the place where things can be kept.

आधार—आश्रय, अवलम्ब, सहारा (दे०); पात्र (नाटक), मूल, नेओं। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज०, पा० आधार; प्राकृ० आहार; सि० अहुरु; कु० आ'; म० आहार; आहा; गु० आरो। वर्ण० ६५ (आधार आज्यभाग); राम० १३३ (सब जीवक धरणी आधार); मै० हि० सा० (३-४) २७ मूल रहस्यक आधारपर कोनो भाव कयल जाय); मौ० १७०-६ (इतिहासक आधार पर लिखित हो); मन्या० ७२ (आधार कयने परिस्थित न भेलैन्ह); नव० ६५ (पुरान किस्सा पिहानी के आधार बनाकें नाटक लिखथि)। *ādhāra*—Support.

आधि—मानसिक व्यथा, चिन्ता, फिक्र, शोच, उदासी; विपत्ति; दुर्भाग्य। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, मै०, अव०; राज० आधि, प्राकृ० आहि; उ० आहिआ, आह्या); गोरक्ष वि० २ (क) (रति पक्ष दीन मेराय × × = हि आधि); वि० नै० (ऐसनो न जाए गनि राधि वाडर); वि० पदा० मजु० ८६, ता० पत्र न० गु० ३३०, अ० ३२७ (आधि तब अधर मधुपान देबी); राम० ३० (आधि विषाद हृदय चिन्त र); राम० १४८ (आधिक बनवि अन्त दिन आज); रात० ८ (बनि गेलहुँ आधि परवश अति कानी)। *ādh*.—Malady, anxiousness, trouble.

आधिक्य—अधिकता, प्रचुरता। [सं०] तु० क० हि०, बं०; असा०, नै० आधिक्य। पुरु० १८४ (तावय लोभक आधिक्य सौं); मौ० १७४-४८ (सुन्दरताक आधिक्य; व्यभिचार कहि); लहु० ३ (हस्तजुलक आधिक्य होअक चाही)। *ādhikya*—Excess, abundance.

आधिजाल— चिन्ता, उदासी, वा व्यथाक जाल। [आधि + जाल] चन्द्र ३६५ (वियोग दुख आधिजाल)। *ādhijāla*—Net of worries or mental agonies.

आधिपत्य—अधिकार, प्रभुत्व, स्वामित्व। [सं०] तु० क० हि०, बं० असा०, ने०, राज० आधिपत्य। मौ० १०१-१५ (मैथिल महासभाक आधिपत्य रहलन्हि); प्रबु० १६ (स्वयं सिद्ध आधिपत्य जमि गेल छन्हि)। *ādhipatya*—Supremacy, sovereignty, power.

आधिभौतिक—शरीरधारीकृत वा सम्बद्ध।

[स०] तु० क० हि० आधिभौतिक। प्रण० १८७ (आधिभौतिक जगतमे आबि गेलाह); चित्रा ५७ (आधिभौतिक शक्ति दासी बनौने जा रहल अछि)। *ādhibhautika*—Caused by, concerned with living beings.

আধিব্যাধি **आधिव्याधि**—दुःख, शोक, चिन्ता, रोग। [आधि + व्याधि = आधि (मानसिक) + व्याधि (शारीरिक)] (मो० ६७–२१ आधि-व्याधि पूर्ण संसार मे भक्ति कतै)। *ādhivyādhi*—Mental and physical griefs or agonies.

আধী[1] **आधी**[1]—शतरंजमें आधा जीत, खेतक बटेदारी। [आधा + ई] (औं ! आब अहाँ कि खेलाइब हमरा संग, पाँच बाजीमे एक बाजी बुझि काथि क आधीसँ जीतल)। *ādhī*—Half victory in chess, when the king aloheremains in the end, Cultivation on half-share as payment.

আধী **आधी**[2]—आधि (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १८५, नेपाल ७३, न० गु० ७६ (अबुध सखीजन न बुझए आधी)। *ādhī*[2]—Poet. of *ādhi* (q.v.)

আধীন **आधीन**—अधीन (दे०) केर वा० रू० ओ का० रू०। राम० लाल दास १४६ ,। *ādhīna*—Coll. and poet. of *adhīna* (q. v.).

আধীস **आधीस**—अधीश (दे०) कैर का० रू०। मन० कृष्ण ५ (माटि काटि कयल आधीस)। *ādhīsa*—P. F. of *adhīsa* (q. v.).

আধুত **आधुत**—नृत्यक तेरह प्रकारक भाव भंगिमामेसँ एक। [सं० आ + ध्वनि; धुनि] व०० ५० (धुत, विधुत, आधुत)। *ādhuta*—Name of a kind of gesture in dancing.

আধুনিক **आधुनिक**—वि०। आइ कालिहक, वर्तमान समयक, नवीन। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आधुनिक; प्राकृ० आहुणिय। मि० २०५ (आधुनिक भूमिहार कुलपांसन सभ अपनाकेँ षटकर्म्मा तथा मैथिल ब्राह्मण तनक कहैत लज्जित भै); मि० उद० १५८–१४ (आधुनिक जकाँ अनेक ठाम चौपाहि छन्न); मो० ६८–१ (जाहि आधुनिक कपटधर्मी केँ निश्चय करैक होइन्ह); प्रण० २०० (आधुनिक नारी सर्वथा बन्धनमुक्त भ क रहए चाहैत छथि); चित्रा ५५ (नीक हमरा लगइ अछि ई आधुनिक संसार)। *ādhunika*—*Adj*. Modern, of to-day.

আধুনিকা **आधुनिका**—आधुनिक (दे०) केर स्त्री० रू०। पारो ३० (आधुनिकालोकनिक किछु पच ल क पीसीकेँ किछु कह नाइ आवश्यक बुझि पड़ल)। *ādhunikā*—Fem. of *ādhunika* (q. v.).

–আধুর–**आधुर**–प्रत्यय। तच्छील कर्त्तामे अर्थात् ओहि क्रियामे अभ्यास ओ कौशल प्राप्त कएनिहार कर्त्तामे खा धातुसँ—आधुर जोड़ल जाइछ। ल० वि० १३६ (खाधुर)। —*ādhura*—Suffix in the sense of excess.

আধে **आधे**—आवहि (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मजु० ८७, तालपत्र न० गु० २२५ अ० २२६ (किनल कन्हाइ लोचन आधे); नव० ७४ (चङेरीमे सेर आधेक गोटा सुपारी); आमक० १६ (आधे आँखिये हुनका दिस तकैत)। *ādhe*—Coll. of *ādhahi* (q. v.).

আধেয় **आधेय**—आधारपर स्थिर वस्तु, जे वस्तु ककरो आधारपर रहए; रखबाक योग्य। [सं०]। द्विरा० ८६ (ओ आधेय गुणसँ अधिक आधार द्रव्यपर लट्टू छथि) *ādheya*—The thing which ought to be or is suppor.ed, kept or held.

আধো **आधो**—आधहु (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १८६ ग्रि० १० (ताहि दिअ विधि सुख आधो)। *ādho*—Coll. of *ādhahu* (q. v.)

আধ্যাত্মিক **आध्यात्मिक**—वि०। अध्यात्मसँ सम्बन्ध रखनिहार, मन सम्बन्धी, आत्मसम्बन्धी। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आध्यात्मिक। मि० उद्१० १५७–१६ (आध्यात्मिक टा एहि लौकिक) मो० १०२–१ (आध्यात्मिके विषय पर वार्त्तालाप कै रहल छलहुँ); खट्ट० १३४ (वैह आध्यात्मिक हमरालोकनिकेँ अकर्मण्य बना देलक); प्रण० १४८ (पंडितजी एकाएक आध्यात्मिक जगतसँ आधिभौतिक जगतमे आबि गेलाह); द्विरा० (शुद्ध आध्यात्मिक प्रेम रखैत छी)। *ādhyātmika*—*Adj*. Spiritual, concerning the soul or mind, (q. v.).

আধ্বান **आध्वान**—उद्गार, ढेकार (दी)। [सं०] तु० क० भुआइन ढेकार। *ādhvāna*—Belch.

–আন[1]–**आन**[1]– प्रत्यय। भाववाचक। पिसान, उड़ान। –*āna*[1]—Suffix in the sense of belonging.

আন[2] **आन**[2]—अन्य, भिन्न (दी०), दोसर। [सं० अन्य] तु० क० पा० अन्नँ; अनँअ; प्रा० अण्ण; अएण, लहन्दा अन्न; कु० आन; उ० आन; म० आन अण, आणी आग; गु० सि० अन। वर्ण० ६५ (आन प्रजापत्य); कीर्तिलता २८ (चरण नाच तुरुकिन आन किछु काहु न मावइ); गोरक्ष विजय ११ (क) (राजा शिवसिंह रूपनारायन बुझि बुझाओव आन); गी० श्टं० १ अमर (नोदन मूरति रव श्रुति परिपूरित नै सुनै आन प्रसङ्ग); वि० वि० ३ (विदित भुवनतर कैओ नहि आन); श्री कृ० ज० १० २३ (मेल आन सौं आने); पुरु० २०० (आन लालच मन आबै); मो० ६७–८ (आन देशक अपेक्षामे थोड़ नहि छथि); खट्ट० २ (आन ठाम सुनि सकबइ); चित्रा ८२ (आन वाणी थीक दूरक ढोल)। *āna*[2]—Other.

আন[3] **आन**[3]—आनब (दे०) केर वा० रू० क्रि०। मन० ४६ (से मोर मित्र जे सत्रुहि आन)। *āna*[3]—Coll. of any form *ānaba* (q.v.).

আনএ **आनए**—आनब (दे०) केर प्रेरणा० रू०। वि० पदा० मजु १३, न० गु० (३२) ३ य, अ० ६४५ (निति मोर्वे जाओ भिखि आनओ भाँगि); प्रण० ७ (थारी बाटी माँजि क आनबु

आनए तावत कमरी लगौत कोभ साफ); भामक० ३३ (बिनु आनए कहैत हेताह) । *ānae*—Caus. of *ānaba* (q.v.).

𑒂𑒢𑒏 **आनक**—अनकाक, दोसराक । [आन + क] वर्ण० (आनक मारि से वन्धिक सिद्दाल); राम० २५ (कालवमे मेल आनक काज); मै० हि० सा० २ (१.३) ३ (आनक नरवा न कयल भुख जानि आनक); मि० वद० १५०-२० (खगे आनक उपदेश); हिरा० १४० (आनक लखौल) । *ānaka*—Of others.

𑒂𑒢𑒏𑒃 **आनकइ**—आनक (दे०) केर प्रा० मु० रू० । वि० पदा० मजु० १४४, तालपत्र न० गु० ६२५ अ० ८०३ (आनकइ रूपहित परा रहए) । *ānakai*—Old obs. form of *ānaka* (q. v.).

𑒂𑒢𑒏𑒰 **आनका**—आनक (दे०) केर का० रू० । वि० नै० ३६ (आनका रूप हिति पर होअए) । *ānakā*-P.F. Of *ānaka* (q. v.).

𑒂𑒢𑒓𑓂𑒑 **आनङ्ग**—अनङ्ग (दे०) केर का० रू० । वि० नै० ६४ (अजिबुक गति के साधु मन महु मते विपरीत करए आनङ्ग) । *ānaṅga*—P. F. of *anaṅga* (q. v.).

𑒂𑒢𑒚𑒰𑒿(𑒚𑒰𑒧) **आनठाँ(ठाम)**—आन जगह, अन्यत्र, दोसर स्थान । [आन + ठाम] FML 436; पुरु० २०२ (ई विचारि आनठाम जायब) । *ānaṭhā̃ (ṭhāma)*—Elsewhere

𑒂𑒢𑒞 **आनत**—आनब (दे०) केर अना० भवि० मध्य पु० रू० । गी० सं० २ अमर ४८ (पामरि गोविन्द भरि आयब साजि आनत तहु तोरि); राम० १६६ (के हित आनत तनिक सन्देश); रंग० २१ (ई भाभीर बस्तु आनत) । *ānata*—Nonh. second person future tense of *ānaba* (q.v.)

𑒂𑒢𑒟𑒱 **आनथि**—आनब (दे०) केर आद० अन्य पु० रू० । राम २२४ (लक्ष्मण आनथि भरि-भरि वारि); मि० वद० १५८-८ (आनथि कपैरा माँगि कै); हिरा० २ (साइरमे प्राण कय आनथि) । *ānathi*—*Hon*. third person form of *ānaba* (q.v.).

𑒂𑒢𑒢 **आनन**—मुँह; चेहरा, आकृति; [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०,नै०, अव, आनन । वि० पदा० मजु० २३, राग त० १२; ने० गु० तालपत्र ५४०, अ० ५९२ (जनु मधुर हाक पताहि आनन करए बचन विकास); मन० १० (आनन चुम्बि पयोध धयल); वि० वि० २३ (आनन अमन्दकन्दा रे); राम० १४४ (कमलसनी आनन); गी० १०१-८ (आनन सुख अपमान अछि देखल अय संसार); शत-दल १० (आननमे पाबर भूमि लग्न) । *ānana*—Face, Mouth.

𑒂𑒢𑒢𑒯𑒱 **आननहि**—आनन (दे०) केर निश्च० क० रू० । वि० नै० ६ (कुच दुहु उपर आननहि देल); राम० ४७ (एहि समय देवे आननहि विहुसे देलन कुन्धित विशेला) । *ānanahi*—Emph. of *ānana* (q. v.)

𑒂𑒢𑒢𑒰 **आनना**—आनन (दे०) केर का० रू० । आनन्द विजय ३० (आनना) । *ānanā*—Poet. of *ānana* (q. v.).

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠 **आनन्द**—प्रसन्नता, हर्ष, खुशी, आह्लाद । [सं०] तु० क० बं०, असा०, नै० अव० राज०, पा० आनन्द; हि०आनंद; गु० आणंद; मरा० गु० आणंद । गोरक्ष विजय ३ (क) (संगहि मानसिंघा हृदय आनन्द); वि० नै० ४० (आनन्द नन्द नीरे नयन भरि गेल); वि० पदा० मजु० ८, बं० सा० पत्रिका १३०९ पृ० ३०, ने० गु० ६, अ० १००७ (मानय मन आनन्द भयओ); गी० अ० २ अमर ३ (दुहु सुख सागर आनन्द भासल दुहु रसे निमगन भेल); मन० ११ (आनन्द नन्दक उर न समायत); मि० वि० ८ (करय आनन्द विलासे); राम २१ (कृत सुकृत आनन्द विशाल); मि० वद० १५८-७ (कयो भरल छथि आनन्द); गी० ६०-५ (की करति आनन्द बाजन बधैया); पारी १७ (के मुनि मौन आनन्द हो) । *ānanda*—Happiness, pleasure.

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒏𑒢𑓂𑒠 **आनन्दकन्द**—आनन्दक मूल स्रोत, ईश्वर, भगवान । [सं०] कीर्तिपताका ६ (तद... आनन्दकन्दोयमिन्दु); मन० ४५ (ताहि बिच देखल आनन्दकन्द); श्रीकृष्ण केलिमाला १४ (आब के से आनन्दकन्द रे) । *ānandakanda*—God.

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒏𑒢𑓂𑒠𑒰 **आनन्दकन्दा**—आनन्दकन्द (दे०) केर का० रू० । लोचन राग० ४१ (मम तु आनन्दकन्दा रे) । *ānandakandā*—Poet. of *ānandakanda* (q. v.).

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒒𑒢𑒰 **आनन्दघना**—वि० । आनन्द सँ भरल । [सं०] तु० क० हि० आनन्दघन । महेश० १३ (अहाँ थी आनन्दघना) । *ānandaghanā*—*Adj*. Full of pleasure.

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒧𑒨𑒲 **आनन्दमयी**—वि० स्त्री० । आनन्द वा प्रसन्नतासँ परिपूर्ण । [सं०] गी० ६७-२१ (हमर आनन्दमयी माय) । *ānandamayī*—*Adj. Fem.* One full of pleasure

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒰 **आनन्दा**—आनन्द (दे०) केर का० रू० । चन्द्र० ३१५ (शिव सेवा बिनु नहि आनन्दा) । *ānandā*—Poet. of *ānanda* (q v).

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒱𑒞 **आनन्दित**—वि० । मुदित, हर्षित, जे सभ आनन्द वा प्रसन्न अछि । [सं०] तु० क० हि० आनन्दित । राम १६ (पायस लैत नृपति आनन्दित) । प्रया० १६७ (मधुर कल्पनासँ आनन्दित भ उठलाह) । *ānandita*—*Adj*. Pleased, happy.

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒹 **आनन्दे**—आनन्द (दे०) आनन्दैं, आनन्दसँ केर

का० रू० । वि० पदा० मजु० १११, न० गु० तालपत्र ४६७, अ० ४६२ (दरसने कत **आनन्दे**); वि० वि० ४ (**आनन्दे** जाएब चातु कलावति); चर्या० ३०/४; नव० ११४ (दुहु मुख मंडल **आनन्दे** उद्भासित)। *ānande*—Poet. of *ānanda* (q' v.).

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒼𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 **आनन्दोत्पादक**—वि० । आनन्दक वा प्रसन्नताक उत्पादक वा उपजओनिहार । [आनन्द + उत्पादक] मि० मित्र २४१ (लौकिक मेलहुँ सन्ता अलौकिक **आनन्दोत्पादक** छो) । *ānnadotpādaka—Adj.* Creator of pleasure.

𑒂𑒢𑒥(𑒰) **आनब(ा)**—क्रि० । आनयन (दी०), आनबाक वा लएबाक क्रिया । [सं० आनयन] । (हमरा लए अहाँ किछु **आनब** कि नहि ?) कन्या० ६१ (वर **आनबाक** कोन कथा) । *ānaba—(ā)* –V. To bring forth.

𑒂𑒢𑒨 **आनय**—आनए (दे०) केर वि० रू० । वि० पदा० मजु० ५, न० गु० तालपत्र ५४, अ० ७८ (आनय गुआ पान); राम० १८३ (**आनय** हेतु राम नृपवरकाँ) । *ānaya*—Alt. of *ānae* (q v.).

𑒂𑒢𑒨𑒢 **आनयन** लाएब, उपनयन संस्कार । [सं०] तु० क० हि० आनयन । विश्वेश्वर चम्पू (अ); साहित्य पत्र १–१–४३ । *ānayana*—Bringing, the upanayana ceremony.

𑒂𑒢𑒪 **आनल**-आनब (दे०) केर भू० आ० रू० । वि० पदा० मजु० ३१, नं० गु तालपत्र ६४; अ० ११ (ततहु सञे हठे हटि **आनल**); राम० १०५ (गुरु **आनल** सभ सौ भल देवि); चित्रा १३ (उठा कए **आनल**); पारो १३ (हाथ ध क **आनल** जैताह) । *ānala*—Hon. past tense of *ānaba* (q. v.).

𑒂𑒢𑒪𑒱 **आनलि**—आनल (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० ने०, ५२ (बालि बिलासिनी जतने **आनलि** रमण करव सखि); वि० पदा० मजु० १८८; रामभद्रपुर पोथी पद ३१ (आस दइअ पर पेअसि **आनलि**) । *ānali*—Fem. of *ānala* (q. v.).

𑒂𑒢𑒪𑒴𑓀 **आनलूँ**—आनल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, अं० ८४५ (सा० प० २०१ सं पोथी) (**आनलूँ** धर्म परतोले) । *ānalū̃*—Old obs. of *ānala* (q, v.).

𑒂𑒢𑒪𑒹 (𑒪𑒼) (𑒪𑒾) **आनले (लो) (लौं)**—आनल (दे०) वा अनलहुँ केर का० रु० । वि० पदा० मजु० ५१ (कत अनरोधी **आनलो** परबोधि); सुभद्राहरण १२१ (**आनले**); चन्द्र० ३३३ (दुरमति **आनलौं**) । *ānale (lo) (lau)*—Poet. of *ānala* (q.v.). analahu.

𑒂𑒢𑒫 **आनव**-आनब (दे०) केर वि० अशु० का० रू० । वि० ने० ६६ (**आनव** नागर नयने बझाए); वि० पदा० मजु० ३३, तालपत्र १५, अ० ६० (**आनव** कओन उपरि); वि० वि० २१ (कौन जुगुति कय **आनव** से जन मोय); राम० १५ (**आनव** हम ठानव (प्रपंच;) अग० १५४ (ओ सब बथीमे **आनव** ?) । *ānava*—Alt. Err. Poetic. of *ānaba* (q. v.).

𑒂𑒢𑒫𑒱 **आनवि**-आनव (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० पदा० मजु० ६६, तालपत्र न० गु० २३४, अ० २३५ (बारि बिलासिनि **आनवि** कहाँ) । *ānavi*—Fem. of *ānava* (q. v.).

𑒂𑒢𑒯 **आनह**—आनब (दे०) केर आद० म० पु० आज्ञा० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, तालपत्र न० गु० ३७१, अ० ३६८ (पउसि **आनह** गजगामिनि रे); मन० ४ (**आनह** छओ गोट दानव बाल); राम० १३१ (हरि **आनह** मन इच्छित नारी); चन्द्र० १८३ (**आनह** ताकि यतन बघछाल) । *ānaha*—Hom. Imp. second peron of *ānaba* (q.v.).

𑒂𑒢𑒯𑒱 **आनहि**—आन[2] (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० १८१, नेपाल ८६ (ख) (**आनहि आनह** पेम बयना); गो० श्रृं० १ अमर ४७ (चुम्बन बदन बदन रहु मेलि । **आनहि** भाँत रभस रस केलि) । *ānahi*—Emph. of *āna*[2] (q.v.).

𑒂𑒢𑒯𑒲 **आनही**—आनहि (दे०) केर का० रू० । राम० २०८ (**आनही** सँ आन भेल) । *ānahī*—Poetic. of *ānahi* (q. v.).

𑒂𑒢𑒯𑒳 **आनहु**—आन[2] (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० १००; राग त० ६३, न० गु० तालपत्र ३५४, अ० ३५१ (रुसइते **आनहु** बोल आगेआन) । *ānahu*—' mph. Of *āna*[2] (q. v.).

𑒂𑒢𑒰 **आना**- रुपैआक (तहिना कोनो वस्तुक) सोडहम भाग । [सं०आणक] तु० क० हि०,बं०, ने० आना; काश्मीरी आन,अन्न; म० आणा ए.ण; सि० आनो; लहन्दा आना, प० आंना; उ० अणा, अणि; गु० आनो, आनी । चित्रा ४४ (नौ **आनाक** सौटपर वैसल); (एक **आनाक** मुर्गी नओ **आनाक** मसाला) = नीक छोट वस्तुमे अधिक खर्च लागि जाइछ । *ānā*—A coin of the value of one sixteenth of the Indian rupee at one time.

𑒂𑒢𑒰𑒃𑒞𑒱 **आनाइति**—अनाइत (दे०) केर विक० रू० । राम० १६ (तकर **आनाइति** तोहेँ दए नाथ) । *ānāiti*—Alt. of *anāita* (q.v.).

𑒂𑒢𑒰𑒏𑒰𑒢𑒲 **आनाकानी**—नहि ध्यान देवाक भाव, अनसुनल जकाँ । [सं० अनाकर्णन] तु० क० हि०, ने० आनाकानी । त्रिफला ७ । *ānākāni*—Hesitation.

𑒂𑒢𑒱[1] **आनि[1]**—आनब (दे०) केर पू० क्रि० रु० । वर्ण० ३५ (कइ महाउतन्हि **आनि**); वि० वि० ४ (त्याग करव हमे घृत **आनि**); वि० वि० १७ (से जन कतय अच्छ **आनि** देहि जोहि) । *āni*—P P. form of *ānaba* (q.v.).

𑒂𑒢𑒱[2] **आनि[2]**—ईर्ष्या [फा० आन] तु० क०, हि० आन । स्त्रि० । (आनि निमाहब = बात पर अटल रहब; (आनि छोड़ब) = प्रतिज्ञा भंग करब । *āni*[2]—Self-respect, determination (especially one undertaken by oneself).

आनिअ—आनि[1] (दे०) केर वर्त० कृ० । तु० मा० प्र० । वि० नै० ७० (कोकिल कानन आनिअ सार); वि० पदा० मजु० ८४, रामभद्रपुर पोथी ४०६ (सत रासब जत आनिअ बोलि); मन० ४० (आनिअ ज्योति विलम्ब न लाग); चन्द्र० १४१ (शिवक प्रिय आनिअ) । *ānia*—Caus. of *āni*[1] (q. v.).

आनिए (य)—आनिअ (दे०) वा आनिकए केर वि० कृ० । मालविकाग्निमित्र १५ (आनिए); राम० २२८ (आनिय बाँधि वैरि दश माथ) । *ānie(ya)*—Alt of *ānia* (q.v).

-आनी[1]—प्रत्यय । स्थानक स्थान (बस्ती) अर्थमे -आनी लगैछ । ल० वि० ४७, मि० भा० वि० ८२ । पाँती + आनी (स्थानी ?) —*ānī*[1]—Suffix in the sense of place.

आनी[2]—आनि[1] (दे०) केर का० कृ० । वर्ण० १२ (सुवर्णक कलशो आनी); वि० नै० ८६ (हिम सम चान्दन आनी); वि० प० मजु० ७०, राग त० ८५, न० गु० तालपत्र २४८, श० २४८ (कव-रिहि थोपलक आनी;) मन० ६ (से दिन जग सोहि पहुँचल आनी); राम० २७७ (पति सिर दिअ आनी) । *ānī*[2]—Poet of *āni*[1] (q. v.).

आनीट—शिक्षाक प्रभेद । वर्ण० ६७ (आनीट, प्रत्यानीट, समपाद, मण्डल, विशाख, विषमार्जुन प्रभृति अनेक स्थान-काह (सूल)विरुद । *ānīṭa*—Name of a training.

आनीत—वि० । आनल [सं०] तु० क० हि०, नै० आनीत । पुरु० १४६ (पश्चात मित्र सौं आनीत भोजन सर्पित भेलाह) । *ānīta*—*Adj.* Taken, brought.

आनीय—आनिअ (दे०) केर का० कृ० । महेश० २ (फूल शिवक प्रिय आनीय) । *ānīya*-Poet. of *ānia* (q.v.).

आनु[1]—आनल (दे०) केर प्रे० रु० । कीर्तिलता ४२ (लाख संख आनु चीर जानु मूलें मेह चीर) । *ānu*—Caus. of *ānala* (q. v.).

आनु[2]—आन[2] (दे०) केर प्रा० वा० रु० । वि० पदा० मजु० २५० (आनु किछु जनु बोलसि मौंहि) । *ānu*[2]—Old *Coll.* of *āna*[2] (q. v.).

आनुकूल्य-स्वाह्मता, अनुकूलताक स्थिति वा भाव । [सं०] तु० क० हि० आनुकूल्य । मि० १२८ (सभक स्वभाव आनु-कूल्य देखि) निबन्ध चन्द्रिका ४६ । *ānukūlya*—Suitable-ness, conformity.

आनुपातिक—वि० । अनुपात सम्बन्धी; अनुपात युक्त । [सं०] तु० क० हि० आनुपातिक । मिहिर २-६१-५४ (२) । *ānupātika*-*Adj.* Proportionate.

आनुपूर्विक—वि० । क्रमानुसार, एक केर बाद दोसर, पूर्णतः पहिलुके समान । [सं०] मि० उदा० १५८-१३ (गाछेँ आनुपूर्विक काटरब रामम) । *ānupūrvika*—*Adj.* One after the other, exactly as before, successive.

आनुभाविक—वि० । अनुभावसँ सम्बद्ध, अनुभवसँ प्राप्त । [सं०] मिहिर २-२२-८७ (१३) (श्री अक्षत आनु-भाविक ज्ञानपर काव्य सम्बन्धी सिद्धान्त निरूपित कयलक) । *ānu-bhāvika*—*Adj.* Related to experience.

आनुमानिक—वि० । अनुमान सम्बन्धी; अभ्यास सम्बन्धी । [सं०] तु० क० हि० आनुमानिक । (अपन आनु-मानिक आधारपर विचार कयलैन्ह) । *ānumānika*—*Adj.* Based on an inference

आनुर—आतुर (दे०) केर ग्रा० रू० । FML 175 *ānura*—Coll. of *ātura* (q. v.)

आनुव—आनब (दे०) केर प्रा० वा० रू० । राम० ३६ (आनुव सिव सजल धौला) । *ānuva*—Poet. of *ānaba* (q. v.).

आनुषङ्गिक—वि० । जकर पूर्ति कोनो मुख्य कार्य करबाक संगहि वा अनायास भए जाए [सं०] तु० क० हि० आनुषङ्गिक । मैथिलीक गद्य शैली २० । *ānuṣaṅgika*—*Adj.* Adherent, implied, concommitant.

आनू—आनब (दे०) केर आज्ञा० रू० । राम० १४ (आनू धनिका अपनहि जाय); राम० २७५ (सब आनू सिखि सूचित कयल); प्रथ० ८ (बांधना कलश लै आनू) । *ānū*—Imper. of *ānaba* (q. v.).

आने—आन[2] (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ७, न० गु० ७३२, श० ७५८ (कमलिनी सह आने आने अनुमान); वि० वि० ५ (बीर सिंह सन नृप न देखल आने); महेश० २ (सौ विषय विवश किछु आने); राम० ७८ (मानब मन नहि आने); प्रश्न० १५२ (हम नहि ठकबैक आ आने कैओ ठकि लेतैक) । *āne*—Poetic. of *āna* (q. v.)

आनेठाम—आनठाम (दे०) केर निश्च० रू० । मि० २४६ (श्रीमानक मन तें आनेठाम चल गेलैन्ह) । *āne-ṭhāma*—Emph. of *ānaṭhāma* (q.v.).

आनै—आनए (य) (दे०) अथवा आनेकेर ग्रा० रू० । चन्द्र० २११ (चिन्ह उपाय न आनै); मै० हि० सा० १२ (कर्तव्यतामे आनैक बाही); नौ० ६७-१६ (अहिना आनै घेरि); चन्दनिका ६७ *ānai*—Coll. of *ānae (ya)* (q. v.). or *āne*[2] (q. v.)

आनो—आन[2] (दे०) केर निश्च रू० । गी० २० १ अमर ५ (उरपर कमल बाधि अवलम्बन दूर करल आनो मान); मि० उदा० १५८-१४ (आनो प्रमाण देखू); चित्रा २ (जाहिसँ आनो कहइछ); नव० १७ (आनो सबह कहइछ) । *āno*—Emph of *āna*[2] (q. v.).

आन्त—आँत (दे०) केर प्रा० तु० कि० । वर्ण० २६

(आन्त भेद वशा मस्तिष्क)। *ānta—Old Obs.* of *āta* (q.v.)

𑒂𑒢𑓂𑒞𑒩 आन्तर-आँतर (दे०) केर वा० रू०। वि० ने० १५८ (से आबि देशान्तर आन्तर भेला); वि० पदा० मजु० ७८, रामभद्रपुरपोथी ३११ (आन्तर पान्तर बाट उगि गेल चन्दा करय चंडार) *āntara*—Coll. of *ātara* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒞𑒩𑒱𑒏 आन्तरिक—वि०। हृदयक, आत्माक, भीतर। [सं०] मै० हि० सा० ८ (आन्तरिक पूर्ण अभिलाषा अछि); मो० ६६-१८ (आन्तरिक उत्साहसँ प्राप्त कैलन्हि); कन्या० (तथापि आन्तरिक भावकेँ दवा कय कहलथिन्ह); आमक० ७८। (हम आन्तरिक प्रसन्नताकेँ गुप्त राखि)। *āntarika—Adj.* Internal.

𑒂𑒢𑓂𑒞𑒩𑒼 आन्तरो—अन्तरहु (दे०) केर वा० ओ का० रू०। वि० पदा० मजु० ११८, नेपाल ५२, न० गु० ६२७, अ० ६३३ (कोर सुतल पिया आन्तरो ने देय हिया)। *āntaro*—Coll. and poetic of *antarahu* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒩 आन्दर—अन्दर (दे०) केर का० रू०। गो० शृं० १ अमर ४४ (आन्दर प्रेम पहिल नहि हेरल से बहुवल्लभ कान)। *āndara*—Poet. of *andara* (q.v.).

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪 आन्दोल—क्रि० वि०। धड़फड़ाएल, दलमलित करैत। [सं० आन्दोलन] वि० वि० २३ (हारावती मालावती आन्दोल पैसार)। *āndola—Adv.* Making an agitation, a fuss.

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪𑒢 आन्दोलन—कम्पन, हल्ला मचाएब (दी०); कोलाहल करब। [सं०] तु० क० हि० ने० आन्दोलन। वर्ण० ५० (मोक्ष आन्दोलन विशेय निग्रह); मै० हि० सा० १४ (आन्दोलन सँ देश तबाह होइत छल); मो० १३५-७ (उपदेश तथा आंदोलन करबाक हेतु समाचार पत्र बहुत उपयोगी अस्त्र होइछ)। *āndolana*—Agitation.

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪𑒱𑒞 आन्दोलित—वि०। कँपैत, हल्ला वा कोलाहल कयल गेल, कोलाहलपूर्ण। [सं०] वर्ण० ४० (तिरिय हाथक आन्दोलित); मि० उद० १५७-२४ (आन्दोलित होइत कपालकुण्डला ओ नव कुमार बतै गेलाह); आमक० ६१ (चित्त ओहीसँ आंदोलित छल)। *āndolita—Adj.* Having agitation.

𑒂𑒢𑓂𑒡𑒩 आन्धर—अन्हार (दे०) केर प्रा० रू०। पुरु० २४५ (तौं आन्धर अखिगर हो)। *āndhara—Obs.* of *anhāra* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒡𑒰𑒩 आन्धार—अन्हार (दे०) केर प्रा० रू०। वि० पदा० मजु० ८१, रामभद्रपुर पोथी १५६ (कालि दिवस सओ होएत आन्धा)। *āndhāra—Old.* of *anhāra* (q. v.)

𑒂𑒢𑓂𑒡𑒱𑒨𑒰𑒩 आन्धियार—अन्हियारि (दे०) केर प्रा० रू०। वि० पदा० मजु० ७० पं० वाला पोथी पद १०४ (ताहे जानल हो निशि आन्धियार)। *āndhiyāra*—Old. of *anhiyāri* (q. v.)

𑒂𑒢𑓂𑒫𑒲𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏𑒲 आन्वीक्षिकी—एकटा विद्या, गौतम दर्शन। अम० ३६ (आन्वीक्षिकी ई तर्क प्रधान शास्त्रक नाम); मिहि० ३७-१७-१८-१२ (आन्वीक्षिकी विद्या सदा जनिका द्वारा धन्य); मो० १-११ (आन्वीक्षिकी श्रेयस्कर होइछ)। *ānvīkṣikī*—A branch of classical Indian philosophy which is concerned with logic.

𑒂𑒢𑓂𑒯𑒩 आन्हर—वि०। जकरा सुझैक नहि, देखबामे असम, दर्शन शक्ति रहित नेत्र द्वय युक्त (दी०)। [सं०] राम० ६६ (आन्हर वृद्ध पिता जननी छथि); मि० ८ (दिनमे आन्हर उल्लूक पक्षीकेँ सुस्कै खेड़ नहि में सकैत छन्हि); मो० ६७-३ (आन्हर सुजन बनाए); चित्रा ७८ (भ गेलाह वाला कपिलेश्वर, आन्हर आ बहीर); (आन्हर गुरू बहीर चेला नरकमे होअए ठेलम ठेला); (आन्हर कुकुर बसाते भूक)=बिनु देखनहि जेहन काज हो। *ānhara—Adj.* Blind.

𑒂𑒢𑓂𑒯𑒩𑒱 आन्हरि—आन्हर (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० पदा० मजु० ३६३ (सासु वर आन्हर नैन नहि सूझे); राम० ६७ (गेलहुँ हम जत आन्हरि अन्ध); शतदल ५२। *ānhari*—Fem of *ānhara* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒯𑒲 आन्ही—बिहाड़ि (दी०) खड़, पात, गर्दा नेने बसातक झोँक। ग्रा० रू०। [सं० अन्ध]। तु० क० अन्धड़, अन्हड़ हि० आँधी। (आन्ही बिहाड़िमे फतउ, बहराएब उचित नहि)। *ānhī*—Folk form. Storm.

𑒂𑒣 आप[1]—जल, पानि। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, गु०, ने०, म० आप। वर्ण० ५८ (आप अनल अनिल); आप आप केँ मरला पुत्ता अपने सिर बिसानी=ईश्वर्विच लोक। B.P.L. (आप आप कए मुएला पुत्ता, खटिया तर मे पानी। ऐसन पाठ ने पढ़लह पुत्ता, अपने सिर बिसानी)। *āpa*[1]-Water.

𑒂𑒣 आप[2]—सर्व। स्वयं, खुद। [सं० आत्मन्] तु० क० हि०, बं०, अ०, ने०, म०, गु०, अव० राज० आप। वि० पदा० मजु० ५७५ (आप ओढ़ए मृगछलवा); गो० शृं० १ अमर० ४ (कान्हक परश जतहु अनुभाव। अनुभावि आप परकँ समुझाब); चन्द्र० ७७ (आप जप तप विचार)। *āpa*[2]*—Pron.* Self.

𑒂𑒣𑒋 आपए—अपन (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वि० ने० १६ (चरण सबद चौदिसि आपए काने)। *āpae—Obs.* Old form of *apana* (q. v.).

𑒂𑒣𑒏(𑒞𑒰) आपक(ता)—वि०। व्यवहार कुशलता, सामाजिकतामे निपुणता। [सं० आपक्व] तु० क० ध्यापक (ता); पकठोस। *āpak(tā)—Adj.* Sociable (ness)

𑒂𑒣𑒏𑒋 आपकए—अव्य०। दोष समुच्चय, सेहो अपनहि [अपन>आप अथवा बाप>आप अथवा अप् (जल) हेतु अथवा अप-श्शुद्ध दोषावह+कए] दी० (ई बूढ़ि गाए आप आपकए मरखाहि पड़ाएल)। *āpakae—Ind.* Itself.

𑒂𑒣𑒏𑓂𑒫 आपक्व—वि० पाकल सन, कम पाकल; ने कँच ने पाकल। [सं० आ+पक्व] तु० क० म० अवकी, अविक्के।

अन० २१० (आपक्व मौलि) । *āpakva—Adj.* Nearly ripe.

𑒂𑒣𑒙 **आपट**—जिद करब, अनुचित आग्रह [दे०] । [फारसी आफत] (ई बच्चा भरि दिन आपट करने अछि) । *āpaṭa*—Improper request.

𑒂𑒣𑒞 **आपत**—आपद (दे०) केर बा० रू० । राम० २७५ (आपत कि मर्यादा जाय); पुरु० १७४ (नीतिहि काल विनाय आपत आकस्मिक पड्य) । *āpata*—Coll. of *āpatti* (q.v.).

𑒂𑒣𑒞𑒱 **आपति**—आपत्ति (दे०) केर बा० रू० । पारि० ७८ (आपति विपति किछु होइक) । *āpati*—Coll. of *āpatti* (q. v.).

𑒂𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱 **आपत्ति**—दुख, विपत्ति, कष्ट, क्लेश, संकट, अपवाद, विघ्न, शंका । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, पा०, म० गु० आपत्ति; प्राकृ० आवत्ति, सिं० अवत । मै० हि० सा० १-५ [आपत्तिक सम्भावना अछि]; मौ० २६-२२ (मनगमक आपत्ति कैल अछि); प्रण० १५५ (कैलन पचठा आपत्ति ओकरामे छैक); कन्या० १०६ (अहाँलोकनिकेँ आपत्ति बुझना जाय); नव० २५ एहि कामने कोनो आपत्ति बुझका लोकनिक नहि रहतन्ह) । *āpatti*—Fault, trouble, misfortune, objection.

𑒂𑒣𑒠 **आपद्**—विपत्ति, कष्ट, विघ्न, दुख । फा० आफत मै० विपद तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज० आपद् । वर्ण० ६६ (आपद् अहतन दुखदायक); राम० १२८ (पद-पद आपद पड़ल); उ० गी० ६८ (त्रिभुवन आपद भञ्जन); पु० २१७ (आपद् पड़लाक) । *āpada*—Trouble, misfortune.

𑒂𑒣𑒠𑓂𑒡𑒩𑓂𑒧 **आपद्धर्म** —आपत्तिकालक धर्म जखन कोनो नियमक विचार नहि कए मात्र जीवन निर्वाह ध्यान देबाक होइछ । जेना भयंकर रौदीमे जाकत प्राण बचैबा लागल अईठ-अछैतक विचार त्यागि दी । *āpaddharma*—Duties during emergency.

𑒂𑒣𑒢 **आपन**—अपना (दे०) प्रा० वि० रू० । वि० पदा० मनु० १४ रामभद्रपुर पोथी १०३ (हरओ भार आपन साथ); मोद-लता ६ । *āpana*—Old folk. of *apanā* (q. v.).

𑒂𑒣𑒢𑒰 **आपना**—अपना (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा० मनु० १३, न० गु० (३१) ३८, अ० ६४१ (आपना पुरुके न जानए काज) । *āpana*—Coll. of *apanā* (q. v.)

𑒂𑒣𑒢𑒱 **आपनि**—आपन (दे०) केर स्त्री रू० । वि० पदा० मनु० २४, रामभद्रपुर पोथी १८७ (आपनि छाड़ति तेज न पाय); मन० ८२ (कृष्ण कमनि आपनि कहलावए) । *āpani*—Fem. of *āpana* (q.v.).

𑒂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱𑒏 **आपन्नवृत्तिक**—आपदग्रस्त व्यक्त । आपन्न करबाक कार्य । [सं०] मि० ३६४ (अपना राज्यमे आपन्नवृत्तिक कै आहिमे राखौन । *āpannavṛttika*—The act of receiving aid meant for destitutes.

𑒂𑒣𑒨 **आपय**—आपए (दे०) केर वि० रू० । वि० पदा० मनु० १६६, न० गु० ८०३, अ० ८०४ (करिअ विनति सौं प आपय) । *āpaya*—Alt. of *āpae* (q.v.)

𑒂𑒣𑒩𑒳𑒔𑒱 **आपरुचि**—अपन रुचि वा इच्छाक अनुसार । [अपन+रुचि] तु० क० बं० आपरुचि । (आपरुचि भोजन पररुचि शृंगार)=अपन इच्छाक अनुसार भोजन तथा दोसराक इच्छानुसार शृंगार करबाक चाही) । *āparuci*—According to ones taste.

𑒂𑒣𑒪𑒱 **आपलि**—क्रि० । आक्रमण कएलक । का० रू० [आबि पड़ल] राम० १० (केशरी केसरि जनि कुरंगिनि आपलि) । *āpali V.*—P F. Attacked.

𑒂𑒣𑒮 **आपस**[1]—परस्पर, अपनामे एक दोसराक संग । [सं० परस्पर] तु० क० हि० आपस । द्विरा० १२४ (आब जौं दूल्हे आपसमे बनि गेल); पारी ४७ (आपसमे ओ लोकनि कतेको झगड़ा करै जाथि); (आपसमे मनभेद ठीक नहि) । *āpasa*[1]—Indeclinable. Between one another.

𑒂𑒣𑒮 **आपस**[2]—क्रि० वि० । घुमा कए देब, लेल वस्तु केँ फिरा कए देब । [अर० वापस] तु० क० उ०, बं० आपोस, मै० आपिस, आपस । नि० ३५५ [बोरा महीपत घुनक देतौ आपस कै) । *āpasa*[2]—*Adv.* Giving back.

𑒂𑒣𑒮𑒲 **आपसी**—वि० । १. आत्मीयसभहँ वा एक दोसरा सँ सम्बद्ध, आन्तरिक । २. घुरब, घर आपस ३. संदेहास्पद वा जाति सँ सम्बद्ध, घुरती । [अर०] तु० क० हि०, उर्दू० आपसी । (आपसी मनगड़ाक कोनो अर्थ नहि बुझाइछ) (मुखा के आपसी भार सेहो उत्तम भएलनि) । *āpasī*—*Adj.* Concerning intimate persons, on returing.

𑒂𑒣𑒮𑓂𑒫𑒰𑒩𑓂𑒟 **आपस्वार्थ**—अपन स्वार्थ वा लाभ [अपन<आप+सं० स्वार्थ] तु० क० मै० अपस्वा० आपस्वार्थ । (आपस्वार्थक भावना प्रत्येक मनुष्य मे रहैछ) । *āpasvārtha*—Self-interest.

𑒂𑒣𑒮𑓂𑒫𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 **आपस्वार्थी**—वि० । अपन स्वार्थ वा लाभ देखनिहार । [सं०] तु० क० मै० आपस्वार्थी । (आपस्वार्थी मनुष्य विवेकहीन होइछ) । *āpasvārthī*—*Adj.* Who cares only for self-interest.

𑒂𑒣𑒰𑒓𑓂𑒑 **आपाङ्ग**—अपाङ्ग (दे०) केर बा० रू० । पारि० परिचय ३६ । *āfāṅga*—Coll. of *afāṅga* (q. v.).

𑒂𑒣𑒰𑒞𑒏𑒰𑒪 **आपातकाल**—संकट काल । [सं०] । तु० क० आपत्तिकाल आपातकाल । *āpātakāla*—Emergency

𑒂𑒣𑒰𑒞𑒞𑓁 **आपाततः**—क्रि० वि० । स्थूल दृष्टिएँ, उपर । ऊपरसँ । [सं०] तु० क० हि० आपाततः । मै० हि० सा० १-

३४ (आपाततः भासित होइत हयत)। *āpātataḥ—Adv.* Apparently.

𑒂𑒣𑒰𑒞𑒦𑒲𑒭𑒝 **आपातभीषण**—वि० । बाह्यदृष्टि मात्रसँ भयङ्कर लगनिहार । वर्ण० ३६ (बौद्ध पक्ष अइसन आपातभीषण)। *āpātabhiṣaṇa—Adj.* Apparently (but not really) terrible or inassailable.

𑒂𑒣𑒰𑒞𑒪 **आपातल**—क्रि० वि०—आपाताल, पाताल पर्यन्त, (गहींड़) बहुत गहीड़ । वर्ण० ५६ (तैँ रम्य आपातल गम्भीर)। *āpātala—Adv.* As far deep as *Pātāla.*

𑒂𑒣𑒰𑒠𑒧𑒮𑓂𑒞𑒏 **आपादमस्तक**—क्रि० वि० । पएरसँ माथ धरि । [सं०] तु० क० बं० आपादमस्तक । प्रयास २० । *āpādamastaka—Adv.* From top to bottom; all over the body.

𑒂𑒣𑒰𑒧𑒩 **आपामर**—वि० । मूर्ख पर्यन्त, साधारण लोक सहित । [सँ०] मिहि० ४०–२२–६ (मिथिलाक पांडित्य वैभवक पूर्णतया आपामर जनता एवं विद्वान काँ जाहिसँ भेटि सकन्हि से कयल जाए); मो० १–१६ (जाहि ताराकेँ लोक आपामर कहैछ)। *āpāmara—Adj.* Even the lay man.

𑒂𑒣𑒱 **आपि**—झाँपि² (दे०) अथवा स्थपित (दे०) केर का० रू० । तु० क० आपी (दे०) गो० श्रं० १ अम० २ (पीन पयोधर थिर करु आपि मृगमद रंजह नख पद छापि)। *āpi—*Poetic. of *jhāpi* (q. v.) or *sthāpita* (q. v.).

𑒂𑒣𑒱𑒮 **आपिस**—कार्यालय, कार्य करबाक स्थान । [अं०] FML 172 *āpisa—*Office.

𑒂𑒣𑒲 **आपी**—क्रि० । स्थापित कए, थापी कए; हाथसँ झाँपि कए । आपि (दे०) । केर का० रू० वि० पदा० ५६६ (सुरत समापि सुतल वर नागर पीन पयो धर आपी)। *āpī—V.* Having covered.

𑒂𑒣𑒳 **आपु**—आप² (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० पदा० मजु० ३७, राग त० २०४, तालपत्र न० गु० ६७, नेपाल ६ क अ० १०६ (आपु सराहहि पुन)। *āpu—Old.* Form of *āpa*² (q. v.).

𑒂𑒣𑒳𑒮 **आपुस**—आपस¹ (दे०) केर बा० रू० । FML 402, *āpusa—Coll.* of *āpasa*¹ (q. v.).

𑒂𑒣𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 **आपूर्ति**—भरण; पूर्ति । [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने०, असम० आपूर्ति । (आपूर्ति निरीक्षकसभ अन्नक वितरण नहि करैछ)। *āpurti*—Supply.

𑒂𑒣𑒹 **आपे**—आप² (दे०) केर का० रू० । वि० ने० (तरि आरति देवह आपे); वि० प० मजु० ४२, पं० बाबा पोथी ६८ (आपे करह पयान)। *āpe—*Poet. of *āpa*² (q. v.).

𑒂𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 **आपेक्षिक**—वि० । अन्य (बहुधा समकोटि वा वपरीत) वस्तु आदिक अपेक्षा रखनिहार; सापेक्ष; निर्भर रहनिहार । [सं०] तु० क० हि० आपेक्षिक । प्रयास० १२३ (धर्म आपेक्षिक वस्तु थिकैक)। *āpekṣika—Adj.* Dependent, Relative.

𑒂𑒣𑓂𑒞 **आप्त**—वि० । अपन, कुशल, दक्ष, गुप्त, प्रतिष्ठित, प्रामाण्य, पहुँचल, प्राप्त । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असम०, ने० आप्त प्रा० अत्त; सिं० अत । वर्ण० १४ (प्रतिष्ठित आप्त); शतदल ६६ । *āpta—Adj.* Confidential, reached, dependable.

𑒂𑒣𑓂𑒨𑒰𑒨𑒏 **आप्यायक**—तृप्त करएबला । [सं०] वर्ण० १३ आप्यायक आठहु गुणे)। *āpyāyaka—*One that satisfies.

𑒂𑒣𑓂𑒨𑒰𑒨𑒱𑒞 **आप्यायित**—वि० । तृप्त, संतुष्ट, परिवर्धित, बढ़ल, अन्तस्थान्तर प्राप्त । [सं०] तु० क० हि० आप्यायित । मिथिला १–३६२ (आइ गोविन्ददासक कविता सौरभसँ आप्यायित नहि होइत); चित्रा ४५ (आप्यायित भ श्री ठाकुर पाठक पुनि बजलाह)। *āpyāyita—Adj.* Satisfied.

𑒂𑒣𑓂𑒪𑒰𑒫𑒱𑒞 **आप्लावित**—वि० । बोरल, सम्पूर्ण डुबिगेल सराबोर, भिजाओल, स्नात । [सं०] तु० क० हि० आप्लावित । मिहि० ३८–१५–१६–७ (हिनक गुणक संग आप्लावित भै अत्यन्त हर्षक संग हमरालोकनि एहि महानुभावकक अभिनन्दन करैत छी); कन्या० १३२ (अपना मधुर स्वरसँ आप्लावित करैत)। *āplāvita—Adj.* Immersed, deeply impressed or heavily surrounded.

𑒂𑒤𑒞 **आफत**—आफद (दे०) केर बा० रू० । तु० क० हि० उर्दू आफत । रंग १७० (हमरा हेतु आफत कैल)। *āphata—*Coll. of *āphada* (q. v.).

𑒂𑒤𑒠 **आफद**—उपद्रव, आपद (दी०), झंझट, अधलाह घटना, कष्ट । [फा०] (आफदक पुड़िया) = झंझटिक जड़ि वा मूल कारण । *āphada—*Evil, accident. injustice, riot, trouble.

𑒂𑒤𑒠𑒲 **आफदी**—वि० । उपद्रव कएनिहार, अधलाह कएनिहार । [आफद + ई] (आफदी व्यक्तिसँ हटले रही से नीक)। *āphadī—Adj.* Troublesome.

𑒂𑒤𑒢 𑒞𑒼𑒚𑓃𑒥 **आफन तोड़ब**—क्रि० । व्यग्र होएब; खुरछाड़ी वा खुरछाही काढ़ब; कोनो वस्तुक हेतु अति उत्सुक होएब । [फा० आफत] मिहि० ३८–२७–८ (हमरा हेतु आफन तोड़ैत छैत)। *āphana toḍaba—V.* Anxious to do something.

𑒁𑒤𑒮𑒼𑒔 **अफसोच**—अफसोस (हि०) केर बा० रू० । (अफसोचक कारण विभिन्न अछि) । [हि० अफसोस सँ प्रभावित भए विशेष अर्थमे [सं० अप + शोच] *aphasoca—*Coll. of the Hindi word *aphasosa* (q. v.).

𑒂𑒤𑒱𑒮 **आफिस**—कार्यालय, दफ्तर, समुचित ओ सुव्यवस्थित ढङ्गसँ कार्य करबाक स्थान । [सं०] तु० क० मै० आपिस । मो० १७१–११ (आफिसक कार्य मनेजरक रहतन्हि); द्विरा० ४ (बनारसक आफिसमे टाइपिस्टक कार्य करैत छथि); नव० ६ (आफि-

सक पार्थक उपरान्त अंछि बथा ब्यापू सरबुक) । *āphisa*—Office.

-आब¹ प्रत्यय । भाव अर्थमे क्रियामे जोड़ल जाइछ । ल० वि० १४१ (बढ़बें आब = बढ़ाव) । -*āba*—*Suffx.* Added to the verb in the sense of abstract noun.

आब²—क्रि० वि० । इदानीम् (सं०), सम्प्रति, वर्तमानमे, कथ्याक समयमे वा कार्यक समय । [अर० अब] तु० फ० हि० अब । गी० सं० १ अन० ३६ (आब बिचारह तुई से मवन्थ कान्हक जे सौं होय निरजय); मौ० ७१ (आब ई सातम वर्ष विच; प्रद्य० ४ (आब ई भाकु भाव पछितायब की) । *āba²*—*Adv.* Now.

आब³—आबए (दे०) केर संक्षि० रू० । वि० मै० ४ (बाटे घाटे नहि आब); वि० पदा० मजु० १४, रामभद्रपुर पोथी ६० (पथिक पिआसल आब अनेक); मन० १२ (नचितहि जाय पुनि नचितहि आब) । *āba³*—Short form of *ābae* or *āeba* (q. v.).

आबए—आएब (दे०) केर प्र० पु० अनादर मे आज्ञार्थक वा इच्छार्थक केर रू० वि० रू० । वि० ने० (निते से आबए); वि० पदा० मजु० ५३; रामभद्रपुर पोथी २०४ (पुनु आबए अङ्गारो) । *ābae*—First person nom. Imperative form of *āeba* (q.v.).

आबक—अव्य० । एखुनका, हि समयक [आब + क] राम० ५५ (सुन्दर कि कहब आबक सिनेह) । *ābaka*—*Ind.* Of this time.

आबकार—मद्य बनओनिहार वा बेचनिहार, कलाल । [फा०] तु० फ० हि० आबकार । BPL 3711 *ābakāra*—One who makes wine.

आबकारी—मादक वस्तुसँ सम्बन्धित सरकारी कार्यालय, मद्य बनएबाक स्थान, भट्ठी । [फा०] तु० फ० हि०, उर्दू, आबकारी । *ābakārī*—Relating to the manufacture and trade in intoxicant drugs.

आबजोश—मोनक्काक वा एक प्रकारक मेवा विशेष । तु० फ० अबजोश । [फा०] आहिर अगरी ६ । *ābajosa*—A kind of fruit.

आबत—अबैत (दे०) केर प्रा० तु० रू० । कीर्तिलता ५७ (ता पर्छें आबत तुल हिन्दू दल गगनेन) । *ābata*—*Obs.* Old form of *abaita* (q.v.).

आबथि—आएब (दे०) केर आदरा० इच्छा० रू० । वि० पदा० मजु० २१, मि० १४; न० गु० १० (राहु डरि वन्धु निअरो न आबथि); राम० ४८ (सब महीपति आबथि औ जार); कल्या० ६६ (हे कतहु दमरा ओहिठाम आबथि) । *ābathi*—*Opta.* Hon. Form of *ābae* (q.v.).

आबथु—आबथि (दे०) केर बहु० रू० । वि० मै० १८२ (मल मेल भमि आबथु) । *ābathu*—*Coll.* of *ābathi* (q.v.).

आबद्ध—वि० । बान्हल, मिलल, सम्बद्ध । [सं०] (एकरोसँ आबद्ध बहु निरोह भए जाइछ) । *ābaddha*—*Adj.* Tied on, fixed, bound.

आबय—आबए (दे०) केर विक० रू० । वि० पदा० मजु० २१० (सखि पारतिजक कान आबय पास); गी० सं० १ अन० १४ (जए गए अन्तर बचन नहि आबय महाग्रह लघनक गोर) । *ābaya*—*Alt.* of *ābae* (q. v.).

आबयवला—वि० । अबनिहार, आगन्तुक । [आबय + वला] हिरा० ११५ (पाहुनसँ आबयवला लोक सब चाहि क चलि जाय) । *ābayavalā*—*Adj.* One who will come.

आबह—आबथि (दे०) केर मध्य० पु० आज्ञा० रू० । प्रद्य० ४२ (कालि कय तब आबह) । *ābaha*—Imp. II Pers. of *ābathi* (q. v.).

आबा—कुम्हारक पाकानल (दे०), कौंच माटिक बर्तनकें पकएबाक हेतु बनाओल मेल आगिसँ भरल खाधि । वर्णरत्नाकर ६ (अहर्निश जरल कः देत कुम्हक रक्तम); मन० २० (सुनलहि आगि बनओलनि आबा) । *ābā*—A potter's furnace.

आबाज—शब्द, ध्वनि, धुन । [फा०] (आवाज बढ़ौनाइ) = विरोध करब । *ābāja*—Sound, voice, tune.

आबाद—वि० । जोतल कमल (खेत) (दे०), भरल-पुरल फलित वा अन्य वस्तुसँ युक्त, लहलहाइत । [फा०] तु० फ० उर्दू, हिन्दी आबाद । मि० ३२६ (गुलपरि आबाद रहत कहल मेल अछि), (हमर घर खेत आबाद अछि) । *ābāda*—*Adj.* Cultivated (land).

आबादी—१. जो भूमि जाहिमे खेती होइछ २. बस्ती ३. जनसंख्या । [फा०] BPL 1183; देशक आबादी दिन प्रतिदिन बढ़ल जाइछ) । *ābādī*—Population, A field which is cultivated.

आबि—आएब केर (दे०) पू० क्रि० रू० । मन० ५ (कंस आबि तोड़ि लेल बछाय); गी० ६७-१४ (आबि चन्द्रमुखि पहुँचला); प्रद्य० ५ (पारद भबे राति क आबि पहुँचल छथि) । *ābi*—Part. of *āeba* (q. v.).

आबे—आब (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० ३०, न० गु० तालपत्र ९३, भ० १० (आबे मोरा भरम लागल पनकाने) । *ābe*—Emph. of *āba* (q. v.).

आबेस—स्नेह (दे०), प्रेम, वात्सल्य । [सं० आवेश] (आबेसमे अतिरिक्त सत्कार जोड़याब चाहो) । *ābesa*—Affection.

आबै—आबए (दे०) केर वि० रू० । राम० (आ.बै ने कि कहा सभा कई किछु); मौ० १६१-८ (नहि आबै

कहलकन्हि)। *ābai*—Alt. of *ābae* (q.v.).

ꢀꢬꢯꢵ **आबौ**—आबहु (ओ) (ए) (दे०) केर वि० रू०। द्विरा० ७० (कोनो कोढ़िया ने आबौ)। *ābau* —Alt. form of *ābahu* (ao) (ae) (q. v.).

ꢀꢩ **आभ**—आभा (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ६० (मुग्ध बोल चकमक आभ)। *ābha*—Poet. of *ābhā* (q.v.).

ꢀꢩꢣ꣄ꢬꢩꢣ **आभड़खुभड़**—उच्चावच्च; ऊँच नीच (दी०) समतल नहि। [अभड़ब (पएरमे ठेकब) आभरब > आभड़ + खुभड़ शब्दानुकरण]। *ābhaḍa khubhaḍa*—Uneven.

ꢀꢩꢬꢥ **आभरण**—गहना, सजावटि, अलङ्कार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, पा० आभरण; प्राकृ० अहरण; सि० बरण, अभरण। गो० श्रं० १ अम० ६३ (दिन दिन खिण तनु हीन आभरण गलि गलि भीखत धरणी); राम० ६२ (आभरण पूर्वहि राखू आनि); मि० ५ (प्राचीन आभरण अनुसार हुनक सदृश्यता होएब); मो० १७१-१८ अपन आभरण एक बस्त्रमे बान्हि खसाए देलथिन्ह); प्रण० ७३ (बत्तीसो आभरणसँ युक्त भए); रंग ५ (बत्तीसो आभरण कैने)। *ābharaṇa*—Ornament, decoration.

ꢀꢩꢬꢥꢵ **आभरणे**—आभरण (दे०) केर का० रू०। चर्या० ११/३। *ābharaṇe*-Poet. of *ābharaṇa* (q.v.).

ꢀꢩꢵ **आभा**—कान्ति। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, पा०, प्राकृ० आभ; प्राकृ० आह; प्रा० म० अहे; आहीं, आहाई; म० अहुलौ; अहर्लो; आहो, आहाले अहल ो। मो० ६७-११ (अनुद्भासक आभा देखि पड़ैत); द्विरा० २८ (वदन पर आभा प्रकट भेलैन्ह); चित्रा ३ (आभा अमल अहाँक)। *ābhā*—Lustre, light.

ꢀꢩꢵꢦꢸꢬ꣄ꢥ **आभापूर्ण**—वि०। आभासँ पूर्ण। [सं०] प्रण० २४७ (मंजुलाक आभापूर्ण भालपर लज्जा भंगिमा दौड़ि गेलैन्ह)। *ābhāpūrṇa*—*Adj.* Full of lustre.

ꢀꢩꢵꢬ **आभार**—समटल वा मुख्य बोझ, समस्त भार सहित [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आभार। (घरक आभार हमरहि उपर लादल गेल अछि)। *ābhāra*—Load, burden, responsibiltiy.

ꢀꢩꢵꢬꢷ **आभारी**—वि०। उपकृत, उपकार पओनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आभारी। (यदि हमर कामना सफल हो, त हम अहाँक आभारी रहब)। *ābhārī*—*Adj.* Obliged.

ꢀꢩꢵꢰꢏ **आभाषक**—समादया [सं०]। विश्वेश्वर चम्पू। *ābhāṣaka*—Messenger.

ꢀꢩꢵꢱ **आभास**—प्रतिबिम्ब, छाया, कनिकें संकेत वा दृष्टिसाम्य। [सं०] तु० क० हि०, बं, अस०; ने० आभास। मो० १७१ (एहि देशक प्राचीन पुरुषक ताहि विषयक आभासो मात्र बड़ कठिनतासँ प्राप्त होइछ); कन्या० १०६ (एहि बातक आभास बुझना जाइत); नव० ११ (असल बातक आभास पाबि ओ हुनका परामर्श देलथिन्ह)। *ābhāsa*—Appearance, semblance.

ꢀꢩꢶꢘꢵꢡ꣄ꢫ **आभिजात्य**—वि०। श्रेष्ठता, कुलीनता। [सं०]। तु० क० हि० आभिजात्य। गपशप विवेक १०। *ābhijātya*—*Adj.* Characteristically belonging to a high variety or lineage.

ꢀꢩꢷꢬ **आभीर**—गोआर, गोप, अहीर। [सं०]। तु० क० अस०, ने० आभीर। राम० २२६ (जे आभीर जरथ समुदाय)। *ābhīra*—A caste name.

ꢀꢩꢹꢡ **आभूत**—वि०। उत्पन्न, अस्तित्ववला। [सं०] तु० क० हि० आभूत। साहित्य पत्र १-१-११। *ābhūta*—*Adj.* Produced, Extant.

ꢀꢩꢹꢰꢥ **आभूषण**—गहना, आभरण, जेवर। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आभूषण। (आभूषणसँ सुसज्जित भेलि नायिकाक कटाक्ष एवं भाव भंगिमा अपूर्व चमत्कारपूर्ण बुझि पड़ैत)। *ābhūṣaṇa*—Ornament.

ꢀꢩ꣄ꢫꢥ꣄ꢡꢬꢶꢒ **आभ्यन्तरिक**—वि०। आन्तरिक, भीतरी हृदयक वा मनसँ सम्बद्ध, अन्तरंगक। [सं०] तु० क० हि० आभ्यन्तरिक। प्रण० ५४ (आभ्यन्तरिक स्थिति बहुतहुँ लोकनिकें किछु विदित नहि छैन्हि), स्त्री शिक्षा ६६ (आभ्यन्तरिक काट रहलनि)। *ābhyantarika*—*Adj.* Internal.

ꢀꢩ꣄ꢫꢹꢢꢫꢶꢒ¹ **आभ्युदयिक¹**—नान्दी श्राद्ध (दी०), कृत्य विशेष जे शुभ कार्य उपनयन विवाहादिमे कएल जाइछ। एहिमे पितर लोकनि तथा त्रिक विश्वेदेवकें प्रसन्न करबाक हेतु नान्दी श्राद्ध वा नान्दीमुख श्राद्ध होइछ। [सं०] तु० क० हि०, ने० आभ्युदयिक। एकावली परिणय ३३; कन्या० १२२ (हम कहि दैत छी आभ्युदयिक)। *ābhyudayika¹*–A śrāddha ceremony which is performed (especially) on auspicious occasions of *upanayana* and marriage.

ꢀꢩ꣄ꢫꢹꢢꢫꢶꢒ² **आभ्युदयिक²**—वि०। अभ्युदय सम्बन्धी वा तत्प्रयुक्त पुण्यकारक। [सं०] (पूजा पाठ जोग तप समटा कर्म आभ्युदयिक थिक)। *ābhudayika²*—*Adj.* Relating to well-being or virtue.

-ꢀꢪ¹-**आम¹**-प्रत्यय। संज्ञा अर्थात नाममे धारण करबाक

अर्थमे आम प्रत्यय प्रयुक्त होइछ। ल० वि० ५२ (पण्डित + आम = पण्डिताम)। -āma¹—Suffix for making abstract noun.

𑒂𑒧² आम²—एक प्रकारक फल, आमक गाछ। [सं० आम्र] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आम, पा० प्रा० ए‍म्ब, प्राकृ० ओआम; सि० आमो; आमी; गु० अ० आम फ० अ‍म्ब; मीत० आम; तु० छवि, आम, म० आँबा; अँग अम्बा, पं अम्ब। राम० १०७ (आम तपाल भल-भल फल करइत), चन्दा० ८३ (आमक फल लोभें; प्रया० ३६ (मालदह आम ओहिना छथि); चित्रा ९३ (एकेटा रहै बाड़ीमे मरिखरि आम)। āma²—Mango, Mango tree.

𑒂𑒧³ आम³—वि०। सामान्य। [अ०] तु० क० हि० आम। मि० ३०४ (आम मौलवीक एक बुलन भा पर ई सामक खाइत रहला घ)। āma³—Adj. Ordinary, common people.

𑒂𑒧⁴ आम⁴—वि०। काँच (अन्न)। [सं०] तु० क० आमाशय। āma⁴—Raw, undigested (food).

𑒂𑒧𑒠 आमद—कोनो वस्तुक प्राप्ति, लाभ। [फा०] तु० क० हि० आमद। रमेशचन्द्र मधु०। āmada—Income, profit.

𑒂𑒧𑒠𑒢𑒲 आमदनी—आय। [फा०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राम० आमदनी। मि० ३३६-४० (हजार आमदनीक एक ताल्लुकी); प्रया० ७४ (बालीस पचास हजारक आमदनी छैक); पारी ३ (रुपए आमदनी से पारकैं); अव० ७६ (हजार बिर्कांमें नगद आमदनी होइक)। āmadanī—Income.

𑒂𑒧𑒢𑒃𑒏𑒯 आमनइकह—वैदिकविद्वान। तु० प्र०। [सं० आम्नायिक]। कथि० ३० (अनेक दे आमनइकह तें अनेक)। āmanaikaha—Scholar of the Vedas.

𑒂𑒧𑒢𑒹-𑒮𑒰𑒧𑒢𑒹 आमने-सामने—अव्यय। एक दोसराक समक्ष रहब, दोमा दोमी। [हि०]। रङ्ग० ४६ (आमने सामने लखि क)। āmane sāmane—Ind. Facing each other.

𑒂𑒧𑒢𑒻𑒏 आमनैक—आम्नायिक वा वेदपाठी केर। [सं० आम्नायिक]। वर्ण० ४१ (इहको ये आमनैक गुण हीं संयुक्ताइ)। āmanaika—Pertaining to a veda scholar.

𑒂𑒧𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒝 आमन्त्रण—बजाएब वा आदर सँ लऽ अएब [सं०]। राम० ६२ (आयल आमन्त्रण काज); मि० ७ (सार्वजनिक आमन्त्रण पर उपस्थित भेलाह)। āmantraṇa—Invitation.

𑒂𑒧𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒱𑒞 आमन्त्रित—वि०। बजाओल गेल, जनिका आमन्त्रण भेटल छैनि। [सं०] मि० २५० (जिनकहु आमन्त्रित कएल गेलैन्ह)। āmantrita—Adj. Invited.

𑒂𑒧𑒨 आमय—रोग, अस्वस्थता। [सं०]। तु० क० हि० आमय। राम० १२५ (ओ परमात्मा आमय रहित); अमर० १०५ (व्याधि गद आमय)। āmaya—Disease.

𑒂𑒧𑒩𑒐𑒱𑒞 आमरखित—वि०। क्रोधयुक्त, आमर्षयुक्त। [सं० आमर्ष]। श्रीकृ० ज० रहस्य २५ (यदुकुल होय कुलवरतिय अति आमरखित रे)। āmarakhita—Adj. Angry.

𑒂𑒧𑒩𑒝 आमरण—अव्यय। मरण पर्यन्त, मृत्युक समय तक, आजीवन। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आमरण। विद्या० ११ (सभ आमरण सेवक रहब भोगओ)। āmaraṇa—Ind. Till death.

𑒂𑒧𑒩𑓂𑒭 आमर्ष—क्रोध, असहनशीलता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा० ने० आमर्ष। पुरु० २०३ (आनक आमर्ष नहि सहि सकै छी); मि० मित्र १०-१४ (सहि अहूँक आमर्ष); कन्या० १३५ (जे हैं कोनो बालक आमर्ष राखथि)। āmarṣa—Anger, impatience.

𑒂𑒧𑒧𑒯𑒳 आममहु—आमक गाछ ओ महुक गाछ। अनेक शुभ विधिक हेतु आम ओ महुक गाछक प्रतीकात्मक विवाह कराओल जाइछ। [आम + महु उच्चारण काल शब्द ध्वनि साम्य महु]। āmamahu—trees of mango and mahuā, often treated as objects of tree worship on auspicious occasions.

𑒂𑒧𑒯𑒳𑒏 आमहुक—आम² (दे०) केर निश्चः रू०। मि० २२८ (एक पलल नहि त आमहुक इच्छा राखि)। āmahuka—Emph. of āma² (q.v.).

𑒂𑒧𑒰𑒒𑒼𑒩 आमाघोर—सुगन्धित चाउर, होइमला, सुगन्धित धान्य विशेष। [आम + आ + घोर]। āmāghaura—A kind of paddy.

𑒂𑒧𑒰𑒞𑓂𑒨 आमात्य—प्राचीन समयमे राजमन्त्री। [सं०] तु० क० ने० आमात्य। āmātya—Minister.

𑒂𑒧𑒰𑒬𑒨 आमाशय—पेटक भितरका ओ नली जाहिमे भोजन पचैत छैक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, आमाशय, अमाशय (हि०)। āmāśaya—Inestine.

𑒂𑒧𑒱 आमि—हम (दे०) केर प्रा० रू० रू०। [सं० अहम्] गोरख विजय ३ (छ) (आमि कथा बोलिला''ओत जाओ)। प्राचः बङ्गला शब्द। āmi—Obs Old form of hama (q. v.)

𑒂𑒧𑒱𑒪 आमिल—काँच आमक सोहल वा सुखाएल फाँक। [आम + इल प्रत्यय विकार अर्थमे] [सं० अम्ल]। मि० १२४०; मि० मि० १२६ (एहि पदमे 'मुलुक' '..मिल' रचम आदि शब्दक चमत्कारिक प्रयोग सँ पहल मान होइत अछि); पौ० १०१-१५ (मेरिचाइ आमिल इत्यादिक खान नहि); मधु० ६० (आमिल, मिरचाइ बिना चोखे नहि लागइ)। āmila—Dried slice of unripe mangoes, used in cooking as a souring agent.

𑒂𑒧𑒱𑒭 आमिष—माँस। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने० आमिष। राम० १६९ (आमिष भक्षण मदिरा पान)। āmiṣa—Meat.

ꯑामूल **आमूल**—अव्यय । सम्पूर्ण, आदिसँ अन्त तक, आरम्भसँ । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमूल । मो० ६७–१ (दुख द्वन्दनकैं आमूल विनाशिनी); रंग० ११३ (एहन आमूल परिवर्तन) । *āmūla—Ind.* From or to the root, entirely.

ꯑामेख **आमेख**-ईर्ष्या (दे०) । [सं० आमर्ष] । *āmekha*—Jealousy.

ꯑामोद **आमोद**—प्रसन्नता, हर्ष, आनन्द । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमोद । अम० ३० (हर्ष प्रमोद आमोद) मो० १७–२० (करथु नित्य आमोद); द्विरा० ११ (समस्त आमोद-प्रमोदक द्वार ओकरा हेतु बन्द); शतदल ३१ । *āmoda*—Pleasure.

ꯑामोदन **आमोदन**—सुगन्धि युक्त करबाक, प्रसन्न करबाक क्रिया । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमोदन । मिहि० ३४–४७ (नित आमोदन) । *āmodana*—Pleasing.

ꯑामोदित **आमोदित**—वि० । प्रसन्न, आनन्दित, सुगन्धित । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमोदित । मिहि० ३८–१८–११ (अपनेक महाकाव्य कानन नित्य आमोदित अछि) । *āmodita—Adj.* Pleased, Scented.

ꯑाम्नायिक **आम्नायिक**—वि० । वेदक अभ्यास कएनिहार । [सं०] वर्ण० ६ (छुरिकार आम्नायिक ऐन्द्रजाल) । *āmnāyika—Adj.* Who recites Scriptures.

ꯑाम्र **आम्र**—आम² (दे०) केर वि० रू० । [सं०] । द्विरा० २०२ (तत्पश्चात् आम्र पल्लव लक घृत परसैला उत्तर ज्योतिषीजी कहलथिन्ह) । *āmra*-Alt. Form of *āma*² (q. v.).

ꯑाम्रकुञ्ज **आम्रकुञ्ज**—आमक गाछक सघन वन । [सं०] मि० १० (मलय समीर वीजित आम्रकुञ्जमे) । *āmrakuñja*—Thick forest of mango trees.

ꯑाम्रपल्लव **आम्रपल्लव**-आमक किसलय वा पात । [सं०] । वर्ण० २१ (महकार आम्रपल्लव कदली कर्पूर) । *amrapallava*—Leaves of the mango tree.

ꯑाम्ल **आम्ल**—अम्ल (दे०) सम्बन्धी । शतदल ८३ । *āmla*—Relating to *amla* (q.v.).

ꯑाम्लपित्त **आम्लपित्त**—एक प्रकारक रोगविशेष । [सं०] । मि० उद० १५७–२५ (मुख्यरोग आम्लपित्त छलैन्ह) । *āmla-pitta*—A kind of disease.

ꯑाय¹ **आय**¹—आबि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २४५ (दामिनि आय तुलाइलि रे); राम० २७ (शिव धनुष तोड़ल जे आय); वि० वि० २३ (अनुचित बोल तोहे कहलि आय) । FML 182. *āya*—Coll. form of *ābi* (q.v.).

ꯑाय² **आय**²—आमदनी; कोनो रूपसँ कमाएल वा आनल गेल धन, लाभ, प्राप्ति । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० आय । *āya*²—Income.

ꯑायकर **आयकर**—वि० । सरकार द्वारा आमदनीपर लेल गेल किछु प्रतिशत धन । [सं०] मो० १०६ (प्रचुर आयकर क प्रबन्ध नहि कैल जाइछ) । *āyakara—Adj.* Income tax.

ꯑायत **आयत**—वि० । सुन्दर (दे०), (विशेष कए नेत्र आदि) विस्तीर्ण, नमहर । [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने० आयत. प्राकृ० आउत । मालविकाग्निमित्र १८ । *āyata—Adj.* Stretched wide, attractive eyes.

ꯑायतन **आयतन**—घर, मन्दिर, विश्राम स्थान, रहबाक जगह, भगवानक प्रार्थनाक स्थान । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, उ० आयतन । वर्ण० १४ (देवक आयतन), FML 614. *āyatana*—House, temple, the place of worshipping God.

ꯑायब **आयब**—आएब (दे०) केर वि० रू० । मन० कृष्ण० ४ (आठम भय हम अपनहि आयब); राम० ६३ (अपने आयब भोर सबेरि); महेश ६४ (पुनि भव पलट न आयब) । *āyaba*—Alt. form or *āeba* (q.v.).

ꯑायल **आयल**—आएल (दे०) केर वि० रू० । वि० ने० २३४ (परक वयने पहु आयल कान); वि० वि० (बहिनिक तनय आयल मोरा); वि० पदा० मजु० २५२ (जाहि सय गेलहुँ से चलि आयल); मन० ११ (हरखक मोर नयन भरि आयल); राम० २३ (खल आयल मध्याह्ने बेरि); प्रपं० ४ (तावत दरवान लालदैम लेसिक नेने आयल) । *āyala*—Alt form of *āela* (q.v.).

ꯑायलि **आयलि**—आयल (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, अ० ८४५ (सा० प० २०१ सँ पोथी) (अपन बसन देइ हुनक बसन लेइ आयलि कौन चरीते) । *āyali*—Fem. form of *āyala* (q.v.).

ꯑायलुँ **आयलुँ**-आयल (दे०) + हुँ प्र० पु० दर्त केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मजु० ८४५ (सा० प० २०१ सं० पोथी) (आयलुँ तुया आशा) । *ayalũ*—Old obs. form of *ayala* (u. v.) 1st pers past. tense.

ꯑायव **आयव**—आएव (दे०) केर अशु० रू० । वि० वि० ८ (आयव चलु आवे शशि मुख संगे) । *āyava*—Ess. form of (q.v.).

ꯑाय-व्यय **आय-व्यय**—आमद आओर खर्च । [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने० आय-व्यय । (आय-व्ययक व्यवस्था समुचित होयबाक चाही) । *āyavyaya*—Income and expenditure.

ꯑायाची **आयाची**—अयाची (दे०) केर अशु० रू० । मि० उदा० १५६–२ (संकर आयाची मिश्र, मण्डन मिश्र ...

āyaci—Err. of *ayāci* (q. v.).

𑒂𑒨𑒰𑒞 आयात—आयल, जे वस्तु वा माल वा व्यापार निमित्त विदेशसँ अपना देशमे आनल वा मंगाओल जाए। [सं] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आयात पा० आयाति; प्राकृ० आयाअ। मिथिर २-६-७६ (२३); अन्वयरेत १०२; रामायण ६४। *āyāta*—Import, imported item.

𑒂𑒨𑒰𑒧¹ आयाम¹—क्रि० वि०। एक पहर तक। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं० ने०, आयाम। पुनर्नव ५५; कुरुमाली। *āyāma*¹—Up to one *yāma* (q. v.).

𑒂𑒨𑒰𑒧² आयाम²—लम्बाइ, विस्तार अथवाक क्रिया। [सं०] तु० क० हि०, बं० असं०, ने०, प्राकृ० आयाम। *āyāma*²—Length, extension.

𑒂𑒨𑒰𑒮 आयास—प्रयास, परिश्रम, मेहनति। [सं०]। [सं०] तु० क०, हि०, बं०, असं० ने० उ० आयास। मी० १००-६ (आयासमे रहल छथि); वि० ८१ (तरुण भाग, सपार्षिक आयास); वैदेहिकक पदावली १३३। *āyāsa*-Labour, effort, attempt.

𑒂𑒨𑒱𑒪𑒲𑒯 आयिलीह—अइलीह (प्रा० मैर प्रा० अनु० क०। पुरु० २४१ (अहाँक हारवा आयिलीह कोन)। *āyīlha*—*Old* obs. of *aeliha* (q. v.)

𑒂𑒨𑒳 आयु—उमर, जीवन समय। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, आयु; प्राकृ० आयु, अउ, आउस। वि० पदा० मनु० ५८० (आब मेलहुँ हम आयु विहान); राम० ७७ (बरबस आयु कमहि जब तनसौं); महेश० १८ (जावत नहि आयुक अवसान); विना (बितायब नहि आयु आब प्रवासमे)। *āyu*—Age, life.

𑒂𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞 आयुक्त—अधिकार प्राप्त आयोग सदस्य; नियुक्त प्राप्त, कमिश्नरीक मालिक वा पदाधिकारी। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आयुक्त। *āyukta*—Appointed, Commissioner.

𑒂𑒨𑒳𑒡 आयुध—शस्त्र, हथियार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, पा० आयुध प्राकृ० आउह; आउह महा० ना० १०४ (आयुध बिनु तीहर करब माया); राम० २५२ (सब सखाहि आयुध धयल); लाल० राम० ११। *āyudha*—Weapon.

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒠𑒰 आयुर्दा—आयु० जीवन काल, वयस। [सं०] । रंग० ७३ (दुनकालोकनिक आयुर्दा और बढ़ि गेलैन्ह); सुशीला ३०। *āyurdā*—Age, life.

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒠𑒰𑒨 आयुर्दाय—फलित ज्योतिषमे ग्रहक फलक अनुसार आयुक निर्णय, आयु, जीवन काल। [सं०] । तु० क० हि० आयुर्दाय। मी० २७-४३ (कलियुगमे गनिमती आयुर्दाय बढ़ि गेल)। *āyurdāya*—Life, division according to stars.

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨 आयुर्विद्यालय—आयु सम्बन्धी विद्यालय, जतय आयु केर विषयमे शिक्षा देल जाइक। [सं०] मी० १६-२० आयुर्विद्यालयो होयत)। *āyurvidyālaya*—A School devoted to studies in life span

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒫𑒹𑒠 आयुर्वेद—वैद्यविद्या, चिकित्साशास्त्र, आयु सम्बन्धी शास्त्र। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आयुर्वेद। मह० २६ (मालवकारा आयुर्वेदिक प्रामाणिक ग्रन्थ लिखैक); पुरु० १२० (जहाँ आयुर्वेदमे परिश्रम करल)। *āyurveda*—The Medical Science of Hindus.

𑒂𑒨𑒳𑒭 आयुष—जीवन काल; आयु। [सं०] । तु० क० हि० आयुष। अम० २६८ (आयुष जीवितकाल); स्त्रीशिक्षा ५१। (स्वामीक आयुष बढ़ै छथि)। *āyuṣa*—Life.

𑒂𑒨𑒳𑒭𑓂𑒧𑒰𑒢 आयुष्मान—वि०। दीर्घजीवी, चिरंजीवी, अधिक दिन तक जिअब, आयुसँ युक्त होयब। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, उ० आयुष्मान। FML. 397. *āyuṣmāna*—*Adj.* Who has a long life, longevity

𑒂𑒨𑒳𑒭𑓂𑒨 आयुष्य—आयु, जीवन। [सं०] । तु० क० हि० आयुष्य। राम० ३३७ (सुख अकरन आयुष्य); पुरु० १ (पुरुष होथु आयुष्य)। *āyuṣya*—Life.

𑒂𑒨𑒹𑒪 आयेल—आएल (दे०) केर वा० रू०। राम० १५५ (जौं पुन आयेल हरि पुन)। *āyela*—*Coll.* of *āela* (q.v.).

𑒂𑒨𑒼𑒑 आयोग—नियुक्ति, कमीशन, सम्बन्ध, कोनो कार्य विशेषकें पूर्ण करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आयोग। (भारत सरकारक सेवा आयोगक व्यवस्था उत्तम मानल जाइछ)। *āyoga*—Appointment, Commission, the performance of an action.

𑒂𑒨𑒼𑒖𑒏 आयोजक—वि०। आयोजन व व्यवस्था करनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आयोजक। (प्रत्येक पैघ कार्यमे सभ दोष रास आयोजककेँ मानल जाइछ)। *āyojaka*—*Adj.* Organiser.

𑒂𑒨𑒼𑒖𑒢 आयोजन—प्रबन्ध, इन्तजाम, सामग्री सम्पादन, सामग्री संयोग। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आयोजन। मिथि० १० (बिनु विशिष्ट आयोजन देखलौं गेल); मि० जदा० १५७-२४ (अलौकिक आयोजन कैलन्हि), मी० १६-६०-१६ (आगमनक आयोजना; प्रयु० ३८ (एक भोजक आयोजन हैत सँ अतरन्हि जहाँ तुलना जाइछ); शतदल २१ (आयोजन करन जोर); मि० २८८ (महाभोजक आयोजन कैने रहथि)। *āyojana*—To collect things for any performance.

𑒂𑒨𑒼𑒖𑒱𑒞 आयोजित—वि०। तैयार ठीक कयल गेल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आयोजित। (आयोजित वस्तुक बनावै अथ वस्तुक आयोजन करब आवश्यक)। *āyojita*—*Adj.* Ready, collected together.

𑒂𑒩¹ आर¹—प्रत्यय। १. भूतकालमे कर्मामे देल ओ किछ

धातुसँ –आर लगओलासँ देखार, चिन्हार। २. ल० वि० ५१ संज्ञा अर्थात मनुष्यक नामसँ व्यवसाय अर्थमे प्रयोग कएलापर लोहार, चमार, चमार; कुम्हार आदि होइछ। ३. ल० वि० ४६, युक्त अर्थमे प्रयोग भेला उत्तर गाय तथा बुद्धिसँ गोआर ओ बुधिआर होइछ। ४. ल० वि १४० भा० (अर्थात् क्रियामे) प्रयोग भेला उत्तर वक् धातुसँ बकार होइछ। —*āra*¹—Suffix.

आर² आर³—आओर, दोसर, अन्य [आओर] वि० ने० १३० (ई संसार हाट कए मानहु सबो नेक बँनिजए आर);; वि० पदा० मजु० १२४ तालपत्र न० गु० ६५६, ग्रि० ७३ अं० ८७४, (आर दिने दिने मेल प्रेम पुराने); गो० श्व० अमर ७६ (समय समापन की फल आर। प्रेम समुचित अबहुँ निवार); FML 634; चित्रा ७४ (बाबा कपिलेश्वर आम्हर आर बहीर)। *āra*²—And.

–आरए –आरए—प्रत्यय। सब भाव ओ कर्म दूनू अर्थमे आरए प्रत्यय केर प्रयोग होइछ। ल० वि० ४२ (पण्डित ओ व्यक्ति शब्दसँ पण्डितारए व्यक्तितारए)। –*ārae*–Suffix for making abstract nouns.

आरकत आरकत—आरक्त (दे०) केर का० रू०। गो० श्व० १ अम० ७ (श्यामर तन किय तिमिर विराज। सिन्दूर चिन्ह किय आरकत साज)। *ārakata*—Poet. form of *ārakta* (q.v.)

आरक्त आरक्त—वि०। लाल, किछु ललौन नेने। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आरक्त, प्रा० मै० आइत। चयनिका ४८। *ārakta—Adj.* Reddish.

आरजसमाजी आरजसमाजी—आर्य समाजक नियमकेँ माननिहार। ग्रा० रू०। [सं०] सूक्ति सुधा ३३। *ārajasamāji*—*Folk form.* Follower of *Aryāsamāja* (q.v.).

आरजि आरजि—राग विशेषक नाम। वर्ण० ६३ (आरजि पजापति)। *āraji*—Name of a Rāga.

आरण्यक आरण्यक—वेदकेर एकटा वानप्रस्थीक हेतु उपयोगी अंश। [सं०] तु० क० हि०। *āraṇyaka*—A part of the Vedic lore.

आरण्यकपर्व आरण्यकपर्व—महाभारतक आरण्यपर्व केर प्रा० रू०। वर्ण ५६ (सभापर्व अरण्यकपर्व)। *āraṇyaka-parva*—*Old* Form of the Mahābhārata *āraṇya-parva.*

आरण्य काण्ड आरण्य काण्ड–रामायणक अरण्यकाण्ड वर्ण ५६ (अयोध्याकाण्ड, आरण्यकाण्ड)। *āraṇyakāṇḍa*—Name of a canto in *Rāmāyaṇa.*

आरत आरत—लाक्षारस सम्भृत पात (दी०), खूब लाल आरतक पात जे मिथिलामे शुभ अवसर पर वरक चुरखुर एवं गोसउनिक सीरमे साटल जाइछ, (दे०|दुब = आर्त आर्त = लाल [सं० आरक्त, आलक्तक] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आरत। गो० श्व० १ अम० (ए सखि आरत कहल न जाय); महेश० ३८ (आरत अन्तिम बेला); गौरी स्वयम्बर ६ (गणनायक हर आरत पीर); मालविकाग्निमित्र ३०। BPL 133, FML 417, IAL Turner 58. (1996)। *ārata*—Reddish, anxious, leaf made of cotton soaked in red ink or blood for worshipping shakti.

आरती आरती—कोनो देवी वा देवताकेँ दीप देखाय वा ओहिसँ ककरो अर्चना करब। [सं० आरात्रिकं] तु० क० हि०, बं०, अस०, उ०, ने० आरती; प्राकृ० आरत्तिय। IAL Turner 59 (1315); खट्टर ० ८७ (आरती देखाए अरिआति दैत छइन); हिरा० १४६ (श्रृङ्गारक उपरान्त आरती भ रहल छलैन्ह); रंग १७० (आरती देखाओल जाइत छैन्ह)। *ārati*—A special kind of worship with lamp.

आरदरा आरदरा—वर्षाऋतुक एक नक्षत्र विशेष। [सं०] ग्रि०। *āradarā*—The sixth Nakṣatra of lunar mansion of the rainy season.

आरव आरव—अरबा (दे०) केर वि० रू०। तु० क० [सं० आमतण्डुल]। (दुसरा गारी हमरा बारी के ठबके। राजकोतवाल, की कि मैंगैये? आरब चाउर नव उकना, राजा पठौलनि एकटा कटहर ले)। *āraba*—*Alt.* Form of *araba* (q. v.)

आरभटी आरभटी—क्रोध दिक उग्र भावक अभिव्यक्ति, चेष्टा, एक प्रकारक नृत्यशैली। [सं०]। तु० क० हि० आरभटी। मो० ६६–६ (तखन एतबो आरभटी नहि करताह); अम० २६७, एकावली परिणय १३१। *ārabhaṭi*—A kind of dance, gesticulation.

आरम्भ आरम्भ—कोनो कार्यक प्रथमावस्था, शुरू, प्रारम्भ, उत्थान, अनुष्ठान। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आरम्भ। वर्ण० ३१ (उपटय आरम्भ उतकाल); वि० ने० १०४ अधर पिबए के कर आरम्भ); वि० पदा० मजु० २७, राग० न० गु० तालपत्र ५४०, अ० ५५२ (वैरभ कोमल कर सुशोभन जंघयुग आरम्भ); मै० हि० सा० ५ (आरम्भ कएले छन्हि), राम० ५२ (से पुछलन्हि मख-विधि आरम्भ); मि० उदा० १५८–१६ (उच्च कलरव आरम्भ करैत छी); पारो; ५३ (हम आरम्भ कैल त देखलियैक जे पारोक मुँह कने तनि गेल छैक)। *ārambha*—Beginning.

आरम्भा आरम्भा—आरम्भ (दे०) केर का० रू०। (अथवा 'रम्भा' केराक थम्भ जकाँ जाँघ बनाओल) वि० ने० २३० (मदन विटपि आरम्भ); वि० पदा० मजु० १३६, नेपाल १६२, न० गु० ४०५ (सिरिजल दुइ आरम्भा)। *ārambhā*—Poet. form of *ārambha* (q.v.).

आरसि आरसि—ऐना, दर्पण, एक प्रकारक आभूषण जे आँगुरमे पहिरल जाइछ तथा ओहिमे छोट कटोरी जकाँ भूर होइछ। [सं० आदर्श] तु० क० हि० आरसी; अव० आरस। वर्ण ६४ (अलंकार आरसि); वि० ने० ४० (आरसि कए मोरि देखिनइ देह); वि० पदा० मजु० ५५६ (आरसि काजर पारव निसि डरव)। *ārasi*—A kind of ornament, mirror.

𑒂𑒩𑒯𑒪 आरहल—? प्रा० रू० । वर्ण० १२ (लल आरहल) । *ārahala*—?

𑒂𑒩𑒰¹ आरा¹—प्रायः बहुत पैघ सीढ़ाक दाँतवला पातर पत्ती जकरा रेतीसँ रेति कय काठक कोंसमे लगाय काठ चीरल जाइछ । [सं० आरा] । तु० क० सं० आरा, हि० आरा । BPL. 154,396, 828 । गी० मु० २ कम० ७८ (अंग अनंग अवर जनि निश्च शर कंदहि जीवन आर); प्रल० ७८ (छाती पर आरा चलल लगैछ) । *ārā*¹—A (usually large) saw, or a knife of the cobbler.

-𑒂𑒩𑒰²-आरा²—प्रत्यय । भाव (अर्थात् क्रियादि) बोधक जाइछ । क० वि० १४० [कोनो धातुसँ -आरा प्रत्यय लगलासँ भोकारा) । *-ārā*²—*Suffix*. for forming abstract nouns.

𑒂𑒩𑒰𑒏𑒮 आराकस—आरकसिया; आरासँ चे लकड़ी चीरए [आरा+कसि>कस] । BPL. 320. *ārākasa*—A sawer.

𑒂𑒩𑒰𑒑𑒖 आरागज—पहियाक ओ कांड़ जे धुरीकेँ पुट्ठीसँ मिलबैत अछि [सं० अरा+फा० गज] । *ārāgaja*—The spoke of a wheel.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒏 आराधक—वि० । उपासक, पूजा करनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आराधक । (आराधककेँ आराधना शुचिपूर्वक करबाक चाही) । *ārādhaka*—*Adj*. A worshipper.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒢 आराधन—आराधना, (दे०) केर का० रू० । चन्द्र ३१० (तुलनह आराधनसँ सत्वर तुहैं); पुरु० १५२ (जे नहि आधार आराधन करबि) । *ārādhana*—Poet. form of *ārādhanā* (q. v.)

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒢𑒰 आराधना—पूजा, उपासना, सेवा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, आराधना । पुरु० १० (हम अपनेक आराधना कएल); मै० हि० सा० १५ (आराधनामे दुइ परिकर भय गेलाह) । *ārādhanā*—Worship, Service.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒢𑒲𑒨 आराधनीय—वि० । आराधनाक योग्य, पूजनीय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आराधनीय । (हम देवता विष्णुक हेतु आराधनीय छथि) । *ārādhanīya*—*Adj*. Fit to be worshipped.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒪 आराधल—आराधना (दे०) केर आ० भू० रू० । गजग्राह उद्धार ७ । *ārādhala*—*Hon*. Past tense form of *ārādhanā* (q.v.).

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒱 आराधि—आराधना (दे०) केर पू० क्रि० रू० । कीर्तिलता १० (पातिशाह आराधि) । *ārādhi*—P.P. Having worshipped.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒱𑒞 आराधित—वि० । पूजित, जनिक पूजा कएल गेल हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आराधित । कादि० क । *ārādhita*—*Adj*. Worshipped.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑓂𑒨 आराध्य—वि० । पूजनीय, पूज्य । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आराध्य । मि० १२ (अपनासँ आराध्यकेँ विशेष मानैत छथि); गी० १०२–८ (ओ आराध्य देवताक दिस चिन्हू); पुरु० ८५ (तखन आराध्य यावत्य हमरा अंश निश्चित होइत गेलाह); हिरा० ४६ (ओहो हमर आराध्य देवीक कोढ़ारला भुमि सकैत छी) । *ārādhya*—*Adj*. Fit to be worshipped.

𑒂𑒩𑒰𑒧 आराम—सुख, आनन्द, चयन, प्रफुल्लता; फुलवारी, [फा० सं०] तु० क० हि०, बं, असा०, ने०, पा०, सं० आराम; प्राकृ० आराम; नि० आराम । राम ३३ (देखहि चलि गेल आराम); मिहिर २-६१-५३ (६); कन्या० ६६ (बीछिमे खूब आरामसँ सुति रही); नव० ४५ (बनचरीक तेल बकरा पंखा अपन रहइत सेहो जाए आराम करइत रहए); शतदल १ (आरामक हा आराम आदि); पारी २६ (आराम भेलाक बैसि कैल) । *ārāma*—Relief, garden.

𑒂𑒩𑒰𑒧𑒏𑒳𑒩𑓂𑒮𑒲 आरामकुर्सी—सुख सुविधासँ बैसबाक लम्बा मंचिया । [फा० आराम+हि० कुर्सी] । प्रवृ० १५ (आरामकुर्सी पर मलेन्दर फारस बंसी सुनावत); (नव० ६ आरामकुर्सी पर ओ दन ओठहल स्थगित होइत) । *ārāmakursī*—Easy Chair.

𑒂𑒩𑒰𑒧𑒞𑒪𑒥 आरामतलब—वि० । सुस्त, निरर्थक बेकार समय बितओनिहार । [फा० आराम+उर्दू तलब] । तु० क० उर्दू आरामतलब । (आइ काल्हिक युग आरामतलब केर नहि नहि गेल अछि) । *ārāmatalaba*—*Adj*. Fond of idleness.

𑒂𑒩𑒰𑒯𑒱𑒁𑒃 आराहिअइ—क्रि० । आराधना (दे०) करबि केर प्रा० लु०प्रा० रू० । वि० पदा० मजु० ८७, तालपत्र नं० मु० ३३०, स० ३१७ (नारि आर हिअइ पंचबान) । *ārāhiai*—*V*. Obs. Poet. of *ārādhanā* (q.v.)

𑒂𑒩𑒱 आरि—कील, खेत वा सीमा निर्धारणक हेतु एवं एक खेतसँ दोसर खेतमे पानि नहि दपबाक निमित्त उच्च भाँतिसँ बनाओल पुरवा रेखा । [सं० आलि] । तु० क० सं० आल, हि० आरी; उर्दू अड़िया; पा० आलि; प्राकृ० आली; उ० आड़ि; म० आळी, आळ; B.P.L 834, 165. वि० पदा० मजु० ३०६ (चौदसि चौमलनि सिलकि आरि); सु० हरण २४ (सान्दीप आरि); राम० ६५ (आरि न बान्धल गेलहु पानी); चन्द्र० ४० (बाँधिय गेलहुँ वरषा आरि); चि० ८६ (हम रही टहलैत खानक आरि पर); नव० ७२ (हम पर दुइ दिसि मिलिहु आरि पर); गी० ११३–२३ (गर्दनि कहु आरिधुरखहु वसैत छथि); (आरि छटिय = अपन खेतकेँ बढ़ाएब); (आरिक धुकल पिरहरल बारिक धुकल आनर = खेती पथारीक दिस ध्यान नहि देनिहार कृषक केर दशा टारि परसँ सुखल धानर गर्दा होइछ) । *āri*—The boundary line of a field.

-𑒂𑒩𑒲¹-आरी¹—प्रत्यय । स्थान वा पाँती बोधक अर्थमे

आरी प्रत्यय लगओलासँ दे० ल० वि० ४० तेलीक बसबाक स्थान **तेलिअरी**; गोढ़िकेँ बसबाक स्थान **गोढ़िआरी**; प्रशस्त स्थानमे प्रयोग मेला पर दे० ल० वि० ४८ माँटि सँ **मटिआरी**; बूढ़ ओ नव शब्दमे प्रयोग मेला पर दे० ल० वि० ४० बूढ़सँ **बुढ़ारी** = (वार्धक्य), नवसँ **नवारी** = (तारुण्य)। *-ārī*¹—Suffix added in the seuse of place or row.

आरी² आरी²—आर.सँ छोट काठ चिरबाक लोहकेर बनल हथिआर। [आरा + ई]। (आरी सँ नारिकेरिक ओड़िका बहुत सुलभतया बनाओल जा सकैछ)। *ārī*—A saw.

आरु आरु—तरकारी विशेष। एकर पात पानक पात जकाँ होइछ तथा ई ओल, हरदि, सुथनी एवं आलू जकाँ माटिक तरमे होइछ। एकर गणना (फलहार हेतु) कन्दमे कएल जाइछ। [IAL Turner आलु]। व्य० वि० १२३ (आरु मानकन्द); नव० ७१ (तीमन तरकारी आरु ओल बाड़िए सँ)। तु० क० हि० अरुइ; बगला पेंची आरु। *āru*—A root type vegetable.

आरुठठा आरुठठा—आरुष्ट (म० म० उमेश मिश्र), रुष्ट, कोधित। तु० प्र० [सं० आ + रुष्ट]। कीर्तिलता ६३ (आरुठठा सूरा आवन्ता उमग्गे मग्गे धावन्ता)। *āruṭhṭhā*—Angry.

आरु(रू)ढ़ आरु(रू)ढ़—वि०। चढ़ल, सवार, स्थिर। [सं० आरूढ़]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आरुढ़। राम० ३६० (राजा कार्यान्तिर आरुढ़); राम० (६१ विषय मनोरथ रथ आरुढ़); महेश० ४ (निज नखमे आरुढ़); चन्द्र० २७५ (अपने काज सतत आरुढ़); पुरु० ७५ (श्रेष्ठ बीरक पृष्ठ आरुढ़); मों० ६६-१२ (अपन धर्म पर आरुढ़ भए मातृ भाषाक सेवा करैत चलू)। *ārūḍha*—Ridden, firm

आरुढ़ि आरुढ़ि—आरुढ़ (दे०) केर स्त्री। आरुढ़ होएबाक भाव, तत्परता। [सं०] तु० क० हि०, असं०, बं० आरुढ़ि। (वि० ने० २२८ (हरि आरुढ़ि सेवँ न परसए); राम० १२५ (प्रभु सेवामे अति आरुढ़ि)। *āruḍhi*—Fem. of *āruḍha* (q. v.)

आरुण्य आरुण्य—लालिमा, अरुणता। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आरुण्य। रस नि० ८८ पद; साहित्य पत्र १-१-२०। *āruṇya*—Reddishness.

आ रे आ रे—आश्चर्यसूचक ओ सम्बोधन सूचक शब्द विशेष एवं गीत काव्यमे छन्द पुरएबाक शब्द। [सं० FML 67 Vid P 6] वि० पदा० मञ्जु० ५७३ (कि आ रे देखिअ अनूपे); वि० वि० ५ सुनु आ रे सुवरनिवानी); मत० ३८ (आ रे आ रे अनुचर तोहिं मोर भाए)। *ā re*—O, oh, a part of a refrain.

आरो आरो—आर (दे०) केर नि० रू०। F.M.L 425। नव० २६ (दू टा अपरिचितो चेहरा आरो)। *āro*—*Emph.* of *āra* (q. v.).

आरोगक आरोगक—आरोग्य (दे०) केर वा० रू०। धर्म ५२ (आरोगक छीमुलि अइसनि अङ्कुरि)। *ārogaka*—*Coll.* Emph., of *ārogya* (q.v.).

आरोग्य आरोग्य—वि०। निरोग, स्वस्थ, तन्दुरुस्त, रोगरहित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आरोग्य। राम० ६६ (बालक वधसँ ई आरोग्य)। *ārogya*—*Adj.* Healthy, free from sickness.

आरोग्यता आरोग्यता—आरोग्य (दे०) भा० वा० रू०। गोनू० २२। *ārogyatā*—Abstract noun form of *ārogya* (q.v.).

आरोप आरोप क्रि०। स्थपित करब, लगाएब, लाँछना, दोष, एक पदार्थमे दोसरा पदार्थक आरोपसँ मिथ्या ज्ञान उत्पन्न करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आरोप। राम० ६, (ई आरोप कि तनिका ठाम); राम० २७१ (कत शर मारत जिव आरोप)। *āropa*—*V.* accuse, blame.

आरोपक आरोपक—वि०। दोष वा अपराध लगओनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आरोपक। *āropaka*—*Adj.* Who blames.

आरोपण आरोपण—रोपब, स्थापित करब, कोनो गाछकेँ उखाड़ि दोसर स्थान पर रोपब, अपराध दोष लगाएब, मिथ्याज्ञान। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आरोपण। (वृक्ष आरोपण समारोह प्रत्येक वर्ष भारतवर्षमे मनाओल जाइछ)। *āropaṇa*—Plantation, Accusation.

आरोपल आरोपल—आरोप (दे०) केर आद० प्र० पु० भू० रू०। वि० ने० २४ (कुहु भरमे पय पद आरोपल; चन्द्र० १८१ (मनमथ दृढ़ आरोपल)। *āropala*—*Hon.* Past tense first person of *āropa* (q. v.)

आरोपि आरोपि—आरोप (दे०) केर पू० क्रि० रू०। राम० १०६ (रामचन्द्र पद मन आरोपि); राम० ३४८ (तनिका लेल अंग आरोपि)। *āropi*—Part. form of *āropa* (q.v.).

आरोपित आरोपित—वि०। लगाओल, स्थापित कएल, लांछित, रोपल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० आरोपित। राम० ३०१ (वैदेही आरोपित अंक); मो० १७-१-२३ (योग्यता हुनकामे आरोपित होइछ); पार्वती परिणय २२; पुरु० २१५ (जखन देश देश लोकक मुख आरोपित)। *āropita*—Mounted, planted.

आरोप्य आरोप्य—वि०। लगएबाक योग्य; रोपबाक योग्य, स्थापित करबाक योग्य, दोष लगबाक योग्य। [सं०]। *āropya*—*Adj.* Fit to be mounted, to be blamed.

आरोह आरोह—उपर दिश चढ़ब वा गमन, आक्रमण, चढ़ाइ, स्वरमे लयकेर उपर दिसि चढ़ाव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, पा० प्राकृ० आरोह, म० ओहँ; गु० आरोड़ो। मि० उद्० १५८-३ (ताल स्वर, लय; आरोह, अवरोह); द्विरा० १५७ (जेना जेना आरोहक स्वर तीव्र भेल जाइक); रंग० ६६ (ओकर आरोह अवरोह हृदयमे स्पन्दन उत्पन्न करएवला छल)। *āroha*—Ascent, growth, a term in music.

आरोहण—चढ़ब, सवार होयब, ऊपर उठब। [सं०] तु० क० हि० आरोहण। पुरु० १५५ (एक आरोहण कयो भो दुखत); मिथिला २-३६३। मिथुन भुवन आरोहण सुलभछि); उदयन कथा २३३; मिमि० ३८-१०-६ (सदिष पर ओ आरोहण)। *Ārohaṇa (ṇa)*—The act of riding, ascending.

आरोहल—आरोह (दे०) केर भा० पु० भू० कृ०। मैथनाय १३। *Ārohala—Hon.* 1st person past tense of *Āroha* (q.v.).

आरोहावरोह—आरोह आर अवरोह केर संयुक्त रू०। वैदेही २३५४-६१ (कुमार मे जीवनक विशेष आरोहावरोह नहि देखाभोत भेल अछि)। *Ārohāvaroha*—Rise and fall.

आरोही—वि०। चढ़निहार, ऊपर जानिहार, उत्तरिरोल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आरोही। उत्कर्ष विज्ञान ३८६ (आरोही, अवरोही सात सुर लेब)। *Ārohī—Adj.* Rising.

आर्त्त—वि०। क्लेशित, दुःखी, व्यग्र, उद्विग्न। [सं०] तु० क० मि० आर्त्त; पा० आहत; बं० आरत; कुमा० आरत; प्राकृ० अत्त; रा० ६६ (आर्त्त भरत कों रोवत कानि); मिथि० ४२० (अवर आर्त्त दो क्षा अनेक वर्णन किछु विछु करक विमुक्ति हो)। *Ārtta—Adj.* Pained, worried.

आर्त्तघोष—वि०। क्लेशित वा पीड़ित स्वर, दुखनाम। [सं०] मि० २८ (प्रजाक आर्त्तघोष सुनि)। *Ārtta-ghoṣa*—Painful noise or voice.

आर्त्तता—आर्त्त (वि०) केर भा० वा० रू०। वन कुसुम ८८। *Ārttatā—Abst.* Noun of *ārtta* (q.v.).

आर्त्तनाद—भयंकर पीड़ित वा क्लेशित वाणी। [सं०]। कद्रु० २४ (सब आर्त्तनाद करैत भयो); मि० वि० ? (आर्त्तनाद नहि कानथि करि-कि); पुरु० ७६ (राति जंगल मे आर्त्तनाद करइत); प्रया० ११ (आर्त्तनाद सुनयमे आयल)। *Ārtta-nāda*—Painful cry or shriek.

आर्त्तवाणी—कार्त्त भरल शब्द वा वाणी। [सं०] मो० १०३-५ (आर्त्तवाणी हेतु विछुनजन धनकिय देखल)। *Ārttavāṇī*—Painful shriek.

आर्त्ता—आर्त्त (वि०) केर स्त्री० रू०। राम० १६२ (अवलाको भी काल कियौत्ति आर्त्ता)। *Ārttā*—Fem. form of *Ārtta* (q. v.).

आर्त्ति—दुख, दर्द, कष्ट। [सं०] सुमद्रा हरण १३३; राम० २२७ (प्रभुत आर्त्ति हर जय रघुनाथ); मि० ना० २ (आर्त्तिये तौराहद्रि छेबाक)। *Ārtti*—Pain, worry.

आर्थिक—वि०। धन सम्बन्धी, द्रव्य सम्बन्धी, महत्वपूर्ण, कोनो शब्दक अर्थसँ मिलल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, मै०, अ० आर्थिक। मि० उदा० २५०-२ (शारीरिक ओ आर्थिक परिश्रम); मै० हि० सा० ७ (आर्थिक दशा ठीक छि); नहि म हिरा० १६ (आर्थिक राजवाक विजिरमे कष्ट भेलाह)। *Ārthika—Adj.* Financial.

आर्द्र—वि०। भीजल, सानल, सजल, गील। [सं०] तु० क० हि०, असा० ने० आर्द्र प्राकृ०, पा० अद्द; प्रा० मरा० आलो; गु०, बं० आला। पुरु० ६ (आर्द्र भाव संयोगसँ तेज कह कहाय कठल); उद्धु० ४३ (मिथिला भी पंचालाक आर्द्र भूमिमे); प्रया० ४ (सुक फाटल आर्द्र म गेल अछि)। *Ārdra—Adj.* Wet.

आर्द्रा—सताइस नक्षत्रमे सँ छठम नक्षत्र। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आर्द्रा, अ(आ)द्दरा (दे०)। (आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य आदि)। *Ārdrā*—The Sixth Nakṣatra.

आर्य—श्रेष्ठ पुरुष, आर्य जाति, श्रेष्ठ गुरु, पूज्य, आर्य जाति, श्रेष्ठ कुलमे उत्पन्न। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आर्य अध्यक्ष। पुरु० १२० (कहल हे आर्य गुरुजी); मि० इद० १९०-२६ (जिनक आर्य धर्मक पक्षपाती); खड्ग० १२६ (आर्य कुलक नाम मिलक हैसैधिन)। **आर्यसमाज** एकटा उत्तर सुधारवादी हिन्दू सम्प्रदाय जकर प्रवर्त्तक दयानन्द सत्यार्थ प्रकाश नामक पोथी लिखि बीसम शताब्दी मे प्रचार कयल। सनातन धर्म विरोधी। कथा० ४१ (आनि लिय जो अपनहि आर्य कुमारी विवा)। *Ārya*—Father, great, belonging to higher class.

आर्यावर्त्त—मनुक अनुसार उत्तरी भारत जकर उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे विन्ध्याचल, पूर्वमे बंगालकेर खाड़ी एवं पश्चिममे अरब सागर अछि, तकर आर्यावर्त्त भेल। परन्तु आब कालहि समस्त भारत आर्यावर्त्त कहैत अछि। [सं०] मिथिला दर्श विमर्श पूर्वार्द्ध २, मौ० ४१-८ (देशक नाम आर्यावर्त्त थिक); हिरा० २१२ (आर्यावर्त्तक 'भारत' कँ विलायती सिरकामे कुशा भजार वर्णित अछि)। *Āryāvarta*—The old name of North India.

आर्ष—वि०। वैदिक ऋषि सम्बन्धी वा सेवित ऋषिकृत। दीर्घपुत (पुराना) वा वेद प्रयोग करत तैँ दोषावह नहि, जाय (व्याकरण, मे आर्ष प्रयोग)। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आर्ष; मि० २७२ (यहि प्रकारक आर्ष दृष्टान्त मातृभी सूचिक थाप्य लेलँ); वन कुसुम ३१। *Ārṣa—Adj.* Belonging to seers.

-आल -आल—प्रत्यय। स्थान अर्थमे कोनो शब्दसँ जाकनिक अर्थे प्रयोग भेला पर (वि०) जा- मि० १४८ कठाल। *-āla*—Suffix.

आलय—घर, मकान, अपन सीमा वा अपन अधीनक भीतर। [सं० आलय] । वि० ने० २६ (अनि पुनु कुशले आओब निज आलय)। *Ālae*—P. F. of *ālaya* (q.v.). One's area,

house.

𑒂𑒪𑒖𑓂𑒖 **आलज्ज**—वि० । ठीककर, जनिका लाजक कोनो गप्पे नहि । का० प्र० । [सं०] । पुरु० ११६ (अधम आलज्ज से नाम धराय) । *ālagga—Adj.* Shamless, P.F.

𑒂𑒪𑒞𑒰 **आलता**—अलता (दे०) केर वि० रू० । दिरा० ३३ (अपन आलता सँ निज चरणसँ शतरंजीकेँ सुशोभित कैलन्हि) । *ālata—Alt.* of *alatā* (q. v.)

𑒂𑒪𑒞𑒱 **आलति**—गेयधर्म, संगीतक एक गुण । [सं०] । वर्ण० ४४ (कलाश्र, लओल आलति कोनित) । *ālati*—A musical term. Obs.

𑒂𑒪𑒢 **आलन**—टाट वा भीतक माटिक दाबा आदि बनेबामे देल गेल खड़-पात (दी०) । [सं० आलम्ब] BPL 42511 तु० क० सं० आलान । *ālana*—Rubbish, straw etc. used in making earthen walls.

𑒂𑒪𑒣𑒲𑒢 **आलपीन**—एकटा छोट सुइया जकरा अन्तिम छोर पर घुण्डी जकाँ रहैछ, एकरा पीन सेहो कहल जाइछ । [पुर्त० आलफिनेत] । तु० क० हि०, बं०, अस०, बं० आलपीन । FML—178. *ālapina*—Pin.

𑒂𑒪𑒧𑓂𑒥𑒢 **आलम्बन**—सहारा, रस निर्णयक एक भाव । [सं०] मो० १३४-३९ (किछ आलम्बन भाव प्रकट हो), पुरु० १९७ (आलम्बन स्त्री पुरुष प्रधान) । *ālambana*—A support, basis of aesthetic pleasure (technical term).

𑒂𑒪𑒧𑒰𑒩𑒲 **आलमारी**—अलमारी (दे०) केर वि० रू० । मि० उदा० १५७-७ (मेज, मोढ़ा आलमारी बूट, हैट); प्रवा० ८ (दवाइक आलमारी मे एक डिब्बा माल्टेड मिल्क) । *ālamārī*—*Alt.* Form of *alamārī* (q.v.).

𑒂𑒪𑒧𑒼𑒢𑒱𑒨𑒧 **आलमोनियम**—एक प्रकारक धातु जाहि मेँ विभिन्न प्रकारक छोट पैघ जीवनोपयोगी वस्तु बनाओल जाइछ तथा ई तौलमे हल्लुक होइछ । [आंग्ल] व्य० वि० १३ (लोड गिलास आलमोनियम तकरो कलश धएल जाइत अछि) । *ālamoniama*—Aluminium.

𑒂𑒪𑒨 **आलय**—आलए (दे०) केर शुद्ध रू० । वर्ण० ५४ (रात्रिक आलय काँ सन्निधान); पुरु० १११ (अपन आलय अएलाह) । *ālaya*—Correct form of *ālae* (q. v.)

𑒂𑒪𑒨𑒰 **आलया**—संगीतमे श्रुति विशेषक नाम । [सं०] । वर्ण० ४४ (माला आलया कला) । *ālayā*—Name of of a śruti in music.

𑒂𑒪𑒥𑒰𑒪 **आलबाल**—किआरी, थाला । [सं०] तु० क० हि० आलवाल । शतदल ७७; माटिक दीप ६ । *ālavāla*—bed (flower bed).

𑒂𑒪𑒮 **आलस**—आलस्य । [सं० आलस्य] । गो० वि० १० (ख) (मोह आलस बनवोर); वि० ने० २२२ (आलस कोये आइसि हेलन्हि); गो० ५० १ अम० ८ (श्यामक कोर यतन धरि सूतलि मदन आलस दुहु मोर); राम० २५३ (कथु सकल जब आलस दूर); महेश० ८ (शिवक किंकर वनु आलस कए जनु) । *ālasa*—Idleness.

𑒂𑒪𑒮𑒱𑒢𑒲 **आलसिनी**—आलसी (दे०) केर स्त्री० रू० । सुमति ६६ । *ālasinī*—Fem. of *ālasī* (q. v.)

𑒂𑒪𑒮𑒲 **आलसी**—वि० । सुस्त, लापरवाह, काजसँ हट-निहार । [हि० आलस+ई] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आलसी । मो० १७-१७ (लोक आलसी निरुद्यमी होमए लागल); पुरु० ५० (आलसी लोकक सुख निर्वाह सुनि) । *ālasī—Adj.* Idle, lazy.

𑒂𑒪𑒮𑓂𑒨 **आलस्य**—कार्य करबामे अनुत्साह, सुस्ती, कामचोर । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आलस्य । चन्द्र० २६६ (राग कहबामे आलस्य प्रधान); मि० उदा० १६८-२४ (आलस्य छाड़ि उत्साह कै); मो० १७-२२ (आलस्य त्यागू); पुरु० ५० (सुख स्थान आलस्य); प्रवा० १६७ आब आलस्य करबाक समय नहि अछि); शतदल ८ (की आलस्यक) । *ālasya*—Sloth, idleness.

𑒂𑒪𑒰 **आला**—वि० । सबसँ बढ़ियाँ, सर्वोपरि, यंत्र [अर० आलह्] । तु० क० हि० आला । वन कुसुम ८५ । *ālā—Adj.* Best, gadget (such as stethoscope).

𑒂𑒪𑒰𑒢𑒰 **आलाना**—खुट्टा । [सं० आलान+आ] वि० पदा० मनु० १०८, रामभद्रपुरपोथी पद १८८ (अतमय पति आलाना पति चैओ चैओ) । *ālānā*—Post.

𑒂𑒪𑒰𑒣 **आलाप**—बातचीत, भाषण, कथोपकथन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आलाप; प्रा० आलाप; पा० अलाप व लहन्दा अलाप; सिं० अलाउ । वर्ण० २७ भुजङ्ग आलाप; मि० २५६ (उक्त रूपक आलाप कलाप सुनि चिन्हि लेलन्हि); कन्या० १३६ (अपना आलाप स्वर खरजसँ निषाद पर्यन्त पहुँचाबय लगलीह); मो० २८-२९ (पण्डितलोकनिक आलाप विलाप दिश ध्यान दिअ); व्यल० वि० ३८६ (आलाप भेद आरोही अवरोही सातो सुर जेना); नव० २५ (पण्डितक आलाप आलोचनासँ सुननिहारकेँ होइक जे व्यक्ति आओर जे किछु रहथु) । *ālāpa*—Speech.

𑒂𑒪𑒰𑒣𑒱 **आलापि**—आलाप (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मिहि० ३५-३-२१ (निर्जन वन प्रान्तमे आलापि उठै) । *ālāpi*—*Part.* Form of *ālāpa* (q v.).

𑒂𑒪𑒱¹ **आलि¹**—लु० रू० । इडा पिङ्गला नाड़ी । चर्या० ११/३ । *āli*—*Obs.* Technical name of a nerve.

𑒂𑒪𑒱² **आलि²**—आली (दे०) केर का० रू० । वि० पदा०

मनु० १६६, मद० गु० तालपत्र ७६; अ० ४ (आलि विहि इए गेलि सन्देस)। *āli*²—Poetic. of *āli* (q.v.).

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒋 **आलिङ्गए**—आलिङ्गन (हि०) केर आ० वर्त्त० मध्य० रू०। वर्ण० ५ (अवि यदि आलिङ्गस); गोरक्ष विजय ७ (ग) (कादु आलिङ्गए काडु निहार); वि० पदा० मजु० ५३५ (उठि आलिङ्गए अरथि लाभ); EMI 311. *ālingae—Hon.* Present tense second person of *ālingana* (q.v.).

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒞𑒱 **आलिङ्गति**—आलिङ्गन (हि०) केर आद० वर्त्त० अन्य० पुरु० रू०। वि० नि० १४२ (कतोन सुमधि आलिङ्गति अछि)। *ālingati—Hon.* present tense third person of *ālingana* (q. v.).

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒢 **आलिङ्गन**—हृदय वा गर्दनिसँ लगाएब, परिरंभण। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असम०, नै० आलिङ्गन। वर्ण० २ (कएक्ष आलिङ्गन); गोरक्ष विजय ८ (क) (देल तनय आलिङ्गन दान); वि० पदा० मजु० ३७, राग० त० पु० २०४, तालपत्र न० गु० ६७, अ० १०६ (आलिङ्गन दए पाछु निहारए); गी० सं० ९ कमा० ६४ (तब दुइ मिलि आलिङ्गन भेल। गोविन्द दास अदभुत किये भेल); राम० १२७ (आलिङ्गन सब रालि भाइ); मि० मद० १५८—१२ (ई कहि आलिङ्गन पूर्वक सुतला); रङ्ग० १२५ (सप्रेम आलिङ्गन और स्नेहमयी अखीकेँ बारम्बार चुम्बन); प्रवा० १६८ (तन जावली ए २७ आलिङ्गन करिथ)। *ālingana*—Embrace.

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒨 **आलिङ्गय**—आलिङ्गए (दे०) केर वि० रू०। गी० २० अमर० ६६ (सुने कतखन तक परसंग रंगस आलिङ्गय करि कत छन्द)। *ālingaya—Alt.* of *ālingae* (q. v.)

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒪 **आलिङ्गल**—आलिङ्गन (दे०) केर आद० भू० उ० पु० रू०। वि० पदा० मजु० ६१ तालपत्र न० गु० २०१, अ० २६० (चन्दन मरम मिमर आलिङ्गल)। *ālingala—Hon.* Past tense first person form of *ālingana* (q.v.)

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒱𑒞 **आलिङ्गित**—वि०। हृदयसँ लगाओल, गर्दनिसँ लगाओल, परिरंभित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असम०, ने० आलिङ्गित। पुरु० २४६ (आलिङ्गित करपुरुष); आओन-मातक १०। *ālingita—Adj.* Embraced.

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒱𑒞𑒰 **आलिङ्गिता**—आलिङ्गित (दे०) केर स्त्री रू०। पुरु० २०१ (धूर्त्तसँ आलिङ्गिता रति मधुरा भेली)। *ālingita*—Fem ot *ālingita* (q.v.)

𑒂𑒪𑒱𑒣𑓂𑒞 **आलिप्त**—वि०। आलेप, लिलेप। [सं०] तु० क० हि०, असम०, ने० अलित। अम्ब० ५। *ālipta—Adj.* Smeared.

𑒂𑒪𑒲 **आली**—सखी, सहेली, तीलन। [सं०] तु० तामिल आली। भा० का० २२४ (आली कते मिलत, कतय माधव ओइ गुणधामी); रानरुक ८ (अरे न कतउ बराबर आली)। *āli*—Wetty, woman friend.

𑒂𑒪𑒲𑒛𑓃𑒣𑒠 **आलीढ़,पद**—दहिना जाँघकेँ पसारि आओर वामा जाँघकेँ मोडि वाण चलएबाक आसन। [सं०]। मि० २२० (प्रत्यालीढपद आलीढपद समपदा)। *ālirhapada*—A posture fit for throwing arrows.

𑒂𑒪𑒲𑒫𑒰𑒪𑒲 **आली वाली**—बिदन, कर्तान, अकर-बकर। [आवली-वावली]। मि० (आए तँ आलीवाली तेल लगवे ले तीन-तीन मासी)। *ālivāli*—Worthless irrelevant thing.

𑒂𑒪𑒴 **आलू**—एक प्रकारक प्रसिद्ध कन्द। मकर कन्द गोल आ हरियर होइछ। लाल लाल आ कत्थर दुनू रंगक होइछ। [सं० आलु]। तु० क० हि० आलू,आलु, पा० ओळक,ओडप; प्राकृ० ओआप; उ० आलु; म० आलू; सि० आलय। व्या० ३१ (ततौ, आलू औ मूर); प्रसु० १५८ (तामे आलू, भाँटा, सीम, भौलक अचार; नव० १८ (भरि चंगेरी आलू पडोर)। *ālū*—Potato.

𑒂𑒪𑒴𑒥𑒼𑒐𑒰𑒩𑒰 **आलूबोखारा**—मेवा विशेष। [सं० आलु + फा० बोखार] अहर नगरी ६। *ālūbokhārā*—A kind of dry fruit.

𑒂𑒪𑒹 **आले**—निष्फल, निरर्थक। [आलय्+ए]। चर्या० ४०/३। *āle*—useless.

𑒂𑒪𑒹𑒣 **आलेप**—लेप, पलस्तर। [सं०]। तु० क०, हि० बं०, पा० आलेप। प्राकृ० आलेव। *ālepa*—Smearing, plastering.

𑒂𑒪𑒹𑒣𑒢 **आलेपन**—लेप वा पलस्तर करबाक कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, पा० आलेप, प्राकृ० आलेवण; सि० अलबुन। *ālepana*—The act of smearing or plastering.

𑒂𑒪𑒼 **आलो**—सम्बोधन करबाक शब्द विशेष। [सं० अ]। राग० १०८ (आलो निरखकर तुमी हिय शम्भू), चर्या० १०/२। *ālo*—Interjectional word.

𑒂𑒪𑒼𑒏 **आलोक**—प्रकाश, रोशनी, चमक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असम०, ने०, अव० पा० आलोक; प्राकृ० आलोअ; आलोअ; प्र० आलुअ; आलो। नव० ५० (सोरण आलोक सँ सँ से दलान जगमगित)। *āloka*—Light, brightness.

𑒂𑒪𑒼𑒏𑒢 **आलोकन**—अवलोकन, दर्शन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अत० आलोकन। मि० वि० २०४ (पद्धप) मिथक आतंकक कहियो आलोकन मासी नहि। *ālokana*—The act of looking at, or contemplating.

𑒂𑒪𑒼𑒏𑒢𑒲𑒨 **आलोकनीय**—वि०। देखवा योग्य, दर्शनीय। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, आलोकनीय। *āloka-*

niya—Adj. Worthy to be looked at.

আলোকিত आलोकित—वि० । उद्भासित, प्रकाशित, देखल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० आलोकित । (राणा प्रतापक यश सर्वत्र आलोकित अछि) । *ālokita—Adj.* Seen, well-known.

আলোচক आलोचक—गुण-दोषक विवेचना कएनिहार, गुण-दोषक निरूपक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० आलोचक । (आलोचकगण त आलोचना करबे करताह) । *ālocaka*—A critic.

আলোচন आलोचन—गुण-दोषक विचार, नीक अधलाहक निर्णय । [सं०] । तु० क० हि० आलोचन मो० ११-११ (बौद्ध मतक आलोचन कैल जाइछ) । *ālocana*—Consideration, critical assessment.

আলোচনা आलोचना—कोनो वस्तुक गुण दोषक विचार गुण-दोषक निरूपण । [सं०] तु० क० हि०, बं०, आलोचना । मो० १७१-३८ (प्रधान पात्र लौकिक आलोचना एहि ठाम कैल गेल अछि); रुद्र० ८० (तकर आलोचना करैत छियैक) । *ālocanā*—Survey, criticism.

আলোচনীয় आलोचनीय—वि० । आलोचना करबाक योग्य, गुण-दोष निरूपण योग्य । [सं०] । (आलोचनीय वस्तुक समुचित थिक) । *ālocanīya—Abj.* Fit to be considered.

আলোচিত आलोचित—वि० । जकर गुण दोषक निरूपण वा विचार कएल गेल हो । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० आलोचित । मि० २७२ (श्रीमद्भागवतक कथाकेँ पूर्णरूपेँ आलोचित कएल) । *ālocita—Adj.* Considered.

আলোড়ন आलोड़न—मथि ए, हिलकोरिकए एमहर ओमहर सँ तःकि कए वा छान-बीन कए । [सं० आलोड़न] । तु० क० हि०, आलोड़न । मि० मित्र० ५६ (न्यूटन आदि विद्वजन अपन जीवन लगा कए ज्ञानसागरक आलोड़न कककेँ जाहि अमूल्य रत्नसभकेँ प्राप्त कैलन्हि) । *āloḍana*—Movement to and fro, act of kneading or agitating.

আলোড়িত आलोड़ित—वि० । मथल, सौचल । [सं०] । वैदेही १४-३३० (अपन रुदनसँ आलोड़ित करैत देश अपन) । *āloḍita—Adj.* Kneaded.

আব आव—आब (दे०) केर वा० रू० । पुरु० १६७ (हिताहित मति हो विवेक से दोष जतय न आव); मि० उद० १५७-२ (आव ठहर लगैवाक समय); चित्रा ६ (वितायव नहि आयु आव प्रवासमे) । *āva—Coll.* of *āba*—(q.v.)

আবই आवइ—आबइ (दे०) केर वा० रू० । चर्य्या० ४२/५, ४३/४ । *āvai—Coll.* form of *ābai* (q.v.).

আবএ आवए—आबए (दे०) केर वा० रु० । प्र० ३३ (देह नहि काज आवए) । *āvae—Coll* of *ābae* (q.v.)

আবও आवओ—आबए (दे०) केर इच्छा० रू० । चित्रा ४० (गाड़ी ल क कनहा आवओ) । *āvao—Opta.* of *ābae* (q.v.).

আবত(তি) आवत (ति)—आओत (दे०) केर वा० रु० । श्री श्याम सुधा ५६; तपस्वी २७; वनकुसुम ४८ । *āvata (ti)*—*P.F.* of *āota* (q.v))

আবথি आवथि—आबथि (दे०) केर वि० रू० । राम० १५ (अपन निमित्त श्रृङ्गि ऋषि आवथि); प्रण० ४६ (कुटि पीसि आवथि जीरा, माङ्‌ पसाबथि हीरा); पारो ४३ (हुल द आवथि उत्तर दहिना चल जाथि) । *āvathi*—Alt. form of *ābathi* (q. v.).

আবথু आवथु (दे०) केर वा० रू० । राम० ५४ (आवथु हमर समीप); द्विरा० २६ (आवथु द वहिना) । *āvathu—Coll.* of *ābathu* (q.v.).

আবদ্ধ आवद्ध—आबद्ध (दे०) केर वि० रू० । मोद १०१-१२ (सीमामे आवद्ध नहि अछि); कन्या० १४८ (वैवाहिक प्रतिज्ञासँ आवद्ध होथि); चित्रा० ५५ (बन्धुतामे परस्पर आवद्ध); नव० ३२ (ओकरा सम परस्पर आत्मीयताक बन्धनमे आवद्ध छल) । *āvaddha—Alt.* of *ābaddha* (q.v).

আবয় आवय—आवए (दे०) केर वि० रू० । वि० बि० १० (आवय सबे केर देखय लागि हारे); प्रण० ६४ (वर नहि आवय दैत अछि); रंग ३१ (मालपूआक सुगन्ध आवय लागल) । *ābaya*—Alt. of *ābae* (q.v.).

আবরণ आवरण—आच्छादन, झँपना, बचएबाक वस्तु [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, पा०, प्राकृ०, आवरण । महेश० ४८ (भूषण भुजङ्ग अङ्ग आवरण चाम); प्रण० २०१ (रहस्यक आवरणमे) । *āvaraṇa*—Cover, portection.

আবর্জাত आवर्जात—आबरजात (दे०) केर वा० रु० । [अवर्य्य+यात] मि० २४६ (भवानीदत्त मिश्रहुंक आवर्जात रुकि गेल); मि० २७० (जाहिसँ गाड़ीक आवर्जातक समय कोनो प्राणी आहिमे प्रवेश नहि कए सकै) । *āvarjāta—Coll.* of *ābarajāta* (q.v.).

আবর্জিত आवर्जित—वि० । त्यागल, जकरा छोड़ि देल गेल हो, छोड़ल, परास्त । [सं०] तु० हि० आवर्जित । मि० १४८ (हुनक चित्त काँ अपना प्रति आवर्जित कयल) । *āvarjita—Adj.* Forbidden.

আবর্জ্জন आवर्ज्जन—सरजा नायिकाक दुखविशेष । रुद्र

हर्पे निषेध करब। [सं]। वर्णं० ७ (विनयशील)। *āvar-jjana*—The quality of declining modestly, in a beloved.

आवर्त्त—पानिकेर भमर, घुमल, देल, ओ मेघ आदिसँ पानि नहि बरसब। [सं०] तु० क० हि०, बं, अ०, ने० आवर्त्त; पा० आवट्ट; म० आट्ट; सि० आवट। वर्ण० ५५ (आवर्त्त आकार); कीं० ल० २१ (आवर्त्त विवर्त्त रोलहीं नभर नहि नर समुद्र औ); एकावली परिणय ८८; वधन कथा २०४। *āvartta*—Recoiling, whirlpool.

आवर्त्तित—वि०। मथल; घुमल; देल। [सं०]। तु० क० हि० आवर्त्तित। पुरु० २०६ (पाषाण निवाद ओ आवर्त्तित लक्ष्यालोकनिक शब्द)। *āvartita*—*Adj.* Turned.

आवर्यात—आवर्जात (दे०) केर मि० रू०। लाल० राम० १२४ (रवण सदा वहँ आवर्यात); मि० मित्र ७१ (पितासँ स्वाधीनताक योग कथा से आवर्यात करि कन्द); वधन कथा १७४। *āvaryāta*—*Alt.* of *āvarjāta* (q.v.).

आवलि—वि०। कमजोर, क्षण (स्त्री)। [सं० आवल्य]। तु० क० ने० आवलि। तरंगी २१। *āvali*—*Adj.* Weak (Female).

आवल्य(ता)—कमजोरी, दुर्बलता। [सं०] तु० क० अस०, बं०, हि०, ने० आवल्य वा दुर्बलता। मि० मित्र २५० (कमलहुँ कलसहुँ नरक आवल्यता सँ पृथ्वीपर लागि पड़ैत अछि); बेरमिलक पावनी १०६; सुशीला ३२। *āvalya (tā)*—Weakness.

आवश्यक—वि०। जे अवश्य हेवाक चाही, जरूरी, वांछित, प्रयोजनी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आवश्यक; प्राकृ० आवस्सिय। कीं० ६०४ (आवश्यक थिक); मि० वरा० १५७-२४ (किछु आवश्यक रीत कार्य भेलुक); प्रथा० १२ (कोनो केहन आवश्यक नहि); नव० ६ (नौकर संगर मौगन मालिक कैं परम आवश्यक कर्त्तव्य बुझना गेलक); पारो ३० (अत्यन्त आवश्यक पड़ल)। *āvasyak*—*Adj.* Necessary.

आवश्यकता—जरूरति, अपेक्षा, प्रयोजन। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आवश्यकता। मि० ६ (पुस्तकालय आवश्यकता बुझि एक से हाजाक प्रस्ताव स्वीकृत भेल); मि० वर० १५७-१६ (मनुष्यक बड़ आवश्यकता अछि); पारो २० (चिट्ठीक जवाब देवाक चोनीटा आवश्यकता नहि रहैक)। *āvasyakatā*—Need, want.

आवश्यकीय—वि०। प्रयोजनीय, जरूरी। [सं०]। तु० क० हि० आवश्यकीय। मै० दि०, सा० (२-४) २७ आवश्यकीय ज्ञानक बिना कर्म निष्फल भय जायब संभव थीक)। *āvasyakīya*—*Adj.* Necessary.

आवसि—आवथि (दे०) केर प्रा० तु० रू०। वि० पदा० मनु० ६१, रामचन्द्र ने० गु० ३६३, अ० ३६० (पुनु चलि आवसि पुनु चलि जासि)। *āvasi*—*Old.* Obs of *āvathi* (q.v.).

आवस्सक—आवश्य (दे०) केर प्रा० रू०। मिथा ३८ (अति आवस्सक अछि सर करैछ)। *āvassaka*—Folk. of *āvasyaka* (q.v.)

आवह (ह)(हु)(हुँ)—आबह(हि)(हु)(हुँ) (दे०) केर मि० रू०। गी० वि० ४ (३) (आवह कानविया रचह उपाय); मि० ने० १४२ (पुनु जनि आवह आवसना नाचे); प्रवा० ११६ (स्वमा खातिर फलाहारीक सामग्री नैने आवह); पारो ५२ (कने लग आवह); पारो ५३ (देर आवहि कहबनि); मिथा ४१ (ला बाहु नहि आवह त); मिथा ७० (आवहुँ जाय दनुज मिलुन जिलाहो)। *āvaha (hi) (hu)(hū)*—*Alt.* of *ābaha (hi) (hu)(hū)* (q.v.).

आवा—आबा (दे०) केर मि० रू०। लाल० राम० १०२; शतदल ६१। *āvā*—*Alt.* of *ābā*. (q. v.)

आवागमन—आवा जाही, आयब-जायब [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने० आवागमन। मि० ३६२ (दरबारमे लाट साहब हुनक बिरर्त्त अनुवर्त्तमान में सुरत)। मिथा २० (क विवाहित महिला आवागमनक कारण कन्द)। *āvāgamana*—The act of coming and going.

आवाज—शब्द, ध्वनि, बोली, वाणी, स्वर, नाद, हल्ला-गुल्ला। [सं०]। तु० क० हि०, फा० आवाज; पा० आवाज। (तीन आवाजमे सवारी बजाएब उचित नहि)। *āvāja*—Voice, noise.

आवाद—आबाद (दे०) केर मि० रू०। मि० २०३ (गौंवर भूमि हाकड गेल आवाद नहि कयल जाय)। *āvāda*—*Alt.* of *ābāda* (q. v.)

आवान्तर—मध्य, अन्तरमे वा समयक भीतर। [सं०]। मि० प० २३ (रुद्वि: अतिक तीर्थ आवान्तर); मि० ४७ (ओहि आवान्तरमे सर केहरि वैदिक स्थानापन्न सर जाम पिढ़र बैंक सैनिकोलय मवनैर नियत भेलाह)। *āvāntara*—In between the time.

आवाल—छोट-छोट शिशु वा बच्चा आदि पर्यन्त। [आ+वाल]। मि० मित्र १-१७ (पर्वतपैं उठैतामे आवाल वृद्ध सहायता कैने छलथिन्ह); कीं० १३१-२४ (जाहिसँ आवाल वृद्ध वनिता हृदय मे उत्साह बढ़े); मि० वरा० १५७-३५ (आवाल वृद्ध सबहि नर नारी कै); वन कुसुम: २८; शतदल ६०; कोबर गीत २३। *āvāla*—Including children.

आवास **आवास**—रहबाक स्थान, घर, मकान, कुटी, निवास स्थान। [सं]। तु० क० हि०, बं०, प्राकृ०, असo नेo आवास; उ० उआस; प्रा० हि० अवास; गु० अवास; म० आवास। कीर्तिलता ६ (मर्यादा भङ्गक आवास); वर्ण० २८ (अनेक पे आवास तैं मण्डित); राम० ३४६ (यमुनाक तीर मुनिक आवास); मि० २४६ (नीक नीक लोकक आवास कराय); मि० ६१ (अपन सङ्क सन्निवेश कराओल); चित्रा० ८० (सय थिक आवास)। *āvāsa*—House, abode.

आवासित **आवासित**—वि०। बसल, स्थित। [सं०]। मि० ५४४ (एकरे आवासित अमरावती नामक नगरी कोइलखसँ वाजितपुर धरि छलि)। *āvāsita—Adj.* Situated.

आवाहन **आवाहन**—निमंत्रित करब, बजाएब, मन्त्र द्वारा देवताकेँ बजेबाक कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आवाहन। वि० प० ५३ (आवाहन होइतहि प्रतिमामे); खट्ट० ८७ (पहिने आवाहन करैत छहुन); प्रण० १ (निद्रा देवीक आवाहन करय लगलहुँ); स्त्री शिक्षा ३६ (आवाहन विसर्जन नहि करबाक थिक)। *āvāhana*—Invocation (of the Gods).

आवि **आवि**- आबि (दे०) केर का० रू०। राम० २५ (सानुज से आश्रम आवि); मि० उदा० १५७-१ (नोटिस आवि गेल छैक); चित्रा १८ (जान लेलकन्हि रोग आवि कए)। *āvi—Coll.* of *ābi* (q.v.)

आविए **आविए**—आबिए (दे०) केर का० रू०। प्रण० ४१ (जौं आविए गेलैक त ई किनौअलि होएत)। *āvie—Coll.* of *ābie* (q. v.)

आविर्भाव **आविर्भाव**-उत्पत्ति, प्राकट्य, प्रकाश। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अस०, अव०, आविर्भाव। पुरु० २५० (जनि सौं आविर्भाव संसार); मो० १-१० (आइ आविर्भाव मोदक भेल)। *āvirbhāva*—Origin, birth, manifestation.

आविर्भूत **आविर्भूत**—वि०। प्रकटित, प्रकाशित, उत्पन्न। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आविर्भूत। रंग० ४ (आकाशक परी जकाँ आविर्भूत भेलीह)। *āvirbhūta—Adj.* Manifested.

आविर्भूता **आविर्भूता**—आविर्भूत (दे०) केर स्त्री० रू०। मिथिला नाटक १७; सीता स्वयम्बर ३१। *āvirbhūtā*—Fem. of *āvirbhūta* (q.v.).

आविष्कार **आविष्कार**-प्राकट्य, कोनो नूतन वस्तुकेँ बनाएब जकर बनएबाक युक्ति ककरो पहिनेसँ नहि अबैत हो। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आविष्कार। मि० २३९ (एकर आविष्कारक प्रसंग कहिओ बख्शी उमानाथे भा भेल छलाह); खट्ट० ८; नव० १२ (उएह एहि सत्पात्रक आविष्कार कएने रहथि)। *āviṣkāra*—Inventor.

आविह **आविह**—आएब (दे०) केर आद० म० पुरु० का० रू०। वि० पदा० मजु० १०२, नेपाल २५७; न० गु० ६५३; अ० ७६८ (आविह शिव सिंह राजा); FML 496; राम० ८२ (कत न बासर पलटि आविह)। *āviha—Hon.* Second person P. F. of *abiha* (q.v.).

आवी **आवी**-आबी (दे०) केर का० रू०। राम० ३३ (मुनि लगइत छथि आवी); प्रण० १०८ (स्वयं अपन श्रद्ध कए आवी); चित्रा ११ (बिनु बजौने कतौ जाइ ने आवी)। *āvī—Coll* of *ābī* (q.v.).

आवृत **आवृत**—वि०। झाँपल, नुकाओल, घेरल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आवृत; प्राकृ० आउद; पा० आउट। राम० १३१ (लता गुल्म तृण आवृत देश)। *āvṛta—Adj.* Covered, surrounded.

आवृत्ति **आवृत्ति**—पाठक आवृत्ति देब, पुनः-पुनः कोनो बातकेँ स्मरण करब, कोनो कार्यकेँ फेर-फेर करब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आवृत्ति। मो० ९०-९३ (आवृत्ति कए रहल छथि); द्विरा० २१० (आवृत्ति त सुनावथ); पारो ४८ (अन्तर्धा एक आवृत्ति क दुर्गा पाठ हमरा सभैक हेतु करैत रहि गेलाह)। *āvṛti*—Repetition of a work.

आवे **आवे**—आब (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १२० (दिने-दिने आवे नैसनि हौएवह)। *āve*—Poet of *āva* (q.v.).

आवेग **आवेग**—जोश, जोर, मनक झोंक, चित्तक प्रवल वृत्ति। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आवेग। रंग ७६० (बड़ी काल नोर झोरक आवेग सँ बाजि नहि सकलहुँ); नव० ४ (ई त आवेगक बात)। *āvega*—Volition, forec

आवेदक **आवेदक**—वि०। निवेदन वा प्रार्थना कएनिहार, प्रार्थी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० आवेदक। (आवेदकलोकनि अपन अपन आवेदन पत्र ठीक समयपर पठाबथि)। *āvedaka—Adj.* Applicant.

आवेदन **आवेदन**—निवेदन, अर्जी, प्रार्थना। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आवेदन। (अपन अपन आवेदन सत्य सत्य लिखि पठाउ)। *āvedana*—Statement, prayer.

आवेश **आवेश**—स्नेह, झोंक, वेग, आतुरता, जोश, चित्त केर प्रेरणा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, आवेश। राम० २२ (रामचन्द्र कौशिक आवेश); पुरु० २१६ रमण रभस आवेश बितु); मैं० सा० इ० ५२; पारो १४ (हिनका हमर से बड़ आवेश)। *āveśā*—Affection, inclination.

आवेशी **आवेशी**—वि०। स्नेह कएनिहार, जोश वा वेगसँ अएनिहार। [आवेश+ई]। चर्या० ३३/१; पारो १६ (मन्मथ आवेशी छलाह)। *āvēsī—Adj.* Enthusiastic.

আবেষ্টিত **आवेष्टित**—वि० । घुमाओल, झाँपल । [सं०] । तु० क० हि० आवेष्टित । विद्या० ४६ (भुजपाशमे आवेष्टित कैने रहोलाह); भलमानुस ६२ । *āveṣṭita—Adj.* Surro nded, wra ped.

আবেষ্ঠল **आवेष्ठल**—वि० । लपटाओल, बान्हल । [सं० आवेष्टन]। कीचक वध २६ । *āveṣṭhala—Adj.* Bound, embraced.

আবেস **आवेस**—आवेश (दे०) केर ग्रा० रू० । वि० १७ (धाकि आवेस रूप कहिय मोहि) । *āvesa*—Folk form of *āveśa* (q.v.)

আবেস্তা **आवेस्ता**—फारस देशक प्राचीन प्रसिद्ध एवं पवित्र धर्म ग्रन्थ । [फा०] मै० सा० इ० ११ । *āvestā*—A famous Parsee book of religion.

আবৈ **आवै**—आवए (दे०) केर विक० रू० । चन्द्र० ३ (कतहु निकट विपद नहि आवै); महेश० ५१ (दुस्सह रोग भोगतेँ आवै); मि० २४५ (एहि गहोक भीतर आवै देतैक); पुरु० २२१ (हाथ कौ सम्पत्ति आवै) । *āvai*—Alt. of *āvae* (q.v.).

আবোল **आवोल**—आओल (दे०) केर अशु० रू० । गोधूलि २७ । *āvola*—Err. of *āola* (q. v.).

আশ **आश**—आशा (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २८; प० त० २०१, कणदा ११, कीर्तनानन्द १३१ (मोरी दरसने आश न पूरल); गो० प० १ भ्रमर १५ (तुअ रस परश आश अब जीवए गोविन्ददास परमान); राम० १५ (कि धयब आश पुराव); चन्द्र० १०४ (आश ई नवहु न ओर) । *āśa*—Poet. of *āśā* (q.v.).

আশক্ত **आशक्त**—वि० । आसक्त (दे०) केर अशु० रू० । लीन, व्यस्त, रमल । [सं० आसक्त] । पुरु० ३१ (कोन्दें कार्य आशक्त); पुरु० १६२ (अन्य शोक न रति आशक्त) । *āśakta—Adj.* Err. of *āsakta* (q v) Busy, attached.

আশক্তি **आशक्ति**—योग्यता, बल, ताकत, आसक्तिकेर अशु० रू० । [सं०] । तु० क० ने० आशक्ति । पुरु० १२७ (मनक सुख आशक्ति सौ प्रकृति सब धर्म नहि दान देतु); मि० ६१ (जिनक आशक्तिक क्षयल गेल) । *āśakti*—Power, ability. Err. of *āsakti* (q v.).

আশঙ্কা **आशङ्का**—डर, भय, सन्देह, अनिष्टक भावना । [सं०] । तु० क० बं०, असo, ने०, आशङ्का हि० आशंका । मै० हि० सा० (८-१२) ४४ (एहि ठाम ई आशङ्का भए सकैत अछि) । *āśaṅkā*—Fear.

আশঙ্কিত **आशङ्कित**—वि० । डेराएल, भयभीत भेल । [सं०] । तु० क० हि० आशङ्कित; बं० असo, ने०, अव० आशङ्कित । (चौर दुआरे राति मे आशङ्कित भए सुतैत छी) । *āśaṅkita—Adj.* Who is afraid

আশয় **आशय**—मतलब, अभिप्राय, इच्छा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आशय । राम० ३६० (कै शुभ नृपतिक आशय गूढ़); मो० १०४-१८ (जकर आशय ई बुझलन्हि); प्रद्य० ३६ (आशय बुझबामे बाडठ नहि रहल) । *āśaya*—Motive, intention.

আশা **आशा**—(१) अभिलषित वस्तुक प्राप्तिक थोड़ बहुत सम्भावनासँ सन्तोष । (२) सुखप्राप्तिकेँ पबाक इच्छा तथा थोड़ बहुत सम्भावना । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव० आशा । गो० प० २; भ्रमर १३ आशा पाश जलाशय बैसलि प्रेम कलपतरु मूले); राम० १०८; मो० ८७-३२ (आशा पठबै); मै० हि० सा० १८ (सुनबामेँ देशोपकारक कोन आशा); प्रद्य० ११ (आशाकेँ परित्याग क अवकाशकेँ कहलन्हि); चित्रा ८२ (सत्य आशा सत्य चिह्न आयाल) । *āśā*—Hope.

আশাতীত **आशातीत**—आशासँ अत्यधिक बेसी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आशातीत । मि० मद० १५८-१३ (सुनकालोकनिक आशातीत उत्तर); शकुन्तला १४ । *āśātīta*—Beyond hope.

আশান্বিত **आशान्वित**- वि० । आशासँ सन्तोष पाबि, आशापर विश्वास कए, अभिलषित वस्तु पबाक आशामे । [सं०] । प्रद्यु० १६६ (पं० जी आशान्वित भए पूजा पर बैसि गेलाह) । *āśānvita—Adj.* Hopeful.

আশালতা **आशालता**—आशा रूपी लती, अभिलषित वस्तु रूपी लती । [सं०] । मै० हि० सा० ३ (२-३) (विविध १) (आइ आशा लता फड़ि गेल) । *āśālatā*—P.N. A creeper of hope.

আশাবাদী **आशावादी**—वि० । आशापर विश्वास करनिहार । [सं०] । वेकफिल्डक पादरी १११ । *āśāvādī—Adj.* Optimist.

আশির্ব্বচন **आशिर्व्वचन**-आशीर्वादसँ ओत-प्रोत वचन, वाणी । [सं०] । राम १८० (आशिर्व्वचन कहल पढ़ि मन्त्र) । *āśirvvacana*—A speech full of blessing.

আশির্বাদ **आशिर्वाद**—शुभ कामना, जीवाक हेतु देल गेल वचन । [सं०] । तु० क० ने० आशिर्वाद, आशिर्वाद । मो० १०६-१६ (जौ अहाँके आशिर्वाद करबाह) । *āśirvāda*—Blessing.

আশিষ (আশীঃ) **आशिष (आशीः)**—आशिर्वाद (दे०) केर का० ओ संक्षि० रू० । राम २६ (नृपतिकाँ आशिष देलन्हि); मै० हि० सा० (३-३) (ई आशिष बारम्बार); सुभद्रा० ६ । *āśiṣa* (also written as *āśīḥ* but pronuned as *āśiṣa*—*Poet.* and short form of *āśirvāda* (q.v.).

आशी —सापक विषवला दाँत। [सं०]। तु० क० हि० **आशी**। राम० २५१ (**आशी** विष सम मारल वाण); अमर० ५२ (दाँतक नाम **आशी**)। *āsi*—Poisonous tooth of a snake.

आशीर्वाद—आशिर्वाद (दे०) केर वि० रू०। दर्प० २३ (लवङ्ग आशीर्वाद मईन); मो० ६७-३ (**आशीर्वादक** प्रार्थना करैत छी); प्रण० ७३ (तोर **आशीर्वादसँ** ई बहुत नीक ठाम गेल); चित्रा १२ (विधाताक संग **आशीर्वाद** लेल हमरा); पारो० १६ (**आशीर्वाद** देलन्हि मुदा मौन सँ नहि)। *āsirvāda*—Alt. Sanskrit form of *āsirvād i* (q.v.).

आशीर्वादी—शुभ कामनाक हेतु देल गेल वचन, वस्तु रुपैआ वा प्रसङ्ग। [आशीर्वाद+ई]। मि० १४१ (एहि **आशीर्वादी** श्लोककेँ अर्थ सहित सुनला पर)। *āsirvādi*—A gift or blessing in the form of money, words or things.

आशीविष-जकरा दाँत मे विष हो अर्थात् साप। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० **आशीविष**। उदयन कथा २०२; २३६। *āsiv isa*—Snake.

आशी(:)ष—आशिष (दे०) केर वि० रू० तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आशीष; सं० आशिः, आसिख (दे०)। वि० पदा० मञु० १२०, ने० २४०, न० गु० १४, अ० ६६२ (अम्बर देख लेख दए आशीष); मैथिली भाषा २। *āsikha*—Alt. of *āsikha* (q.v.).

आशु[1] – क्रि० वि०। (१) तीव्र; तेज। (२) शीघ्र, त्वरित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० **आशु**। राम० ३१४ (करथि प्रणाम **आशु**); महेश० ६५ (अगति देखि **आशु** उद्धारक)। *āsu*[1]—*Adv.* Quick, Soon.

आशु[2]—आ(आँ)सु (दे०) केर विक० रू०। तु० क० बं० **आशु**। चन्द्र० २४६ (फेर कन्न **आशु** सूर्य देव सौं सुखाय); अमर २०० (धान गम्हड़ी **आशु**)। *āsu*[2]—*Alt.* of *āsu* (q.v.).

आशुतोष—वि०। तुरत होएनिहार, जल्दी सन्तुष्ट भेनिहार (महादेव)। तु० क० हि०, बं०, अस० **आशुतोष**। महेश० ५० (सुतु **आशुतोष** शिव दाता); मो० १३४-२ (मन्दिर **आशुतोष** शिवलिङ्गसँ विभूषित भै गेल); कट्टू० १२३ (परन्तु महादेव जी **आशुतोष** छथि)। *āsutoṣa*—*Adj.* Who is satisfied soon, Lord Siva.

आशे—आश (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञु० १२३ (अवधि ओर भेल समय वेयापति जीवन रहि गेल **आशे**); गो० शृं० १, अम० १० (हिय धनस.र हार नहि पहिरल जनिक परश रस **आशे**)। *āse*—Poet. of *āsa* (q.v.).

आशेध—विनय पूर्वक माँग करब। [सं०]। वीर प्रसून २। *āsedha*—Respectful demand.

आशोआश—समगतिवला श्वास। [सं० आश्वास]। गो० शृं० १ अम० २८ (से वर नागर कातर अन्तर छाँड़ल तसु **आशोआश**)। *āsoāsa*—Free breathing.

आशंका—आशङ्का (दे०) केर वि० रू०। प्रणु० (एक बेर अज्ञात **आशंका** सँदेह सिहरि उठलि); कट्टू० ४३ (यदि प्रजा विद्रोहक **आशंका** बुझि पड़तैह); रंग ४८ (प्रत्येक क्षण **आशंका** होय जे ल क कतहु खाधिमे नहि खसायब); नव० ४८ (हुनक हृदय एक अपूर्व **आशंकासँ** आक्रन्न भ गेलन्हि)। *āsankā*—*Alt.* spelling of *āsankā* (q.v.).

आशंसा—(१) इच्छा (२) आशा (३) संकेत (४) कथन (५) कल्पना। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, **आशंसा**। मि० ४ (**आशंसाक** संग आर्त घोषणा हुनक कर्ण पर होएत्रे दुर्घट भै रहल अछि)। *āsansā*—Wish, speech, hope etc.

आशंसित—वि०। (१) इच्छित (२) परिकल्पित (३) कथित (४) सोचल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आशंसित**। मि० २३३। *āsansita*—*Adj.* Wished, feared.

आश्चर्य—अचम्भा, विस्मय, अजगुत; ओ मनोविकार जे कोनो नव, असाधारण, अभूतपूर्व वा बहुत पैघ बात बुझबामे नहि आबएवला देखला, सुनलासँ वा ध्यानमे अएला उत्तर उत्पन्न होइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **आश्चर्य**। राम० ६४ (कहि **आश्चर्य** लगाओल अंक); मि० उद्० १५८-२ (सबकेँ **आश्चर्य** होइत छल); मो० ६६-७ (निराकार **आश्चर्य** सुरुप); प्रण० १३६ (किन्तु **आश्चर्य** जे होम पूजा कैलो उत्तर); पारो २४ (हमरा **आश्चर्य** लागै जे ओहन मधुर पीसीक स्वभाव)। *āscarya*—Wonder.

आश्चर्यजनक—वि०। अद्भुत, अजगुत। [सं०] द्विरा० १६६ (बुच्ची दाइ **आश्चर्यजनक** उन्नति क गेलीह)। *āscaryajanaka*—*Adj.* Wonderful.

आश्चर्यान्वित—क्रि० वि०। आश्चर्यसँ अन्वित अर्थात् अत्यधिक विशेष आश्चर्यसँ भरल। [सं०]। मि० ३०१ (समीपस्थ लोक विस्मित (आश्चर्यान्वित) भ गेल)। *āscaryānvita*—*Adv.* Excessively astonished.

आश्चर्यित—वि०। विस्मित; चकित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०; अस०, ने० **आश्चर्यित**। मि० ५३८ (सभ लोक परिजन **आश्चर्यित** भेलाह)। *āscaryita*—*Adj.* To be astonished.

आश्य—माल जाल द्वारा खाएल वस्तुकेँ पाउजि करबाक हेतु मुँहमे आनब वा तकरा हेतु इच्छा। [सं०]। मो० उद्० १५८-२ (बैसाड़ परक पशु जकाँ **आश्य** उठला पर)। *āsya*-Taking out eaten food for rechewing.

आश्रम—(१) ऋषि मुनिक निवास स्थान, कुटी

सन्त कें रहबाक स्थान । (२) समस्त परिवार रहबाक स्थान, गृहस्थी । (३) जाति । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आश्रम । राम० २४ (यहि आश्रमक बहु की नाम); मी० ६७-१२ (एक आश्रममे निर्वाह करताह से नहि); प्रण० ३७ (आश्रम सम्मिलित चैन्ह कौ भिन्न); प्रयु० १०२ (फिरल-फिरल गुरुक आश्रममे आबि); (अपने कोन आश्रम) । *āśrama*—The abode of saints or sages, household, one of the four stages of life, caste.

𑒂𑒬𑓂𑒩𑒧𑒲 **आश्रमी**—वि० । (१) गृहस्थ आश्रम सम्बन्धी, सपत्नीक । (२) आश्रममे रहनिहार । (३) ब्रह्मचर्यादि चारू आश्रममे कोनो एकके धारण करनिहार । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०; ने० आश्रमी । (आधुनिक नवयुवक आश्रमी धर्म पालित नहि करैछ) । *āśramī*—*Adj*. Relating to household, married life.

𑒂𑒬𑓂𑒩𑒨 **आश्रय**—अवलम्ब, सहारा, आधार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आश्रय । वर्ण० (आश्रय देखु काल्हि); मी० ६७-२६ (साधक आश्रय सम्प्रति भेल अछि); मै० हि० सा० ६ (आश्रय नहि भेटैक); मि० उद्० १५७-७ पाश्चात्य विचार आश्रय पर); पुरू० १४० (रस आश्रय थिक नाच); कहु० ३ (राजकोष आश्रय प्राप्त नहि छैन्हि); नव० २१ (हुनू एक दोसराक आश्रय छल) । *āśraya*—On which anything depends or rests.

𑒂𑒬𑓂𑒩𑒨𑒝 **आश्रयण**—सहारा वा आधार लेबाक कार्य । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० अ० आश्रयण । नी० ६८-१ (एक स्थानक आश्रयण करथु); पु० ३४ (जीविकाक आश्रयण करै छी) । *āśrayaṇa*—Having recourse to, relating.

𑒂𑒬𑓂𑒩𑒨𑒰𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒝𑒲 **आश्रयापेक्षणी**—वि० । आश्रय वा सहाराकेर अपेक्षा वा चाहनिहार (स्त्री) । [सं० आश्रयापेक्षणी] । किरा० ३ (नारी लताक समान अबला तथा आश्रयापेक्षणी होइ छथि) । *āśrayāpekṣaṇī*—*Adj*. Fem. Who needs to depend on somebody.

𑒂𑒬𑓂𑒩𑒫𑒰𑒒𑓂𑒩𑒰 **आश्रवाघ्रा**—मुरजक ध्वनि विशेष । [सं० आश्रवण] । वर्ण० ४१ (मद्धके भने आश्रवाघ्रा) । *āśravāghrā*—The sounds of a drum.

𑒂𑒬𑓂𑒩𑒱𑒞 **आश्रित**—वि० । दोसराक सहारा पर, सेवक, दास, दोसराक भरोसपर रहनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० अव० आश्रित । वर्ण० ५ (जें आश्रित केरा पालल), राम० २३६ (वानर सब आश्रित हुए भाला); चन्द्र० ६६ (सब लोकक आश्रित सम्हल); किरा० ६ (जे सर्वदाले पुरुष पर आश्रित रहैत आहलि छथि) । *āśrita*—*Adj*. Dependant.

𑒂𑒬𑓂𑒪𑒹𑒭 **आश्लेष**—(१) आलिंगन (२) थोड़ परिचय । [सं०] । तु० क० हि० आश्लेष । गणेश खण्ड २१; धातु पाठ ६० । *āśleṣa*—Slight, contact, embrace.

𑒂𑒬𑓂𑒫𑒮𑓂𑒞 **आश्वस्त**—निर्भय, मनमे सन्तुष्टि । [सं०] । रंग १४१ (ई विचारि क की किछु आश्वस्त भेल) । *āśvasta*—Some satisfaction, fearless.

𑒂𑒬𑓂𑒫𑒰𑒠𑒢 **आश्वादन**—स्वादि-स्वादि कए स्वाद लेबक । [सं०] । प्रयु० ८ (पुत्रक आश्वादन करए लगलाह) *āśvādana*—To taste.

𑒂𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮 **आश्वास**—(१) सान्त्वना, आशा प्रदान (२) पूर्ण रूपेण श्वास लेब । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आश्वास । वर्ण० ६ (आदरयु आश्वास); राम० ८६ लिखि मिलि देल बहुत आश्वास) । *āśvāsa*—Conrolation.

𑒂𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮𑒢 **आश्वासन**—सान्त्वना, आशा प्रदान, धैर्य । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० अव० आश्वासन । मी० ३२ (अहि निराशा देव आश्वासन पैसब नहि सकलाह); प्रयु० ७ (पाहुन आश्वासन देबए लगलाह); कन्या० २४ (आश्वासन देबय लगलथिन्ह); न० ३३ आशा ओ आश्वासन केर संकट हरथ मन्त्र) । *āśvāsana*—Consolation.

𑒂𑒬𑓂𑒫𑒱𑒢 **आश्विन**—ओ मास जकर पूर्णिमा अश्विनी नक्षत्र मे पड़ैक, आसिन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अव० आश्विन । राम० २६८ (आश्विन शिशि सम्यास); मि० उद्० १५७-२ (आश्विनक पूर्णिमाक प्रत्येक अवसर पर); मी० १७१-४ (आश्विन अहि पहुआएल अछ कै प्रकाशित भेला पर कार्तिकहुँ तथा समस्त पूर्णिमाक प्रातः कालसँ प्रकाशित होयत) । *āśvina*—Name of a month, *āsina*.

𑒂𑒭𑒰𑒜𑓃 **आषाढ़**—ओ चान्द्रमास जकर पूर्णिमाकएँ पूर्वाषाढ़ नक्षत्र हो, मैथिलक हिसाबें चारिम मास । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु० ने०, अव० आषाढ़ । वर्ण० १३ (आषाढ़क कृष्णीक काजल बीर); गो० सं० १-५२ (अन्तर आयब आषाढ़ । विरही बेदन थाइ); चित्रा ६१ (आइ थिक आषाढ़ बदि पष्टि) । *āṣārha*—Name of a month.

𑒂𑒭𑒰𑒜𑓃𑒠𑒝𑓂𑒛 **आषाढ़दण्ड**—सन्यासीक दण्ड । [सं०] वर्ण० ४३ (आषाढ़दण्ड कृष्णाजिन, कमण्डलु) । *āṣārhadaṇḍa*—The staff of a *sannyāsī*.

𑒂𑒭𑒰𑒜𑓃𑒲 **आषाढ़ी**—आषाढ़ मासक पूर्णिमा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, आषाढ़ी । आनक० ५९ (आषाढ़ी पूर्णिमा सँग स्वादक अनुभव साधुरहिमे पाँच सात दिनक बनल जाय) । *āṣārhī*—Full moon night of *āṣārha* (q.v.).

𑒂𑒭𑒱 **आषि**—आँखि (दे०) केर प्रा० तु० रू० । वर्ण० ५ (अमरक बरहल अस्सन आषि); वि० गो० २३४ (मलेहु देखल आषि आषिक लाज) । *āṣi*—*Old*. Obs. of *ākhi*. (q.v.).

𑒂𑒮 **आस**—आशा (दे०) केर प्रा० रू० । का० २१३ (पूर आहि रहजित हास); मा० का० २१६ (पुरय मनोरथ मन सबहुक आस); FMI. 90, 310, 96; 189, BPL 1080, 1091, नन्दी० 914, 9 AL 66, गोरख विजय ३ (ख) (मनह विद्यापति

दुरे-दुरे आस); वि० पदा० मजु० १३, न० गु० (हर) ३८, अ० ६४५ (उपोसि होयत परतरक आस); मन० (६३ कवि मन कृष्ण पुराबथु आस); राम० १०५ (तनिकों दास एक मन आस); कन्या ११ (हिनके परत आस) मो० ६७–७ (दै आस,; (आउ वाउ जे बहे बसात, त करिह बरखाकेर आस) । *āsa*—Poet. of *āsā* (q.v.).

आसकति—अशक्त, आलस्य (दी०) । [सं० आलस्य] । (आसकतिक लेखे गंगा बड़ी दूर) = आलस्यसँ सब किछु कठिन बुझि पड़ैछ । *āsakati*—Laziness.

आसकती—वि० । आलस्य करनिहार । [सं० आलस्य] । प्रवास जीवन ३० । *āsakatī*—*Adj.* Lazy.

आसकूर—दूर, असमीप (दी०) । [अ + सुकर] । *āsakūra*—Far, not near.

आसक्त—वि० । अनुरक्त, लीन, व्यस्त, लिप्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आसक्त । प्रण० १७७ (विषयमे आसक्त नहि होथि) । *āsakta*—*Adj.* Devoted, attached.

आसक्ति—लगन, चाह, लिप्तता, अनुरक्ति । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आसक्ति । *āsakti*—Devotionattachment, bsfatuation.

आसङ्ग—संग, अनुरक्ति, लिप्तता, सम्बन्ध । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० आसङ्ग; प्राकृ० आसंग; म० आसंगो । पुरु० २६१ (एक आसंग ओ ईसर आधीन) । *āsaṅga* Attachment, devotion.

आसति—आसक्ति (दे०) केर का० रू० । वि० वि० ने० ११ (जैसनि सम्पति तैसन आसति) । *āsati*—*Poet.* of *āsakti* (q.v.).

आसते—आस्ते (दे०) केर अशु० रू० । FML 551 । *āsate*—Err. of *āste* (q.v.).

आसन—बैसबाक वस्तु, जाहि पर बैसल जाए, योगीसभक बैसबाक विभिन्न ८४ आसन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० पा० आसन; राज० प्राकृ० आसण । वर्ण० १२ (आसन आसनओट); गोरच विजय ५ (ख) (आसन के अवकासह ठाम); वि० ने० ५८ (चरण पखालन (कए) आसन दान); राम २८४ (दृढ़ आसन से अनत न ताक); मो० १००–४ (आसन देबाके अभिलाषा केने छलाह); मै० हि० सा० १७ (आसन बैसि अनामय कहिय उदार); महेश० २७ (जगदाधर के आसन दैह); गौरी परिणय ४ (आसन गोरि मृग छाल बनाओल); प्रण० ७ (आसन पानि धरबा लेलिन्ह); पारो ६५ (इय अचल मेल आसन पर बैसल रही) । *āsana*–Seat, sitting, yogic exercise or devotional posture.

आसनउधि—लु० रू० । प्राचीन समयमे राजाक सन्निकट सभामे रहनिहार अधिकारीक नाम । [सं० आसनारूढ़] । वर्ण० ६ (आसनउधि अङ्गिमानी) । *āsanaudhi*—*Obs.* Name of a ramk in the court.

आसनओट—लु० रू० । आसन पर बैसबाक समय ओङठबाक हेतु देल गेल वस्तु [आसन + ओङठव > ओट] । तु० क० मसनद । वर्ण० १२ (आसन आसनओट) । *āsanaota*—*Obs.* Back support or cushion.

आसनासीन—वि० । आसनपर आसीन वा बैसल । [आसन + आसीन] । मि० मित्र २२ (जे देश अथवा जाति कहियो उन्नतिक आसनासीन छल से आइ अवनतिक गर्तमे धसल जाइछ) । *āsanāsīna*—*Adj.* Euthroned.

आसनी—छोट आसन, बैसबाक आसनसँ छोट । [आसन + ई] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० उर्दू आसनी, आसनि; BPL 773; नव० २६ (कंबलक आसनी पर बैसल रहथि) । *āsanī*—A small mat for sitting.

आसन्न—वि० । (१) मृत्युकाल, (२) लग, प्राप्त (३) जकर समय लग आबि गेल छैक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, पा० आसन्न; प्राकृ० असण्ण; सि० अस ही । श्री श्याम ६४ । *āsanna*—*Adj.* Near, approximate.

आसन्नभूत—भूतकालक एक भेद । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आसन्नभूत । *āsannabhūta*—Present continuous tense.

आसपास—क्रि० वि० । अगल-बगल, एमहर ओमहर, लगमे । [पदव्यत्यय, शब्दानुकरण आस + सं० पार्श्व > पास] तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव०, राज आस-पास । (आसपासमे कियो नहि रहए जे ककरो कहितिऐक) । *āsapāsa*—*Adv.* Near.

आसमर्द—जोरसँ हल्ला होएब, सर्वत्र हल्ले, [आ + फा० गर्द] । चि० १८ (ढोल मरिमे भ गेल आसमर्द); पारो १३ (ओ आसमर्द कैलथिन्ह) । *āsamardu*–Clamour, din.

आसमान—आकाश, गगन, व्योम । [फा०] । तु० क० हि० आसमान; राज० आसमाण आसमान; उर्दू आस्मान । (आसमान टूटब) = आकस्मिक विपत्ति पड़ब; (आसमान पर चढ़ब) = घमण्ड करब । *āsamāna*—Sky.

आसमानी—वि० । (१) आसमान (दे०) क रंगक सदृश, हल्लुक नील रंग (२) दैवी, ईश्वरीय । [फा०] । तु० क० हि०, उर्दू आसमानी; राज० आसमाणी । (आसमानी रंगक ब्लाउज त आओर आइकालिहक फैसन भ गेल अछि) । *āsamānī*—*Adj.* Azure.

आसमुद्र—क्रि० वि० । समुद्र तक, समुद्र पर्यन्त । [सं०] । तु० क० हि०, राज० आसमुद्र । पुरु० २६ (आसमुद्र पृथ्वीक शासन करयित छलाह); उदयन कथा ६८ । *āsamudra*—*Adj.* Up to the sea shore.

𑒂𑒮𑒩 आसर—सीमा, अन्त, छोर। [सं० प्रसार शब्दानुकरण] । तु० क० हि०, राज०, बं० आसर। मि० ई० ४२६ (राजभवनक आसर प्रसार बढ़ैबाक हेतु एक मीलक)। *āsara*—Expanse.

𑒂𑒮𑒩𑒧 आसरम—आश्रम (दे०) केर ग्रा० रू०। [शब्द कोष दी०; FML 634]। तु० क० हि०, राज० आसरम। *āsarama*—Folk form of *āśrama* (q.v.).

𑒂𑒮𑒩𑒰 आसरा—अवलम्ब, सहारा, आधार, आश्रय। [सं० आश्रय]। तु० क० ने०, हि०, आसरा; आश्रय; तु० गु० आसरो; प्राकृ० आउरअ। नव० १०५ (तौरे आसरा अछि आब); चन्द्रप्रभा ११। *āsarā*—Retreat, hope.

𑒂𑒮𑒫 आसव—मात्र अथवा बुटी सभ पकसँ बनाओल। मैल मद्य वा औषधि; अर्क, उतारेन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, राज०, अव०, प्राकृ० आसव। रंग १५३ (आसव पिआ दौड़ करै अधिक); विद० १३६ (अंगुरमे जे आसव बनि आबत अछि); शत० ८ (जौं आलस्यश आसव सेवी); कोबर गीत २४। *āsava*—Juice of fruit, wine, intoxicant drug.

𑒂𑒮𑒫𑒧𑒰𑒞𑒰 आसवमाता—ग्रा० रू०। मदसँ मतल। [आसव+मत्त>माता]। चन्दा० ६/१२ (कान्हु किसव आसवमाता)। *āsavamātā*—Intoxicated with wine.

𑒂𑒮𑒯𑒱 आसहि—अ न (दे०) केर नि० रू०। वि० पदा० मजु० १०७, तालपत्र नं० गु० ०२, अ० ८०३ (आज धरिये हम आसहि भइलिहु)। *āsahi*—*Emph* of *āsa* (q.v.).

𑒂𑒮𑒰 आसा—आशा (दे०) केर ग्रा० रू०। वीरेश्वर विलव २ (६) (भनइ विद्यापति पुरवधु आसा); वि० पदा० मजु० २४, नं० गु० तालपत्र ५२, नेपाल ७६, रामभद्र ३४८, अ० ७६ (आसा पुरखल न देवत है); BPL 1193; FML 103; चन्दा० ४५/२। *āsā*—*Coll.* of *āśā* (q.v.).

𑒂𑒮𑒰𑒠𑒰𑒩 आसादार—आशा पुरावनिहार: मि० १ ९० ५५। *āsadāra*—One who fulfils hopes P.F.

𑒂𑒮𑒰𑒠𑒱 आसादि—पू० क०। संग्रह करबे। [सं० आसाद्य] । वर्ण ६५ (वे द्रव्य से आसादि लइभइ)। *āsādi*—Having obtained.

𑒂𑒮𑒰𑒢 आसान—वि०। सहज, सरल, सौन, मामूली। [फा०] तु० क० उर्दू, हि०, बं०, अस० आसान; राज० आसोन आसान। (आसान कार्य त सभ करि लैत अछि मुदा कठिन कार्यसँ डेराइत अछि)। *āsāna*—*Adj.* Easy.

𑒂𑒮𑒰𑒢𑒲 आसानी—सरलता, सुगमता, सुभीता। [आसान+ई]। तु० क० हि०, उर्दू, बं०, आसानी; राज० आसानी, आसानी। *āsānī*—Ease, convenience.

𑒂𑒮𑒰𑒧 आसाम—भारतक एक राज्य वा प्रान्त, जे बंगालक पूरबमे अछि तथा पहिने कामरूप कहल जाइत छलैक। [दे०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० रा० आसाम। (आसाम केँ सम्प्रति असम कहल जाइत छैक)। *āsāma*—Name of State in India.

𑒂𑒮𑒰𑒧𑒲 आसामी—(१) आसाम प्रान्तक वासी। (२) कास्तकार। (३) धनवान वा प्रतिष्ठित व्यक्ति। (४) आसामक भाषा। (५) देनदार। [आसाम+ई]। तु० क० हि०, बं० अस० ने०, (अनमिआ शुद्ध नाम बढ़िक आयाक)। (५) देनदार मोकीर, ग्राहक आश्रित। तु० क० राज० आसामी। *āsāmī*—Assamese language, rich gentleman, inhabitant of Assam, client.

𑒂𑒮𑒰𑒨𑒿 आसायँ—प्रा० रू०। आशासँ, आशाक हेतु। [आसा+एँ=यँ]। वि० पदा० मजु० ३६, नं० गु० १०४, तालपत्र नेपाल १८, अ० ११६ (आसायँ मन्दिर निशि गमाओल)। *āsāyã*—*Obs.* Towards hope.

𑒂𑒮𑒰𑒩 आसार—धारा, सम्पत्ति, मूसलाधार वृष्टि, आक्रमण, शत्रुक सेनाकेँ घेरबाक कला। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आसार। वि० पदा० मजु० १०, नं० गु० (नाना) अ० १००८ (किसम आर ११मा); अम० १६० (धारा सम्पत्ति आसार)। *āsāra*—Thick rain, an art to defeat the enemy.

𑒂𑒮𑒰𑒩-𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒩 आसार-प्रसार—शक्ति, महत्व, शक्ति। [आसार+सं०प्रसार] तु० क० असार-पसार हि०) शब्दानुकरण। मि० ३१६ ई (ओकर आसार-प्रसार की आय किनु बुझलैछि)। *āsāra-prasāra*—Energy extent.

𑒂𑒮𑒰𑒫𑒩𑒱(𑒩𑒲) आसावरि(री)—रागक भेद। [सं०]। तु० क० हि० आसावरी। मि० वि० ५ (आसावरी प्र); गी० ग्रा० २१६ (आसावरी "प्र")। *āsāvari(ī)*—Name of a *Raga* (q.v.).

𑒂𑒮𑒱𑒐 आसिख—आशिष (दे०) केर ग्रा० रू०। मन० कृष्ण० २३ (आसिख दय करि हृदय लगाओल)। *āsikha*—*Coll.* of *āśiṣa* (q.v.).

𑒂𑒮𑒱𑒢 आसिन—आश्विन (दे०) केर विकृ० रू०। वि० पदा० मजु० १२१, मिथिला न० गु० ७२६, अ० ७२ (आसिन मास चल चित); मिथि० ७९ (आसिन मासक राति इजोरिया); (आसिन मास जे यदि हथिया, पटबा नारि के बड़ि पानि)। *āsina*—*Alt.* of *āśvina* (q.v.).

𑒂𑒮𑒱𑒩𑒫𑒰𑒠 आसिरवाद—आशिर्वाद (दे०) केर ग्रा० रू०। (दी०)। *āsirvāda*—*Coll.* of *āśirvāda* (q.v.)

𑒂𑒮𑒱𑒭(𑒮) आसिष(स)—आशिष (दे०) केर विकृ० रू०। मि० ने० २२६ (अम्बर लेप सेप कर आशिष) वि० पदा० मजु० २५३ (अला जन मी आसिस सेधु)। *āsiṣa(sa)*—*Alt.* of

āsiṣa (q. v.).

আসীন **आसीन**—वि० । बैसल, विराजमान । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आसीन । राम० १०२ (महासन आसन आसीन); महेश० ५० (विषयमे मन आसीन); हिरा० ४५ (श्वेत शिलाखण्ड पर आसीन भय) । *āsīna—Adj.* Seated.

আসু **आसु**—आँसु (दे०) केर विक० रू० । चन्द्र० ३२६ (धनुहा आसुक चूड़ा खाय); चि० ६२ (धान गम्हड़ी आसु मड़ुआ) । *āsu—Alt.* of *ā̃su* (q.v)).

আঁসু **आँसु**—एक प्रकारक धान । ई भादवने होइछ । [सं० आशु] । तु० क० पा० आसु; अस० आहु । व्य० वि० ११४ (ओहने वनल आँसु गम्हड़ी) । *ā̃su*— A kind of paddy.

আসুর **आसुर**—वि० । राक्षसी (भाव, सम्बन्ध); असुर सम्बन्धी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, राज० आसुर । वि० ने० ६० (आसुर करमे सफल मेल काज); अग्रदूत ३४ । *āsura—Adj.* Demonic.

আসুরী **आसुरी**—वि० । स्त्री० । राक्षस सम्बन्धी, राक्षसी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आसुरी । मि० मित्र १३२-३३ (त्रेतायुगमे जखन रावण अपन आसुरी वलक प्रभावसँ मदोन्मत्त भै समस्त ब्रह्माण्ड पर नाना प्रकारक अकथनीय अत्याचार करय लागल) . *āsurī—Adj. Fem.* Relating to a demon.

আসে **आसे**—आस (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ७८, तालपत्र न० गु० २४२, अ० २४२ (ओतए अछए पिया आसे) । *āse—Pot* of *āsa* (q. v.).

আসেধ **आसेध**—आज्ञा । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अस०, अव०, ने०, राज० आसेध । मि० १४६ (राजपद महण करवाक हृद आसेध कयल गेलैन्हि); एकावली परिणय ४० । *āsedha*—Order.

আসেধেঁ **आसेधेँ**—आज्ञासँ । [आसेध+एँ] । मि० २४७ (हुनक आसेधेँ ओतय जाय वसवाक विचार कै) । *āsedhẽ*—By order.

আসের **आसेर**—आधा सेर, एक सेरक आधा । [सं० अर्द्ध+देशी-सेटक>सेर] । FML 144,378. *āsera*-Half sceer.

আস্তিক **आस्तिक**—वि० । (१). ईश्वर; वेद, परलोक आदि पर विश्वास करयवला । (२) ईश्वरक अस्तित्व के माननिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, अव०, ने० आस्तिक । मो० २७४-५२ (आस्तिक हिन्दू जातिक विश्वास अछि); खट्ट० ८६ (के आस्तिक के नास्तिक एकर मीमांसा केनिहार के अछि) । *āstika—Adj.* One who beliwes in the existence f Goop.

আস্তিকতা **आस्तिकता**—वेद, ईश्वर, परलोक पर विश्वास । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०; अव०, ने०, राज० आस्तिकता । (आस्तिकता परिपोषक हिन्दू समाजमे विशेषरूपेँ पाओल जाइछ) । *āstikatā*—Belief in the existence of God.

আস্তীক **आस्तीक**—तक्षक साधक प्राण वचओनिहार एक ऋषि । [सं०] । तु० क० हि०, राज०, बं०, अस०, ने० आस्तीक । (सुतबाक समय साप नहि काटय तएँ लोक आस्तीक आस्तीक कहि सुतैत अछि) । *āstīka*—Name of ṛsi who saved the snake Takṣaka.

আস্তীন **आस्तीन**—बहुँआ, पहिरबाक कपड़ाक ओभाग जाहिसँ बाँहि झाँपल जाइछ । [फा०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आस्तीन । (आस्तीन केर साप) = ओ व्यक्ति जे मित्र रहितो शत्रुता करए; (आस्तीन मे साप पोसब) = शत्रु वा अशुभचिन्तक केँ अपना संग राखि ओकर पोषण करब । *āstīna*—Sleeve.

আস্তে **आस्ते**—अव्य । कनिनेँ जोर सँ, धीरे । [अर० आहिस्तह] । तु० क० हि० आहिस्ता, आस्ते; अस० अस्ते । FML 575; कुमार ससरफानी २२ । *āste—Ind.* Slowly.

আস্থা **आस्था**—(१) श्रद्धा, भक्ति, (२) विभव, हालत, धन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० आस्था; प्राकृ० आत्था; आंट्ठा; प० आथड़ी । मो० ६७-१० (अपन अपन आस्था नहि देखब); रंग ६८ (हमरा भगवान मे विशेष आस्था नहि); नव० २ (अइ सभ दिश लोकके आस्था रहलइक नहि) । *āsthā*—Devotion, condition, wealth.

আস্থান **आस्थान**—दरबार बैसबाक स्थान, सभास्थल, बैठका । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० आस्थान पा० अत्थान; प्राकृ० अत्थाण; अथो । वर्ण० ६ (आस्थान मण्डप देखु); वर्ण ४६ (आस्थानक भीतर भउअह), अम० १६० (आस्थानी आस्थान) । *āsthāna*—Place for sitting, assembly hall.

আস্থাবান **आस्थावान**—वि० । भक्त वा श्रद्धा रखनिहार । [सं०] । नव० ६८ (प्राचीन परम्पराक प्रति आस्थावान रहितहुँ) । *āsthāvāna—Adj.* Devoted.

আস্থাবালী **आस्थावाली**—वि० । भक्ति वा श्रद्धावाली (स्त्री), धनाढ्य स्त्री । [आस्था+वाली] । लाठा लाठी (?) १०७ । *āsthāvālī—Adj.* Devoted lady, wealthy woman.

আস্ফালন **आस्फालन**—छरपटाएब । [सं०] । तु० क० हि० आस्फालन । मेघ० १०६ (निष्कापन आस्फालन कओ जनि शूल) । *āsphālana*—Stir.

আস্ফালি **आस्फालि**—आस्फालन (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मेघ० ३३ । *āsphāli—Part* of *āsphālana* (q. v.).

আস্ফোট **आस्फोट**—वि० । ताल ठोकनिहार, ताली वजओनिहार । [सं०] । *āsphoṭa—Adj.* A blabber.

𑒂𑒮𑓂𑒨 **आस्य**—मुँह, मुखमण्डल, चेहरा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, अव०, राज०, आस्य। अम० १४४ (यक आस्य वदन तुण्ड)। *āsya*—Face.

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒞 **आस्वस्त**—आश्वस्त (दे०) केर विक० रू०। प्रश्न० १६८ (पंडितजी आस्वस्त भय पुनः पूजापर बैसलाह)। *āsvasta*—*Alt.* of *āśvasta* (q.v.)

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒟𑓂𑒨 **आस्वस्थ्य**—अस्वस्थ, दुःखित, रोगी। [सं०]। मि० २५० (हे अपन आस्वस्थ्य आदिक व्याजेँ श्रीराय आयब अस्वीकार कैल)। *āsvasthya*—Sickness.

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒰𑒠𑒢 **आस्वादन**—रस लेब, स्वाद बुझब, मजा लेब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, आस्वादन। मि० मिश्र ४३१ (अधर सुधा रस आस्वादन बिन कैल तुअक अभिलाषा); पुरु० २०० (कर्पूर तमकक आस्वादन करथि)। *āsvādana*—The act of tasting.

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒰𑒠𑒱𑒞 **आस्वादित**—वि०। स्वादल, रसक आस्वादन कयल गेल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, अव० आस्वादित। (आस्वादित वस्तुक अपेक्षा दोसर वस्तु आनू)। *āsvādita*—*Adj.* Tasted.

𑒂𑒯[1] **आह**[1]—कष्ट, दुःख, पीड़ा, वेदना। [सं० आः]। FML 570। तु० क० आह आलम। राम० ६६ (आह आह की कय निदान)। *āha*[1]—Suffering.

𑒂𑒯[2] **आह**[2]—आछ (दे०) केर आद० रू०, भावह केर काo रू०। मि० नेo ७२ (काल के कारणे आयु न आह)। *āha*[2]—Imp. of *ācha* (q. v.), P. F. of *ābaha*.

-𑒂𑒯[3]-**आह**[3]—प्रत्यय। (१) अल् अर्थमे गुणवाचक नाममेँ आह प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ३६ मधुरसँ मधुराह आमतसँ आमताह। (२) युक्त अर्थमे सेहो आह प्रत्यय अबैछ। यथा ल० वि० ३५ तामस सँ युक्त तमसाह; पानि सँ युक्त पनिआह। तेलसँ युक्त तेलाह; खुद्दीसँ युक्त खुद्दिआह। (३) प्रभेद अर्थमे आह प्रत्यय अबैछ। यथा ल० वि० ४३ मासँ युक्त मसाह। (४) तुल्य व्यवहार करनिहारक अर्थमे। यथा ल० वि० ५३ बाभनसं बभनाह रावसँ रवाह। (५) आहा प्रत्यय के पुलिंगमे आह प्रत्यय होइछ। यथा ल० वि० १२४ (हबौ, तौँ के बिकाह); (६) तत्कील कर्त्तामे ओ क्रियामे अभ्यास एवं कौशल प्राप्त करनिहार कर्त्तामे आह अबैछ। यथा ल० वि० १२५ अगुलाह दुगलाह; बिसराह। *āha*[3]—A suffix.

𑒂𑒯 𑒂𑒯 **आह आह**—कोनो जानवर लावलुकेँ सोर करबाक स्वर वा आवाज। [अनु०]। मिहिर ७ (२-६१-५३)। *āha āha*—Calling word for a pet animal or creature.

𑒂𑒯𑒙(𑒙𑒱) **आहट(टि)**—अएबाक संकेत वा पदध्वनि [आ + हट प्रत्यय]। तु० क० हि० आहट। राम० ६७ (पद आहट से सुनि चललाह); मि० २६४ (पयरक आहटि सिपाहीक कर्णगोचर होइतहि)। *āhaṭa(ṭi)*—Sound of coming.

𑒂𑒯𑒞 **आहत**—वि०। जाहि पर आघात मेल होयक घायल [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, अव० राज० आहत। आमक० १३ (गुलाहमाक आहत शरीर)। *āhata*—*Adj*—Wounded.

𑒂𑒯𑒩[1] **आहर**[1]—आहरा (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १५२ (दिन आहर आहर सुत (नन्दन) न पुन आरम्भ कामा)। *āhara*[1]—Poet. of *āharā* (q. v.).

𑒂𑒯𑒩[2] **आहर**[2]—खेत लगक जलाशय (डी०); ओ खाधि जाहिसँ जल प्रहार कय पटाओल जाइ। [सं० आ+सं० हर]। तु० क० आहर पइनि, हि० आहर। *āhara*[2]—A tank, ditch or nullah situated near the field.

𑒂𑒯𑒩𑒝 **आहरण**—एक वस्तुकेँ दोसर स्थानपर लए जायब, स्थानान्तरण, हरि लेब, छीनि लेब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, नेo, अव०, असo, राज० आहरण। वर्ण० ३ (से पान आहरण); तुल०। *āharaṇa*—The act of snatching or transferring.

𑒂𑒯𑒩𑒰 **आहरा**—आहार (दे०) केर वा० रू०। (कियै कुनमुनी बौआमे अपन बच्चा सबके आहरा दैत प्रमुदित मुद्रा रहल अछि)। *āharā*—*Coll.* of *āhāra* (q.v.).

𑒂𑒯𑒪 **आहल**—परिमाण विशेष (डी०)। [सं०]। *āhala*—A measure.

𑒂𑒯𑒫 **आहव**—(१) रण, युद्ध, लड़ाइ (२) आह्वान (३) यज्ञ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, राज०, अव० आहव। कीर्तिलता ६७ (तह आहव भारद सन्तु केर लागाहुर जुज्झइ करु भरि); की० प० ८ (तलिहुँ केलका चलमे आहव मथुरा पुरि दसवन्न्)। वि० पदा० मजु० १५६ (पं० रामनाथ झा)। *āhava*—Battle, challenge.

𑒂𑒯𑒫𑒰𑒢𑒺 **आहवाने**—आह्वान (दे०) केर प्रा० तु० रू०। वर्ण० ३२ (आहव नै, कावने नचने)। *āhavāne*—*Old*, Obs. of *āhvāna* (q.v.).

-𑒂𑒯𑒰[1]-**आहा**[1]—प्रत्यय। उत्पन्न भेनिहार एवं रहनिहार दूनू भाव कहबैत अछि। भाव अर्थमे आहा प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ३८ दखिनसँ दखिनाहा। -*āhā*[1]—A Suffix.

𑒂𑒯𑒰[2] **आहा**[2]—अव्य०। खेद वा प्रशंसासूचक शब्द। वि० पदा० मजु० ११०, नेपाल १४७, न० गु० तालपत्र ६२७, न० ६३३ (तइय कुलिश समरि कहता कर, आहा दइ आइ की भेल)। *āhā*[2]—*Ind.* An interjectional expression.

𑒂𑒯𑒰𑒩 **आहार**—(१) भोजन, खएबाक वस्तु। (२) भोजन करब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, राज०, नेo, अव०, न० गु० आहार। राम० ७५ (कन्द मूल फल सब आहार); चन्द्र० ४० (नित दिन दिय आहार); मो० ६६-१ (आहार निन्द, भय, मैथुन देह, खान, पक्षी, मनुष्य के जगमे समान); पुरु० ३६ (समदिन आहार

आनि देल करथि)। *āhāra*—Food, the act of taking food.

আহাৰ বিহাৰ **आहार विहार**—खाएब पीअब तथा सुतबाक व्यवहार। [सं०]। तु० क० हि०, अस०, बं०, **आहार विहार**। *āhāra vihāra*—System of eating, drinking, and sleeping.

আহাৰা **आहारा**—आहर (दे०) केर बा० रू०। [आहार+आ]। चर्या २१/१। *āhārā*—*Coll*, of *āhāra* (q.v.).

আহি **आहि**—आश्चर्य एवं खेद सूचक शब्द। वि० पदा० मजु० ५४२ (मार मनोज परम सर अहि); गो० श्व० १; अम० ३३ (सुनि धनि राइ आहि कहि उठलि योगि निअर नहि जाव); कन्या० ५८ (आहि! की कहू?); चित्रा १३ (आहि रे कनियाँ आहि रे अहिबात); शत० ४ (आनन मे मेहदी आहि)। *āhi*—Word indicating suffering.

আহি-আলম **आहि-आलम**—ताल-तलवा जानिओ कें ताल करब वा छिड़िआएब वा कष्टक प्रकाश करब। (आहि+फा० आलम अथवा सं० आलम]। मिहिर १८ (२-६१-७३)। *āhi-ālama*—Deliberate, show of pain.

আহি ৰে (বা) **आहि रे (वा)**—अव्यय। खेद व्यंजक शब्द (दी०)। [आहि+रे+बाप]। *āhi re (bā)*—Ind. An expression of pain.

আহিস্তে **आहिस्ते**—आस्ते (दे०) केर हिन्दी रू०। मिहिर ३३-६-१० (सूत कटनाइ आहिस्ते आहिस्ते गुम्म सुम्म कै का पड़ैछ)। *āhiste*—Original form of *āste* (q.v.).

-আহী **-आही**—प्रत्यय। उत्पन्न मेनिहार ओ रहनिहार भाव कहवैत अछि। भव अर्थमे आही प्रत्यय अवैछ। यथा ल० वि० दछिन सँ दछिनाही (मनुष्य)। मि० मा० वि० ६१। -*āhī*—A Suffix.

আহু **-आहु**- प्रत्यय। (१) युक्त अर्थमे-आहु प्रत्यय लगैछ यथा ल० वि० ४६ बएस ओ झगड़ा सँ अधिक वएससँ युक्त वएसाहु; अधिक काल झगड़ासँ झगड़ाहु। (२) कर्त्तामे उसर आदि धातुसँ आहु प्रत्यय लगैछ। यथा ल० वि० १३५ उसर सँ उसराहु=अधिक उसर रहनिहार; उपजसँ उपजाहु=अधिक उपजनिहार। -*āhu*-Saffix.

-আহুত[1]-**आहुत[1]**—प्रत्यय। स्वार्थिक से कहवैत अछि जे प्रकृतिक अर्थसँ कोनो विशेष अर्थकें नहि बुझबैत अछि अथवा प्रकृतिक अर्थमे उत्कर्ष वा अपकर्ष, गुरुत्व वा लघुत्व बुझबैत अछि। स्वार्थिक प्रत्यय आहुत रहलाक कारणेँ निम्नलिखित शब्दमे व्यवहृत होइछ। यथा ल० वि० ३६, पूब, दक्षिन, पश्चिम, उत्तरसँ पुबाहुत; दक्षिनाहुत; पछिमाहुत; उत्तराहुत। (पुबाहुत भए वैस)। -*āhuta*[1]—A Suffix.

আহুত **आहुत[2]**—वि०। हवन कयल गेल, हुत। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आहुत। FML 207; अम० १६४। *āhuta*—*Adj*. Given as oblation.

আহুতি **आहुति**—होम, हवन, मन्त्र पढ़ि पढ़ि फल पान पुष्प जल देवताक निमित्त अग्निकुण्डमे अर्पण करब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आहुति। वि० पदा० मजु० ३२३ (आवि आहुति कए देलि); वि० वि० ३२ (तीखब हुतगए आहुति दय); FML 631; चन्द्र० ३११ (तनक कान्ति कत आहुति देल); मि० उद्० १५८-१८ (आहुति पड़ैत अछि); प्रण० ८ (घृतक आहुति सँ और बढ़ भए); द्विरा० १८ (अपना कै आहुति करैत-करैत मरि जाथि); शत० ४ (दै रहला आहुति महाकाल)। *āhuti*—Oblation.

আহুত **आहूत**—वि०। बजाओल, निमंत्रित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आहूत। मो० १७४ (काश्मीर नरेशक अनुकम्पासँ आहूत भै। *āhūta*—*Adj*. Called, invited.

আহে **आहे**—(१) सम्बोधन सूचक शब्द, (२) छन्द पुरबाक हेतु शब्द। [सं० अयि]। वि० वि० ६ (आहे उगरिणि कुच तुर परसय देह); वि० पदा० मजु० नेपाल ३४, न० गु० (परकीया) १५, अ० १०२६ (आहे यौवन कतय चल गेल); गौरी परिणय (आहे सखि बढ़ल शिवक सिनेह)। *āhe*—A word used as filler or as interjection.

আহে-মাহে **आहे-माहे**—नाना तरहक प्रसिद्ध अण्ट सण्ट गप्प उचिति-मिनती। [आहे+शब्दानुकरण अथवा सं० शब्दानुकरण]। चानो दाइ २६। *āhe-māhe*. (Non-sensical) prolixity as courtsey.

আহ্নিক **आह्निक**—वि०। दैनिक कार्य क्रम, दिन भरिक पूजा-पाठक क्रम। [सं०]। मि० ४२१ (हुनक आह्निक यथावत परियासित होइत देखि); वि० पदा० १८ (आह्निक क्रिया सविध); प्रण० ११ (आह्निक प्रारम्भ कैलन्हि)। *āhnika*-*Adj*. Performed or occurring daily (especially a raligious rite).

আহ্লাদ **आह्लाद**—आनन्द, खुशी; हर्ष। [सं०]। तु० क० राज० बं०, अह्लाद। मै० राज० ५ (मेल अति अह्लाद); ग० मि० ७ (मेला उत्तर पौलनि आह्लाद); चित्रा ६६ (ककरो सुरभि अह्लादक)। *āhlāda*—Joy, delight

আহ্লাদিত **आह्लादित**—वि०। आनन्दित, खुशी, हर्षित। [सं०]। तु० क० बं०, राज० आह्लादित। राम० २४ (अति आह्लादित करइछ चित्र); कन्या० ५२ (आह्लादित भए भोजनालक भीतर जाक देखलथिन्ह)। *āhladita*—*Adj*. Delighted.

আহ্বান **आह्वान**—(१) चुनौती, पुकार, बजाएब, सोर करब, निमंत्रित करब। [सं०]। तु० क० बं० राज० आह्वान। मि० २१४ (जाहि पर हुनक आह्वान दिल्लीसँ कएल गेल छलैन्ह); अम० ३३ (आकाश आह्वान); मो० १०६-२३ (पण्डितलोकनिकें सादर आह्वान कैल जाइत छन्हि)। *āhvāna*—Challenge, to invition.

आक्षपटलिक—जुआक खेलमे निपुण पासा खेलनिहार। [सं०]। वर्ण० ६ (आक्षपटलिक सन्निधाइ प्रमत्तकए)। *ākṣapaṭalika*—An accomplished dice thrower.

आक्षिवका—नृत्यमे आँखिक नमस्कार। [सं०]। वर्ण० ४६ (आक्षिवका चतुर स्त्री)। *ākṣvikā*—A deft player of eyes in dancing.

आक्षेप—कटु वचन, अथवा ओहन वचन कहब जाहिसँ मनमे दुख हो, आरोप। [सं०]। तु० क० बम्बैय अस० आक्षेप। राम० १६५ (कहथि परक आक्षेप प्रहार); मि० वि० १२८ (बहिसँ अधिक जनिक सुनल होइन्ह जनिक मतमे हमरा आक्षेप नहि); माल-विकाग्नि मित्र १३; स्व० वि० ३४ (हमरे आक्षेप उपराग अछि); मो० १००–२६ (व्यर्थ आक्षेप एवं विरोधाभास रचैत छी); उरा० ८३ (ई हमरे पर आक्षेप करै छथि)। कम० ३८ (अनर्थ आक्षेप निर्णय)। *ākṣepa*—Abuse, censure, blame.

आज्ञा—आदेश, हुकुम। [सं०]। तु० क० बं०, अस० आज्ञा; प्राकृ० अज्ज; अण्णा। वर्ण० २३ (राजाज्ञा वसक); गी० वि० ५ (क) (आज्ञा लाँघिअ); राम० २० (आज्ञा करथि राम मै कहथि); मि० उट० १६८–१७ (सबही मैच के बजाय आज्ञा देल-थिन्ह); मै० हि० सा० (३–४) २७ (वैतू केर; भगवान की आज्ञा करै छथि); मो० १७–१८ (कि आज्ञा); मणि० ६ (हमरा आज्ञा भेटय); नव० १० (नलिनकाक आज्ञासँ बुली अपन फकडा सबकैँ सुनौलथिन)। *ājñā*—Order, Command.

आज्ञाएँ—आज्ञासँ। क्रु० प्र० [सं०]। वर्ण० ६ (आज्ञाएँ लखिस्वर)। *ājñāẽ*—*Obs.* In giving orders.

आज्ञाकारिणी—वि०। आज्ञा वा आदे-शक पालन करनिहारि स्त्री। [सं०] मे० ५९ (पतन आज्ञाकारिणी स्त्री छवि दुखने भेख कठिन)। *ājñākāriṇī*–*Adj.* (Female) Who obeys orders,

आज्ञाकारी—वि०। आज्ञा वा आदेशक पालन करनिहार। [सं०] चन्द्र० १०८ (की सुनिक आज्ञाकारी उचप); मणि० ५७ (मोहम्मातिकैं आज्ञाकारी ममाय भेट गेलथिन्ह)। *ājñākārī*–*Adj.* Who obeys orders or commands.

आज्ञात—आज्ञात (दे०) केर का० रू०। पुण० २०३ (हमरा नहि वाची आज्ञात दोष)। *ājñāta*—P.F. of *ājñāta* (q.v.).

आज्ञाधीन—आज्ञा वा आदेशक अधीनमे। [सं०]। सुभद्रा हरण ७८। *ājñādhīna*—Under the law or order.

आज्ञान—अज्ञान (दे०) केर का० रू०। मि० ४६० (किन्तु आज्ञान दृश भेल)। *ājñāna*—P. F. of *ajñāna* (q.v.).

आज्ञानुसार—आज्ञा वा आदेशक अनुकूल। [सं०]। राम० ११ (गुरु आज्ञानुसार श्री राम); मणि० ६६ (माताक आज्ञानुसार सुखी लेखनद् बामोकैं देलथि)। *ājñānusāra*—As per orders.

आज्ञापत्र—आदेश पत्र। [सं०]। तु० क० बं०, अस० आज्ञापत्र। (आज्ञापत्र पबितहिं कन्या पक्ष आनन्दित भए उठलाह)। *ājñāpatra*—Letter incorporating orders.

आज्ञापाल—वि०। आज्ञाक पालन करनिहार, सेवक। [सं०]। वर्ण० ८ (सेवक, परिचारक आज्ञापाल।) *ājñāpāla*—*Adj.* Orderly.

आज्ञामध्ये—आज्ञामे, अनुशासनमे। [सं०]। अवसरनामा ११। *ājñāmadhye*—Under discipline.

𑒃

इ[1]—वर्णमालाक स्वरवर्णक तेसर अक्षर ह्रस्व थिक तथा एकर उच्चारणक स्थान तालु अछि एकरा इकार सेहो कहल जाइछ। तु० क० हि०, बं०, अस०, असा०, ने०, अव०, भोज०, गज० इ। FML (अ आ इ ई)। *i*—The third letter of the alphabet.

–इ[2]—प्रत्यय। (१) कर्म अर्थमे इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० ४० (कर्म मे घरवाहि; हरवाहि; गँजवाहि; कोदरवाहि; बट-बारि; गँवारि; महसिवारि तथा चोरसँ चोरि); (२) पुनः अर्थात् बारम्बार बुझएबाक हेतु क्रिया इ प्रत्ययान्त होइत अछि। ल० वि० ५४ (गाढ़ि-गाढ़ि सुनाव); (३) स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिंग शब्दसँ इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० ६४ (अकारान्त शब्दसँ सुकु-मारसँ–सुकुमारि; छोटसँ छोटि; मोरसँ मोढ़ि; मामसँ मामि); ४ क; धातुसँ सामान्यतः एतह लिङ्ग प्रत्यय अबैत अछि जे आन धातुसँ इच्छा विहित अछि। ल० वि० ११३ (छ...एक = छिक; छ + ऐन्हि = छिन्हि; विशेष ई जे अए प्रत्यय स्थानमे –इ प्रत्यय होइत अछि एवं धातुसँ पूर्व अकार आगम होइत अछि–छ + अए = अछि); (५) कर्तृगामी क्रिया फल कर्ताकैं बोधक बुझएबाक रहए तँ धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १२५ (हम पुस्तक देखि लैत छी); कखन अहाँ राखि लेब); (६) क्रियाक सम्पन्नता बुझएबाक हेतु धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १२६ (हम चित्र देखि आइल छी); (क) बेल धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि यथा (छुरी नहि गेल); (७) क्रियाक माध्यमिकत्व (मध्यावस्था) बुझएबाक हो तँ धातुसँ पर इ प्रत्यय होइछ। ल० वि० १२७ (नाच देखि रहल अछि); (८) भाव अर्थात क्रियामे इ प्रत्यय होइत अछि

ल० वि० १३६ (चल आदिसँ चालि; मारि)। (९) (क) जखन एके कर्त्ताक इ क्रियामे एक पूर्वकालमे होएब बुझएबाक रहैत अछि तखन धातु सँ पर पूर्व कालिक क्रिया बोधक इ प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० १४३ (हम देखि अएलहुँ अर्थात हम पहिने देखलहुँ पश्चात अएलहुँ); (ख) पूर्वोक्त इ प्रत्यय भेला पर ओहिसँ आगाँ (कँ) अव्ययक ऐच्छिक प्रयोग होइत अछि । ल० वि० १४३ (देखि (कँ) गेलाह; सूति(कँ) उठलाह); (ग) सक धातु सम्पादनार्थ तथा चुक धातु सामर्थ्यार्थक हो तखन धातुक योगमे इ प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० १४३ (ओ देखि सकत; देखि चुकल); (घ) पड़ धातुक योगमे बुझ जान, सुन धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि क्रियाकेर औचित्यक अर्थमे । ल० वि० १४३ (ई बात बाजि नहि अर्थात बाजब उचित नहि; रोकि नहि); (१०) संस्कृतमे अवधारणमे एवं समुच्चयमे 'अपि' प्रयोग होइत अछि तकरा हेतुएँ मिथिला भाषामे कतहु,-ए-ऊ, -अहि,-अहु लगाओल जाइछ परन्तु एहि सभसँ पूर्व विकार सेहो होइत अछि । शब्दक रूपसँ पूर्व इ आगम होइत अछि यदि ओहि ए सँ पूर्व व्यञ्जन रहए । ल० वि० १५२ (कए कइए; कइओ; भाए-भाइए; नेहाए-नेह इए; साए रुपैआ साइए रुपैया); (११) (क) इ प्रत्ययक विषयमे विकार होइत अछि । बिकादि धातुसँ पर इ प्रत्ययकेँ आए आदेश; ल० वि० १४५ (विक+इ=बिकाए; खाए; जाए); अनेक स्वर वाला अन्त धातुसँ पर इ प्रत्ययकेँ आए आदेश तथा अवकेर लोप । ल० वि० १४५ (पढ़व+इ=पढ़ाए; बजबब+इ=बजबाए) । *-i²*—A suffix.

अ³ इ³—सर्व० । ई (दे०) केर विक० रू० । लगक कोनो वस्तु वा तद्योग्य वस्तुक विषयमे कहल गेल शब्द; एहन । [सं० इदम्-७ हत ई, इ] । गो० शृं० १ अम० २७ (गोविन्द दास चित्त ए हास । इ जन करय मान अभिलाषा); FML 429 (इ रस); मो० १७-५ (इ दिन मेल) । *i³*—*Pron.* Alt. of *ī* (q. v.).

-अअ -इअ—प्रत्यय । द् ओ ल् धातुमे ऊ प्रत्ययकेँ इअ आदेश होइछ । ल० वि० ११३ (द्+ऊ=दिअ; ल्+ऊ=लिअ) ।*-ia*—A suffix.

अअअ इअइ—मध्यम पुरु० अनादरार्थक स्त्रीकेँ सम्बोधन करबाक सोर करबाक शब्द । [सं० अयि, आर्ये] । (इअइ कनी सुनु त); FML 476. *-iai*—Non-hon. second personword, to call a female.

-अअअन (न्ह, न्हि, न्हु) -इअइन (न्ह, न्हि, न्हु)—मध्यम पुरुष आदर अर्थ स्त्रीकेँ सम्बोधन करबाकाल; क्रिया वा संज्ञा सँ पर जोड़ल जाएवला प्रत्यय । FML 477 (काकी एकटा गप कहिअइन (कहिअन्हि, कहिअइन्हु कहिअन्हु, तामस नहि करिहथि) । FML 476, 477 । *iaina* (*nha, nhi, nhu*)—Suffix. Hon. sec, pers. Word to call a female.

-अअउ(क)-इअउ(क)-प्रत्यय । अपनासँ छोट अवस्था लेल वा न्यून अपेक्षा लेल क्रियासँ पर मध्यम पुरु० आद० । कह+इउ(क), गछ+इअउक । (रे बौआ इ कोना मानिअउह) । FML 477 । *iau(ka)* —A firt per. Hon. Suffix.

-अअन-इअन—प्रत्यय । युक्त अर्थमे इअन प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ४६ (बहुत अधिक गाछसँ युक्त स्थान गछिअन) । *-iana*-Suffix in the sense of full of, abounding in.

अअरिङ इअरिङ—स्त्रिगणक कानमे पहिरबाक अँउठी सदृश गोलाकार आभूषण विशेष । [आंग्ल] । रेखाचित्र ३४ । *iariṅa*—Ear-ring.

अअरो इअरो—एकर अतिरिक्त (म० म० उमेश मिश्र दर्शित प्रा० अवहट्ठ रू०) । कीर्तिलता ६ (इअरो पुरिसाआरो पुच्छ बिहूना पशु होइ) । *iaro*—Old avahaṭṭha form of *ekara* (q v.) of this, after this.

-अअहु-इअहु-प्रत्यय । इच्छा एवं प्रेरणामे धातुसँ पर मध्यम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय तोँ शब्दार्थगत रहला सन्ताँ इअहु प्रत्यय अबैत अछि । FML 475; ल० वि० १०१; १०३ (हओ तोहर घर देखिअहु; तोरा लग बसिअहु) । *-iahu*—A suffix.

-अआ-इआ—प्रत्यय (१) (क) उत्पन्न कएनिहार एवं रहनिहार दूनू भव कहबैत अछि । भव अर्थमे इआ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ३८ (परदेशमे रहनिहार परदेशिआ; विदेशमे रहनिहार विदेशिआ; जंगल मे रहनिहार जंगलिआ; पड़ोसमे रहनिहार पड़ोसिआ); (ख) संख्यापूर्वक मास ओ वर्षसँ इआ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ३८ एक मासमे उत्पन्न एकमसिआ; तहिना दुमसिआ; तेमसिआ; चौमसिआ; तथा एक वर्षमे उत्पन्न एकवर्षिआ; तहिना दुवर्षिओ, (२) युक्त अर्थमे इजोत एवं अन्हार शब्दसँ रातिक तात्पर्यें इआ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ४६ (चन्द्रमाक इजोतसँ युक्त राति इजोरिआ (त केँ र आदेश); अन्हारसँ युक्त राति अन्हरिआ); (३) निर्मित पितडिसँ निर्मित पितड़िआ; लोहसँ निर्मित लोहिआ; मुंगेरमे निर्मित मुँगेरिआ । (४) नियुक्त अर्थमे इआ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ५१ (जिरातमे नियुक्त जिरतिआ; उपरसहाक ओ भारमे नियुक्त उपरसहकिआ ओ भरिअ) । *-iā*—A suffix.

अआद इआद—याद (दे०) केर ग्राम्य रू० । FML 182. *iāda*—Folk form of *yāda* (q.v.).

अआर इआर—यार (दे०) केर विक० रू० । मित्र, संगी । [फारसी यार] । मन० क्र० ६ (कमलासनसुत शिवक इआर); मि०; अव० इआर । *iāra*—A friend.

अआरी इआरी—मित्रता (दी०) । [इआर+ई] । (इआरीमे छल कपट नहि होएबाक चाही) । *iārī*—Friendship.

अउनिभर्सीटी इउनिभर्सीटी—विश्वविद्यालय । [आंग्ल] नव० ५६ (इउनिभर्सीटी कलकत्तामे खुजइक) । *iunibharsiṭī*—University.

अएह इएह—मात्र ई, ठीक एनवे, ई । [ई+सं० हि निश्चये] । तु० क० उर्दू एहआ । रंग ८४ (इएह बनर्जी महाशय जे थोड़ेक काल पहिने पाथरक मूर्ति भेल बैसल छलाह); पारो ६ (तेहर सालक इएह

आद्यकालुक) । *ieha*—Exactly this.

–इऐक—प्रत्यय । इच्छा अर्थमे धातुसँ पर मध्यम पुरुष आदरार्थक तौं कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्तौं इऐक प्रत्यय औत अछि । स० वि० १०३ (हम वा अहाँ ओकरा देखिऐक) । *iaika*—A suffix.

इऐह्—इएह (दे०) केर अशु० रू० । मि० २६० (राजा प्रताप सिंहक कहब बारम्बार इऐह चलैन्ह); चन्द्र० २५२ (अनेक विध इऐह); पारी ४ (इऐह पराइत) । *iaiha*—Err. of *ieha* (q.v.).

–इऐ(अ)न्हि—प्रत्यय । इच्छामे धातु परसँ मध्यम पुरुष आदरार्थक तौं कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्तौं इऐन्हि प्रत्यय औत अछि । स० वि० १०३ (हम वा अहाँ हुनका देखिऐन्हि) । *–iai(a)nhi*—A suffix.

इओ—इहो (दे०) केर क० रू० । वि० पदा० मनु० २७६ (इओ मल नहि रीति) । *io*—Coll. of *iho* (q.v.).

–इऔक—प्रत्यय । (क) प्रेरणामे धातुसँ पर मध्यम पुरुष आदरार्थक तौं कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्तौं इऔक प्रत्यय औत अछि । स० वि० १०० (हम ओकरा देखिऔक); (ख) इच्छा मे धातुसँ पर मध्यम पुरुष आदरार्थक तौं कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय तौं परार्थगत सन्तौं इऔक प्रत्यय औत अछि । स० वि० १०३ (रओ, हम तोरा देखिऔक) । *iauka*—A suffix.

–इऔत—प्रत्यय । भव्य अर्थात साक्षात् सम्बन्धित अर्थमे इऔत प्रत्यय औत अछि । स० वि० ४७ (मामसँ भमिऔत) । *–iauta*—A suffix.

इऔन्ह(न्हि)—प्रत्यय । प्रेरणामे धातुसँ हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्तौं इऔन्हि प्रत्यय औत अछि । FML 477; स० वि० १०० (हम वा अहाँ हुनका देखिऔन्हि) । *–iaunha(nhi)*—A suffix.

इक—एक । [सं०] प्रा० का० रू० । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव० इक । गोरिलिला ५५ (बहु फरिका इक थंगे थंगे) । *ika*—*Obs* P. F. One.

इकड़ी(री)—मोट खढ़ । तु० क० भोज० इकडी । BPL 1266, 105, । *ikaḍi (ri)*—A kind of grass (kherhi).

इकलसु—प्रा० रू० । सेनाक एकटा वर्ग विशेष केर नाम । वर्ण० ३६ इकलसु हयवाल, महथान, मण्डलीक महासामन्त) । *ikalasu*—*Obs*. Name of a section of the army.

इकाक—१ मै० सा० इ० ७२ । *ikāka*—?

इकार—इ वर्णक मात्रा वा अक्षर । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव० इकार । (मैथिलीमे विशेषतया इकारेक मात्रा प्रयोग मैलासँ भाषामे शुद्धता आबोत) । *ikāra*—The letter or mark of *i* (q.v.).

इक्यान्नवइ—एकान(न्ना)बे (दे०) केर प्रा० रू० । FML 373. *ikyānnavai*—*Obs*. of *ekā(n)nave* (q.v.).

इङोर—अङोर [सं० अङ्गार] (दे०) का० प्रा० रू० । चन्दा० ७ (ओ दिपि जो करतीह इङोर) । *iṅora*—*Coll*. of *aṅora* (q.v.).

इङ्गित—इशारा, चिन्ह, संकेत, चेष्टा । तु० क० प्राकृ० इङ्गिय; सि० इङ्गित । वर्ण० २ इङ्गित ज्ञान); वि० गी० ५२ (इङ्गित उपर केलि जे करब); मि० ख० १५७-३५ (दं० सुधाकर विवेकक इङ्गित पाबि) । *iṅgita*—Hint, Sign.

इङ्गितावस्था—इशाराक स्थिति वा प्रादुर्भावकाल । (इङ्गितावस्था अर्थात् ओ अवस्था जकरा नव विकसित विचारक आगमनक सूचना भेटैछ) । *iṅgitāvasthā*—The presence or emergence of hint or hints.

इङ्गुद (ल)—एक प्रकारक औषधिक वृक्ष । [सं० इङ्गुदी] । तु० क० प्राकृ० इङ्गुदी; उ० इङ्गुल; म० हिंगोट; हि० इंगुवा; गु० इंगोरी; सि० इङ्गिदी । अम० ६ (इङ्गुद तापस) । *iṅguda (la)*—A Medicinal plant.

इङ्गुदी—हिंगोटक गाछ । [सं०] । तु० क० इङ्गुदी (दे०) । राम० १०६ (फल इंगुदी तथा बिल्वक) । *iṅgudī*—The tree of *Hiṅgoṭa* a kind of fruit.

इङ्गुर—एक प्रकार केर धातु । [सं०] । वर्ण० ३६ (इंगुर पाक अक्षलाची) । *iṅgura*—A kind of metal.

इंग फिंग—चिन्ह, संकेत, हिलब-डोलब । [सं इङ्ग(न)>इङ्ग+ध्वनि साम्य] । तु० क० हि० इंग । मैथिली नवीन साहित्य ६८ । *īga phiga*—Hint, Sign, move to and fro.

इंगदी—इंगुदी (दे०) केर का० रू० । दिनमणि ११ *īgadi*—*Coll*. Form of *iṅgudī* (q.v).

इंगित—इङ्गित (दे०) केर विक० रू० । तु० क० हि० इङ्गित । गी० गू० अव० १६ (जौ पल इङ्गित नयन सरंगित संचित मनमथ काँधि) । *īgita*—Alt. form of *iṅgita* (q.v.).

इचना—छोट मत्स्य विशेष । ई थूजि कम वा कम्मा भय क जलमे अत्यन्त स्वादिष्ट होइछ तथा एकरा ६ गोट पयर होइछ । [सं० इंचाक] । (इचना कें पोठा, पोठा कें सौठी); कविता कुसुम ६६ (इचना पोठा चालि दिआए रहुक सिर बिलाए) = छोट-छोट व्यक्तिक द्वारा अंट-संट कथापर पिन पैन व्यक्तिक उपर पैन दोष लौड़ वा आपत्ति औबैछ; इचना मालक सँग सेना रहथि) = निरर्थक देखाबटी, मति थोड़ परन्तु देखावा बेसी । *icanā*—Shrimp.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒋𑒿 **इच्छएँ**–क्रिया विशेषण। स्वेच्छासँ, भरि पोख [इच्छा (दे०)+एँ]। नव० ७३ [अपने इच्छएँ पसरए जगइक)। *ichaĕ—Adv.* At (one's own) will.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒥 **इच्छब**—लु० प्र० इच्छा (दे०) केर आद० मध्य० पु० भवि० रू०। वि० पदा० मजु० १४; रामभद्रपुर पोथी पद १८७ (एकहि जनमे इच्छब आन)। *icchaba—Obs.* Second person future tense hon. form of *icchā* (q.v.).

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒯𑒳𑒿 **इच्छहुँ**—इच्छा (दे०) केर निश्च० रू०। रेखाचित्र १२४। *icchahũ*—Emph. form of *icchā* (q. v.).

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰 **इच्छा**—कामना, लालसा, चाह, ख्वाहिस, अभिलाषा, एक प्रकारक मनोवृत्ति जे कोनो पहन वस्तुक प्राप्तिक दिसि ध्यान आकर्षित करैत अछि जाहिसँ कोनो तरहक सुखक सम्भावना रहैत छैक। [सं०]। तु० क० उ०, हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव०, प्राकृ० इच्छा; प्रा० गु० ईच; सि० इसिय; प्राकृ० इच्छिय। गो० वि० १० (क) (इच्छा भोजन), राम० ११८ (जौं निबहक इच्छा संसार); मि० ३८२ (श्री मानविक इच्छा पर निर्भर नेनाका कहल); पुरू० १९८ (नगर चलवाक इच्छा कयल); मै० हि० सा० १ (८-१२) (अपन इच्छा प्रकट कयने छथि); FML 34; ग्रि०; मो० १८२-१५ (ओ इच्छा सापेक्षिक); मि० उद्० १५७-७ (जतेक इच्छा होइक जाओ); प्रम० १४ (जे जे इच्छा हो मनसिआ केँ वहवैन्ह); चित्रा २५ (अपन इच्छा पर तोहर आशाक कैलियहु होम); शत० १९ (इच्छा नहि पुराओल बेचिचारी)। *icchā*—Wish, desire.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰𑒡𑒲𑒢 **इच्छाधीन**–वि०। इच्छा वा अभिलाषाक अधीन। [सं०]। मि० ५४ (हिनके इच्छाधीन एकर)। *icchādhīn—Adj.* Under one's wish, at one's sweet will.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 **इच्छानुसार**—क्रि० वि०। अभिलाषाक अनुसार व. मोताविक। [इच्छा+अनुसार]। द्विरा० १६७ (हुनक इच्छानुसार मिस साहिबा बुच्ची दाइ कैँ लेडीज क्लबमे लय जाय लगलथिन्ह)। *icchānusāra—Adv.* According to (some one's) wish.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱 **इच्छाशक्ति**–अभिलाषाक प्रवल बेग वा शक्ति। [सं०]। तु० क० बं० इच्छा नुसक्ति। (इच्छा शक्ति प्रवल वेग के केओ रोकि सकैत अछि)। *icchāśakti*—Will force.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒱𑒞 **इच्छित**—वि०। अभिप्रेत, वांछित, अभीष्ट, अभिलषित। [सं०]। तु० क० हि० बं०, अस०, अव० ने० राज०, प्राकृ० पा० इच्छित। राम० बालकाण्ड ६ (जौं इच्छित भव बन्धन मुक्ति। पाठ रामायण अछि बड़ युक्ति); महेश० १५ (भोजन करु मन इच्छित)। *icchita—Adj.* Wished for, desired.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒳𑒏 **इच्छुक**—वि०। चाहनिहार, अभिलाषा वा इच्छा कयनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० इच्छुक। (यदि सभ मिथिला वासी इच्छुक छी तँ मिलि कए एक बेर पुनः हुँकाकए जोर लगाउ आ अपन अधिकार प्राप्त करू। *icchuka—Adj.* Who wished or desired.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒹 **इच्छे**—इच्छा (दे०) केर निश्चितार्थक रूप [सं० इच्छा+एव अथवा इच्छया]। मि० २५ (हमरा अपने इच्छे अन-विन्हार बनि पटना जाय देल जाओ); पारो ४७ (कोनो वस्तु याचनाकक लेबाक इच्छे कियैं हैत); नव० १०१ (हमरा त इच्छे नहि अछि)। *icche*—Emphatic form or *icchā* (q.v.).

𑒃𑒕 **इछ**—इच्छा (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ३८; राग० त० २०४, तालपत्र न० गु० २१, अ० १०६ (सबे परिहरि तोहि इछ हरि); महेश० २६ (अनुछन इछ हम कृत दोष)। *icha—Poet.* Form of *icchā* (q. v.).

𑒃𑒕𑒥 **इछब**—इच्छा (दे०) केर आद० मध्य० अथवा पुरु० भा० का० रू०। राम० ३४ (एकहि जनमे इछब आन); FML 424 (इछब आन)। *ichaba*—P. F. *Hon* future terse second person form of *icchā* (q. v.).

𑒃𑒕𑒯𑒱 **इछहि**—इच्छापूर्वक, जानि कए। वि० ने० १४४ (छैला इछहि छोड़हि मोर चारे)। *ichahi*—Willing, consciously.

𑒃𑒕𑒰 **इछा**—इच्छा (दे०) केर वा० रू०। वर्ण० १६ (शीतल जलक इछा); राम० ७७ (लोक दग्ध कर इछा); पुरु० १० (वा प्रदान देवाक इछा करथि)। *icha—Coll.* Form of *icchā* (q.v.).

𑒃𑒕𑒰𑒃𑒢 **इछाइन**—इछैनी जड़ीक उत्कट गन्ध, दुर्गन्धि, विशेष, (दी०); माछक सड़ल गन्ध। [इछैनी+आइन FML 206]। तु० क० मछाइन। (गै गोढ़नी कनि माछ मंगनी चंगनी द दही नहि त विसाइन वा इछाइन होएत)। *ichāina*—Bad smelling, the smell of decayed fish.

𑒃𑒕𑒱𑒞 **इछित**—इच्छित (दे०) केर अशु० रू०। पुरु० १२ (इछित कार्यक विषय असिद्धि)। *ichita*—Err. Form of *icchita* (q.v.).

𑒃𑒕𑒻𑒢𑒲𑒥𑒔 **इछैनीबच**—औषधि विशेष (दी०)। इछैनी नामक औषधि बड़ी काल धरि सुँहकेँ गन्ध दैत छैक, बच्चाकेँ ई बाल रोग निवारणार्थ देल जाइछ। इनार लग लोक बहुधा एकर गाछ रोपल करैछ। बच्चा आ वृद्ध केर ई पृथक जड़ी थिक जे औषधिमे गणना कएल जाइछ; [इछैनी+बच]। *ichainibaca*—A kind of herb or medicine for children.

𑒃𑒖𑒞(𑒞𑒱) **इजत(ति)**—इज्जत (ति) (दे०) केर वा० रू०। ग्रि०; डा० उ० ना० ति० ७३। *ijata(ti)—Coll.* of *ijjata(ti)* (q.v.).

𑒃𑒖𑒤𑓂𑒤𑒰 **इजफ्फा**—बचल धन, बचत, बेशी, बढ़ती बुद्धि। [अर० इज़ाफ़ह]। तु० क० हि० इज़ाफ़ा। उपदेशाक्षमाला ६। *ijaphphā*—Saved amount, or wealth, excess, increment, grant.

𑒃𑒖𑒧𑒪𑒱𑒨𑒰 **इजमलिया**—वि०। साझी वस्तु; इजमाल

कला वस्तु । [इजमाल + इआ] । *ijamalia*—*Adj.* Belonging to joint or common ownership.

𑒃𑒖𑒧𑒰𑒪 **इजमाल**—साझी, शीसदारी, कोनो वस्तु पर सम्मिलित स्वत्व वा अधिकार, सम्मिलित । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, उर्दू० इजमाल । FML 156–637; मिहि० ४२–१४–१६ (पैतृक धन एवं इजमाल गहलाक दोकान कें तुरू गोटे धरक बीचोबीच टाल लगा); चानोरा ई ३७ । *ijamāla*—Joint possession, such a right.

𑒃𑒖𑒩 **इजर**—घास फूस काढ़ि लैत गन्ना देल जाइछ, जिनका वा जितुक; जंगल, तृण विशेष (स्त्री०) । [सं० इ-कला मै० जिनमक] । वर्षी० १ (इजर, बेल कार बबुर, नरक, सकाइन, जहाँ से पसार देखि देखुअइ); अम० २६ (इजर व इकराक नाम) । *ijara*—A kind of grass (kharha).

𑒃𑒖𑒩𑒰𑒨 **इजराय**—कि० वि० । कार्य आरम्भ, जारी करब, प्रचार करब, व्यवहार, अमल । [अर०] । (कोर्टमे अपन मोकदमा देर इजराय करा लेन अछि) । *ijarāya*—*Adv.* State of activization.

𑒃𑒖𑒪𑒰𑒮 **इजलास**—कचहरी, न्यायालय, अदालत ओ जतए अफसरान बैसिकए मोकदमाक फैसला करैत अछि । [अर०] । तु० क० हि०, ने० इजलास, बं० इजलास; मि० इजलास । *ijalāsa*—A court of justice.

𑒃𑒖𑒯𑒰𑒩 **इजहार**—अदालतक समक्ष बयान, गवाही, प्रकाशन, प्रकट करब । [अर०] । तु० क० हि०, असा०, ने०, मन०, भोज० इजहार; बं०, एजहार । कृष्ण० १७७, वैदेही १६–१२३ (चोरि डकैताक आगमन गवाहिक इजहार चोरक गिरफ्तारिक सजाय आदि आदि घटना रहित अछि) । *ijahāra*—Evidence, open expression or declaration.

𑒃𑒖𑒰𑒖𑒞𑒱 **इजाजति**—मंजूरी, स्वीकृति । [अर० इजाजत] तु० क० हि० इजाजत उर्दू इजाजत । मिथिला भाषा प्रकाश १२ । *ijājati*—Acceptance, permission.

𑒃𑒖𑒰𑒩 **इजार**—पैजामा । इ गंगाक दक्षिण भाग मे चालल आइछ । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू इजार । B.P.L 727. *ijāra*—Pyjama.

𑒃𑒖𑒳𑒧𑒱 **इजुमि**—रकबा, भूखण्ड, दस्तावेज मे प्रयुक्त होमय वला तमलीकी फा० शब्द मै० सा० इ० ३६५ (१२७६ साल) । (कारीम जमा निमहा इजुमि) । *ijumi*—Plot of land.

𑒃𑒖𑒼𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 **इजोड़िया**—इजोरिया (दे०) केर विक० रू० । [इजोत + ड + इआ] । प्रबा० १७६ (भजन उठाओ इजोड़िया देल); चित्रा ७१ (आश्विन मासक राति इजोड़िया); पारो २४ (बेश मधुर इजोड़ियाक चलैत); *ijoḍiā*—*Alt.* Form of *ijoriā* (q. v.).

𑒃𑒖𑒼𑒞 **इजोत**—प्रकाश, रोशनी, अन्हारक विपरीत । [सं० द्योत वा उद्योत] । चन्द्र० २४० (चोर इजोत सहथि नै दिदिश); FML 124; 155; मि०; चित्रा ८८ (ताही सँ अपन इजोत) । *ijota*—Light.

𑒃𑒖𑒼𑒩 **इजोर**—इजोरिया (दे०) केर का० रू० अथवा संक्षि० रू० प्रकाश अर्थमे । गो० गी० १; अम० १२ (इजोर दीप समीप इजोरइ निरखत चारू विताव); ग० प० १२ (मन मोह विमल इजोर सँ) । *ijora*—*Pret.* form of *ijoriā* (q.v.) or back-formation in the sense of light.

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒃 **इजोरइ**—इजोरिया (दे०) केर इच्छा० रू० । गो० गी० १, अम० १२ (इजोर दीप समीप इजोरइ निरखत चारू विताव) । *ijorai*—*Opta.* form of *ijoriā* (q.v.).

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒪 **इजोरल**—इजोरिआ (दे०) केर आ० भू० का० रू० । गो० गी० १ अमर १६ (ऋतुपति राज इजोरल चन्द) । *ijoralu*—P. F. Hon. Past tense of *ijoriā* (q. v.).

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒱𑒂 **इजोरिआ**—चन्द्रमासँ प्रकाशित राति, प्रकाशित राति । [सं० उद्योत > इजोर + इआ] । मि०; FML 1 5; आरक० ७४ (खूब इजोरिया राति); (इजोरिआ कन्या जेना रहथि) बड़ सुन्दर कहबनु ओतमे 'कारी' लोककेँ सेहो एना करल जाइछ । *ijoriā*—Moon-lit night.

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒱𑒋 **इजोरिए**—इजोरिआ (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २५२ (चान्द इजोरिए राति) । *ijorie*—Emph. form of *ijoriā* (q. v.).

𑒃𑒖𑓂𑒖𑒞 (𑒞𑒱) **इज्जत (ति)**—मान, मर्यादा, प्रतिष्ठा, स्त्रीक सतीत्व । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव०, भोज० इज्जत; इज्जति । मि० उर् १५७ (अपन इज्जति आबरू लेने कोनो कोनमे); कथा १६ (आखिरी दर्जा स्त्रीक इज्जतिकेँ पहुँचा देलथिन्ह); चित्रा १६ (इज्जति आबरू बचाबै चाही श्री । *ijjata (ti)*—Honour, reputation, chastity of a woman.

𑒃𑒘𑓂𑒔 **इञ्च**—स्थान वा वस्तु नापबाक पैमाना विशेष । [आंग्ल inch] । *iñca*—Inch.

𑒃𑒘𑓂𑒔𑒲 **इञ्ची**—इञ्चयुक्त फीता वा कोनो वस्तु नापबाक इञ्च-चिन्हित इत्यादि प्रयुक्त । [आंग्ल inch] । BPL 1034, इञ्चीटेप । *iñcī*—Tape for measuring in inches.

𑒃𑒘𑓂𑒔𑒼 **इञ्चो**—इञ्च (दे०) केर निश्च० रू० । [इञ्च + सं० अपि > मै० ओ] । मो० ३–१ (आगाँ इञ्चो भरि नहि बढ़ै छथि) । *iñco*—Emph. form of *iñca* (q.v.).

𑒃𑓀𑒖𑒢 **इंजन**—इञ्जिन (दे०) केर वि० रू० । तु० क० हि० इंजन । नव० ७६ (सीटी देलाक उपर रेलक इंजन) । *iṃjana* Engine.

𑒃𑒘𑓂𑒖𑒱𑒢 **इञ्जिन**—भाफ, ताप, पानि कोयला, मोबिल, एवं बिजली द्वारा चालित लोह क कल औजार (इंजिन) । [आंग्ल] । मि० उद्० १५६–६ (भकान इञ्जिन अपना संग गाड़ी के ठेलक) । *iñjina*—Engine.

𑒃𑒙 **इट**—ईटाक लघु० रू० । [सं० इष्टक] । तु० क० पवैवा ।

राम० ११ (कनक जेहन इट मारि तेहन सन)। *ita*—Err. of *īṭā*.

इँटा—इटेबा वा तासक चौकठीक पातकें इँटक पत्ता कहल जाइछ। [हि० ईंट+आ]। अशु० रू०। तु० क० ने० इँटा। *īṭā*—Err. form of *īṭā*. Brick, the diamond playing card.

इट्ठे—ओहि (दे०) केर प्रा० अवहट्ट रू०। कीर्तिलता २६ ततो वे कुमारी इट्ठे बजारी)। *iṭṭhe—Old avahaṭṭha* of *Ohi* (q. v.).

इठमाँ (वाँ)—एहिठाम (दे०) प्रा० तु० रू०। FML 437. *iṭhamā̃ (vā̃)—Old* Obs. of *ehiṭhāma* (q. v.).

इड़हर—संहित व्यञ्जन-विशेष (दी०), उरीदक बेसन कें सानि कए सभ तरहक सुगन्धित मशाला दए ओकरा छोट-छोट पातर-पातर लोढ़ी जकाँ बनाए उसिन कए, सिद्ध कए ओकरा बहार कए छोट-छोट खण्ड काटि मासुक मसाला दए उत्तम तरकारी बनाओल जाइत अछि। रामरुच, बड़ीक प्रभेद गोविन्द बड़ी। [उड़ीद+ग्र]। (इड़हर मांससँ कम मजा नहि अबैछ)। *iḍahara*—A kind of home-made preparation of gram powder used as vegetable.

इत—एतए (दे०) केर का० रू०। राम० १०१ (इत सुख भोग अमरपति संग); महेश० चन्द्र० ६ (इत जीवित परमानन्द अनुभव); वि०। *ita*—Poet. form of *etae* (q. v.).

इतउत—अव्यय। एतए-ओतए। [सं०]। चन्द्र० २४३ (इतउत सुख लाभ सम्पति सन्तति); राम० लालदास १४३। *ita-uta—Ind.* Hither thither.

-इतथि-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष आदरार्थक कर्तृपद रहने सामान्यतः इतथि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (गुरूजी रहितथि तँ पाठ दितथि)। *-itathi*—A suffix.

-इतथीन्ह-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष आदरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल (आदरणीय वा अनादरणीय) अन्यगत सन्ताँ इतथीन्ह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (ब्राह्मण लोकनि ओकरा वा हुनका देखतथीन्ह तँ प्रसन्न होइतथीन्ह)। *-itathīnha*—A suffix.

-इतथून्ह- प्रत्यय। अनिष्पतिक प्रथम पुरुष आदरार्थक कर्तृपद रहने क्रिया (आदरणीय वा अनादरणीय) तोँ शब्दार्थगत इतथून्ह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४०५ (तोरा देखितथून्ह यदि बुझतथून्हि जे तोँ छह)। *itathūnha*—A suffix.

इतनी—एतनी (दे०) केर विक० रू०। ग० प० १४ (मान लेहु इतनी)। *itanī—Alt.* Form of *etanī* (q.v).

इतमीनान—संतोष, विश्वास। [अर०]। तु० क० हि० इतमीनान। मिहि० ३८-१-८ (इतमीनान सँ स्टेशन पहुँचलहुँ)। *itamīnāna*—Satisfaction, faith.

इतर—वि०। जे थिकहुँ ताहिसँ भिन्न प्रदर्शन करब, दोसर, आओर, अन्य, छोट। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० इतर; प्राकृ० इअर; म० इर। वर्ण० ११ (इतर लोक सजो); चन्द्र० ११६ (परिहर इतर व्यवहार); पुरु० २५५ (इतर लोकक उपहासक घर)। *itara—Adj.* The other different, inferior, mean.

इतरपन(ना)(नी)—क्षुद्रता (दी०)। [इतर+भावपना+ई]। (व्यर्थ इतरपन कए रहल छी)। *itara-pana (nā) (nī)*—Meanness.

इतराएब—घमण्ड करब, अपनासँ पैघ वा वृहत बनि जायब; अस्वाभाविक रूप बनाएब, छोट लोक वा अन्य लोक जकाँ करब। [इतर+आएब]। तु० क० अव० इतराएब; नितराएब। (एतेक इतराएब हमरा नहि नीक लगैत)। *itarāeba*—Showing oneself as superior.

इतरेतर—क्रि० वि०। (१) परस्पर (२) अत्यधिक क्षुद्र। [सं०]। मि० भाषा-प्रकाश ३१। *itaretara—Adv.* Reciprocal; quite strange or unknown or inferior.

इतला—इतलाए (दे०) केर संक्षि० रू०। चन्द्रकला ५३। *italā*—Short form of *italāe* (q.v.).

इतलाए—कथन, कहब, सूचना, खबरि। [अर० इत्तिला]। तु० क० उर्दू इतलाए; बं० इतला। प्रग० १७० (राजमातासँ इतलाए करए); नरोत्तम। *italāe*—Information, report, submisrion.

इतवा—एतवा (दे०) केर वा० रू०। अकबरनामा ६८, ७३, १२७। *itavā—Coll.* Form of etabā (q.v.).

इतस्ततः—क्रि० वि०। एम्हर-ओम्हर। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इतस्ततः; प्राकृ० इतत्रतः। मि० ३८५ (इतस्ततः महाराजकुमार लोकनि परिभ्रमण होइत देखि); मो० १७४-४७ (इतस्ततः चलितहुँ अछि)। *itastataha—Adv.* Hither and thither.

इतस्तोगामी—वि०। एम्हर-ओम्हर गमन करनिहार। [सं०]। वर्ण ३६ (वेश्याक कटाक्ष माग इतस्तोगामी)। *itastogāmī—Adj.* Going hither and thither.

-इतह- प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष आदरार्थक तोँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इतह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (हओ तोँ रहितह तँ काज चलबितह)। *-itaha*—A suffix.

-इतहक- प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष आदरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्ताँ इतहक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (हओ, तोँ नेनाक ... इतहक तँ ओकर पालन करितहक)। *-itahaka*—A suffix.

–इतहीक-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्वगत सन्तौं इतहीक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (रओ, तोँ ओकरा देखितहीक तँ अबैत करितहीक)। *-itahīka*—A suffix.

–इतहु—प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय सोँ पदार्थगत रहला सन्ताँ इतहु प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (हओ, तोरा जँ चोर देखितहु तँ कर होइतहु)। *-itahu*—A suffix.

–इतहुँ-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इतहुँ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६। (हम वा अहाँ नाच देखितहुँ तँ आनन्द होइतहुँ)। *-itahũ*—A suffix.

–इतहुन्ह प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्वगत सन्ताँ इतहुन्ह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (हओ, तोँ हुनका देखितहुन्ह तँ हुनक आवेस करितहुन्ह)। *-itahũnha*—A suffix.

इति—अव्यय। अन्त, समाप्त, पूर्णता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, राज०, पा० इति; प्राकृ० इति; सि० थि। कीर्तिलता ५८ (केसरि अरु गाहह लक्ष मरुझ इति का महिमा कहौ); पारि १८ (इति, भादव सुदि नवमी सुभ)। *iti*—*Ind.* The end.

–इतिअहु—प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय सोँ पदार्थगत सन्ताँ इतिअहु प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (हओ, ओहिठाम रहने हम तोरा देखितिअहु)। *itiahu*—A suffix.

–इतिऐक-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्वगत सन्ताँ इतिऐक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (हम वा अहाँ ओहिठाम रहने ओकरा देखितिऐक)। *-itiaika*—A suffix.

–इतिऐन्हि प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्वगत रहला सन्ताँ इतिऐन्हि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (हम वा अहाँ ओहिठाम रहने हुनका देखितिऐन्हि)। *-itiainhi*—A suffix.

–इतिऔक—प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्वगत रहला सन्ताँ इतिऔक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (रओ, जँ तोरा देखितिऔक तँ राखि लितिऔक)। *itiauka*—A suffix.

इतिजाम—इन्तिजाम (दे०) केर वि० रू०। अक्षरमाला ८१। *intijāma*—*Alt. of intajāma.*

इतिवृत्त—पुरान कथा, पुरावृत्त, किस्सा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, इतिवृत्त मि० ४६० (यहि मतमाक इतिवृत्त समूलक के १०१६ मे)। *itivṛtta*—History.

इतिवृति(त्ति)—कथाक पुनः उद्घाटन, फेर सँ पुरान कथाक दोहराएब। [सं० इतिवृत्ति]। मि० ३१६ (एकरा पर सब इतिवृत्ति कहली); मि० श्र० १५८-११ (भारतीय वर्णमालाक इतिवृत्ति); मिथिला १-२६१ (ओहिठाम सब समाचार पत्रक इतिवृत्ति पर किछु प्रकाश दै देब समुचित बुझै छी); वागव० ६३ (महलोक इतिवृत्ति भूतकालसँ वर्तमान कालमे आबि गेलैन्हि)। *itivṛt(t)i*—Being history.

इतिश्री—समाप्ति, अन्त। [सं०]। तु० क० हि० इतिश्री। मि० वि० ७ (महाभयंक अपने लोकनि इतिश्री कय देल); (इतिश्री करब)=समाप्ति करब। *itiśrī*—The end.

इतिहास—(१) बीतल प्रसिद्ध घटना आओर ओहिसँ सम्बन्ध रखनिहार पात्र वा पात्रक कालक्रमसँ वर्णन। (२) ओ पुस्तक जाहिमे बीतल प्रसिद्ध घटना आओर मनुष्यक वर्णन हो। (३) कोनो विषयसँ सम्बन्धित तथ्यकेँ आदिकाल सँ वर्तमान काल धरिक क्रमबद्ध वर्णन। (४) बीतल कथा। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० राज० व्रज०, इतिहास प्राकृ० इहास। महेश० ७४ (सकल इतिहासक बात); मै० हि० सा० (८-१६) ३ (इतिहास आदिक शिक्षा नितान्त आवश्यक); मि० श्र० १५७-१० (अनेको इतिहास केँ देख); किवा १ (किन्तु न कोमल अछि इतिहास)। *itihāsa*—History.

इतु—क्रि० वि०। एतय। [इतः]। तु० क० सं० अत्र। वर्ण० २३ (पर कहब इतु रहु)। *itu*—*Adv.* Here.

–इतेँ—प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इतेँ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (रओ, तोँ देखितेँ)। *-itẽ*—A suffix.

–इतैक—प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्वगत रहला सन्ताँ इतैक प्रत्यय अबैत अछि ल० वि० १०४ (बकरा केँ जँ औषध होइतैक तँ उखाड़ जइतैक)। *-itaika*—A suffix.

–इतैन्हि—प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्वगत रहला सन्ताँ इतैन्हि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (जवालालकेँ जँ औषध होइतैन्हि तँ ठुठ छुटितैन्हि)। *-itainhi*—A suffix.

इतौक—प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्वगत रहला सन्ताँ इतौक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (रओ, तोरा जँ चोर देखितौक तँ भय होइतौक)। *itauka*—A suffix.

इत्थ—क्रि० वि०। एना, एहि तरहेँ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, राज० इत्थ। गो० म० १ अमर ७१ (जनि जग जीवनक इत्थ कह धन्द। जे किछु कह कवि दास गोविन्द)। *ittha*—*Adv.* Like this.

इत्थमेव—वि०। एहने। [सं०]। तु० क० हि०

इत्थमेव। महेश० ५३ (के बुझ आम्यकता शास्त्र इत्थमेव); चन्द्र० ७३ (शास्त्र इत्थमेव) । *itthameva*—*Adj.* Like this.

𑒃𑒞𑓂𑒨𑒰𑒠𑒱 **इत्यादि**—अव्यय । एही तरहेँ, आओर आओर दोसर । [सं०] । तु० क० हि० इत्यादि । पुरु० ४५ (इत्यादि विचारि मंत्री सभ अपन-अपन घर जायित भेलाह); मै० हि० सा० २८ (बेवकूफ इत्यादि); मि० उद्० १५७–४ इत्यादि अनेक); मो० ६७-१२ इत्यादि पुनि कहिऔ; प्रण० ३६ (कोना मानम होइत अछि इत्यादि) । *ityādi*—*Ind.* So on etc.

𑒃𑒞𑓂𑒨𑒰𑒢𑓂𑒢𑒫𑒨 **इत्यान्नवय**—"इति अन्ववाय", एहि प्रकारक आनो बड़का कौड़ीक जूआ । [सं०] लु० प्र० । वर्ण० २६ (बहत्तरि चौरासी इत्यन्नवय कओग प्रभृति ये डीठा दे अबइते आह) । *ityānnavae*—*Obs.* Such group.

𑒃𑒟𑒱 **इथि**¹-एतए (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । वि० पदा० मजु० २५, रामभद्रपुर पोथी पद ४०२ (कथि अछि सुधा इथि अछि हास) । *ithi*¹—*Old* Obs. poet. form of *etae* (q.v.).

𑒃𑒟𑒱² **इथि**²—इत्थ (दे०) केर का० रू० । वर्ण० २८ (इथि दसन्ह स्थान चुम्बन); राग० ६१ (निकुंज केर समाज इथि) । *ithi*²—*Poet.* of *ittha* (q.v.).

𑒃𑒟𑒲 **इथी**—इथि² (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ४१ राग० त० ६२; न० गु० २१५, अ० २१६ (इथी बोतल आन) । *ithī*—*Coll.* of *ithi*² (q.v.).

𑒃𑒟𑒹 **इथे**—इथि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ६८; अ० ८४५ (तुया इथे लागि दुहु वइइते) । *ithe*—*Poet.* of *ithi* (q.v.).

𑒃𑒟𑓂𑒨𑒹𑒢𑓂𑒞 **इथ्येन्त**—एकर भीतर वा अभ्यन्तर । [सं०] । कीर्तिलता ४१ (इथ्येन्त पुनु रौल पड़ सोराड़ु कोजनि) । *ithyenta*—Within this.

𑒃𑓀𑒠𑒩 **इंदर**—इन्द्र (दे०) केर ग्रा० रू० । ग्रि० । *indara*—Folk form of *indra* (q.v.).

𑒃𑒠𑒱𑒩 𑒫𑒱𑒠𑒱𑒩 **इदिर विदिर**—निरर्थक । तु० क० हि० तितर-बितर । (अओ बौआ इदिर-बिदिर की बजैत छी) *idira vidira*—Nonsense.

𑒃𑒠𑒵𑒏𑓂 **इदृक्**—उनचास वायुमे एकटाक नाम [सं० ईदृक्] । *idṛk*—One of the 49 winds.

𑒃𑒢 **इन**—छिका-छिकी मे इनके व्यवहार होइछ तथा का प्रत्यय लगओला पर एहिमे पूर्णता अबैछ; यथा इनका । FML 412. *ina*—Used in *chikā-chikī* in the sense of this.

𑒃𑒢𑒏𑒰𑒩 **इनकार**—अस्वीकार, नामंजुरी, नहि मानब वा करब । [अर०] । तु० क० हि० इनकार भलमानुष १६१ । *inakāra*—Reject, disagreement.

𑒃𑒢𑒏𑒱𑒪𑒰𑒥𑒲 **इनकिलाबी**—वि० । क्रान्ति वा परिवर्तन लओनिहार । [सं०] । तु० क० हि० इनकिलाबी । नव० ६८ (तीन-तीन थानाक इनकिलाबी लीडर रहए) । *inakilābī*—*Adj.* Revolutionist.

𑒃𑒢𑒏𑓂𑒫𑒰𑒩𑒲 **इनक्वारी**- छानबीन, ताकब; खोज । [आंग्ल] । प्रयास १८ । *inkvārī*—Enquiry.

𑒃𑒢𑒩𑒰 **इनरा**—ग्रा० रू० । इनार । [इनार + आ] । (इनार क खसल जमुतिह ठाढ़) । *inarā*—Folk form of *inārā* (q.v.). A well.

𑒃𑒢𑒯𑒼𑒩 **इनहोर**—गरम वा उष्ण (जल) (दी०) । [इन + अहोर] (इनहोर कानिओ अलरी कह त) । *inahora*-Hot (Water).

𑒃𑒢𑒰𑒧 **इनाम**—पुरस्कार, पारितोषिक । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नें०, अव०, राज०, उर्दू इनाम । ग्रि०, मि० २३१ (चननपुरा गाम इनाम भेटलन्हि); कन्या० ५६ (इनाम दिय) । *ināma*—Prize, reward.

𑒃𑒢𑒰𑒩 **इनार**—पानि पीबाक हेतु बनाओल गेल गहीँड़ खाधि जे ईंटा सीमेंटसँ बेढ़ल रहैक । [सं० अन्तरा, अन्दर (दे०) अथवा ई (अव्यय) + नीर (=जल)] । तु० क० इनारा; ने० इनार । मि० BPL 920; ३६८ (लोक इनार पोखरि दिश तकैक); मै० हि० सा० ५८ (इनार पोखरि आदि); प्रण० ५३ (ओकरा समेत इनार मे पैसक हेतु विदा भेलीह); चित्रा ५५ (दीदिक इनारक पानि); मि० वि० ४० (ठामठाम पर इनार पोखरि बान्ह पुल इत्यादिक निर्माण भेल) । *ināra*—A well.

𑒃𑒢𑒮𑒳𑒪𑒱𑒢 **इनसुलिन**—मधुमेह रोकबाक औषध । [आँग्ल] । तु० क० हि० इनसोलिन । मिहि० ४६-४०-३ (किन्तु इनसुलिन सँ छुट्य से गर्ज रहए तखन ने) । *insulina*—Insulin.

–𑒃𑒢𑒱 **–इनि** प्रत्यय । स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिंग शब्दसँ (अकारान्त जाति वाचक शब्दसँ) इनि प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १०४ (राड़ सँ राड़िन; दाससँ दासिनि; खवाससँ खवासिनी; अमातसँ अमातिन) । *–ini*—Suffix for forming Fem.

–𑒃𑒢𑒲 **–इनी**-प्रत्यय । स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिंग शब्दसँ इनी प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ६४ (अमातसँ अमातिनी; केओटसँ केओटिनी; खवाससँ खवासिनी) । *–inī*—Suffix as *ini* (q.v).

𑒃𑒢𑓂𑒞(𑒢𑓂𑒞𑒱)𑒖𑒰𑒧 **इन्त(न्ति)जाम**—प्रबन्ध, संगठन, व्यवस्था । [अर०] । तु० क० हि०, अर०, ने० इन्तिजाम इन्तजाम । प्रण० ६१ ओहि दिनसँ ई इन्तिजाम भेल) । *inta(nti)jāma*—Management.

𑒃𑒢𑓂𑒞𑒱𑒯𑒰𑒢 **इन्तिहान**—परीक्षा । [अर०] । तु० क० उ० इम्तहान; इन्तिहान । मिथिला भाषा प्रकाश १२ । *intihāna*—Examination.

𑒃𑒢𑓂𑒠¹ **इन्द**¹—इन्द्र (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता १४ (लैहेन राए गअनेस गउँ सुरपुर इन्द समाज) । *inda*¹—*Old* Obs. of *indra* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠² **इन्द²**—सूर्य । [सं०] । कीर्त० ल० ५६ (इन्द चन्द आभास कमन परि पहि समय पेल्लथ) । *inda²*—Sun.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒩 **इन्दर**—इन्द्र (दे०) केर ग्रा० रू० । गीत् मिनीर २० । *indara*—Folk form of *indra* (q. v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱 **इन्दि**—इन्दिअ (दे०) केर संक्षि० रू० । चर्या ४५/१ । *indi*—*Short* form of *India* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒁 **इन्दिअ**—इन्द्रिय (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ३७२ (इन्दिय हाकन नतहि इन्दिअ) चर्या १०/१; FML 414. *india*—*Poet*. form of *indriya* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒂𑒪 **इन्दिआल**—इन्द्रियजाल केर प्रा० लु० रू० । चर्या ३०/३;FML 47. *indiāla*—*Old* obs form of *indriyajāla*.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒰𑒩 **इन्दार**—इनार (दे०) केर प्रा० लु० रू० । मै० सा० इ० २२७ (१२२३ साल) (इन्दार टटाय या मँगवाय) । *indāra*—Obs, form of *ināra* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩𑒰 **इन्दिरा**—लक्ष्मी, विष्णु, स्त्री, सुन्दर । [सं०] । तु० क० बं० इन्दिरा । राम ४० (मन्दिरमे इन्दिरा कटाक्ष चालित छलीह); अम० ७ (इन्दिरा लोकमातृमा) । *indirā*—Lakṣmī, wife of Viṣṇu.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒥𑒱𑒮𑒁 **इन्दिबिसआ**—इन्द्रियक विषय वा वस्तु । [सं०] । चर्या० ४६/३ । *indivisaā*—Pleasures of *indriya* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒲𑒖𑒰𑒢𑒲 **इन्दीजानी**—वि० । इन्द्रिय केँ जननिहार, बुझनिहार । [इन्द्रियज्ञानि > इन्दिजानी] । चर्या० १४/४; FML 290. *indijāni*—*Adj*. Who knows the different senses.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒲𑒫𑒩 **इन्दीवर**—नीलकमल । [सं०] । तु० क० बं०, असु०, ने०, राज०, इन्दीवर; पा०, प्राकृ० इन्दिवर । वि० पदा० मजु० २१, न० गु० तालपत्र १९७; बं० न० १३३६, अ० १२० तथा ४०५ (अनि इन्दीवर पवले पेलल); गो० म० ९, अम० ११ (इन्दीवर युग लोचन सुभग चंचल चंचल कुसुम शेर); पा० ह० १ (तनु इन्दीवर श्यामल चोरि); राम० १० इन्दीवर शोभा कत दूर) । *indīvara*—Blue lotus.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳 **इन्दु**—चन्द्रमा, मयंक, कर्पूर । [सं०] । तु० क० बं०, असु०, ने०, पा०, प्राकृ० इन्दु; हि० इन्दु । वि० पदा० मजु० ७०; राग त० ५; न० गु० तालपत्र २४८, अ० २४८ (चान्दने लिजुए इन्दु); वि० नै० ६८ (इन्दु से इन्दु इर इन्दुत); गो० म० १ अम० १८ (सिन्दुर बिन्दु चन्दन इन्दु ओकिल उर पर पावक राग); मि० भद्० १५१–१५ (वदन इन्दु अरविन्द विनिन्दक) । *indu*—Moon.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒏 **इन्दुक**—एक प्रकारक वृक्ष जाहिसँ आगि उत्पन्न होइछ । [सं०] । तु० क० सिं० उद्भिद् हि० इन्दुक । राम० ४६ इन्दुक भानुक वा नवल श्वलर मैं) । *induka*—A kind of fire plant.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒧𑒞𑒲 **इन्दुमती**—(१) पूर्णिमा । (२) इन्दुमती रानी, राजा अजक पत्नी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० इन्दुमती । रघुवंश ८? । *indumatī*—Full moon, Queen Indumati, the wife of king Aja.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒧𑒳𑒐𑒲 **इन्दुमुखी**—वि० । चन्द्रमा सदृश मुँहवाली । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, इन्दुमुखि गो० म० १ अम० २२ (कामुक बिन्दु इन्दुमुखि निन्दसि सिन्दुर करि अनुमाने) । *indumukhī*—*Adj*. (A lady) possessing face like the moon.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒩 **इन्दुर**—मूस । [सं०] । तु० क० बं० इन्दुर, हि० इन्दुर । वि० पदा० मजु० ७१, प० ह० २५६, न० गु० २५०, अ० २४९ (जस दाडिम बीज इन्दुरतल भिनि) । *indura*—Mouse.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒴 **इन्दू**—इन्दु (दे०) केर का० रू० । गो० म० १ अम० २ (तवि सम रेहल सिन्दूर बिन्दू । कुङ्कुम माँजि साजि मुख इन्दू । *indū*—*Poet* of *indu* (q. v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒺 **इन्दे**—क्रि० वि० । एहि तरहेँ [FML 439] । *inde*—*Adv*. This way.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 **इन्द्र**—देवताक नाम, देवताक राजा, सभ देवतामे श्रेष्ठ तथा हिनक स्थान अन्तरिक्ष मानल जाइछ एवं ई पानिक वर्षा करैत छथि । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्र; पा० इन्द; पा० मा० इंद; सि० इन्द्रनु । वर्ण० ६० (इन्द्र अग्नि यम), वर्ष० २६ (इन्द्रक खाण्डवचन लुगौवक मधुवन); म० कु० ३ (इन्द्र अंश अर्जुन अवतार); राम० ११ (जौं हो इन्द्र समान); FML 289 (इन्द्र सहस्राक्ष भेलाह); मै० छि० सा० (वशिष्ठ इन्द्रक यज्ञ कराव गेलाह); मि० ड० १५०–१७ (एक समय नारद इन्द्रक सभामे बैसल छलाह) । *indra*—The God Indra.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏𑒧𑒪 **इन्द्रकमल**—एक प्रकारक उज्जर सुगन्धित पुष्प । [सं०] । तु० क० बं०, ने०, असु० इन्द्रकमल । मिथा ६६ (इन्द्रकमल की गोरा मधुरी) । *indrakamala*—A kind of white fragrant flower.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒋 **इन्द्रजओ**—इन्द्रयव, यवाकार औषधि विशेष । [सं०] । *indrajao*—A kind of herb whose shape is like barley.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒰𑒪 **इन्द्रजाल**—मायाकार्य, जादूगरी । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रजाल; बं० असु०, ने० राज० म० इन्द्रजाल । वर्ण० २० (सन्धानक इन्द्रजाल); राम० २४६ (अथवा इन्द्रजाल विज्ञानी); पुरु० १४४ (इन्द्रजाल से कहवि महान); प्रण० १८१ (ई कोन इन्द्रजाल भेल) । *indrajāla*—Magic.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒰𑒪𑒱𑒢𑒲 **इन्द्रजालिनी**—इन्द्रजाली (दे०) केर स्त्री रू० । साभोन० १६ इन्द्रजालिनी प्रकृति नहीं केर) ।

indrajālini—*Fem* form of *indrajāli* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒰𑒪𑒲 **इन्द्रजाली**—वि० । मायावी, जादूगर, इन्द्रजाल करनिहार । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रजाली; ने० बं०, अस०; राज० इन्द्रजाली । (इन्द्रजालीक चक्करमे जनु पड़ी) । *indrajāli*—*Adj.* Magician.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒱𑒞 **इन्द्रजित**—रावणक बेटा मेघनाद । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रजित; बं०, अस०, ने०, राज०, अव०, इन्द्रजीत । राम० २६६ (जे तनिकर मर इन्द्रजित) । *indrajita*—The son of Ravana, Meghanad.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒡𑒢𑒳𑒭 **इन्द्रधनुष**—सात रंगक बनल एक अर्द्धवृत्त जे वर्षाकालमे सूर्यक विपरीत दिशामे आकाशमे देखि पड़ैछ । जखन सूर्यक किरण बरसैत पानि के पार करैत अछि, तखन ओकर प्रतिच्छायासँ इन्द्रधनुष बनैत अछि । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रधनुष; बं०, ने० अस०, राज०, अव० इन्द्रधनुष । नव० १४ (इन्द्रधनुष जकाँ जगमगाएल) । *iudradhanusa*—Rainbow.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒢𑒲𑒪 (𑒧𑒝𑒱) **इन्द्रनील (मणि)**—नीलमणि,नीलम । [सं०] । तु० क० हि० इंद्रनील । वर्ण० १८ (इन्द्रनीलक प्रतिबिम्ब अइसन); राम० १२ इन्द्रनीलमणि छविमयअङ्ग) । *indranīla* (*mani*)—Sapphire.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟 **इन्द्रप्रस्थ**—एक नगर जकरा पांडव सब मिलि खाण्डव वन जराकए बसओलन्हि । ई आधुनिक दिल्लीक सन्निकट अछि । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रप्रस्थ; बं० अस०, ने० राज०, अव० इन्द्रप्रस्थ । (इन्द्रप्रस्थ पाण्डवक स्वनिर्मित नगर छल) । *indraprastha*—Name of a city near Delhi.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒦𑒫𑒢 **इन्द्रभवन**—इन्द्रक भवन, घर वा इन्द्रक घर सदृश सुन्दर घर । [सं] । मन० कृष्ण० ५ (ई कहि इन्द्रभवन होयत वास) । *indrabhawana*—The house of Indra

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒪𑒼𑒏 **इन्द्रलोक**—स्वर्ग । [सं०] । [ऋषि मुनि अपन कर्मक बलेँ इन्द्रलोक पओलन्हि) । *indraloka*—Heaven.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒮𑒹𑒢𑒰 **इन्द्रसेना**—एकटा पतिव्रताक नाम । [सं०] । वर्ण० ५६ (इन्द्रसेना, अनुसूया, लोपामुद्रा) । *indrasenā*—Name of a faithful wife.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰𑒝𑒲 **इन्द्राणी** इन्द्रक पत्नी, शची, दुर्गादेवी । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्राणी; बं० इन्द्राणी । राम० ४२ (इन्द्राणी गज गामिनि सर्व्वे) । *indrānī*—The wife of God Indra, Durga Devi.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰𑒨𑒝𑒰 **इन्द्रायणा**—जड़ी विशेष जे पसरहट्टा दोकानपर भेटैत अछि, बाँहिमे बान्हल जाइछ एवं औषधि निर्माण मे प्रयोग होइछ । *indrāyana*—Name of a herb.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰𑒮𑒢 **इन्द्रासन**—राजसिंहासन, इन्द्र देवताक सिंहासन, विशेष सुखक स्थान । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रासन; बं० अस०, ने०, अव०, राज० इन्द्रासन । मि०; खट्ट० ११७ (कतहु इन्द्रासन ने छिना जाय) । *indrāsana*—Place of happiness, the throne of Indra.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒨 **इन्द्रिय**—ओ शक्ति जाहिसँ बाहरी विषयक ज्ञान प्राप्त होइछ । ओ शक्ति जाहिसँ बाहरी वस्तुक भिन्न-भिन्न रूपमे अनुभव होइछ; शरीरक ओ अवयव जे शक्ति द्वारा विषयक ज्ञान प्राप्त करैछ । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रिय; बं०, अस०, ने०, पा०, अव०, राज० इन्द्रिय; प्राकृ० इंदिअ; गु०, सि० इन्द्री । राम० १२५ (अहङ्कार मति इन्द्रिय सर्व्वे); महेश० १६ (इन्द्रिय अनेक भावै); पुरु० २४० (जित इन्द्रिय सँ योगाभ्यास); प्रण० (इन्द्रिय सुख कोनो वस्तु नहि थिकैक) । *indriya*—A sense organ.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒨𑒖𑒲𑒞 **इन्द्रियजीत**—वि० । जे इन्द्रियकेँ जीति नेने अछि वा अपना वशमे कए नेने अछि । [सं] । तु० क० हि० इन्द्रियजीत; बं०, अस०, ने० इन्द्रियजीय । मो० ६६-२ (भै पुनि इन्द्रियजीत) । *indriyajīta*—*Adj.* (One) having command over his sense-organs.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒨𑒢𑒱𑒑𑓂𑒩𑒯 **इन्द्रियनिग्रह**—इन्द्रियकेँ दबाएब वा इन्द्रिय केर वेगकेँ रोकबाक उपाय । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रियनिग्रह; बं० इन्द्रियनिग्रह । खट्ट० ७१ (तैँ इन्द्रियनिग्रह राख) । *indriya-nigraha*—Controlling sense organs.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒲 **इन्द्री**—ग्रा० प्र० पुरुषक लिंग । [सं० इन्द्रिय] । *indri*—Folk form. Penis.

𑒃𑒢𑓂𑒡𑒢 **इन्धन**—जारनि, जरएबाक काठ । [सं०] । तु० क० हि० इंधन; बं०, अस०, ने० पा० इन्धन; प्राकृ० इंधण । कीर्तिलता ४३ (चान्दनक मूल इन्धन बिका); गो० श्र०, अम० ४ (बेयुक फूल मदनानल कुल इन्धन भै जारि); राम० ७७ (अनल बनल बितु इन्धन); पुरु० १६ (अग्निक इन्धन प्राण) । *indhana*—Faggot.

𑒃𑒢𑓂𑒢𑒩 **इन्नर**—इन्द्र (दे०) केर ग्रा० रू० । FML 119; नव० ३६ (देखिअओ इन्नर महराज) । *innara*—Folk form of *indra* (q. v.).

𑒃𑒢𑓂𑒢𑒰 **इन्ना**—एना (दे०) केर वा० रू० । FML 434, 438, *innā*—*Coll* form of *enā* (q.v).

𑒃𑒢𑓂𑒮𑓂𑒙𑒲𑒙𑓂𑒨𑒴𑒙 **इन्स्टीट्यूट**—संस्थान । [अंग्ल] । तु० क० हि० इंस्टीच्यूट । मिथिलामे शिक्षा १० । *institytūta*—Institution.

𑒃𑒢𑓂𑒮𑓂𑒣𑒹𑒏𑓂𑒙𑒩 **इन्स्पेक्टर**—निरीक्षक, देखभाल करनिहार । [अंग्ल] । तु० क० हि० इंस्पेक्टर । नव० ७ (सप्लाई इन्स्पेक्टर आबि कैँ तहकीकात क गेलइक) । *inspektara*—Inspectcor

𑒃𑒢𑓂𑒯𑒩 **इन्हर**—खोट्टामे इम्हरकेर वा० रू० FML 430 474. F.F. of *imhara* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒯𑒼𑒩 **इन्होर**—इनहोर (दे०) केर विक० रू० । ग्रा० सा इ० २६ । *inhora*—*Alt.* Form of *inahora* (q.v.).

𑒃𑒣𑓂𑒮𑒰 **इप्सा**—इच्छा, लालसा, मनोकामना। [सं० ईप्सा]। स्त्री शिक्षा ४६ (इप्सा राखथि)। *ipsā*—Wish.

𑒃𑒧 **इम**—एहि तरहेँ, एहि रास्तासँ। तु० प्र०। [सं० इमम्] तु० क० जिमि। वि० ने० ७२ (इम नारी भैलि बड़ाबध थी)। *ima*—*Obs.* This way.

𑒃𑒧𑒢𑓂𑒠𑒰𑒩 **इमन्दार**—इमानदार (दे०) केर विक० रू०। नव० ३६ (आब बीकर इमन्दार आ निर्लोभी पंडित रहइक)। *imandāra*—*Alt.* Form of *imānadāra* (q.v.).

𑒃𑒧𑒪𑒲 **इमली**—तेतरिकेँ हि० मे इमली कहल जाइछ। [हि०] मि० उ० ४६३ (इमली कतली देल); गाह० ५५ (हम मचाईब आम तरौनी इमली)। BPL 1310,1314. *imalī*—Tamarind.

𑒃𑒧𑒯𑒩 **इमहर**—एम्हर (दे०) केर ग्रा० रू०। FML 439 *imahara*—*Coll.* Form of *emhara* (q.v.).

𑒃𑒧𑒰𑒢 **इमान**—विश्वास, धर्म। [अर०]। तु० क० बं० ने०, असा०. इमान। FML 124; मजकतुप ४७। *imāna*—Faith.

𑒃𑒧𑒰𑒢𑓂𑒠𑒰𑒩 **इमान्दार**—वि०। विश्वासपात्र, चतुर। [अर०]। तु० क० ने०, बं०, असा० इमान्दार। (अहाँक नोकर बड़ इमान्दार अछि)। *imāndara*—*Adj.* Faithful, honest.

𑒃𑒧𑒱𑒙𑒹𑒬𑒢 **इमिटेशन**—नकलि, नकली, नकलि माल। [अं०]। व्यापार विज्ञान १८० (रोल्डगोल्डक इमिटेशन)। *imiteśana*—Imitation.

𑒃𑒧𑒱𑒩𑒰(𑒩𑒱)𑒞𑒲 **इमिरा(रि)ती**—अमिरती (दे०) केर ग्रा० रू०। [फा० इमारत] B.P.L 1073,1272. *imira(ri)tī*—*Coll.* form of *amiratī* (q.v.).

𑒃𑒧𑓂𑒯𑒩 **इम्हर**—एम्हर (दे०) केर विक० रू०। मि० २८२ (एहि अधिक विष-मे एम्हर आबि समय बितल पर गाईनिसीम भेल); FML 439, 570 *imhara*—*Alt.* form of *emhara* (q.v.).

𑒃𑒧𑓂𑒯𑒩𑒯𑒱 **इम्हरहि**—इम्हर (दे०) केर निश्च० रू०। मि० ३२८ (पथ कामेँ एम्हरहि देने लेलहुँ)। *imharahi*—*Emph.* form of *emhara* (q.v.).

𑒃𑒨𑒞𑓂𑒞𑒰 **इयत्ता**—सीमा, परिमिति। [सं०]। तु० क० इयत्ता। कसं० २८२ (शास्त्र इयत्ता दशार्थ); नरोत्तम ६३। *iyattā*—line.

𑒃𑒨𑒰𑒠 **इयाद**—याद (दे०) केर ग्रा० रू०। तु० क० बं० इयाद। (इयाद नहि होइ छैक)। *iyāda*—*Folk* Form of *yāda* (q.v.).

𑒃𑒨𑒰𑒩 **इयार**—इआर (दे०) केर विक० रू०। वि० ने० २६८ (मति भर भलि थिक भोल इयार); राम० २१० (अग्नि वायु इन्द्र विलकि इयार); पारी (इयारक काम फूजल)। *iyāra*—*Alt.* Form of *iāra* (q.v.).

𑒃𑒨𑒰𑒩𑒲 **इयारी**—मित्रता (दे०)। [इयार+ई]। (अओ इयारी मे कतहु मारि दंगा हो)। *iyārī*—Friendship.

𑒃𑒨𑒰𑒯 **इयाह**—इएह (दे०) केर अशु० रू०। काठोपनिषद ७६। *iyāha*—Err. of *ieha* (q.v.).

𑒃𑒨𑒻𑒯 **इयैह**—इएह (दे०) केर अशु० रू०। मि० २७२ (इयैह कहल देल छथि); पारी १६ (हम इयैह कहलहुँ)। *iyaiha* Err. Form of *ieha* (q.v.).

𑒃𑒩𑒐𑒰 **इरखा**—डाह, अनकर उन्नतिसँ जरब। [सं०]। तु० क० हि० इरखा। नव० ६५ (तहू पर इरखा होइक); आबि मीम पाथर २१ (परिपाटीक इरखा हृदयमे रामकृष्ण प्रतिर्जे)। *irakhā*—Enviousness.

𑒃𑒩𑒯𑒩 **इरहर**—इलहर (दे०) केर ग्रा० रू०। भव० वि० १२१ (इरहर रामरथ रमचकरा)। *irahara*—*Alt.* form of *ilahara* (q.v.).

𑒃𑒩𑒰𑒏 **इराक**—पश्चिम एशियाक एक देशक नाम। [फा०]। तु० क० हि० इराक। मकरर नामा २८, ४६; ४८। *irāka*—Name of a country.

𑒃𑒩𑒰𑒠𑒰 **इरादा**—इच्छा, विचार, कर्त्तव्य। [अर०]। तु० क० हि०, उर्दू० इरादा; BPL 1364। (अहाँक की इरादा अछि)। *irāda*—Intention, wish, desire.

𑒃𑒩𑒼𑒞 **इरोत**—ओट, व्यवधान (दे०)। [सं० आवृत]। राम० ६६ (कमठी चलतल कह इरोत)। *irota*—Obstruction.

-𑒃𑒪 **-इल**—प्रत्यय। उपजल होएनिहार एवं रहनिहार हेतु सब कहबैत अछि। सब अर्थमे इल प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ३७ (लटिकल, माथिल)। *-ila*—A suffix.

𑒃𑒪𑒑𑒰𑒮 **इलगास**—ग्रा० रू० इजलास। [इजलास]। FML 143. *ilagāsa*—Folk form of *ijalāsa*.

𑒃𑒪𑒔𑒲[1] **इलची**[1]—फल विशेष (दे०), अलाची। [एला (सं०) + ची (प्रत्य)]। *ilacī*[1]—Cardamom.

𑒃𑒪𑒔𑒲[2] **इलची**[2]—वि०। उपद्रवक हेतु अस्थिर मिया पुताक हेतु मिथिला मे प्रयोग कयल जाइछ। *ilacī*[2]—*Adj.* Mischievous (child).

𑒃𑒪𑒧 **इलम**—ज्ञान, जानकारी। [अर० इल्म]। तु० क० हि० इलम। जयवार ५६। *ilama*—Knowledge.

𑒃𑒪𑒧𑒪𑒱𑒨𑒰 **इलमलिया**—केबाड़क लोहक खिल्ली। *ilamaliyā*—An iron latch.

𑒃𑒪𑒧𑒱𑒩𑒰 **इलमिरा**—अलमारी (दे०) केर अशु० रू०। न० वि० ११६ (इलमिरा मे विस्टोट मिटल छैक)। *ilamirā*—Err. form of *alamārī* (q.v.).

-𑒃𑒪𑒰 **-इला**—प्रत्यय। उपजल होएनिहार वा रहनिहार हेतु सब कहबैत अछि। सब अर्थमे इला प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ३७ (देहाती देशिला; अगर्मे अमिला; पढ़िला)। *-ilā*—Suffix.

इलाइची—अलाची [सं० एला]। BPL 1272; अम० १०२ (इ पाँच अलाची वा इलाइचीक नाम); कन्या० १०३ (थोड़ेक इलाइची , दाना)। *ilāicī*–Cardamom.

इलाका—राज्य, सम्बन्ध, अपेक्षा, जमीन्दारी। [अर० इलाका]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० इलाका मै० हि० सा० (८-१२) ५ (अपन वस्तु जात जमीनदारक इलाका। लगा देल); नव० ५३ (दस कोशक इलाकामे हिनक नाम चलइ छन्हि)। *ilākā*—Domain.

इलाज—दवाइ, औषध, निवारणक उपाय वा युक्ति। [अर०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० इलाज। FML 124; द्विरा० ३३ (कथिक इलाज होइ छलइ); रंग ३६ (इलाज करेर फेरमे); चन्द्रकला १५३। *ilāja*—Treatment.

इलाजे—इलाज (दे०) केर का० रू०। श्री कृष्ण जन्म रहस्य २३। *ilāje*—Poet. form of *ilāja* (q.v.)

इलाम—आज्ञा, हुक्म। [अर० ऐलान]। तु० क० हि० इलाम। BPL 1217। *ilāma*—Order.

इलामे—इनाम (दे०) केर प्रा० अवहट्ट रू०। कीर्तिलता ३१ (सुरतान सलामे लहिअ इलामे)। *ilāme*—*Old avahaṭṭha* form of *ināme* (q.v.)

इलाही-ईश्वर, परमात्मा, भगवान, खुदा। [अर०]। तु० क० हि०, अव०, बं०, ने०, अस० इलाही। BPL 1491; अकबरनामा २४१। *ilāhī*—The Almighty God.

इलिम—इलम (दे०) केर वि० रू०। तु० क० उर्दू भोज०, इलिम। उ० ना० ति० २२। *ilima*—*Alt.* form of *ilama* (q.v.).

इलेक्ट्रोन—परमाणु वा पदमकेर अवयव। [आंग्ल]। तु० क० हि० इलेक्ट्रोन। मिहिर १३ (२-६१-१०४) *ilektrona*—Electron.

इव—अव्यय। उपमावाचक शब्द, समान, सदृश, तुल्य। [सं०]। तु० क० हि० इव। वि० प० ७ (मीन रूप इव धप कैं)। *iva*—*Ind.* Similar.

इशान—दिक्पालक नाम, ईशान कोनक देवता। वर्ण० ६० (मरुत कुवेर इशान)। *iśāna*—Name of the deity presiding over N.E. direction.

इशारा—संकेत, गुप्त प्रेरणा, चेष्टा। [अर० इशारह]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० इशारा। कन्या० १३७ (इशारा पर काज करय लगलाह); नद० ४७ (भागिन अङ्कुरक इशारा सँ लग आवय कहलथिन)। *iśārā*—Signal.

इस्टाम्प—टिकट वा रजिस्ट्री जमीन लिखएबाक हेतु सरकारी सील मोहरवला कागत। [आंग्ल]। BPL 123। *isṭāmpa*—Stamp.

इस्टीशन—इसटीशन (दे०) केर वा० रू०। ट्रेन वा रेलग ड़ी रुकबाक स्थान जतय लोक उतरैत अछि। [आंग्ल]। FML 119। *isṭīśana*—*Coll.* of *isaṭīśana* (q.v.).

इस्वर—ईश्वर (दे०) केर वा० रू०। वर्ण० ५८ (इस्वर कपाली भव स्थानु)। *isvara*—*Coll.* of *īśvara* (q. v.).

इस्वरी—इश्वर (दे०) केर स्त्री० रू०। वर्ण० ६३ (नायकहि गृह इश्वरी)। *isvarī*—*Fem.* of *īśvara* (q.v.).

इषत—क्रि० वि०। थोड़, कम। [सं० ईषत्]। राम० ३१५ (इषत हँसति मुख राम निहार)। *iṣata*—*Adv.* Slight.

इष्ट—वि०। अभिलषित, वांछित, अभिप्रेत, पूजित, प्रिय, अनुकूल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० इष्ट। बालकाण्ड ६ (परम इष्ट अपनै काँ जैह); चन्द्र० १६४ (अङ्कि इष्ट); पुरु० १ (अर्जन करै छथि इष्ट काज); मो० ६७-५ (इष्ट अपन सुरवरण कमलकेँ लगा रहल छथि); अम० २१६ (निकाम इष्ट यथेप्सित)। *iṣṭa*—*Adj.* Loved, desired, wished, respected.

इष्टइन्डिया—विदेशक एक गोरा जत्थां पहिने भारतमे व्यापारक दृष्टिकोणसँ जमओलक आ बादमे शासन करए लागल। [आंग्ल]। मि० ३३१ (हिनकहि समयमे इष्टइन्डिया कम्पनीक अधिकार बङ्गाल वर्दमान होइत)। *iṣṭa-inḍiyā*—East India.

इष्टकारोपण-ईंटाक गाड़ल जाएब वा घरक नेओँ बला ईंटा रोपि लेब। [सं०]। मि० ३२६ (निर्धारित मुहूर्तमे ओहि स्थानमे इष्टकारोपण कयल गेल)। *iṣṭakāropaṇa*—Brick laying.

इष्टदेव(ता)—कुल देवता, आराध्य देवता, ओ देवता जनिक पूजासँ मनोकामना पूर्ति हो। [सं०]। तु० क० हि०, बं , अस०, ने० इष्टदेव; इष्टदेवता। वर्ण० १५ (इष्टदेवता स्मरण करु); महेश० ४४ (सम लोकक इष्टदेव); मै० हि० सा० (८-१२) २० (इष्टदेव जे कारण पूजल); प्रण० १६८ (इष्टदेवकेँ प्रणाम कए आँखि फोललन्हि)। *iṣṭadeva(tā)*—Family deity.

इष्टाङ्गना—इष्ट स्त्री। [सं०]। वर्ण० ६५ (होम निर्वाहि इष्टाङ्गना लाज दिहु)। *iṣṭāṅganā*-Bride, the desired wom n.

इष्टमाला—इष्टमन्त्र जाप करबाक माला। [सं०]। चर्या० ४०/१। *iṣṭamālā*—The string of beads for praying one's *iṣṭadevatā* (q.v.).

इष्टि—इच्छा, अभिलाषा, इष्टदेव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इष्टि; प्राकृ० इट्ठि। (अइँक की इष्टि अछि)। *iṣṭi*—Wish.

इस-अव्यय। अचानक खेद, कष्ट, पीड़ा, दुखजनक शब्द। [देश] (दि०)। तु० क० बं०; ने० इस। (इस बड़ जोरसँ चोट लागल)। *isa*—An interjection of sudden pain, sorrow etc.

इसइसी—कष्ट वा दुखक प्रभावक अनुभव। [सं०] [इस + इस + ई]। अपूर्ण रसगुल्ला ३। *isaisī*—Pain.

इसकुल—स्कूल (दि०) केर ग्रा० रू०। थारी ८ (सरल एक दू दिन देरीये सँ पहुँचय तैसँ की)। FML. 190; मिहिर ६ (२-६२-६३); संगीत शब्दकोष ५०३। *isakul*—Coll. of skūla (q.v.).

इसकुलिय(या)—स्कूलसँ सम्बन्धित। [आंग्ल]। नव० ५० (इसकुलिया काली समक क्षेत्र आँखमे मल्लू सिल-सिलहि लिखल)। *isakulīa(yā)*—Relating to school.

इसखियाम—अपन सौन्दर्य वृत्तिक बड़ बादन करब। [इसखी + आम = युक]। मि० ग्रा० म० २६। *isakhiyāma*—Fondness for decoration, ostentation.

इसखी—वि०। सौन्दर्यविहार, स्वशरीर सौन्दर्य प्रेमी (दौ०)। [उर्दू शौकीन अथवा शख्स]। तु० क० सखीशौकिन। (इसखी बिलाडी कें कमलक कोठी); (इसखी मुखरा साथ मास); (इसखी कौआ साथ मास)। *isakhī*—*Adj.* Who decorates himself.

इसटीश(स)न—रेलगाड़ी रुकबाक स्थान तथा जतय लोक उतरय। [आंग्ल]। मि०; नव० २४ (इसटीशन सँ लौटि ददर घबड़ इलाइक); नव० ५५ (पण्डित घरक राज अरहौलहि इसटीशन गेल रहथि)। *isaṭīśa(sa)na*—Railway station.

इसत—इसत (दि०) केर अशु० रू०। मि० पदा० मञ्जु० १८; प० त० २०१, अगरा ११; कीर्तनानन्द १६२; म० पु० ५५; अव० ४२ (इसत हाँसिनी मुने कालल नयेवा धाय)। *isata*—Err. of *īṣata* (q.v.).

इसति(ती)री—इस्तिरी (दि०) केर ग्रा० रू०। BPL. 389, FML. 120. *isati(tī)rī*—Folk form of *istirī* (q.v.).

इसपात—स्पात (दि०) केर ग्रा० रू०। तु० क० हिं० इस्पात। FML. 190. *isapāta*—Coll. of spāta (q.v.).

इसफगोल—औषध विशेष (दौ०)। [फा० इसपगोल]। तु० क० हिं० इसबगोल। गर्मीमे लोक ठंडाक हेतु इसफगोलक भूसी पिबैत अछि)। *isaphagola*—Name of a herb.

इसर—ईश्वर (दि०) केर का० रू०। तु० क० भोज०; हिं० इसर। वि० ने० ५४ (विसु विसेँ इसर नाम उपजा); वि० ने० २५६ (तैलोक इसर हर के नहि जाने)। *isara*—*Poet* of *īśvara* (q.v.).

इसरगत (द)—एक प्रकारक क्षुद्र जड़ी जे साप दरबाक करसँ जापाइ यदि रवि दिन मात्र मैथिलसीकानि ग्रावत पहुँचा पर करीत छथि। [सं० ईश्वर + सं० गद]। प्रय० १४१ (इसरगत बन्हने रात तिहिना दूरे पकाय जैता गाइड कें दैहि जो); व्य० वि० १४६ (इस गद बन्हने सर्व भय नाशाइ); व्य० वि० ४० (आय इसरगद बन्हबाक समठाम बड़ इलिमालि अछि)। *isaragata (da)*—A kind of ant,-snake bite herb.

इसराज—एक प्रकारक सारंगी सदृश बाजा। [अर०]। तु० क० हि०; ने० इसराज; बं० एसराज। (इसराज आ सारंगीक स्वरपर के नहि मुग्ध होइछ)। *isarāja*—A kind of singing instrument like *sārangī*.

इसरे—इसर (दि०) केर निश्च० रू०। वि० ने० (इसरे भसमे भव नरायह)। *isare*—Emph. of *isara* (q.v.).

इसलाम—मुसलमानसम्बन्धक धर्म, मुहम्मद साहेबक चलाओल धर्म। [अर० इस्लाम]। तु० क० हि० इसलाम; बं० इस्लाम। अछि)। *isalāma*—Islam.

इसारा—इशारा (दि०) केर विक० रू०। राम० ११ (देल वाम नेत्रसँ इसारा); मि०; बं० शब्दकोष ५००। *isārā*—*Alt.* of *iśārā* (q.v.).

इसारा बतान—नटुआ तमक हाव-भाव प्रदर्शन। [इसारा + बताबय]। उत्का धाप ४१। *isārā-batāna*—Gesticulation of a dancer.

इस्कूल—ग्रा० रू०। स्कूल, विद्यालय, पढ़बाक स्थान। [आंग्ल]। तु० क० मै० इस्कूल FML. 120, 125। *iskūla*—Folk form. School.

इस्खियाम—इसखियाम (दि०) केर ग्रा० रू०। FML. 2 3. *iskhiyāma*—Coll. of *isakhiyāma* (q.v.).

इस्टीशन—इसटीशन (दि०) केर विक० रू०। FML. 120। *isṭīśana*—Alt. of *isaṭīśana* (q.v.).

इस्तमुरारी—मालगुजारीक स्थायी बन्दबस्त। [फा० इस्तमरारी]। मि० ३४४ (औतबाक इस्तमुरारी बन्दोबस्त भेल निश्चित भेलैन्ह)। *istamurārī*—Permanent settlement of revenue.

इस्तमाल—व्यवहार; कार्यमे आनब। [अर०]। तु० क० उर्दू इस्तमाल। (कोनो वस्तुक इस्तमाल भोकर गुणक अनुकूल होइछ)। *istamāla*—Use.

इस्तिरी—धोबिया आदि लोक सँ बौआयल कपड़ाकेँ समनैत अछि। BPL. 1275। [फा०]। *istirī*—

Calender.

इस्त्री **इस्त्री—स्त्री** (दे०) अथवा इस्तरी (दे०) केर बा० रू०। म्रि०। *istri—Coll:* of *stri* (q.v.). or *istari* (q.v.).

इश्तिहार **इश्तिहार**—विज्ञप्ति, नोटिस। [फा०]। [अर०]। तु० क० बं०; उर्दू इश्तहार। *istihāra*—Notice.

इस्तीफा **इस्तीफा**—त्यागपत्र, नोकरी छोड़बाक प्रार्थना पत्र। [अर०]। तु० क० हि० इस्तीफा; FML 190 इस्तीफा। *istīphā*—Resignation.

इह[1] **इह[1]—ई[3]** (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० २०; प० त० १०५६; न० गु० २, अ० ६८ (इह इस को पर्य जाने); गो० श्र० १ अम० १५ (गोविन्ददास भन अहे नन्द नन्दन इह किये पिरितिक रीति); गौरी परिणय ३ (तात भवन सखि सबहु इह भाखत है); महेश० ३५ सुकवि चन्द्र इह भाने)। *iha—Poet.* of *ī*[3] (q.v.).

इ(ह)ह[2] **इ(ह)ह[2]—अव्यय**। निन्दा वा क्रोध द्योतक शब्द। (इहह बड़ मेला से); (इहह केहन लोक छी!) तु० क० इस्स, इस *i(h)ha—Ind.* Exclamatory word for expressing displeasure or disparagement.

इहइ(ई) **इहइ(ई)**—प्रत्यय। FML 412, 500. *ihai-(ī)*—A suffix.

–इहक—**इहक—प्रत्यय**। भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तों कर्तृपद रहने सामान्यतः इहक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०७ (तों काल्हि जाएके कार्य देखिह ह)। *-ihaka*—A suffix.

इहलीला **इहलीला**—एहि लोकक जीवन तथा ओहिसँ सम्बन्धित समस्त कार्य कलाप। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इहलीला। नव० ५० (पेट्रोमेक्स अपन इहलीला सँवरण क लेत)। *ihalīlā*—Work in ihis life.

इहलोक **इहलोक**—ई संसार, जगत, दुनियाँ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० इहलोक। नव० १२ (की इहलोक की परलोक दूनूठाँ रानी कहाओत)। *ihaloka*—This world.

इहलौकिक **इहलौकिक—वि०**। संसारिक, एहि संसारक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० इहलौकिक। (इहलौकिक क्रियाकलापमे चतुर होएब आवश्यक)। *ihalaukika—Adj.* Of this world.

इहा **इहा**—FML 500 एतए। प्रा० रू०। [हि० यहाँ] *ihā*—Here.

इहे **इहे—इह** (दे०) केर बा० रू०। वि० पदा० मजु० ६७, न० गु० ३०६; अ० २१७ (इहे सिनेह लोते); श्रीकृष्णकेलिमाला ११ (जत-जत सुर मोहि जनमत जनमत इहे दहु रे); राम० २७ (हिनदि करति इहे बनु रंग)। FML 409। *ihe—Coll.* of *iha* (q.v.).

इहें **इहें—प्रत्यय**। भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तों कर्तृपद रहने सामान्यतः इहे प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०७ (रओ हरिहरवा तों काल्हिसँ कार्य करिहे)। *ihẽ*—A suffix.

इहेन **इहेन—एहेन** (दे०) प्रा० तु० रू०। वर्ण ५४ (मांस भक्षण करइतें उहसइते ये चिताक अग्नि इहेन विद्युतें मिलित घोर प्राय देवु)। *ihena—Old.* Obs. form of *ehana* (q.v.).

इहै(हैं) **इहै(हैं)**—FML 500.

–इहैक—**इहैक**—भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तों कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्ता इहैक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०७ (रओ, तों ओकर कार्य देखिहैक)। *-ihaika*—A suffix.

इहो **इहो—इह** (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० ५०; ताल प० न० गु० ६५०, म्रि० ३०, अ० १५६ (भनइ विद्यापति इहो रस यान); प्रश्न० ४२ (इहो देखि लिय)। *iho—Emph.* of *iha* (q.v.).

–इहौन्हि—**इहौन्हि—प्रत्यय**। भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तों कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्ता इहौन्हि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०७ (रओ, तों इनक कार्य देखिहौन्हि)। *-ihaunhi*—A suffix.

इक्षु **इक्षु**—कुसिआर, ईख। [सं०]। अपूर्व रसगुल्ला ४। *ikṣu*—Sugarcane.

इक्षुमती **इक्षुमती**—नदीक नाम। [सं०]। चन्द्र० ६४ (पुरामे इक्षुमती केर निकट रहै)। *ikṣumatī*—Name of a river.

इक्ष्वाकु **इक्ष्वाकु**—एक राजाक नाम। [सं०]। तु० क०, हि०, बं०, इक्ष्वाकु। मै० हि० सा० ४ (इक्ष्वाकु पुत्र यज्ञ प्रारम्भ कय देलथिन्ह)। *ikṣvāku*—Name of a king.

इत्र **इत्र**—पुष्पक वा कोनो अन्य तद् उपयोगी वस्तुक सुगन्धित अर्क। [अर०]। तु० क० अतर। मलमानुष ४६। *itra*—Scent.



𑒄

𑒄¹ ई¹—स्वर वर्णक चारिम दीर्घ वर्ण। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज०, अव० ई [अ, आ व ई]। ī¹—4th vowel letter ī.

-𑒄² -ई²—प्रत्यय। (१) नामसँ पर विविध अर्थमे ई प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ३० (कुचिआर + ई = कुचिआरी; रखवार + ई = रखवारी)। (२) स्वार्थिकि से कहबैत अछि जे प्राकृतिक अर्थसँ कोनो विशेष अर्थकेँ नहि सुनबैत अछि। तहँ छोट अर्थमे ई प्रत्यय। देखू ल० वि० ३६ (खारी, थाली, तसली, अपखोरी, कुचर्यी, छपकटी, पनबट्टी, थाती, टकाही, आसानी, खाम्ही, चकेरी, भाभी, मरकुजी, कोठी, खोंथी)। (३) कपना दोपनिहार एवं रहनिहार दुनू मन कहबैत अछि। मन अर्थमे ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ३८ (देहात मे रहनिहार देहाती, देशमे होएनिहार देशी)। (४) भाव अर्थमे हरियर आदि सँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४० (हरियरसँ हरियरी; पीयरसँ पीरी; उज्जरसँ उजरी, लालसँ लाली)। (५) युक्त अर्थमे मात्सर्य आदिसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४५ (मात्सर्यसँ मात्सर्यी, आवेशसँ आवेशी; भारसँ भारी; ज्ञानसँ ज्ञानी; क्रोधसँ क्रोधी; रोगसँ रोगी)। (६) स्थान शब्दसँ मुसहर शब्दसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४७ (मुसहरसँ मुसहरी); (७) निर्मित अर्थमे लाखापुर आदिसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ५२ (लाखापुरमे बनल लाखापुरी बनारसमे बनल बनारसी)। (८) लाठी आदि शब्दसँ परस्पर मारब अर्थमे ई प्रत्यय अबैत अछि। (लाठा लाठी; मुक्का मुक्की; ठीका-ठिकी; जूता-जुत्ती)। (९) स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर अब्ययलिंग शब्दसँ आकारान्त तथा अन शब्दसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ६४ (पाठी; घोड़ी; धनवाली; बुढ़ जनी आइश्या ठाकी; अविर्गी; हुलिनी) तथा ल० वि० ६६ (काकासँ काकी; मामासँ मामी; नानासँ नानी)। (१०) संख्यावाचक शब्द बाद आदिसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। (एक-बट्टी; चौबट्टी; चौहद्दी; चौरंगी)। (११) इच्छार्थक धातुसँ पर कम वा जहाँ कर्तृपद रहने सामान्यतः ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०३ (हम या अहाँ देखी)। (१२) एक स्वर बला धातुक उपान्त्य केँ वैकल्पिक दीर्घ ई होइछ, एकमात्रिक, द्विमात्रिक, प्रत्ययसँ पूर्व ल० वि० ११५ (पावि पीब)। (१३) भूतकालमे पद् ओ वद् शब्दसँ –ई प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १३५ (पढ़ी–बई)। (१४) भाव अर्थात् क्रिया अर्थमे देख आदि शब्दसँ पर परस्पर क्रियामे ई प्रत्यय आ ओही धातुकेँ द्वित होइछ। ल० वि० १४२ (देखा देखी, मारा मारी, पटका पटकी, बजरा बजरी)। (१५) भाव (अर्थात् क्रियाक) अर्थमे हँस शब्दसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १४० (हँसी)। (१६) संज्ञा अर्थात् मनुष्यक नामसँ पर अनादर द्योतित करबाक हेतु ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४६ (हनुमानसँ हनुमानी मगमा...)। -ī²—A suffix.

𑒄³ ई³—कोनो व्यक्ति वस्तुकेँ देखएबाक हेतु एवं ओकर स्वत्व देखएबाक अवसरपर ई कहल जाइत अछि। [सं० इदम्]। कीर्तिलता ४ (ओ परमेसर हरसिर सोहइ ई णिच्चइ नाअर मन मोहइ); वि० पदा० मजु० ३३ मि० ६, न० गु० ७६४, श० ७६५ (ई सभ लछनी समाने); गी० श० १ अष्ट० १ (अंजन रंजन ई दुइ नयना); मन० कृष्ण० ३ (ई सुनि तनक सुराएल कान); राम० ४७ (कि ई विकोन्ह); प्रद्यु० २ (ई कि व्यक्ति कवि)। ī³—This.

𑒄𑒏𑒰𑒩 ईकार—दीर्घ ईक मात्रा। [सं०]। तु० क० ने० ईकार। (ईकारक मात्रा मैथिली बहुत कम बैसैछ)। īkāra—The letter ī, or its mark.

𑒄𑓀𑒑𑒱𑒞 ईंगित—इङ्गित (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० २४ न० गु० कालपत्र ५१, नेपाल ७६, श० ७६ (ईङ्गित नयन तरंगित देवल)। īgita—Poet. form of iṅgita (q.v.).

𑒄𑒕𑒮𑒱 ईछसि—इच्छा (दे०) केर मध्य० पु० वर्त० क०। वि० ने० १०० (पहने ईछसि कहने रँग)। ichasi—Hon. Second person present tense form of icchā (q.v.).

𑒄𑒖𑓂𑒖𑒞𑒱 ईज्जति—इज्जति (दे०) केर अशु० रू०। चन्द्र कुशल २१। ijjati—Err. of ijjati (q.v.).

𑒄𑒙𑒰 ईटा—ईंटा, ईँटा। [इष्टका]। तु० क० हि० ईंट। पुरु० ९२१ (मन हमरा नहि ईंट समान)। īṭā—Brick

𑒄𑓀𑒙 ईंट—ईंटा (दे०) केर बा० रू०। प्रद्यु० १०८ (माथ तर ईंट राखि सूतल कराँथ)। īṭa—Coll. of īṭā (q.v.).

𑒄𑓀𑒙𑒰 ईंटा—पजेबा, माँटि माटिके फरमामे दए बहार कए ओकरा पका कए ईंटा बनाओल जाइछ, जा पक्का घर आदिक निर्माण होइछ। [इष्टक]। तु० क० म० ईंटा। प्रद्यु० ९४ (ठेला बीमत ईंटा पथराएल)। īṭā—Brick.

𑒄𑒠 ईद—मुसलमानक एक पर्व। रमजानकेर मासमे तीस दिन रोजा (व्रत) रखलाक बाद जाहि दिन द्वितीयाकेर चन्द्रमा देखा जाइछ ओकर दोसर दिन मनाओल जाइछ। [अर०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव० ईद। मि० ७ (मुसलमानलोकनि ईद मनौलन्हि); (ईद केर चान) = दुर्लभ। īda—A Mohammedan festival.

𑒄𑒢𑓂𑒠 ईंदँ-इन्द्र (दे०) केर मा० पु० का० रू०। वि० पदा०

मजु० ५०६ (ईद चान्दगन हरि कमलासन सबे परिहरि हमे देवा)। *īdā—Old.* P.F. Obs. of *indra* (q.v.).

ईन्टिमेशन—खबरि, परिचय । व्यवहार विज्ञान २१ । *intimeśana*—Intimation.

ईप्सित—इप्सित (दे०) केर संस्कृ० रू० । तु० क० ने० ईप्सित । मो० ६७–३ (सम्पति पावि ईप्सित); वन कुसुम (तावत नहि ईप्सित काज करब) । *īpsita*—Sanskrit form of *ipsita* (q.v.).

ईयररिंग—इयररिंग (दे०) केर वा० रू० । द्विरा० ७० (नाहिसँ हुनक ईयररिंग चमकि गेलैन्ह) । *īyararinga—Coll.* of *iyararing* (q.v.).

ईर—दूर स्थानक एकटा काल्पनिक नाम । [सं० ईर] । प्रण० १२६ (एक ईर घाट त दोसर वीर घाट) । *īra*—Distant.

ईरानी—वि० । ईरान सम्बन्धी, ईरानदेर । [फा०] । तु० क० हि० ईरानी । द्विरा० १०७ (बेशकिमती ईरानी कालीन पर कामदार मखमली मसनदसँ ओङठल) । *īrānī—Adj.* Related to Iran.

ईल—बाङ, एक प्रकारक माछ, बनैआ जानवर । [अर० अथवा कल्पित जानबरक नाम] । तु० क० हि० ईल । नव० १०४ (ईल कील हिलइ तकर हल्ला गुल्ला); (ईल सन, कोलसन, धोबिआ चाट सन) । *īla*—Cotton, a kind of fish, a wild animal.

ईश—ईश्वर (दे०) केर का० रू० । वि० वि० १ (शूल डमरु कर ईश); पा० ह० १ (ईश कृष्णस्य जगतपते); चन्द्र १६६ (निवास ईश भाल); अम० ८ (शम्भु ईश पशुपति) मि० उद० १५८–२० (धन्य बनैली ईश) । *īśa—Poet.* of *īśvara* (q.v.).

ईशान¹—स्वामी, अधिपति, शिव, महादेव । [सं०] । तु० क० हि० ईशान । अम० (सर्व ईशान शङ्कर, चन्द्रशेखर) । *īśāna¹*—Śiva, lord.

ईश्वर—देवता, निखिल विश्वक मालिक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० ईश्वर । विद्यापति पदा० मजु० ५७ (शिवशंकर वर ईश्वर); वि० वि० २ (चारि पदारथ दायक ईश्वर); गो० श्र० १ अमर १६ (दुर करु लालसा रसिक रसेश्वर व्रज रमणी मन देवा); राम० ४६ (कयल मनोरथ ईश्वर पूर); मो० ६७–६ (ईश्वर देथि); प्रण० १५७ (कर्मक फलदाता ईश्वर थिकाह); चित्रा ७७ (ईश्वर, अल्ला, रघुपति, राघव, राम) । *īśvara*—The Almighty, God.

ईश्वरि(री)—ईश्वर (दे०) केर स्त्री रू० मन० कृ० ५० ७ (जोन निम्द जग ईश्वरि जानी); मि० उद० १५८–६ (ईश्वरी सेवा करू); मो० ६१–१ (चराचरक ईश्वरी); अम० ६ (काली हेमवती ईश्वरी) । *īśvari (rī)—Fem.* of *īśvara* (q. v.).

ईश्वरोपासक—वि० । ईश्वर अर्थात् देवताक उपासक । [सं०] । मो० ६८–१३ (ईश्वरोपासक समार्जा बनि जाउ) । *īśvaropāsaka—Adj.* Devotee of God.

ईषत—इषत (दे०) केर का० रू० । [सं० ईषत्] पुरु० २२ (ईषत आलस्य लोक इकट्ठा होइत मेलाह); कन्या० १२८ (ईषत हास्य युक्त स्वरसँ कहलथिन्ह) । *īṣata—P.F.* of *iṣata* (q.v.).

ईर्ष्या—इर्षा (दे०) केर वि० संस्कृ० रू० । मै० हि० सा० १६ (समाजमे परस्पर ईर्ष्या रोकथि); प्रण० २१० (गुप्त चरित्र जानि क्रोध वा ईर्ष्या करब); रंग ५७ (कतोक गोटाक मुँह पर ईर्ष्या ओ सन्तापक लहरि दौड़ि गेलैन्हि) । *īrṣyā—Alt.* Sanskrit form of *irṣā* (q.v.).

ईर्षा—दोसराक बढ़ती देखि जरब; । [सं] । तु० क० डाह; हि०, ने० ईर्षा । नव० ४६ (चउधरिक भागिन के ईर्षा होइन्हि) । *īrṣā*—Jealousy.

ईर्ष्यालु—वि० । ईर्ष्या रखनिहार । [सं०] । तु० क० हि० ईर्ष्यालु । खट्ट० ८० (दुष्ट ओ ईर्ष्यालु रहथि) । *īrṣyālu—Adj.* Who envies.

ईर्ष्यावती—वि० । डाहसँ द्वेषसँ भरल स्त्री । [सं०] । मो० (ईर्ष्यावती सरस्वती स्वरूपकैँ माँथि) । *īrṣyāvatī—Adj.* (woman) full of jealousy.

ईस¹—ईश (दे०) केर वि० रू० । वि० पदा० मजु० ५७४ (ई थिक त्रिभुवन ईस) । *īsa¹—Alt.* of *īśa* (q.v.).

ईस²—अव्य० । पीड़ा व्यञ्जक शब्द (दी०) । [ईस (दे०)] तु० क० इस इस्स । चित्रा ३१ (विस्मय विमोहित कंठसँ बहराय जाइछ ईस) । *īsa²—Ind.* Exclamation in the sense of sorrow or pain.

ईसवी—वि० । ईसासँ सम्बन्ध राखएवला । [अर०] । तु० क० हि० ईसवी; मै० इस्वी । वैदेही १३५४–१३ (१६०० ईसवी अबैत-अबैत यूरोपमे संस्कृत विद्याक अत्यन्त प्रचार भ गेल); मैथिल महासभा २ । *īsavī—Adj.* Relating to *īsā* (q.v.), the Christian era.

ईसा—इसाइ धर्मक प्रवर्तक वा आचार्य इसामसीह । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० ईसा । मि० उद० १५८–११ (ईसासँ पूर्व ३१०१ मे आरम्भ होइत अछि) । *īsā*—Christ, Prophet and founder of the Christian religion.

ईसाई—वि० । ईसामसीहक बताओल धर्मक अनुगमन करनिहार । [अर०] । तु० क० मै० इसाइ हि० ईसाई । (ईसाई धर्मक प्रचार आइ काल्हि भारतमे विशेष रूपसँ भए रहल अछि) । *īsāī—Adj.* Christian.

ईह¹—प्रत्यय । अइके पुल्लिङ्गमे आइ तथा स्त्रीलिङ्गमे इह होइ अछि । ल० वि० ११५ (हए ताँ के थिकीह) । *īha¹* —A

suffix.

ईह ईह[2]—अव्यय। आश्चर्य, असूया, क्रोध, खेद। (री)। [सं०]। वि० पदा० मनु० ६८, भ० ८४५ (हा० प० २०१) (कुशिक ईह बचाय); पारो १२ (ईह वापरे फकहा वे जोड़ अबिद बाबू साहेब कें); (ईह ! आइ अजीर्ण भोजन भेलैक)। *īha*[2]—Anger wonder.

ईहो ईहो—इहो (दे०) केर अशु० रू०। मै० दि० सा० (३-४) २७ (बस्तुत ईहो रहि सकै छो); प्रथ० ३ (ईहोलोकनि अपनेक दर्शन करक हेतु हमरा संग गेल छलाह); पारो ६ (दोसर ईहो से अतुआक अरे)। *īho*—Err. of *iho* (q. v.).

उ

उ उ—पाँचम ह्रस्व स्वर वर्ण। एकर उच्चारणक स्थान ओष्ठ थीक। [सं०]। तु० भा० हि०, बं०, असा०, ने०, राजा०, अव०, उर्दू उ। FML 78; (अ, आ, इ, ई, उ); —*u* Fifth vowel.

उअआर उअआर—उपकार (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ४ (सज्जन पर उअआर मन, दुज्जन नाम महल्ल)। *uaāra—Old.* avahaṭṭha form of *upakāra* (q.v.).

उँअआरे उँअआरे—उपकार (दे०) प्रा० अवहट्ठ का० रू०। कीर्तिलता १५ (पर उँअआरे धम्म न जोअइ)। *ũaāre—Old. avahaṭṭha* poetic form of *upakāra*(q.v.).

-उआ -उआ—प्रत्यय। कर्तामे कृत कर्ममे उआ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० २३६ (छुतुआ सोहारी, भरुआ, रन्हुअ; गुआ); मै० व्या० ८६ पहुआ। *-uā*—A suffix.

उआस उआस—उदास (दे०) केर प्रा० तु० रू०। चर्या० ७/० (मै मन गोअर सो उआस)। *uāsa—Old* Obs. form of *udāsa* (q.v.).

उआ उआ—उगल (दे०) केर प्रा० तु० रू०। चर्या० ४४/१। *uā—Old* Obs. form of *ugala* (q. v.).

उइआ उइआ—उइआ (दे०) केर ग्रा० रू०। चर्या० ३०/२। *uiā—Coll.* Form of *uā* (q.v.).

उऋ(री)ण उऋ(री)ण—वि०। ऋणसँ मुक्त, जकरा ऋणसँ उद्धार भए गेल हो, वा ककरो प्रति अपना कर्त्तव्य सँ मुक्त हो। [सं० उत्+ऋण] तु० क० हि० उऋण। मातृकरना ७७। *ur(rī)ṇa—Adj.* Who is free from debt or duty to others.

उए उए—उएह (दे०) केर ग्रा० रू०। तु० क० अव० उए। सरूपकानी १०७। *ue—Coll.* of *ueha* (q.v.).

उएला उएला—उगला (दे०) केर प्रा० तु० रू०। चर्या० ५०/४। *uelā—Old* Obs. *ugala* (p.v.).

उएस उएस—उपदेश (दे०) केर प्रा० तु० रू०। चर्या० ३२/२। *uesa—Old* Obs. form of *upadesa* (q.v.).

उएसइ उएसइ—उएस (दे०) केर वर्त० रू०। चर्या० ४०/३। *uesai*—Present tense form of *uesa* (q. v).

उएह उएह—ओ (दे०) केर निश्च० रू०। [ओ+हि]। तु० क० सं० एवं; हि० वही। पारो ५ (उएह चट द हमरा पयरपर खसि पड़लि)। *ueha*—That itself.

उऐह उऐह—उएह (दे०) केर अशु० रू०। नि० १६१ (तेल आओ उऐह चोकी); पारो (उऐह बहराइलि); चित्रा १७ (जे भिक्षु उऐह सुभखित)। *uaiha*—Err. of *ueha* (q.v.).

उओर उओर—ओर (दे०) केर प्रा० तु० का० रू०। वि० मजु० ४०४ (गमअगमहु उओर अरघाउल)। *uora—Old* Obs. *poet.* of *ora* (q.v.).

-उक[1] -उक[1]—प्रत्यय। उत्पन्न होएनिहार हुनु भव अर्थमे आवैत अछि। भव अर्थमे आज आदि शब्दसँ उक प्रत्यय अबैछ। एहि प्रत्ययसँ स्वरक लोप होइत अछि अर्थ पूर्व स्वरमे ह्रस्वता नहि होइछ। ल० वि० ५३, (आज होएनिहार आजुक, काल्हुक, परसुक, कलनुक, तखनुक, बेरक; रातुक; भोरुक)। *uka*[1]—Suffix.

उक[2] उक[2]—वाचा शक्ति, बजबाक शक्ति। [सं० उक्ति]। (उक सँ चुके मारो)=बजबाले कम आ कुरबामे बेशी। *uka*[2]—Speaking power.

उकछा उकछा—अकछा (दे०) केर विक० रू०। [सं० उत्+सं० कक्ष]। प्रथ० २०६ (कथक उकछ: क जान मारि देल गेल); हिरा० १३५ (ई धीका त औ उ: कु: क छोड़ि देलक); पुनर्जन्म ०। *ukachā—Alt.* of *akachā* (q v.).

उकछान उकछान—उपद्रव, एतएसँ पड़ाएब ताहि हेतु चेष्टा करब। [उकछा+अन]। *ukachāna*—Restlessness.

उकछि उकछि—उकछा (दे०) केर ग्रा० रू०। मैथिली लोक गीत २६३। *ukachi—Folk* form of *ukachā* (q.v).

उकटथिन्ह उकटथिन्ह—उकटब (दे०) केर आद० भू० मध्य० पु० रू०। मिहि० ४३-४०-६ (सब दस हजार मारि गडि कँ

उकटथिन्ह)। *ukaṭathinha—Hon.* Future tense third person form of *ukaṭaba* (q.v.).

उक(ग)टन—तेल कसाय मिलाओल आङ उगारबाक सामग्री। [IAL 2072 उद्वटन] BPL. 1342; (उकटन उगाएब) = कम मात्रामे खर्च। *ukaṭana*— Paste of oil and *kasāya* (q.v.).

उकटब—क्रि०। बाप पुरखाक नाम लय गारि पढ़ब, अनौचित्य पूर्वक कथोद्घाटन करब, माटि कोड़ब (दी०); तहस नहस करब। [सं० उक्त (क्ता)ट + अब]। (आब झाँपल गप्पकेँ उकटब ठीक नहि); (माटि नहि उकटब से नीक होएत)। *ukaṭaba—V.* To dig earth, use foul language for a decent person, retort by reminding past obligations.

उकटल—उकटब (दे०) केर भू० का० रू०। प्रण० १५ (आलमारीक सभ पोथी उकटल)। *ukaṭala*—Past tense form of *ukaṭaba* (q.v.).

उकटा-उकटी (-पैँची)—उत्तर-प्रत्युत्तर, एकक प्रश्नक तदनुरूपेँ उत्तर। [उकटब + आ + पेँच (घुर्चो)]। तु० क० उर्दू उकटा-उकटी; उकटा पैँची। गद्य चन्द्रिका २२। *ukaṭā-ukaṭī (-paicī)*—Retort impudently.

उकटा पुरान—विविध व्यँग्य वाण, श्रेष्ठ वर्गकेँ सम्बोधित कए घृणित आरोप लगाएब। [उकटब + आ + पुराण]। *ukaṭā purāna*—Excessivly abusive language.

उकटै(टए)—उकटब (दे०) केर कृदन्त रू०। मिहि० ४२–१०–६ (हमरा नैहर केँ उकटै लगलाह)। *ukaṭai*—Infinitve form of *ukaṭaba* (q.v.)

उकठ–बदमासी, दिक्क, अधलाह काठ। [उत्कट; अकठ]। वि० ने० १६८ (अपने रसे उकठ कुसिआर) मि० भा० वि० ७५; चन्द्रकला ३१। उकठ चाँछ्द = तेहन तेहन बाजब वा करब जे लोककेँ असह्य भए लगैक। *ukaṭha*—Bad wood, mischief.

उकठ काठ—वि०। उत्कट, अधलाह, नीक नहि लागब, अकार्यक काठ, जाहि काठक कोनो उपयोगिता नहि होइक। [उकठ + काठ]। (एखन लगै अछि उकठ काठ, काज आओत इएह पूजा पाठ)। *ukaṭha kāṭha*—Not good, useless wood.

उकठाह—वि०। उकठवाला, अधलाह, नीक नहि। [उकठ + आह]। मि० मित्र (कहथि बात उकठाह); इ० व्या० ८ (भाए हुनक तोँ बड़ उकठाह); मि० भा० वि० ७५। *ukaṭhāha Adj.* Having evil effect.

उकठिआ—वि०। उकठ कएनिहार (दी०)। [उकठ + इआ]। मि० भा० वि० ८७। *ukaṭhiā—Adj.* Who disturbs.

उकठिक—उकठी (दे०) सम्बन्धी। सुभद्राहरण ४५ (छथि उदासी भमथि निशि दिन रहथि उकठिक युक्तिमे)। *ukaṭhika*—Of *ukaṭhi* (q.v.).

उकठी—उकठ (दे०) दुष्ट वस्तु, उपद्रवकला वन। मन० कृष्ण० ८ (नारद भाए उकठी लाड़ी)। *ukaṭhī*—Mischief.

उकरमूल—वि०। जड़ि उकनन भेल (भूमि)। [सं० उत्कीर्णमूल]। वर्ण० ५३ (उकरमूल कान्ते चूरल)। *ukaramūla—Adj.* Where roots have been uprooted.

उकरि सर्व०। ओकर (स्त्री०)। लु० रू०। [ओकर + स्त्री०]। वर्ण० ६३ (दुअओ ये शृंगार उकरि)। *ukari—Pron. obs. fem.* of *okara* (q.v.).

उकरू—क्रि० वि०। अयथावत स्थित (दी०), उचित स्थान पर स्थित नहि, अनुचित। [सं० उत्क्रम]। तु० क० हि०। मि० मित्र १-२० (सम्प्रति छुटि गेला सँ पुनः उक्त कार्य उकरू बूझि पड़ैछ); मिहि० ४७–४३–६ (पूर्ण सम्बोधन भोनू कै उकरू भ गेलैन्ह); (राति सुतबामे उकरू भेलन्हि तेँ अस्वस्थ छथि)। *ukarū—Adv.* Situated at an improper place.

उकस-पाकस—अस्थैर्य (दी०), स्थिर नहि, एम्हर ओम्हर सुगबुगाएब, चलबाक हेतु उद्यत, बर्दास्त सँ बाहर होएबाक उपक्रम। [IAL उक्क + स + ध्वनि साम्य पाक अथवा सं० उत्कर्ष]। तु० क० हिं० कुमा० उकस मुकस; ने० उकस पाकस। व्य० बि० ६३४ (दुनू बहीनिक मन उकस पाकस करैत देखि सभ अपन-अपन मार्ग लेलन्हि); मिहि० ५ (२-६१-७४)। *ukasa-pākasa*—Restiveness

उकसाएब—क्रि०। उत्सुक करब प्रेरित करब; जोश बढ़ायब; टेमी तेज करब। तु० क० उसकाएब। [सं० उत्कर्ष]। मै० गद्य शैली २४। *ukasāeba*—To encourage, to inspire.

उकसि—उकसएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। गोधूलि ८। *ukasi—Part.* of *ukasāeba* (q.v.)

उकसैलो—उकसाएब (दे०) केर प्रेरणा० निश्च० रू०। द्विरा० ६१ (बुढ़ी के बारम्बार उकसैलो पर)। *ukasailo—Caus.* emph. form of *ukasāeba* (q. v.).

उकसौ(सकौ)लकैन्ह—उकसाएब (दे०) केर भू० का० रू०। मिहि० ३३–३५–१२ (दोसर फेर उसकौलकैन्ह)। *ukasau(sakau)lakainha*—Past tense form of *ukasāeba* (q.v.).

उकहब—क्रि०। काष्ठक दृढ़ता वा क्षमता पुरान भेला पर कम होयब (दी०)। तु० क० ओकलब (दे०)। (काठ उकहब; मेला उकहब)। *ukahaba—V.* Decreasing the hardness of wood.

उकाउकी—कार्तिक मास दीपावलीक [illegible] मिथिलामे खढ़केँ मुठ बनाए भीतर मे पटुआक सन्ठी [illegible] गोट बन्धन दए ऊक बनाओल जाइछ एवं सन्ध्या [illegible]

लय आगि लगाए अपन सीमा पर भाँजल जाइछ । ककरो पितृकर्मक काज होइछ । ककरो किया (वा खेल) उका उकी भेल । [सं० उल्का + लोपतामि द्विच] तु० क० उकालोली । मि० मिष० २७७ (ई उक उकी रहस्य पूर्ण अछि) । *ukā ukī*—A religious ceremony on the occasion of Deepawali.

उकाठी—वि० । उपद्रव करनिहार (नेना) (दी०) । [सं० उत्कट > उक्कट > उकठ + ई] । उपदेशरत्नमाला ६ । *ukāṭhī* —*Adj.* Naughty (boy etc.).

उकापतङ्ग—वि० । कत आओर फतिङ्गा जकाँ उपद्रवी वा कनिहार, बदमाश । [सं० उल्का + पतङ्ग] । मि० २८८ (ओ बालक उकापतङ्ग के मारि देब) । *ukāpataṅga* —*Adj.* Mischievous.

उकार—ह्रस्व उ, अकारक मात्रा । [सं०] । तु० क० बं०, ने० उकार । चन्द० २१२ (अपरि उकार); मि० भा० वि० ११ । *ukāra*—The letter *u* or its mark.

उकासी—कास रोग (दी०), खक मेलाहें कक छा भेने बैसला उपर उकासी होइत छैक । [IAL. उत्कासते > उक्कास > क्कास + ई अथवा सं० उत् + कासति] । तु० क० पा० उक्कासति सिं० उकस । मि० ने० ३६ (टरे नहि चरे उकासी); मि० पदा० मञ्जु० ४–२ (टरे वारे उकासी); कवा० ४१ (उकासी करैत पिताजीसँ कहैलाह) । *ukāsī*—Cough.

उकील—दकील (दि०) केर मैथिली रू० । तु० क० बं० उकील । [मि०] पारो २१ (अनि क्यो उकील केइ गेलैन्ह) । *ukīla*—Maithili form of *vakīla* (q.v.).

उकुति(ती)—उक्ति (दे०) केर का० रू० । मि० मै० १०६ (उकुति गुपुत केकत कथा); मि० ने० (न कर भाषण छनि उकुती); मि० पदा० मञ्जु० ३०; न० गु० ७५ (सौतलि उकुति केओ बुझति); राम० ५५ (चतुर सखि उकुति तनि बाज); मै० सा० इ० १३२ (लोचन) (उकुति केहनी बुझलि जुगुती) । *ukuti(tī)* —*Poet.* form of *ukti* (q.v.).

उकैत—कि० । उगलैत । [उक + ऐत । उक = ओकाइब] । चन्द० २४७ (मबोत उकैत ओकलैत बाड़ चोर) । *ukaita* —*V.* Vomiting.

उकौड़ी—(अलचाबाक) छोट छौन कठ (दे०) । FML 230 कठ + सं० उत्का + औरी *ukauḍī*—A brand.

उक्खरि—उखरि (दे०) केर वि० रू० । नवः ४० (लोढ़ा सिलउट आ वाँत उक्खरि पर ककर हाथ न जाइछइ) FML 75 । *ukkhari*—Alt. of *ukhari* (q.v.), a rural wooden pounding machine.

उक्खी वि(बि)क्खी—अत्यन्त धड़फड़ी । [क्रिक + शब्दानुकरण] । कन्या० ३६ (विनाकक उक्खी विक्खी होलन्हि); (हिनका जतए लैलाइ पहिना उक्खी विक्खी लागल रहैत करतन्हि) । *ukkhī vi(bi)kkhī*—Great hurry, cause of irritation.

उक्त—वि० । (पूर्व) कहल गेल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, ओड़ि०, राज० उक्त; पा० उत्त; प्राकृ० वुत्त; म० सिं० वतक; म० उक्ताही । वर्ण० १८ (औषधर्व उक्त षडीरत्न); राम० २६२ (वेद उक्त विधि सौं होत जाय); चन्द० २०३ (उक्त तीर्थफल भर वैसि पाउ); मै० हि० सा० ३० (उक्त राजाक घरीर सम्बन्धसँ उत्पन्न भेलाह); मौ० १७–८ (कथवित सब सौं उक्त ब्यवस्था); मि० उप० १२७–२ (उक्त महानुभावगण अपन-अपन) । *ukta*—*Adj.* (Above) Spoken, said, uttered.

उक्तरीत्या—पहिने कहल गेल विधि सँ । [सं०] । मि० भा० वि० १६८ । *uktarītyā*—According to what has already been said.

उक्ति—कथन, वचन, चमत्कारपूर्ण कथन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, ओड़ि०, राज० उक्ति । वि० मि० ४ (शिव शम्भो उक्ति कहने); राम० ३० (विश्वामित्रक उक्ति मिथिला-पति मन दय सुनल); गौरी स्वयंवर १ (सुनथि उक्ति पर देहु मोहि बरनी गौरी विवाह); मै० हि० सा० २ भा० (३–४–२) (वाचस्पति मिश्रजिक दर्शन उक्ति युक्ति सौजन्य); मौ० १०१–१६ (अधि उक्ति सँ ज्ञात होइत अछि) । *ukti*—A statement.

उखड़ब—क्रि० । (१) स्वच्छ होयब । (२) धूमिल वा फीका भेनाइ । (३) क्रोध करब । (४) माटिक बरसँ बहराएब; उखड़ब (दी०) । [सं० उत् + खन वा उत्पाटयति] । पारो ६० (हिनक लाल रंग उखड़ लागल से औ कहियहु); धातु शब्द ३६ । *ukhaḍaba*—*Verb* To fade, to lose one's temper, to become distinct.

उखड़त—उखड़ब (दे०) केर वर्त० रू० । धातु शब्द ३६ । *ukhaḍata*—Present tense form of *ukhaḍaba* (q.v).

उखड़ल—उखड़ब (दे०) केर भू० रू० । मि० मिष० २८२ (उखड़ल दाँत औ बर्बरा नहि भै सकैछ) । *ukhaḍala* —Past tense form of *ukhaḍaba* (q.v.).

उखड़लि—उखड़ल (दे०) केर स्त्री० रू० । राम० ५२ (हरक भय सौं उखड़लि जानि) । *ukhaḍali*—*Fem.* form of *ukhaḍala* (q.v.).

उखड़हा—मध्योत्तम कार्यकाल (दी०); बैसी काल भोर सँ मध्याह्न धरि ओकर आओर अपराह्नमे सांझकाल धरि होइत उखड़हा प्रयोग होइत अछि । (अर्ध(पूर्व) + आह) । *ukhaḍahā*—A half-day (forenoon or afternoon).

उखड़ा[1]—वृक्षक व्याधि विशेष । (गाछमे उखड़ा लागि गेला पर ओकर आयु कम भए जाइत छैक) । [उखड़ब] *ukhaḍā*—A kind of disease of trees.

उखड़ा[2]—उखड़हा (दे०) केर वा० रू० । पारो

१७ (एक उखड़ा खातिर अहूठाम अबिह)। *ukhaḍā—Coll.* of *ukhaḍahā* (q.v.).

ऊखड़ाह **उखड़ाह्**—वि०। उखड़ि गेनिहार (दी०), कनिञेमे तमसाह। [उखड़ब (दे०)+आह]। *ukhaḍāha—Adj.* Short tempered.

ऊखड़ि **उखड़ि**—उखड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मजु० ३३४ (कोमल हृदय उखड़ि गेल हार); राम० १६४ (लङ्कापुरी उखड़ि प्रमुक); प्रय० ११६ (पण्डितजीक पैर उखड़ि गेलैन्ह); कन्या० ७३ (नकशा ओहिठाम उखड़ि गेलैन्ह); आमक० ८६ (एक रेखा उखड़ि गेल रहैन्हि)। *ukhaḍi*—Participle form of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊखड़ि(रि)मुसरा **उखड़ि(रि)मुसरा**—शाक विशेष (दी०) जकर जड़ि वेस उखरि-मुसर सन होइक। *ukharimusarā*— A kind of vegetable.

ऊखम **उखम**—उष्म (दे०) केर का० रू०। तु० क० ने० उखम। मैथिली लोक गीत ८३; (चैत हे सखि उखम ज्वाला घामसँ भिजल देह बो)। *ukhama*—P. F. of *uṣma* (q v.).

ऊखमज **उखमज**—उष्मज (दे०) केर ग्रा० रू०। मिहि० १४ (२-६१-५३)। *ukhamaja*—Folk form of *uṣmaja* (q.v.).

ऊखर **उखर**—उखड़ब (दे०) केर का० रू०। वि० वि० १ (निरमल उखर फणिपति हार)। *ukhara—Poet.* of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊखरड़ **उखरड़**—चूड़ा कुटबाक काल उखरिसँ छिड़िआएल अन्न। [उखड़ि (दे०)+अड़]। *ukharaḍa*—Name of flattened paddy split out of pounding machine.

ऊखरब **उखरब**—उखड़ब (दे०) केर बा० रू०। [उत्म-करति JAL 1895]। *ukharaba—Coll.* of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊखरल-पुखरल **उखरल-पुखरल**—उखरब (दे०) केर भू० रू०। [उखरल+ध्वनि साम्य]। चानोदाइ ४७। *ukharala-pukharala*—Past tense form of *ukharaba* (q.v.).

ऊखरि **उखरि**—धान्यादि कुटबाक पात्र (दी०)। [सं उदूखल]। ममo कृष्ण० १६ (ई कहि बन्हलन्हि उखरि लगाए); (उखरि मे मूँह तेल त मुसराक डर)=पैघ कार्यमे पड़लो उत्तर विपत्ति आबए त ओकर डर नहि करी। *ukhari*—A wooden domestic pounding implement used for separating chaff from the grain.

ऊखरोर **उखरोर**—उखरड़ (दे०) केर विक० रू०। FML 245। *ukharora—Alt.* of *ukharaḍa* (q.v.).

ऊखलल **उखलल**—उखड़ल (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वि० ने० १३८ (लिहले उखलल अओछ भार)। *ukhalala*—Obs. form of *ukhaḍala* (q.v.).

ऊखाड़ **उखाड़**—उत्पाटन, उखाड़बाक क्रिया वा अवस्था। [सं० उत्खात>प्राकृ० उक्खाल वा उखल>उखाड़]। राम० २८८ (क्यो भूधर क्यो वृत्तक उखाड़)। *ukhāḍa*—The act of excavating.

ऊखाड़क **उखाड़क**—उखाड़बाक केर विक० रू०। प्रय० १८३ (हमरगत उखाडक हेतु खढ़ोरि दिशि विदा भेलाह)। *ukhāḍaka*—Alt. form of *ukhaḍabāka.*

ऊखाड़थि **उखाड़थि**—उखाड़ (दे०) केर आद० वर्त्त० अन्य पु० रू०। [उखाड़+अथि प्र०]। राम० २३३ (लङ्कापति परिचय कहल अचल उखाड़थि)। *ukhāḍathi—Hon.* Present tense third person form of *ukhāḍa* (q.v.).

ऊखाड़ल **उखाड़ल**—उखाड़ब (दे०) केर भू० रू०। [उखाड़+अल]। खट्ट० ३६ (पुष्प नक्षत्रमे उखाड़ल)। *ukhāḍala*— Past tense form of *ukhāḍaba* (q.v.).

ऊखाड़ि **उखाड़ि**—उखाड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० उद० १५७-३ (हृदयसँ उखाड़ि); खट्ट० ६ (कुशक जड़ि उखाड़ि उखाड़ि मट्ठा चढ़ावय लगलाह); द्विरा० ४६ (मृणाल दण्डकैँ मूल सहित उखाड़ि लेलन्हि)। *ukhāḍi*—Part. form of *ukhāḍaba* (q.v.).

ऊखाड़ैत **उखाड़ैत**—उखाड़ब (दे०) केर वर्त्त रू०। [उखाड़+ऐत प्र०] धातु पाठ ३७। *ukhāḍaita*—Present form of *ukhāḍaba* (q.v.).

ऊखाड़ पुखाड़ **उखाड़ पुखाड़**—कोनो गुप्त अपराध वा पापक उघाड़ि देनाइ वा दस लोकक बीचमे प्रकट कए देल जाएब। [उखाड़+ध्वनिमूलक पुनरुक्ति]। *ukhāḍa pukhāḍa*—Act of violent digging, unearthing.

ऊखानब **उखानब**—क्रि०। कोड़िकए बहार करब। [सं० उत्खन्+खिच्+अव्]। उखानीलेत्र साँढ़ बल प्रदर्शनक उद्देश्यैँ सिंहसँ माटि उखाड़ए लगइछ तकरा लेल प्रयोग होइत अछि, व्यर्थं लड़ि गेनाइ, (हूनू गोटा अविते देरी उखानो लेबए लगलाह)। *ukhānaba* — *V.* unearth, to pick up a quarrel (forcibly).

ऊखारि **उखारि**—उखाड़ि (दे०) केर विक० रू०। राम० १५६ (तनिक लेल तहँ मैलि उखारि)। *ukhāri*—*Alt.* of *ukhāḍi* (q.v.).

ऊखियार **उखियार**—कुसिआर, इक्षु (दी०)। [सं० इक्षु]। (रबो डोमना उखियार नेने अबिहें)। *ukhiyāra*— Sagar-cane.

ऊखी-बिखी **उखी-बिखी**—उक्खी विक्खी (दे०) केर विक० रू०। मिहिर ३८-२०-७ (मनमे उखी बिखी लागि जाइत); चन्द्रिका ४७। *ukhī vikhī*—Alt. form of *ukkhī vikkhī* (q.v.).

ऊग **उग**—उगब (दे०) केर भू० रू० [सं० ...>]

प्राकृ० √ उग्गम > उग] । वि० नै० ४० (चकमर उग चन्दा); कीo गु० १ अम० ७ (जैहन जलधर उग सुधाकर शोभित उडुगण मांझ)। *uga*—*Root* of *ugaba* (q.v.).

उगाइ उगाइ—क्रि० । उदित होयब, उगब । [उग + इ] । विद्या ५३ उगाइ अछि जाहिद्दाम) । *ugai*—*V.* To rise.

उगइते उगइते—उगाइ (वि०) केर प्रा० अथवा उगतहि (वि०) केर का० रू० । [उग + इते] । वि० पद० मजु० ३६१ (सुरुहि पदए मधि मांक साँझ सखी उगइते रे) । *ugaite*—*Old.* Poet of *ugai* (q.v.) or *ugitahi* (q.v.).

उगए उगए—क्रि० । उगब, उदित होएब । [उग + अए] । वि० नै० १०२ (सुर उगए परचारि); वि० राग० ७३ (मौसे पले उगए कलानिधि); FML 301, 481 । *ugae*—*V.* Rises.

उगओ उगओ—उगब (दे०) केर आज्ञा० रू० । [उग + अओ] । वि० नै० १०६ (केरि हल दमि ससुद उगओ); वि० पदा० मजु० ३५६ (उगओ सकल दश दामव चन्द) । *ugao*—*Imp.* form of *ugala* (q.v.).

उगटन उगटन—उकटन (दे०) केर वि० रू० । लेप । IAL 2072; B.P.L. 7382; S. Sen 98. *ugaṭana*—Paste. *Alt.* of *ukaṭana* (q.v.)

उगत उगत—उगब (दे०) केर भवि० रू० । [उग + अत] । वि० नै० २८ (चान्द उगत कवे); वि० पदा० मजु० ८०; रामभद्रपुर पोथी पद १६६ (आयहि उगत सुबुध सखी) । *ugata*—*Future* tense form of *ugaba* (q.v.).

उगति उगति—उगब (दे०) केर अंकुरित होएब अर्थमे वर्त० कालिक रू० । टीकाकार चकर अर्थ स्पष्ट करने छथि; मुदा उगति केर अर्थ उदय वा प्रकाशित होयब होएबाक चाही वा ऊर्ध्व वा अवनाह गति । [उग + अति अथवा उ (= ऊर्ध्व; अथवा कोटिर अशुद्ध उ) + गति] । वि० पदा० मजु० ४०४ (अन्त पथ परस चलाओल उगति मधि न देला) । *ugati*—*Verb* Present tense form of *ugaba* (q.v.).

उगथि(थु) उगथि(थु) उगब (दे०) केर क० अ० वर्त० अथवा इच्छा रू० । वि० पदा० मजु० २३, मि० १४, न० गु० १३, अ० ६२ (रवि ससि उगथि समासे); वि० पदा० मजु० ५४१ (नहि छथि उगथु सहत बिन) । *ugathi(thu)*—*V. Hon. Pres* tense or *opta* of *ugaba* (q.v.).

उगन उगन—उगना (दे०) केर का० रू० । वि० नै० २५६ (उगन उमत केहु देखल किमाता) । *ugana*—*Poet.* of *uganā* (q.v.).

उगना उगना—'उग्न,' महादेवक वैदिक नाम । विद्यापतिक भक्ति भावनासँ महादेव हुनक भए हुनका ओहिठाम नाए मकक चाकर भए रहय लगलाह । तकर महादेव अपन नाम उगना कहि छद्म वेषमे रहलाह । पश्चाति चिन्हल भए गेलाह । [सं० उग्र name of शिव Rv अथवा उगन + आ प्र०] । वि० नै० ५४ (विनु चिते हमर नाम उगना); वि० पदा० मजु० ५१४ (उगना रे मोर कतय गेला) । *uganā*—Lord Siva; serving Vidyapati under this name.

उगन्त उगन्त—वि० । उदीयमान । उगब (दे०) केर वर्त० पु० कि० रू० । [उग + अन्त प्र० FML 198] । वि० पदा० मजु० २२३ (भन विद्यापति उगन्त सेविय) । *uganta*—*Adj.* Present part. form of *ugaba* (q.v.).

उगब उगब—क्रि० । उदित होयब (दी०); प्रकट वा प्रकाशित होयब, अङ्कुरित होएब । [सं० उद् + गम + अब प्र०] । तु० प्राकृ० उग्गेइ; ओगाइ; पं० उगगणा; उ० उगेइ; मा० मा० उगइ; उगूँ; हि० उगना । (चन्द्रमाक उगब आ पूर्वक दृश्य सन्ध्या समयमे एक अद्भुत शोभा बनि जाइछ । *ugaba*—*V.* To rise, to come forth.

उगमग उगमग—पूर्व दिशा, सूर्योदय होयबाक दिशा । [उगम + मग] । तु० क० राज० उगमणा । गी० ६० १ अन० १६ (उगमग अरुण उजागर लोचन कर नख परिरथ देला) । *ugamaga*—The East, the side of sun rise.

उगरब उगरब—क्रि० । उबरब (दे०) केर वा० रू० । बाँचब, शेष रहब, उर्वरित होयब (दी०) । तु० क० राज० उगरबी; उगरवी । FML 174 [सं० उर्वर > उगर + अब] । तु० क० उबरब । (अरमे सब वस्तुक उगरब कोनो आवश्यक नहि) । *ugaraba*—*V.* To hold as balance.

उगरय उगरय—क्रि० । बाँकी बचल वा रहब । [उगर + अय > अय] । नौ० १०२-२१ (आन उचित व्यवसँ जत उगरय) । *ugarava*—*V.* To have as balance.

उगरा उगरा—बाँचल खुचल, खर्चक वा दान-पुण्यक अलावा बाँचल द्रव्य, वस्तु; उगरास (दे०) क संक्षिप्त रूप । FML 174 (औ जी महाराज, उबरबनक उगरा तँ हमरी सभ के दिअ) । *ugarā*—Remainder.

उगरास उगरास—उग्रस (दे०) केर का० रू० । तु० क० उगरा (दे०) । पदा० मजु० ५४, तालपत्र न० गु० २६२, अ० २३१ (होअ उगरस देह रति दान) । *ugarāsa*—*Poet.* Form of *ugrāsa* (q.v.).

उगरैक उगरैक—उगरब (दे०) केर भवि० रू० । भारती ६० (जीक निकुति बस्तु चकरा समसँ उगरै .. तखन चेतन कँ होइत) । *ugaraika*—Future tense of *ugaraba* (q.v.).

उगल उगल—उगब (दे०) केर भू० कि० रू० । वर्ण० १८ (पश्चीका मौल विताम उगल अछि); वि० पदा० मजु० २१, न० गु० तालपत्र ११७; प० त० १३२६; अ० १३०, ४३५ (जनि रवि ससि संगहि उगल); वि० वि० ११ (आनन्द सुन्दर चाद उगल जनि); वि० वि० ३३ (सुरज उगल जनि दुहु तन कांति); मि० ४०० (उपेर उगल छवि उपर खाइ); FML 289, 527. *ugala*—Past tense of *ugaba* (q.v.).

उगलब—क्रि०। मुँहमे अन्नकेँ चिबओला‌क बाद बाहर फेकि देब, थुकरि देब। [सं० उद्+गिल अथवा उद्गिरति]। तु० क० कुमा० उगलणो म० उगालणेँ; हि० उगलना। (उगलब तँ मारब)। *ugalaba*—*V.* To spit out.

उगलन्हि—उगल (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० पदा० मजु० २५६ (उगलन्हि पाँचो बेरा)। *ugalanhi*—*Opta.* form of *ugala* (q.v.).

उगला-उगब (दे०) केर भू० रू०, उगलाह (दे०) केर सं० रू०। द्विरा० ११० भोरुकबा उगल पर)। *ugalā*-Past. tense form of *ugaba* (q.v.), short form of *ugalāha* (q. v).

उगलाह—उगब (दे०) केर भू० का० आद० रू०। वि० पदा० मजु० १६६, न० गु० ८०३, अ० ८०४ (सामर चन्दा उगल हू रे। *ugalāhi*—*Hon.* Past tense form of *ugaba* (q.v.).

उगलि—उगल (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० ने० ४६ (साए साए उगलि बेबशा आधि न अएले कन्ता)। *ugali*—Fem. of *ugala* (q. v.).

उगलै—उगलैक (दे०) केर सं० रू०। राम० १२५ (तिमिर रहय की उगलै सूर)। *ugalai*– Short form of *ugalaika* (q.v).

उगलैक—क्रि० उगल (दे०) केर भू० रू०। पारो ३८ (जखन भोरुकबा उगलैक तखन ओ केँ कने आँखि लागल)। *ugalaika*—*V.* Past tense form of *ugala* (q.v.).

उगलैत—उगलब (दे०) केर इच्छा० रू०। [उगल+ऐत प्र०]। ज्वाला० ४१। *ugalaita*—*Opta.* form of *ugalaba* (q v.).

उगह—उगब (दे०) केर आज्ञा० रू०। [उग्+अह]। (उगह चान कि लपकइ पूआ)=चन्द्रमाक उगिते देरी पू लपकू वा उाख। *ugaha*—Imp. form of *ugaba* (q.v.).

उगहनि—नीचासँ (वा खाधिसँ) पानि भरबाक डोरी (दी०)। [उगह+अनि]। (उगहनि लाउ इनारसँ पानि आनि दैत छी)। *ugahani*—A rope for drawing water form the well or some hollow.

उगहब—कोनो वस्तुकेँ एक ठामसँ दोसर ठाम लए जाएब। [IAL Turner 1967 उद्ग्राहयति]। तु० क० उग्गाहइति; अस० ओगाँ, प० उग्राहुणा। (एतेक बोम हम उगहब से हमर शक्तिक बाहर अछि)। *ugahaba*—To carry (a load), take up, lift up.

उगहय—उगहब (दे०) केर इच्छा० रू०। रघुवंश ३३७। *ugahaya*—Opta. of *ugahaba* (q.v.).

उँगही—ओङ्हा ऊँघी (दे०) केर बा० रू०। भलमानुष १३३। *ũgahī*—*Coll.* form of *oṅahī* (q.v.).

उगहैत—उगहब (दे०) केर वर्त० रू०। धातुपाठ ७७। *ugahaita*—Pres. form of *ugahaba* (q.v.).

उगाएब—उगब (दे०) केर प्रेरणार्थक रू०। *ugāeba*—*Caus.* of *ugaba* (q.v.).

उ(उँ)गारए—शरीरमे अनुलेपन करब, रगड़ब, शुद्ध करब, सफाइ करब। [उङार+अए प्र०]। FML 299. (आँग उगारए कुवलय कुसुम पराए)। *u(ũ)gārae*—*V.* Anoint, cleanse with some paste, rub.

उगारब[1]—क्रि०। उर्वरित करब (दी०), बचाएब, किछु बाँकी राखब। [सं० उर्वर अथवा उगार+अब]। *ugāraba*[1]—*V.* To save.

उगारब[2]—उङारब (दे०) केर बा० रू०; महा० ना० २८ (तेल कसाय चूँच उगारब रीतै)। *ugāraba*[2]—*Coll* of *uṅāraba* (q.v.).

उगारल—उङारब (दे०) केर भू० रू०। म० वि० ११८ (देह उगारल दुति अति काय)। *ugārala*—Past tense of *uṅāraba* (q.v.).

उगारि—उङारब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। श्री कृष्ण केलिमाला १८ (एक दिन आँग उगारि कहुँ कोर कए लेल किशोर); वि० पदा० मजु० ५१५ (निते उगारि निते भसम साथ)। *ugāri*—P. Part of *uṅāraba* (q.v.).

उगावथि—उगाएब (दे०) क्रि० केर प्रेरणा० रू०। वि० पदा० मजु० ५७७ (ओर उगावथि आंग)। *ugāvathi*—? *V. Caus* form of *ugābe* (q.v.).

उगाहब—क्रि०। अंश, चन्दा वा मालगुजारी ओसूल करब। [सं० उद्+ग्रह+अब]। खट्ट० ७० (ओकर उगाहब कार्य छोड़ि और काजे कोन करैत छथिन्ह); विदेश १-३-१९४२ (कइएक वर्षक बाद बकाया उगाहक हेतु)। *ugāhaba*—*V.* To collect taxes,rents, shares, etc.

उगाहिअ—उगाहब (दे०) केर प्रा०, अवहट्ट रू०। कीर्तिलता ६७ (धरिअ छत्त तिरहुति उगाहिअ)। *ugāhia*—*Obs. avahattha* form of *ugāhaba* (q.v.).

उगि गेल—उगल, उदित भेल। [उग+इ]। तु० क० बं० उगि। गो० वि० ९ (क) (अन्त भए उगि गेल पुनिमक चन्द); वि० पदा० मजु० २, रागत० ५१, न० गु० २६२, अ० २६७ (मेरु शिखर नव उगि गेल शशधर); गो० श्र० १ अम० १३ (दश-दिश अरुणिम भेल। आधि बानन उगि गेल); मन० कृ० ग० (उनि हरिचन्दपुरी उगि गेल)। *ugi gela*—Has risen.

उगितहि—क्रि० वि०। उगैत देरी, उगलाक उपरान्त वा बाद। [उदित>उगित+हि प्र०]। वि०ने० २३६ (... सोहाओन। उगितहि अव गेला); मिहि० ३८-१२-५० (...

मिका देल ज.च) । *ugitahi—Adv.* Soon after rising.

उगिय—उगि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ११५, पं० रमानाथ झा (लागैछि चान्द उगिय गेल बिन तम निरमलि राति) । *ugiya—Poet.* form of *ugi* (q.v.).

उगिल—उगब (दे०) केर भू० क्रि० रू० । धातु पाठ ७१ । *ugila—Past.* Part. form of *ugaba* (q.v.).

उगिलत—उगिलब (दे०) केर भ० द० भवि० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १२७, नेपाल १०५ (संजने गिरत उगिलत) । *ugilata—Hon.* Future tense form of *ugilaba* (q.v.).

उगिलब—क्रि० मुखसँ फेकब (दी०), बोकरब, मुँहसँ बाहर फेकब, रद्द करब, । [सं० उद्‌गिरण] । तु० कं० हि० उगलना प्राकृ० उग्गिरेइ; पा० उग्गिरति; सि० उगि इ । (विषाक्त रस चुषि लैलाक बाद उगिलब ते नीक) । *ugilaba—V.* Spit out, vomit.

उगिलल—उगिलब (दे०) केर भू० रू० । वि० ने० २३६ (सज्जने गिलि उगिलल मोतिमहार) । *ugilala—A Past* tense form of *ugilaba* (q.v.).

उगिलह—उगिलब (दे०) केर आज्ञा० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २२६ (विषि जनि उगिलह सोतल सखी) । *ugilaha*—Imp. form of *ugilaba* (q.v.)

उगिला—वि० । उगिलल, थुकल । [उगिल+आ] । तु० क० असा० उगिला । (उगिला तँ कुकुरेक वखरा होइछ) । *ugila—Adj* Spitted out, vomitted.

उगिलि—उगलब (दे०) केर पू० का० रू० । वि० ने० ८० (उगिलि चान्द तम निकार राहू); खड्ग० ११८ (केतु कतेक देर उगिलि कं छोडने छथि) । *ugili*—Part. of *ugila* (q.v.).

उगिली—उगिलि (दे०) केर विक० रू० । शतदल २५ । *ugilī—Alt.* of *ugili* (q.v.).

उगील—उगिल (दे०) केर बा० रू० । चन्द्रप्रभा० २५ । *ugīla—Coll.* of *ugila* (q.v.).

उगुति—उक्ति (दे०) केर प्रा० तु० का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३८३ (कहब निश उगुति जुगुति परचारि) । *uguti—Obs.* Poet, form of *ukti* (q. v.).

उगैत—उग केर वर्त० रू० । उगइत केर विक० रू० । प्रवा० १८६ (भुवनमे उगैत उगैत पण्डित जी घर पहुँचि गेलाह) । *ugaita—Alt.* of *ugaita* (q.v.). Pres. tense of *uga*.

उगौ—उगब (दे०) केर प्रेरणा० रू० । उगाओ (दे०) केर अनु० रू० । चन्द्र० १६६ (उगौ सहस्र चन्द्र मीठि) । *ugau—Caus.* of *ugaba* (q.v.).

उग्गिह—उगब (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता २३ । (तसु केरा मुख मण्डलहि घरहि घरहि उग्गिह चन्द) । *uggiha—Old (avahaṭṭha)* form of *ugaba* (q.v.).

उग्र—वि० । तेज, तीव्र, प्रचण्ड, उत्कट, रौद्र । (सं० उच्+रक्) । तु० क० प्राकृ० उग्ग; असा०, बं०, ने०, भद०, ओ०, राज० उग्र । वर्ण० ५६ (विजय बड़ उग्र); मि० १६४ (स्वाभाविक उग्र प्रकृतिक बालक); राम० ३२८ (कुम्भकर्ण बुझि उग्र प्रताप); चन्द्र० २६३ (सबमन रसन उग्र उपवास); मै० हि० भा० १ (२-३) २ (विगत उग्र एक बड़ कार); आमक० ८८ (सुरा पवन उग्र रूप कहियौ ने) । *ugra—Adj.* Sharp, terrible.

उग्रगन्धा—एक प्रकारक औषध, वच, पियाजु, लहसुन । [सं०] तु० क० हि० उग्रगंधा । वैदेही; अम० ६७ (वचा उग्रगंधा) । *ugragandhā*—A medical herb.

उग्रता—तीव्रता, तेजी, रौद्रता, प्रचण्डता [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० राज०, अव० उग्रता । पुरु० १७१ (नहि उग्रता कनाओल); मौ० १७४-३६ (वर्ष अद्भुत उग्रता व्यभिचारहि मानू) । *ugratā*—Terribleness, sharpness.

उग्रतारा—आदिशक्ति भगवतीक नाम, कालीक उग्ररूप गुणक नाम । [सं०] । वर्ण० ५२ (वजतारा उग्रतारा) । *ugratārā*—Name of Goddess (Kālī).

उग्रप्रभ—वि० । तीव्र वा प्रचण्ड प्रभाव केर । का० रू० । [सं०] । पद्मावती परिणय १३० । *ugraprabha —Adj. P.F.* Having violent or cruel appearance.

उग्रबाण—क्रि० वि० । तेज वा प्रचण्ड बाण । [सं०] । राम० २७१ (उग्रबाण हनुमानक बाण) । *ugrabāṇa—Adj.* Terrible-arrowed.

उग्रसेन—कंसक पिता, कृष्णक मातामह । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव०, राज० उग्रसेन । FML 310 (उग्रसेन कौं तखन बजाए); FML 296 (उग्रसेन देल राज) । *ugrasena*—Name of the father of *Kaṁsa* and maternal grandfather of *Kṛṣṇa*.

उग्रास—धर्मशास्त्रानुसार जखन सूर्य वा चन्द्रमा राहुक ग्रास (कबीर) भए जाइत छथि, (अर्थात् ओ मुँहमे आधा वा पूरा लए लैत छथि तखन पुनः मुँहसँ बहार भए दैत छथि ओकरे उग्रास कहल जाइछ, भौगोलिक नियमक अनुसार पृथ्वीक छाह जखन सूर्य, चन्द्रमा परसँ हटैत अछि तखन उग्रास होइछ । पकरा अनदेशीनम कथविश्वाससँ पुण्यकाल मानैछ, मैथिल उग्राससँ बेसी, ग्रहण नहएबाक पुण्य मानैछ; प्रकाशमे आएब, उद्धार, उदय । [सं०] । लाल० राम १०६ (हयनहि सुग्रीवक उद्धार); कन्या० १६१ (किन्तु किछु उग्रास भेलो पछिसँ उद्धार कोना होएत) । *ugrāsa*—Face of the Sun or the Moon after the eclipse is over, feeling of relief.

उँगर—क्रि० । उगाओल, कहल । [उगार > उँगर] । कीर्तिलता २१ । (उँगर भानक तिलक आनहौं लाग) । *ũgara—V.* To mount.

ऊँगारबर उँगारब—क्रि० । उद्वर्तन करब (दी०), मालिस करब, शरीरमे लगाएब । [उङार+अब] । आँग **उँगारब** तँ इनाम लैब) । *ũgāraba—V.* To anoint.

ऊँघऊ **उघइ**—उघब (दे०) केर अना० मध्य० पु० वर्त्त० रू० । उघइत केर संक्षिप्त रूप । चित्रा ६० (**उघइ** अछि मोटा) । *ughai—Nonh.* Second pers. present tense form of *ughaba* (q.v.).

ऊँघटे **उघट**—अघट (दे०) ग्रा० रू० । उमाशंकर विवाह कीर्तन १६ । *ughaṭa—Folk* form of *aghaṭa* (q.v.).

ऊँघबँ **उघब**-क्रि० । कोनो वस्तुकेँ उठाकए लएजाएब, वा आनब । [IAL Turner 1976 उद्वाहयति अथवा सं० वह > उब + अब] । तु० क० उगहब (दे०), कुमा० उघोगो; अस० उघाइब; उ० उघइब हि० उघना । (जन बनिहारिनसभ धानक बोझ उघब पसिन्न करैत अछि) । *ughaba-V.* To lift, to carry, accumulate to.

ऊँघबाँहि **उघबाहि**—बारम्बार उघबाक कार्य । [उघब + आहि] । FML 259. *ughabāhi*—The (continual) act of carrying.

ऊँघरबँ **उघरब**—क्रि० । उद्घटित होएब (दी०), नष्ट होएब, सीठिकेँ (लेपटवा, मिरिआ, वा बाँटि कए) राखल वस्तु छिन्न-भिन्न होएब, लेपटाओल हटि जाएब । [सं० उद्घटित अथवा (दी०) उघट्+ अब] । (सूतक पौलाक **उघरब** स्वाभाविक थिक) । *ugharaba—V.* To unravel.

ऊँघरल **उघरल**—उघरब (दे०) केर भू० रू० । ल० वि० ५४ । *ugharala—Past* tense form of *ugharaba* (q.v.)

ऊँघरि **उघरि**—उघर (दे०) केर पू० क्रि० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३६३ (वसन **उघरि** हेरल भरि डीठि) । *ughari—Part.* of *ughāra* (q.v.).

ऊँघाएबँ **उँघाएब**—क्रि० । निन्नक कारणे भक लागब । [उँघ + अएब] । तु० क० उदू उंघाइबा; मै० ओङ्हाएब, ओँघएब । *ũghāeba—V.* To doze.

ऊँघाड़ **उघाड़**—उघार (दे०) केर वा० रू० । तु० क० बं० उघाड़ दिरा० ३१ (उघाड़ केश देखि क हमरा तड पहन पित्त उठै अछि); चित्रा ७७ (धन्न भाग जे चानि ने छन्हि **उघाड़**) । *ughāḍa—Coll.* of *ughāra* (q.v.).

ऊँघाड़ल **उघाड़ल**—उघारब (दे०) केर भू० रू० । राम० ६८ (सञ्च **उघाड़ल** आँखि); पारो ५५ (मीड़ि मीड़ि क आँखि **उघाड़ल**) । *ughāḍala—Past* tense form of *ughāraba* (q.v.).

ऊँघार **उघार**—वि० । अनावृत (दी०), झाँपल नहि, खोलल । [सं० उद् + घाट > घार अथवा प्राकृ० उग्घट । तु० क० बं० उघाड़; राज० उघाड़ । वि० पदा० मञ्जु० २४५ (रस भय जायत **उघार** हे); राम० ७२ (धरणी शयन न नयन **उघार**) । *ughāra—Adj.* Bare.

ऊँघारबँ **उघारब**—क्रि० । खोलब, वस्त्र हटाएब, प्रकाशित करब । [IAL Turner उद्घाट् अथवा (दी०) उघार + अब] । तु० क० म० उघाट; गु० उघाड़ूँ, प्रा० मा० उघड़ो; पं० उघाड़ा; हि० उघड़ा । (बीच बाटमे वस्त्र **उघारब** नीक नहि) । *ughāraba—V.* To unravel, to bare, to uncover.

ऊँघारल **उघारल**—उघारब (दे०) केर भू० रू० । ग० वि० ३४ (शिशु मुख देखल **उघारल** आँखि) । *ughārala—Past* tense form of *ughāraba* (q.v.)

ऊँघारि(री) **उघारि(री)**—उघारब (दे०) केर पू० का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३२५ (चोर **उघारि** आध मुख हेरलन्हि); कन्या० १२३ (फूलदाइ चोटी कने **उघारि** देलन्हि); मिथिला १-२२० (मारुत नन्दन रौद्र वीरता **उघारी** देल) *ughāri(rī)*—Part. of *ughāraba* (q.v.).

ऊँघी **उँघी**—ओङ्ही (दे०) केर वा० रू० । IAL Turner 1633 । *ũghī—Coll.* form of *oṅahi* (q.v.)

ऊँघू **उघू**—क्रि० । उघब (दे०) केर आज्ञा० रू० । झंकार ६ । *ughū—V. Imp.* form of *ughaba* (q.v.).

ऊँङारबँ **उङारब**—उद्वर्तित करब (दी०), देहकेँ तैलादि सुगन्धित पदार्थसँ मालिश वा मर्दन करब । [उत् + अंग + अब] । गृहस्थाचार दर्पण ३८ । *uṅāraba*—The act of annointing.

ऊँङारी **उङारी**—उङारब (दे०) केर का० रू० । मातृवन्दना ७४ । *uṅārī—Poet.* of *uṅāraba* (q.v.).

ऊच **उच**—क्रि० वि० । उपर, नीचा नहि । का० रू० । [सं० उच्च] । वि० प० १६ (देखल सकल **उच** नीचै) । *uca—Adv.* High.

ऊँच **उँच**—ऊँच (दे०) केर वा० रू० । तु० का० ने० ऊँच IAL Turner 1634. *ũca—Coll.* form of *ūca* (q. v.).

ऊँचका **उचका**—वि० । उच्च स्थान परक । [सं० उच्च > उच + का] । **उचका** पर चढ़ि देखिऔक त । *ucakā—Adj.* High-placed.

ऊँचका **उँचका**—उचका (दे०) केर वा० रू० । रंग १६१ (ओहि **उँचका** पर चढ़ि अखाड़ाक दृश्य देखल जाय) । *ũcakā—Coll.* form of *ucakā* (q.v.).

ऊचकि **उचकि**—उचक (दे०) केर पू० रू० । नाच आदिमे उत्सुकतासँ मुँह उठा उठाकए देखबाक प्रयत्न । [सं० उत् + चक् + इ] । (उचकि कए की देखबैक) । *ucaki—Part.* Taking a jump.

ऊचक्का **उचक्का**—वि० । बदमाश, लम्हर ओङ्हर ... कए चीज लए भेनिहार । [सं० उत् + सं० चक + ...] मिहि ३५-११-१ (ओ गुण्डा **उचक्का** घुमैत छल ... ...

नम्पत दैवालै); मलमानुष ४३ । *ucakkā—Adj.* Naughty, swindler, rogue.

উচক্কন **उचकुन**—उझकुन (दे०) केर ना० रू० । BPL 464, मिहि० २४ (२–११–६१) । *ucakuna—Coll.* of *ujhakuna* (q.v.).

উচকি **उचकि**—क्रि० पू० का० । उपरे-उपर बिना बुझनहि-सुझनहि कानो वस्तु अथ लैब वा बाजब । [सं० उत्+चक > उचक +इ] । प्रबo ७ (उचकि कए कालकिन्ह); पद्म० २०४ (कापी उचकि क पढ़ा नैलथिन्ह); नरोत्तम १६ । *ucaki—V. P. Part.* Intervene, snatch away (words or articles).

উচটি **उचटि**—क्रि० पू० का० । हटि जायब, मनसँ बहार भए जायब; मन नहि लागब । [सं० उच्चाटन < उचट > इ] । प्रब० ६ (नीन्द उचटि गेल); किरा० १६१ (भाव हुनका जो उचटि गेलन्हि) । *ucaṭi—V. Past P.* To become disenchanted or lose interest.

উচ(চি)তী **उच(चि)ती**—विनय-वचन (दी०), अपन नीक शब्दें नेहोरा मिनती वा प्रार्थना, मिथिलामे विवाह आदि शुभ अवसर पर आयल कुटुम्ब वर्गादिकें अपन त्रुटि विषय विनय भावें कहल जाइछ; एक प्रकारक बड़ी भावक विनयपूर्ण गीतक नाम [उचित+ई] । राम० ३१ (समुचित उचती कहल प्रकारा); राम० ६० (उचती बहुत सुनाओल) । *uca(ci)tī—*Words or expression of humility or courtsey and praise for the guest or the visitor, a type of songs expressing such ideas.

উচরব **उचरब**—क्रि० । बुझि पड़ब, फुरब (दी०); प्रकट होयब, नाम उचरब, फल उचरब । [सं० उद्+चर (व्यक्त करब)] । तु० क० सं० उच्चारण । *ucaraba—V.* To manifest, to uncover.

উচরি **उचरि**—उचरब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । गोधूलि १० । *ucari—Part.* form of *ucaraba* (q.v.).

উচরি(ড়ি)ঙ **उचरि(ड़ि)ङ**—एक प्रकारक कीट पक्षी विशेष (दी०) । [सं० उत्तिङ्ग, उच्चिटिङ्ग] ई उचरिङ्ग फिकाइ = समयँक कार्यमे बाधा का अकाज आनयवला लोक । धारी ४४ (हुनक संगे भरि जिनगी उचरिङ्ग रहि अर्थावन्ह) । *ucari(ḍi)ṅa—*A kind of jumping insect.

উচরিতহুঁ **उचरितहुँ**– उचरब (दे०) केर इच्छा० रू० । [सं० उच्चारण] । महेश० ४ (बचन न उचरितहुँ) । *ucaritahũ—Opta.* form of *ucaraba* (q.v.).

উচরিতৌঁ **उचरितौं**—उचरितहुँ (दे०) केर बा० रू० । चन्द्र० १०६ (कहु बचन उचरितौं) । *ucaritaũ—Coll.* of *ucaritahũ* (q.v.).

উচলা **उचला**—धोती आदि कपड़ामे महीनक दोगें चंचल भेने, जेना चलने बुनबाक दोगें, उच्च देश (दी०), नवीन कपड़ाक बुनबाक दोगें उपरल उपर उठल सूतक । [उत्+चला] । तु० क० अहि० उचला । *ucalā—*Upraised thread or place.

উচাট **उचाट**—मन नहि लागब, विरक्ति, उदासीनता । [सं० उच्चाट] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, मग०, राज० उचाट । वि० पदा० मजु० १३१, मिथिला न० गु० ७२३, अ० ७२४ (फागुन मास भनि जीव उचाट); चन्द्र० १६६ (चित हो उचाट); शतदल ९१ । *ucāṭa—*Disenchantment, sadness

উচার **उचार**—उच्चारण (दे०) केर का० रू० । गी० मू० १ प्रम० ४० (हिमकुल मंगल उचार), गौरी स्वयम्वर ६ (अनुसार उचार कहि नाम नायिका रूप); राम० ६३ (भूप देखि जय शब्द उचार) । *ucāra—Poet.* of *uccāraṇa* (q.v.).

উচারব **उचारब**—क्रि० । उच्चारण करब मुँहसँ शब्द बहार करब । [सं० उच्चारण अथवा उचार+अब] । तु० क० हि० उचारना; प्राकृ० उच्चारइ; प० उचरना; गु० उचरवुँ पा० उचारेति । (मनमे बातकेँ उचारब उचित मौन पड़त) । *ucāraba—V.* To utter, speak.

উচারয(এ) **उचारय(ए)**—उचारब (दे०) केर इच्छा रू० । सनेस ४० । *ucāraya(ae)—Opta.* of *ucāraba* (q.v.).

উচারল **उचारल**—उचारब (दे०) केर भू० रू० । राम० ३११ (वैदेहीक उचारल नाम) । *ucārala—Past* tense form of *ucāraba* (q.v.).

উচারি **उचारि**—पू० का० क्रि० । उच्चारण करकें मुँहसँ शब्द बहार करकें । [उचार+इ प्र०] । वर्ष० १२ (मन उचारि कहि); प्रबo १३४ (वन उचारि दैत छी) । *ucāri—V. Part.* To be uttered.

উচারু **उचारु**—उचारब (दे०) केर आज्ञा रू० । मिहि० २८–२–१२ (नीके उचारु विरदावलि अन्हि कुन्द) । *ucāru—Imp.* form of *ucāraba* (q.v.).

উচারে **उचारे**—उचारब (दे०) केर का० रू० । राम० ३१४ (को उचारे शिव गौरी गीत) । *ucāre—Poet.* of *ucāraba* (q.v.).

উচাবচ্চ **उचावच्च**—उच्चावच (दे०) केर विक० रू० । मि० इ० ४६ (कोनो उचावच्च नहि पाबि अन्तमे) । *ucāvacca—Alt.* form of *uccāvaca* (q.v.).

উচাড় লগাএব **उचाड़ लगाएब**–क्रि० । ई बिना भेने नहि रहताह रातिधरि छिनका उचाड़ लगाए देने छन्हि । [उच्चाड शब्दक विकृत रूप ई थिक । मुदा पछाड़ीमे चोर उचाड़ लगाए राति १५–२० मन धान लए गेल (= घरक चारकें उपर उठबा लए गेवी बाँसक उचाड़ देल जाइत अछि) । [ऊँच+अड़] तु० क० सोझर (दे०) । *ucāḍha lagāeba—V.* To raise the thatch roof with a high bamboo.

উচা(চাঁ)স **उचा(चाँ)स** उच्चवास, कनेक ऊँच

(दी०)। [सं० उच्च > उच + आस]। BPL 790, (ई जमीन **उचाँस** वा **उचास** अछि)। *ucā(cā̃)sa*—little high.

𑒅𑓀𑒔𑒰𑒃 **उँचाइ—उच्चता** (दे०) केर विक० रू० । [ऊँच + भाववाचक]। (एतए सँ अहाँ कतेक **उँचाइ** पर जाए सकैत छी) *ũcāi*—Height.

𑒅𑒔𑒱𑒞 **उचित**—वि० । ठीक, योग्य, मौनासिब । [सं० उच + क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, राज० उचित । वर्ण० ४७ (**उचित** अनाकलित ओज); वि० ने० ६४ (मिलत **उचित** परिपाटी); वि० पदा० मजु० ४८०; ने० ११६, रामभद्रपुर पोथी पद १६३, न० गु० ६२, अं० १०२ (तोहे हुनि **उचित** रहत नहि लेव); गो० श्र० १ अम० २४ (नहिँ जौं धरम छहु कय परखह **उचित** कहय एक बानि); मन० कृष्ण० १८ (एहिठाम आब **उचित** नहि बास); गौरी परिणय (शंकर चरण मनाय **उचित** पहु पाओव हे); राम० १२ (**उचित** विरनी वृन्द जगाय); मि० उद्० १५७–६ (कयल **उचित** अति); मै० हि० सा० १५ (**उचित** थिकैन्ह); मो० ६७–२ (**उचित** थिकन्हि); मि० मित्र १६० (ई देखि दश जन समपर क्रोध तथा दुख होइछ किन्तु (**उचित** कहने घर झगड़ा); (**उचित** कहए से मारल जाए)। *ucita—Adj*. Proper, fit.

𑒅𑒔𑒱𑒞𑒍 **उचितओ—उचितहु** (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १३७, नेपाल १६१, न० गु० ७६६, अ० ७६० (**उचितओ** भूसन मानए भार)। *ucitao*—Poet. of *ucitahu* (q.v.).

𑒅𑒔𑒱𑒞𑒫𑒏𑓂𑒞𑒰 **उचितवक्ता**—यथास्थित बजबामे प्रौढ़ (दी०), सत्य बात कहबामे कनिओ पाछू हटनिहार नहि । [उचित + वक्ता] । (**उचितवक्ता** समय समय पर बनी अन्यथा लोकके तकलीफ होइछ)। *ucitavaktā*—One who speaks out the right.

𑒅𑒔𑒱𑒞𑒯𑒳 **उचितहु—उचितो** (दे०) केर निश्च० रू० । वि० ने० १२२ (**उचितहु** न रहल तनिक विवेक)। *ucitahu—Emph.* of *ucita* (q.v.).

𑒅𑒔𑒱𑒞𑒱 **उचिति—उचिती** (दे०) केर का० रू० । राम० ५० (**उचिति** विनति कति सहित सनेस)। *uciti*—Poet. of *ucitī* (q.v.),

𑒅𑒔𑒱𑒞𑒲 **उचिती—उचती** (दे०) केर विक० रू० । राम० २७१ (**उचिती** पिती कहू कत आज); प्रण० ४ मै० सा० इ० ४४; प्रण० ११ (**उचिती** मिनतीमे एक घण्टा लागि जाइत); प्रण० ५० (भागिरथ भा **उचितीओ** करए लगलाह)। *ucitī—Alt.* of *ucatī* (q.v.).

𑒅𑒔𑒱𑒞𑒹 **उचिते-उचित** (दे०) केर निश्च० रू० । [उचित + हि केर संक्षिप्त वाच्य रू०] । राम० ५३ (**उचिते** कहले सँ विधुआय); मिहि० उद्० १५७–४ (से **उचिते**); प्रण० १३६ (हमर बालक **उचिते** कैलक अछि); पारी ६६ (एहि प्रकारक प्रश्न कएलक अछि तेँ **चितेउ**)। *ucite—Emph.* of *ucita* (q.v.).

𑒅𑒔𑒱𑒪𑒰 **उचिला**—धोतीमे बिनबाक दोषेँ उच्च देश (दी०)। **उचला** (दे०) केर विक० रू० । *ucilā—Alt.* of *ucalā* (q.v.).

𑒅𑒔𑒱𑒭𑓂𑒙 **उचिष्ट**—उच्छिष्ट (दे०) केर अशु० रू० । पुरु० २१० (ई **उचिष्ट** हमरहु भेटत)। *ucisṭa—Err.* of *ucchiṣṭa* (q.v.).

𑒅𑒔𑒹 **उचे**— उच (दे०) केर का० रू० । राम० (६७ **उचे** ओ नीच पथ जाह)। *uce—Poet.* of *uca* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚 **उच्चैठ**—भगवतीक नाम वा उचैठ एक गामक नाम जतए कालिदासकेँ ज्ञान प्राप्त भेलैन्ह । वि० पदा० ६७ (कालिदास कवि मुकुट **उचैठमे**)। *uccaiṭha*—Name of a Devi or a village.

𑒅𑒔𑓂𑒔 **उच्च**—वि० । उपर, पैघ, श्रेष्ठ । [सं० उत + चिञ] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा०, प्राकृ० **उच्च**; प्राकृ० ओअअ; पा० ओअह; सि० **उचो**; लहन्दा **उच्चा**; प० ऊच, **उच्चू**; उ० **उचा**; भोज० **ऊँच**; प्रा० अव० **ऊँचाँ**; प्रा० मा० **उचो**; गु० **ऊँचुँ**, म० **उँचँ**; कुमा० **उचौणो** । वर्ण० २३ (सन्निवान **उच्च** चौरस); राम ६४ (नृपतिक **उच्च** भवन आरुढ़ि); मो० ६७–१ (लब **उच्च** श्रेणीक); मिहि० उद्० १५७–१ (**उच्च** स्थानारूढ़ छलीहि); प्रण० २७ (तीन व्यक्ति **उच्च** स्वरसँ बजैत); चित्रा ३ (नृप रमेश्वर **उच्च** ज्ञानमे); (**उच्च** घर पर प्रबल बसात) = जे घर (= व्यक्तित्व) बेशी ऊँच रहैछ ओकरा वायु वा हवाक वेगक डर विशेष रहैछ; (**नाम बड़ उच्च** कान दुनू बुच्च) = पैघ लोक जखन पैघत्व उदारताक पथ त्याग कए देथि तखन ई कथनी कहल जाइछ । *ucca—Adj.* High.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒛 **उच्चड—उचाड़** । लु० प्र० [सं०] । सर्वानन्द ११-२-१७० *uccaḍa*—A kind of grass.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒮𑓂𑒟 **उच्चस्थ** –वि० । उच्च वा उपर स्थान पर स्थित । [उच्च + स्थ] । राम० १० (पञ्चग्रह **उच्चस्थ** मेषमे दिनकर)। *uccastha—Adj.* High-placed.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒏𑒰𑓀𑒏𑓂𑒭𑒰 **उच्चाकाङ्क्षा**-पैघ अकांक्षा वा मनोरथ । [उच्च + आकांक्षा] । मो० १७१–२ (मिथिला मोदक **उच्चाकांक्षा**) । *uccākāṅkṣā*—High ambition.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒙 **उच्चाट**—अनमनाएल सन, उखाड़ि फेकबाक क्रिया, उच्चाटन । [सं०] । तु० क० ने० हि०, बं०, उच्चाट । *uccāṭa*—Disenchantment.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒙𑒏 **उच्चाटक**—वि० । उच्चाटन सन अविचार कर्म विशेष कएनिहार । [उच्चाट + अक प्र०] । शत० ६ (शिव शैलुकीक एक **उच्चाटक**) । *uccāṭaka—Adj.* Who indulges in the incantation of *uccāṭana* (q. v.).

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒙𑒢 **उच्चाटन**—उन्मूलन, अविचार कर्मविशेष, चंचल करब, विरक्ति, विराग, उदासीनता, एक प्रकारक मंत्र । [उत् — चट — णिच् — ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, **उच्चाटन**

राज० उच्चाटण । वर्ण० ३ (उच्चाटन मारन); मिथिला १-१३८ (सकल वस्तु उच्चाटन आदिक सिद्धि करथि जन सेवी); नव० ६२ (यदि वस्तु स्थिति कै उच्चाटन किंवा वशीकरण कोनो तान्त्रिक प्रयोग सुमलथिन्ह) । *uccāṭana*—A form of Tantra magic, loss of interest or attachment.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒠𑒩𑓂𑒬 **उच्चादर्श**—उच्च वा नीक आदर्श, उत्तम आदित्व । [उच्च + आदर्श] । कथा पराग ६ । *uccādarśa*—*Adj.* High ideology.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒦𑒱𑒪𑒰𑒭𑒲 **उच्चाभिलाषी**—वि० । पैघ अभिलाषा रखनिहार । [उच्च + अभिलाषा + ई] । मौ० १७१-७ (ई बड़ उच्चाभिलाषी छलाह) । *uccābhilāṣī*—*Adj.* Ambitious.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩 **उच्चार**—उच्चारण (दे०) केर का० रू० । [उत् + चर + णिच्—घञ् प्र०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० उच्चार । राम० २३ (जय-जय ध्वनि उच्चार); राम० १६४ (कैक अनेक वचन उच्चार) । *uccāra*—*Poet.* Form of *uccāraṇa* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩𑒝 **उच्चारण**—कण्ठ, तालु, दाँत, ठोर एवं नाक, जीह द्वारा शब्दक उत्पादन, शब्द वा वर्णक बजबाक ढंग । [उत् + चर + णिच् + ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज० उच्चारण; प्राकृ० उच्चारइ; सि० उचारना; पा० उच्चोरति; उ० उचारिबा; गु० उचारवुँ । मिहि० उद्० १५८ (यदि उच्चारणसँ निर्णयाक हेतु); प्रय० ४ (श्री नगेन्द्रनाथक महिमा उच्चारण कैलन्हि); नव० २ (लोक शब्दक उच्चारण शुद्ध-शुद्ध करओ) । *uccāraṇa*—Pronunciation.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩𑒪 **उच्चारल**—उच्चारण (दे०) केर भू० रू० । पुरु० १६७ (कत अशुद्ध कुमति उच्चारल) । *uccārala*—Past Tense form of *uccāraṇa* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩𑒱𑒞 **उच्चारित**—वि० । जकर उच्चारण कयल गेल हो, जे बाजल गेल हो, [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज० उच्चारित । नव० २ (प्रयत्न पूर्वक उच्चारित होइन्हि) । *uccārita*—*Adj.* Pronounced, uttered.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒫𑒔 **उच्चावच**—क्रि० वि० । छोट-पैघ सभ, नीच ऊँच ओछलग, उन्नति-अवनति, नीक अधलाह । [उदच् + आवच + च, उदक (उत्तर) आवाक (पश्चिम) अथवा उच्च + अवाच्च अथवा अवच-नीय] । नव० ३६ (कोनो उच्चावच नहि); पारो ६१ (मध्य पिदागरीक उच्चावच फैलैत) । *uccāvaca*—*Adv.* Uneven.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 **उच्चैस्थान**—संस्कृत उच्चस्थान केर का० रू० । तु० क० उच्चैठ । मि० २३६ (अन्यान्य उच्चैस्थान प्रभृति देवालय रहितहु) । *uccaisthāna*—*Coll.* of *uccasthāna*.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑓁𑒬𑓂𑒩𑒫𑒰 **उच्चैःश्रवा**—इन्द्रक घोड़ाक नाम । घोड़ाक सनेहता गुण । [सं०] । राम० (२६ उच्चैःश्रवा समान अश्व) । *uccaiḥśravā*—Name of the horse of Indra.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒠 **उच्छद**—वि० । बिना छत्र-छाया (मालिक) केर, बिनु झाँपन केर । [उत् + छादन] । तु० क० उच्छिन्न (दे०) । महा० ना० १०८ (वंश उच्छद भेल आबे यदुराज) । *ucchada*—*Adj.* Without cover, or lord.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒢𑓂𑒢(𑒩) **उच्छन्न(र)**—उच्छिन्न(र) (दे०) केर विक० रू० । (दी०) । *ucchanna(ra)*—*Alt.* of *ucchinna* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒪𑒱𑒁 **उच्छलिअ**—उछालि, उपलकय, आवाजकय । [सं०] । तु० का० रू० कीर्तिलता ६८ (शंखध्वनि उच्छलिअ) । *ucchalia*—Poet. Obs. Throw up, Make sound.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒫(𑒻) **उच्छव(वै)**—उत्सव (दे०) केर प्रा० तु० रू० । कीर्तिलता ३७ (अवन उच्छव करन कल्लान); वि० पदा० मजु० ८, न० गु० ६, अ० १००७ (उच्छवै बेरस बितरि गयली) । *ucchava(vai)*—Obs. form of *utsava* (q. v.).

𑒅𑒔𑓂𑒕𑓂𑒫𑒰𑒮 **उच्छ्वास**—साँस लेब, ऊपर मुहेँ साँस लेब, ऊर्ध्वश्वास । [सं०] । तु० क० बं०, नै० उच्छ्वास । मौ० ६०-२२ भक्तिक उच्छ्वास प्रकटित रहय); प्रय० १८८ (जोर जोरसँ उच्छ्वास लेब लागू); नव० ६७ (उच्छ्वास सँ सम्पुटित भ कण्ठस्थ भ बढ़ल) । *ucchvāsa*—Breathing ont.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒰𑒯(𑒯𑒹) **उच्छाह(हे)**—उत्साह (दे०) केर प्रा० तु० रू० । कीर्तिलता ४० (होन्ह होएद सबक पइ बीर पुरिस उच्छाह); कीर्तिलता ६६ (बन्धन चल उच्छाह कर); कीर्तिलता ४७ (तिरहुत्ति-राजे रस उच्छाहे मण्डीअ) । *ucchāha(he)*—*Old* Obs. of *utsāha* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒱𑒢𑓂𑒢(𑒩) **उच्छिन्न(र)**—वि० । समूल नष्ट (दी०), (वंश) नष्ट, उजारल, काटल, विनष्ट कयल । [उत् + छिद—क्त] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, उर्दू० उच्छिन्न । मिहि० ६ (उच्छिन्न भए पड़ि रहल अछि) । तु० क० उछन्नर (दे०) । *ucchinna(ra)*—*Adj.* Destroyed, cut off.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒱𑒭𑓂𑒙 **उच्छिष्ट**—वि० । कातो भोजन सँ बाँचल, अइँठ, व्यवहार कयल । [उत् + शिष्—क्त] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० उच्छिष्ट । पुरु० २१० (उच्छिष्ट अन्न खप्पर पर धय कोर कय देल); स्त्री शिक्षा ५६ (स्त्रीकेँ उच्छिष्ट भोजन करबाक छिकन्हि); शिक्षा ६१ (स्वामीक उच्छिष्ट भोजन करै छथि); प्रय० ३६ (उच्छिष्टमे घृत आयब घोमांस भक्षण थिक) । *ucchiṣṭa*—*Adj.* (Food) left out after eating, in shregs, remainder, polluted (by) eating partly and touching and with mouth.)

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒴𑒢 **उच्छून**—ऊपर उठल, उन्नत, फुलल, उच्छ्वसित । [उत् + श्वि—क्त] । कीचक वध १२ । *ucchūna*—Swollen.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒵𑓀𑒐𑒪 **उच्छृंखल**—वि० । उदण्ड, अबारा, जे शृंखला-

रुद्ध नहि हो, विश्रृंखल, स्वेच्छाचारी। [उत + श्रृंखला]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उच्छृंखल। मि० २७७ (एहि तरहक उच्छृंखल व्यवहार दयानन्द छाड़ि आन के अनुमत कय सकतैन्ह); द्विरा० ४ (पारिवारिक जीवन उच्छृंखल होयब लागि गेल छैन्हि); पारो ४६ (ओ दूनू जमाय उच्छृंखल बुझि पड़लाह)। *ucchṛnkhala—Adj.* Unbridled, wanton.

ऊँछृङ्खलता उच्छृंखलता—उदण्डता, विश्रृंखलता, स्वेच्छाचारिता। [उत् + श्रृंखला + अता]। मिथिला मित्र १८२ (एक परिचितक उच्छृंखलता)। *ucchṛnkhalatā*—Unbridledness.

ऊँछृत उच्छृत—वि०। छितनल, उपर उठल, उत्पन्न, उन्नत, उदित। [उत् + श्रि—क्त प्र। तु० क० हि० उच्छ्रित। मिहि० ३६-२६-७। *ucchṛta—Adj.* Raised, exalted.

ऊँछेद(न) उच्छेद(न)—नाश, खण्डन, उत्पात, विनाश। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०,राज० उच्छेद, उच्छेदन। मो० १७४-६१ (जैन धर्मक उच्छेद तथा सनातन धर्मक स्थापना); चित्रा ८४ (दानव दलक करबइ अवश्य उच्छेद); प्रतिपदा एक अध्ययन ४३ (उच्छेदन)। *uccheda(na)*—Destruction, uprooting.

ऊँछेके उच्छेके—क्रि०। उठाकए। तु० क० छेक देब। [उछेदि कए]। *uccheke—V.* Having raised.

ऊँछटब उछटब-क्रि०। एक वस्तुमे लागिकेँ वेगेँ कोनो वस्तुक दोसरा दिशि जाएब। [IAL Turner 1949 उच्छट]। कोनो वस्तुक उछटब ओकर शक्ति पर निर्भर करैछ। *uchaṭaba*—V. To throw cut, to scatter; to fritter away upon clashing with something.

ऊँछटलैन्ह उछटलैन्ह—उछटब (दे०) केर भू० रू०। मि० २४७ (आशाक अनवरत मेलासँ ओहू ठाम मन उछटलैन्ह)। *uchaṭalainha—Past* tense form of *uchaṭaba* (q.v.).

ऊँछटि उछटि—उछटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० २०३ (ओड़ा गढ़ीक निवाससँ मन उछटि गेलैं। *uchaṭi—Part.* form of *uchaṭaba* (q.v.).

ऊँछती उछती—उचती (दे०) केर वा० रू०। (दी०)। *uchatī—Coll.* of *ucatī* (q. v.).

ऊँछन्न उछन्न—वि०। उत्छन्द सँ उच्छन्न अर्थात् जे छन्द = मर्यादाक परित्याग कए देलक। जेना माल छान तोड़ि जजात मे चलि गेल। *uchanna*—Adj. Uncheeked, wanton.

ऊँछन्नर उछन्नर—फज्झति, प्रतिष्ठा वा मर्यादा नष्ट केनिहार, लांछित करब, अपवाद। [उच्छन्न (दे०)]। तु० क० अकच्छ (दे०)। प्रण० ६४ (औरो उछन्नर करत); द्विरा० १३६ (तकर सँ उछन्नर कैने अछि)। *uchannara*—Disturbance, annoyance.

ऊँछल उछल—उछलि (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १२१; न० गु० ६५२, अ० ७६७ (उछल पयोनिधि नीरे)। *uchala—Poet.* of *uchali* (q.v.).

ऊँछँल उछँल—उठल (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ३६ (तपत हुअउँ सुरुतान गेल उँछल दरबारहि)। *uchãla—Old avahaṭṭha* form of *uṭhala* (q.v.).

ऊँछअलनि उछअलनि—उछलब (दे०) केर भू० लु० रू०। गोरख विजय २ (क) (खेलते उछअलनि)। *uchaalani*—Obs. *Past* tense form of *uchalaba* (q. v.).

ऊँछलइ उछलइ—क्रि०। बर्त्तनसँ पानि छलकब। उछलब (दे०) केर वर्त्त० रू०। [IAL Turner उतशलति]। *uchalai*—V. To overflow. Present tense form of *uchalaba* (q.v.).

ऊँछलब उछलब—क्रि०। जलादिक उपर छिटकाव (दी०) [सं० उच्छलन]। (छोट बर्तनसँ पानिक उछलब स्वाभाविके थिक)। *uchalaba—V.* To overflow.

ऊँछलय उछलय—उछलइ (दे०) केर वा० रू०। गो० श्र० १ अमर २६ (जँह जँह भङ्कुर भोंह बिलोल। तँह-तँह उछलय कालिन्दी हिलोल)। *uchalaya—Coll.* of *uchalai* (q.v.).

ऊँछलि उछलि—उछलब (दे०) केर क्रियान्विता क्रिया रू०। प्रण० २११ (कवि जी उछलि उठलाह)। *uchali*—Infinitive form of *uchalaba* (q.v.).

ऊँछलित उछलित—उछलब (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० २२ (चारु ध्वनि उछलित)। *uchalita*—Obs. form of *uchalaba* (q.v.).

ऊँछवेँ उछवेँ—उत्सव (दे०) केर प्रा० लु० रू०। मि० ५१६ (सिंहासन शिवसिंह बइट्ठो उछवेँ बैरस बिसरि जाओ)। *uchavē*—Obs. form of *utsava* (q.v.).

ऊँछान उछान—वि०। विना छान वा बन्धन केँ। [उ + छान]। मिहि० २६ प्र० १७-१८-११ (गदहा बोड़ा नहि उछान)। *uchāna—Adj.* Without tying to a rope.

ऊँछार उछार—मनुष्यक विभिन्न दुर्वस्थाक एक प्रभेद। [सं० उत्सार]। तु० क० छेरब; छाड़न; छोड़ब। वर्ण० २ (उछार, ओकार, बमन, विरेचन, लब्धी भुगत अनेक दुरवस्था देपु)। *uchāra*—Loneliness, loss of identity.

ऊँछारा उछारा—उच्छृत केर प्रा० [illegible] चर्य्या० १४-२। *uchārā*—Obs. [illegible]

gta (q. v.).

𑒅𑒕𑒰𑒪 **उछाल**—पूर्ण भए बहता पानि बाला (दी०), लबालब भरल भए वर्चनादि वा खेत प्रभृति सँ पानि आदि बहराएब। [उत्+ छाल]। तु० क० ने० उछाल; प्राकृ० उछाल। ब्लाक्र ६६ (मानस सर भरिकै बढ उछाल); विनमहि २१। *uchāla*—Overflow of brimful water etc.

𑒅𑒕𑒰𑒪𑒃 **उछालइ**—उछलब (दे०) केर इच्छा० रू०। IAL. Turner 1843 उच्छलित। *uchālai*—Opta. form of *uchalaba* (q. v.).

𑒅𑒕𑒰𑒯 **उछाह**—उत्साह (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २४६ (मालमु अछोता उछाह कह); वि० पदा० मजु० ११८, नेपाल १४७, म० गु० ६२७; अ० ६३४ (अबे चिते धरह उछाह); महा० ना० ३३ (ह्रीवत अपिनिफ उछाह)। *uchāha*—*Poet.* of *utsāha* (q. v.).

𑒅𑒕𑒰𑒯𑒲 **उछाही**—उत्सवमे देव वस्तु (दी०)। [उत्साह> अथवा उत्सर्ग>उछाह+ई]। तु० कं० हि० न्यौछावर। धमरिया वा नीमा सेना मूड़नमे, उपनयनमे लोकयँ उछाही माल, अमीन, वस्त्र आदि दैत। *uchāhi*—Gift, tip, etc. particularly on some auspicious occasion.

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒢𑒰𑒃 **उछिलनाइ**—उछिलब (दे०) केर संज्ञा रू०। डिरा० ५६ (तकर उछिलनाइ देखि)। *uchilanāi*—Noun form of *uchilaba* (q v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒥 **उछिलब**—क्रि०। कुदब, फानब, वेगेँ कूदि उठब, उच्छलन (दी०)। [उत्+चलन अथवा उछल्+अब]। *uchilaba*—*V.* To jump.

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒨(𑒋) **उछिलय(ए)**—उछलय (दे०) केर वि० रू०। जन्मा० १४० (छुनक हृदय वरदा जकाँ उछिलय लगलैन्ह); डिरा० ५७ (बकारो हृदय उछिलय लगैत अछि)। *uchilaya(e)*—*Alt.* Of *uchalaya* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒰𑒋(𑒌)𑒪 **उछिलाए(ओ)ल**—उछिलब (दे०) केर भूत० प्रेरणा० रू०। मि० २४३ (ओनानगा मन कुमक भेट लै उछिला एल कैल करन्हि)। *uchilāe(o)la*—*Past* tense caus. form of *uchilaba* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒱 **उछिलि**—उछलि (दे०) केर का० रू०। डिरा० ५६ (अनेको बील उछिलि जाइत अछि)। *uchili*—*Coll.* of *uchali* (q. v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒻 **उछिलै**—उछलए (दे०) केर विक० रू०। मिहि० उद्० १५७–७ (शिवाक तरंग उछिलै लागल); रस निर्झरणी १२ पद। *uchilai*—*Alt.* of *uchalae* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒻𑒞 **उछिलैत**—उछिलब (दे०) केर वर्त० रू०। मौ० १३८-३६-११ (तेहिना हुनका आगू उछिलैत कुछिलैत जो सब देखि पड़इह)। *uchilaita*—*Present* tense form of *uchilaba* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒭𑓂𑒙(𑒭𑓂𑒚) **उछिष्ट(ष्ठ)**—उच्छिष्ट (दे०) केर का० रू०। पुरु० ३१ (रावलीकनि से उछिष्ट दमर मेवत); पुरु० ३२ (उछिष्ट अन्न उपर पर दय सौर कय देल)। *uchiṣṭa(ṣṭha)*—*Coll.* of *ucchiṣṭa* (q.v.).

𑒅𑒕𑒳𑒮 **उछुस**—चुउक छत्तीस प्रकारक अस्त्र-शस्त्रमेसँ एकटा नाम। [सं०]। (उछुस दण्ड मुशल)। *uchusa*—A kind of weapon.

𑒅𑒕𑒹[1] **उछे**[1]—चित्रकारिताक एक प्रभेद। [अव्यह]। वर्ण० ६३ (उछे, गढ़ीली चौरस उरदथा चिण्डोइ)। *uche*[1]—A kind of drawing or painting.

𑒅𑒕𑒹[2] **उछे**[2]—पू० क्रि०। उठाकए, उठैबि कए। [सं० उत् उन्नी]। वर्ण० ४५ (कपाके उछे भूमि पुल लागि लोकवाला भू(मि) भउ)। *uche*[2]—Participle, having lifted, raised.

𑒅𑒕𑒹𑒯𑒱 **उछेहि**—उपेसिकए, खात, पचितल्का वस्तुकेँ हटाए। [सं० उत्सेध अथवा उत्+खाद+ई]। चित्रा ३८ (खरावहि पलत पुरनका खढ उछेहि)। *uchehi*—To take away worn out material from a thatch.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒰𑒪𑒱𑒞𑒰 **उच्छालिता**—उछलित (दे०) केर स्त्री० रू०। मिथिला १–१२४ (रूप लावण्य रस उच्छालिता किशोरी छवि)। *uchchālitā*—*Fem.* Form of *uchchalita* (q.v.).

𑒅𑒖𑒑𑒪(𑒪𑒱) **उजगल (लि)**—उजगी (दे०) केर का० रू०। [उत्+जागृ निद्राक्षयै]। रान० लाल० २२१ (युतनि उजगलि रासिक रोष)। *ujagala(li)*—*Poet.* of *ujagī* (q. v.).

𑒅𑒖𑒑𑒲 **उजगी**—नीक जकाँ निन्न नहि होयब, अलक निन, नीच निन्न। [उत्+जाग+ई]। प्रय० १५ (रातुका उजगीक कारणेँ किछु देही जकाँ बुझि पड़ैत अछि)। *ujagī*—Slight sleep.

𑒅𑒖𑒑𑒳𑒖 **उजगुज**—पूर्ण रूपेँ परिपूर्ण होयब, स्थान नहि बाँचब। [सं० उत्+सं० गुञ्ज]। मिहि० ५ (२–६१–८१) (कँसे तिहार सँ डेरा उज-गुज करब)। *ujaguja*—Fully occupied.

𑒅𑒖𑒖𑒳 **उजजु**—सोपक, सीधत अछि। [? उज्जुक अनु० क०] वि० पदा० मजु० ५८५ (तनु देखि मोहि अजजु भाने)। *ujaju*—

𑒅𑒖𑒛𑓃(𑒛𑓃𑒰) **उजड़ (ड़ा)**—उजर (रा) (दे०) केर का० रू०। BPL 796। *ujaḍa(ḍā)*—*Coll.* of *ujara(rā)* (q.v.).

ꣳऊजड़त उजड़त—उजड़ब (दे०) केर भवि० रू०। शत० ८ (उजड़त धर मलता विधि मालौ)। *ujaḍala—Future* tense form of *ujaḍaba* (q.v.).

ꣳऊजड़ल उजड़ल—उजरल (दे०) केर वि० रू०। राम० १४२ (उजड़ल पजड़ल जत तत केश); दू० व्या० ५ (उजड़ल लङ्काक विभव तथा हमर प्रताप); मि० ना० ३१ (की उजड़ल उपटल नैहर नहि)। *ujaṛala—Alt.* Of *ujarala* (q.v.).

ꣳऊजड़ि उजड़ि—उजड़ल (दे०) केर पू० का० रू०। रंग ७६ (संसारमे उजड़ि गेल)। *ujaḍi—Present* part. form of *ujaḍala* (q.v.).

ꣳऊजड़ैत उजड़ैत—उजड़ल (दे०) केर वर्त० रू०। मिहि० ३५-२०-२१-२६ (मैथिली साहित्यक उजड़ैत उद्यानमे वसन्त वसत)। *ujaḍaita—Present* tense form of *ujarala* (q.v.).

ꣳऊजड्ड उजड्ड—वि०। गमार, अभद्र, मूर्ख। [सं० जड़—उद्धत अथवा उजड़बसँ प्रभावित ?]। *ujaḍḍa—Adj.* Impudent, astupid, ill mannere.

ꣳऊजमाहल उजमाहल—वि०। उदम हल केर विक० रू०। [सं० उद्यत + सं० आहून अथवा महान]। (कालिहियेसँ विद्यार्थीसभ पहि प्रश्नपर उजम हल छल, हमरा ई राति पता लागल हम तैँ कोनो अन्य व्याजसँ घन्टी बजबा देलियैक, विद्यार्थीसभ अपन-अपन घर चल जाएत, गाम जेबा लए विद्यार्थीसब उजमाहल रहए तैं कोनो पावनि तिहारक अवसरपर एहन कहल जाइत अछि। *ujamāhala—Adj.* Over enthused, excited,excessively agitated.

ꣳऊजर(रा) उजर(रा)—वि०। श्वेत, उज्जर, कारी नहि। [सं० उज्ज्वल]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, भोज०, उजर। वि० पदा० मजु० ७७, रागत० १२३, न० गु० तालपत्र २४६, अ० २५६ (उजर नयन नलिना); राम० ५६ (उजर ऐपन मुकुताहार)। *ujara(rā)—Adj.* White.

ꣳऊजरका उजरका—वि०। मात्र उज्जर रंगक, अन्य दोसर रंगक नहि। [उजर + अका प्र०]। सि० मा० वि० ७०। *ujarakā—Adj.* Only white.

ꣳऊजर(ड़)ब उजर(ड़)ब—अवयवशः नष्ट होएब (दी०), पूर्ण रूपेण नष्ट नहि। [सं० उज्झ अथवा प्राकृ० उजड़]। *ujaḍaba*—To be ruined.

ꣳऊजरल उजरल—उजरब (दे०) केर भू० रू०। चित्रा २२ (उजरल देहात)। *ujarala—Past* tense form of *ujaraba* (q.v.).

ꣳऊजरा उजरा—वि०। एक मात्र उज्जर। [उजर + आ प्र०]। मि० भा० वि० ६; FML 622, *ujarā—Adj.* The white one.

ꣳऊजरी उजरी—उजर (दे०) केर स्त्री० वा का० रू०। [उजर + ई प्र]। तु० क० हि० उजड़ी क्रि०। वि० पदा० मजु० ५३५ (पीन पयोधर रुचि उजरी); लो० का० ४२ (बिजुरी उजरी रजनी गुजरी)। *ujarī—Fem.* Or poet. form of *ujara* (q.v.).

ꣳऊजरी धवँबँ उजरी धबब—श्वेतता प्रकाश होएब। [उजरी + दिव्य अथवा धवब] तु० क० उज्जर दपदप (दे०)। गद्य चन्द्रिका ४३। *ujarī dhababa*—Shining white.

ꣳऊजरौन(न्ह) उजरौन(न्ह)—वि०। किछु उज्जर वा श्वेत सदृश। [उजर + अऔन(न्ह)] प्र०। ई मे उजरौन वा उजरौन्ह बुझि पड़ैछ। *ujarauna(nha)—Adj.* Whitish.

ꣳऊजला उजला—उजरा (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ३; ने० १६२, न० गु० तालपत्र ६१, अ० २६२ (रजनि उजागरे मुख न उजला)। *ujalā—Poet.* of *ujarā* (q.v.).

ꣳऊजलि उजलि—उजड़ि (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ६८ तालपत्र न० गु० ३७१ अ० ३६८ (नगर उजलि)। *ujali—P. F.* of *ujaḍi* (q.v.).

ꣳऊजबिजाएब उजबिजाएब—उजगुबुज (दे०) केर क्रि० रू०। (दी०)। *ujabijāeba—Verbal* form of *ujagu bu)ja* (q v.).

ꣳऊजबुज उजबुज—उजगुज (दे०) क विक० रू०। शान्त वा स्थिर मनः स्थिति नहि। चानोदाइ ३० (अरि दिन भावनाक लहरि पर उजबुज करइत छलीह चानो)। *ujabuja—Alt.* of *ujaguja* (q.v.).

ꣳऊजहब उजहब—क्रि०। माछक जलवेगाभिमुख गमन (दी०)। तु० क० उजहिआ लगब। [सं० उत् + सं० ओहाक् (जहाति) + अब प्र० (दी०)]। (अत्यन्त वर्षा भेला पर माछक उजहब स्वाभाविके गुण होइछ)। *ujahaba—V.* Going of fish against the current of water (so that plentful fish are available).

ꣳऊजहिआ (या) उजहिआ (या)—उजहब (दे०) केर भाववाचक नाम रू०। बहुत माछ पड़ाइत पड़ाइत, मेटबाक नाम। चन्द्रकला १। *ujahiā(yā)*—Abstract Noun form of *ujahaba* (q.v.).

ꣳऊजागर उजागर—वि०। चमकब, प्रकाशित, सुस्पष्ट, सर्वविदित, जागल, जागरित, जगमगाइत, जाज्वल्यमान। [सं० उजागर]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज० उजागर; प्राकृ० उज्जागर, उज्जाअर; सि० ओजागो; म० प्रा० उ० उजागर; गु० उजागरी; म० ओआंग्रा, ओअग्र; ओअगिरा। वि० पदा० मजु० ३ नेपाल १६३, न० गु० तालपत्र २६१, अ० २६२ (रजनि उजागर नेह पन्थ पर मिलल भामर देह); मि० २२५ (मिथिलाक नाम उजागर रखलिऐन्ह); रंग १८३ (कुलक नाम उजागर करथि)। *ujāgara—Adj.* Brilliant, shining, awake, absence of sleep.

ꣳऊजाड़ उजाड़—उजाड़ब (दे०) केर नाम रू० [सं० उत्सार अथवा I A L Turner 1960 सं० उज्जट> उज्जड>]

उजाड़] । तु० क० हि०, असा०, मो०, नै०, उर्दू, राज०, सि०, गु०, म० उहि०, उजाड़; प्रा० उज्जाड; पा० उज्जड । आमक० ६३ (गामक गाम उजाड़ होअए लागल) । *ujāḍa*—Noun form of *ujāḍaba* (q.v.).

𑒅𑒖𑒰𑒚𑒥 उजाड़ब—क्रि० । मन्याह करब (दी०), नष्ट करब, छिन्न भिन्न करब । [उजाड़+अब प्र०] । तु० का० प्राकृ० उज्जाडिअ; कुमा० बुजारन; सि० उजारणु; लह० उजारण; प० उजाड़; हि० उजाड़ना; उ० उजारिबा; गु० उजाड़वुं । (यदि हमर ठाढ उजाड़ब तँ नपार माफि देब) । *ujāḍaba*—V. To destroy, to lay waste.

𑒅𑒖𑒰𑒚𑒱 उजाड़ि—उजाड़ (दे०) केर पू० कि० रू० । रामा० १६६ (वड़ बाटिका उजाड़ि देल) । *ujāḍi*—*Part.* form of *ujāḍa* (q.v.).

𑒅𑒖𑒰𑒚𑒴 उजाड़ू—उजाड़ब (दे०) केर आज्ञा० रू० । FML 227 । *ujāḍū*—*Imp.* Form of *ujāḍaba* (q.v.).

𑒅𑒖𑒰𑒢 उजान—एक गाँव मिथिलाक प्रसिद्ध ग्रामकेर नाम जकर नाम पूर्वमे उद्यान छलैक, (अर्थात् उजानक अर्थ पुष्पवाटिका होइछ) । [IAL Turner 2052 उद्यान > उजान] । तु० क० पा० उय्यान; असा० उयन, उयान; गु० उजाणी; सि० उयन । कीo ४० २ आर० १२ (सुनि पशु पाखि सखि तुल पुलकति कालिन्दी बहय उजान); (उजान गामक वासी लोकनि पूर्वमे बड़ ख्याति प्राप्त कयने छलाह) । *ujāna*—Name of a famous village in Mithila, garden, park.

𑒅𑒖𑒰𑒨𑒢𑒱 उजायनि—उज्जयिनी का० रू० । वि० वि० ५ (उजायनि नुपगर करब विलासे) । *ujāyani*—Name of a city, Ujjain, P. F.

𑒅𑒖𑒰𑒩𑒞𑒱 उजारति—उजाड़ब (दे०) क वर्त० केर काव्य रू० । सुक्ति सुधा २५ । *ujārati*—P.F. Present tense form of *ujāḍaba* (q. v.).

𑒅𑒖𑒰𑒩𑒪𑒏 उजारलक—उजाड़ब (दे०) केर भू० रू० । रामo १६१ (विशेष घर वाटिका उजारलक) । *ujāralaka*—*V.* Past tense coll. form of *ujāḍa* (q.v.).

𑒅𑒖𑒰𑒩𑒱 उजारि—उजाड़ब (दे०) केर पू० कि० रू० । रामo २६८ (लंका नगरि सकल उजारि); चन्द्र० २४६ (साधु कैँ उजारि); शत० २ (निश्चिन्तताक नगरी उजारि) । *ujāri*—*Part.* Of *ujāḍaba* (q.v.).

𑒅𑒖𑒰𑒯𑒱 उजाहि—उजाहब (दे०), वेग, जोश, अलाय बलाय, भोंक । [उज (ऊर्ध्वगामी)+आहि] । वैदेही २७९ (१६५४ ई०); रघुवंश २४; नवा० ५८ (उही उजाहिमे नीलकण्ठ बाबू स्कूल मास्टरी छोड़ि देलाहि) । *ujāhi*—Force, violent speed.

𑒅𑒖𑒱𑒂𑒃 उजिआइ—क्रि० । पू० कि० । अस्तव्यस्त होयब, उत्तिआयल, खिलायब, खौलब । [उज+आइ] । वि० नै० २२४ (पालव नहि उजिआइ) । *ujiāi*—*V. P. P.* Getting upset.

𑒅𑒖𑒱𑒂(𑒨𑒰)𑒩 उजिआ(या)र—प्रकाश (दी०) । का० रू० । [सं० उद्योत] । तु० क० अ० उँजियार । *ujiā(yā)ra*—Light.

𑒅𑒖𑒱𑒂𑒃(𑒪)𑒻𑒢𑒱𑒯 उजिआइ(ल)ऐन्हि—उजिआर (दे०) केर भू० रू० । ससरफानी ४२ । *ujiāi(la)ainhi*—Past tense form of *ujiāra* (q.v.).

𑒅𑒖𑒱𑒨𑒰𑒃𑒏 उजियाइक—उजिआर (दे०) केर इच्छा० रू० । पारो २१ (सुदा अपना बौलोमे विचारल ओकरा खूब उजियाइक) । *ujiyāika*—*V.* Opt. form of *ujiāra* (q.v.).

𑒅𑒖𑒱𑒨𑒰𑒃𑒞 उजियाइत—उजियाइक (दे०) केर वर्त० रू० । प्रवा० ७६ (किछु नहि उजियाइत छैक); पारो १६ (ओकरा नहि उजियाइत रहैक) । *ujiyāita*—Pres. tense form of *ujiyāika* (q.v.).

𑒅𑒖𑒱𑒨𑒰𑒩𑒰 उजियारा—उजिआर (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १०३, रागत० ६१, न० गु० ६००, अ० ६०६ (वन घन भमी उजियारा) । *ujiyārā*—*Poet* of *ujiāra* (q.v.).

𑒅𑒖𑒲𑒩 उजीर—(प्रधान) अमात्य, शतरंजक गोटीक नाम । [फा० वजीर] । *ujīra*—Minister, chief adviser, name of a digit in the chessboard.

𑒅𑒖𑒳𑒥𑒰𑒙𑒹 उजुबाटे—सोझ रास्ता वा पथ [ऋजु+वर्त्म] । चर्या० १५-२; FML 301 (जे-जे उजुबाटे गेला) । *ujubāṭe*—Direct path.

𑒅𑒖𑒳𑒩 उजुर—फा० उजूर केर त० रू० । विरोध, प्रार्थना, अपन कथ्य । ख० हि० ३६ (उजुर दारी किछु नहि सुनत गेलैक); को० उ० ना० सि० २१ । तु० क० उजुरदारी = उजुर करबाक प्रार्थना पत्र । *ujurā*—Objection, prayer, petition.

𑒅𑒖𑒼𑒞𑒹 उजोते—इजोत (दे०) केर प्रा० तु० का० रू० । वि० पदा० मजु० १०५, नेपाल २१८, (दह दिस भेल उजोते) । *ujote*—*Obs.* Poet. of *ijota* (q. v.).

𑒅𑒖𑒼𑒩 उजोर—प्रकाश । इजोत (दे०) केर प्रा० तु० का० रू० । तु० क० उज्ज्वल (दे०) । [सं० उद्योत ?] । वि० पदा० मजु० ५६, राग त० २६, नेपाल २६५, न० गु० ताल पत्र २८८; प० त० १०६१ (जतहि सुकाओत ततहि उजोर) । *ujora*—*Obs.* Poet. form of *ijota* (q.v.), bright, light.

𑒅𑒖𑒼𑒩𑒞 उजोरत—उजोर (दे०) केर भवि० रू० । पा० ह० २ [उजोरत अइ] । *ujorata*—Future tense form of *ujora* (q.v.).

𑒅𑒖𑒼𑒩𑒥𑒻 उजोरब—उजोर (दे०) केर नाम किया । कि० रू० । IAL Turner 1671. *ujoraba*—*Verbal Noun*

form of *ujora* (q.v.).

उजोरि (री) (रे)—उजोर (दे०) केर का० रू० । वि० नै० २८ (चान्द वदनि धनि रयनि **उजोरी**) वि० पदा० मञ्जु० १२७ (चान्दहु राति **उजोरि**); गो० शृं० १ अम० ३३ ३३ (हरि हिय अधिक **उजोरे**) । *ujori(rī) (re)—Poet.* of *ujora* (q.v.).

उजोलि—उज्ज्वल (दे०) केर प्रा० शु० रू० । तु० क० हि० उजला । चर्च्चा० ३०-४ । *ujoli—Obs.* form of *ujjvala* (q. v.).

उज्जय(यि)नी—मालवा प्रदेशक प्राचीन राजधानी, जे क्षिप्रा नदीक तट पर बसल अछि, वर्त्तमान उज्जैन नगर । [सं०] । तु० क० **उजायनि** (दे०); हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, **उज्जयनी** । वर्ण० ५६ (**उज्जयनी**, अग्निधारा, चम्पा) । *ujjaya-(yi)nī*—Capital of ancient Malva, presnt day Ujjain city.

उज्जर—श्वेत । **उजर** (दे०) केर शु० रू० । [सं० उज्ज्वल] । द्विरा० ८० (सन सन **उज्जर** भ गेलैक अछि); चित्रा ४३ (गोल गोल ओ **उज्जर** उज्जर); नव० १६ (रंग रहइ **उज्जर** मूँह बेश नाम) । *ujjara*—White, correct form of *ujara* (q. v.).

उज्जर दप दप—क्रि० वि० । अत्यधिक उज्जर वा श्वेत । FML 44 । [सं० उजार + दिव्, दर्पण, चमक] । *ujjara dap dap—Adv.* Extremely white.

उज्जल—उज्जर (दे०) प्रा० का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १ रागत० ८६, न० गु० (हर) ? अ० ६११ (**उज्जल** रूप तुअ बानी); FML 62. *ujjala—Poet.* of *ujjara* (q.v.).

उज्जीर—उजीर (दे०) केर प्राचीन का० रू० [फा० वजीर] । कीर्त्तिलता २६ (गइ **उज्जीर** अराहिअउँ जंपिअ सकलेओ कज्ज) । *ujjira—Obs.* Form of *ujira* (q. v.).

उज्जीवित—वि० । पुनः जीवित कए । [सं०] । निबन्ध चन्द्रिका ११ । *ujjīvita—Adj.* Revived.

उज्ज्वल—वि० । स्वच्छ, शुभ्र, उज्जर, साफ । वर्ण० ४५ (मुण्ड मालाके मण्डित, कङ्काल तेँ संयुक्त, चिताङ्गरे तेँ **उज्ज्वल**); वि० (**उज्ज्वल** दिनमणि दारुण); आम० २४८ (रवि **उज्ज्वल** मुकुटावलि); मिहि० उद्० १५८-२ (**उज्ज्वल** शोघ्र जगवय मैं करबाक बिच); मो० ६७-२० (दिगन्त **उज्ज्वल** अछि); द्विरा० ८ (ई **उज्ज्वल** आदर्श सम्पूर्ण संसार मे प्रचलित भए जाएत); प्रण० १३४ (गुरुक नाम **उज्ज्वल** करए लगलाह) । *ujjvala—Adj.* Bright, white, clean, pure.

उज्ज्वलित—वि० । प्रकाशित । स्वच्छ वा पवित्र करबाक कार्य । [उज्ज्वल + इत] । तु० क० हि० **उज्ज्वलित**; प्राकृ० **उज्जलिअ** । मिहि० ३८-१२-५ (गृह देवताक आगाँ कौनक करैँ **उज्ज्वलित** दीप शिखामे) । *ujjvalita—Adj.* Made white.

उज्झट—उद्भट (दे०), अनचौकमे । [उत् + झट] । *ujjhaṭa*—Sudden.

उझकनि—उझकब (दे०) केर वर्त्त० मध्यम पु० रू० । मै० मे बिहारी १५ । *ujhakani*—Present tense second person form of *ujhakaba* (q.v.).

उझकब—क्रि० । चढ़ल पात्रक झुकब (दे०) । अर्थात् आधार परसँ टेढ़ भए जायब, जाहिसँ ओहिमे राखल सामग्री खसि पड़ए, पात्रहिमे उपर नीचाँ भए जाए । [सं० उत् + सं० झग अथवा झुक् + अब (दे०)] । (टेढ़ उझकुन रहलाक कारणेँ वर्त्तनकेँ **उझकब** स्वाभाविके थीक) । *ujhakaba—V.* To tilt off the contents of an utensil (on the oven).

उझकि—उझकब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मोदलता २०६ । *ujhaki—Part.* form of *ujhakaba* (q.v.).

उझकुन—वर्त्तन आदिक टेकन (दे०), चुल्हा आदिमे तीनि वा चारिटा ईंटाक वा माटिक बनाओल थुम्हा जाहिपर वर्त्तन राखल जाइछ । [सं० उत् + झुक + अन] । (चूल्हिक **उझकुन** टूटि गेल) । *ujhakuna*—Some prop on the top of an oven to keep away the utensil on it from tilting.

उझट(ट्ट)—वि० । उद्भट, उझाँट (दे०) । [उत + झट] । (**उझट** चोट लगलासँ आँखिमे नोर आबए लागल) । **उझट** लागब (दे०) = वेगापन्न वस्त्रादिक किञ्चिन्मात्र सम्बन्ध । *ujhaṭa(ṭṭa)—Adj.* Suddenly hit.

उझाँट—क्रि० वि० । अलक्ष्यमे लागब (दे०) । कुन्त [उद + झाँट] । *ujhāṭ—Adv.* Hit unknowingly.

उझिकै—उझकब (दे०) केर कृदन्त रू० । वैदेही १६६-५८-३० (उझिकै सागर चानक लेल) । *ujhikai*—Infinitive of *ujhakaba* (q.v.).

उझिल—उझिलब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । धातुपाठ ७१ । *ujhila—Part.* form of *ujhilaba* (q.v.).

उझिलइ(लै)त—उझिलब (दे०) केर आद० वर्त्त० रू० । नव० १६ (चौकरकेँ भूमि पर **उझिलइत** बाजि उठलीह) । *ujhilaita—Hon.* Present tense form of *ujhilaba* (q.v.).

उझिलब—क्रि० । पात्रक मुँह नीचाँ कए भूमि पर कोनो वस्तु खसायब । [IAL Turner 1676 उज्झति अथवा उभिल + अब] । (अए, धान **उझिलब** तखन ने गहूँम राखब) । *ujhilaba—V.* To pour out.

उझिला(ए)—उझलाए केर सं० रू०

रू० । उभिलब (०) केर प्रेरणार्थक रू० । ह्रिा० २०६ (नरहे बौतल रिपरिट उभिलता गेलेह), BPL 1372. *ujhilā(e)*—*Caus.* of *ujhilala* (q.v.).

उभिजि—उभीलि (दे०) केर अशु० रू० । नव ५ (नरि घुर भहीर उभिलि देवइ बोअहाक चानि पर) । *ujhili*—*Err.* of *ujhili* (q.v.).

उभिलै—क्रि० । उभिलैत केर संक्षिप्त वा० रू० । वर्तमान का० रू० । मो० ६१ (कहीं कैना सब उभिलैं को) । *uhjilai*—*V. Coll.* Short form in the present tense of *ujhilaita* (q.v.).

उभीलय—उभिलब केर वा० रू० । प्रवृत्यर्थक क्रियान्विता क्रियामे [अ० प्रलाय + लग, दृ] चन्दा० १३६ (गजगराम वध उभीलय लगलाह) । *ujhilaya*—Infinitive of *ujhilaba* (q.v.).

उभीलि—उभिलि (दे०) केर शु० रू० । पूर्वकालिक रूप । प्रश० २०८ (हमरा हदयमे उभीलि दिल) । *ujhili*—*Part.* Correct form of *ujhila* (q.v.).

उझुक्का—आकस्मिक आघात (दी०), धकाधक बल प्रयोग । [उपर + झुक = उझुक + आ अथवा अभक्] । (एके उझुक्का मे गाडी पहि धाल कादोसँ बहार भए जायत) । *ujhukkā*—Sudden force.

उझुलि—उभिलि (दे०) केर अशु० रू० । मि० ह० ४८—२०—६ (जनु उझुलि देल हो कलस सुधा) । *ujhuli*—*Err.* form of *ujhili* (q.v.).

उञ्चल पाञ्चल—उथल-पाथल (दे०) केर प्रा० शु० रू० । चर्या २०-५ । *uñcala pañcala*—obs. form of *uthala-pāthala* (q.v.).

उञ्चालिस—वि० । एक कम चालिस । [सं० ऊनचत्वारिंशत] । *uñcālisa*—*Adj.* Thrity-nine.

उञ्चालिसम—वि० । उञ्चालिस केर संख्यावाचक [ऊनचत्वारिंशतम्] । *uñcālisama*—*Adj.* Thrity-ninth.

उञ्चास—एक कम पचास । [सं० ऊनपञ्चाशत्] । *uñcāsa*—*Adj.* Fortynine.

उञ्चासम—*Adj.* उञ्चास केर संख्यावाचक । [सं० ऊनपञ्चाशत्तम] । *uñcāsama*—*Adj.* Fortyninth.

उटकन—उकटन (दे०) केर वा० रू० । ई दरिभंगा-भागलपुर दिसि चालू अछि । BPL 1342 । *uṭakana*—*Coll.* of *ukaṭana* (q.v.).

उटङ्ग—वि० । उकट, अव्यवस्थित दिशा (दी०); बैसी ठाढ़ वा अन्य स्थित, बेढंगा । [सं० उत्तुङ्ग अथवा सं० उत्तुङ्ग अथवा उलटा + टाङ] । तु० क० हि० उटंग । *uṭaṅga*—*Adj.* Topsy, not in the right position.

उटज—पर्ण कुटी, खढ़ पातक बनल झोपड़ी । [सं०] । तु० क० हि०, उड़ि०, बं०, राज०, असo, सं० उटज । वर्ण० ४२ (उटजक ई विरचनासँ अवलोकित); महा० ना० ५० (बहु आनन्द मंजु उटज निज आवि); मि० ह० ४६० (उटजमे आबि बैसलि मे भरल घर दमकैत पाओल) । *uṭaja*—A small hut.

ऊँट—ऊँट (दे०) केर अशु० रू० । विशाल पुरुष प्राणी विशेष । [सं० उष्ट्र] । म० कि० १२० (हय-हाथी बुध ऊँट बलान) । *ũṭa*—*Err.* of *ũṭa* (q.v.). He-camel

ऊँटनी—विशाल स्त्री प्राणी विशेष (दी०) । [सं० उष्ट्र > उट्ट > ऊँट + अनी] । *ũṭanī*—She-camel.

उटपटाँग—वि० । बिल्कुल बाय तुल, बहु हाथ-पयर केर अर्थात् विचित्र विचित्र । [सं० उत + पट अथवा उत्पट उत्पट > उटपट + पांग] तु० क० हि० उटपटाँग । मइ० १२४ (उलटा सुनइ बाते उटपटाँग होइत कैन) । *uṭapaṭāṅga*—*Adj.* Topsy-turvy.

उट्टङ्कित—वि० । कहल । [सं०] । मि० ह० ४६१ (एक श्लोक उट्टङ्कित कराय देल अछि) । *uṭṭaṅkita*—*Adj.* Said, inscribed.

उट्ठा[1]—बच्चा सभ उठब बैसपवला खेलमे प्रकार व्यवहार करैत अछि । जे एक कोर चोर बनैत अछि ओकरा पुछल जाइत छैक "उट्ठा बैस की पैसा" (उट्ठा गोटी कौन पचीस लकर कोर पचीस = पचीसी खेलमे गोटीके चलब मे प्रकार प्रयोग होइछ । दूनू बेरि एक लगा क गोटी वा कड्‍भ लाभ स्थानमे जाएब किम्बा सफल हएब) । [सं० उत + स्था] । *uṭṭhā*[1]—Name of a children's play; a piece of chess (or some similar game) when willingly withdrawn—a sort of handicap play.

उट्ठा[2]—BPL क अनुसार जकरा हरवाह बिना कौनों अग्रिम कीछि नेने कार्य करैछ ओकरा उट्ठा कहल जाइछ, ई मिथिलाक पूर्व भर कहल जाइछ आ दोसर मध्य मिथिला मे उट्ठा ओकरा कहल जाइछ जे कमनिहारि दिन राति कार्यक हेतु नहि रहए परन्तु भी साँझ साँझ जनलार अपन सब कार्य आबि एवं नियमित करैं चल देत । ओकरा पूर्ण दरमाहा नहि देल जाइछ । BPL 842. *uṭṭhā*[2]—A ploughman who works without advance payment; a part-time paid maid-servant.

उठ[1]—उठब (दे०) केर मूल रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३८, रागत०, २०४, लालपत्र ना० शु० ६७, अ० १०३ (लप उठ तौरिए लाओ); गो० अं० २ अमर ३० (चमकि उठ मन) । *uṭha*[1]—*Root* of *uṭhaba* (q.v.).

उठ[2]—उठब (दे०) केर आज्ञा० रू० । राम० ६२ (उठ उठ सब संगति चल पहि) । *uṭha*—Imp. of *uṭhaba*[2] (q.v.).

उठइ—उठइक (दे०) केर संक्षित रूप । उठब (दे०) केर वर्त० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २२६, पदकल्प० १६००, म० शु० ७५६, भ० ७५१ (मुनि तांहि उठइ न पारा) । *uṭhai*—Short

form of *uṭhaika* (q.v.). *Present* tense form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठआए **उठइए**—उठइ (दे०) केर निश्च० रू०। न० १०६ (जत्तहि हमर कथा **उठइए** तत्तहि बुढ़िया भज्ठा दइ छइ); चित्रा १४ (देखि कै हमरा परमोच्छ्‌ए **उठइए**)। *uṭhaie—Emph.* of *uṭhi* (q.v.).

ऊठआक **उठइक—उठब** (दे०) केर वर्तमानमे अनादरार्थक रू०। न० (६६ नजरि नहि **उठइक**)। *uṭhaika*—Present tense non-hon form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठआत **उठइत—उठब** (दे०) आदरा केर वर्त० रू०। राम० १०५ **उठइत** चलइत पथ विश्राम)। *uṭhaita—Present* tense hon. form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठअन्ह(न्हि) **उठइन्ह(न्हि)—उठब** (दे०) केर भू० रू०। नव० ४ (परमोच्छ्‌ए सेहो थोड़ नहि **उठइन्ह**); नव० ४ (घुरि फिरिकेँ बापे तामस **उठइन्हि**)। *uṭhainha(nhi)*—Past tense form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठए **उठए—उठब** (दे०) केर क्रियान्विता क्रिया रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५३८ (**उठए** चाह जल धावक मेघ)। *uṭhae—Infinitive* of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठओना **उठओना**—प्रतिदिन नियत (क्रयण) (दी०), कोनो वस्तुकेँ सभ दिन कीनब वा बेचबाक काज। [सं० उत्थान]। क्रयण योग्यतामे वृद्धि अभ्युदय (उत्थान) केर सूचक थिक एहि प्रकारेँ वर्तमान प्रयोग सङ्गत भेल। अथवा उठ.न सँ नाम क्रिया। (**उठओना**क दूध आयल की नहि)। *uṭhaonā*—Regular sale or purchase.

ऊठओलकआक **उठओलकइक—उठ**एब (दे०) केर अना० भू० रू०। नव० ४४ (दिगंबर त तेहने बिढ़रो **उठओलकइक**)। *uṭhaolakaika—nonh.* Past tense form of *uṭhāeba* (q.v.).

ऊठओलथिन **उठओलथिन—उठ**एब (दे०) केर आद० भू० बहु० रू०। नव० ११३ (दुलहा बोधकेँ **उठओलथिन** त दुलहनि नजरिकेँ झाँपि लेलइन)। *uṭhaolathina—Hon.* Plural past tense form of *uṭhāeba* (q.v.).

ऊठओलन्हि(नि) **उठओलन्हि(नि)—उठाएब** (दे०) केर आद० भू० एकवचन रू०। नव० ११० (तकरो खर्च दुर्गे **उठओलन्हि**). *uṭhaolanhi(ni)—Hon.* Past tense singular form of *uṭhāeba* (q.v.).

ऊठत **उठत—उठब** (दे०) केर भवि० रू०। मिहि० उद् १५७-८ (एहने एहन बिढ़रो **उठत**)। *uṭhata—Future* tense form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठता[1] **उठता[1]—उठब** (दे०) केर भवि० रू०। राम० २६२ (**उठता** सुनि-सुनि वनिता गान); चित्रा ९४ (जे खौँझा **उठता** भगवान); नव० १०० (अपना लोकमे **उठता** नहि बइसता)। *uṭhatā[1]*—Future tense of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठता[2] **उठता[2]—वि०**। शतरंजमे सह लगबाक एकटा रीति-विशेष जाहिमे गोटी उठएलहि विपक्षीकेँ सह लागि जाइक। [उठब]। *uṭhatā[2]*—Check in the game of chess by just removing a piece to some other house.

ऊठति(ती) **उठति(ती)—उठत** (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० पदा० मञ्जु० १२८, मि० (हरि-हरि कए पुनि **उठति** धरखि धरी); FML 198 **उठती**; BPL 799. *uṭhati(tī)—Fem.* of *uṭhata* (q.v.).

ऊठतैन्ह (तन्हि) (तनि) **उठतैन्ह(तन्हि) (तनि)**—उठत (दे०) केर आद० मध्य० रू०। द्विरा० १६। *uṭhatainha (tanhi) (tani)—Hon.* Second person form of *uṭhata* (q.v.).

ऊठथि **उठथि—उठब** (दे०) केर आद० मध्य० पु० रू०। राम० ७८ (अनुदिन दिनकर **उठथि** सहाय);। *uṭhathi—Hon.* Second person form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठथिन्ह **उठथिन्ह—उठथि** (दे०) केर भूत० रू०। पारो २४ (बात-बातमे पारोपर खिसिया **उठथिन्ह**)। *uṭhathinha—Past* tense form of *uṭhathi* (q.v.).

ऊठनहरू **उठनहरू**—वि०। जकरा उठबाक सामर्थ्य नहि रहि गेल होअए। [सं० उत्थान + हा(ह ?)रब + उ] विशेषतः हारि देबएबला बड़द। मो० १२३-२३ (बूढ़ि **उठनहरू** गाय नहि बेचथि तेँ ओ कतै सँ लाओत)। *uṭhanaharū—Adj.* Who has not the strength to rise (and plough a field).

ऊठनहि **उठनहि—उठब** (दे०) केर नाम रूपक नि० रू०। मिहि० ३-१५७-२ (तखन **उठनहि** की ?)। *uṭhanahi—Emph.* of verbal Noun form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठन्त (न्तू) **उठन्त(न्तू)—वि०**। उठल, अभ्युदयशील, [सं० उत्तिष्ठन्तः]। FML 201 तु० क० उड़न्त, उड़न्तू, बहन्तू। *uṭhanta(ntū)—Adj.* Habituated to rise easily or frequently, active, progressive.

ऊठब **उठब—क्रि०**। उत्थित होयब, जागब, खर्च होयब (दी०), ठाढ़ होयब। [सं० उत्थित]। तु० क० उठबह (दे०) केर संक्षिप्त रू०। प्राकृ० उच्चिट्ठइ। (**उठब** की नहि ?)। *uṭhaba*—To rise, to stand up.

ऊठबइत **उठबइत—उठाएब** (दे०) केर पू० क्रि० रू० [उठा + ऐत]। FML 462, *uṭhabaita*—Present participle form of *uṭhāeba* (q.v.).

ऊठबिते **उठबिते—उठबइत** (दे०) [illegible] FML 517. [उठब + ऐत + हि]। *uṭhabite*—Emph. Present Participial absolute form [illegible]

ऊठ-वैस **उठ-बैस**—क्रि०। उठब-बैसब [illegible]

सभायक हेतु उठबैस वा कोशसँ उठबैस करब, बैसकी लगायब। [सं० उद् + स्था > सं० विश + बैस]। तु० क० वद् उठ्बस, बं० उठ्बास। *uthabaisa*—Repeatedly standing up and sitting down.

उठय—उठब (दे०) केर विधि० रू०। राम० ११४ (गमन करथ मैया उठय); राम० २४८ (उठय नन्दा प्रभु प्रभाव); चन्द्र० २०१ (हृदय उठय काली); रंग० १६२ (उठय नहि दैत छथि)। *uthaya*—*Alt.* of *uthae* (q.v.).

उठल—उठब (दे०) केर भू० रू०। गी० सं० १ अमर ५३ (उठल सूभर पुरल कंदर जुगल नव-नवि सिन्धु भी); राम० ६८ (की कृतान्त उठल नृप भाखि); मिथि० ४१२ (वृद्धा सैनामे उठल मनद); प्रया० ९ (देह सिहरि उठल); चित्रा ४६ (उठल वाँत तर जबतहि तिलकोड़क पात कए); नव० ७ अक्षत नेहन प्रसंग उठल)। *uthala*—Past tense form of *uthaba* (q.v.)

उठलइक(न)—उठब (दे०) केर अना० (आद०) रू०। नव० १८ (ओम्हर सँ हँसवाक मृदु ध्वनि उठलइक); नव० २० (रामेसरीकें चल तामस उठलइक)। *uthalaika(na)*—*Non-hon.* (hon.) form of *uthala* (q.v.).

उठलथिन्ह—उठब (दे०) आद० भूत० मध्य० पुरु० केर बहु० रू०। प्रया० २३ (चट दय अहि उठलथिन्ह); पारो २३ (नानी मामाक अनुमोदन करैत कहि उठलथिन्ह)। *uthala-thinha*—*Hon.* Past tense second person plural form of *uthaba* (q.v.).

उठलन्हि—उठल (दे०) केर मध्यम ओ अ० पुरु० रू०। चित्रा १८ (एक दिन बुनाका उठलन्हि दर्द)। *uthalanhi*—*Hon.* Second and third person form of *uthala* (q.v.).

उठलहु(हुँ)—उठल (दे०) केर अना० रू०। हुँ आदरार्थक रूप। चित्रा ६ (आजि उठलहु भोरहिं के कल्याणमयि); प्रया० ४२ (हम चानी देखि सिहरि उठलहुँ)। *uthalahu(hũ)*—Non-hon. form of *uthala* (q.v.), *-hũ* form is *hon.*

उठला—उठलाह (दे०) केर संक्षि० रू०। राम० २५ (उठला मंडान भाखि); मिथि० वद० १५८-६ (एहु जखन मारय उठला पर)। *uthalā*—Short form of *uthalāha* (q.v.).

उठलाह—उठब (दे०) केर भू० रू०। [अथवा उठल + आह]। वि० पदा० मजु० ५१४ (जौहि हेरि आनि देल हँसि उठलाह); राम० ४३ (कलमनाय उठला बराह); मी० १७१-८ (सिकन्दर आबि उठलाह); मिथि० वद० १५८-७ (मुनि उठलाह बहुती शान सौं); प्रया० ५२ (भोकसँ उठलाह से साथ आओर चालित दूर एकै बेर भइ द फुरल)। *uthalāh*—*Past* tense form of *uthaba* (q.v.). Or, as if a little raised or rising

उठलि(ली)—उठल (दे०) केर स्त्री० अथवा पू० क्रि० रू०। वि० पदा पदा० मजु० १५१; अ० पु० १७; अ० ३६५ (उठलि चतुर धनि जागी); गी० सं० १ अमर ३३ (सुनि धनि राज आदि-आदि उठलि गोपि सिखर नहि आव); पारो २ (पत्र चिन्हिदा उठलि); राम० ७० (अन्तःपुर नारि उठली कानि); चित्रा २५ (आजि उठली सुसुधि सौं विहुँसैत)। *uthali(lī)*—*Fem.* or *Participle* form of *uthala* (q.v.).

उठलीह(हि)—उठल (दे०) केर स्त्री० आ० रू०। प्रया० ६८ (सुधि पड़ैत चिहुँक उठलीह); नव० ४ (विछु कालक बाद रामेसरी उठलीह); रंग ८६ (चिन्तित उठलीहि)। *uthalīha(hi)*—Fem. hon. form of *uthala* (q.v.).

उठले—उठल (दे०) केर निश्च० रू०। निश्चित् उठल। [उठल + आह अथवा हि = उठलाह हि] मि० २६४ (आब उठले सन देखना जाइछ)। *uthale*—Emph. form of *uthala* (q.v.).

उठलै(क)—उठल केर अना० रू०। पारो ४ (चुड़ी खनखना उठलै); नव० ८ (मकदा मदन अथवा वेष उठलैक)। *uthalai(ka)*—*Past* tense nonh. form of *uthala* (q.v.).

उठलै(न)न्ह(न्हि)—उठल (दे०) केर आ० बहु० रू०। प्रया० ७० (प्रसव वेदना उठलैन्ह); कन्या० ७२ (कनपट्टी लग धंटी बजना उठलैन्ह); पारो (३९ पोतीक भगिनमानक आजनमे कुहकायम उठलैन्हि)। *uthalai(na)nha(nhi)*—*Hon.* pl. past form of *uthalai* (q.v.).

उठल्लू—वि०। आवारा (दी०), जकर गणना नहि हो, आवारा, बिनु ठेकान पताक, एक स्थान पर नहि रहनिहार। [उठ + सं० आलुव > उल्लू FML 203]। मी० १४२-३ (पाँच सात उठल्लू घरक फालतू हरहुई कैं ते ४०-५० टाका यामक लोकसँ बेहरी मकहु करैत छथि)। *uthallū*—*Adj.* An insignificant person, a non-entity.

उठव—उठब (दे०) केर सा० रू०। पारो ९८ (अभिला जन्मसे ई साखित नहि उठव पड़ए)। *uthava*—*Coll.* of *uthaba* (q.v.).

उठवथीन—उठवथिन्ह (दे०) केर सा० रू०। नव० ८० (आदि कथा उठवथीन तरहि सुनइमे अबइए)। *uthavathīna*—*Coll.* of *uthabathinha* (q.v.).

उठवह(हु)—उठब (दे०) केर भवि० म० पु० रू०। वि० पदा० मजु० ८ (उठवह धनिआँ सौं हाट बाजारे); मि० ३०५ (अतएव उठवहु वसन्तुमे असमर्थ सन बुझना जाइछ)। *utha-vaha (hu)*—*Hon.* Future form of *uthava* (q.v.).

उठवाक—उठब (दे०) केर षष्ठी रू०। प्रया० ८ (केओ उठवाक नाम नहि लैत छथि); पारो ४६ (कुनकालोकनि उठवाक

नाम नहि लेथि); चित्रा ५१ (दए रहल मनो उठवाक नोत)। ***u!havāka***— Genetive of the verbal noun form of ***u!hava*** (q.v.).

ऊँठवाय **उठवाय**—उठवाएब (दे०) केर क्रियान्विता क्रि० रू०। स्त्री शिक्षा ५१ (उठवाय नहि लवथिन्ह)। ***u!havāya***—Infinitive form of ***u!havāeva*** (q.v.).

ऊँठवू(वे) **उठवू(वे)**—उठबहि (दे०) केर वा० रू०। उलहन ७; मि० ३१४ (तखन आब उठवे करू)। ***u!havū(ve)***—*Coll.* forms of ***u!habahi*** (q.v.).

ऊँठवैत **उठवैत**—उठबइत (दे०) केर विक० शु० रू०। प्रण० ४१ (हमर लोटा जनु उठवैत जाह); चित्रा ३१ (किन्तु हम उठवैत छी); आमक० २८ (वेगसँ उठवैत कहलकैन्ह)। ***u!ha vaita***—*Alt.* Present form of ***u!habaita*** (q.v).

ऊँठह **उठह**—उठब (दे०) केर आज्ञा० रू०। चित्रा ६ (उठह कवि तों दहक ललकारा कने)। ***u!haha***—*Imp.* form of ***u!haba*** (q.v.).

ऊँठहि **उठहि**—उठब (दे०) केर निश्चय० रू०। प्रण० ४४ (अतएव हुनक तोपार्थ उठहि पड़ल)। ***u!hahi***—*Emph.* of ***u!haba*** (q.v.).

ऊँठा **उठा**—उठाए (दे०) केर संक्षि० रू०। मिहि० उद्० १५७-२ (परिश्रम उठा नहि रखलन्हि); प्रण० ७२ (कान्हपर शव उठा श्मशान गेलाह); चित्रा २० (उठा लितथि बरु भगवान हमरो)। ***u!hā***—*Short* form of ***u!hāe*** (q.v.).

ऊँठाउ **उठाउ**—उठाएब (दे०) केर आज्ञा० रू०। राम० ४२ (कौशिक कहलनि रघुवर धनुष उठाउ); महेश० ६७ (पलक उठाउ); पारो ४५ (जेम्हरे नज़र उठाउ)। ***u!hāu***—*Imp.* form of ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊँठाऊ **उठाऊ**—उठाउ (दे०) केर का० रू०। महेश० ७१ (भोला एक बेरि पलक उठाऊ)। ***u!hāū***—*Poet.* of ***u!hāu*** (q.v.).

ऊँठाए **उठाए**—उठाएब (दे०) केर क्रियान्विता क्रि० रू०। मिहि० उद० १५७-४ (पलक उठाए देखथि); प्रण० १७ (रंगीन सेव राखल छलैक से उठाए वज्रेन्द्रनाथकेँ कतरक हेतु द देलथिन्ह)। ***u!hāe***—*Infinitive* form or ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊँठाएब(बँ) **उठाएब(ब)**—क्रि०। उठब (दे०) केर प्रेरणा० रू०। BPL 1030, 1333; शतदल २० (तोड़ि जोड़ि युग पाणि उठाएब)। ***u!hāeva(ba)***–*V.* Caus. of ***u!haba***; raise.

ऊँठाओ **उठाओ**—त्याग (पूर्व प्रचलितिक) (दी०)। [सं० उत्+स्था+णिच+अ=उत्थाय]। (ननगिलाट नुआक उठाओ भए गेल)। (भोज आइ उठाओ भए गेल)। ***u!hāo***—Abolition, postponement.

ऊँठाओल **उठाओल**—उठाएब (दे०) केर भू० का० रू०। राम० ५७ (कातर नृप न उठाओल धाइ); द्विरा० २२३ (दहो चौली उठाओल गेल); चित्र० २४ (उठाओल चिरकालसँ मिझाइल अनन ई माथ); रंग ७४ (भद्र महिलाकेँ कोना उठाओल जाए)। ***u!hāala***—Past tense form of ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊँठा क(कै) **उठा क(कै)**—उठाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। चित्रा १३० (ई की कैल उठा क लै आनल); चित्रा १८ (उठा कै लए जाइत गेलैन्ह गाछी)। ***u!hā ka(kai)***—*Part.* form of ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊँठान **उठान**—उठबाक क्रिया, बढ़बाक ढंग, वृद्धि क्रम। [सं० उत्थान]। BPL 1090; डा० उ० ना० ति० १५६। ***u!hāna***—The act of raising, the arousal; the rise or rising.

ऊँठापटक **उठापटक**—एक दोसरासँ कुश्ती वा झगड़ामे कखनहुँ पहिल माटिपर त दोसर ऊपर आ कखनहु दोसर माटिपर त पहिल ऊपर। [उठा+पट्ट<पट+क]। तु० क० पटका पटकी। खट्ट० १२५ (कोना उठापटक भेल छैन्ह); मिथिला दर्शन ६-४ (कै बेर दिलीप कुमारसँ उठापटक भ गेल अछि)। ***u!hāpataka***—The act of throwing down as well as being thrown down (in wrestling).

ऊँठावैक **उठावैक**—उठावए केर प्रेरणा० रू०। BPL 1234. ***u!hābaika***—*Caus.* of ***u!hābae*** (q.v.).

ऊँठाय **उठाय**—उठाए (दे०) केर विक० रू०। मन० कृष्ण० ५ (कंश आबि तोहि लैत उठाय); राम० १०० (कैकयि लेले उठाय); मि० ३१५ (कनेक पल उठाय देखू); मो० ६६-१० (विग्रह उठाय सन्तापमे)। ***u!hāya***—*Alt.* of ***u!hāe*** (q.v.).

ऊँठायब **उठायब**—उठाएब (दे०) केर विक० रू०। गो० श्र० ६ अमर २४ (अनल हेम साहसँ उठायब साँच जानब तब तोरि)। ***u!hayava***—*Alt.* of ***u!hāeva*** (q.v.).

ऊँठाव **उठाव**—उठाओ (दे०) अथवा उठाबए (दे०) केर विक० रू०। राम० २४३ (अनायास कैलास उठाव); पारो ५ (डेन पकड़िकँ उठाव लगलियै)। ***u!hāva***—*Alt.* of ***u!hāo*** (q.v.) or ***u!hābae*** (q.v.).

ऊँठावए **उठावए**—उठाबए (दे०) केर विक० रू०। प्रण० १७८ (देह धड़ उठावए लगलथिन्ह)। ***u!hāvae***—*Alt* of ***u!hābae*** (q.v.).

ऊँठावक **उठावक**-उठाबहिक (दे०) अथवा उठावैक (दे०) केर विक० रू०। द्विरा० ११७ (हुनका उठावक हेतु आवेशरानी ठाढ़ भ गेली)। ***u!hāvaka***—*Alt.* of ***u!hābahika*** (q.v.) or of ***uthābaika*** (q.v).

ऊँठावथि(थु) **उठावथि(थु)**—उठाएब (दे०) केर ... वर्त० रू०। नव० १ (पुतहुक घोघ अपनहि उठावथि); मै० ... (५-६) १७ (राम उठावथु प्रखर चाप)। ***u!hāvathi(thu)***

—*Hon*. Present tense form of *u*ṭ*hāeva* (q.v.).

𑒅𑒚𑒰𑒫𑒨 **उठावय**—उठावए (दे०) केर विक० रू० । पुरु० १३२ (मार उठावय जेहन कहार); कन्या० ५६ (उठावय लागल) *u*ṭ*hāvaya*—*Alt*. of *u*ṭ*hāvae* (q.v.).

𑒅𑒚𑒰𑒫𑒯 **उठावह**—उठाएव (दे०) केर आज्ञा० रू० । द्विरा० २०३ (खट्‌मिट्ठी एक बेरि आ और उठावह) । *u*ṭ*hāvaha*—*Imp*. form of *u*ṭ*hāeva* (q.v.).

𑒅𑒚𑒰𑒫𑒲(𑒫𑒻) **उठावी(वै)**—उठाएव (दे०) केर इच्छा० रू० । मैक० ३१; पारो ३४ (तोसर प्रसंग उठावी); मिथि० जट० १५६–२० (लागल चौल उठावै) । *u*ṭ*hāvi(vai)*—*Opta*. form of *u*ṭ*hāeva* (q.v.).

𑒅𑒚𑒰𑒫𑒻𑒮𑒲 **उठावैसी**—उठवैस (दे०) केर बा० रू० । एक प्रकारक व्यायाम (दी०), बैसकी [उठायब + बैसब + ई] । (इम कान्ता ! उठावैसी खेलायब) । *u*ṭ*hāvaisī*—*Coll*. of *u*ṭ*hābaisa* (q.v.), the name of a popular Indian physical exercise.

𑒅𑒚𑒰𑒫𑒾 **उठावौ**—उठाएब (दे०) केर प्रेरणा० रू० । [उठावओ केर लघु० रू०] द्विरा० ४ (परक कार्य मारकें उठावौ) । *u*ṭ*hāvau*—*Imp*. form of *u*ṭ*hāeba*. Alt. of *u*ṭ*hābahu* (q.v.).

𑒅𑒚𑒱 **उठि**—उठब (दे०) केर पू० कि० रू० । वर्ण० ११ (विदान उठि बैसि); वि० पदा० मजु० ५१, रामभद्रपुर पोथी पद ४०४ (क) (माधव धनि समदइ उठि आगी); FML 75; चा-१० २१/४; मौ० ६७–२५ (उठि किदा होइत अछि); मिथि० जट० १५६ (पूर्वक हमर उठि भोरसँ); प्रभ० १ (हमरा सबेरे उठि एकटा रिपोर्ट लिखबाक रहय); चित्रा ११ (मिनसरे उठि प्रातः स्नान कए) । *u*ṭ*hi*—*Part*. form of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒱𑒁 **उठिअ**—उठिऔक केर आज्ञा० का० रू० । उठब केर प्रेरणा० रू० । वि० पदा० मजु० ५१३ (उठिअ महोदय भए गेल पराते) । *u*ṭ*hia*—*P.F*. *u*ṭ*hiauka*, *Imp*. form of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒱𑒞𑒟𑒱 **उठितथि**—उठब (दे०) केर आद० भवि० रू० । कन्या० ३८ (सैयो खुखुआयले उठितथि) । *u*ṭ*hitathi*—*Hon*. Future form of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒱𑒞𑒯𑒱𑒿 **उठितहिँ**—उठब (दे०) केर निश्च० रू० । नव० ५१ (दुहू मान उठितहिँ कम्पल कम्पल समेटए लागल) । *u*ṭ*hitahi*—*Emph*. of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒱𑒞𑒹𑒯𑒳 **उठितेहु**—उठितहिँ (दे०) केर का० रू० । राम० ६७ (उठितेहु कमल विकास) । *u*ṭ*hitehu*—*Poet*. of *u*ṭ*hitahi* (q.v.).

𑒅𑒚𑒱𑒪𑒱𑒯𑒱 **उठिलिहि**—उठलीह (दे०) केर शु० का० रू० । वि० पदा० मजु० ६८७ (तीनि तीनि कए उठलिहि माखि) । *u*ṭ*hilihi*—Correct poetic form of *u*ṭ*halīha* (q.v.).

𑒅𑒚𑒲 **उठी**—उठ (दे०) केर इच्छा० रू० । शत० १ (पयकाउ पैयँ सचि उठी जागि) । *u*ṭ*hī*—*Opta*. of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒳 **उठु**—उठ (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५५७ (उठु उठु सुन्दरि जाइछी विदेस); राम० १८० (उठु उठु कक रघुनन्दन कार्य) । *u*ṭ*hu*—P.F. form of *u*ṭ*ha* (q.v.)

𑒅𑒚𑒴 **उठू**—उठब (दे०) केर आज्ञा रू० । मै० हि० सा० २ (उठू उठू सजार्ड); मौ० ६२–२१ (आलस्य त्यागु उठू); मिथि० जट० १५७–२ (प्रिय मैथिल वर्ग उठू उठू); प्रभ० ७१ (उठू हमरो खी); नव० (उठू वकको दात आकन विश देखिअउ); आमक० ६० (हे बौआसोन उठू) । *u*ṭ*hū*—*Imp*. form of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒻 **उठै**—उठए (दे०) केर अशु० एवं उठैत केर संक्षिप्त रू० । चन्द्र० १२४ (जौ तकित लता उठै); मै० हि० सा० १५ (उठै छन्हि); प्रभ० १६६ (लगि दुख उठै अछि हृदय हूर); पारो १२ (शासम उठै सरकार पर) । *u*ṭ*hai*—*Err*. of *u*ṭ*hae* (q.v.). Short form of *u*ṭ*haita*.

𑒅𑒚𑒻𑒞 **उठैत**—उठब (दे०) केर वर्त० रू० । मै० हि० सा० १ (उठैत बैसेत पर पहुँचैत अछि); मिथि० जट० १२६–१२ (अहाँ लोकनि नहि उठैत जाएब त हम सबहिँ कैं मैद करब); प्रभ० ३५ (भीतर देह सिहरि उठैत अछि); चित्रा ७४ (बुढ़ाकें उठैत छन्हि खीस); पारो ६२ (केइ पहर दिन उठैत जे भाव पर बैसल) । *u*ṭ*haita*—Present tense form of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒻(𑒚)𑒢𑓂𑒯𑒱 **उठै(ठ)न्हि**—उठब (दे०) केर आद० वर्त० रू० । पारो ६ (हुनक छाती भरि दीयर सेवर भ उठैन्हि) । *u*ṭ*hai(*ṭ*ha)nhi*—*Hon*. Present tense form of *u*ṭ*haba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒻𑒫 **उठैव**—उठाएब (दे०) केर अशु० रू० । रसगुल्ला ३ । *u*ṭ*haiva*—*Err*. of *u*ṭ*hāeba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒻𑒫𑒰𑒏 **उठैवाक**—उठाएब (दे०) केर इच्छा० रू० । प्रभ० १८६ (आइ महत्वपूर्ण लेखनी उठैवाक अछि); पारो ६४ (हमरा नहू दिस आँखि उठैवाक होरा नहि) । *u*ṭ*haivāka*—*Opta*. form of *u*ṭ*hāeva* (q.v.).

𑒅𑒚𑒾(𑒚𑒌)𑒞𑒰 **उठौ(ठओ)ता**—उठौ(ठओ)ताह (दे०) केर संक्षि० रू० । मै० हि० सा० (५–६) १८ (धनुष सैह उठौता राम) । *u*ṭ*hautā*—Short form of *u*ṭ*hautāha* (q.v.).

𑒅𑒚𑒾(𑒚𑒌)𑒞𑒰𑒯 **उठौ(ठओ)ताह**—उठाएब (दे०) केर भवि० रू० । लड्‌डू० २३ (सलाइ कथी पर चाँकर उठौताह); रंग (ई पत्र हाथमे उठौताह) । *u*ṭ*hautāha*—Future form of *u*ṭ*hāeba* (q.v.).

𑒅𑒚𑒾(𑒚𑒌)𑒢𑒯𑒱 **उठौ(ठओ)नहि**—उठाएब (दे०) केर नाम कथक निश्च० रू० । मिथि० जट० १५८–१६ (कलम रोकि

बिनु उठौनहि)। *u.haunahi—Emph.* of verbal noun form of *u.hāeba* (q.v.).

उठौना—वि०। उठओना (दे०) केर विक० रू०। [उठ+ऊना]। जे वस्तु नित्य अपना घरसँ उठाए बेचि देल जाइछ। चित्रा २७ (दूध उठौना लैत छिअइ)। *u.haunā—Adj.* Habitually selling away of (milk, vegetable etc.).

उठौनिहार—उठाएब (दे०) केर विशेषण रू०। BPL 1030, मो० १७१–४ (हमरा उठौनिहार दूनू तरहक लोक छथि)। *u.haunihāra—Adjective* form of *u.hāeba* (q.v.).

उठौ(ठओ)ने—उठओनहि (दे०) केर वा० रू०। मिहि० उद० १५७–२० (दहिना हाथके उठौने); प्रग० ५१ (एक हाथ फराके उठौने बाहर ल गेलथिन्ह); रंग० १०३ (ई महासभा मे हाथ उठौने छथि)। *u.haune—Coll.* of *u.haunahi* (q.v.).

उठौ(ठओ)लक-उठाएब (दे०) कअना० भूत० रू०। मिहि० उद० १५६–१३ (साधारण लोकमे घोल उठौलक); कन्या० १६ (चर्माक कै घैल उठौलक); रुद्र० २८ (विज्ञान माथ उठौलक); पारो ६१ (दोसर दिन अहल भोरे सीक पटइ उठौलक) । *u.hau'aka*—Past tense *nonh.* form of *u.hāeba* (q.v.).

उठौलकैन्ह—उठौलक (दे०) केर इच्छा० एवं भू० रू०। कन्या० १३८ (मन्त्र पढ़ैत मूसर उठौलकैन्ह)। *u.hau'akainha—Opta.* and past tense form of *u.haulaka* (q.v.).

उठौलथिन्ह—उठौलक (दे०) केर आद० इच्छा० एवं भू० रू०। मिहि० उद० १५७–२२ (हाथ पकड़ि कए उठौलथिन्ह)। *u.hau'athinha—Hon Opta.* and Future form of *u.hau'aka* (q.v.).

उठौ(ठओ)लह—उठाएब (दे०) केर आद० मध्य० पु० रू०। चित्रा ६ ('जुनि कानह' उठौलह तौं तर्जनी)। *u.hau'aha-Hon.* Second person form of *u.hāeba* (q.v.).

उठौ(ठओ)लन्हि—उठाएब (दे०) केर आद० वर्त्त० रू०। द्विरा० ६१ (अपन उपेक्षित प्रेमिका कैं उठौलन्हि); प्रग० ७१ (स्वामी कैं हाथ धए उठौलन्हि); चित्रा १२ (पान गलोठिकैं उठौलन्हि बात)। *u.hau'anhi—Hon.* Present tense form of *u.hāeba* (q.v.).

उठौ(ठओ)लहुँ—उठएब (दे०) केर आद० प्र० पु० भू० रू०। प्रग० २७ (लाभ नहि उठौलहुँ)। *u.haulahũ—Hon.* first person past tense form of *u.hāeba* (q.v.).

उठौलियै—उठाएब (दे०) अना० भू० प्र० पु० रू०। उठओलिऐक केर अशु० रू०। पारो ५२ (एकटा चाह उठौलियै मुदा गाल जिपि लेलन्हि)। *u.hau'iyai—Non-Hon.* Past tense first person form of *u.hāeba* (q.v.). *Err.* of *u.hauliaika.*

उठौले—उठओन(ल)हि (दे०) केर का० रू०। मैः मे विहारी ५६। *u.hau'e—Poet.* of *u.hana(la)hi* (q.v.).

उडु—तारा, चन्द्रमा, विमान। [सं०]। तु० क० उडु; प्राकृ० उडु; सि० उलु। राम १६५ (उडु तातो थिक तगि फसा मथि)। *uḍu*—Star, Moon.

उडुगण—तारागण, तारा समूह वा पक्षीगण। [सं०] गो० श्रृ० १ अमर ७ (जेहन जलधर उग सुधाकर शोभित उडुगण माँझ)। *uḍugaṇa*—Stars.

उडुदल—तारा वृन्द। [सं०]। शत० ७ (उडुदल अनुपल डोलवैछ चमर)। *uḍudala*—Stars.

उड्डन्त—उड़ैत (दे०) केर अवहट्ट रू०। अस्थिर, चंचल। कीर्त्तिलता ६४ (बभा वेग बूडन्त उड्डन्त गिद्धा)। *uḍḍanta*—Avahaṭṭa form of *uḍaita* (q.v.), also *adj.* in the sense of restless, unreliable, always on the move.

उड्डयन—उपर आकाश मे उड़वाक क्रिया। [सं०]। तु० क० प्राकृ० उड्डाग; उ० उड़ाण; प्रा० मा० उड्डाग। धातु शब्द २४। *uḍḍayana*—The act of flying up.

उड्डीन—वि०। उपर उड़ल। [सं०]। मिहि० उद० १५७–७ (अकाण्ड उड्डीन प्रोड्डीन कैं देखि); अम० १९१ (प्रडीन उड्डीन संडुीन)। *uḍḍīna—Adj* Fly up.

उड्डीश—शिव, रावण कृत एक तन्त्र केर नाम। [सं०]। वर्ण० ६० (कम्पि चराडरोसन उड्डीश)। *uḍḍīśa*—Name of a Tantra; Lord Śiva.

उड़—उड़ब (दे०) केर मू० धातु वा का० रू०। वि० पदा० मजु० १७४ (बान्धि धरिअ पुनु उड़ तारा सी); राम० ५ (धूरा उड़ ककरहु नहि सूझ)। *uḍa—Root* or P.F. of *uḍaba* (q.v).

उड़इ—उड़ब (दे०) केर वर्त्त० रू०। वि० पदा० मजु० १७८, तरणदा (मधुमये मातल उड़इ न पारअ)। उड़ैत, उड़इत केर संक्षि० रू०। *uḍai—Present* tense form of *uḍaba* (q.v.).

उड़इत—उड़ब (दे०) केर वर्त्त० रू०। वि० पदा०

मञ्जु० ३२२ (उड़इत मर दिनकर सम्मास)। *udaita*—Present tense form of *udaba* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒃𑒢𑓂𑒯 **उड़इन्ह**—उड़ब (दे०) केर आद० वर्त० मध्य० भो अन्य० पु० रू०। नव० ६१ (मुँहसँ अवाजक गुड्डी फर्कफर्क उड़इन्ह)। *udainha*—*Hon.* Present tense second and third person form of *udaba* (q.v.)

𑒅𑒛𑓃𑒋 **उड़ए**—उड़ब (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० ने० ७४ (पंकज मधुकर मधु पिबि दे उड़ए पसारलि पाँखि); वि० पदा० मञ्जु० १०७; पंचाद्रा २३३; तालपत्र १२, अ० ५७; (मधुक माछल उड़ए न पारे); राम० २३६ (उड़ए चढ़ल राम भय मानि)। *udae*—*Optative* form of *udaba* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃(𑒩)𑒏𑒳𑒮𑓂𑒮𑒲 **उड़(र)कुस्सी**—विषाक्त लताविशेष (दी०); एकर पात हरिअर होइछ एवं ओहि पातमे छोट-छोट उजरबला रोइयाँ जकाँ होइछ; शरीरमे लगला उत्तर किछु सहुरा टोस मारैत छैक। वि०। कोनो चीजकेँ विषक अरपला। [उड़+कश् अथवा कुश+ई] *ud(r)a kussī*—A kind of poisonous creeper, as leaf, as *adj.* it refers to some irritant element.

𑒅𑒛𑓃𑒞 **उड़त**—उड़ब (दे०) केर भवि० रू०। वि० ने० १६८ (बान्धि धरिअ पुनि उड़त कराखे)। *udata*—Future tense form of *udaba* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒞𑒰 **उड़ता**—वि०। उड़बा योग्य (दी०)। क्रि० उड़ताह (दे०) क सं० रू०। [उड़त+आ] (ई उड़ता पक्षी अछि)। तु० क० उड़ता सद (उतरंगमे)। *udatā*—*Adj.* Fit for flying *V.* Short form of *udatāha* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒢 **उड़न**—उड़बाक क्रिया। [उड़+अन]। मिहिर ७ (२-६२-४३)। *udana*—Act of flying.

𑒅𑒛𑓃𑒢𑒐𑒙𑒼𑒪𑒰 **उड़नखटोला**—एकर औन्हर तथा भ्रमनिहार (निन्दामे) (दी०; आइक खाट। [उड़न+खट्वा+ओ]। तु० क० ने० उड़नखटोला। *udanakhatolā*—A magic cot, a flying bed, *adj.* a vegabond.

𑒅𑒛𑓃𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 **उड़निहार**—वि०। ऊपर उड़निहार। [उड़+अनिहार]। दिरा० ४४ (एक अकाशक उड़निहार)। *udanihāra*—*Adj.* Who flies.

𑒅𑒛𑓃𑒢𑓂𑒞𑒲 **उड़न्ती**—अमूलक विषय किंवदन्ती (दी०) [उड़+अन्ती]। मिहिर ६५ (३-६२-११२)। *udantī*—Rumour.

𑒅𑒛𑓃𑒢𑓂𑒞𑒴 **उड़न्तू**—वि०। उड़एबला वा उड़बा योग्य। [उड़+अन्त+ऊ]। FML 120. *udantū*—*Adj.* Habituated or able to fly.

𑒅𑒛𑓃𑒥 **उड़ब**—क्रि०। आकाश मार्गे चलब (दी०); धरतीसँ उपर चलब कथुक आधारसँ। [सं० उत्+डीङ्]। तु० क० पा० उड्डेति; प्राकृ० उड्डेइ; लहन्दा उड्डणा, पं० उड़णा; अस० उरिबा हि० उड़ना; भोज० उड़ल; गु० उड़वु; म० उडणे। (आकाशमे उड़ब आब मनुष्य वास्ते तुच्छ वस्तु भए गेल अछि)। *udaba*—*V.* To Fly.

𑒅𑒛𑓃𑒥𑒻𑒞 **उड़बैत**—उड़ाएब (दे०) केर आद० मध्य० पु० वर्त० रू०। दिरा० ६१ (अपन मोटर उड़बैत चलि आबइत रहलोंह); मणि० ७५ (पुरुबकाँ उड़बैत चललीह)। *udabaita*—*Hon.* Present tense second person form of *udāeba* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒨 **उड़य**—उड़ए (दे०) केर विक० रू०। गी० स्व० २ अमर १० (बूढ़ा उड़य मत मयूर शिरसँ); मी० २७१ १५ (उड़य गुलाल लाल सब मल व्रज); दिरा० ७५ (हवाइ जहाज पर उड़य लगलाह)। *udaya*—*Alt.* of *udae* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒨𑒱𑒞 **उड़यित**—उड़इत (दे०) केर विक० का० रूप। राम० २६८ (उड़यित जनि गेल बहुत पहाड़)। *udayita*—*Alt.* P.F. of *udaita* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒪 **उड़ल**—उड़ब (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ३७४ (मन मनमथ उड़ल उड़ल शरीर); मन० कृष्ण० १० (कंसक हंस उड़ल से सुनि); राम० २२७ (वानर सुनल उड़ल कम गौड़); निजा ३६ (उड़ल जाइ की); पारी १३ (बिलौरि उड़ल जाइत रहे)। *udala*—Past tense form of *udaba* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒪𑒯𑒳𑒿 **उड़लहुँ**—उड़ल (दे०) केर वर्त० उ० पु० रू०। राम० १७५ (उड़लहुँ हम जटायु दुहु भाए)। *udalahũ*—First person present tense form of *udala* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒪𑒰(𑒯) **उड़ला(ह)**—उड़ब (दे०) केर भू० रू०। विदित उड़ल मन। राम० २८२ (मारुत नन्दन उड़ला भाखि); मिहि० उद० १५७-६ (डाबरसँ मरहैते उड़लाह)। *udalā(ha)*—Past form *udaba* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒰 **उड़ा**—उड़ाए (दे०) केर संक्षि० बा० रू०। जय० ३ (एक दिन केवल उड़ा देलाह)। *udā*—*Coll.* Short form of *udāe* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒰𑒃(𑒄) **उड़ाइ(ई)**—उड़ाबइ (दे०) केर का० रू०। राम० ६३ (मानिनि मान उड़ाइ दे); वि० पदा० मञ्जु० १०३ (मानिनि मान उड़ाइ दे)। *udāi(ī)*—P.F. of *udabai* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒰(𑒿)𑒅 **उड़ा(ँ)उ**—उड़ाएब (दे०) केर प्रेरणा० का० रू०। तु० क० हि०, पं० उड़ाऊ। मी० २०१ (सब गगन उड़ाऊ फागु फाग)। शुद्ध रूप उड़ाउ होएत। *udā(ã)u*—*Caus.* Poetic form of *udāeba* (q.v.), correct form would be *udāu*.

𑒅𑒛𑓃𑒰𑒋 **उड़ाए**—उड़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० कद० १५६-३ (नहला नाचय उड़ाए धन)। *udāe*—*Part.* form of *udāeba* (q.v.).

𑒅𑒛𑓃𑒰𑒋𑒥 **उड़ाएब**—क्रि०। कोनो वस्तुके उपर उड़ा देब वा फेकि देब, व्यवहार करब। [उड़+आएब]। (हम अपनी गुड्डी उड़ाएब

ताहिसँ अहाँकेँ की ?) (अपन धन अपनहि उड़ाएब)। *udāeba*—*V.* To waste, to fly.

উড়াওল **उड़ाओल**—उड़ाएब (दे०) केर भू० रू०। BPL 7313; चन्द्र० ११५ (घर सम्पति छल कुपथ उड़ाओल)। *udāola*—*Past* tense form of *udāeba* (q.v.).

উড়াক **उड़ाक**—क्रि०। उड़निहार (दी०)। बहुधा, तीव्र [उड़+आक] FML 208; अपूर्व रसगुल्ला २, शतदल ७०। *udāka*—*Adj.* Who flies (usually fast).

উড়াঁত **उड़ाँत**—वि०। उड़बामे पटु; चेष्टगर (बएसगर)। [उड़+अति अथवा अंत्र>आँत]। तु० क० उड़ान्त। नव० ६ (मल्लिक उड़ाँत तँ हलै); मलमानुष ८४। *udāta*—*Adj.* Expert in flying.

উড়ান **उड़ान**—उड़बाक क्रिया। [उड़+आन]। तु० क० बं०, हि०, अस०, ने० उड़ान। (पहिल हवाइ जहाजक उड़ान कहिओ नहि देखने रही)। *udāna*—The act of flying.

উড়ায **उड़ाय**—उड़ाए (दे०) केर विक० का० रू०। राम० १४२ (गगनक पथ चलल उड़ाय)। *udāya*—*Alt.* P.F. of *udāe* (q.v.).

উড়াবথি **उड़ावथि**—उड़ाएब (दे०) केर बहु० वर्त० रू०। शतदल १५ (कैयो धुआँ उड़ावथि फूकि फूकि)। *udāvathi*—*Pres.* pl. form of *udāeba* (q.v.).

উড়াবল **उड़ावल**—उड़ाओल (दे०) केर वा० का० रू०। महेश० १३ (छल कुपथैं उड़ावल)। *udāvala*—*Coll.* P.F. of *udāola* (q.v.).

উড়াহব **उड़ाहब**—क्रि०। नवीन भाँड़केँ आगि पर चढ़ाए काजमे आनब; इनार पोखरिक पानिकेँ उपछि शुद्ध करब। [IAL Turner 1985 उद्हेति>उद्दाहति>उद्दाहतत>प्राकृ० उड्डाहत> उड़ाहत>उड़ाहब]। तु० क० अव० उराहिवा; वि० उराहेब। मै० सा० इ० २२७ (१२२० साल) (तखन त उड़ाहबक भंगठाह छोड़ा दिअ); (नवकनियाँक हाथेँ प्रथम भाँड़ उड़ाहब मिथिलामे प्रचलित अछि); (कालिह हम अपन इनार आ पोखरि केँ उड़ाहब से आशा अछि); BPL 713। *udāhaba*—*V.* To make first use of a new earthen vessel, to clean the water of a pond or well by changing the present water.

উড়ি **उड़ि**—उड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वर्ण १३० (धुलि उड़ि आगइ); वि० पदा० मञु० ३७; रागत० २०४; तालपत्र न० गु० ६७; नेपाल २१; अ० १०६ (जाहि मधुकइ उड़िउड़ि पड़ा); मन० कु० १० (देखब सम्मोख उड़ि नहि जाय); महेश० ५१ (हँस उड़ि जायत कतहु दिगन्त); चित्रा ६ (हँस पर चढ़ि उड़ि गेली आकाशमे)। *udi*—*Part.* form of *udaba* (q.v.).

উড়িআই **उड़िआइ**—उड़ाए (दे०) केर वर्त० रू०। वि० पदा० मञु० ३४१ (जाइत उड़िआइ)। *udiāi*—Present tense form of *udāeba* (q.v.).

উড়িআইত **उड़िआइत**—उड़ए (दे०) केर वर्त० प्रेरणा० रू०। चन्द्रकला २३। *udiāita*—Present participials form of *udae* (q.v.).

উড়িআঁত **उड़िआँत**—उड़िआइत (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञु० ५७६ (उड़िआँत अपन गृह जायत)। *udiāta*—*Poet.* of *udiāita* (q.v.).

উড়িআবয **उड़िआवय**—उड़ावय केर प्रेरणा० रू०। अम्बचरित ८०। *udiābaya*—*Caus.* of *udābaya* (q.v.).

উড়িত **उड़ित**—उड़िगेल (दे०) केर प्रा० लु० का०रू०। वि० वि० १८ (रजनि उड़ति भा)। *udita*—Obs. form P. F. of *udigela* (q.v.).

উড়িপল **उड़िपल**—क्रि०। एम्हर-ओम्हर उड़ब वा भ्रमण करब। प्रा० लु० रू०। वि० ने० २१ (एलि मधुकर जाहि उड़िपल सेहे संतारक सार)। *udipala*—*V.* Obs. to roam about hither and thither.

উড়িযা **उड़िया**[1]—उड़ब (दे०) भवि० रू०। उड़िआए (दे०) केर विक० रू०। रंग ६७ (हुनक पोथी पतड़ा उड़िया जेतैन्ह); सनेह १०। *udiyā*[1]—Future tense form of *udaba* (q.v.). Alt. of *udiāe* (q.v.).

উড়িযা **उड़िया**[2]—उड़ीसा प्रान्तक भाषा वा प्राणी। [सं० उद्र>उद्रीय>प्राकृ० उड्डिय>उड़िय+आ]। तु० क० बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, अस०, म०, गु०, राज० उड़िया। (उड़िया भाषा एवं मैथिली भाषामे विभिन्न स्थान पर साम्यता पाओल जाइछ)। *udiyā*[2]—Language or living beings belonging to the state of Orissa.

উড়িযায **उड़ियाय**—उड़िआए (दे०) केर का० रू०। चन्द्रकला ११। *udiyāya*—P.F. of *udiāe* (q.v.).

উড়িযৈল **उड़ियैल**—उड़िआएल केर वा० का० रू०। हलहल ६। *udiyaila*—*Coll.* or P.F. of *udiāela*.

উড়িস **उड़िस**—उड़ीस (दे०) केर अशु० रू०। कन्या० ४६ (किन्तु उड़िस काटय लगलैन्ह)। *udisa*—*Err.* of *udīsa* (q.v.).

উড়ী(রী)দ **उड़ी(री)द**—एक प्रकारक दालि विशेष, एकरा माष (संस्कृत माष) धान्य विशेष कहल जाइछ। [सं० उड़िद अथवा प्राकृ० उडिद]। तु० क० मा हि० उड़द; प्राकृ० उदिउ; गु० अड़द; म० उड़ीद। चित्रा ६२ (मकई मूँग उड़ीद)। *udī(rī)da*—A kind of pulse.

উড়ীস **उड़ीस**—मानवक शोणित पिनिहार कीट विशेष। [उद्दंश Turner 19817 प्राकृ० उड्डीस>उड़ीस]। तु० क० प्राकृ० उद्दंस; अर० उरह; उ० उड़स; उड़स; ओरस हि० उड़स प्रण० २६४ (तावत जांघमे उड़ीस काटि लेलकैन्ह)। *udīsa*—Bug.

উড়ীসা **उड़ीसा**—भारतक एक पैघ प्रान्तक नाम कु०

क० द्वि० उडीस ; अस० उड़ेस ; उडीसा वद् ओड़िसा । (उड़ीसा मे जगन्नाथजीक मन्दिर अवस्थित अछि) । तु० क० ओड़िस्सा, उड़िस्सा । *uḍīsā*—Name of a State in India.

उड़ै—उड़ए (दे०) केर अशु० रू० । मि० उदा० १०५ (उड़ै पर प्रस्तुत अछि) । *uḍai—Err.* of *uḍae* (q.v.).

उड़ैत—उड़ब (दे०) केर वर्त० रू० । तु० क० बं० उड़ंत । (उड़ैत पक्षी देखाए दिअ) । *uḍaita*—Present tense form of *uḍaba* (q.v.).

उड़ैबला—वि० । जे उड़ैछ । उड़ब (दे०) केर विशेषण रू० । मि० उद० ९५७-५ (उड़ैबला पक्षिक संग-संग) । *uḍaibalā—Adj.* form of *uḍaba* (q.v.).

उड़ौ(ड़ओ)ने—उड़ब (दे०) केर वर्त० रू० । प्रेम० २१५ (कालि पर भमर उड़ौने छल) । *uḍau(o)ne*—Present tense form of *uḍaba* (q.v.).

उड़ौल—उड़ाओल (दे०) केर अशु० रू० । मो० १६३-३ (धनाक बसातो उड़ौल गेलहु निश्चत नहि) । *uḍaula*—Err. form of *uḍāola* (q.v.).

उड़ौलन्हि—उड़ौल (दे०) केर आद० रू० । विरा० १०७ (एखटा नवे काल उड़ौलन्हि से) । *uḍau(o)lanhi*—Hon. form of *uḍaula* (q.v.).

उढ़इ—उघब केर प्रा० का० तु० रू० । वि० पदा० मजु० १४२, न० ग० ११३३०; न० गु० ७८७, अ० ७७७ (विनि करतने उढ़इ न परइ) । *uḍhai—Old.* Obs. poet form of *ughaba* (q.v.).

उढ़इते—उढ़इत (दे०) केर प्रा० तु० रू० । वर्ण० ५३ (चीता भांगर उढ़इते अछ) । *uḍhaite*—Obs of *uḍhaita* (q.v.).

उढ़र—उढ़रब (दे०) केर मू० रू० । तु० क० BPL 376 उढ़र । धातु पाठ ६० । *uḍhara—Root* form of *uḍharaba* (q.v.).

उढ़रब—क्रि० । पुरुषान्तरक संग स्त्रीक कामवश जाएब (दे०), अन्य पुरुषक संग कामवासनाक हेतु कौनो स्त्रीक गमन । [सं० उत् + सं० वह् > उढ़ अथवा + रब (दे०) उढ़ + अब + अथवा IAL Turner 2032 उपवलित > उपलत > उपलब > उढ़रब] । तु० क० लह० उढ़ लब्बा; प० उध्धलणा; भोज० उढ़रब; गु० उधलवुँ म० उधळणे; तु० उढ़ जौ । (आजुक समयमे कौनो स्त्रीक उढ़रब कठिन नहि) । *uḍharaba*—To elope, to run away from one's husband or home for sex.

उढ़रा—वि० । परस्त्रीक संग कामवश गेल पुरुष । [उढ़र + आ] । तु० क० BPL 233 उढ़रा, उढ़रा । (उढ़रा स उढ़रे करत); रस निर्भरणी ३८ । *uḍhara—Adj* (A male) having sex outside marriage; used as a term for calling names.

उढ़रिए—उढ़रब (दे०) केर इच्छा० रू० । नव १० (उढ़रिए गेलइ ओकरा संगे की) । *uḍharie—Opta.* form of *uḍharaba* (q.v.).

उढ़री—उढ़रा (दे०) केर स्त्री० रू० । तु० क० भोज०; BPL 1210 उढ़री उढ़री । रसनिर्भरणी ८०; मैथिली भाषा ८ । *uḍharī—Fem.* form of *uḍhara* (q.v.).

उढ़ारब—क्रि० । अन्य स्त्रीक अधीन कए स्त्री सावेँ लए भागब (दे०) । [उढ़ार + अब] । तु० क० FPL 713 उढ़ एव । (आइ काल्हुक युगमे तरुणीगण स्त्रीकेँ उढ़ारब कठिन नहि) । *uḍhāraba-V.* To run away with a woman other than one's own wife.

उढ़ारैत—उढ़ारब (दे०) केर वर्त० रू० । धातु पाठ ६५ । *uḍhāraita*—Present tense form of *uḍhāraba* (q.v.).

उँणु—ओ (दे०) अथवा अन्य केर अवहट्ठ रू० । ओही । कीर्तिलता १५ (संसार साहस करओ ए उँणु शरणागत मुकओ) । *ūṇu*—That very; *avahaṭṭha* form of *O* (q.v.), *ūra* (q.v.), or *anya* (q.v.).

उणड—कनिबे, थोड़क । [सं० ऊन] । वर्ण० ४६ (एक दीवल कइ उणड उपर कइ चलभीले) । *uṇḍa*—A little.

उत—ओतए (दे०) वा ओतअ केर प्रा० रू० । तु० क० हि० उत । राम० २४८ (उत कपिदल हलचल समत) । *uta*—*Poet.* of *otae* or *otaa* (q.v.).

उतकट—उत्कट (दे०) केर का० रू० । गौरी परिणय (उतकट बचन सभी नहि नीक) । *utakaṭa—Poet.* of *utkaṭa* (q.v.).

उतकण्ठित—उत्कण्ठित (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २५५ (मन उतकण्ठित कतेँ न पावे) । *utakaṇṭhita—Poet.* of *utkaṇṭhita* (q.v.).

उतति—तुँइत (पकडा पल विशेष) जे पौष्टिक सन्न देसएमे होइछ तथा खयबामे मधुर होइछ । तु० क० जहतुत (हि०) । वर्ण० ३८ (मउर उतति; चप, दालिम्ब) । *utati*—Name of a fruit.

उतप—उत्ताप (दे०) केर का० रू० । गो० श० १ अमर० ५२ (उतप तापित धरणि मण्डल निरखि नव नव जलधरे) । *utapa—Poet.* of *uttāpa* (q.v.).

उतपत(ति)—उत्पत्ति (दे०) केर का० रू० । तु० क० बं०, अस०, राज० उतपति । गो० श० १, काम० ५६ (कारण बिनु काय कतहुँ उतपत होय निरासक); वि० प० २६ (तातहि गंग उतपति); राम० २६ (सुरसरि उतपति पावन वारि) । *uta-pata(ti)—Poet.* of *utpatti* (q.v.).

𑒅𑒞𑒣𑒟 **उतपथ**—पाछू मुहेँ गमन वा चलब। [उत्+पथ]। तु० क० अस० **उतपथ**। राम० ७४ (**उतपथ** वर्तिभ्रान्त मन जानू); राम० लाल० १६ (**उतपथ** गमन अहँक बड़ जोड़); वि० प० ३७ (**उतपथ** भै तहँ गेला); अम्बचरित १७। ***utapatha***—To go back-ward.

𑒅𑒞𑒣𑒪 **उतपल**—उत्पल (दे०) केर का० रू०। तु० क० राज० **उतपल**। गो० श्र० १ अमर ३ (नील **उतपल** दाम श्यामर धाम भामर देह)। ***utapala—Poet.*** of ***utpala*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒣𑒰𑒞𑒲 **उतपाती**—वि०। उत्पात करनिहार। [सं० उत्पात > उतपात + ई]। तु० क० राज० **उतपाती**; FML 224, इ० व्या० ५ (**उतपाती** केँ पहिने); उ० न० १६ (जे जन अति **उतपाती**)। ***utapāti—Adj.*** Troublesome, destructive.

𑒅𑒞𑒣𑓂𑒞𑒮𑒞𑓂𑒫 **उतप्तसत्व**—तापसँ संतप्त सार वस्तु। [सं०]। वर्ण० (**उतप्तसत्व** निर्जीव वृक्ष)। ***utaptasatva***—Burnt valuable thing.

𑒅𑒞𑒩 **उतर¹**—उत्तर (दे०) केर वा० आ का० रू०। तु० क० राज०, भोज० **उतर**। वि० नं० १४० (अवसर पाए **उतर** हम देबा); वि० पदा० मजु० ५०; नेपाल १४८, न० गु० तालपत्र ३२८ मि० ४०, अ० ३२५ (तथिहु **उतर** हम देला); FML 165; BPL 1485; ***utara¹—Poet.*** or coll. form of ***uttara*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩 **उतर²**—उतरब (दे०) केर आज्ञा० रू०। मि० (देड़ा उतर)। ***utara²—Imp.*** of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒃(𑒋) **उतरइ(ए)**—उतरब (दे०) केर इच्छा० रू०। पारो ६४ (गोढ़ीवासभ से **उतरए** चढ़ए)। ***utarai(ae)—Opta.*** of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒏 **उतरक**—उतरबाक (दे०) केर विक० रू०। राम० २१६ (**उतरक** ठाव नहि)। ***utaraka***—Alt. Form of ***utarabāka*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒝 **उतरण**—उतारल वस्त्र, पहिरल पुरान कपड़ा। [सं० उत्तरण]। तु० क० राज० **उतरण**। धातुपाठ ६५। ***utaraṇa***—Worn clothes.

𑒅𑒞𑒩𑒞 **उतरत**—उतरब (दे०) केर भवि० रू०। राम० २०७ (प्रभुदल प्रबल जखन **उतरत**); BPL 1085. ***utarata—Future tense*** form of ***utaraba*** (q.v.)

𑒅𑒞𑒩𑒞𑒰(𑒯) **उतरता(ह)**—उतरब (दे०) केर आद० भवि० रू०। राम० ९१ (बाट **उतरता** जमुना घाट)। ***utaratāha—Hon.*** Future tense form of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒞𑒱 **उतरति**—उतरब (दे०) केर का० रू० वर्त० मे। [उतर + ति] वि० प० मजु० ५१५ (पाट पटम्बर धर **उतरति**)। ***utarati***–Obs. present tense of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒟𑒱 **उतरथि**—उतरब (दे०) केर आद० रू०। राम० १७८ (भव जलधि **उतरथि** पार); पुरु० ७१ (अन बिनु **उतरथि** पार)। ***utarathi***– Hon. form of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒿𑒞𑒩𑒟𑒱 **उँतरथि**—उतरथि (दे०) केर अवहट्ट रू०। कीर्ति-लता ५८ (अओ ताक धरन्ते कलह करन्ते हीदूँ **उँतरथि** भूमी)। *ũtarathi—Avahaṭṭha* form of *utarathi* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 **उतरनिहार**—वि०। जे नीचाँ उतरए। [उतर + अनिहार]। पुरु० १२६ (समुद्र पार **उतरनिहार**)। ***utaranihāra—Adj.*** Who comes down.

𑒅𑒞𑒩𑒥 **उतरब**—क्रि०। नीचाँ उतरबाक क्रिया, वा नीचाँ आएब। [सं० अव + सं० तृ० + अब]। तु० क० उर्दू **उतरिबा** बं० नाबबो। प्रग० १३६ (हम बेगूसराय **उतरब**); मि०। ***utaraba–V.*** Shall get down.

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒁𑒍𑒪𑒯𑒳𑒿 **उतरबओलहुँ**—उतरब (दे०) केर प्र० पुरु० प्रेरणा० रू०। आमक० ६६ (हम वस्तु जात **उतरबओलहुँ**)। *utarbaolahũ—First* Person caus. form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒍𑒪𑒻𑒢𑓂𑒯 **उतरबओलैन्ह**—उतरब (दे०) केर मध्य० ओ अ० पुरु०। उपहार १५। *utarabaolainha*—Second and third person form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒯 **उतरबह**—उतरब (दे०) केर आज्ञा० रू०। पारो ६३ (बेरुक पहर चौधरीक गाम **उतरबह**)। *utarabaha* —***Imp.*** form of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒩𑒱𑒁𑒰(𑒨𑒰) **उतरबरिआ(या)**—उत्तर दिशाक। [उत्तर + सं० पालि > वारि + इआ]। मिहि० ३७–३९–४० (तावत **उतरबरिया** सड़क परसँ कोनो बरिआतीक बाजा)। ***utarabaria*** (*yā*)–Of northern side. Oblique form of *utaravāri* (*i*).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒰𑒏 **उतरबाक**—उतरब (दे०) केर षष्ठी रू०। प्रग० १७८ (पं० जीक **उतरबाक** बाट बन्द भ गेलैन्ह)। ***utarabāka***—Genetive form of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒰𑒩𑒱 **उतरबारि**—वि०। उत्तर दिशा सम्बन्धी। **उतरबारी** (दे०) क विशेषण रू०। FML 75; FML 258 (**उतरबारि** गामबाली)। ***utarbāri—Adj.*** form of ***utarabāri*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒰𑒩𑒲 **उतरबारी**–उतर (दे०) केर वा० रू०। FML 258। *utarabāri—**Coll.*** form o *uttara* (q.v.), northward.

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒻𑒞 **उतरबैत**—उतरब (दे०) केर अनकाधारा रूप रू०। द्विरा० १३६ (थकली **उतरबैत-उतरबैत** हुनका अङ्क बजैत गेलैन्ह)। *utarabaita—**Present*** tense passive form of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒨𑒱𑒞 **उतरयित**—उतरैत (दे०) केर अशु० रू० । पुरु० १०३ (देव म० सौ उतरयित भेलाह)। *utarayita—Err.* of *utaraita* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒪 **उतरल**—उतरब (दे०) भू० रू० । राम० १४० वि० । फल आदि अधिक पुरान वा अतिशय पाकि जेबाक कारणेँ ओकर स्वाद विकृत भए गेल हो । बहुधा अधिक आयुक कारण स्त्रिगणक सौन्दर्यक ह्रास हेतु ई शब्द प्रयोग होइछ । (उतरल सागर लंका वाथ); चित्रा १७ (बारहम उतरल तेरहम चढ़ल); नव० ४२ (इनाइ दलान परसँ उतरल आ रास्ता दिश गेल)। *utarala—Past tense* form of *utaraba* (q.v.), also *adj.* overripe (fruit) debased, tasteless, not fit to be consumed, old and decayed (beauty, youth).

𑒅𑒞𑒩𑒪𑒃𑒋 **उतरलइए**—उतरलैक अछि केर सं० रू० । नव० ६० (जर त भितरा गेलइए उतरलइए कहाँ)। *utaralaie—Coll.* form of *utaralaika achi.*

𑒅𑒞𑒩𑒪𑒯𑒳𑒿 **उतरलहुँ**—उतरब (दे०) केर० आद० उ० पुरु० रू० । धारो ५५ (बदफहाक उतरलहुँ खाट परसँ)। *utaralahũ Hon.* First person form of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒪𑒰(𑒯) **उतरला(ह)**—उतरब (दे०) केर आद० मध्य० ओ० अन्य पुरु० । मि० उ० १५७-२० (निर्मलीक उतरला घर); राम० ३१२ (उतरलाह रथ परसौं राम); मी० १७१-५ (जखन घोकार्ले उतरलाह)। *utaralā(ha)—Hon.* Second and third person form of *utarala* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒪𑒱 **उतरलि**—उतरल (दे०) केर स्त्री रू० । प्रप० १६१ (दिव्य लोकतँ उतरलि)। *utarali—Fem.* form of *utarala* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒪𑒲𑒯 **उतरलीह**—उतरलि (दे०) केर निश्च० रू० । क्रिरा० २८ (मंचसँ नीचाँ उतरलीह)। *utaraliha—Emph.* form of *utarali* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒪𑒻𑒢𑒯 **उतरलैन्ह**—उतरल (दे०) केर रू० । प्रप० ३० (बहुआसी चीकेँ दूध नहि उतरलैन्ह)। *utarlainha*—A form of *utarla* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒫 **उतरव**—उतरब (दे०) केर विक० रू० वि० पदा० मञ्जु० ४०८ (शिव की उतरव मर्जन विधि भार); राम० २१७ (कोन गति उतरब थिर नहि प्रान); मि० १५६-१६ (हर उतरब ओ चढ़ब)। *utarava—Alt.* of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒫𑒩𑒱𑒁𑒰 **उतरवरिआ**—उतरबरिआ (दे०) केर विक० रू० । मि० मा० वि० ६१ । *utarvariā—Alt.* of *utarabariā* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒫𑒰 **उतरवा**—उतरब (दे०) केर इच्छा० प्रेरणा० रू० । राम० ३०५ (वानर निकट उतरवा देहु); क्रिरा० १८१ (मोटर सँ सामान उतरवा रहल अछि)। *utaravā—Opta* and caus. form of *utarava* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒫𑒰𑒩𑒱 **उतरवारि**—उतरबारि (दे०) केर विक० रू० । धारो ६५ (पुबरिया घरक उतरवारि कोठलीमे लाइफर ओछाओल गेल छइ)। *utaravāri—Alt.* of *utarabāri* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒫𑒰𑒩𑒲 **उतरवारी**—उतरबारी (दे०) केर विक० रू० । वाणा० ३६ (एहि उतरवारी पोखरिसँ अनलहुँ)। *utaravārī—Alt.* of *utarabārī* (q.v.).

𑒅𑒞𑒮𑒩𑒑 **उतसरग**—उत्सर्ग (दे०) केर ग्रा० रू० । BPL 1450. (अभी बीआ आइ धइ नमरक उतसरगक उपलक्ष्यमे किछु दमरी भेटबाक चाही)। *utasaraga—Folk* form of *utsarga* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒯𑒰 **उतरहा**—क्रि० वि० । उत्तर दिशाक, उत्तर दिशाक रहनिहार लोकक व्यङ्ग्यात्मक नाम । [उत्तर + आहुत > हा] । तु० क० दछिनाहा; उतरहा (दे०) ओ० उतरहा; हि० उतराहाँ । व्याकरण प्रदीप १२७; (उतरहा सबहक बोलि मानि रहल अछि)। *utarahā—Adv.* Northward, Derogatory term for those residing towards the North (of Mithila).

𑒅𑒞𑒩𑒯𑒳 **उतरहु**—उतर (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० ५३८, तालपत्र नं० गु० ३०३ (उतरहु दाँबन भान दूर गेल)। *utarahu—Emph.* form of *utara* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒰𑒌 **उतराओ**—उत्तर दिशाक बेच (वायुक वा पानिक)। [उत्तर + अओ] । FML 208. *utarāo*—Flow northern side (air or water).

𑒅𑒞𑒩𑒰𑒐𑒰𑒜𑓃 **उतराखाढ़**—नक्षत्रक एक भेद । [उत्तर + आषाढ़] BPL 1082, (उतराखाढ़ नक्षत्र यदि बरसि गेल त समय उत्तम भ जाएत)। *utarākhāḍha*—A Nakṣatra.

𑒅𑒞𑒩𑒰𑒔𑒾𑒩𑒱 **उतराचौरि**—उतराचौरी (दे०) केर का० रू० । राम० लाल दास ४० । *utarācauri*—Poet. of *utarācaurī* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒰𑒔𑒾𑒩𑒲 **उतराचौरी**—उत्तर प्रत्युत्तर; प्रश्न ओ उत्तरक समान क्रम, अभिनयपूर्ण वा समकक्ष व्यक्ति द्वारा समकक्ष भावेँ प्रत्युत्तर करबाक काम । [उत्तर + आ + सं० चातुरता, चातुर्य, अथवा चर्चा] । तु० क० उकटापैँचा (दे०) । बहु० १२ (एतेक उतराचौरी करयबला खवासी बिरड़ुमे मेरा); विफला ९ । *utarācaurī*—Question and answer annoyingly.

𑒅𑒞𑒩𑒰𑒜𑓃𑒰𑒩 **उतराढ़ार**—उत्तरोत्तर नीचाँ, उतरालव । [उतरा + ढार] । (ई खेत उतराढ़ार बुझि पड़ैत अछि)। *utarāḍhāra*—Northward slope.

𑒅𑒞𑒩𑒰𑒯𑒰 **उतराहा**—उतरहा (दे०) केर शुद्ध रू० । क्रि०; FML 218. *utarāha—Correct* form of *utarahā* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒰𑒯𑒲 **उतराही**—उत्तरदिशाक (वायु) । [उत्तर + आही] ।

तु० क० उत्तरहा (दे०); शुद्ध संस्कृत उत्तराहि । *utarāhi*— North wind.

ঁউতৰাহুত **उतराहुत**—किञ्चित् उत्तर दिश झुकल वा स्थित । [उतर + आहुत] । मि० भा० वि० ५६; FML 219 *utarāhuta*—Inclined slightly towards the north.

ঁউতৰি **उतरि**—उतरब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । राम० ३४ (पहुसओ उतरि बोलब बलि अइसन) पुरु० २९ (घोड़ा सौं उतरि समीप जाय); प्रण० ९ (नीचाँ उतरिक देखैत छी त दरबान ठाढ़ अछि); मधुश्रावणी १०७; पारो ३४ (भार उतरि गेला सँ मायक मन हल्लुक भए गेल छैक) । *utari*—*Part.* form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰিঅ **उतरिअ**—उतरब (दे०) केर प्रेरणा० का० रू० । राम० ८६ (सभजन क्रम-क्रम उतरिअ आव) । *utaria*—P. F. *Caus.* form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰিত(তৈ)হি **उतरित(तै)हि**—उतरि (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० १३३ (काशी स्टेशन पर उतरितहि); कोबरगीत ३ । *utarita(tai)hi*—*Emph.* form of *utari* (q.v.).

ঁউতৰী **उतरी**[1]—उतरब (दे०) केर भवि० रू० । राम० ६३ (गङ्गतीर उतरी जखना) । *utarī*[1]—*Future* tense form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰী **उतरी**[2]—जनउ सदृश श्राद्धादिमे कपड़क बनल द्वितीय वस्त्र [सं० उत्तरीय] । तु० क० पा० उत्तरीय; प्राकृ० उत्तरीअ; उ० उतुरि; गु० उत्री; म० उत्तरि; प्रा० सि० उतिरिक । BPL 1418; (उतरी पहिरि ब्राह्मणबत रहबाक चाही) । *utarī*—A sacred threadlike cloth worn in the *śrāddha* ceremony, a napkin.

ঁউতৰে **उतरे**—उतर (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५५, नेपाल १८३, तालपत्र न० गु० २६६, अ० २५६ (जनि सुरसरि उतरे उघाउलि) । *utare*—*Coll.* of *utara* (q.v.).

ঁউতৰৈ **उतरै**—उतरैत (दे०) केर धा० रू० । प्रण० १७८ (स्टेशन आबि गेलौह उतरै जाइ) । *utarai*—*Coll.* form of *utaraita* (q.v.).

ঁউতৰৈক **उतरैक**—उतरब (दे०) केर अना० भू० रू० । पारो ६४ (कतहु अल्हुआ चढ़ैक त मकइ उतरैक) । *utaraika*—*Past* tense nonh. form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰৈত **उतरैत**—उतरब (दे०) केर वर्त्त० रू० । प्रण० ११ (जाहिना उतरैत छी) । *utaraita*—*Present* tense form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰো **उतरो**—उतरहु (दे०) केर बा० रू० । वि० ने० २७२ (पहिलाहु जके हसी उतरो न देसी); वि० पदा० मजु० ३१९ (हसि पडु उतरो न देल रे) । *utaro*—Emph. Of *utarahu* (q.v.).

ঁউতৰোল **उतरोल**—हल्ला वा आवाज करब । तु० क० [सं० उत्तराकुल अथवा उतर + ओल] । तु० क० घोल । वि० पदा० मजु० ४७, नव० गु० ८८, अ० ८८ (आकुल अति उतरोल) । FML 237. *utarola*—*Obs.* Making a noise.

ঁউতৰ(ৰঁ)গ **उतर(रं)ग (ङ्ग)**—उत्तर सँ अबैत बसात । [सं० उतरङ्ग] । FML 198; मि० भा० वि० ६१; व्याकरण प्रबोध १२७ । *utara(ṅ)ga (ṅga)*—Wind coming form the north side.

ঁউতান **उतान**—वि० । पीठकेँ आधार पर राखि सूतब, चित्त; छाती तानल । [सं० उत्तान] । तु० क० हि०, ने०, बं० अस०, राज० उतान; प्रा० उत्ताण; प्राकृ० उत्ताण; प० उताणा; गु० उताणो; म० उताणा । नौ० १३१–४५ (जे उतान भै चलैत अछि तकरहि खसबाक भय रहैत छैक); पारो ६६ (मुड़लि पारो उतान पड़ल अछि); रंग० ६६ (फलभारसमन्विता लता उतान छथि); गोधूलि ५१ । रतिकर्म हेतु तत्पर होएब (ढैंआ ने कौड़ी उतान हो गे छौँड़ी) । *utāna*—*Adj.* Lying on the back, supine.

ঁউতাপ **उताप**—उष्णता, ताप, ज्वर । [सं० उत्ताप] । तु० क० राज०, ने०, बं०, गु० उताप; म० उताप । *utāpa*—Heat, excitement, fever.

ঁউতাৰ **उतार**[1]—ढार, नीचाँ, उतरबाक क्रिया, अवनति, क्रमिक पातर ढरकाह । [उतारब] । तु० क० उतार-चढ़ाव । मि०; मोदलता २४७; धातुपाठ ६५; (उतार चढ़ाव देखब) = नीक बेजाए देखल, जीवनक अनुभव भेनाइ; मौ० १७४-४४ (बहुधा उतार जकाँ रहैत छैक) । *utāra*—To slope down, the act of getting down, proportionately thin.

ঁউতাৰএ **उतारए**—उतारब (दे०) केर क्रियान्विता क्रिया रू० । प्रण० ६४ (क्रोध जमाए पर उतारए लगलीह) । *utāaae*—Infinitive form of *utāraba* (q.v.).

ঁউতাৰথি **उतारथि**—उतारब (दे०) केर मध्य० ओ अ० पुरु० । न० ५६ (अपन भाभी पर उतरथि) । *utārathi*—*Second* and third person form of *utāraba* (q.v.).

ঁউতাৰনে **उतारने**—उतारब (दे०) केर भू० रू० । द्विरा० २७ (अपना हृदयमे उतारने जाइत छलाह); नव० २० (अपना जिनगी मध्य वेश उतारने छलि) । *utārane*—*Past* tense form of *utāraba* (q.v.).

ঁউতাৰব **उतारब**—क्रि० । कोनो वस्तुकेँ उपरसँ नीचाँ खसाएब, प्रतिलिपि करब । [उत + तृ + णिच्] । तु० क० हि० उतारना; उर्दू उतराइबा । BPL 1920; मि०; (आइ सकल कापीमे अंगरेजीक कविता उतारब) । *utāraba*—*V.* To copy out, to lower down.

ঁউতাৰয়ে **उतारये**—उतारए (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा० मजु० ७०, पण्डित बाबा जी पोथी १०४ (चुनु-चुनु कए उतारये माथ) । *utāraye*—*Coll.* of *utārae* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒪 **उतारल**—उतारब (दे०) कैर भू० रू० । श्रीकृष्ण केलिमाला १२ (लप लिसु पर उतारल तारल लन दुख रे); मणि० १७१ (पं० जी अत्माक उतारल भेलाह) । *utārala—Past* tense form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒪𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 **उतारलथिन्ह**—उतारब (दे०) कैर मध्य० पुरु० आदर० रू० । मणि १४० (बापक सीस देहापर उतारथिन्ह) । *utāralathinha*—Second person hon. form of *utārala* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒰 **उतारा**—चिट्ठीक जवाब, उत्तर (दे०) कैर ग्रा० रू० । BPL 1457; FML 78. (अओ बौआ, तेना भके चिट्ठी के उतारा जल्दी पठा दिअह) । *utārā—Folk* form of *uttara* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒱 **उतारि**—उतारब (दे०) कैर पू० क्रि० रू० । चन्द्र० ५६ (लेतीह माथा के उतारि); मौ० ६७–१९ (उतारि लै पहलीक); पुरु० ३६ (पश्चात चोरकेँ राज्य पदसँ उतारि); प्रबो० ५ (केबाक पदसँ उतारि) । *utāri—Part.* form of *utārab* (q. v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒴 **उतारू**—उतारब (दे०) कैर आज्ञा० रू० । तैयार, उद्यत, तत्पर । [उतार+ऊ] । तु० क० हि०, भोज०, राज० उतारू । प्रबो० २६८ (आब ई साथ उतारू); (उतारू हएब)=तैयार होएब । *utārū—Imp.* form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒻 **उतारै**—उतारए (दे०) कैर विक रू० । पारो ३० (अपन उतारै छिथि) । *utārai—Alt.* Of *utārae* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒻𑒞 **उतारैत**—उतारब (दे०) कैर वर्त० रू० । प्रबो० २६ (कोष दुनके पर उतारैत जवाब देलथिन्ह) । *utāraita—Pres.* tense form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒯𑒳𑒪 **उताहुल**—वि० । आतुर, उत्सुक, उग्र । [सं० उत+सं० आकुल अथवा IAL Turner उत्तापन>हि० उतावल>उताहुल] । हि० उतावला; प्राकृ० उत्तावल लह० उताउला; काश्मीरी तुलातुल; प० उताउला कुमा० उताउलो; मरा० उतला; ब० उतला; गु० उताववुँ, न० उतावला; उतावील । (एहेन किएक उताहुल छी अहीँ क बासी ओरिआओन भए रहल अछि) । *utāhula—Adj.* Eager, impetuous.

𑒅𑒞𑒱𑒧 **उतिम**—उत्तम (दे०) कैर ग्रा० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १२८, नेपाल ४६, न० गु० रागपत्र ७१६, अ० ८१६ (उतिम वचन बेभिचार नहि) । *utima—Folk* form of *uttama* (q.v.).

𑒅𑒞𑒳𑒓𑓂𑒑𑒞𑒧 **उतुङ्गतम**—वि० । सभसँ ऊँच (शिखर) । [सं० उत्तुङ्ग+तम] । सहरफानी ६२ । *utuṅgatama—Adj.* Greatest height.

𑒅𑒞𑒹𑒖𑒪 **उतेजल**—उत्तेजित (दे०) का० रू० । मा० का० २१४ (मदन हिय उतेजल मोर) । *utejala—Poet.* of *uttejita* (q.v.).

𑒅𑒞𑒹𑒛𑓃(𑒛𑓃𑒱) **उतेढ़(ढ़ि)**—बाप पुरखाक नाम वा नामावली; वंशावली । [सं० उत्तर+सं० पद] । तु० क० अघेढ़, उत्तरीत्तर [सं०] । चन्द्र ७ प० ४२ (कतहु न पाबिअ शिबक उतेढ़ि); मिहि० ४ (२–६१–४३); कथा० ४० (उतेढ़ि लिखबा योग्यता न भेल) । *utedha(dhi)*—Genealogy.

𑒅𑒞𑓀𑒑 **उतँग**—उत्तुङ्ग कैर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ५५८ (कुचजुग फनल उतंग भार उर); मि० वि० १५६ (उन्नति उतँग कच छपा भोर बरसै) । *utãga—Poet.* of *uttuṅga.*

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒙 **उत्कट**—वि० । तीव्र, तेज, दुःसाध्य विषय, अधिक, अधिक । [सं० उत्+कट] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज० उत्कट, प्राकृ० उक्कड; उक्कड काश्मीरी उक्टो । राम० १६० (राक्षस राक्षसि सौ गहल उत्कट प्रास देखाय); मै० हि० सा० (३-४)–१६ (उत्कट कलाकल देखि); मि० अदा० ५०–२० (कोनो उत्कट भाव सँ आच्छन्न होइछ); कहु० २१ (माछक उत्कट गन्धे सिद्ध कौइ ये); अम० २४ (ई तीनि उत्कट गरपीक नाम) । *utkaṭa—Adj.* Excessive, fierce, sharp.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚 **उत्कण्ठ**—वि० । प्रा० रू० । उत्कण्ठासँ भरल कण्ठ, उत्सुकता सँ परिपूर्ण । [सं०] । तु० क० बं० उत्कण्ठ प्राकृ० उक्कंठ; प्रा० गु० उकाँटिउँ । वर्ण० २६ (उत्कण्ठकर्म) । *utkaṇṭha—Adj.* Having the neck uplifted.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚𑒰 **उत्कण्ठा**—प्रबल इच्छा, तीव्र अभिलाषा, जल्दी करबाक अभिलाषा । [सं०] तु० क० बं०, अव०, असा०, राज०; उत्कण्ठा; हि० उत्कंठा, प्राकृ० उक्कण्ठा; प्राकृ० उक्कंठा; सिंह० ऊकट सि० उकण्ठा; प्रा० गु० उकांठवुँ । वर्ण० १५ (शीतल उत्कण्ठा); राम० १०८ (आज धन्य भेल हमरो भाग, प्रभु दर्शन उत्कण्ठा लाग); मौ० १००–१८ (उत्कण्ठा ही तँ कहू ?) । *utkaṇṭhā*—Longing, excessive desire.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚𑒱𑒞 **उत्कण्ठित**—वि० । उत्कण्ठासँ भरल, अभिलाषासँ ओतप्रोत । [सं०] । तु० क० हि० उत्कंठित; बं०, असा०, ने०, अव०, राज० उत्कण्ठित; प्राकृ० उक्कंठिन गी० ९० १ अमर ६६ (पुनः उत्कण्ठित करत कोर); राम० ३६ (उत्कण्ठित दर्शन बिनु नयन); पुरु० २१६ (तनिक समागम उत्कण्ठित अछि); मै० हि० सा० (८–१२) २० उत्कण्ठित पुरवासी) । *utkaṇṭhita—Adj.* Full of longing or desire.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚𑒱𑒞𑒰 **उत्कण्ठिता**—नायिकाक भेद, अभिलाषासँ वा उत्सुकतासँ भरल स्त्री, संकेत स्थान पर स्वामीकेँ नहि अएला पर वा नहि भेला पर सोचनिहारि नायिका । [सं०] । तु० क० हि०, राज०, उत्कंठिता । पुरु० २०५ (स्वाधीनभर्तृका अभिसारिका उत्कण्ठिता) । *utkaṇṭhitā*—A woman longing after her absent husband or lover.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒧𑓂𑒣𑒱𑒞 **उत्कम्पित**—वि० । थरथराएल, कम्पित,

चंचल। [सं०]। तु० क० बं० उत्कम्पित। उत्तर राम० १४। *utkampita—Adj.* Trembling.

उत्कर्ष **उत्कर्ष**—उन्नति, प्रचुरता, अधिकता, समृद्धि, प्रशंसा [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, उत्कर्ष; पा० उक्कंस, **ओअक; प्राकृ० उक्कस्स, ओकस, ओकरिस** सि० **उकस, ओअह**; राम० १०८ (बहुत हर्ष उत्कर्ष मन); पुरु० ६ (हुनक स्तुति **उत्कर्ष** हमरा आगाँ करैछी); खट्ट० ५ (भाइ बन्धुक **उत्कर्ष** देखि); मै० हि० सा० १६ (खेतक बहुत उत्कर्ष देखि पड़य);); चित्रा २ (छल अहाँक **उत्कर्ष**)। *utkarṣa*—Excellence, improvement.

उत्कलिका **उत्कलिका**—कनिओ कली, भाव प्रकट मेल फूल, उत्कण्ठा, फूलक कली, मकड़ा जे घरमे जाल बनबैत अछि; नीचाँ बहएबला वायु; तरंग, लहरि। [सं० अथवा प्राकृ० उक्कलिया]। तु० क० राज०, हि० उत्कलिका। अम० ४८,२८१, एकावली परिणय ११८। *u'kalikā*—Spider, bud turning into a flower; wind blowing low, suppressed desire.

उत्कत्वादि **उत्कत्वादि**-"उत्क" (उत्कण्ठित) नायकक भाव आदि। [सं०]। का० प्र०। मिहि० ३३-१३-१३ (उत्कत्वादि नायकक जौं भेद मानि ली तैं की हानि?)। ***u'katvādi***—*P.F.* "Uta" etc. of a hero in āhitya Sāstra.

उत्का **उत्का**—उत्कण्ठिता (दे०) केर संक्षिप्त रू०। [सं०]। मिहि० ३३-७-१२ (उत्का कलहान्तरिता, विप्रलब्धाक नाथ नहि जाथि विदेश)। ***utkā—Short*** form of ***u'kanṭhitā***.

उत्किरना **उत्किरना**—बड़ विशिष्ट कार्य करबाक मान्यता (बहुधा कटाक्ष में प्रयुक्त शब्द)। [उत्कीर्ण]। ***u'kiranā***-Highly appreciable work, fit to be inscribed on a stone, fame, often ironically used for a so-called remarkable achievement.

उत्कीर्ण **उत्कीर्ण**—वि०। पाथरपर खोधल। [सं०]। मिहि० ३८-२-१० (कर्मादित्यक नाम उत्कीर्ण अछि)। *utkīrṇa—Adj.* Inscribed.

उत्कृष्ट **उत्कृष्ट**—वि०। उत्तम, नीक, श्रेष्ठ, नीक गुण युक्त। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव० उत्कृष्ट। मिथिला १-२४७ (पाश्चात्य सभ्यताक उत्कृष्ट अनुकरण में गनब); मो० १७१-३२ (हिनकहु लोकनिसँ उत्कृष्ट भेलाह); खट्ट० १ (सभसँ उत्कृष्ट पदार्थ यैह थिक)। ***u'kṛṣṭa—Adj.*** Excellent or superior quality.

उत्क्रान्ति **उत्क्रान्ति**—क्रमशः उत्तमता ओ उच्चता दिशि प्रवृत्ति। [सं०]। तु० क० हि० उत्क्रान्ति। एकावली परिणय १३६। ***u'krānti***—Evolution.

उत्कोच **उत्कोच**—कार्य प्रतिबन्ध दूर करबाक निमित्त देल गेल वस्तु, घूस, अपप्रदान। [सं० उद्+कुच+अक]। तु० क० बं० **उत्कोच**। अम० ३३३; एकावली परिणय १२१ (उत्कोचो); मि० २३८ (ओ **उत्कोचित** भेलाह)। ***u'kroca***—Bribe.

उत्तप्त **उत्तप्त**—वि०। अति ताप वा गर्मीसँ युक्त, अति उष्ण, बड़ तपत। [सं०]। तु० क० अस०, बं०, ने० **उत्तप्त**; म० उतवुजे पा० उत्तत्त प्राकृ० उत्तत्त। भारती १३ (मानल त्रे अहाँ त्यागन्हि छी, **अत्तप्त** छी, पीड़ित छी)। *uttapta—Adj.* Heated, molten.

उत्तम **उत्तम**—वि०। सबसँ नीक, श्रेष्ठ, विशिष्ठ। [सं०]। [सं० उत्+तमप]। तु० क० हि०, बं०, अस०; ने० अव०, भोज० राज० **उत्तम**। वर्ण० ६४ (**उत्तम** योनि निर्व्वह); गो० शृ० १ अमर २६ (पुरुषोत्तमक प्रेम परिरम्भल); राम० ७३ (से थिक **उत्तम** बालक); द्विरा० ११ (अहाँ सन **उत्तम** कियो नहि); मो० २७-१ (**उत्तम** शिक्षा हेतु); पुरु० १६१ (**उत्तम** कुल मे जनमथि जाय); मि० उद० १५७-१२ (**उत्तम** पुरुष बुझैत छथि); प्रण० १०८ (ताहिसँ **उत्तम**); नव० ७६ (बोनिमे **उत्तम** दाना देअबइक)। *uttama—Adj.* Exalle..t, best.

उत्तमहा **उत्तमहा**—वि०। उत्तम प्रभेदक। [उत्तम+अहा] मि० भा० वि० ७०,७२। *uttamahā—Adj.* Of best quality.

उत्तमा **उत्तमा**—**उत्तम** (दे०) केर स्त्री० रू०। वर्ण० २७ (**उत्तमा** वसन्तसेना नामे वेश्या देधु); पुरु० २१५ (वेश्या जनि **उत्तमा** स्वभाव)। *uttamā—Fem.* Form of *uttama* (q.v.).

उत्तमाङ्ग **उत्तमाङ्ग**—मूड़ी, माथ, सिर, श्रेष्ठ अङ्ग। [सं०]। तु० क० बं०, असं०, ने०, अव०, हि० **उत्तमाङ्ग**। अम० १४५ (**उत्तम**ङ्ग शिरस्)। *uttamānga*—Head.

उत्तमांश **उत्तमांश**—वि०। नीक अंग वा भाग, बढ़िया हिस्सा वा बेखरा। [सं० उत्तम+अंश]। मि० मित्त ४०१ (जैह हमरा लोकनि **उत्तमांश** सैह हीनताक हेतु बुझि पड़ैछ)। *uttamāṁśa—Adj.* Best part.

उत्तमोत्तम **उत्तमोत्तम**—वि०। नीकोसँ नीक, बढ़ियाँ सँ बढ़िया, श्रेष्ठोसँ श्रेष्ठ। [सं० उत्तम+उत्तम]। तु० क० हि० **उत्तमोत्तम**। मि० ३६६ (हाथ **उत्तमोत्तम** ओकर भूषण आओर कुशास्तरण आदिक सहित हुनक मञ्चाय आगे राखल)। *uttamottama—Adj.* Excellent, good.

उत्तमौजा **उत्तमौजा**—पाण्डव पक्षक एक वीरकेर नाम। [सं०]। तु० क० असं० **उत्तमौजा**। (उत्तमौजा महाभारतक लड़ाइमे वीर गति प्राप्त कएलक)। *uttamaujā*—Name of a brave warrior on the side of the Pāṇḍavas in the Mahābharata war.

उत्तर **उत्तर**—कोनो प्रश्न वा कहल गेल विषयकें [illegible] कहल गेल वक्तव्य, जबाव, प्रतिवचन, प्रतिकार, अधर, [illegible] दिशाक ठीक सामने दिशा जाहि दिशि ध्रुवताराक स्थान अछि, [illegible] [सं० उत्+तृ-अप] तु० क० हि०, बं०, अस० ने० [illegible]

राज०, पहू०, म०, पा०, प्राकृ० प० तद्० उत्तर; लाहु० उतल, पं० उत्तला; काश्मीरी वोतुर; उ० उतरा । वि० ने० ११४ (प्रथम भागों सुख उत्तर दर छाड़ल), गी० ५० । आम० १५ (उत्तर न पाद राह सखि कुंजवि राह निवर उपनीत); राम० २१ पुछछ उत्तर मौने रहत; बाल० राम० ७ (उत्तर दक्षिण मदभि विपर्यय भय गेल सृष्टि); वि० प० २४ (उत्तर विधिन गोना); म्या० विद्या० १४० (उत्तर सुन्दर); मै० हि० सा० २ (प्र० १–१–१) (उत्तर पश्चिम); प्रयु० ४ (पाहुन के उत्तर दैत बैसाइ) । *uttara*—The North, an answer, reply.

उत्तरकाण्ड—रामायणक एक भाग वा काण्ड । [सं०] । वि० ने० ५६ (लङ्काकाण्ड, उत्तरकाण्ड पर्व सब) *uttarakāṇḍa*—A part of *Rāmāyaṇa*.

उत्तरदाता—वि० । जो व्यक्ति जे उत्तर दिअए, जवाबदेह । [सं० उत्तरदातृ] । तु० क० हि०, बं०, राज०, उत्तरदाता । गी० २६–२०–२२ (उत्तरदाता किछु गीतालकुक उद्योग, वह पठाओबि) । *uttaradātā*—A man who gives an answer.

उत्तरदायित्व—भार, जवाबदेही, जिम्मेदारी । [सं०] । तु० क० हि० उत्तरदायित्व । पानी २८ (उत्तरदायित्व क बीच ओर भावीक प्रति अनिश्चितता); अ.मक० १२ (एहन उत्तरदायित्व हीन ओ बुद्धिमान युवकक संग आदमी नीक ना बेराय) । *uttaradāyitva*—Responsibility.

उत्तरपक्ष—कोनो वाद-विवाद में वा शास्त्रार्थमे जो सिद्धान्त स्थापित पहिल पक्ष अर्थात पहिने कएल गेल निरूपण वा प्रश्नक खण्डन एवं समाधान होइक, दोसर पक्ष वा पक्ष । [सं०] । तु० क० हि०, मै० उत्तरपक्ष । उत्तर पूजा = पक्षान्तिका पूजा । किरा० १६४ (कोनो उत्तरपक्ष करबाक साहस नहि पड़लैन्ह) । *uttarapakṣa*—Conclusion (in logic).

उत्तरपत्र—जवाबी कागत परीक्षार्थीक उत्तर पुस्तिका वा चिट्ठी । [सं०] । गी० ६०–१८ (उत्तरपत्र देखामे मैदीन छलैह) । *uttarapatra*—Reply letter or paper, answerbook.

उत्तरा—अभिमन्युकेर स्त्री । [सं०] तु० क० हि०, बं०, उत्तरा । (उत्तरा एक पतिव्रता नारी छलीह) । *uttarā*—Wife of Abhimanyu.

उत्तराधिकार—कोनो वस्तुक अधिपति, स्वत्व, सम्पत्ति प्राप्तिक अधिकार । [सं०] तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज०, आ० उत्तराधिकार । नव० १३ (विधवा तालुक उत्तराधिकार स्वरूप बीसा भारिक कोन भेटल निरिबती छलहन्हि) । *uttarādhikāra*—Heirship.

उत्तराधिकारी—जो व्यक्ति ककरा ककरो मुइला पर वा हटला पर सम्पत्तिक अधिकार होइक । [सं०] । तु० क० बं०, हि०, राज० । उत्तराधिकारी । नव० ५६ (अपना मातामहक उत्तराधिकारी छलाह) । *uttarādhikārī*—Heir.

उत्तरायण—सूर्यक उत्तर दिशा दिशि गमन करबाक समय, पवित्र समय । [सं० उत्तरायण] । तु० क० हि०, राज०, मरा० बं० ने० उत्तरायण । राहू० ६२ (गर्भमे आनो उत्तरायण मे जैताह) । *uttarāyaṇa*—The progress of the sun to the North of the equator.

उत्तरार्द्ध—पुस्तकक आधा भाग । [सं०] । तु० क० हि० उत्तरार्द्ध; राज० उत्तरारध । पुरु० १५ (पुस्त अवश्य उत्तरार्द्ध सौ), कथा० ६२ (एहि वचनक उत्तरार्द्धक मानवीय छलैह) । *uttarārdha*—The latter half.

उत्तरिअ—उत्तरि (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता ४३ (एक ठाम उत्तरिअ ठाम दस मारिअ पाई) । *uttaria*—*Avahaṭṭha* form of *uttari* (q.v.).

उत्तरी—उत्तरी (दे०) केर विक० रू० । तु० क० बं०, असा०, उत्तरी । [सं० उत्तरीय] राम० १४० (बाघक खाल उत्तरी कटि) । *uttarī*—Alt. form of *uttari* (q.v.).

उत्तरीय—द्वितीय वस्त्र, दोसर कपड़ा जे पूजा आदिमे कन्हा पर राखल जाइछ । [सं०] । तु० क० बं०, हि०, असा० उत्तरीय । उत्तर राम० ७५ । *uttarīya*—Second (upper) garment (worn at the time of worship).

उत्तरीयपट—पाटक द्वितीय वस्त्र (पट वस्त्र उपरका) । [सं०] । वर्ण० १२ (पहमर धोती उत्तरीयपट आदर्श आनि उपनीत कर) । *uttarīyapaṭa*—Second garment of silk (*pāṭa*) (paṭṭavastra).

उत्तरो—उत्तरहु (दे०) केर ग्रा० रू० । मि० ११ (अतएव एहि वर्ष उत्तरो दिसमे प्रतिपक्ष नाम) । *uttaro*—Coll. form of *uttarahu* (q.v.).

उत्तरोत्तर—क्रि० वि० । क्रमशः, एकेर बाद दोसर, लगातार, आगां आगां । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा० ने०, उड़ि०, राज०, गुज० उत्तरोत्तर । मि० मिथ ७१ (दिवाकर उत्तरोत्तर बढ़य लगलाह); रंग० १५ (परन्तु उत्तरोत्तर कमजोरी बढ़ैत गेल) पुरु० २६१ (क्रमश उत्तरोत्तर तृष्णा सौं पराभूत चिन्ता करत) । *uttarottara*—*Adj.* Gradually, progressively.

उत्तान—वि० । पीठक भरे, छाती दिसु ऊँच कएल, चित, सोझ । [सं०] । तु० क० उत्ताण (दे०); हि०, बं०, असा०, ने०, मरा०, राज०, पा० उत्तान, पा० ओछ्य; प्राकृ० उत्ताण; प० म० उताण । वर्ण० १० (षोडश प्रकारक उत्तान); असा० ५७ उत्तान ई अवस्थाक नाम); किरा १६० (देखियौ त कोना उत्तान बेलि छथि) । *uttāna*—*Adj.* Supine.

उत्तानपाद—स्वयंभुव मनुकेर पुत्र तथा भक्त ध्रुवकेर पिताक नाम । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, मरा०, राज० उत्तानपाद । (उत्तानपाद एक धैर्य कोटिक विचारवान राजा छलाह) । *uttānapāda*—The name of Dhruva's

father.

उत्तानासन **उत्तानासन**—विभिन्न प्रकारक आसनक एक उत्तान होएबाक आसन। [सं०]। प्रश० २४० (उत्तानासन आदि नाना प्रकारक आसन करैत)। *uttānāsana*—A kind of supine *āsana*.

उत्ताप **उत्ताप**—गर्मी, ताप, कष्ट, दुख, उष्णता। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० चेत्ताप; उ० उता, अपेता; सिं० ओताऊ; सावन भादो १३; जगन्नाथपुरी यात्रा १७। *uttāpa*—Heat, excitement.

उत्तारथि **उत्तारथि**—उतारथि केर अशु० रू०। पुरु० १०० (देवगृह उपर सँ उत्तारथि)। *uttārathi*—*Erro* for of *utārathi* (physical exercise).

उत्ताल **उत्ताल**—वि०। उत्कट, भयानक, श्रेष्ठ, ऊँच, त्वरित। [सं०]। तु० क० बं०। राज० **उत्ताल**। अकबरनामा ७०; आमक० ६१ (ओकर **उत्ताल** तरंग माटिक दुर्बल किनारेकेँ कसि कसिक थापड़ लगा रहल छलैक)। *uttāla*—*Adj.* Great, strong, high, elevated.

उत्तिम **उत्तिम**—उत्तम (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ७६ (बोलति बोल **उत्तिम** पए राख); वि० पदा० म० ७८, रामभद्रपुर पोथी ३११ (उत्तिम वचन जदि बिहुचर आओर की अपराध)। *uttima*—*Poet.* of *uttama* (q.v.).

उत्तीर्ण **उत्तीर्ण**—क्रि वि०। पार भए जाएब, परीक्षामे सफल, मुक्त। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **उत्तीर्ण**। राज० **उत्तीरण**। छिरा० १६७ (आब जाहिसँ हम **उत्तीर्ण** होइ से अहींलोकनिक हाथ मे अछि); खट्ट० ४३ (अग्नि परीक्षामे **उत्तीर्ण** भए चुकलि छथि); पुरु० १११ (समुद्रसौं **उत्तीर्ण**)। *uttīrṇa*—*Adv.* Having crossed, passed in the examination, overcome.

उत्तीर्णाह **उत्तीर्णाह**—क्रि०। पार कएलक। प्रा० लु० प्र० [उत्तीर्ण + आह]। वर्ण० ३० (लङ्का उत्तीर्णाह)। *uttīrṇāha*—*V. Obs.* Have crossed.

उत्तुङ्ग **उत्तुङ्ग**—वि०। बहुत ऊँच, सबसँ ऊँच। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने०, अव० **उत्तुङ्ग**। हि०, रा० उत्तुङ्ग; गु० उत्तङ्ग। वर्ण० ४ (पीन कठिन **उत्तुङ्ग** वि० पदा० मजु० १८७, न० गु० ताल-पत्र ७८, (**उत्तुङ्ग** पीन पयोधर उपर); चयनिका ४३। *uttuṅga*—*Adt.* High, lofty.

उत्तेजक **उत्तेजक**—वि०। उत्साहित करएवला, उसकाबए वला, प्रेरित करएवला, बढ़ौनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उत्तेजक**। खट्ट० २० (माछ माँस **उत्तेजक** पदार्थ होइत अछि)। *uttejaka*—*Adj.* Instigator, stimulator.

उत्तेजन(ना) **उत्तेजन(ना)**—प्रेरणा, प्रोत्साहन, आगू बढ़एबाक क्रिया। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उत्तेजना**। (उत्तेजनामे आबिकए हम सभ कार्य त्वरा मित्तमे क' लेल। *uttejana(nā)*—Excitement, encouragement.

उत्तेजित **उत्तेजित**—वि०। प्रेरित, उत्साहित, पुनः पुनः आवेशित। तु० क० राज० **उत्तेजित**। प्रश० ४० (अधिक **उत्तेजित** भ कार्य नहि करथि)। *uttejita*—*Adj.* Encouraged, excited.

उत्थर **उत्थर**—वि०। अल्प गहींड़। [प्राकृ० ओत्थर> उत्थर]। मि० भा० वि० ४६; गद्य चन्द्रिका ७६; अम० ५७ (ई उत्थर नाम)। *utthara*—*Adj.* Slight deep, superficial, shallow.

उत्थान **उत्थान**—उन्नति, आरम्भ, बढ़ती, उठबाक कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव, राज० **उत्थान**। मो० ६७–१७ (**उत्थान** कैने छथि; कन्या २१ (तै ई कथा **उत्थान** कए देल); शतदल ६०; धातु शब्द ३३। *utthāna*—Improvement, increasing, the act of standing.

उत्थापन **उत्थापन**—उपर उठाएब, हिलाएब, उक्ति, उल्लेख। [सं०]। तु० क० हि०, अस०, अव०, राज०, ने० **उत्थापन**। मो० १०३–१० (शङ्काक **उत्थापन** करैत छथि)। *utthāpana*—The act of proposing or mentioning

उत्थापित **उत्थापित**—वि०। उल्लेखित, संकेतिक, उपर उठाओल। [सं०]। रामायण शिक्षा १। *utthāpita*—*Adj.* Proposed, what comes to stand up.

उत्थित(ति) **उत्थित(ति)**—वि०। आधारपरसँ उठल, ठाढ़, उत्पन्न, उद्गत। [सं०]। तु० क० हि० अस० **उत्थित**। मिथिला तत्व विमर्श पूर्वार्द्ध २२४; पुरु० २०४ (उत्थिति (? अशु० स्त्री० रू०) जेहनि तेहनि सनि रानी)। *utthita*—*Adj.* Risen.

उत्पटांग(ङ्ग) **उत्पटांग(ङ्ग)**—वि०। असङ्गत, युक्तिसङ्गत नहि, अनुचित। [सं० उत्पात > उत्पाट + आङ्ग]। तु० क० **उटपटांग** (हि०) (एना उत्पटाँग किएक उत्तर दए रहल छी)। *utpatāga* (*āṅga*)—*Adj.* Improper, topsy turvy.

उत्पत्ति **उत्पत्ति**—उपजा, जन्म, उत्पन्न, उद्गम, आरम्भ, सृष्टि, शुरू। ? [सं० उत् + पत्–क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज०, भोज० **उत्पति**; पा० उत्पत्ति; काश्मीरी दोपथ; सिंहा० उत्पति; लहन्दा उपत; सि० **उपत**। वि० पदा० मजु० १; राग० ८६, न० गु० (हर) १ अव० ६११ (नारायन वर कमला कहिए के जान **उत्पत्ति** तंरी); राम० ६२ (ई **उत्पत्ति** बाल्मिकीसँ थीक); राम० बालकाण्ड ६ (कारन उत्पत्ति स्थिति नाश माया वाहर माया वास); मि० उदा० १५८–१० (एकर **उत्पत्ति** कर्त्ता); खट्ट० २ (सांख्य दर्शनक **उत्पत्ति** भेल अछि)। *utpatti*—Origin, source.

उत्पन्न **उत्पन्न**—वि०। जनमल, उद्भूत भेल, कमाएल, अर्जन। [सं० उत् + पद्—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०,

मैथ०, राज०, भोज० उत्पन्न । श्री कृष्ण जन्म रहस्य २५ (उत्पन्न भेलैन बड़ चौविस बलित प्रताप ओ); राम० ११० (करि उत्पन्न कुल दुख दान); मि० ६ (एहि पृथ्वीमे उत्पन्न होइछाइ); मै० हि० सा० १०९ (सब ठमाई उत्पन्न भेल); प्रवा० २०७ (बहिन भाय किछक नहि हारल होइत हैत); पारो ३६० (अकस्मात उत्पन्न भए गेल अछि) । *utpanna*—*Adj.* Created, produced, born, gained.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰 **उत्पन्ना**—उत्पन्न (वि०) केर स्त्री० रू० । कुस० १०६ (शुद्ध कुल उत्पन्ना पतिव्रता थिकहुँ) । *utpannā*—*Fem.* form of *utpanna* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰𑒯 **उत्पन्नाह**—क्रि० । तृ० पु० । उत्पन्न भेलाह, जनमल, उदगत भेल । प्रा० रू० । [उत्पन्न + आह] । वर्ण० ३० (बेहारि सँ कहि उत्पन्नाह) । *utpannāha*—*V. Obs.* Was born.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒱 **उत्पन्नि**—उत्पन्न (वि०) केर स्त्री० रू० । राम० ३२६ (सर्पनिका भेलि उत्पन्नि) । *utpanni*—*Fem.* form of *utpanna* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒞𑓂𑒨𑒩𑓂𑒟𑒏 **उत्पत्यर्थक**—क्रि० वि० । उत्पत्ति अर्थक वा विषयक, उद्भव अर्थक । [सं०] । मैथिली ६२ । *utpatyarthaka*—*Adj.* Relating to origin.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒪 **उत्पल**—नीलकमल, कमल, [सं० उद् + पल-अच्] । तु० क० हि०, बं०, उड़ि०, नै०, अव०, राज०, भोज० उत्पल; पा० उप्पल; प्राकृ० उप्पल । वर्ण० २६ (दशाड्गुल उत्पल पत्र), राम० ११७ (उत्पल कमल कुमुदक पात); नाम० ६३ (उत्पल कुवलय); व्याला ५ । *utpala*—Lotus, blue lotus.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒪𑒱𑒢𑒲 **उत्पलिनी**—कमलिनी, कमलक समूह, पद्मिनी । [सं० उत्पल + इनि + ङीप्] । तु० क० हि०, बं० उत्पलिनी । वर्ण० ४४ (उत्पलिनी भेद नीक) । *utpalinī*—Lotus, a group of lotuses.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒗𑒢 **उत्पाटन**—क्रि० । उखाड़ब, कोनो वस्तु कें माटि सँ कोड़िकें बाहर करब, उन्मूलन । [सं० उद् + पट + णिच् + ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० उत्पाटन । (कुशोत्पाटन सत्कर्म एक केर मिथिलामे होइत अछि) । *utpāṭana*—*V.* Uprooting.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒗𑒱𑒞 **उत्पाटित**—वि० । उखाड़ल, उन्मूलित । [सं० उद् + पट + णिच् + क्त] । तु० क० असा०, बं०, नै०, उत्पाटित । कुस० १६४ (मलाबारक बाहुमूलसौं उत्पाटित भए गेल) । *utpāṭita*—*Adj.* Uprooted.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞 **उत्पात**—उपद्रव, कष्ट, आकस्मिक, कष्टदायक घटना, ईश्वरीय, अनदेख । [सं० उद् + पत—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव० राज० उत्पात; पा० उप्पात; प्राकृ० उप्पाय; तु० उपाव । मन० कृष्ण० १८ (गोकुल केर उत्पात विचारि); राम० ६६ (नहि कर्तव्य एहन उत्पात); पारो ५६ (बाबूजी अहाँ पौत्री कोनो उत्पात नए लागल छैथि); म्रि० । *utpāta*—Portent, calamity.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞𑒱 **उत्पाति**—उत्पात (वि०) केर का० रू० । राम० १५२ (एक समय उपगत उत्पाति); राम० ३३१ (भेल भेलौं बर उत्पाति) । *utpāti*—*Poet.* of *utpāta* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞𑒱𑒢𑒲 **उत्पातिनी**—उत्पाती (वि०) केर स्त्री० रू० । सनेस १६ । *utpatinī*—*Fem.* form of *utpātī* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞𑒲 **उत्पाती**—वि० । उपद्रव करनिहार, कष्ट देनिहार । [सं० उत्पात + ई] । राम० १० (अपराधी उत्पाती निशाचर भारी जे); मो० १०४–२१ (शत्रु परम उत्पाती) । *utpātī*—*Adj.* Who gives pain or injury.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 **उत्पादक**—वि० । जन्मदाता, उत्पन्न करनिहार । [सं० उद् + पद + णिच्–ण्वुल्] । तु० क० हि०, बं०, अव०, राज उत्पादक; पा० उत्पादक । रावदल (विश्वासक उत्पादक) । *utpādaka*—*Adj.* That which produces or gives birth to.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢 **उत्पादन**—उत्पन्न करब, जन्म देब, कोनो वस्तुकें अधिक मात्रामे बढ़ाएब । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, राज० उत्पादन । (कोनो वस्तुक उत्पादन देशक परिस्थितिक अनुसार होएबाक चाही) । *utpādana*—The act of begetting, production.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒱𑒞 **उत्पादित**—वि० । जनमाओल, उत्पन्न कएल गेल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, राज० उत्पादित । मि० २०२ (एहिमे क्षत्रियक पुत्र ब्राह्मणक उत्पादित भेलो) । *utpādita*—*Adj.* Begotten, generated.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑓂𑒨 **उत्पाद्य**—वि० । उत्पन्न करबा योग्य, जन्म देबा योग्य । [सं०] । व्याला ४७ (सुनि सुनि दामिनी घन उत्पाद्य) । *utpādya*—*Adj.* To be produced or brought out.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒲𑒛𑓃𑒏 **उत्पीड़क**—वि० । कष्ट देनिहार कीडा वा अन्य वस्तु, कष्ट देनिहार । [सं०] । तु० क० हि० उत्पीड़क । (उत्पीड़क वस्तुसँ भयभीत रहब उचित) । *utpīḍaka*—*Adj.* Wicked. Who tortures.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒲𑒛𑓃𑒢 **उत्पीड़न**—उपद्रव, अत्याचार, दुख देब । [सं० उद् + पीड़् + ल्युट्] । तु० क० हि०, असा० उत्पीड़न; राज० उत्पीड़ण । (विशेष उत्पीड़नसँ मन अशान्त रहैछ) । *utpīḍana*—Oppression, molestation.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒲𑒛𑓃𑒱𑒞 **उत्पीड़ित**—वि० । सताओल, कष्ट वा उपद्रव कएल गेल । [सं०] । तु० क० असा० उत्पीड़ित । मधु० २६३ (शोषित उत्पीड़ित अधिक छथि) । *utpīḍita*—*Adj.* Who is oppressed, molested.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑓂𑒩𑒹𑒏𑓂𑒭𑒝𑒲𑒨 **उत्प्रेक्षणीय**—वि० । उत्प्रेक्षा देबा जोकर, उपमा देबा योग्य । [सं०] । (उत्प्रेक्षणीय वस्तुमे कोमलता एवं

भावुकताक मिठास रहैछ) । *u'prekṣaṇiya--Adj.* What is capable of being expressed by a simile.

ऊत्प्रेक्षा उत्प्रेक्षा—एक प्रकारक अर्थालङ्कार जाहिमे उपमेय एवं उपमानकेँ समान होएबाक सम्भावना तथा कल्पना रहैत छैक, तुलना, समानता, वितर्तक अनुमान । [सं० उत्+प्र+ईक्ष—अ+टाप्] । तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, अव०, राज०, भोज० उत्प्रेक्ष । प्रण० २२६ (कवि उत्प्रेक्षा करैत छथि); निबन्ध चन्द्रिका ६८ । *u'prekṣā*—A kind of hypothetical metaphor, comparison in general.

ऊत्फाल उत्फाल—क्रि० वि० । उपद्रव करब, उद्धत होएब (दौ०), बदमास, तरंगि कुदब । [सं० उत्+फल—घञ्] । (बेशी उत्फाल जनु होउ) । *utphāla—Adv.* Jumping.

ऊत्फुल्ल उत्फुल्ल—वि० विकसित, प्रस्फुटित; आनन्दित, फुलाएल, उत्तान, चित्त । [सं० उत्+फुल्ल विकसने—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उत्फुल्ल । वर्ण० २६ (वेष्टित उत्फुल्लक); कीचक वध । *utphulla—Adj.* Full blown, cheerful.

ऊतरा(त्रा)ई उतरा(त्रा)ई—उतराई उतरब केर नामरू० । केर अशु० रू० । FML 205 । *u'rāi—Erro.* form of *utaraba* (q.v.).

ऊत्वणे उत्वणे—विश्वेश्वर चम्पू ८ । *utvaṇe*— ?

ऊत्सङ्ग उत्सङ्ग—उपरका भाग, कोरा । [सं० उत्+सञ्ज—घञ्] । *utsaṅga*—Lap.

ऊत्सर्ग उत्सर्ग—यज्ञ विशेष, दान, समाप्ति, कोनो विशेष फल सिद्धिक उपलक्ष्यमे कोनो देवताक निर्दिष्ट पूजा वा दान, नित्य भोजन काल ब्राह्मणलोकनि जे नैवेद्य दए उत्सर्ग करैत छथि, उत्सर्गा छागर, उत्सर्गा (आमक) गाछ आदि पूजा वा श्राद्ध मे उत्सर्गल गाछ वा वस्तुकेँ सम्बोधित कएल जाइछ । [सं० उत्+सृज्—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, उत्सर्ग; राज० उत्सरग । (आई ओ अपन उत्सर्ग करताह) । *utsarga*--Abandoning, oblation, gift.

ऊत्सर्गि उत्सर्गि—उत्सर्ग (दे०) केर पू० क्रि० रू० । अगिलहो ८ । *utsargi—Part.* form of *u'sarga* (q.v.).

ऊत्सर्गित उत्सर्गित—वि० । दान, त्याग वा यज्ञ विशेष कएल गेल । [सं०] । चारिआना कैन्चा १ । *utsargita—Adj.* Gifted, abandoned.

ऊत्सव उत्सव—वि० । आनन्दमय कार्य, आनन्द, सन्तोष, पर्व तिहार, शुभ कार्य । [सं०] । तु० क० हि०; बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उत्सव । वि० पदा० मजु० ५५३ (से गृह नित उत्सव आज); राम० २४ (नव उत्सव मिथिलाधिप धाम); मो० ६७–७ (अत्यन्त उत्सव सौं प्रत्येक वर्ष करबैत छथि); मि० उद० १५७-२६ (उत्सव मनाबल जाइछ) । *utsava*—Festival, joy, satisfaction.

ऊत्साह उत्साह—उमङ्ग, जोश, साहस; प्रोत्साहन इ० । [सं० उत्+सह—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव०, राज० उत्साह । राम० ६८ (प्राणी मात्रक नहि उत्साह); मै० हि० सा० १७ (उत्साह कयने जाइ छथि), मि० उदा० १५७–१४ (साहश उत्साह); मो० ६७–४ (उत्साहक सँग); शतदल (भरि दिनक श्रान्त उत्साह हीन; नव० १ (बड़ उत्साह सँचमच्चा खुनबओने छलि) । *utsāha*—Effort, encouragement, happiness.

ऊत्साहित उत्साहित—वि० । प्रेरित, प्रोत्साहित; आनन्दित । [सं० उत्+सह+णिच्—क्त] । तु० क० बं०, अस०; ने०, उत्साहित; प्राकृ० उच्छाहिय द्विरा० १६७ (सी० सी० मिश्र उत्साहित भय); प्रण० १६४ (अधिक उत्साहित भय देखावय लगलथिन्ह) । *u'sāhita—Adj.* Encouraged.

ऊत्साहिता उत्साहिता—उत्साहित (दे०) केर स्त्री० रू० । वर्ण० ८ (मनमोहनता प्रकाशिता बतिशौ उत्साहिता) । *utsāhitā—Fem.* form of *u'sāhita* (q.v,).

ऊत्साही उत्साही—वि० । उत्साह वा आनन्दसँ युक्त उद्योगी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० उत्साही । राम० २३६ (बद्धांजलि युवराज उत्साही); मो० ६७–२१ (उत्साही गामक थिकाह); मि० उदा० १५७·४ (उत्साही अनेको व्यक्ति उपस्थित छलाह) । *u'sāhi*—Energetic, joyous, active.

ऊत्साहै उत्साहै—उत्साह (दे०) केर इच्छा० रू० । १६१ (उत्साहै मण्डित निज भाव) । *u'sāhai—Opta.* form of *u'sāha* (q.v.).

ऊथ(थ्थ)र उथ(थ्थ)र—वि० । जकरा पेट मे बात नहि रहैछ, अगम्भीर (व्यक्ति)—उचितसँ अल्प वा कम गहींड़ । [सं० उत्थल], उत्थर (दे०) । मि० भा० वि० ७२ । (उथर बासनमे दही कम अँटैत छैक) । *uth(thth)ara—Adj.* Shallow.

ऊथल पा(पु)थल उथल पा(पु)थल—क्रि० वि० । अस्त-व्यस्त, गड़बड़, उलट-पलट, अव्यवस्था, आनन्दसँ विभोर, चंचल । [प्रा० उत्थल शब्दानुकरण] । तु० क० अधिआएब (दे०), सं० उत्थित-पतित, स्थिर-अस्थिर उत्थान, उत्तान । (की सभ आँगनमे उथल-पुथल भ रहल छैक) । *uthala pā(pu)thala—Adv.* Upside down, topsy turvy, overflow with joy, agitated with some (usually pleasant) sentiments, elated condition.

ऊथलेहि उथलेहि—उछलइ (दे०) केर प्रा० लु० रू० । गो० शृ० १ अमर० ५६ (केहन यमुना उथलेहि नीर) । *uthalehi*—Obs. Form of *uchalai* (q.v.).

ऊथि उथि—ओत(ए) (दे०) केर प्रा० लु० रू० । उन्हरः ओहिठाम । वि० पदा० मजु० २५, रामभद्रपुर पोथी पद ४८२ (डिब

अन्ह सुधा हति अन्ध हास) । तु० क० पं० उत्थे हुत्थे । *uthi*—*Old* Obs. of *ola(e)* (q.v.).

उद्—जन्तु विशेष, जे जलहुमे डूबिकए माछ पकड़ैछ । [सं० उद्र] । हि० ऊदबिलाव । वर्ण० ४० (पलिवार सेहु उद् नक) । *uda*—A type of wild aquatic cat-like animal.

उदअ(अँ)—उदय (दे०) केर का० रू० । राम० १५ (उदअ लखन को चन्द); राम० २६ (चान्दक उदअँ कुमुद जनि होय) । *udaa (ã)*—*Poet* of *udaya* (q.v.).

उदक—सलिल, पानि, जल । [सं० उन्द + ण्वुल्] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज०, पा० उदक; प्राकृ० उदग ओमय उजल । राम० ४७ (उद्धत उदक घर); अम० ५४; चर्चा० २६/४ । *udaka*—Water.

उदगति—उद्गति (दे०) केर का० रू० । तु० क० बं० उदगति । पुष्पकलिक ६२ । *udagati*—*Coll.* of *udgati* (q.v).

उदगमन—ऊपर दिशि जाएब, ऊर्ध्वगमन । का० रू० । तु० क० बं०, राज० उदगमन । उत्तर राम० १४ । *udagamana*—The act of going upwards.

उदगार—उद्गार (दे०) केर का० रू० । उगिलब । गी० ४० १ अमर० ३ (वंशि निशाकर मधुर चित उदगार गति अति कुटिल सुधीक) । *udagara*—*Poet.* of *udgāra* (q.v.).

उदण्ड—वि० । निडर, निर्भय, उजड्ड, जकरा दण्डक भय नहि होइक, सर्वंकर । [सं० उद्दण्ड] । तु० क० राज० उदंड । सुभद्राहरण ७ (जग उदण्डहि भास); राम ४१ (नैत उदण्ड सुकण्ठ तट जतय नहि); राम० २०८ (उदण्ड पल भैल आब); चन्द्र० १६१ (तीहर उदण्डपने धर्म कर्म अस्त) । *udanda*—*Adj.* Fearless, imprudently bold, who has no fear of punishment.

उदधि—समुद्र, सागर । [सं० उद (क)+धा—कि] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव मोर्ज०, राज० उदधि । प्राकृ० उअहि । राम० ६१ (तँ अकालमे उदधि सुखाय); राम० १३३ (जल-लई उदधि मध्य हम आय); राम० बालकाण्ड ५ (उपनिषदुदधिक मन्थन कयल) । *udadhi*—The ocean, the sea.

उदधिकुमारि—समुद्रक पुत्री, श्री, लक्ष्मी, रम्भा, कामधेनु, मणि, वारुणी, सुरजन । [सं०] । तु० क० धीकुमारि (दे०), हि०, राज० उदधिसुता । गौरी स्वयम्बर ६ (विष्णु भगिनी जे उदधिकुमारि) । *udadhikumāri*—The daughter of the ocean, Lakṣmī (goddess of wealth) who was born out of the churning of the ocean in Pauranic lore.

उदधितनय—समुद्रक पुत्र, चन्द्रमा; अमृत, राहु, धन्वन्तरि, ऐरावत; कामद, कल्पवृक्ष, धनुष, आदि । [सं०] । तु० क० हि०, राज०, उदधिसुत । वि० पदा० मनु० १५१, नेपाल १६६, उदधितनय सुत निन्दुरे लोटायल) । *udadhitanaya*—The son of the ocean, such as the moon; the Airavata elephant, etc. born of the churning of the ocean in Pauranic lore.

उदन्त—वृत्तान्त, वार्ता, कथा । [सं० उदन्त] । तु० क० राज० उदन्त । वि० ने० २६ (ओतएक कन्त उदन्त जानिय); राम० ६८ (समय कन्त उदन्त नहि किछु) । *udanta*—Message.

उदबाह—विवाह, प्रणय । [सं०] । तु० क० राज० उदबाह । सुनदाहरण २१५ (उदबाहक कयल जोड़ि रहै विधिओ वसुदेवक भाग्य नहि) । *udabāha*—Marrige relation.

उदबुदाएब—क्रि० । उत्साहित, कर्तव्य निश्चयक अभाव । [सं० उद + सं० बुध] । मिहि० २६ (२-६१-६४) । *udabudāeba*—*V.* To be elated.

उदभव—उद्भव (दे०) केर का० रू० । राम० १३६ (देह कर्महिसँ उदभव); पुरु० ६० (जेहिसँ उदभव पाव अपार) । *udabhava*—*Poet.* of *udbhava* (q.v.).

उदभ्रान्त—वि० । चकित, भ्रान्तियुक्त, भ्रान्ति वा मृगतृष्णामे पड़ल । [सं० उद्भ्रान्त] । मि० मिप २५४ (जो अतिशय उद्भ्रान्त मनेओ अभिमानक नहि वश अछि) । *udabhranta*—*Adj.* In confusion.

उदमत—वि० । बेढ़ोरा, होश नहि, मत्त । का० रू० । [सं० उन्मत्त] । वि० । *udamata*—*Adj.* Intoxicated.

उदमती—उदमत (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मनु० २१४ (आइ बड़ाए देल कौन उदमती) । *udamati*—*Poet.* Form of *udamata* (q.v.).

उदमाहल—वि० । उत्सवमे सम्मिलित होएबाक हेतु प्रस्तुत । [सं० उद्धत (ऊपर बढ़ाएल) > उद् मह+ल] । *udamahala*—*Adj.* Eager to join some ceremony or function; agitated with hope and joy at something at hand.

उदय—प्रकट होएब, बहराएब, दर्शन देब, ऊपर उठब, आविर्भाव, जन्म । [सं० उद् + इ—अच] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० उदय । वर्ण० ४० (मङ्गलक उदय अन्तर लोचन); वि० ने० (उदय जान दुहु अवसन स्वभाव); गी० ४० १ अमर० २३ (विधक चाँद उदय भेल दारुण पसारल किरण दामा); राम० ३३ (उदय आज दिनकर द्विज राज); मिहि० पद० १५०-१२ (उदय उमग दुहु समय); मै० वि० सा० ८-१२ (सर्यक उदय सम-नामे); गी० ६५-६ (आनिक उदयमे सकल); प्रबा० १२ (आब त उदय भ गेलैक) । *udaya*—Rise, rising, appearance, occurrence, advancement.

ऊमयन **उदयन**—एक गोट राजा वत्सराज; नैयायिक विद्वान उदयनाचार्य। [सं०]। तु० क० बं० **उदयन**। चित्रा २ (विजयी **उदयन**क उन्मादमे); चित्रा० ६५ (जय-जय वाचस्पति जय **उदयन**); मो० ६८-८ (**उदयन** पक्षधरादि अयाची वाचस्पति गोवर्धन गुणवान)। ***udayana***—The name of a legendary king of Vatsa; also the name of a famous logician, of the tenth century whose native place is shown near modern Samastipur.

ऊमय प्रलय **उदय प्रलय**—क्रि० वि०। नीक अधलाह, सुख-दुख, भविष्य, भाग्य। [सं०]। (बङ्गला देशक उदय-प्रलय मुजीबक हाथमे छन्हि)। ***udaya pralaya***—*Adj.* Destiny, prosperity and adversity.

ऊमव **उदर**—पेट, जठर, अभ्यन्तर। [सं० उद्+ऋ-अप]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, पा० प्राकृ० **उदर**; प्राकृ० उअर, प्रा० गु० **ऊअरि**। वर्ण० ५३ (पाताल अइसन **उदर**); वि० वि० १३ (घोर विपत्ति रहि, **उदर** पुरीत कय); पारिजातहरण ३ (चारु **उदर** दर हृदय विशाल); राम० २५१ (नखसँ **उदर** विदार); महेश० ४ (**उदर** भरन काजे); मो० १७४-६१ (मत्स्यक **उदर** सौं व्यासक जन्म होयब इत्यादि); मिहि० उद० १५७-२५ (**उदर** बीणा द्वारा बीणा शरीरो छलाह); खट्ट० १४० (ओ थिक **उदर**क ज्वाला); कन्या० ६० (यंगेजोक **उदर**मे पैठ मेलैन्ह); प्रण० १८६ (**उदर** भरबाक हेतु सिद्ध तण्डुल चाही)। ***udara***—Stomach, belly.

ऊमवकुण्ड **उदरकुण्ड**—पेट रूपी खाधि वा दरी। [सं० उदर+कुण्ड]। तु० क० सं० **उदर-दरी**। प्रण० ८ (**उदरकुण्ड** जठराग्निमे ज्वाला घृतक आहुतिसँ ओर क्रुद्ध भै); खट्ट० ६५ (तेज अछि **उदरकुण्ड**मे)। ***udarakuṇḍa***—Stomach.

ऊमवम्भवि(वी) **उदरम्भरि(री)**—वि०। मात्र पेट पोसबामे दत्तचित्त, पेटू, खाधुर, स्वार्थी। [सं० उदर+भृ—खि]। तु० क० हि० **उदरम्भरि**। चन्द्र० १२ (**उदरम्भरि** भरि जन्म कहाओल); महेश० ४ (भेलहुँ **उदरम्भरि**)। ***udarambhari (rī)***—*Adj.* Glutton.

ऊमवी **उदरी**—उदर (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १८४ (सिन्धु तनय रिधु-रिपु-रिपु वैरिनि वाहन माझ **उदरी**); (जे जाए वदरी से हुअए ने **उदरी** =बदरिकाश्रम गेला पर पुनर्जन्म नहि होएत)। ***udarī***—*Poet.* of *udara* (q.v.).

ऊम(ध)वा **उद(ध)वा**—उद्वेग (दे०) केर संक्षि० रू०। बिहाड़ि, भयंकर आन्दोलन। तु० क० उधवा (दे०) केर वा० रू० चयनिका ३३। ***uda(dha)vā***—Short form of *udvega* (q.v.) or coll. of *udhavā*.

ऊमवेगल **उदवेगल**—उदवेग (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मजु० १६०, रागत० ४७, न० गु० १ (जमुनाक तिर उपवन **उदवेगल**)। ***udavegala***—*Past* tense form of *udavega* (q.v).

ऊमवेजक **उदवेजक**—उद्वेजक (दे०) केर का० रू०। प्रेरक। वि० ने० ०४ (हरि अभिसार भार **उदवेजक**)। ***udavejaka***—*Poet.* of *udvejaka* (q.v.).

ऊमवेजित **उदवेजित**—वि०। उद्वेजित (दे०) केर का० रू०। गोविन्द काव्यालोक। ***udavejita***—*Adj. Poet.* of *udvejita* (q.v.).

ऊमसिया **उदसिया**—उदासी (दे०) केर का० रू०। चन्द्र० ४६ (सतत **उदसिआ**)। ***udasiyā***—*Poet.* of *udāsī* (q.v.).

ऊमस्त **उदस्त**—विकीर्ण, उत्क्षिप्त, उदासभाव, [सं० उद्+अस्त]। मि० १८३ (**उदस्त** चित्त रहैत छलाह)। ***udasta***—Shattered, sad.

ऊमात्त **उदात्त**—वि०। श्रेष्ठ, धैर्य, योग्य, विशद; दाता, उच्चस्वरसँ बाजल गेल एक प्रकारक अर्थालंकार। [सं० उत्+आ+दा—क्त]। तु० क० हि०, बं०, राज०, **उदात्त**। मिहि० उद० १५६-१६ (**उदात्त** तथा केतक कम्पनक तरंग); कन्या० १३६ (**उदात्त** स्वरेँ पुछलथिन्ह); अम० ३६ (**उदात्त** अनुदात्त स्वरित); गद्य कुसुम माला ५६। ***udātta***—*Adj.* The acuatance able, great, a figure of speeeh.

ऊमान **उदान**—कण्ठस्थ वायु, शरीरक पाँच वायुमेसँ एक वायु। [सं० उत+अन—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० **उदान**। अमर० १५ (प्राण, अपान, समान, **उदान** व्यान)। ***udāna***—One of the five vital winds in the body.

ऊमाप **उदाप**—उत्ताप (दे०) कर प्रा० का० रू०। वि० पदा० मजु० ५५८ (विरह **उदाप** दाप मन झाँझर करय चाह जिव अन्ते)। ***udāpa***—*Old poet.* of *uttāpa* (q.v.).

ऊमाम **उद्दाम**—वि०। स्वतन्त्र, बेपर्द, अव्यवस्थित, बन्धनरहित, उत्तेजित, अन्टबन्ट। [सं० उद्दाम उद्+दामक]। तु० क० हि०, बं०, **उदाम**; प्राकृ० **उद्दाम**; उ० **उदुवाँ**; म० **उदाओ**; सि० **उदम**; गु० **उदाम**। रङ्ग १७६ (आब बादशाहक घरे **उदाम** भ गेल;) गोधूलि ८। ***udāma***—*Adj.* Open, uncovered; selfwilled, restless.

ऊमाव **उदार**—वि०। दाता, महात्मा, उत्कृष्ट, सबल, श्रेष्ठ, विशाल। [सं० उत्+आ+रा—क्त]। तु० क० हि०, बं, असं०, ने०, अव०, भोज०, राज०, पा० प्राकृ० **उदार**; प्राकृ० **उआर**; **उअर**; उ० **उअरा**; पा० **उलाट**; असं० **उडाल**। राग० ११ (कहु-कहु प्रियतम परम **उदार**); वि० पदा० मजु० ३६; राग त० ५५, न० गु० ११६, अ० १२५ (लखिम, देवी **उदार**); नव कुन्द० ४ (पुरुष पुरातन परम **उदार**); महेश० २६ (मोर गति पशुपति परम **उदार**); मि० उदा० १५७ (श्री मिथिलेश्वर **उदार** परम ... २८। ***udāra***—*Adj.* Noble, generous, great

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒔𑒩𑒱𑒞 **उदारचरित**—वि० । उदार चरित्रवला, विशाल हृदय जकर होइक, सबहक नीक करनिहार, शीलवान । [सं० उदार + सं० चरित्र > चरित] । मि० २८४ (ई बालक बड़ उदार-चरित लोकप्रिय होयताह) । *udāracarita—Adj.* Generous.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒔𑒹𑒞𑒰 **उदारचेता**—वि० । जकर मन वा चित्त उदार हो, विश्वक कल्याण चाहनिहार । [सं० उदार चेतस्] । तु० क० हि०, राज०, बं०, उदारचेता । मिहिर ३८-१२-८ (हमरा सन-सन उदार-चेताओकनिक लेल) । *udāraceta—Adj.* Generous hearted.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒞𑒧 **उदारतम**—क्रि० वि० । अत्यन्त विशेष उदार, महान दाता वा हृदयवला । [सं०] । मौ० २४ (उदारतम मनक छथि) । *udāratama—Adv.* Extremely generous.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒞𑒰 **उदारता**—महानता, दानशीलता, सुशीलता, भद्रता, विशालता, उच्च विचार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, राज०, उदारता । राम० ६७ (उदारता गुणातीत दूर पकड़ैली); मि० ३८६ (हिन्दू उदारताक अभूतपूर्व भावना); मि० उद० १५७-४ (उदारताक परिचय देलन्हि); प्रथ० १०३ (एतबा उदारता आब अवश्य देखबोलन्हि) । *udārata—*Generosity, nobility.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒣𑒢(𑒢𑒰) **उदारपन(ना)**—उदार (दे०) केर भाव वा० रू० । महेश० १३ (लागु न देखी उदारपना) । *udārapana(nā)—Abst.* form of *udāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒱 **उदारि**—उदार (दे०) केर स्त्री रू० । व्य० विज्ञान ४१४ (सौहार्द्दो उदारि) । *udāri—Fem.* form of *udāra* (p.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒮 **उदास**—वि० । विरक्त, खिन्न, दुखी, तटस्थ, तौलमे कमी [सं० उद् + आस-वंभ्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, मौ०, अव०, राज० उदास । वि० पदा० मञ्जु० १०३; मध० तु० ८२८ (मि० पद) अं० ८३८ (करिअहु मन न उदास); वि० वि० (दूर जावत तबा मनक उदास); महेश० २४ (उदास होए विरवाहो), राम० ५० (अहाँ बिनु आबिको भवन उदास); मि० उदा० १५७-५ (यदि मनोहुबे उदास भै कुन्ती); प्रथ० १०८ (उदास भए लोक सभके बजाकए कहल-थिन्ह); नव० ११ (पण्डित के उदास देखि पण्डिताइन कोचि-कोचि पुछलथिन्ह) । *udāsa—*Sad, indifferent, underweight.

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒱 **उदासि**—उदास (दे०) केर स्त्री० रू० । मि० उद० १५८-२१ (उदासि रहु जनि चित्त बिचारि) । *udāsi—Fem.* of *udāsa* (q.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒱𑒢 **उदासिन**—उदासीन (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३२४; लालपत्र न० गु० ५२७ (तोहि जबो घरे हीत उदासिन जरा पलटि न गेल) । *udāsina—Coll.* of *udāsina* (q.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒲 **उदासी**—वि० । विरक्ति, दुख, खिन्नता, उदासीन सम्प्रदाय वला साधू, एक प्रकारक उदास भावयुक्त (वैराग्यमय) मिथिला भाषाक गीतविशेष । वरक प्रथम बाजामे विदा होएबाक कालक गीत । [सं० उदास + ई] । तु० क० कन्याक समधउनि (दे०) हि०, बं०, राज०, नै० उदासी, सन्यासी । वि० नै० २३० (भए जनु जाह उदासी); वि० पदा० मञ्जु० ३८८ (तै भउ परम उदासी); राम० १० धर्मके उदासी); नव० ४६ (बहुर प्रकाशक हेतुएँ से जो उदासी लोकके आओर लग्न लगबक); स्नेल २० । *udāsī*—Indifference, listless, sad, belonging to the class of udāsi monks; name of a kind of vairagi, unworldly folk songs, also song sung when (after the marriage) a mood of sadness overtakes the people in wife's home at the time of the departure of the bridegroom.

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒲𑒢 **उदासीन**—वि० । तटस्थ, उदास, दुखी, कोनो वस्तुसँ विरक्ति, संसारक कोनो वस्तुक इच्छा नहि करनिहार । [सं० उद् + आसीन] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अव०, राज०, उदासीन । वि० पदा० मञ्जु० १५ (मिटुर समाज पुछार उदासीन); राम० ७८ (उदासीन जन एक दिन सभ जयता); दुक० १६४ (दुबेर्थो उदासीन मन नहि कर्तव्य); मौ० ४७-२१ (उदासीनतो प्रगटित कैलन्हि); आमक० ९६ उदासीन नहि रहि सकलहुँ) । *udāsina—Adj.* Sad, neutral, indifferent to the world or its happiness. A class of monks,

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒲𑒢𑒞𑒰 **उदासीनता**—त्याग, तटस्थता, विरक्तता, उदासी, खिन्नता । [उदासीन + ता] । तु० क० हि०, बं०, राज०, नै० उदासीनता । मि० उदा० १५७-७ (सवेराक संचलनके उदासीनता सँ देखि); प्रथ० २७ (एहि उदासीनता सँ लाभ नहि उठौलहु त किछु नहि) । *udāsinata—*Sadness, neutrality.

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒹 **उदासे**—उदास (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १५ (तँह नहि गौलय उदासे); लोक राग ५० (करह न हे निज मन उदासे) । *udāse—Poet.* of *udāsa* (q.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝 **उदाहरण**—दृष्टान्त, जेना, यथा कोनो विषयक अर्थ वा प्रमाणक स्पष्ट वा उल्लेख करबाक हेतु कहल गेल, निदर्शन । [सं० उद् + आ + हृ—ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, असं० नै०, अव०, राज० उदाहरण पुरु० २२४ (दूहुक उदाहरण कथा); दिरा० १ (समस्त उदाहरण साकार रूप मे भेटि जाइतैन्ह); मौ० ६८-५ (जकर उदाहरण उन्नतिशील देशक देखैबाक), मै० इ० सा० (२८-१२) ५ (तकर एक उदाहरण अपनेलोकनिकें सुनाओल), मि० उद० १५७-१२ (उदाहरण अछि नोट); नव० २३ (जे-जे अपने जीवनकें उदाहरण स्वरूप लोकमे राखथि आ विचारथि) । *udāharaṇa—*Example, declaration,

𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒲𑒨 **उदाहरणीय**—वि० । दृष्टान्त वा प्रमाण देबा योग्य । [सं०] । मि० ४०८ (कर्मक पारदर्शक भेलें समादरणीय

ओ उदाहरणीय एखनहुँ कहल जाइछ)। *udāharaṇīya—Adj.* Exemplary, fit to be illustrated.

उदित--वि०। जकर उदय भेल छैक, उगल, प्रकट, बहराएल। [सं० उत् + इण + क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, प० उदित। प्राकृ० उइअ; पा० उदेति; प्रा० अव० उअइ। वर्ण० ३४ (नक्षत्र उदित भइ गउ); वि० पदा० मजु० ३२ न० गु० (नाना) ८१, भ० १००६ (उदित ससि कला); राग० ११७ (उदित भेल जनि); राम० १७ (शुभ कर्क उदित हित); कन्या० १५७ (हृत्पटल पर उदित ओ विलीन होमय लागल); प्रण० २०७ (तीन प्रकारक भाव स्त्री के देखिकए उदित होइत छैक); चित्रा १७ (होमऽ लागल यौवन उदित)। *udita-Adj.* Coming to view, having arisen.

उदित्वर—उद्‌गत, उदयशील। [सं० उत + ईण —क्विप्]। एकावली परिणय १२२। *uditvara*—Rising.

उदिष्ट—वि०। सं० उद्दिष्टक मै० रूप। ककरो। उद्देश्य कए (ध्यान मंत्रिकए) पूजा, प्रतिमा वा विना लिङ्ककेँ पूजा [सं० उद्‌दिश् + क्त] तु० क० उदिष्ट श्राद्ध करब, उदिष्ट जेना छाता, खाट आदि दान विछु द्रव्य लय करा देल जाए। *udiṣṭa—Adj.* (Worship) when the idol of a god is only mentally aimed at and not actually present.

उदीचीन—उत्तर दिशा। [सं० उदच + यत]। अम० १७ (अर्वाचीन उदीचीन प्रतीचीन)। *udīcīna*—Northern.

उदीप (प्त)—वि०। खूब प्रज्वलित। [सं० उद्दीप्त]। राम० उत्तरकाण्ड ५७; नारद विवाह ८। *udīpa(pta)—Adj.* Brightly enkindled or fully lighted.

उदुम्बर—गुल्लरिक वा डुमरिक गाछ, फूल। [सं०]। तु० क० उदुम्बर, उडुम्बर [सं०]; हि०, राज० उदुम्बर, गूलर प्राकृ० उम्बर। वर्ण० ४१ (दुर्ब्बा उदुम्बर अस्वत्थ); अम० ८१ (उदुम्बर जन्तुफल)। *udumbara*—A kind of tree or its fruit (known in Mithila as Gulari or Dumari).

उदेश—उद्देश्य (दे०) केर का० रू०। दिशि; दिशा ध्यान कए ताकब, जानब। राम० १७१ (सभ चललहुँ सीताक उदेश); मो० ८२-१६ (जे महि कहता उगना उदेश ताहि देव कर कङ्ना बेश); सनेस ६। *udeśa—Poet.* of *uddeśya* (q.v.).

उदेसे—उदेश (दे०) केर का० रू०। गोरक्ष विजय २ (ख) (गुरुक उदेसे गोरखनाथ आव); वि० ने० १६३ (जाहेरि उदेसे अभिसार); वि० पदा० मजु० ५१४ (गौरी विकल मन करथि उदेसे)। *udese—Poet.* of *udeśa* (q.v.).

उदै—उदय (दे०) केर वा० रू०। ने० शब्दकोष ४१। *udai—Coll.* of *udaya* (q.v.).

उदौग—उद्योग (दे०) केर वा० रू०। FML 79. *udauga—Coll.* of *udyoga* (q.v.).

उदोती-वि०। प्रकाश कएनिहार। [सं० उद्योत > उदोत + ई]। म० वि० ६३ (प्राण प्रिया मुख सौरभमे रसना अधर मृगसँग उदोती)। *udotī—Adj.* Who emits light.

उद्‌गत—वि०। पसरल, बहराएल, उत्पन्न, व्याप्त। [सं० उत + गत]। तु० क० हि० बं०, अस०, ने० राज० उद्‌गत। अम० २६१ (उद्वान्त उद्‌गत)। *udgata—Adj.* Sprung, risen.

उद्‌गम---उत्पत्तिक स्थान, उदय, प्रादुर्भाव, ओ स्थान जतएसँ कोनो नदी बहराइछ। [सं० उत + गम]। तु० क० हि०, बं०, ने०, राज०, अव० उद्‌गम; पा० उग्गम; प्राकृ० उग्गम गु० उगम; प्रा० म० उगव। वर्ण० १५ (नक्षत्र उद्‌गम); आमक० ६० (सत्य जे हमर भाव धाराक उद्‌गम छल)। *udgama*—Origin, rising.

उद्‌गमन—उदय होएबाक कार्य, प्रादुर्भाव, वा अएबाक कार्य। [सं० उत + गमन]। (नदीक उद्‌गमन पैघ पहाड़ परसँ प्रारम्भ होइछ)। *udgamana*—The act of rising or coming forth.

उद्‌गर—उद्‌गार (दे०) केर का० रू०। शतदल ३२। *udgara—Poet.* of *udgāra* (q.v.).

उद्‌गार---प्रकट कएल गेल मनक भाव, आधिक्य, उच्चारण, बाढ़ि, वमन। [सं० उत + गृ—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्‌गार; पा० उग्गार; प्राकृ० उग्गार गु० उगार; सि० उगुरु; अस० उगार; उ० उगार। मि० १११ (हार्दिक दुखक उद्‌गार निरन्तर); द्विरा० ५६ (हुनक भावुक उद्‌गारसँ एक कापी भरि गेलैन्ह); प्रण० २२ (अपन उद्‌गार प्रकट करय लगलाह); मो० १०६-११ (उद्‌गारमे स्वप्न देख गेल छल)। *udgāra*--Vomit, belching, speaking out from the inner self.

उद्‌गीथ—सामवेदक अंशविशेष, सामगान। [सं० उत + गै—थक्]। वर्ण० ४३ (उद्‌गीथ निगर इतहि)। *udgītha*—A part of the *sāmaveda*.

उद्‌ग्रीव—वि०। उत्सुक, जे गरदनि उपर उठौने हो। [सं०]। तु० क० हि० उद्‌ग्रीव। नक्षत्र ७१। तु० क० ग्रीव। *udgrīva—Adj.* Desirous, one whose neck is high.

उद्‌घटक—एक प्रकारक कोमल [illegible] [सं० उत् + सं० घट् चेष्टायां + सं० क]। वर्ण० ८ [illegible] उद्‌घटक पीड़ितक चारि प्रकारक कोमल [illegible] *ud[illegible]taka*—Name of a type of heroine.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒰𑒙𑒢 **उद्घाटन**—प्रकाशित करब, उद्घाटन, प्रारम्भ करब, खोलब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव० राज० भोज० उद्घाटन। मि० उद० १५–७ (उद्घाटन कय उदारताक परिचय देलि); (आइ स्कूलक उद्घाटन होएत)। *udghāṭana*—Opening, the act of inauguration.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒰𑒙𑒯 **उद्घाटह**—उद्घाटन (दे०) केर आज्ञा० रू०। कौ० सु० २, अमर० ४२ (उन्च कुल पाथर सरस परस दय उद्घाटह विधिवान)। *udghāṭaha—Imp*. form from *udghāṭana* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒰𑒙𑒱𑒞 **उद्घाटित**—वि०। प्रकाशित कएल गेल, उद्घाटन वा प्रारम्भ कएल गेल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० अव० राज० उद्घाटित। पुरु० १२६ (उद्घाटित भाषन)। *udghāṭita—Adj.* Opened, inaugurated.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒼𑒭 **उद्घोष**—कोनो बातकें उच्च स्वरें कहबाक किया। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, राज०, उद्घोष; प्राकृ० उग्घोस। मि० १६७ (रूपान्तरक उद्घोष कों अनुचित मानि)। *udghoṣa*—The act of speaking aloud.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒼𑒭𑒱𑒞 **उद्घोषित**—वि०। उच्च स्वरें कहल गेल (बात), तीव्र आवाजमें कहल गेल। [सं०]। तु० क० प्राकृ० उग्घोसित। मि० १७३ (द्वितीय दिन उद्घोषित युद्ध समयमे)। *udghoṣita—Adj.* Spoken loudly, announced loudly.

𑒅𑒠𑓂𑒠 **उद्द**—जलजन्तु विशेष जकर आकार बिल्ली जकाँ होइछ, परन्तु ई ओहिसँ पैघ शरीरक होइछ आ जलमे रहैछ। [सं० उद्द]। तु० क० हि० उदबिलाव। मिहिर २१ (२–६–८२) (आब उद्द जकाँ तकै छी की?); प्रवा० १७१ (आब उद्द जकाँ तकै छी की?)। *udda*—A water animal.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒝𑓂𑒛 **उद्दण्ड**—वि०। उच्छृंखल। [सं०]। तु० क० नै० उद्दण्ड। (आब ई छौंडा उद्दण्ड भए जाएत)। *uddaṇḍa—Adj.* Rebellious, impudent.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒧𑒲𑒢 **उद्दमीन**—उद्दक सदृश माछ। [सं०]। रावण वध ५६। *uddamīna*—A fish-like aquatic animal (*udda*).

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒰𑒧 **उद्दाम**—वि०। स्वतन्त्र, बन्धनहीन, गम्भीर, तीव्र, महान। [सं०]। तु० क० हि० उद्दाम। हिरा० २१६ (अधिकांश युवक उद्दाम मान बुझै छी); प्रवा० २०१ (उद्दाम वासनाक स्वाभाविक प्रवाह)। *uddāma—Adj.* Free, great, independent.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒱𑒭𑓂𑒙(𑒭𑓂𑒙𑒱) **उद्दिष्ट(ष्टि)**—वि०। अभिप्रेत, लक्ष्य, लक्षित, टेकाओल। [सं०]। तु० क० उदिष्ट (दे०), हि० उद्दिष्ट। वर्ण० २८ (यथाप्रकारा उद्दिष्टि भवअइ)। *uddiṣṭa(ṣṭi)—Adj.* Mentioned, particularised.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑒏 **उद्दीपक**—वि०। उत्तेजित वा प्रोत्साहित करनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, उद्दीपक। कीचर गीत ५। *uddīpaka—Adj.* Who inspires.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑒢 **उद्दीपन**—उत्तेजना, जागृति काव्यमे ओ वस्तु जे रति आदि भाव उत्पन्न करएबला होइछ। [सं०] [उद्+दीप+णिच्–ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, राज० उद्दीपन; सं० उद्दीपन विभाव (जेना वसन्त; चन्द्रमा), प्रवा० ६ (ताहि पर उद्दीपन सामग्री); प्रवा० २०१ (स्वाभाविक उद्दीपन पाबि जेना जागरित भ उठैत छैक)। *uddīpana*—Exciting, inflaming.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑒱𑒞 **उद्दीपित**—वि०। उत्तेजित कएल गेल, प्रेरित कएल गेल। [सं०]। अर्पना ११। *uddīpita—Adj.* Inflamed, inspired.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑓂𑒞 **उद्दीप्त**—वि०। प्रकाशित, उत्तेजित, प्रकट। [सं०] हिरा० ८६ (हुनक भावुकता उद्दीप्त भ उठलैन्ह)। *uddīpta—Adj.* Excited, inflamed.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬 **उद्देश**—उद्देश्य (दे०) केर का० रू०। तु० क० उदेश (स) (दे०); हि० उद्देश। राम० ३५५ (हिंसा दंभादिक उद्देश); पुरु० ५८ (उद्देश कय चलली)। *uddeśa*—*Poet.* of *uddeśya* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨 **उद्देश्य**—लक्ष्य; ध्येय, अभिप्राय, ओ वस्तु जाहिपर ध्यान राखि किछु कएल जाए। [सं० उद्+दिश्–ण्यत्]। तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, राज० उद्देश्य। राम० १२३ (पञ्चवटी उद्देश्य काय); मो० ६७–२० (अनेक महत्त्व उद्देश्य छन्हि); हिरा० २७ (पितसि बाधि उद्देश्यसँ आयलि छलीह); प्रवा० १४६ (आत्मकल्याणक उद्देश्यसँ बुद्ध विद्यार्थी ओही पथ यात्रा क देलन्हि)। *uddeśya*—Goal, aim.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 **उद्देश्यज्ञान**—वि०। लक्ष्य वा ध्येयक ज्ञान; समुचित स्थानक ज्ञान। [सं०]। मै० हि० सा० (३-४) (उद्देश्यज्ञानक बिना कर्म निष्फल भए जाय सम्भव थीक)। *uddeśyajñāna—Adj.* Knowledge of the goal or aim.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒞 **उद्धत**—वि०। उग्र, प्रचण्ड, उत्कट, दुष्ट। [सं० उद्+हत]। तु० क० हि०; बं०, राज० नै० उद्धत। वि० पदा० १२ (मारल मद उद्धत कै)। *uddhata—Adj.* Rude, impudent.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒢𑒼𑒢𑓂𑒢𑒞 **उद्धनोन्नत**—वि०। खूब धनिक आ खूब उन्नत। [सं०]। मिहि० १८–७–११ (जे उद्धनोन्नत भेलो तकरा लगाउ)। *uddhanonnata—Adj.* Very rich and prosperous.

𑒅𑒡𑒩𑒅𑒞𑒹 **उधरइते**—उधार (दे०) केर प्रा० तु० कि० रू०। वर्ण० ८३ (शान्त उधरइते)। *udharaite—V.* obs. form of *udhāra* (q.v.).

𑒅𑒡𑒩𑒏𑒼 **उधरको**—उधार (दे०) केर भविष्यत् कि० रू०।

कीर्त्तिलता ६१ अज्जु बैरि उद्धरओ सन्तु जइ सङ्ग आवइ)। *uddharaño—V. Avahaṭṭha* form of *uddhāra* (q.v.).

ऊँद्धवता **उद्धरता**—उद्धार करताह। उद्धार (दे०) केर का० रू०। महेश० १८ (शिव मोर उद्धरता)। *uddharatā—Poet.* of *uddhāra* (q.v.).

ऊँद्धरि(अ) **उद्धरि(अ)**—उद्धार (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० ३ (पङ्क उद्धरि आनल); कीर्तिलता ८। *uddhari (a) Old* Obs form of *uddhara* (q.v.).

ऊँद्धरिउँ¹ **उद्धरिउँ¹**—उद्धार (दे०) केर अवहट्ठ इच्छा० रू०। कीर्त्तिलता ६ (पुरिस भगीरथ हुअहँ जेन निअ कुल उद्धरिउँ)। *uddhariũ—Avahaṭṭha* Opta. form of *uddhāra* (q.v.).

ऊँद्धरि(उँ)² **उद्धरि(उँ)²**-उखाड़ि अथवा उद्धार (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता १० (पितृबैरि उँद्धरि); कीर्तिलता १२ (किमि उँप्पन्नउँ वैरिपन किमि उँद्धरिउँ तेण)। *uddhari(ũ)—Avahaṭṭha* form of *ukhāri* or *uddhāra* (q.v.).

ऊँद्धर्ष **उद्धर्ष**—वि०। तेज, उमङ्ग, जोश, प्रोत्साहन, ज्वाला; उत्सव। [सं उत्+हर्ष]। राम० २९३ (व्रज कल्प उद्धर्ष धधक)। *uddharṣa—Adj.* Inflamed, inspired, festivity.

ऊँद्धव **उद्धव**—उत्सव, कृष्णक मित्र, यज्ञक अग्नि। [सं० उत्+हु—अप्]। महेश० ७२ (चन्द्र चूड़ अन्त समय उद्धव बधाव); अम० ८ (उद्धव अनुज); धातु पाठ ४७। *uddhava*—Fesitval, sacrificial fire, name of Kṛṣṇa's friend.

ऊँद्धार **उद्धार**—पार लगाएब, मुक्ति, त्राण, छुटकारा, उन्नति। [सं० उत्+हृ—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, राज० उद्धार। राम० २६ (करू उद्धार देव रघुनाथ); चन्द्र० ६५ (भगत देखि आशु उद्धारक); मि० ८ (आचार्यक वाणीक उद्धारसँ); मो० १७१ (विद्वज्जन समितिकेँ उद्धार करत); मि० उद० १५७-१६ (संस्कृतक बड़का उद्धार होयत); पुरा० २२० (पर विपत्ति उद्धार कर्त्ता सज्जन केवल होथि); द्विरा० ११ (स्त्रीकेँ उद्धार नहि); प्रण० ५६ (एहि घरक उद्धार नहि भए सकैत अछि); नव० ८४ (तखन विस्सेसरीक उद्धार कोना हेतइक)। *uddhāra*—Deliverance, salvation.

ऊँद्धृत **उद्धृत**—वि०। गृहीत, उत्तोलित, उद्धरणक रूपमे लेल गेल, अवतरित, कोनो रचना सँ यथावत लेल गेल। [सं० उत्+धृत]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्धृत। आमक० ७९ (आहाँ लौकनिक हेतु उद्धृत कय दैत छी)। *uddhṛta—Adj.* Raised, adapted.

ऊँद्बोध **उद्बोध**—उद्दीपन, थोड़ ज्ञान, किंचित बुद्धि। [सं०]। तु० क० हि० उद्बोध। हिनका त किछु उद्बोध छैन्हे नहि)। *udbodha*—Little knowledge, Rousing up.

ऊँद्बोधक **उद्बोधक**—वि०। बोध वा ज्ञान करओनिहार, प्रकाशित वा प्रेरित करओनिहार। [सं०]। तु० क० हि० उद्बोधक। वैदेही १६-११२ (पण्डितजी लौकतान्त्रिक परम्पराक महान उद्बोधक छलाह)। *udbodhaka—Adj.* Inspirer, giver of knowledge.

ऊँद्बोधन **उद्बोधन**—चेतना वा होश, कोनो वस्तुक ज्ञान कराएब। [सं०]। तु० क० हि०, अस० उद्बोधन। मि० १० (उद्बोधन उक्त कविक जीवन घटनासँ सम्बन्ध स्थानमे भै सकैछ); मो० ६७-४ (वायुक उद्बोधन हेतु)। *udbodhana*-Awakening, reminding.

ऊँद्बोधित **उद्बोधित**—वि०। ज्ञान कराओल गेल, प्रेरित वा होश कराओल गेल। [सं०] तु० क० हि० उद्बोधित। मेरुप्रभा ७। *udbadhıta—Adj.* Who has been given or obtained knowledge or reminded, addresesd.

ऊँद्भट **उद्भट**—वि०। नीक जननिहार, महान, श्रेष्ठ, पैघ, प्रचण्ड, उच्च। [सं० उत्+भट—अप्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उद्भट। मिहि० ३५-२ (उद्भट विद्वान मेनहुँ मिथिला भाषामे अपना राधाकृष्ण विषयक, महेशवानी, आदि कोमल कान्त पदावली लिखी)। *udbhaṭa—Adj.* Great, excellent, highly educated.

ऊँद्भव **उद्भव**—उद्गम, जन्म, उत्पत्ति, बढ़ती। [सं० उत्+भव]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्भव। राम० बालकाण्ड ८ (उद्भव पालन नाश); मो० ६७-१ (उद्भव कारिणी थिक तोहर गति); वन० ५३; पुरू० २५४ (जेहिसौं उद्भव पाप अपार)। *udbhava*—Production.

ऊँद्भावन **उद्भावन**—चिन्तन, कल्पना, अनुमान, उत्पत्ति, मनक मनोभाव। [सं० उत्+भावना]। तु० क० हि० उद्भावना; ने०, अस०, बं०, उद्भावन। मिहि० २८-२-१० (अभिनय मुक्तिक उद्भावन कयने ककरो खण्डन कयने छी ने मण्डन)। *udbhāvana*—Production, generation, inspiration.

ऊँद्भासित **उद्भासित**—वि०। प्रकाशित, उत्तेजित, उद्दीप्त, उज्ज्वल, विदित। [सं० उत्+भास—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उद्भासित। पारो ८ (व्यक्ति आओर वस्तुके उद्भासित कए गेल अछि); नव० ४८ (आँखिक ज्योति चड़बड़ आ काँति उद्भासित); नव १०२ (ओकर मुख मण्डल एहि निश्चयसँ उद्भासित भ गेलइक)। *udbhāsita—Adj.* Revealed, brightened up.

ऊँद्भिज **उद्भिज**—वि०। गाछ वृक्ष, जे पृथ्वीकेँ फाड़िकेँ बहराइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० उद्भिज। (आब अपनो देशक उद्भिज क देख भाल हैबए लागल अछि)। *udbhija—Adj.* Sprouted.

ऊँद्भूत **उद्भूत**—वि०। उत्पन्न, जन्म, प्रकट, ..., इन्द्रिय गोचर। [सं० उत्+भूत]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ...

राज० उद्भूत। वर्ण० ६ (उद्भूत अभिलाष); वर्ण० २८ (प्रभाव कारी भाव उद्भूत भावना)। *udbhūta—Adj.* Produced, born, grown.

उद्भ्रन्त—उद्भ्रान्त (दे०) केर ग्रा० रू०। ज्यो० मि० ३४० (उद्भ्रन्त चुम्बन)। *udbhranta—Coll.* of *udbhrānta* (q. v.).

उद्भ्रन्ता—उद्भ्रान्त (दे०) केर का० रू०। उत्तर राम० ६१। *udbhrantā—Poet.* of *udbhrānta* (q.v.).

उद्भ्रान्त—वि०। पागल, चकित, उन्मत्त, विकल, विह्वल। [सं० उद्+भ्रान्त]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज०, भोज० उद्भ्रान्त। (एकेक विकल उद्भ्रान्त छी)। *udbhrānta—Adj.* Perplexed, mad.

उद्यत—वि०। तत्पर, तैयार, सन्नद्ध, प्रस्तुत। [सं० उद्+यम्—क्त]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज०, अव०, भोज० उद्यत। राम० १६६ (युद्ध करबा पर लखन उद्यत); कन्या० २२ (मारक हेतु उद्यत भेलाह); द्विरा० ७१ (साथ पर उद्यत भेलीह); प्रया० २८ (पोतिओ कौलिक रक्षणाक हेतु उद्यत भेलाह); मि० उद० १५८-२ (उद्यत बुझि पड़ै अछि); पुरु० १४ (युद्ध मे उद्यत भेलाह)। *udyata—Adj.* Ready, prepared, diligent.

उद्यता—वि०। उद्यत (दे०) क स्त्री० रूप। [उद्यत+आ]। पुरु० २०७ (अग्नि प्रवेश उद्यता प्राय प्रिया मरल)। *udyatā—Adj.* Fem. of *udyata* (q.v.).

उद्यम—प्रयास, प्रयत्न, उद्योग, कार्य, मेहनति। [सं० उद्+यम—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज०, भोज०, उद्यम। वर्ण० १६ (लौजनक उद्यम); कीर्तिलता १८ (अलसो उद्यम लच्छिअस); राम० ३५६ (बुझि उद्यम हम कऽ सदर्थ); महेश० ४० (उद्यम केओ न करत तरान दे); पुरु० १६८ (अम्ब उद्यम देखि); मै० हि० सा० २-२ (मासिक पत्रक उद्यम लाभव); मौ० ६०-२ (की करब उद्यम)। *udyama*—Effort, work.

उद्यमल—उद्यम (दे०) केर क्रि० रू०। वर्ण० ७ (कुल शुद्धि उद्यमल)। *udyamala—V.* form of *udyama* (q.v.).

उद्यमशीलता—वि०। कार्य एवं प्रयास करबाक क्षमता वा भाव। [सं०]। मि० मिल २०७ (कुमायक साथम गुण थिक उद्यमशीलता)। *udyamaśīlatā—Adj.* Efficiency of work or effort.

उद्यमी—वि०। परिश्रमी, उद्योगी, जे परिश्रम वा कार्य करए। [सं० उद्यम+इनि]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० राज० उद्यमी। चन्द० २५८ (जिन्द उद्यमी गेहनेह)। *udyamī—Adj.* Industrious.

उद्याचल—उदयाचलक अशु० का० रू०। पूर्व दिशाक एक कल्पित पर्वत जतए सूर्य उगैत छथि। [सं० उदयाचल]। तु० क० क० ने० उद्याचल। वि० पदा० मञ्जु० २०२ (कलत भवय उद्याचल एकल); गी० प्र० १ अमर ४८ (उद्याचल सँ बाहर उज्ज्वल मण्डित दासथ); शतदल २ (उद्याचल उपर लेसि अनल)। *udyacala—Err. Poetic,* form of *udayācala* (q.v.).

उद्यान—पुष्पवाटिका, बाग, फुलवारी। [सं० उद्+या—ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज०, उद्यान। खड़० ३२ (अजिका उद्यान मे बारही मास..), शतदल ६ (हम सान भाव उद्यानक तरु)। *udyāna*—Garden.

उद्यापन—कोनो व्रत आदिक असमर्थता-जन्य समाप्तिक बाद कएल गेल समावर्तन कार्य वा कृत्य। [सं० उद्+यापन]। तु० क० हि० राज०, बं०, उद्यापन। मौ० २८-२३-६६ (एहि उद्यापनोत्सव मध्य पुरोहित श्री यदुनाथ झा छलाह); पारी ६१ (नाथ करनि एकादशीक उद्यापन); चिन्ता ७१ (अन जागरण व्रत उद्यापन भेल)। *udyāpana*—Completion of a fast, its celebration.

उद्योग—प्रयत्न, प्रयास, उद्यम, कार्य, परिश्रम, कोशिश, चेष्टा, यत्न, आयोजन। [सं० उद्+युज्—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव०, राज०, भोज० उद्योग। वर्ण० १६ (प्रयासक उद्योग); राम० ३०८ (कर उद्योग मिलन सम्मान); कन्या० ८ (रानी उद्योग मे छलीह); द्विरा० १४५ (मानसिक उद्योगमे लगि छी); प्रया० २८ (सार्वेस मे उद्योगमे लगि छथि); मौ० ६०-५ (हृदय धरि उद्योग करै छथ); मि० उद० १५८-२४ (ई उद्योग केनिहार पण्डितजी विकाह); पुरु० २२१ (तकर उद्योगमे लागल छी)। *udyoga*—Effort, exertion.

उद्योगपर्व्व—महाभारतक अठारह पर्वमे सँ एक पर्वक नाम। वर्ण० ५६ (उद्योगपर्व्व भीष्म पर्व्व द्रोणपर्व्व)। *udyogaparvva*—One of the eighteen parvas (cantos) of Mahabharata.

उद्योगी—वि०। परिश्रम, कार्य वा प्रयास करनिहार। [सं० उद्योग+इनि]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० उद्योगी। मिहिर उद० १५८-२४ (उद्योगी पण्डित कौं वञ्चित विकनिह)। *udyogī—Adj.* Industrious, laborious.

उद्योगे(गैं)—उद्योग (दे०) केर करणकारक रू०। वि० पदा० १८ (भेल तकर उद्योगे); मौ० १७१-२२ (अधिक मुख्य उद्योगें उत्साह भेल छल)। *udyoge (gaiṃ)—Ins.* of *udyoga* (q.v.).

उद्योत—प्रकाश, रोशनी, आभा, चमक। [सं०]। तु० क० बं०, असा०, ने०, अव०, राज० उद्योत। लालभौजी ४१। *udyota*—Ray, brightness.

उद्योत्तर—उदयोत्तर केर अशु० रू०। उदयक बाद [उदय+उत्तर]। ज्यो० मि० ३५६ (उद्योत्तर पूजा कैल

जाइत छथि) । ***udyottara***—Err. of ***udayottara*** (after the sunrise).

उद्योदित—वि० । प्रकाशित, आभासित, चमकल । [सं० उद्योत + 'इत'] । वि० प० ५० (उद्योदित विजुली) । ***udyodita***—*Adj.* Lighted, brightened.

उद्रेक—क्षरण, बहब । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उद्रेक । (रसक उद्रेक ओकर गुणक कारणेँ होइछ) । ***udreka***—Flow, stream.

उद्वालिक—वि० । उत्तेजित । [सं०] । कल्पना २१ । ***udvālika***—*Adj.* Agitated.

उद्वाह—विवाह, परिणय । [सं० उत् + वह—घञ्] । तु० क० राज०, ने० उद्वाह, प्राकृ० उव्वाह । रघुवंश ६४; अम० १६६ (उद्वाह उपयाम) । ***udvāha***—Marriage.

उद्वाहु—वि० । बाँहि उपर उठल, ऊर्ध्ववाहु । [सं० उत् + वाहु] । कीचक वध २ । ***udvāhu***—*Adj.* With uplifted arms.

उद्वांध—वि० । बाँध (मर्यादा) केँ तोड़निहार । [सं० उद्बन्ध] । राम० १७६ (अमित होथि उद्वांध नित) । ***udvāndha***—*Adj.* Who breaks the limits (of propriety).

उद्विग्न—वि० । आकुल, व्यग्र, बेचैन, घबराएल । [सं० उत् + विज्—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, ने० उद्विग्न । वि० व० २२ (मन उद्विग्न हेतु); प्रण० १६७ (उद्विग्न चित्तसँ खड़ाम पर टहलए लगलाह); कपालकुण्डला ६; पुरु० २१६ (उद्विग्न मन अपनैक देखल); आमक० ६५ (चन्द्रशेखर आओर उद्विग्न रहथि) । ***udvigna***—*Adj.* Anxious; perplexed.

उद्विग्नता—आकुलता, व्यग्रता, बेचैनी, घबराहट । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० उद्विग्नता । (उद्विग्नता बढ़बाक विभिन्न कारण होइछ) । ***udvignatā***—Anxiety, perplexity.

उद्वीक्षित—वि० । ऊपर देखल, ध्यानसँ देखल । [सं०] । मृच्छकटिक १०७ । ***udvīkṣita***—*Adj.* Supervised, attentively seen.

उद्वेग—आवेश, वेग, झोंक, तरङ्ग, उत्कण्ठा, सेहन्ता । [सं० उत् + वेग] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्वेग । वर्ण० ५५ (उद्वेग बान्धन अइसन); प्रण० १७६ (क्रमशः पण्डितजीक उद्वेग बढ़य लगलैन्ह); पुरु० २० (की तोहर उद्वेग कारण) । ***udvega***—Haste, anxiety.

उद्वेजक—वि० । उद्विग्न वा बेचैन करएवला, घबराबएवला । [सं०] । मिहि० ३८-३२-५ (एक आध कवित्त उद्वेजको पढ़ल गेल) । ***udvejaka***—*Adj.* Causing concern.

उद्वेजित—वि० । व्यग्र, आकुल, [illegible], उद्विग्न । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, राज०, उद्वेजित [illegible] उद्वेजित अछि) । ***udvejita***—*Adj.* Perplexed, anxious.

उद्वेलित—वि० । आलोड़ित, हिलैत डोलैत, छलछलाइत । सीमासँ बाहर पसरल । [सं०] । तु० क० हि० उद्वेलित । रेखाचित्र १३० । ***udvejita***—*Adj.* Agitated, thrilled.

उद्वोहक—उद्बोधक (दे०) केर वा० रू० । राम० ७० । *udvohaka*—*Coll.* of *udbodhaka* (q.v.).

उधकए—उधकब (दे०) केर वर्त्त० रू० । प्रण० ८२ (सुनने छाती जोर जोरसँ उधकए लगलैन्ह) । ***udhakae***—*Present* tense form of ***udhakaba*** (q.v.).

उधकब—क्रि० । बारम्बार किञ्चित् नीचाँ-उपर होएब । [सं० उत् + अधः + नाम धातु] । तु० क० उधिनाएब । (छातीक उधकब शुभ लक्षण थिक) । ***udhakaba***—*V.* To palpitate, to pulsate.

उधकय—उधकए (दे०) फेर विक० रू० । रंग १३२ (छाती जोर-जोरसँ उधकय लगलैन्ह) । ***udhakaya***—*Alt.* of ***udhakae*** (q.v.).

उधकल—उधकब (दे०) केर भू० रू० । वि० ने० १७४ (उधकल केस पास लाज गुपुत हास) । ***udhakala***—*Past* form of ***udhakaba*** (q.v.).

उधब—जोश, आनन्द, मनोरंजन, उत्सव । [सं० उत् + सं० धव] । तु० क० उत्सव, उधव (दे०) । गौरी स्वयम्बर ८ (उधब बधाव गेल नृप धाम) । ***udhaba***—Festival, happiness.

उधमति—वि० । पागल, आधा मतिक वा बुद्धिक, मत्त । [सं० ऊर्ध्व + मति] । वि० ने० १४२ (जनि उधमति उमतावे मोह) । ***udhamati***—*Adj.* Mad.

उधव—आनन्द, उत्सव, मनोरंजन, श्रीकृष्णक मित्र उद्धव । [सं० उद्धव] । तु० क० उधव (दे०) विक० रू० । वि० पदा० मजु० ३६५ (जाह जाह तोहेँ उधव); श्री कृष्ण जन्म रहस्य २५ (नन्द घर उधव धावए सब मिलि गावए रे); चन्द्र० ३३ (एत ओत उधव वधाव); महेश० ५४ (लहु-लहु सुख उधव वधाव) । ***udhava***—Festival, happiness, name of Kṛṣṇa's friend.

उधवा—बिड़रो । [सं० ऊर्ध्ववात] । नव० ८ (गतवर्ष एकटा एहन उधवा उठलइक जे दलकेर बूढ़ बुभुक्षुकलोकन्हि अधिकार-चेत्र मध्य हस्तक्षेप करय पड़लइक) । ***udhavā***—Whirl.

उधसल—वि० । ध्वस्त, नष्ट, विनष्ट, छिन्न-भिन्न, एकत्रित नहि । [सं० उत् + सं० ध्वंस + अल] । तु० क० बं० उद्धसल । वि० पदा० मजु० २, रागत० पृष्ठ ५६, न० गु० ३३८

अ० २६१ (उधसल कैश कुसुम छिछिआएल) । *udhasala*—*Adj.* Ruined, dishevelled, scattered.

𑒅𑒡𑒮𑒱 **उधसि**—उधसल (दे०) कैर पू० क्रि० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, शं० ८४५, सा० प० २०१ (ततहि उधसि मै केश) । *udhasi*—*Past* Part. form of *udhasala* (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩 **उधार**[1]—कर्ज, ऋण; तात्कालिक बिना दामक खरीद बिक्री । [उद्+धार] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, पा०, पं०, गु०, भोज० म० उधार; प्राकृ० उद्धार । कीर्तिलता १८ (काहु देल लाख उधार); वि० पदा० मजु० ५७७ (पैन उधार मांगय गेली अंगना); चन्द्र० २५२ (लेत कि तस्कर सतत उधार); प्रग० १५५ (पीनी त उधार नहि देलक) । *udhāra*—(Buying or selling) on credit, loan, the act of borrowing.

𑒅𑒡𑒰𑒩 **उधार**[2]—उद्धार (दे०) केर का० रू० । वि० वि० २८ (उधार होयतत्वर भूपतीन्द्र भवने); श्री कृष्ण जन्म रहस्य २५ (अवगल जगत उधार करिअ प्रतिपालक); राम० ३० (कैलनि रघुवर सत्य उधार) । *udhāra*—P. F. of *uddhāra* (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒞𑒾 **उधारतौ**—उधार[2] (दे०) केर भवि० रू० । चन्द्र० २८२ (चन्द्रमनि मन दौ उधारतौ) । *udhāratau*—*Future* tense form of *udhāra*[2] (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒥 **उधारब**—क्रि० । का० रू० । उद्धार करब । [सं० उद्धार+अब] । महेश० १३ (जौं करुणामय मोहि उधारब); (कहाँ उधारब अधम पुर्वतके) । *udhāraba*—P.F. To emancipate.

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒪 **उधारल**—उधारब (दे०) केर भू० रू० । चन्द्र० २८ (जन बहुत उधा ल दीन); मि० ३० ७६ (सन उधारल से मोर नाथे) । *udhārala*—*Past tense* form of *udhāraba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒱 **उधारि**—उधारी (दे०) केर का० रू० । मि० ने० ६४ (पहिल पद्मोलक उधारि न देथ) । *udhāri*—P.F. of *udhārī* (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒱𑒝𑒲 **उधारिणी**—उधार[2] (दे०) केर स्त्री० रू० । सा० २७१–१ (जय जय तारिणि । भक्ति उधारिणि) । *udhāriṇī*—*Fem.* form of *udhāra*[2] (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒱𑒨𑒻 **उधारियै**—उधार[2] (दे०) केर इच्छा० रू० । महेश० ३५ (कर्मजाल जोर सँ उधारियै) । *udhāriyai*—*Opta.* form of *udhāra*[2] (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒲 **उधारी**—उधार लेबाक क्रिया । [उधार[1]+ई] । तु० क० राज० उधारी । वि० ने० ६३ (विद्यापति कह नारि हरि सखी कैलन रोक उधारी) । *udhārī*—The act of taking loan, or borrowing.

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒴 **उधारू**—उधार[2] (दे०) केर आज्ञा० रू० । FML 80 । *udhārū*—Imp. form of *udhāra*[2] (q.v.).

𑒅𑒡𑒰𑒩𑒹 **उधारे**—उधार[2] (दे०) केर का० रू० । मा० का० २१४ (दीन उधारे रामन ठाठ जाय सुनावे) । *udhāre*—*Poet.* of *udhāra*[2] (q.v.).

𑒅𑒡𑒱𑒂𑒃𑒕 **उधिआइछ**—उधिआएब (दे०) केर वर्त० रू० । रावण वध ४१ । *udhiāicha*—*Pres.* form of *udhiāeba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒱𑒂𑒃𑒞 **उधिआइत**—उधिआएब (दे०) केर वर्त० रू० । नव० १९ (उधिआइत दूधक फेनसँ उसलाक कण्ठ भरा गेलइक) । *udhiāita*—*Pres.* form of *udhiāeba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒱𑒂𑒋𑒥 **उधिआएब**—दुग्धादिक तापसँ ऊर्ध्वमुख होयब । [सं० उर्ध्व+अब अथवा उद्वर्तन] । (दूधक उधिआएब ताप पर निर्भर करैछ) । *udhiāeba*—To boil (milk etc.).

𑒅𑒡𑒱𑒂(𑒨𑒰)𑒢 **उधिआ(या)न**–१ [उधिआएब] वेग, झोंक, जोर, उफान, दूध आदिकेँ ताप लगला कारण छदकिकेँ पात्रसँ ऊपर होएब । [उद्धवन सं० उद्=ऊपर, धवन=दौड़ब, जाएब] वर्ण० ११ (उधिआन वारिद); नव० १०० (प्रसन्नताक जाहि उधिआन के) । *udhiā(yā)na*–Motion; force; overflowing of (milk) with heat, flying.

𑒅𑒡𑒱𑒌𑒪𑒰 **उधिऐला**—उधिअएलाह केर आदु० रू० । उधिआन (दे०) केर भूत० रू० । स्व० विवान ४१ । *udhiaila*—*Past* tense form of *udhiāna* (q.v.).

𑒅𑒡𑒱𑒨𑒰 **उधिया**—उधियान (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मधुआवली १६४; मिहिर ९ (२–६१–२४) । *udhiya*—*Past part.* of *udhiaeba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒱𑒨𑒰𑒨 **उधियाय**—उधिआएब (दे०) केर वर्त० रू० । कन्या १४४ (कोबरा घरक भार उधियाय लागल) । *udhiyāya*—*Present tense* form of *udhiāeba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒱𑒨𑒾𑒪𑒏 **उधियौलक**—उधिआएब (दे०) केर भू० रू० । चन्द्रकला १०३ । *udhiaulaka*—*Past* form of *udhiāeba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒳𑒏𑓂𑒏𑒰 **उधुक्का**—जोरसँ ऊपर दिसिकेँ धक्का देनाइ । [सं० उत्+धक्का] । (हे देखियौ ! बच्चा केहन नहियाँ उधुक्का मारि–मारि कए दूध सन्सा पीबि रहल अछि) । *udhukkā*–Push or jerk upwards.

𑒅𑒡𑒹𑒮 **उधेस**—उधेसि केर अशु० रू० । उधेसब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । पानी बाद १७ (धुरकेँ उधेस देलक आ विदा भ गेल); पातुपाठ ७५ । *udhesa*–Err. of *udhesi*. *Part* form of *udhesaba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒹𑒮𑒥 **उधेसब**—क्रि० । असावधानता उद्घाटन, अपनाइ जहाँ पसारब, छिटि देब । [सं० उत्+ध्वंस+अब] तु० क० उँधसब

(दे०) केर विक० रू० । (टालके उधेसब कोनो कठिन नहि) । *udhesaba* —*V.* To spread out in a disorderly fashion. Alt. of *udhasaba*.

𑒅𑒡𑒹𑒮𑒪𑒏 **उधेसलक**—उधेसब (दे०) केर अना० भू० रू० । (डोमना कालि टालकेँ **उधेसलक** आ समटलक नहि) । *udhesalaka*—*Past* tense nonh. of *udhesaba* (q.v.).

𑒅𑒡𑒹𑒮𑒴 **उधेसू**—उधेसब (दे०) केर आज्ञा० रू० । मिहि० ३०-१२ (एक चुटकी मसालाक कार्ड मेल भरि घर **उधेसू**) । *udhesū*—*Imp.* form of *udhesaba* (q.v.).

𑒅𑒢 **उन**—किछु न्यून, किछु त्रुटि, किछु कम । [सं० ऊन] मा० का० २१३ (सुरपुर गुण **उन** वलिक सदन हुन) । *una*—*Adv.* Wanting, deficient, less than, minus (in this sense used with numerals).

𑒅𑒢𑒏 **उनक**—हुनक (दे०) केर प्रा० तु० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, अ० ८४५ (सा० प० ५०१) (आपन बसन देइ **उनक** बसन लेइ) । *unaka*—*Obs.* form of *Hunaka* (q.v.).

𑒅𑒢𑒏𑒩 **उनकर**—हुनकर (दे०) केर ग्रा० रु० । तु० क० अ०, उ०, ना० ति० ५८ । (**उनकर** बात कनी सुनिऔन तऽ) । *unakara*—*Folk* form of *Hunakara* (q.v.).

𑒅𑒢𑒔 **उनच**—एकटा रस्सी जे खाटक पओथान दिसि बुनल अंश केँ सतानबाक हेतु लगाओल जाइछ । [सं० उदवन] । तु० क० अर्ओंच (मै०); हि० **उनचन; उणाच** । वर्ण० १४ (अइसन मभ-ओतरि **उनच**) । *unaca*—A string which tightens the other ropes in a cot.

𑒅𑒢𑒔𑒰𑒪𑒱𑒮 **उनचालिस**—उञ्चालिस (दे०) केर विक० रू० । तु० क० सं० ऊनचत्वारिंशत्; प्रा० **उणचालिस**; हि० **उनतालिस**; प० **उणताली**, लह० **उनताली**; असम० **उनसाल्लिस्स**; **उणचालिस** । [सं० उन + चालिस (दे०)] (तीस आ नओ **उनचालिस**) । *unacālisa*—*Alt.* of *uñcālisa* (q.v.).

𑒅𑒢𑒔𑒰𑒪𑒱𑒮𑒧 **उनचालिसम**—उञ्चालिसम (दे०) केर विक० रू० । मि० मा० ५३ । *unacālisama*—*Alt.* of *uñcalisama* (q.v.).

𑒅𑒢𑒔𑒰𑒮 **उनचास**—उञ्चास (दे०) केर विक० रु० । तु० क० हि० **उनचास**; प्राकृ० **उनपचास**; लह० **उनवञ्ज**; प० **उणञ्जा** असम० **उनपनसास्स**; उ० **उणचास** । FML 370; राम० १८८ (लङ्का लोटि हाथ **उनचास**) । *unacāsa*—*Alt.* of *uñcāsa* (q.v.).

𑒅𑒢𑒔𑒰𑒮𑒧 **उनचासम**—उञ्चासम (दे०) केर वि० रु० । मि० मा० वि० ५३ । *unacāsama*—*Alt.* of *uñcāsama* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙 **उनट**—परिवर्तन, बिपरीत । उनटब (दे०) केर मूल धातु रू० । [उत् + सं० अटि अटते, अण्टति] । तु० क० हि० **उलट** *unaṭa*—Reverse, opposition, turn over. Root form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒍𑒪𑒰 **उनटओला**—उनटब (दे०) केर भाव० रू० मै० सा० इ० १३ । *unaṭaolā*—Future tense form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒢 **उनटन**—प्रलय, विपत्ति, जलमग्न, आमूल परिवर्तन । [उनट + अन] । तु० क० **उमटाम** (दे०) उलहन १२ । *unaṭana*—Revolution, a complete change.

𑒅𑒢𑒙-𑒣𑒢𑒙 **उनट-पनट**—क्रि० वि० । हेरी-फेरी, लोट-पोट करब । [उनट + शब्दानुकरण साम्य पनट] । तु० क० उथल-पथल; उनटा-पुनटा । गद्य चन्द्रिका ३४ । *unaṭa panaṭa*—*Adv.* Upside down.

𑒅𑒢𑒙𑒥𑒿 **उनटब**—अन्यथा भाव, अधोमुख होयब । [उनट + अब] । (बच्चा **उनटब** अपनहि सिखैछ) । *unaṭaba*—(While lying supine) turn over or change side.

𑒅𑒢𑒙𑒥𑒻𑒞 **उनटबैत**—उनटब (दे०) केर इच्छा० रू० । कन्या० ४४ (तारकेँ **उनटबैत** पुनटबैत बजलाह) । *unaṭabaito*—*Opta.* form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒪 **उनटल**—उनटब (दे०) केर भू० रू० । मो० १७१-१७ (छल **उनटल** हम लेल घुमाय); मि० उद० १५९-१ (अछि काल **उनटल**); नव० २२ (ओकर कोंढ़ **उनटल** जाइत रहइ) । *unaṭala*—*Past* form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒪𑒰 **उनटला**-उनटब (दे०) केर भू० रू० । रंग० ६० (चिलमची **उनटला** सँ धोती भीजि गेल) । *unaṭalā*—*Past* tense form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒍𑒥𑒻𑒞 **उनटओबैत**—उनटबैत (दे०) केर वि० रू० । कन्या० ६ (किताब समनेमे **उनटबैत** रहैत छथि); पारो ११ (पोथी समकेँ **उनटबैत** रही) । *unaṭaobaita*—*Alt.* Form of *unṭabaita* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒰 **उनटा**—विपरीत, विरुद्ध । [उनट + आ] । तु० क० हि० म० **उलटा** । FML 289; पारो १० (**उनटा** क की कहबै से नहिएँ फूरल); मै० हि० सा० (३-४) ७ (केवल **उनटा** पुनटा के देखि); **उनटा** सीधा सुनौनाइ = गारि देब । *unaṭā*—Upset, reverse.

𑒅𑒢𑒙𑒰𑒍𑒪 **उनटाओल**—उनटा (दे०) केर क्रि० क्रि० रू० मन० कृष्ण० १४ (कहि नहि सकत कओ **उनटाओल**) । *unaṭā-ola*—*Past part.* of *unaṭā* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒰 𑒐𑒼𑒠𑒯𑒰 **उनटा खोदहा**—खोदहा क० ... प्रभेद । [उनटा + स० खनन] । (अए बौआसिन ! **उनटा खोदहा** ... बाए लिअ) । *unaṭā khodahā*—A kind of ...

𑒅𑒢𑒙𑒰𑒫𑒨 **उनटावय**—उनटा (दे०) केर इच्छा० रू०

दिरा० ५१ (पुष्ट: उनटावय लगलाह) । *unaṭāvaya*—*Opta.* form of *unaṭā* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒰 𑒮𑒩𑒱𑒮𑒥 **उनटा सरिसब**—नीच मुँह सरिसब, जाहि सरिसबक फड नीचाँ मुँह झुकल रहैछ, तान्त्रिक क्रियामे प्रयुक्त। [उनटा + सं० सर्षप सरिस > सरिसब] । (उनटा सरिसब काज पड़ले काज पड़ैछ) । *unaṭā sarisava*—Reverse mustard.

𑒅𑒢𑒙𑒰 𑒔𑒱𑒛𑓃𑒔𑒱𑒛𑓃𑒲 **उनटा चिड़चिड़ी**—औषधि (जड़ी-विशेष) अपामार्ग । बृहत्पतित होम अपामार्ग सँ होइत छन्हि । *unaṭā ciḍaciḍī*—Name of a herb.

𑒅𑒢𑒙𑒱 **उनटि**—उनटब (दे०) पू० क्रि० रू० । मौ० ६७–१४ (राजनी कैँ उनटि पुनटि मारो लगलाह); मि० उद० १२६–१ (हमरि मतिए उनटि गेल अछि की ?); कन्या० ११ (हमरे पर उनटि गेलथि); प्रया० ४ (मालिक दबाल उनटि क कल्लल सरिता बहाए रहल अछि); चित्रा ४९ (दुरदुरैत उनटि क देत बोही दोक) । *unaṭi*—*Part.* form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒹 **उनटे**—उनटा (दे०) केर निश्च० का० रू० । मि० मिच २४३ (उनटे गङ्गा बहाबक तैयारी); मौ० ९९–४ (उनटे उपरोजित काज करथि); मि० उद० १२६–१ (उनटे जनै अछि दृष्टिमे) । *unaṭe*—*Coll.* of decisive form of *unaṭa* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒾𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 **उनटौलन्हि**—उनटब (दे०) केर इच्छा० रू० । कड़ु० ४२ (महाक सृष्टि कैँ उनटौलन्हि) । *unaṭaulanhi*—*Opta.* form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒞 **उनत**—उन्नत (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २१, न० गु० तालपत्र ११७, पं० सं० १२२६, अ० १२० (उनत उरज चिरे भमायए) । *unata*—*Poet.* of *unnata* (q.v.).

𑒅𑒢𑒞𑒲𑒮 **उनतीस**–वि० । एक कम तीस । उनतिस केर हि० रू० । [सं० ऊनविंशति] । तु० रू० हि० उनतीस; उ० उणतिरिश; उनत्रिश; ने० । अम० ६ (ई उनतीसो); (उनतीस मे एक जोड़ि देला पर तीस होइछ) । *unatīsa*—*Adj.* Twenty-nine.

𑒅𑒢𑒞𑒲𑒮𑒧 **उनतीसम**—क्रि० वि० उनतिस केर संख्या स्थान । [सं० ऊन-त्रिंशतम्] । मि० भा० वि० ५३ । *unatīsama*—Twentyninth.

𑒅𑒢𑒧𑒞𑒱 **उनमति**—उन्मत्त (दे०) केर स्त्री० का० रू० । राम० ३२५ (अति उनमति युवती पाय); चन्द्र० ३३१ (उनमति कामिनि रे) । *unamati*—*Fem. Poet.* form of *unmatta* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒞𑓂𑒞 **उनमत्त**—उन्मत्त (दे०) केर का० रू० । पुष्प० १९२ (पुनि उनमत्त जगाय) । *unamatta*—*Poet.* of *unmatta* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒢𑒮𑓂𑒏 **उनमनस्क**—अनमनस्क (दे०) केर कृत्रिम सं० रू० । मि० ३ (भीड़ा गहीतैँ उनमनस्क भइ) । *unamanaska*—*Alt.* Perhaps coined as Sanskrit form of *anamanaska* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒮𑒱𑒂 **उनमसिआ**—उत्कंठित । का० रू० । [सं० उद् + सं० मनस्का] । वि० नं० ५८ (मनमथ चातक नहि लगाए बड़ उनमसिआ अवसर पाब) । *unamasiā*—P. F. Intensely eager.

𑒅𑒢𑒧𑒰𑒠 **उनमाद**—उन्माद (दे०) केर का० रू० । तु० रू० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० उनमाद । मंदरा० १५ (धन यौवन उन्माद) । *unamāda*—*Poet.* of *unmāda* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒳𑒐𑒹 **उनमुखे**—उन्मुख (दे०) केर का० रू० । राम० ५२ (उनमुखे नाच मयूरे) । *unamukhe*—*Poet.* form of *unmukha* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒳𑒢𑒰𑒨 **उनमुनाय**—पू० का० क्रि० । सम्बोद्द भए गप्प आदि करबाक हेतु । [सं० उन्मुद > उनमुन + आय] । मिहि० २७–१९–१२ (गप्प करबाक हेतु कनेँ मने उनमुनाय लागी) । *unamunāya*–*V. Part.* Having become eager (to talk etc.).

𑒅𑒢(𑒢𑒰)𑒩𑒥 **उन(ना)रब**—फाड़ा, मट्टा आदि केँ चलासँ अधिक फानक होएब । [सं० उद् + नम > उनार + अब] । *una(nā)raba*—To widen the gap, particularly between two sides of a circle.

𑒅𑒢𑒮(𑒙𑓂)(𑒚𑓂)𑒚𑒱 **उनस(ट्)(ठ्)ठि**–वि० । एक कम साठि । [सं० एकोनषष्टि] । तु० रू० बं०, हि०, उनसठ ने० उनसट्ठि; सि० उणसट्ठि पं० उणहट, लह० उणाहठ । (उनसट्ठि आ एक कम साठि होइछ) । *unasa(ṭ)(ṭh)ṭhi*—*Adj.* Fifty-nine.

𑒅𑒢𑒮(𑒙𑓂)𑒚𑒱𑒧 **उनस(ट्)ठिम**—क्रि० वि० । उनसट्ठि संख्या क वस्तु वा अन्य [सं० एकोनषष्टितम्] । मि० भा० वि० ५३ (उनसट्ठिम स्थान पबौलन्हि) । *unasa(ṭ)ṭhima*—*Adv.* fiftynine.

𑒅𑒢𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱 **उनहत्तरि**—वि० । एक कम सत्तरि । [सं० एकोनसप्तति] । तु० रू० हि०, ने० उनहत्तर प्राकृ० उणुहत्तर; सि० सि० उणहत्तिरा; पं० लह० उहत्तर । *unahattari*—*Adj.* Sixty-nine.

𑒅𑒢𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱𑒧 **उनहत्तरिम**—क्रि० वि० । उनहत्तरिक संख्या क स्थान । [सं० एकोनसप्ततितम्] । मि० भा० वि० ५४ । *unahattarima*—*Adv.* Sixtyninth.

𑒅𑒢𑒯𑒱 **उनहि**—पू० का० क्रि० । व्यतीत भए जाएब । [? उनाह] मि० दर्शन ५ (मने दोकान-दौबिक केर लगभग उनहि जर्फो गेल छैक) । *unahi*—Having passed (day, time etc.).

𑒅𑒢𑒰𑒩 **उनार**—कोनो वस्तु पर पाछू विशेष बल पड़ला पर उनार भए जाइछ, उनारबाक क्रिया । [सं० उद् + नम] । धातु पाठ ६५ । *unāra*—Heavy load in the back part so as to upset the balance of a (bullock) cart.

𑒅𑒢𑒰𑒮𑒲 **उनासी**—वि० । एक कम अस्सी । [सं० ऊना-

शीति]। तु० क० हि० उन्नासी; अस०, ने० उनासी; बं० उनाशि; उर्दू अणाऊशी; सि० लह० ऊणासी; प्राकृ० उगुसोह; उ० उणासि; प० उनासी। (उनासी एक अस्सी)। *unāsi*—*Adj.* Seventy-nine.

ꣁनासीम उनासीम—क्रि० वि०। उनासी संख्याक वस्तु स्थान। [सं० ऊनाशीतितम्]। धातु पाठ ५४। *unāsima*—*Adv.* Seventyninth.

ꣁनाह उनाह—भाप लेबाक कार्य, खेतमे हुल्लुक सँ जोतबाक कार्य। [सं० उत्+नह बन्धने]। IAL Turner 2106 उन्नाम अथवा सं० उनाय>उनाअ>उनाह] अथवा सं० उष्ण>उष्णाह> उनाह]। BPL826; FML 178. *unāha*—Light reploughing of a rice field after sowing, to destroy unwanted weeds; the act of fomenting.

ꣁनाहब उनाहब—क्रि०। भाप लेब, खेतकेँ हुलुकसँ जोतब। [स० उष्ण तथा सं० उनाय>उनाह+अब]। [खेतकेँ उनाहब ओकर बाद कोनो कार्य होइत]। *unāhaba*—*V.* To light reploughing the rice field, to treat with fomentation.

ꣁनी उनी—ऊनी (दे०) केर वा० रू०। तु० क० ने०, अस० उनी; ने० उनि। मो० ९७–१२ (रेशमो सूती ओ उनी)। *uni*—*Coll.* of *ūni* (q.v.).

ꣁनेत उनेत—नियम निष्ठाक व्रत आदि मे अवहेलना होएब। [सं० उत्+नीति=सं० उन्नीति]। (सत्यनारायणक पूजा मे वणिक् कतेको बेर उनेत कए देलक)। *uneta*—Negligence in a vow or religious performance.

ꣁनैट उनैट—उनटि (दे०) केर वा० रू०। मिथिला दर्पण ४४। *unaiṭa*—*Coll.* of *unaṭi* (q.v.).

ꣁनैस उनैस—वि०। एक कम बीस। [ऊनविंशति]। तु० क० हि० उन्नीस; ने० उनैस; लह० पं० उन्नी; सि० उणवीह; उ० ऊणोइस। (उनैस बीस भेनाइ)=घटल वा बढ़ल; (उनैस बीसक फर्क)=कम फर्क; (उनैस भेनाइ)=कम भेनाइ। *unaisa*—*Adj.* Nineteen.

ꣁनैसम उनैसम—वि०। उनैस संख्याक वस्तु वा स्थान। [सं० ऊनविंशतितम्] मि० भा० वि० ५३। *unaisama*—*Adj.* Nineteenth.

ꣁन्तिस उन्तिस—वि०। एक कम तीस। [सं० एकोनत्रिंशति]। तु० क० हि० उनतीस; पं० उणत्ती; उ० उणतिरिस; लह० उनत्री; सि० उणटिह। (अट्ठाइस एक उन्तिस)। *untisa*—*Adj.* Twenty-nine.

ꣁन्ति(न्ती)सम उन्ति(न्ती)सम—वि०। उन्तीस संख्याक वस्तु वा स्थान। सं० एकोनत्रिंशतितम]। (उन्ति(न्ती)सम स्थान प्राप्त कएलैन्ह)। *unti(tī) sama*—*Adj.* Twentyninth.

ꣁन्द उन्द—ओम्हर। मिथिलाक दक्षिण भागमे [illegible] जातिमे बाजल जाइछ। तु० क० ओन्न एन्न। (हुन्दे [illegible] पुरमे)। *unda*—That way.

ꣁन्दुर(रु) उन्दुर(रु)—मूस। [सं० उन्दुरु]। अम० [illegible] (उन्दुर उन्दुरु)। *undura(ru)*—Mouse.

ꣁन्दे उन्दे—उन्द (दे०) केर वा० रू०। FML 43[illegible]. *unde*—*Coll.* Of *unda* (q.v.).

ꣁन्नत उन्नत—वि०। ऊँच, श्रेष्ठ, ऊपर, उठल। [सं० उत्+नत]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा०, अव०, राज० उन्नत; प्राकृ० उण्णय; प्रा० गु० ऊनयू। वर्ण० १७ (अहंकार, अइसन उन्नत); वि० पदा० मजु० १३१ मिथिला न० गु० ७२६, अ० ७२४ (मास अषाढ़ उन्नत नव मेघ); मै० हि० सा० १८ (कतेक उन्नत कक्षा पर छी); मो० १–१० (जनिक विद्या विभवसौं मैथिलक उन्नत पाग); पुरु० २६६ (कुच युग उन्नत भयल)। *unnata*—*Adj.* High, vast, eminent, raised.

ꣁन्नता उन्नता—चन्द्रमाक सोरह कलामेसँ एक कला [उन्नत+आ]। वर्ण० १८ (उन्नता, भद्रा, भद्रतरा, हरिणी, भ्रंसमानिनी)। *unnatā*—One of the sixteen phases (digits) of the moon.

ꣁन्नति उन्नति-वृद्धि, समृद्धि, बढ़ती, ऊँचाइ, तरक्की। [सं० उत्+नम्+क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, उन्नति। वर्ण० २७ (उन्नति शिरा); राम० बाल० ३ (नीचक उन्नति होयत अपार); मै० हि० सा० ८ (देशक उन्नति मे सदा-दत्त-चित्त रहथि); मि० उद० १५७–२३ (उन्नति हो उन्नति हो, होएत किछु नहि); मो० ६१–१ (दै अमोघ उन्नति); चित्रा ८५ (सत्य थिक मानव समाजक क्रमिक उन्नति)। *unnati*—Height, elevation, rise.

ꣁन्नतोदर उन्नतोदर—क्रि० वि०। बोधिबला, जकर उदर अर्थात् पेट उन्नत अर्थात ऊँच होइन्ह। [उन्नत+उदर]। मि० मिश्र० १६० (एहि सब तरहक ऊर्ध्व भाग उन्नतोदर ओ निम्न भाग नतोदर होइछ)। *unnatodara*-*Adv.* Having a bulging stomach or an enlarged abdomen.

ꣁन्न(न्ना)य उन्न(न्ना)य—उन्नति, उत्थान, समृद्धि। [सं० उत्+नी–अच् तथा उत्+नी–घञ्]। अम० २६८ (उन्नाय, उन्नय)। *unna(nnā)ya*—Elevation, rising.

ꣁन्नयन उन्नयन—उपर उठेनाए, आगाँ बढ़ाएब, लए जाएब, नयन। [सं० उत्+नी–ल्युट्]। तु० क० बं०, राज० उन्नयन मिहि० ४ (२-६५-६०)। *unnayana*—Rising, elevation, deliverance.

ꣁनिद्र उनिद्र—वि०। जकर निन्न टुटि गेलैक, [illegible] [सं० उत्+निद्रा]। तु० क० हि० अनिन्द्र। नव० [illegible] निआक दलकेँ उन्निद्र रोग भ गेल रहइन्हि [illegible]

unnidra—Adj. Sleepless, full-blown.

उन्ने—ओम्हर वा उम्हर (दे०) केर दक्षिणी रू० । FML. 439 *unne*—Southern form of *omhara* or *umhara* (q.v.).

उन्नैस—उनैस (दे०) केर चि० रू० । पारी ६३ (ताहि पर उन्नैस गोटाकें दुसि ठासिकें बैसा देलकैक) । *unnaisa—Alt.* of *unaisa* (q.v.).

उन्मज्जन—जलक्रीडाक एक भेद । [सं०] । वर्ण० ४० (मज्जन, उन्मज्जन, बलात्कार, सीकर, विक्षेप, गण्डूष, नाकजल, बुद्बुद, अवगाहन प्रभृति अनेक जलक्रीडा करते छथि) । *unmajjana*—A kind of playing in water.

उन्मत्त—वि० । पागल, बेसुध, मदांध, जे अपन चेतना मे नहि हो । [सं० उत्+मत्त] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उन्मत्त, प० उन्मत्त; सि० उमतुव । वर्ण० २७ (उन्मत्त हाथ सन्हिकें); राम० ७६ (के कपि मन उन्मत्त बताह); राम० ११० (खुट्टु निकट उन्मत्त मति); नै० वि० सा० ७ (पैलाह गन्ध मात्रसँ उन्मत्त भय); मिथि० उद० १५७-८ (महा धृष्ट नग्न उन्मत्त नृत्यादि देखि); मो० १०१-२३ (के उन्मत्त नहि छथि); मणा० २१६ (ओ उन्मत्त भ कामिनीक ठोढ प लेलखिन्ह) । *unmatta—Adj.* Mad, one who is not in his senses.

उन्मत्तता—पागलपन, मदान्धता, बेसुधता । [सं० उन्मत्त+अता] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उन्मत्तता । मिथि० उद० १५८-७ (उन्मत्तताक आवेशमे); मो० १४२-२ (मिजबाक उन्मत्तता हटि सन्तोष रसाल रसक आमोद हो) । *unmattata*—Madness.

उन्मत्तो—उन्मत्त (दे०) केर निश्च० का० रू० । चम्पा० २९ । ५ । *unmatto—Emph. Poetic* of *unmatta* (q. v.).

उन्मथन—हत्या, मर्दन, मन्थन, मथब । [सं० उद्+मथन] । (आब उन्मथन करब उचित नहि) । *unmathan*—Churning, violent discussion.

उन्मथित—वि० । हत्या कयल गेल, मर्दित, मथित । [सं० उत्+मथन—क्त] । मिथि० ३३-२४-११ (कनिक हृदयमे उन्मथित भए गेल) । *unmathita—Adj.* Churned, killed, agitated.

उन्मद्—उन्मत्त (दे०) केर ना० रू० । राम० २२७ (एक समय उन्मद् लंकेश); मो० ७०-२ (भेल उन्मद् मालती) । *unmada—Coll.* of *unmatta* (q. v.).

उन्मन—वि० । चौरासी सिद्धिमे सँ एक नाम, जकरा मे उद्वेग एवं आकुलता हो, अन्यमनस्क, खिन्न । [सं० उत्+मन] । तु० रू०, हि०, बं०, अस०, ने० उन्मन । वर्ण० ५७ (मेघल, उन्मन कान्तादि); सावन भादव ११; अर्चना ४५ । *unmana—Adj.* Absent-minded; name of a *Siddhi* (q.v.).

उन्मन्न—उन्मन (दे०) केर का० रू० । प्रेमाञ्जलि ५५ । *unmala*—Poetic form of *unmana* (q.v.).

उन्मस—अधिक गर्मी (जेना वर्षा ऋतुक मध्य) । [सं० उष्ण > उष्मस > उन्मस] । तु० रू० हि० उमस । पारी ४३ (बिना उन्मस मे नहि) । *unmasa*—Swelter.

उन्माद—अव्यवस्थित चित्त, एक प्रकारक रोग जाहि मे मन एवं बुद्धिक पारस्परिक सम्बन्ध बिगडि जाय; पागलपन, चित्त विभ्रम । [सं० उत्+मद—घञ्] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उन्माद; प० उन्माद; प्राकृ० उम्माय; म० उन्मा । वर्ण० २८ (उन्माद मरण इत्ते) । *unmāda*–Madness, lirium tremens.

उन्मादक—वि० । पागल बनौनिहार, नशा करनिहार, अव्यवस्थित चित्त करनिहार । [उन्माद+अक] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उन्मादक । (उन्मादक चित्त भए होइछ) । *unmādaka—Adj.* What intoxicates.

उन्मादन—कन्दर्पक बाण, कामदेवक बाण, पागल करबाक क्रिया । [सं० उत्+मद-णिच्] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० उन्मादन; राज० उन्मादण । वर्ण० ७ (मादन उन्मादन); मो० १०१-१३ (अमरक बाजय उन्मादन) । *unmādana*–The act of making mad, the shaft of cupid.

उन्मादिनी—उन्मादन (दे०) केर स्त्री० रू० । ग १६७ (तहिखनि उन्मादिनी जकाँ सब केश फोलने); वन कुसुम ४६ । *unmadini—Fem.* form of *unmadana* (q.v.).

उन्मादी—वि० । उन्मत्त, पागल, मदांध । [सं० उन्माद+ई] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० उन्मादी । द० व्या० १४ (जो उन्मादी कतहु कर) । *unmādi—Adj.* Mad.

उन्मिषित—वि० । विकसित, उन्मीलित, खुजल । [सं० उत्+मिष—क्त] । एकावली परिणय १२८ । *unmiṣita—Adj.* Opened, blown.

उन्मीलन—खुजब, विकसित होयब । [सं० उत्+मील—क्त] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज० उन्मीलन । (पुष्पक उन्मीलन अद्भुत छवि पदैछ) । *unmilana* Unfolding.

उन्मीलित—वि० । विकसित, उन्मिषित, खुजल । [सं० उत्+मील—क्त] । तु० रू० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उन्मीलित । राम० २२५ (नहि उन्मीलित होयत आँखि); पारी ७ (अपन नेत्र उन्मीलित क क बघु गील क बुरोत कहलैन्ह); मिथि० २-३ १ (उन्मीलित जाति नीच नकुर्स मन्द) । *unmilita*

—*Adj.* Opened, blossomed.

उन्मुक्त—वि०। मुक्त, स्वतन्त्र, बन्धनहीन, विकसित, उदार। [सं० उत्+मुक्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, नव० ४ (निद्रादेवी अपन दरबार **उन्मुक्त** क लेथीन्ह)। *unmukta*—*Adj.* Free, released, blossomed.

उन्मुख—वि०। उपर दिश तकैत, ऊर्ध्वमुख; उत्सुक, उद्यत। [सं० उत्+मुख]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उन्मुख**। (**उन्मुख** ओ ताकि रहल छथि)। *unmukha*—*Adj.* With face uplifted, looking up.

उन्मूलन—जड़ि सहित नष्ट करब वा उखाड़ि फेकब। [सं० उत्+मूल+णिच्—ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उन्मूलन**। *unmūlana*—Uprooting.

उन्मूलि—**उन्मूलन** (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वर्ण० ६७ (कदलोक कन्द **उन्मूलि**)। *unmūli*—*Part.* form of *unmūlana* (q.v.).

उन्मूलित—वि०। जकिसँ उखाड़ल वा नष्ट कएल। [सं० उत्+मूल—क्त]। तु० क० बं०, अस०, **उन्मूलित**। मि० उद० १५७-१८ (**उन्मूलित** करै लगलैन्ह)। *unmūlita*—*Adj.* Uprooted.

उन्मेख(ष)—क्रम प्रकाश, विकास, खुजब (आँखिक)। [सं० उत्+मिष्—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उन्मेष**; राज० **उन्मेस**। उत्तर राम० ९८। *unmekha(ṣa)*—Unfolding, opening of the eye.

उन्हसइते—उल्लाससँ भरल। [ऊन (सं०)+हसइते (दे०)]। वर्ण० ५४ (**उन्हसइते** ये चिताक अग्नि)। *unhasaite*—Full of joy, a little laughing.

उन्हसिउ—चर्य्या० २७-१। *unhasiu*—see *unhasaite* (q.v.).

उन्हासइते—उल्लास (दे०) क प्रा० लु० रू०। **उन्हसइते**(दे०)। FML 187. *unhāsaite*—Obs. form of *ullāsa* (q.v.).

उप—उपसर्ग। शब्दक पहिने लगलासँ ओकर अर्थमे अन्तर वा विशेषता आनि दैत अछि। [सं० उप]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, भोज०, राज० **उप**। लगक अर्थमे **उपकण्ठ**; **उपनयन**; **उपकूल**; नीकक अर्थमे **उपकार**; गौणता वा न्यूनताक अर्थमे **उपमन्त्री**; **उपसभापति**; **उपराष्ट्रपति**; **उपप्रधानमन्त्री**; विनाशक अर्थमे **उपघात**; औषधिक अर्थमे **उपचार**; भोगक अर्थमे **उपभोग** आदि। रोगावस्थामे कोनो उपद्रव, प्रलाप, मूर्च्छा आदि। *upa*—*Perfix* denoting proximity, likeness, inferiority, beginning etc.

उपअ—उपर (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वि० पदा० मजु० ८०, रामभद्रपुर पोथी पद १६६ (चान्दक **उपअ** कुमुद जनु होए); वि० पदा० मजु० १०२, रामभद्रपुर पोथी पद ५९ (तरणि **उपअ** लहत की चन्द)। *upaa*—*Old* Obs form of *upara* (q.v.).

उपकण्ठ—कण्ठ समीप; तट, कछहरिक निकटता; अरू-पड़ोस। [सं० उप+कण्ठ]। तु० क० हि० राज० **उपकण्ठ**; बं० ने० **उपकण्ठ**। अम० १५४ (**उपकण्ठ** अन्तिक)। *upakaṇṭha*—Near, bank of river.

उपकथा—उपन्यास, मूल कथा नहि, मिलल छोट कथा। [सं० उप+कथा]। तु० क० बं०, अस०, ने० **उपकथा**। (कथा एवं **उपकथाक** शैली कोनो आइ कालिहक नहि देन थिक)। *upakathā*—A sub-plot, fable, within a tale.

उपकरण—सामग्री, साधन, राज्य सामग्री वा राज्य चिन्ह आदि। [सं० उप+करण]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उपकरण**; प्राकृ० **औवरण**; सि० **उवारण**। वर्ण० ६८ (अनेकक **उपकरण**); द्विरा० ८ (गृहणीक हेतु ओ आवश्यक **उपकरण** नहि); मि० २६४ (दानार्थ **उपकरण** मङाय); मि० उद० १५१-३ (शुभ **उपकरण** सँ); मो० ९७-२८ (पूजाक **उपकरण**); पुरु० २४३ (शिवक पूजन साधारण **उपकरण** वस्तु लय)। *upakaraṇa*—Means, insignia of royalty, equipment.

उपकार—सहायता, भलाइ, हित, लाभ, फायदा, नीक। [सं० उप+कृ—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज०, पा० **उपकार**; प्राकृ० **उवयार**; **उआर**। वि० पदा० मजु० ४४; न० गु० तालपत्र १२५, रागत० ३४; अ० १२८ (सब तह बर थिक पर **उपकार**); राम० १२ (की करू हम **उपकार**) राम० बालकाण्ड २ (**उपकारक** हेतु); मै० हि० सा० (मि० ३०) ७ (देशक **उपकार** हयब कोना सम्भव); मो० ९७-१० (जाहिसँ आनो अनेको **उपकार** छल); मि० उद० १५८-१८ (एहि मे सार बरक **उपकार**); पुरु० १९६ (सकल जन्तु **उपकार**); प्रण० १२४ (जाहिसँ लोकक **उपकार** होइक से धर्म); पारो १४ (गृहस्थीमे कने मने **उपकार** होइन्ह); शत० ६ (**उपकार** जनावइ छी हम धन)। *upakāra*—Favour, help, goodwill benefit.

उपकारक—वि०। उपकारी, हित, लाभ फायदा वा सहायता कएनिहार। सं० उप+कारक]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० **उपकारक** प्राकृ० **उपयारय**। (राम **उपकारक** आदमी छथि)। *upakāraka*—*Adj.* Who helps.

उपकारार्थ—सहायताक हेतु, हित, लाभ आदिक हेतु। [उपकार+अर्थ]। प्रण० ४ (हमर **उपकारार्थ** अपना [illegible] नामाऽली कहि सुनौलन्हि)। *upakārārtha*—For goodness or help.

उपकारिक(का)—वि० [illegible] भलाइ, सहायता, लाभ आदि कएनिहार वा कएनिहारि। [illegible] (का)]। पुरु० ८० (**उपकारिक** भल काजक [illegible]

kārika(kā)—*Adj.* Who (male or female) helps.

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒱𑒝𑒱(𑒝𑒲) **उपकारिणि(णी)**—उपकारी (दे०) केर स्त्री० रू० । विद्यापता ५०; पुष० २२४ (से उपकारिणि त्यजय की) । *upakāriṇi(ṇī)*—*Fem.* form of *upakārī* (q.v.).

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒱𑒞𑒰 **उपकारिता**—सहायताक कार्य वा सहायता, हित, भलाइ करबाक गुण वा स्वभाव । [सं० उपकारिन्+तल्+टाप्] । तु० क० हि०, राज० उपकारिता । मी० ४६-५ (मिथिला मोदक मोदक उपकारिता प्रकट करैत छी) । *upakāritā*—Beneficence.

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒲 **उपकारी**—वि० । उपकार वा सहायता करनिहार, लाभ पहुँचओनिहार । [सं० उपकार+ई] । तु० क० हि०, बं०, उर्दू, असा०, ने०, अव०, राज० उपकारी । मी० १७-१० (पण्डित उपकारी होइछ); प्रण० १६२ (त्यागी उपकारी गुणनिधान) । *upakārī*—*Adj.* Advantageous, beneficent, who helps.

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒹 **उपकारे**—उपकार (दे०) केर का० रू० । वि० ने० ११४ (पर उपकारे परम दी पुन); वि० पदा० मजु० १११, न० गु० तालपत्र ४६७, बं० ४६२ (काजे मोर उपकारे) । *upkāre*—*Poet.* form of *upakāra* (q.v.).

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒰 **उपकार्या**—उपकारक योग्य, राजाक रहबाक भवन । [सं० उप+कृ—ण्यत्] । मि० २६५ (शासन पत्र भेटबाक मादेश है उपकार्या मे जाय); अम० ७२ । *upakāryā*—Deserving help, the building fit for an emperor.

𑒅𑒣𑒏𑒳𑒪𑒖 **उपकुलज**—चौबीस जातिमेसँ एक । [सं०] । वर्ण० ३५ (कुलज, उपकुलज मेचक) । *upakulaja*—One of the twenty-four races.

𑒅𑒣𑒏𑒴𑒪 **उपकूल**—वि० । लग, निकट, समीप, नजदीक वा धारक तट वा किनहरि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव०, राज० उपकूल । (ओ हमर उपकूल ठाढ़ भए सागरक शोभा देखय लगलाह) । *upakūla*—*Adj.* Near, near the bank of a river.

𑒅𑒣𑒏𑒵𑒞 **उपकृत**—वि० । जकर उपकार वा सहायता कएल गेल होइक । [सं० उप+कृ—क्त] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव०, राज० उपकृत; पा० उपकतल; प्राकृ० उवगिय; ओगिय । नं० १८-२-११ (काव्यलोकनि उपकृत कैल बिदाह) । *upakṛta*—*Adj.* Helped, benefited.

𑒅𑒣𑒏𑒵𑒞𑒱 **उपकृति**—उपकार, सहायता, हित, लाभ । [सं० उप+कृ—क्ति] । तु० क० हि० उपकृति । (यहि उपकृतिक भार हमरा उपर सर्वदा रहत) । *upakṛti*—Help, benefit.

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒧 **उपक्रम**—आयोजन, तैयारी, भूमिका, कोनो कार्यक हेतु प्रारम्भिक व्यवस्था वा अनुष्ठान । [सं० उप+क्रम—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज० उपक्रम; पा० उपक्कम; प्राकृ० उपक्कम । प्रण० ६ (सुतबाक उपक्रम करए लगलहुँ); प्रण० २२ (आगाँ बढ़बाक उपक्रम कैलन्हि) । *upakrama*—Plan, approach, beginning after deliberation.

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒧𑒳 **उपक्रमु**—उपक्रम (दे०) केर प्रा० प्रेरणा० रू० । वर्ण० ४७ (गायक गाउत पन उपक्रमु) । *upakramu*—*Old* Caus. form of *upakrama* (q.v.).

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒧𑒝𑒱𑒏𑒰 **उपक्रमणिका**—कोनो पुस्तक वा ग्रन्थमे देल गेल विषय सूची, भूमिका । [सं०] । तु० क० हि०, राज० उपक्रमणिका; अनुक्रमणिका (दे०) । (ग्रन्थक उपक्रमणिका शुरू-शुरू मे रखबाक चाही जाहिसँ पाठक केँ कोनो पाठ तकबामे कष्ट नहि होइन्ह) । *upakramaṇikā*—The Contents of a book.

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒞 **उपक्रान्त**—क्रि० । हारल । मि० ४०८ ।

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒼𑒬 **उपक्रोश**—निन्दा, अपवाद, भर्त्सना । [सं० उप+क्रुश—घञ्] । हि०, बं०, उपक्रोश । अम० ३८ (अपवाद उपक्रोश) । *upakrośa*—Blame.

𑒅𑒣𑒑𑒞 **उपगत**—वि० । उपस्थित, प्राप्त, स्वीकृत, आगत, ज्ञात । [सं० उप+गत] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, गुज०, अव०, भोज० उपगत । वर्ण० १४ (उपगत कएल अछ); वि० ने० १० (उपगत पहीन रिपुपति सहारे); राम ८५ (दिवस उपगत भेल); राम० २५६ (एक समय उपगत उमापति); चन्द्र० ३८ (उपगत शरीर नवीन); महेश० ४५ (कत्तन दोष उपगत हुअहु); मि० । *upagata*—*Adj.* Accepted, present, got, arrived.

𑒅𑒣𑒑𑒞𑒱 **उपगति**—उपगत (दे०) केर स्त्री० रू० । वर्ण० १४ (समीप उपगति करति अछ); वि० पदा० मजु० २५६ (दसमि दसा उपगति भेलि आय); वि० पदा० मजु० ६४, तालपत्र न० गु० ४८५, बं० ४६६ (उपगति भेलिहु इ भेलि साति) । *upagati*—*Fem.* Form of *upagata* (q.v.).

𑒅𑒣𑒑𑒧 **उपगम**—स्वीकार, प्राप्ति, उपस्थिति, आसक्ति, ज्ञान । [सं० उप+गम] । (हुनक उपगम सँ हमर चित्त स्थिर भ गेल) । *upagama*—Acceptance, knowledge, presence, acquisition.

𑒅𑒣𑒑𑒪 **उपगल**—उपगम (दे०) केर भू० का० । रत्ना० १ । *upagala*—*Past* tense form of *upagama* (q.v.).

𑒅𑒣𑒑𑓂𑒩𑒯 **उपग्रह**—छोट-छोट ग्रह, प्रधान ग्रह नहि, जे ग्रह के चैत-पैत अंशक चारूकात घुमैत अछि । [सं० उप+ग्रह—अप्] तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० उपग्रह । *upagraha*—A secondary planet, satellite.

𑒅𑒣𑒒𑒰𑒞 **उपघात**—आघात, क्षति, रोग, व्याधि अनिष्ट । [सं० उप+हन्—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० उपघात । (बात उपघातसँ बचबाक विविध उपाय अछि) । *upaghāta*—Striking, harm.

उपचय—उन्नति, बढ़ती, वृद्धि । उपचार (दे०) केर का० रू० । तु० क० हि०, बं०, ने०, उपचय; उवचय; प्रा० म० उचाय । वर्ण० १६ (औषधीक उपचय); राम० २६२ (पापक उपचय धर्मक लोप); ग० प० ३७ (विरह उपचय कर मैथिली); भाषा ११५; शतदल ३०; मि० । *upacaya*—Growth, increase, advancement. *Poet.* of *upacāra* (q.v.).

उपचर—उपचार (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २७८ (नहि उपचर एकठामा) । *upacara*—*Poet* of *upacāra* (q v.).

उपचरब—उपचार (दे०) केर इच्छा० रू० । वि० पदा० मजु० १३७, ने० १३६, तालपत्र न० गु० ७६६; अ० ७६० (की उपचरब सन्देह न छाड़) । *upacarab a*—*opta.* form of *upacāra* (q.v)).

उपचरिअ—उपचार (दे०) केर प्रेरणा० रू० । वि० ने० ८६ (हिम सम चान्दन आनी उपर पौरी उपचरिअसन्मानी) । *upacaria*—*Caus.* form of *upacāra* (q.v-).

उपचार—चिकित्सा, औषधी, निरोध, उपाय, सेवा, विधान, व्यवहार, प्रयोग, शान्ति, धर्मानुष्ठान, उपचार पाँच प्रकारक तथा सोड़ह प्रकारक होइछ । [उप+चर—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव०, राज०, पा० उपचार; प्राकृ० उअआर; उआर । वर्ण० ३ (कौशल, सहृद उपचार); वि० ने० ६ (किछु उपचार न मानय आन); राम० ३४ (सभ उपचार करथि मरिपोष); महेश० १ (कए पूजा उपचार विहित); द्विरा० ४६ (प्राथमिक उपचार करब आवश्यक छलैन्ह); प्रण० ८३ (रानी भवानी माँजीक उपचारमे लगलीह) । पंचोपचार; षोडशोपचार; पूजा । *upacāra*—Treatment, service, Five or Sixteen varieties of offerings to God, solace.

उपचारहु—उपचार (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० ३६४ (दिन हरि लख उपचारहु रे) । *upacārahu*—*Emph.* form of *upacāra* (q.v.).

उपचारा—उपचार (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, अ० ८४५ (दूतिक इह उपचार) । *upacārā*—*Poet.* form of *upacāra* (q.v.).

उपचारी—वि० । उपचार वा चिकित्सा कए-निहार । का० रू० । [सं०] । तु० क० हि० उपचारी । वि० प० २० (मल पोड़श उपचारी) । *upacārī*—*Adj.* Serving, attending upon. *Poet.* form.

उपचारे—उपचार (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १३४ न० गु० तालपत्र ७४७, अ० ७४२ (करथु विरह उपचारे) । *upacāre*—*Poet.* form of *upacāra* (q.v.).

उपचित—वि० । एकत्रित, संचित, वर्धित, जमा कएल, पौसल । [सं० उप+चि—क्त] । तु० क० हि०, बं० उपचित । वि० पदा० मजु० ५८, तालपत्र न० गु० ४१४, अ० ४१० (उपचित कतए तिरोहित होए); महेश० ७ (उपचित शिव हे कर्नु बिन्देर); ऊ० ना० ६ (उपचित हृदय अनङ्ग); मि०; कल्पना ११; मै० हि० सा० ३ (२–३) (मंत्र चैतन्ये उपचित) । *upacita*—*Adj.* Collected, increased.

उपचीत—उपचित (दे०) केर का० रू० । श्री कृष्ण केलिमाला १८ (जनम दिवस सओ नन्द सुत, दिवस-दिवस उपचीत) । *upacīta*—*Poet.* of *upacita* (q.v.).

उपचीयमान—? उत्तर राम० ६० ।

उपछ—उपछब (दे०) केर मूल रू० । उपछबाक क्रिया । FML मि० । [सं० उपक्षय, उप+क्षि (नाश)+अच् अथवा उद्+पच्छ (दे०)] । *upacha*—*Root* form of *upachaba* (q.v.).

उपछब—क्रि० । थोड़ उपर फेकब थोड़ पानि वा माटि, नीचाँ सँ वा एक खेतसँ दोसर खेतमे फेकब । [उपछ+अब] । मि० । (खत्ताक पानि उपछब कोनो कठिन नहि) । *upachaba*—*V.* Throw up water or earth.

उपछवाय—उपछब (दे०) केर भूत० प्रेरणा० रू० । गृहस्थाचार दर्पण ७१ । *upachavāya*—*Past* tense caus. form or *upachaba* (q.v.).

उपछि—उपछब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मिहिर ६ (२–६१–५६); उगना २० (उपछि उपछि कए आनल अछि) । *upachi*—*Part* form of *upachaba* (q.v.).

उपछियो—उपछि (दे०) केर निश्च० रू० । मो० ६७–१७ (उपछियो के नहि देहे) । *upachiyo*—*Emph* form of *upachaba* (q.v.).

उपज—उत्पत्ति, उद्भव, जन्म, फसिल, सूझ, मनगढ़न्त बात । [सं० उद्+पद् उत्पद्य अथवा प्राकृ० उप्पज] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव०, राज० उपज; सि० उपाजु; प्राकृ० उप्पज्ज । मि०; FML 4455. *upaja*—Growth, crop, produce.

उपजइ—उपजब (दे०) केर वर्त० रू० । तु० क० अव० उपजइ; पा० उप्पज्जति; प्राकृ० उप्पज्जइ; कु० उपजणो; प० उपजणा; प्रा० अव० उपजाइ; गु० उपजाइ; हि० उपजना । वि० पदा० मजु० १३६, तालपत्र न० गु० ७३१ अ० अ० ७६६ (जिवसँ पेम पलकें उपजइ) । *upajai*—*Present* tense form of *upajaba* (q.v.).

उपजइन्हि—उपजब (दे०) केर भ० रू० । नव० २ (उपजइन्ह त चारि मासक बुतात भ जाइन्हि) । *upajainha*—Future tense form of *upajaba* (q.v.).

उपजए—उपजब (दे०) केर वर्त० रू० वि० पदा०

मञ्जु० ७४, नेपाल २१३, न० गु० २४५, अ० २४५ (कत न उप-जए बिरह राधा); वि० पदा० मञ्जु० १४, रामभद्रपुर पोथी पद ६० (कओन हृदय नहि उपजए रोस)। *upajae—Present* tense form of *upajaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒞 **उपजत**—उपजब (दे०) केर भवि० रू०। वि० नै० १६२ (भाव उपजत भला); वि० पदा० मञ्जु० १७३, न० गु० ८२८ (मिथिला), अ० ८२० (उपजत मदन वेआधि); महेश० ४१ (नहि तन रोग भोग भव उपजत)। *upajata—Future* tense form of *upajaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒥 **उपजब**—उत्पत्ति वा उद्भव होएब, सृष्ट होएब, मनमे बात उत्तरब वा स्मरण न आएब। [उपज + अब]। क्रि०। (अन्न उप-जब आधुनिक युगमे वैज्ञानिक खाद एवं औजार पर निर्भर करैछ)। *upajaba*—To grow up, to remember.

𑒅𑒣𑒖𑒨 **उपजय**—उपजए (दे०) केर विक० रू०। गो० रू० १ अमर १० (गृहपति सरजन गुरुजन गारजन पे गामय उपजय बात); चन्द्र० ३०३ (मनमे उपजय राग); महेश० ३० (भगति बिना नहि उपजय ज्ञान); मि० उद० १५६–१६ (उपजय कुमति बिरोध); वि०। *upajaya—Alt.* form of *upajae* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒪 **उपजल**—उपजब (दे०) केर भू० रू०। गोरक्ष विजय ११ (क) (जेहि उपजल तेहि काला); वि० पदा० मञ्जु० २६५ (तोह हम पेम जते दुरे उपजल); मन० कृष्ण० ० (देखि देखी मन उपजल मोह); ग्रा० ग० ना० नि० १८०; (उपजल अकेल पोआरहि जिनहल) = अधिक उपजएलाक प्रमाण पोआरक ढेरीसँ पता लगैत छैक। *upajala—Past* tense form of *upajaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒪𑒱 **उपजलि**—उपजल (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० वि० पदा० मञ्जु० ५८, तालपत्र न० गु० ४१४; अ० ४१० (उप-जलि प्रीति बढहि दुर गेलि); व्य० वि० २८४; FML 286 (v. 113). *upajali—Fem.* form of *upajala* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰 **उपजा**—उत्पादन कएल गेल अन्न, उत्पन्न कएल गेल, मनमे बात खेतमे उत्पन्न भेल अन्नादि। [सं० उत्पाद्यते]। तु० क० बं०, नै० उपजा। FML 470, 327, 515; मिथिर ३८–२७-६। *upaja*—Produced crop, produced matter.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒃𑒁 **उपजाइअ**—उपजा (दे०) केर प्रेरणा रू०। वि० नै० ११२ (कते जतने उपजाइअ गुन); वि० पदा० मञ्जु० ५३६ (नेह सहज है कि रिति उपजाइअ)। *upajaia—Caus.* form of *upaja* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒅 **उपजाउ**—वि०। जाहि जमीनमे अधिक एवं नीक अन्न एवं अन्य वस्तु होइक, उर्वर। [सं० उपज + आउ]। तु० क० बं०, नै० अव० उपजाउ; हि० राज० उपजाऊ; आमक० ११४ (उपजाउ जमीन पसरल अछि); अम० ६६ (ई उपजाउ भूमिक नाम)। *upajau—Adj.* Fertile, prolific.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒋 **उपजाए**—उपजा (दे०) केर वर्त० रू०। वि० नै० ११४ (मधु उपजाए करिंग के काट)। *upajāe—Present* tense form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒍𑒥(𑒫) **उपजाओब(व)**—उपजा (दे०) केर भवि रू०। वि० नै० ६१ (गेले मान अधिक होअ सँग रूसब की उपजाओब रंग); वि० पदा० मञ्जु० १०१, नेपाल ६०, न० गु० ४, नेपाल ४४४ अ० ४३३ कह कए की उपजाओब रंग)। *upajā-oba(va)—Future* tense form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒞𑒱 **उपजाति**—कोनो जातिसँ विकसित ओकर विभेद वा उपभेद, एगारह अक्षरक वर्णवृत्त वा छन्द विशेष। [सं० उप + जाति]। तु० क० हि०, बं०, असo, नै० राज उपजाति। (एके जातिसँ उपजातिक उत्पत्ति होइछ)। *upajāti*—A kind of meter in eleven syllables, A sub-caste or class.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒨 **उपजाय**—विभिन्न राजनीतिक एक भेद, विच्छेद, भेद। [उप + जय—घञ्]। तु० क० बं० उपजाप। वर्ण० २ (उप-जाय पोनाप्रचार, देशाचा)। *upajāya*—Separation, division, a kind of politics.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒨𑒥 **उपजायब**—उपजाओब (दे०) केर ग्रा० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ६८, बं० ८२५ (गेलि न गेलि सबहि उपज यब)। *upajāyaba—Coll.* of *upajāoba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫 **उपजाव**—उपजाए (दे०) भवि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ३६४ (चिन दुल उपजाव)। *upajāva—Future* tense form of *upajāe* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒋 **उपजावए**—उपजा (दे०) केर इच्छा० रू०। नव० ७६ (पचास पचास नीन धान उपजावए)। *upajāvae—Opta* form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒞 **उपजावत**—उपजाओब (दे०) केर हि० रू०। मि० उद० १५६–१५ (बिरह दहन दुख गुन उपजावत)। *upa-jāvata*—Hindi form of *upajāova* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒲 **उपजावी**—उपजा (दे०) केर इच्छा रू०। मधु० १६२ (उपजावी शब्द अन्न)। *upajāvi—Opta.* form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒼 **उपजावो**—उपजाओ (दे०) केर प्रेरणा० रू०। कहु० ६० (उपजावो केओ परन्तु भोग लगाबए काल अर्थ-अर्थ विश्राम)। *upajāvo—Caus.* form of *upaja* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒯𑒳 **उपजाहु**—उपजाउ (दे०) केर विक० रू०। मि० मा० वि० २२८। *upajāhu—Alt.* form of *upa-jāu* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒲𑒫𑒏 **उपजीवक**—वि०। पराबलम्बी, दोसरा पर अव-लम्बित रहनिहार, दोसराक सहायता पर जीविकोपार्जन करनिहार वा जीवन धारण करनिहार। [सं०]। तु० क० बं० उपजीवक। विश्वेश्वर चम्पू ४०। *upajīvaka—Adj.* Who depends upon another person (for livelihood).

ऊँपजीवन **उपजीवन**—जीविका, रोजी रोटी, दोसरा पर निर्वाहक हेतु अवलम्बन। [सं०]। तु० क० हि०, बं० **उपजीवन**। मो० १०७–४ (किछुओ उत्तीर्ण जनकें वार्षिक **उपजीवन** होइन्हि)। ***upajivana***—Livelihood.

ऊँपजीविका **उपजीविका**—जीविका, रोटी-रोजी, परावलम्बन, दोसराक उपर निर्वाहक हेतु अवलम्बन, उद्योग, उपाय। [सं० उप+जीविका]। तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० **उपजीविका**। (उपजीविका हेतु किछु उपाय आवश्यक)। *upajivikā*—Livelihood.

ऊँपजु **उपजु**—उपज (दे०) केर प्रा० का० रू०। कीर्तिलता ४२ (सुचधरँ उँपजु हुरनिन्द नहि भँखणो); वि० पदा० मजु० १७६, नेपाल १६२, न० गु० ४०५ (अइसन उपजु मोहि भाने); राग० ६८ मुनिहुँ मानस उपजु विषाद)। *upaju*—*Old.* Poet. form of ***upaja*** (q.v.).

ऊँपजै **उपजै**—उपजए (दे०) केर विक० रू०। महेश० ४६ (करुणा कतए समक मन उपजै); मो० ६७–१० (कहियो **उपजै** नहि होइछ)। *upajae*—*Alt.* Form of ***upajae*** (q.v.).

ऊँपजैछ **उपजैछ**—उपज (दे०) केर वर्त्त० रू०। मि० उद० १५६–२ (उपजैछ आइ मखान)। *upajaicha*—*Present* tense form of ***upaja*** (q. v.).

ऊँपजोग **उपजोग**—उपयोग (दे०) केर बा० रू०। म० वि० १४५ (थिक गृहस्थकाँ जे उपजोग)। *upajoga*—*Coll.* of ***upayoga*** (q.v.).

ऊँपजोलह **उपजोलह**—उपज (दे०) आद० मध्य०, भू० रू०। वि० ने० २२३ (प्रथमहि कतन **उपजोलह**)। ***upajolaha*** *Hon.* Second person, past tense form of ***upaja*** (q.v.).

ऊँपट **उपट**—उपटब (दे०) केर मू० रू०। [सं० उत्पाट> उपाट>उपट]। क्रि०; धातु पाठ ३१। *upaṭa*—Root form of *upaṭaba* (q.v.).

ऊँपटब **उपटब**—क्रि०। वास हटाएब, गाछक सर्वथा विनाश, नष्ट होएब, जड़ि मूलसँ उखड़ब। [उपट+अब]। क्रि०। ***upaṭaba***—*V.* Uproot, destroy.

ऊँपटल **उपटल**—उपटब (दे०) केर भू० रू०। मन० कृष्ण० ११ (अगिलहि दिन **उपटल** हंस सर); मि० ना० ७१ (की उजरल **उपटल** नैहर नहि); मिहिर ४०–२–११ (**उपटल** उजड़ल रबिक जड़ल कृषि कृषकक हरिहर पास कहाँ); मिहि० मि० ३८–५–४ (झीका-मोरीमे उजड़ल **उपटल** अछि); चित्रा २१ (**उपटल** सभ डीह डाबर); मैथिली भाषा २५। ***upaṭala***—*Past* tense form of ***upaṭaba*** (q.v.).

ऊँपटा **उपटा**—उपट (दे०) केर इच्छा० रू०। BPL 918. ***upaṭā***—*Opta.* form of ***upaṭa*** (q.v.).

ऊँपटाउ **उपटाउ**—उपटब (दे०) केर प्रेरणा० रू० [illegible] ३२६ (अथवा बल सौं उपटाउ)। *upaṭāu*—*Caus.* form of *upaṭaba* (q.v.).

ऊँपटार **उपटार**—उपटि जाएब, गङ्गा कोशीक कटान सँ अनेको **उपटार** होइत छैक। [उपट+आर (समूह)]। ***upaṭāra***—Waste land.

ऊँपटि **उपटि**—उपटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। FML 458. ***upaṭi***—*Part.* form of ***upaṭaba*** (q.v.).

ऊँपटी **उपटी**—उपटि (दे०) केर का० रू०। मन० कृष्ण० ११ (जनि छन मध्य वरबो गेल उपटी)। *upaṭī*—*Poet.* form of *upaṭi* (q.v.).

ऊँपड़ब(व) **उपड़ब(व)**—मूलसँ अलग होएब। [सं० उत्पाटयति]। FML 170; धातु शब्द ३६। *upaḍaba(va)*—To uproot.

ऊँपढुकन **उपढुकन**—उपढौकन (दे) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० २४ (सुनन, भूलन, चुकन **उपढुकन** चारि धर्म व्यवहार)। *upaḍhukana*—Obs. form of *upaḍhaukana* (q.v.).

ऊँपढौकन **उपढौकन**—उपहार, उत्कोच, चारि प्रकारक धर्म व्यवहारक एक भेद। [सं० उप+ढौक—ल्युट्]तु० क० बं० **उपढौकन**। मो० १३३–१८ (उपढौकनादि दै व्यापारक आज्ञा प्राप्त कैलन्हि)। *upaḍhokana*—A Present, bribe, one of the four types of behaviour.

ऊँपताप **उपताप**—व्याधि, सन्ताप, विपत्ति, दुर्गति, उत्पात, अत्याचार। [सं० उप+ताप]। तु० क० अस०, राज०, **उपताप**। कीर्तिलता ४० (मन्त्री भणिअ अइसनेओ **उपताप** भणिओ); वि० ने० ६६ (सुन्दरि बचनें कान्ह **उपताप**); अम० १३५ (**उपताप** रोग व्याधि)। *upatāpa*—Sickness, grief, outrage, oppression.

ऊँपताप **उँपताप**—उपताप (दे०) केर अवहट्ट रू०। कीर्तिलता ४० (अइसनेओ **उँपताप** गणिओ न गुनिअ)। *ũpatāpa*—*Avahaṭṭha* form of *upatāpa* (q v.).

ऊँपत्यका **उपत्यका**—पहाड़ व पर्वतक समीपक समतल भूमि, तराइ। [सं० उप+त्यकन—टाप्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उपत्यका**। अम० ७६। *upatyakā*—A hill valley.

ऊँपथ **उपथ**—वि०। अधलाह पथ वा रास्ता, नीक [illegible] नहि। [सं०]। तु० क० कुपथ। गोरक्ष–विजय ५ (ख) (**उपथ** [illegible] सुनि तुअ नाम)। *upatha*—*Adj.* Bad path.

ऊँपदर्श **उपदर्श**—दर्शन, दृष्टि गोचर, देखब, निरीक्षण, प्रदर्शन। [सं० उप+सं० दृश>दर्श]। वर्ण० ११ (**उपदर्श** [illegible] करू)। ***upadarśa***—To see or look, visit.

उपदर्शि—उपदर्श (दे०) पू० कि० रू० । वर्ण० ५१ (आइ आपन उपदर्शि)। *upadarśi—Part.* form of *upadarśa* (q.v.).

उपदर्शक—वि० । साक्षात् द्रष्टा, द्वारपाल, पथ-प्रदर्शक । [सं० उप+दृश+णिच्—ण्वुल्] । तु० क० बं० । (उपदर्शक सामने ठाढ़ छथि निवेदन करू)। *upadarśaka—Adj.* Eye witness, a door-keeper, a guide.

उपदिष्ट—वि० । जकरा उपदेश वा ज्ञान देल गेल हो, आदिष्ट, कथित, प्रदर्शित, शिक्षित । [सं० उप+दिश—क्त] । तु० क० हि०, बं०, असं० ने० उपदिष्ट; राज० उपदिष्ट; प्राकृ० उवइट्ठ । कठोपनिषद; मि० भा० वि० ७; २५६ । *upadiṣṭa—Adj.* Instructed, told, learnt.

उपदिष्टा—वि० । ऊपरसँ देलौंआ, बक्सीश, ऊपरी आमदनी । [सं० उपरि+इष्ट] । *upadiṣṭā—Adj.* Gift, gratuitous (payment), tip.

उपदेश—अनुशासन, हितकथन, विचार, शिक्षादान, परामर्श । [सं० उप+दिश—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, भोज० उपदेश; राज० उपदेश । गोरक्ष विजय ४ (ख) (भनइ विद्यापति सद उपदेश); वि० पदा० मजु० ६६ (कामिनी तोहे उपदेश धरब); गी० भा० १ ज्ञान० १० (सजनि अब कि करब उपदेश); राम० १२४ (सौपनी उपदेश सुनु); मी० ७१-(२०) (सद् व्यवहार प्रचारक विषय पर उपदेश कैलन्हि); मै० कि० सा० ३(८-१२) १ (ई उपदेश देश उन्नतिक हेतु); पुरु० २२६ (नहि भय गुरु उपदेश देत); धरी ४५ (फेर उपदेश देब लागल) । *upadeśa—Instruction, advice, cousel, teaching, sermon.*

उपदेशक—वि० । उपदेश, शिक्षा, एवं विचार आदि देनिहार । [सं० उपदेश+अक] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव० उपदेशक; प्राकृ० उवएसग; राज० उपदेशक । (उपदेशक नीक स्वभाव एवं चरित्रक होयबाक चाही)। *upadeśaka—Adj.* An instructor or advisor.

उपदेशल—उपदेश (दे०) केर भू० रू० । गी० भा० १ ज्ञान० ४१ (विरित भीनित जे उपदेशल तनिकर सुख देव आमि); कन्द० १०८ (प्रभु परसन उपदेशल हे) । *upadeśala—Past* tense form of *upadeśa* (q.v.).

उपदेशहु—उपदेश (दे०) केर निश्च० रू० । राम० ६२ (उपदेशहु ने मकबद लागे) । *upadeśahu—Emph.* form of *upadeśa* (q.v.).

उपदेशिका—उपदेशक (दे०) केर स्त्री रू० । गंग० १३७ (रान्नी देवी सेहो उपदेशिका छलथिह) । *upadeśikā—Fem.* form of *upadeśaka* (q.v.).

उपदेशित—वि० । शिक्षित, विचारित, परामर्श कएल गेल, शिक्षा देल गेल । [सं० उपदेश+इत] । पुरु० १५७ (मुनि अनेक उपदेशित लक्षण सों) । *upadeśita—Adj.* Instructed, educated.

उपदेशे(शों)—उपदेश (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५५४ (मानिय मोर उपदेशे); मि० ५३० (सुनक उपदेशों स्वयं बनाओल) । *upadeśe(śõ)—Poet.* form of *upadeśa* (q.v.).

उपदेष्टा—शिक्षा वा उपदेश देनिहार, शिक्षक, अध्यापक, गुरु, विद्वान । [सं० उप+दिश—तृच] । तु० क० हि० उपदेष्टा; राज० उपदेष्टा । राम० ६६२ (उपदेष्टा रघुवीर); मि० उद० १५७-१० (उपदेष्टा हमर जाति बीतल अछैत छथि); मी० २६-२७-२२ (आन उपदेष्टा गूढ़-गूढ़ बोधनि बहुत छथिन्हि) । *upadeṣṭā—Instructor, teacher.*

उपदेस—उपदेश (दे०) केर ग० एवं का० रू० । तु० क० अव०, राज० उपदेस । वि० पदा० मजु० ६६, रागत० ६२, ने० २२६, न० गु० ५४१, क० ५५२ (सुन्दरी है उपदेस धरिए धरि); श्री कृष्ण केलिमाला १६ (हरिषप कंसे कैल उपदेस); VML 407; वि० । *upadesa—Coll.* and *Poetic* form of *upadeśa* (q.v.).

उपदेसौ—उपदेस (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० १५६; तालपत्र न० गु० ७२५, आ० ७२६ (होउ उपदेसौ रस जना) । *upadesau—Emph.* form of *upadesa* (q.v.).

उपद्रव—उत्पात, विघ्नबाधा, अत्याचार, अनिष्ट, क्षति । [सं० उप+द्रु—अप्] तु० क० हि०, बं०, असं० ने०, राज० अव० उपद्रव; पा० उपद्दव; प्राकृ० उपद्दव; म० उद्रव । मन० कृष्ण० १८ (होयब उपद्रव बारम्बार); राम० ५४ (धयल उपद्रव समाजनक); राम० १८५ (करति कि सहन उपद्रव केरि); मी० १०४-६ (उपद्रवसँ बचौलन्हि); खडु० ६ (कस्मीरमे सापक बेसी उपद्रव अछि); विभा ८३ (अछि भौतिक उपद्रव सँ छिन्न); शतदल १७ (कपटसौ उपद्रव करए न कम) । *upadrava—Trouble,* tyranny, oppression, mischief.

उपद्रवी—वि० । उपद्रव, अत्याचार, क्षति, विघ्न बाधा करनिहार, उत्पाती । [सं० उपद्रव+ई] । तु० क० हि०, असं०, ने०, राज०, अव० उपद्रवी; उपद्रवी । (ऐसो मुटका कम उपद्रवी नहि होयत) *upadravī—Adj.* Mischievous.

उपद्रावक—उपद्रव केनिहार लोक वा जीव-जन्तु । *upadrāvaka—Mischief-maker.*

उपदंश—खाएल गेल वस्तु वा मद्य पदार्थ विशेष, गरमी सुजाक, एक रोग विशेष जहमा कुकुर आदिक । [सं० उप+दन्श—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अव० उपदंश । प्राकृ० उवदंस राज० उपदंस २६५ (मुल उपदंश सर्वदेशी) । *upadaṁśa—Syphlis.*

ऊँपधा उपधा—छल कपट, व्याकरणमे शब्दक अन्ति म अक्षरसँ पूर्वक अक्षर, उपाय, मिथ्या वा भ्रामक उपाधि। [सं० उप + धा—अङ्] तु० क० हि० बं०, अस०, राज० उपधा। मि० भा० वि० ३४,१०१। *upadhā*—Means, deceit, pe nultimat letter, alias.

ऊँपनत उपनत—वि०। उपस्थित, समीपस्थ, प्राप्त, उपगत, आसन्न, नम्र, शरणागत, उपगमन। [सं० उप + नत]। तु० क० बं० उपनत (उपनत वस्तुक वा मनुष्यक अनादर नहि करबाक चाही)। *upanata*—*Adj*. Presented, brought near.

ऊँपनय उपनय—लग लए जाएब, समर्पण, आगमन, य संस्कार विशेष। [सं० उप + नी—ल्युट्]। तु० क० बं०, हि० नेपा०, राज० उपनय। वर्ण० २७ (अलङ्कारक उपनय)। *upanaya*—Bringing near, carrying (something) to (somebody).

ऊँपनयन(ना) उपनयन(ना)—उपनयन संस्कार, यज्ञोपवीत धारणक रबाक यज्ञ, ई संस्कार ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य कैँ होइछ। ई हिन्दू धर्म केर सोड़ह संस्कारमेसँ एक संस्कार मानल जाइछ। [सं० उप + नी—ल्युट्] तु० क० हि० बं०, अस०, ने०, अव०, भोज० उपनयन; प्राकृ० उवणयण; राज० उपनणण। राम० २० (उपनयनक गुरू कयल विचार); वि० व० ५५ (यज्ञ भेल उपनयन); मै० हि० सा० प्र० १ (उपनयन ओ विवाह ई दूनू अमूल्य संस्कार रत्न बाँचल अछि); मो० ६६–५ (दोसर संस्कार उपनयन रहि गेल अछि); मि० उद० १५६–३ (उपनयन पूर्वो मे छल); प्रण० ६७ (पुनः उपनयन आवश्यक)। *upanayana(nā)*—The ceremony of sacred thread.

ऊँपनयनिआ उपनयनिआ—उपनयन सम्बन्धी। [सं० उपनयन + इआ]। (उपनयनिआ भोजक विन्यास होमक चाही)। *upanayaniā*—Relating to the ceremony of sacred thread.

ऊँपनहि उपनहि—बन्धन, बन्धन साधन, वस्त्र आदि सँ बान्हब, लेपन, तथा लेपन द्रव्य। [सं० उप + नह् + इ]। तु० क० बं० उपनहन सं० उपानह, उपानहत = जूता। वर्ण० १२ (अङ्कक पानि सफुर अँचरा एक उपनहि छलु); FML 529. *upanahi*—Tying with cloth.

ऊँपनाम उपनाम—वि०। दोसर नाम, प्रचलित नाम, अपन इच्छानुसार नाम जाहि नामसँ लोक सोर करैक, उपाधि। [सं० उप + नाम]। तु० क० हि०, अस०, ने० उपनाम; राज० उपनांम। प्रण० १८७ (अपन उपनाम अँचल रखने छलाह); नव० ५६ (ललित कशोर उपनामे अपना जबारमे प्रसिद्ध छलाह)। *upanāma*—*Adj* A Nick-name, pen name.

ऊँपनायक उपनायक—नाटकमे प्रधान नायकक सँगी वा सहायक, जे नायक प्रधान नायकके आगू बढ़ैबामे सहायक होइत छथि। [सं० उप + नायक]। तु० क० हि०, राज० उपनायक। वर्ण० ४ (उपनायक गुणतेँ सम्पूर्ण)। *upanāyaka*—Friend of hero, assistant hero.

ऊँपनियम उपनियम—आचरण व्यवहार केर छोट छोट तरीका वा कानून, उपविधि, कोनो पैघ नियमक अङ्ग कोनो विधि वा नियमक अन्तर्गत। हि० उपनियम। शतदल ८१। *upaniyama*—Secondary law, a clause of main law.

ऊँपनिवेश उपनिवेश—नव वस्ती, दोसर स्थान सँ आयल मनुष्यक वस्ती। [सं०]। तु० क० अस०, ने०, हि० उपनिवेश। मि० (मैथिली भाषी उपनिवेशसभमे एक प्राणे मातृभाषाक भक्ति जगयबाक हेतु एक केन्द्रीय महोत्सवक आवश्यकता अछि); मो० १०४–२ (भारत ओ अन्य उपनिवेश सभमे जे सम्बन्ध छैक से टुटि जैतैक)। *upaniveśa*—A colony.

ऊँपनिषद उपनिषद्—वेद केर ओ अन्तिम भाग जाहिमे ब्रह्म विद्याक निरुपण कएल गेल अछि, वेद केर ज्ञान काण्ड, वेदान्त। [सं० उपनिषद् क्विप्] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, उपनिषद्; राज० उपनिसत; उपनिष्द; प्राकृ० उपनिषत उवणिसअ। राम० ४ (उपनिषद् दधि क मन्थन कएल); राम० बालकाण्ड ५ (उपनिषद् दधिक मन्थन कयल, गीता सुधा राम से धयल); मो० १–५ (उपनिषद् ओ न्याय इत्यादि धर्म वापक श्रद्धा थिक); मि० उद० १५८–१२ (अन्यो उपनिषद् मे)। *upaniṣada*—The *upaniṣada* (Vedanta).

ऊँपनीत उपनीत—वि०। उपनयन, जकर उपनयन भए गेल छैक, लग आनल। [सं० उप + नी—क्त]। तु० क० हि०, बं०, ने०, अव०, राज० उपनीत। वर्ण० ११ (उपनीत करू); गो० श्रृ० १ अमर० १५ (उत्तर न पाइ राइ सखि कुँजहि राय नियर उपनीत); गो० श्रृ० १ अमर० ४० (आदर विनहि कि से बहु बल्लभ पूवि नियर उपनीत); राम० २० (चारु जन विधिसँ उपनीत); FML 509 *upanīta*—*Adj*. Consecrated; arrived at.

ऊँपनैन(ना) उपनैन(ना)—उपनयन (दे०) केर ग्रा० वा वा० रू०। FML 337; पारो ४८ (उपनैन मूड़न, विवाह, दुरागमन आदिसे ल्याओन हैबे टा करैन्हि)। *upanaina(nā)*—Coll err form of *upanayana* (q v.).

ऊँपन्यास उपन्यास—काल्पनिक गद्य काव्य मिश्रित गल्प, प्रकृत जीवनक चित्र खीचल मिश्रित कथा, उल्लेख, दान, वाक्यक आरम्भ। [सं० उप + न्यास]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० उपन्यास। मो० १३३–३० (बंकिम बाबूक सब उपन्यास उक्त गुणसँ भरल अछि); मि० २१५ (आदेश पढ़ैबाक उपन्यास कैल); पुरु० १०३ (हम मद्यपान उपन्यास कैल); कन्या० ४३ (जेतिषी काका उपन्यास प्रारम्भ कैलन्हि); पारो ५२ (ई उपन्यास पढ़ि क हमहू चरित्रहीन भ जैब)। *upanyāsa*—Fiction, novel, proposal, reference; gift.

उपन्यासकार—वि०। उपन्यासक रचयिता वा बनओनिहार, आख्या, दान एवं उल्लेख कयनिहार। [सं० उपन्यास + सं० कारिन् > कार]। (ओ उपन्यास ए रचताह)। *upanayāskāra—Adj.* Who writes novel, donor.

उपपति—अविवाहिता पति, जो पुरुष अकरासे कोनो दोसर स्त्री अनुचित प्रेम करैक, जार। [सं० उप + पति]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, राज०, अव० उपपति। (उपपतिक प्रेम निश्छल नहि होइछ)। *upapati*—Paramour.

उपपत्ति—सिद्धान्त, युक्ति, सिद्धि, कारण सं कार्यक अनुमान हेतु द्वारा कोनो वस्तुक निश्चित निरूपण। [सं० उप + पद — क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उपपत्ति। द्वि० हि० सा० ५ (कोनो वस्तुक उपपत्ति की युक्तियुक्ति); मै० हि० सा० (उपपत्ति दान अत्यन्त आवश्यक मानल जाइ)। *upapatti*—Proof, decision, achievement, cause.

उपपन्न—वि०। युक्ति सहित, सिद्ध, उत्पन्न, आगत, सम्पन्न। [सं० उप + पद — क्त]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव०, राज० उपपन्न। मि० भा० वि० ११५। *upapanna—Adj.* Who approaches for protection, proved.

उपपातक—छोट-छोट पाप, अनाचार, कदाचार, पाप विशेष। [सं० उप + पातक]। तु० क० हि० बं०, अस०, ने० उपपातक। दिनमणि १६। *upapātaka*—A kind of sin.

उपपुराण—छोट-छोट पुराणमेसँ एक गौण पुराण। [सं० उप + पुराण]। (उपपुराण हरिवंश, गणेशखण्ड आदि-आदि मानल जाइत अछि)। *upapurāṇa*—One of the eighteen minor purāṇas, other than the eighteen main ones, minor *purāṇa*.

उपभाषा—अप्रधान बजबा वा भाषा, विभाषा। [सं० उप + भाषा]। तु० क० बं०, अस०, ने०, उपभाषा। वर्ण० ४४ (सातञ्ज उपभाषक कुशल)। *upabhāṣā*—A secondary speech or language.

उपभुक्त—वि०। भोग कएल गेल, उपयोग कयल गेल, व्यवहृत, जूठ, उच्छिष्ट, भक्षित। [सं० उप + भुज् — क्त]। तु० क० हि० बं०, असo, ने०, अव० उपभुक्त। (उपभुक्त वस्तुक पुनः व्यवहार वांछित नहि)। *upabhukta—Adj.* Eaten, enjoyed, used, possessed.

उपभुक्ता—उपभुक्त (दे०) केर स्त्री० रू०। मि० ४० (मिथिला उपभुक्ता भेल)। *upabhuktā—Fem.* form of *upabhukta* (q. v.).

उपभोक्ता—वि०। भोग वा व्यवहार कयनिहार, उपभोगी। [उप + भुज् — क्त]। तु० क० हि० उपभोक्ता। मिहिर ४ (२–६१–६६) (परिवहनक महत्त्व केवल उत्पादक एवं उपभोक्ताक हेतु नहि अछि अपितु सरकारी मैं चलयबाक सेल एक बड़ प्रयोजन छैक)। *upabhokta—Adj.* Consumer.

उपभोग—सुख विलासक सामग्रीक व्यवहार, उपयोग, भोग आनन्द करब। [सं० उप + भुज — घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उपभोग; प्राकृ० उपभोग; उपभोग। वि० पदा० मजु० ३२ नव० गु० कालपत्र १५; कं० ६० (जे अनुपम उपभोग न आनए); मदेश० ५६ (रसना स्वाद न रि उपभोग); पुरु० २१० (रसिक पुरुष उपभोग मे एक शाखिक एक अष्ठ सुखई देथि); थि०; पारी ४७ (अपरिसीम आनन्दक उपभोग करी)। *upabhoga*—Use, enjoyment.

उपभोगत—उपभोग (दे०) केर भवि० रू०। वि० पदा० मजु० ३२५ (निरदय भए उपभोगत चाह)। *upabhogata—Future* tense form of *upabhoga* (q.v.).

उपभोगब—क्रि०। (वस्तु वा स्त्रीक) उपभोग करब, आनन्द करब, विलास करब। [सं० उपभोग + अब]। थि०। *upabhogaba—V.* To use, to enjoy.

उपभोगल—उपभोग (दे०) केर भू० रू०। वि० मै० १६६ (दखिन पवन सौरभे उपभोगल); चन्द० ३३० (जकर जनम हम सुख उपभोगल)। *upabhogala*— Past tense form of *upabhoga* (q.v.).

उपभोगव—उपभोगब (दे०) केर विक० रू०। वि० पदा० मजु० २६६ (निज धन अछइत नहि उपभोगव)। *upabhogava—Alt.* form of *upabhogaba* (q.v.).

उपभोगिअ—उपभोग (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० मै० ६६ (कल उपभोगिअ कैसन काज)। *upabhogia—Opta.* form of *upabhoga* (q.v.).

उपभोगे—उपभोग (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १०२ (जे अनुभव फल उपभोगे)। *upabhoge—Poet.* form of *upabhoga* (q.v.).

उपभोग्य—वि०। उपयोग, व्यवहार, वा आनन्द करबा योग्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उपभोग्य। (उपभोग्य वस्तुक उपयोग करबे उचित)। *upabhogya—Adj.* Fit to be enjoyed or used.

उपम—उपमा (दे०) केर का० रू०। तु० क० अव० उपम। वि० पदा० मजु० २०६ (कि दिय आर–आर कनक उपम)। *upama—Poet.* form of *upamā* (q.v.).

उपमणि—गौण मणि, हीन मणि, छोट छोट मणि वा जवाहरात। [सं०]। वर्ण० ३३ (उपमणि कृत भूमिते)। *upamaṇi*—(Minor) jewel.

उपमत—उपमान (दे०) केर का० रू०। राम०

११७ (पंगिम उपमन केओ पाव)। ***upamana***—*Poet.* form of ***upamāna*** (q.v.).

ऊँपमनि **उपमनि**—उपमणि (दे०) केर विक० रू०। वर्ण० २१ (उपमनि तँ अलंकृत); FML 415. ***upamani***—*Alt.* form of ***upamaṇi*** (q.v.).

ऊँपमन्त्रि(न्त्री) **उपमन्त्रि(न्त्री)**—दोसर वा सहायक मंत्री वा सचिव। [सं०]। तु० क० बं० **उपमन्त्री**; राज० **उपमन्त्री**। मि० ४८८ (उपमन्त्रिपदमे हिनक पुत्र सान्धि विग्रहक); (उपमंत्रीक पद भारतमे किछु दिन हटि गेल छलैक पुनः ओ व्यवहारमे आबि गेल)। ***upamantri(ntrī)***—Deputy minister.

ऊँपमा **उपमा**—तुलना, सादृश्य, समानता, एक प्रकारक अर्थालंकार जाहिमे जाति, धर्म, गुण, स्वभाव, प्रभाव, क्रिया आदिक आधारपर एक दोसर वस्तुक समानता कएल जाइछ, एक वस्तुकेँ दोसर वस्तुसँ सादृश्य स्थापन। [सं० उप+मा—अङ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज०, पा० **उपमा**; प्राकृ० **उवमा**; सि० **उवम**। वि० पदा० मजु० ३३ न० गु० तालपत्र १५, अ० ६० (नयन वयन दुइ **उपमा** देल); श्रीकृष्णकेलि माला ७ (परजापति मुनि वृत तँह दक्षक **उपमा** देल); राम० ३६ (जानकि **उपमा** देवकि जान); प्रण० १८८ (**उपमा** सोचय लगलाह); पुरु० २०० (पूर्ण चन्द्र **उपमा** जनिक)। ***upamā***—Simile, comparison, similarity.

ऊँपमाता **उपमाता**—वि०। अप्रधान माए, अपन माय नहि, मातृतुल्य शूद्री माए, धाए, उपमा देबएबला, पृथ्वी। [सं० उप+मातृ>माता]। तु० क० हि०, बं० **उपमाता**। अम० ३२१ (उपमाता पृथ्वी)। ***upamātā***—*Adj.* Nurse, the earth.

ऊँपमान **उपमान**—ओ वस्तु जाहिसँ ककरो तुलना, समानता बुझाओल जाइक, अर्थात् ओ वस्तु जकर सदृश कोनो दोसर वस्तु कहल जाइक। [सं० उप+मा—ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **उपमान**, राज० **उपमाण**। मि० उद० १५७-१२ (नारिकेर **उपमान**); मो० १०१-८ (आनन मुख **उपमान** अछि देखल सब संसार); अम० २३४ (**उपमान**); कोबर गीत १२। ***upamāna***—A thing compared to, to be compared with.

ऊँपमानता **उपमानता**—उपमानकेर भाव, उपमानक सम्पूर्ण विषय। [उपमान+ता]। पुरु० १६१ (विषय **उपमानता** नहि प्राप्त भए सकैछ)। ***upamānatā***—Abstract form of ***upamāna*** (q.v.).

ऊँपमाने **उपमाने**—उपमान (दे०) केर का० रू०। महा० ना० ८० (कहने देव तुअ मुख **उपमाने**); मैथिली भाषा ११२। ***upamāne***—*Poet.* Form of ***upamāna*** (q.v.).

ऊँपमिअ **उपमिअ**—उपमा (दे०) केर क्रि० रू०। राग० ४८ (**उपमिअ** आनन नीरज पङ्कज)। ***upamia***—*V.* form of ***upamā*** (q.v.).

ऊँपमित **उपमित**—वि०। जकर उपमा देल गेल हो, उपमा देल गेल, उपमामे प्रयोग कएल गेल। [सं० उप+मि—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपमित**; प्राकृ० **उपमित**। साओन भादव ३२। ***upamita***—*Adj.* That which is compared.

ऊँपमिय **उपमिय**—उपमिअ (दे०) केर विक० रू० FML 92। ***upamiya***—*Alt.* form of ***upamia*** (q.v.).

ऊँपमेय **उपमेय**—वि०। जकर उपमा देल जाइक, जाहि वस्तुकेँ दोसर वस्तुक समान कहल जाए, वर्णनीय, तुलनीय। [सं० उप+मि—यत्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपमेय**; प्राकृ० **उवमेय**। वि० पदा० मजु० १७६, ग्रियर्सन १३ (तसु तातक सुत तनिकर **उपमेय**); अलंकृति ११, शतदल ६८। ***upameya***—*Adj.* That which is compared.

ऊँपयुक्त **उपयुक्त**—वि०। जकर उपयोग भेल हो; विशिष्ट स्थिति हेतु एकदम ठीक; तर्कसंगत। [सं०]। मि० १० (एहि तिथिटै सर्वाधिक **उपयुक्त** अछि); मो० १०१-१७ (करबाक **उपयुक्त** छल); द्विरा० ७ (अपना अपना स्थानमे दूनू **उपयुक्त** अछि); प्रण० १२३ (कल्याण हेतु उपयुक्त बुझना जाए)। ***upayukta***—*Adj.* Proper, fit.

ऊँपयोग **उपयोग**—कार्य, व्यवहार, आवश्यकता, लाभ, प्रयोजन। [सं० उप+युज्—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपयोग**। द्विरा० १२५ (विज्ञानक संकलन तथा **उपयोग** सांसारिक जीवन सुखक हेतु); पुरु० २२० (आगाँ कोन **उपयोग** हयतौ)। ***upayoga***—Use.

ऊँपयोगिता **उपयोगिता**—कार्य अएबाक योग्यता, लाभ होएबाक क्षमता, प्रयोजन। [उपयोगिन्+तल्+टाप्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपयोगिता**। मि० उद० १५७-२ (समय के **उपयोगितामे** लगवैत जाउ); मो० ६६-१६ (पुस्तकालयक **उपयोगिताक** विषयमे कथन करब सूर्यकेँ दीप देखाएब थिक); द्विरा० ७ (स्थान भ्रष्ट भेने टुटूक **उपयोगिता** नष्ट); नट० ३५ (तकरे साधन **उपयोगिताक** मापदण्ड)। ***upayogitā***—Usefulness, utility.

ऊँपयोगी **उपयोगी**—वि०। प्रयोजनीय, कार्यमे अबएबला, उपयुक्त, अनुकूल, हितकारी, लाभप्रद। [सं० उपयोग+इन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० **उपयोगी**। मै० हि० सा० (८-१२) ५ (सर्वसाधारणक **उपयोगी**)। ***upayogī***—*Adj.* Helpful, proper, profitable.

ऊँपयोजित **उपयोजित**—वि०। व्यवहार करब, काजमे आनब, उपयोग करबाक क्रिया। [सं०]। मि० २२३ (कनइकेँ कसमे और सुरहेठामे **उपयोजित** कैल)। ***upayojita***—*Adj.* To be used.

ऊँपर **उपर**—अव्यय। नीचाँक विपरीत, ऊँच ...

ऊर्ध्व; (पानिसँ बाहर; फ्रम आदिसँ) ककरब, सुरक्षित आपस होएब। [सं० उपरि]। तु० क० व०, बं०, असा०, बे०, अव०, राज०, म०, गु० उपर; हि० ऊपर; पं० उप्पर; प्राकृ० उअर। वर्ण० ११ (तकाँ उपर मधुर बेलाक); वि० पदा० मधु० २३, मि० १४, न० गु० १९, क० ६२ (मेरु उपर दुइ कमल फुलाएल); वि० नै० ५० (इङ्गित उपर केलि जे करबा); मन० कृष्ण० १५ (द्वार उपर सँ धरि धरि आनी); राम० ४४ (रामक उपर देल से भार); मि० कर० १५०-२ (उपर निर्भर करैछ); विद्या ३२ (पूछा होइत महाराज उपर); शत० १ (श्यामक कुन्जी तार उपर); FML 405, 324, 304; BPL 11. (उपर से फीटकाट तरसे मोकामा घाट = उपर सँ सजाबट तरसे सुरती)। *upara—Ind.* Above; high; return.

𑒅𑒣𑒩 𑒅𑒣𑒩 उपर उपर—क्रि० वि०। हरवरसँ नहि, उपरक मोने, ऊँचे-ऊँचे, बाहरे-बाहर। [सं०]। तु० क० उर्दू उपर-उपर। FML 575 (उपर-उपर चलु); (उपर-उपर मदकारी तर मे ओका कारी = उपरसँ सज्जन परन्तु भितरमे विष भरल)। *upara upara—Adv.* Superficially, outwardly.

𑒅𑒣𑒩𑒹 उपरेँ—उपर (दे०) केर प्रा० तु० रू०। वर्ण० २८ (तम्याकाँ उपरेँ नायक नायिका ह दुओ लवकरथ भवमह); FML 298 (R 55) (उपरेँ मोतिनहार), राम० ४२ (उपरेँ सँ तरल हरावली काह)। *uparẽ—Obs.* form of *upara* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒏𑒰 उपरका—वि०। ऊपर भाग, ऊँच भाग, निचला (तुल्य) नहि, बीच। [उपर + अका]। तु० क० उर्दू उपरका। प्रग० १८१ (पैठीक उपरका पत्ता अलग कैल); नव० २६ (अर्थ भरिक उपरका ऊर्ध्व ओढ़ासँ बलाइक); (उपरका उपर तरका तर = ऊँच आदमी ऊँचे रहत आ नीच आदमी नीचे)। *uparakā—Adj.* Of the upper or higher side.

𑒅𑒣𑒩𑒔𑒱𑒞𑒰 उपरचित्ता—जुआ खेलक प्रायः कौड़ीक चित्त-कक एकटा चालि वा खेल विशेष। [उपर + चित्त > चित + आ]। वर्ण० २५ (सोविति उपरचित्ता दुइ चारि)। *uparacittā—* Name of type of play in gambling where the cowries as pieces are used with their faces upturned (central side).

𑒅𑒣𑒩𑒕𑒰𑒖𑒏 उपरछाजक—वि०। उपरसँ रंग-टीप चढ़ओ-निहार, क्रोध करओनिहार, 'रंज' भेनिहार। [सं० उपरञ्ज् + अक]। मि० भा० वि० २०१। *uparachājaka—Adj.* Who arouses anger by exaggerating or belittling.

𑒅𑒣𑒩𑒕𑒰𑒖𑒥 उपरछाजब—क्रोध करब, 'रंज' होएब, अधिक लाल करब, उपरसँ रंग टीप करब। [सं० उप + रञ्ज]। मि० भा० वि० २३१। *uparachājava*—To be incensed by exaggerating or belittling.

𑒅𑒣𑒩𑒞 उपरत—उपरति (दे०) केर भू० का० रू०। गद्य चन्द्रिका १२। *uparata—P.P.* of *uparati* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒞𑒱 उपरति—वैराग्य, विरक्ति, उदासीनता, मृत्यु। [सं० उप + रति = रम्—क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० उपरति। मि० मिथ ३० (हम जनैत छी जे शम, दम, तितीक्षा, उपरति, शान्ति, श्रद्धा इत्यादिसँ उद्धार होयत)। *uparati—* Cessation, stopping, renunciation, death.

𑒅𑒣𑒩𑒤𑒙𑒹(𑒙𑒼) उपरफट्टे(ट्टो)—वि०। उपरिस्थाप लाभ, उपरी लाभ, व्यर्थ, फालतू। [सं० उपरि > उपर + सं० स्फुट् > फाट + ओ]। तु० क० हि० उपरफट्टू, मुफ्ट्ट (दे०)। BPL 99, गद्य चन्द्रिका ३४। *upaphaṭṭa(ṭṭo)—Adj.* Irregular, unnecessary, incidental or extraneous (income).

𑒅𑒣𑒩-𑒥𑒠𑒩𑒰 उपर बदरा—वि०। बिनु मास (वर्षा), आकस्मिक मेघकृत वर्षा (दे०)। [सं० उपर + वारिद > बदरा]। (उपर-बदरा सँ बिनु लाम खेत पथारकेँ नहि भेलैक)। *uparabadarā—Adj.* Which has resulted from some incidental clouds (rain etc.)

𑒅𑒣𑒩𑒥𑒰𑒩𑒱 उपरबारि—वि०। बाहरक, भीतरक नहि, अलग केर। [उपर + बारि]। FML 258. *uparabāri—Adj.* External.

𑒅𑒣𑒩𑒮𑒯𑒏𑒱𑒂(𑒨𑒰) उपरसहकिआ(या)-वि०। भानस-मे भनसियाकेँ बाहरेसँ (उपरसँ) सहायता करनिहार। (उपर + सहायक > सहकिआ)। मि० भा० वि० ६१। तु० क० उपर सहाक। *uparasahakiā(yā)—Adj.* Who helps cooking from outside.

𑒅𑒣𑒩𑒯𑒱 उपरहि—उपर (दे०) केर निश्च० रू०। राम० १३० (प्रभु कर शर उपरहि सँ देख); मि० उद० १५६-६ (ओ सकलहु उपरहिमे रहै)। *uparahi—Emph.* form of *upara* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒯𑒳𑒏 उपरहुक—उपर (दे०) केर निश्च० रू०। [उपरहु + क] मि० वि० ८८ (तेँ उपरहुक आरामक हम पसन्द करै-छिऐ)। *uparahuka—Emph.* form of *upara* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒰 उपरा—वि०। नाजायज, उचितसँ अधिक, अतिरिक्त। [उपर + आ]। FML 449, तु० क० उपरी आमदनी। *uparā—*Additional (money), illegal gratification (income).

𑒅𑒣𑒩𑒰-𑒅𑒣𑒩𑒲 उपरा-उपरी—क्रि० वि०। ने केओ छोट ने केओ पैघ, बराबरि, एक रंग, एक समान, समतुल, अपनेक। [शब्दा-नुकरण उपरा + उपरी]। तु० क० उर्दू उपरा उपरी; हुड़ा-हुड़ी। प्रग० १३६ (दुहु उपरा उपरी रहथि)। *uparā uparī—Adv.* When neither of the two is inferior or superior; competitive comparison.

𑒅𑒣𑒩𑒰𑒑 उपराग—उपालम्भ, निन्दा, कोनो नीक वा अपलाइ कार्य वा वस्तु परिचित नहि भेला पर चकल तेज (शिकायत) कथन, अनु-

चित कथन, अपवाद, विपत्ति, चन्द्र वा सुर्य ग्रहण। [सं० उप + रञ्ज् —घञ्]। तु० क० हि० उलहन; बं०, असo, नेo अव० **उपराग**; प्राकृ० **उवराग**। राम० २६० (राहु **उपराग** दृष्ट); महेश० १६ (ओ **उपराग** देवैन्ह); प्रण० १३६ (**उपराग** किएक दैत छी); चित्रा २२ (उलहन **उपराग** दैत); FML 634, (**उलहन-उपराग** = विशेष रूपक उपराग)। ***uparāga***—Blame.

𑒅𑒣𑒩𑒰𑒢𑓂𑒞 **उपरान्त**—क्रि० वि०। पश्चात्, बाद, पाछू, अनन्तर, किछु समयक बादमे, खेलमे पचीसो आदिमे दोसर बेर खेलएबाक अधिकार। [उपर + य + अन्त]। तु० क० हि० राज० **उपरांत**। मो० ५–६ (दिनमे दू बजे क **उपरान्त**); मै० हि० सा० (८–१२) ज्यो० २ (अमावास्याक **उपरान्त**); प्रण० ११ (थोड़ेक कालक **उपरान्त** दूरसँ आर्त्तनाद सुनबा मे आएल); पारो ४६ (नमस्कार पातिक **उपरान्त** चलल गप्प-सप्प); नव० ४८ (बाँकी तीनू विवाह तऽ चालिस केर **उपरान्ते** कएने रहथि)। पचीसी आदि खेलमे सफल चालिक उपलक्षमे नव चालिकेँ उपरान्त कहल जाइछ। *uparānta—Adv.* Afterwards; additional chance to play or throw in a game.

𑒅𑒣𑒩𑒰𑒢𑒲 **उपरानी**—अप्रधान रानी, अविवाहिता रानी, प्रेमसँ राखल गेल स्त्रीवत्, अतिरिक्त रानी वा स्त्री। [उप + रानी]। तु० क० बं० **उपरानी**। ***uparānī***–Not the Principal queen, additional consort.

𑒅𑒣𑒩𑒰𑒛𑓃𑒱(𑒩𑒱) **उपराड़ि(रि)**—उच्च चास, उच्च स्थानमे स्थित खेत। [उपर + आड़ि वा आरि]। तु० क० BPL 790 **उपरार**। व्य० वि० ११५ (जखन **उपरारिक** ई हाल तखन धानक बाते की ?)। ***uparāḍi(ri)***—A field situated at a higher level.

𑒅𑒣𑒩𑒰𑒯𑒳 **उपराहु**—वि०। उपद्रावी (माल)। [उपद्रव + आहु]। (अहाँक घोड़ी बड़ **उपराहुँ** अछि)। ***uparāhu***—*Adj.* Habituated to create mischief, mischievous.

𑒅𑒣𑒩𑒰𑒯𑒳𑒞 **उपराहुत**—वि०। उपर दिशि झुकल वा घुमल। [उपर + आहुत]। FML 21. ***uparāhuta***—*Adj.* Bent or turned somewhat upwards.

𑒅𑒣𑒩𑒱 **उपरि**—उपर (दे०) केर सं० रू०। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, राज०, उ० **उपरि**। वि० ने० ७८ (जनि बढ़ि हाए **उपरि** चलि गेल); वि० पदा० मजु० १३, न० गु० (हर) ३८, अ० १४५ (मनुस **उपरि** कइके माउग होए); मन कृष्ण० १८ (**उपरि** वसिअ वृन्दावन पास)। *upari*—Sanskrit form of ***upara*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒱𑒞𑒧 **उपरितम**—क्रि० वि०। उपरोसँ उपर, अत्यन्त उपर वा उच्च। [उपरि + तम]। निबन्ध चन्द्रिका १०। *uparitama—Adv.* Highest above.

𑒅𑒣𑒩𑒱𑒞𑒼𑒪 **उपरितोल**—जोखसँ उपर (मए सकैछ जानि-बूझि कए बेइमानी हो)। बाबू गङ्गापति सिंह मूल पाण्डुलिपि भूमिका मि० भा० इ० १। ***uparitola***—Excess weight may be deliberately concocted).

𑒅𑒣𑒩𑒱𑒦𑒰𑒭𑒰 **उपरिभाषा**—मुख्यसँ अतिरिक्त अन्य भाषा वा अन्य भाषा। [उपरि + भाषा]। तु० क० **उपभाषा** [illegible] (भाषा, विभाषा, **उपरिभाषा**)। *uparibhāṣā*—Not the main language, additional or secondary language.

𑒅𑒣𑒩𑒱𑒭𑓂𑒙𑒰𑒞 **उपरिष्टात**—क्रि० वि०। उपरा, उपरसँ, अनन्तर, ऊर्ध्व। [सं० उपरिष्टात्]। तु० क० बं०, **उपरिष्टात**। (प्राचीन समयमे पण्डित लोकनिकेँ भोजन जलपानादिक **उपरिष्टात** टाका सेहो राजदरबारसँ भेटैत छलैन्ह)। तु० क० पुरस्तात्। *upariṣṭāta—Adv.* Over and above (regular salary; income).

𑒅𑒣𑒩𑒱𑒮𑒰𑒡𑒏 **उपरिसाधक**—ऊपर साधना केनिहार एकटा वामाचारी तान्त्रिक [सं० Coined name]। वर्ण० ५३ (प्रेत, पिशाच, कुष्माण्ड, मातृक, **उपरिसाधक**) । तु० क० कापालिक। *upari sādhaka*–A kind of Tantrika worshipper.

𑒅𑒣𑒩𑒲 **उपरी**—उपर (दे०) वा **उपरा** (दे०) केर विकृ० रू०। बाहली आएल वस्तु, आकस्मिक (विपत्ति)। [उपरबला = ईश्वर > उपरी ईश्वरीय] गो० श्र० २ अम० २१ (धनि कान्धर छाह बाँध कबरी, मन मालति माल ताहि **उपरी**); (**उपरी** आमदनी); (**उपरी** चक्र)। तु० क० **उपरा** (दे०)। *uparī—Alt.* form of ***upara*** (q.v.) or ***uparā*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒳 **उपरु**—**उपर** (दे०) केर का० रू०। महेश० ३० (चटक गरीब **उपरु** जनु बाज)। ***uparu***—*Poet.* form of *upara* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒳𑒣 **उपरुप**—**अपूर्व** (दे०) वा **अपरुप** (दे०) केर बा० रू०। मै० सा० इ० ६। कोमल, मृदुल। *uparupa—Coll.* Form of *apūrva* (q.v.), tender.

𑒅𑒣𑒩𑒴 **उपरू**—**उपरु** (दे०) केर का० रू०। मै० सा० इ० २५१ (खन भोजन खन परी **उपरू**)। *uparū—Poet.* form of *uparu* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒹(𑒩𑒼) **उपरे(रो)**—**उपर** (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ४०२ (तरे **उपरे** उकासी); राग० ८६ (**उपरे** पयोधर मृगमद सुन्दर); रंग० २३ (मुँह पड़ल वस्तु **उपरो** होय)। *upare (ro)—Poet.* form of *upara* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒹 𑒒𑒰𑒛𑓃𑒹 **उपरे घाड़े**—क्रि० वि०। उपर तकिते जकाँ अनवधाने अवस्थामे। [उपर (दे०) + घाड़ (दे०)] तु० क० [illegible] **उपर्यावारे**; घरसूर। (**उपरे घाड़े** तहाँ रहि गेलिऐक, अरे [illegible] एहिना होइछ)। ***upareghāḍe***—*Adv.* Taken by surprise, suddenly.

𑒅𑒣𑒩𑒼𑒏𑓂𑒞 **उपरोक्त**—वि०। उपर कहल गेल [illegible] युक्त]। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, [illegible]

सं० उपर्युक्त । मै० हि० सा० ६ (उपरोक्त पुष्ट स्थानसभमे); मी० १६४–५ (अतएव उपरोक्त मैथिली साहित्य सभाक उक्त उद्देश्यक पूर्ति कहाँ धरि भए सकैत); FML 633. *uparokta—Adj.* Above - mentioned.

𑒅𑒣𑒩𑒼𑒙𑒰 **उपरोटा**—उपरौटाक वि० रू० । जाँतक उपरका पाथर वा पट्ट । [उपर + ओट + आ] । FML 243. *uparoṭā* —The upper stone wheel of a village grinder *Alt.* of *uparauṭā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒩𑒼𑒛𑓃 **उपरोड़**—उपराडि (दे०) केर वा० रू० । FML 243; BPL 292; *uparoḍa—Coll.* form of *uparāḍi* (q. v.).

𑒅𑒣𑒩𑒼𑒡 **उपरोध**—रोक, बाधा, आड़; ओट, विघ्न, अनुरोध, आवरण । [सं० उप + रुध—धञ्] । तु० क० उपरौँ स (दे०); अनरोध (दे०); हि०, बं०, असं०, राज० उपरोध । प्राकृ० उवरोह; उवरोध; उवरोअ; पा० उपरोध; अ० उरा; म० उरोधो । मि० २८ (मितान्त अनुरोध ओ उपरोध देखि) । *uparodha*—Obstruction, request, concealment.

𑒅𑒣𑒩𑒼𑒿(𑒩𑒾𑒿)𑒗 **उपरोँ(रौँ)झ**—एक दोसरासँ उपर होएबाक प्रयास, अनुचित प्रतिस्पर्धा । [उपर + ओज] । तु० क० उपरौष (दे०) FML 842; कन्या० १३७ (अपना मे उपरौंझ करै लागल) । *uparõ (raũ) jha*—Competition for surpassing.

𑒅𑒣𑒩𑒾𑒙𑒰 **उपरौटा**—(जाँतक) उपरका पाथर । (दे०) [उपर + ओट + आ] । BPL 620, 1250 (उपरौटा); BPL 1251 (उपरौटा) । *uparauṭā*—Upper stone wheel of rural grinder.

𑒅𑒣𑒩𑓂𑒢𑒰 **उपर्ना**—डोनी, उपरोप, द्वितीय वस्त्र [मात्र काव्यमे प्रयुक्त] । हि० उपरना । मि० वि० (१४६ उपर्ना अंचल) । *uparnā* —Upper garment.

𑒅𑒣𑒩𑓂𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞 **उपर्युक्त**—वि० । उपरोक्तक शुद्ध संस्कृत रूप; उपर कहल गेल । तु० क० हि० उपरोक्त, उपर्युक्त । कन्या १०३ (रेवती रमण उपर्युक्त निर्णक अनुसार); प्रिया० २१७ (उपर्युक्त वाक्य सुनि एक चिन्ता मौन मे उत्पन्न भ गेलैन्ह); मि० उद० १५३–२१ (उपर्युक्त समय पर कापालिक); प्रथ० १३३ (उपर्युक्त श्लोक पढ़ैत); मि० १२ (उपर्युक्त तीनू प्रकारक गौण भक्ति योग्यतानुसार पराभक्तिक सीढ़ी थिक) । *uparyukta—Adj.* Above-mentioned.

𑒅𑒣𑒩𑓂𑒨𑒳𑒣𑒩𑒱 **उपर्युपरि**—क्रि० वि० । उपरे-उपरे, अत्यासन्न, क्रमशः, उपरा-उपरी, एकर्त वेसी दोसर, बढ़ल-चढ़ल, उपरौँस । [सं० उपरि + उपरि] । तु० क० बं० उपर्युपरि FML 576 । *uparyupari—Adv.* Up and above; competition for surpassing.

𑒅𑒣𑒪 **उपल**—प्रस्तर, पाथर, पाषाण, रत्न । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, पा० उपल; प्राकृ० उवल, प० ओला; गु० ताखो ओला० ओला; प्रा० ओला; गु० ओलूँ; काश्मीरी पल । अम० ७५ (आकर उपल कमल) । *upala*—Stone, gem.

𑒅𑒣𑒪𑒔𑓂𑒕𑒢 **उपलच्छन**—उपलक्षण (दे०) केर वा० रू० । चन्द्रकला ४ । *upalacchana—Coll.* of *upalakṣaṇa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒪𑒧𑒨 **उपलमय**—क्रि० वि० । पाथरसँ वा रत्नसँ भरल वा परिपूर्ण । [उपल + मय] । अम्बचरित ६६ । *upalamaya—Adv.* Full of stone or gem.

𑒅𑒣𑒪𑒨𑒢𑒼 **उपलयनो**—उपनयनहु केर अशु० वा० रू० । मि० ४५० (ओ उपलयनो बिनकहु भविष्य दरभंगहि थयल गेलैन्ह) । *upalayano—Erro. Coll.* form of *upanayanaḥ* (q.v.).

𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡 **उपलब्ध**—वि० । प्राप्त, ज्ञात, जानल, पाओल । [सं० उप + लब्ध] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० उपलब्ध; प्राकृ० उपलद्ध । मि० २७० महाभारत स्पष्ट उपलब्ध अछि); मै० हि० सा० (५–६) २० (सामग्री उपलब्ध होइत अछि); मि० उद० १५८–१६ (शिला लेखादि उपलब्ध होइत); लहु० ८३ (यदि पूजासँ उपलब्ध नहि हो) । *upalabdha—Adj.* Acquired, known.

𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡𑒱 **उपलब्धि**—बुद्धि, ज्ञान, प्राप्ति, वस्तु वा ज्ञान, पारिश्रमिक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, मै० राज० उपलब्धि; प्राकृ० उवलद्धि राज० उपलब्धि । पारो ६३ (आनन्द जनैक उपलब्धि नहि कहाँ); नव० ६६ (लोकोत्तर आनन्दक उपलब्धि होइत रहनि हुनका); अग० ३१ (शिवा उपलब्धि) । *upalabdhi*—Knowledge, acquirement, remuneration.

𑒅𑒣𑒪𑒏𑓂𑒭 **उपलक्ष**—उत्सव, हर्ष, चिन्ह, आनन्द, उद्देश्य । [सं० उपलक्ष] । तु० क० बं०, असं० उपलक्ष, म०, उ० ओलक्ख । मि० २४६ (शुक मैनाक उपलक्ष मे पुनर्जीवन मानि); मै० हि० सा० २ अं० (८–१०) ९ (जन्म दिवसक उपलक्ष मे) । *upalakṣa*—Ceremony, happiness, aim, in lieu of.

𑒅𑒣𑒪𑒏𑓂𑒭𑒝 **उपलक्षण**—मुहावरा, लोकोक्ति, लक्षणाक द्वारा अन्य अर्थक जानकारी सुझबाक संकेत, चिन्ह, प्रमाण । [सं०] । तु० क०, हि०, बं०, असं०, मै०, राज० उपलक्षण; पा०; प्राकृ० उपलक्खण; म० ओलक्खण; प्राकृ० उवलक्खण । राम० २३८ (लौकिक उपलक्षण भेल छल); राम० ५२ (उपलक्षण होँ हि धरि भेल); महेश० १० (उपलक्षणा धुनु वान्दिय गेलहु वर्ण अरि); मि० मि० २५१ (कहाउति थीक उपलक्षण); कम० २ (ई हि विप्रदीपक उपलक्षण); प्रिया० १३६ (उपलक्षण मन पड़य लगलैन्ह) । *upalakṣaṇa*—Synecdoche of a part of the whole of an individual specifying something by some reference or implication, a proverb.

𑒅𑒣𑒪𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 **उपलक्षित**—वि०। सूचित, अनुमित, युक्ति-विशिष्ट। [उप + लक्षित]। (उपलक्षित विषय पर विशेष ध्यान देबाक चाही)। *upalakṣita—Adj.* Indicated, inferred.

𑒅𑒣𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒨 **उपलक्ष्य**—उपलक्ष (दे०) केर शु० सं० रू०। खट्ट ६४ (कथीक उपलक्ष्य मे खोएबह); रंग २८ (दुख छुटबाक उपलक्ष्य मे महाभोजक आयोजन करने रहथि)। ***upalakṣya***–Sanskrit form or ***upalakṣa*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒪𑒰𑒃 **उपलाइ**—क्रि०। कोनो छोट-छीन कथा पर उड़ब। [सं० उत्पलायन]। मि० २३१ (ककरहु कहने उपलाइ जनु देखू तँ भगवान की करैत छथि)। ***upalāi—V.*** Fly, run away (metaphoricalby).

𑒅𑒣𑒪𑒰𑒃𑒞 **उपलाइत—उपलाइ** (दे०) केर वर्त्त० रू०। वैदेही वनवास ७४। ***upalāita—Present*** tense form of ***upalāi*** (q.v.)

𑒅𑒣𑒪𑒰𑒋 **उपलाए—उपलाइ** (दे०) केर वि० रू० वा रूप। FML 170. *upalāe—Alt.* Form of ***upalāi*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒪𑒹𑒣(𑒢) **उपलेप(न)**—लेपन, नीपब, लगाएब, उँगारब, ओ वस्तु जाहिसँ लेपल जाए, वा लगाओल जाइक। [उप + लिप् + घञ् तथा उप + लिप्—ल्युट्] तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, राज० **उपलेप, उपलेपन**; पा० **उपलिम्पति**; प्राकृ० **उवलिम्पइ; उवलेवथि**; म० **ओलिंपणें**। वर्ण० ६४ (**उपलेपन** उल्लेखण)। ***upalepa(na)***—Smear, anointing.

𑒅𑒣𑒫𑒏𑓂𑒞𑒰 **उपवक्ता**—वि०। अप्रधान वक्ता, छोट छोट बजनिहार वा भाषण करनिहार। [सं० उप + वक्ता]। तु० क० बं० **उपवक्ता**। (वक्ता एवं उपवक्तालोकनिक तर्क सुनिए कS जाएब)। ***upavakatā—Adj.*** Not the principal speaker.

𑒅𑒣𑒫𑒢 **उपवन**—उद्यान, बाग, बगीचा, छोट-छोट वन वा जंगल, कृत्रिम वन। [सं० उप + वन। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव० भोज० **उपवन**। वर्ण० ३८ (एवं विधि **उपबन** देपु); कीर्तिलता ११ (पल्लविअ कुसुमिअ फलिअ **उपवन**); वि० पदा० मजु० १६; राग त० ४७, न० गु० १ (जमुनाक तीर **उपवन** उदवेगल); वि० वि० ८ (**उपवन** जाय सुनव पिकवाणी); राग० ६८ (नवरङ्ग नव-दल देखि उपवन); राम० १८६ (वनिता **उपवन** अरुण अशोक); मि० उद० १५७–८ (कुसुमित **उपवन** छाज)। ***upavana***—Garden, a small jungle, a grove, Park.

𑒅𑒣𑒫𑒰𑒩 **उपवार**—जुआमे विभिन्न खेलएनिहार लोकक एक, स्वभाव गुण नाम। [सं०]। वर्ण० २५। (वेथवाट, **उपवार** बोल-निहार)। ***upavāra***—A kind of gambler.

𑒅𑒣𑒫𑒰𑒮 **उपवास**—अनाहार, अनशन, बिना भोजन केर **रहब, मिथिला मे एकरा** उपास कहल जाइछ, **सहब, भोजनक त्याग। [सं० उप + वास—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव०, भोज०, राज०**, पा० **उपवास**; प्राकृ०**उपवास**; ऊआस; **औववासो औवासो** उ० **उसा; ओसा**; म० **ओवसा; वसा**; उपास दे०। [illegible] (सीता सहित विहित **उपवास**); राम० बालकाण्ड ४ (एकादशी दिन कय **उपवास**); मो० १००–११ (**बराबरि उपवास** नहि करी; [illegible] १२२ (आवहु तो **उपवास** भङ्ग करवहुन्ह); प्रण० ६१ (परम् एका-दशीक **उपवास**); चित्रा ८० (फूसि व्रत **उपवास**); नव० ८२ (**वर्त्ति**-निक व्रत **उपवास** संख्या वढ़ि गेल रहइक)। ***upavāsa***—(Keeping a) fast.

𑒅𑒣𑒫𑒲𑒞 **उपवीत**—उपनयन, यज्ञ-सूत्र, जनौ यज्ञ, पैता। [सं० उप + व्ये—क्त]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, राज० पा० **उपवीत**; प्राकृ० **उपवीअ**; म० **ओवी**। महेश० ४८ (काल्हुक काल, ब्याल यज्ञ **उपवीत**); अम० १६८। *upavīta*—The sacred thread, its ceremony.

𑒅𑒣𑒫𑒹𑒠 **उपवेद**—वेदसँ वहराएल चारि विद्या यथा आयुर्वेद, धनुर्वेद, गान्धर्व वेद, स्थापत्य वेद। [सं० उप + **वेद**]। तु० क० हि०, बं० असo ने०, राज० **उपवेद**। (वेद **उपवेद**क मूल आधार थिक)। *upaveda*—Scripture dealing wilh warfare, human body, music, arts etc. and considered as minor Veda.

𑒅𑒣𑒬𑒧 **उपशम**—निवृत्ति, शान्ति, उपाय, इन्द्रिय निग्रह, उपचार, युक्ति। [सं० उप + शम—घञ्] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० **उपशम**; राज० **उपसम**। वर्ण० २ (चोट **उपशम**हास्य करुणा आलिङ्गन); FML 304 (V. N. 12A) (किंवा कर अभिसारहिँ उपशम)। *upaśama*—Approach, peace, cessation.

𑒅𑒣𑒬𑒪𑓂𑒨 **उपशल्य**—ग्रामान्त, गामक अन्त, गामक सटल सीमा लगक गाम। [सं० उप + शल्य]। अम० ७३ (**उपशल्य** ई गामक समीप प्रदेशक नाम)। *upaśalya*–The village end, outskirts.

𑒅𑒣𑒬𑒰𑒐𑒰 **उपशाखा**—वि०। छोट-छोट शाखा, सन्तति वा अङ्ग, प्रधान शाखा नहि। [सं० उप + शाखा]। तु० क० बं० **उपशाखा**। (शाखा **उपशाखा** कतेक छैन्ह बूझाक आइयो)। *upaśākhā Adj.* Minor branch.

𑒅𑒣𑒬𑒼𑒦𑒱𑒞 **उपशोभित**—वि०। कम कम शोभित। [सं०]। वर्ण० ३६ (कुसुम तेँ **उपशोभित**)। ***upaśobhita***—*Adj.* Not fully or highly decorated.

𑒅𑒣𑒬𑓂𑒩𑒳𑒞 **उपश्रुत**—वि०। अङ्गीकृत, प्रतिज्ञात, स्वीकार कएल। [सं०] उप + श्रु—क्त]। (**उपश्रुत** कएल विषयक विचार करब आव-श्यक)। *upaśruta—Adj.* Accepted, agreed.

𑒅𑒣𑒮𑒠𑓂𑒫𑓂𑒩𑒞 **उपसद्व्रत**—वि०। छोट वा गौण [illegible] व्रत वा उपास। [सं० उप + सद्व्रत]। मि० वि० [illegible] **उपसद्व्रत** कएलन्हि)। *upasadavrata*—[illegible] fast.

𑒅𑒣𑒮𑒧 **उपसम**—उपशम (दे० केर [illegible]

क० राज० उपसम । वर्ण० ५१ (उपसम केराचरि); वि० ने० २८ (किया धर अभिलाषि उपसम); वि० पदा० मजु० १२७, नेपाल १०१ (कबहुँ न उपसम कर पचवान); वि० । *upasama*—*Alt.* form of *upaśama* (q.v.).

उपसम्पादक—सहायक सम्पादक, मुख्य कार्य-कर्ता वा सम्पादकक अनुपस्थितिमे कार्य कएनिहार । [सं० उप + सम्पादक] । तु० क० हि०, राज० उपसम्पादक । (सम्पादक ओ उपसम्पादक अभिन्न अङ्ग मानल जाइछ) । *upasampādaka*—Sub-editor.

उपसर्ग—कोनो शब्दक वा धातुक पहिने लगाओल जाएबला शब्द वा अर्थहीन शब्द, जकरा जोड़िलें शब्द अर्थमे विशेषता आबि जाइछ, उपद्रव (ज्वर आदिमे भेल प्रलाप आदि), बाधा । यथा उप + हास = उपहास, प्र + हार = प्रहार । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अव० उपसर्ग; राज० उपसरग; प्राकृ० उपसग्ग । सदु० ७६ (एक साँस पहिनहि उपसर्ग सभामे); अम० १६६ (अजय, अपाय उपसर्ग) । *upasarga*—Prefix.

उपसाधक—वि० । छोट-छोट साधक निम्न कोटिक साधन वा उपाय कएनिहार । [उप + साधक] । राम० २०४ (उपसाधक की बुझति भेद) । *upasādhaka*—*Adj.* Who undertakes minor ways (of worship etc.).

उपसिद्धि—सिद्धिक छोट-छोट वा गौण सिद्धि । [सं० उप + सिद्धि] । वर्ण० ३ (अञ्जन, गुटिका, पादुका, रस, पारद, अक्षय, वेताल, यक्षिणी आदृ ये उपसिद्धि से समन्वित) । *upasidhi*—Minor *Siddhi* (q.v.).

उपसंहार—सारांश, निचोड़, कोनो पुस्तकमे वर्णित समस्त विषयक संक्षेपमे वा कएक सर्वे निष्कर्ष, अन्त, शेष, समाप्ति । [सं० उप + संहार] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अव०, राज० उपसंहार; प्राकृ० उपसंहार । मि० उद० २८-२-११ (प्रतिज्ञा ओ उपसंहारक एक वृत्त पद लिखियें समाप्त करइत छी); मी० १२० (उपसंहारमे एकटा विषय छुटि गेल) । *upasaṁhāra*—Conclusion, end.

उपस्थ—नीचाँ वा शरीरक मध्यक भाग, समीपस्थ, स्त्री वा पुरुषक चिन्ह (लिंग) क स्थान । [सं०] । तु० क० हि०, राज०, अस० उपस्थ । राम० १७७ (नाभि उपस्थ लिङ्ग ओ पायुक); चन्द्र० ६२६ (रसना उपस्थ दोष विरत बलिदान); अम० १४१ (उपस्थ ई कहलमाय स्त्री पुरुष चिन्ह अङ्गक नाम); चन्द्र० २१३ (तदपि उपस्थक लक्षण लिखेइ) । *upastha*—The genital region.

उपस्थित—वि० । लगमे ठाढ़ वा उपस्थित, आगत, आदर करब, मोजर देब, प्राप्त, उपासित । [सं० उप + स्थित] । तु० क० हि०; बं०, राज०; ने०, अव० उपस्थित; पा० उपट्ठाति; उपट्ठित; प्राकृ० उवट्ठाइ; उट्ठिय; उवट्ठिओ । वर्ण० १२ (एकआ दुइ उपस्थित); राम० २० (कार्ये उपस्थित भै पढ़ि काल); चन्द्र० १०३ (ई कलिकाल काल उपस्थित); महेश० १५ (से घर भेलाह उपस्थित); मी० ६६-२८ (बाधा उपस्थित होइत छैक); डिरा० १ (प्रतियोगितामे भाग लेबक हेतु उपस्थित भेल छथि); चित्रा ५१ (नहि उपस्थित करइछथि ककरो कठोर लगाए) । *upasthita*—*Adj.* Present, reached, close by, to have regard for (someone).

उपस्थिति—विद्यमानता, प्राप्ति; अवगति, लगमे आवागमन । [सं० उप + स्थिति] । तु० क० हि०, ने०, असु०, राज० उपस्थिति । (ओहिक उपस्थितिमे केओ नहि किछु बाजि सकलाह) । *upasthiti*—Presence, knowledge, approach.

उपह(हँ)त—वि० । उच्छिष्ट; प्रक्षालन योग्य (दी०), अइठ खएलासँ पहिलुका अन्न वा अन्न राखल एवं बनाओल लिखे पात्रादि, निरेठ नहि रहब, दूषित, आहत, नष्ट । [सं० उप + हत] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, राज० उपहत । (उपहत वा उपहँत वस्तुकेँ आगले जाएब वर्जित) *upaha(ā)ta*—*Adj.* Which needs washing, struck, impeded.

उपहस—उपहास (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० ने० १२८ (ते उपहस नहि गोपी लाथ) । *upahasa*—*Old* poet. form of *upahāsa* (q.v.).

उपहार—सौहनसँ देल गेल वस्तु, सौगाति । [सं० उप + हृ—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अव०, राज० उपहार । राम० १३१ (देव उपहार जतय पठाय); मी० २६-२७-२४ (अपन उपहार प्रस्तुत कैलें); मि० २२६ (समक उपहारक संग शुभाशिर्वाद लै) । *upahāra*—Present, gift.

उपहास—हँसी, निन्दा, परिहास । [उप + हस—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अव०, राज० उपहास; प्राकृ० उपहास; ओहास । वि० पदा० मजु० ६, नेपाल २४ (६४), न० गु० (परकीया) १५, अ० १०२६ (अधिक सिहारे अधिक उपहास); गौरी स्वयम्बर १ (जइ सौं करिहहि उपहास); राम० ६५ (जग भरि उपहास); महेश० ६ (सपनहुँ न सुनब खल उपहास); मै० हि० जा० ५ (मैथिली माथ उपहास विषय होयत); पु० २४५ (सौ इतर लोकक उपहासक घर) । *upahāsa*—Ridicule, a joke, a laugh.

उपहासए—उपहास (दे०) केर वर्त० रू० । वि० पदा० मजु० ५१८ (निरधन जन बोलि सबे उपहासए); राम० २२ (से न करिअ जे वर उपहासए); FML 413 । *upahāsae*—*Present* tense form of *upahāsa*.

उपहासब—क्रि० । का० रू० । उपहास वा हँसी, मजाक, निन्दा करब । [सं० उपहास + अब] । गी० मं० १ अम० ४१ (ए सखि ! छिय छिय कहितहुँ लाज । सुनि उपहासब युवति समाज) । *upahāsaba*—*V.* P.F. To ridicule or cut a joke, to laugh.

उपहासा—उपहास (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५५, नेपाल १०३; तालपत्र न० गु० २२६, अ०

२५० (देखि सखीजन हों उपहासा); चष्प० २६० (तोरि मतै मोरि उपहासा)। *upahāsā*—*Poet.* form of *upahāsa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑒰𑒮𑓂𑒣𑒠 **उपहासास्पद**—वि०। उपहास वा हँसी करबा जोकर, निन्दा करबा योग्य। [सं० उपहास+आस्पद]। तु० क० हि० उपहासास्पद। मै० सं० ओ सभ्यता भाग (२) २०, मो० २६–२७–१७ (उपहासास्पद होयत)। ***upahāsāspada***—*Adj.* Fit for being laughed at.

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑒱𑒞 **उपहासित**—वि०। हँसी, निन्दा, परिहास कएल गेल, निन्दित। [सं० उपहास+इत]। पुरु० १५७ (अपटु सभ उपहासित चिन्ता कयल)। ***upahāsita***—*Adj.* Ridiculed joked, laughed..

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑒹 **उपहासे**—उपहास (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ५४, रामभद्रपुर पोथी ४०४ (सखिन्हि कर उपहासे); वि० वि० २३ (चहुदिश तातक भेल उपहासे)। ***upahāse***—*Poet* form of *upahāsa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑒼 **उपहासो**—उपहास (दे०) केर निश्च० रू०। रङ्ग ३० (कतेक मित्र त हमर उपहासो करैत छथि)। ***uphāso***—Emph. form of ***upahāsa*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑓂𑒨 **उपहास्य**—उपहास (दे०) केर वा० रू०। तु० क० हि०, राज०, ने०, अव० उपहास्य। (एहन कार्य जनु करी जाहिसँ उपहास्य हो)। *upahāsyā*—*Coll.* of *upahāsa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒯𑒵𑒞 **उपहृत**—वि०। हरण कएल गेल, आनल, देल गेल, आहृत, दूषित, विघ्नित। [सं० उप+हृ—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उपहृत। कोबर गीत २४, ४०। *upahṛta*—Carried away; stolen.

𑒅𑒣𑒰𑒃(𑒄) **उपाइ(ई)**—उपाय (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ०१६ (उमत बुझाओव कओने उपाइ); वि० ने० १४२ (अबला मारन जान उपाई); श्री० कृ० केलिमाला (जन्हि जनमब तन्हि करब उपाइ)। ***upāi(ī)***—Poetic form of ***upāe*** (q. v.).

𑒅𑒣𑒰𑒋 **उपाए**—साधन, युक्ति, तरीका, प्रयास, चेष्टा, प्रतिकार, कौशल जाहि द्वारा कोनो कार्य सम्पन्न कएल जा सकए, आजीविका (सम्पत्ति)। [सं० उपाय]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उपाय; प्राकृ० उवाय; उआअ; प० उआ-चाई; प्रा० सि० उअक। गोरक्ष विजय ४ (ख) (आवह काननिपा रचह उपाए); वि० ने० १६ (करब कओन उपाए); वि० पदा० मजु० ८१, रामभद्रपुर पोथी १५७ (तेँ गुण गौरव पहे उपाए); FML 409. ***upāe***—Means, remedy, effort, expedience.

𑒅𑒿𑒣𑒰𑒋 **उँपाए**—उपाए (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ८ (ता कुल केरा बड्डिपन कहबा कओउ उँपाए)। *ũpāe*—*Avahaṭṭha* form or ***upāe*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒏𑒩𑓂𑒧 **उपाकर्म**—गुरुपूर्णिमा दिनुक पूर्व विशेष जाहिमे गुरुपूजा ओ यज्ञोपवीत धारण होइछ, उपनयन, [illegible], स्वाध्याय, विधि पूर्वक वेदक अध्ययन करब। [उप+आ+कर्म]। तु० क० हि० उपाकर्म। मै० संस्कृति ओ सभ्यता भाग [illegible] ***upākarma*** (in ancient times).

𑒅𑒣𑒰𑒏𑒵𑒞 **उपाकृत**—देवताक निमित्त बलिदान करब, प्रारम्भ [सं० उप+आ+कृ—क्त]। अम० १६२। *upākṛta*—Commenced to be sacrificed for a deity.

𑒅𑒣𑒰𑒐𑓂𑒨𑒰𑒢 **उपाख्यान**—अन्तर्कथा, पुरान कथा, वृत्तान्त, कोनो कथामे आवएवला पुरान दोसर सम्बद्ध आख्यान, इतिवृत्ति, कथन। [सं० उप+आख्यान]। तु० क० हि० उपाख्यान; राज० उपाख्यान; प्राकृ० उवक्खाण; सिंहाली ओखणि; गु० उखाण म० उखाणा। कन्या० ४७ (उपाख्यान सुनावय लगलथिन); द्विरा० ८७ (उपाख्यान कहि सुनौलथिन्ह); मि० ३२६ (एकर उपाख्यान सुनावाद फलाफल सुनवाओल); खट्ट० १११ (सावित्रीक उपाख्यान; नहि देत कियैक)। ***upākhyāna***—A subordinate tale, an episode.

𑒅𑒣𑒰𑒑𑒞 **उपागत**—उपस्थित, लगमे आएल, आगत, स्वीकृत, प्राप्त। [सं० उप+आ+गम—क्त]। तु० क० बं० उपागत। (उपागतलोकनिक सत्कार होएबाक चाही)। *upāgata*—Arrived, present, guests who have arrived.

𑒅𑒣𑒰𑒓𑓂𑒑 **उपाङ्ग**—अंगक भाग, कोनो वस्तुक हिस्सा वा अंश, वेदाङ्गक प्रभेदविशेष। [सं० उप+अङ्ग]। तु० क० हि०, राज० उपांग; अस० उपङ्ग। वर्ण० ४८ (उपाङ्ग रागादि गीत प्रबन्ध); अम० ६४ (अङ्ग और उपाङ्ग)। *upāṅga*—Subsidiary, ancillary part (of the Vedas).

𑒅𑒣𑒰𑒛𑓃 **उपाड़**—क्रि०। उपाड़बाक क्रिया, जड़िमूलसँ उखाड़ब वा नष्ट करब। [सं० उत्+पाटि अथवा प्राकृ० उप्पाड]। तु० क० बं०, राज० उपाड़। नव० ४८ (चारिटा छओँड़ा मोछ उपाड़ लेल बुत्त अछि); धातु पाठ ३८। *upāḍa*—*V.* To uproot.

𑒅𑒣𑒰𑒛𑓃𑒞𑒰𑒯 **उपाड़ताह**—उपाड़ (दे०) केर भवि० रू०। मो० १००–२३ (किछु विशेष युक्ति उपाड़ताह)। *upāḍatāha*—*Future* tense form of *upāṛa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒛𑓃𑒪 **उपाड़ल**—उपाड़ (दे०) केर भू० रू०। राम० १३० (गाछ उपाड़ल केओ बलवान); चित्रा ५२ (उपाड़ल नहि हेतनि ककरो बुते)। *upāḍala*—*Past* tense form of ***upāḍa*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒛𑓃𑒱 **उपाड़ि**—उपाड़ (दे०) केर भू० क्रि० रू०। [illegible] २६५ (सागक दोछ लेले कड़हडे उपाड़ि उपाड़ि खैबे किने ?); [illegible] २७३ (मूल उपाड़ि पत्रमै पानि दै छथि)। ***upāḍi***—*Part.* form of *upāḍa* (q. v.).

𑒅𑒣𑒰𑒛𑓃𑒱𑒁 **उपाड़िअ**—उपाड़ (दे०) केर क्रि० [illegible] रू०। मैथिली साहित्यक इतिहास ५१। ***upāḍia***-*Part.* [illegible] of ***upāḍa*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒛𑓃𑒲 **उपाड़ी**—उपाड़ि (दे०) केर [illegible]

(लुन्हि उपाड़ी मेलिलि काण्डि); चर्या० ८/७; ५०/१। *upāḍi*—*Poet.* Form of *upāḍi* (q.v.).

उपाड़ु—उपाड़ (दे०) केर आज्ञा० रू०। FML 349. *upāḍu*—*Imp.* form of *upāḍa* (q.v.).

उपाति—विधवा, घरमे आएल अतिथि (पुत्री, स्त्री आदि) क हेतु चङ्गेरामे सहित गेल अन्न, वस्त्र, फल एवं अन्य वस्तु आदि, हेतु स्नेह सँ देल भरल चङ्गेरा, भार, उपहार। [सं० उप+अद् भक्षणे +ष्यत्>उपाद>उपाति]। वि० पदा० मञ्जु० ४८; न० गु० तालपत्र २१७; अ० २१८ (वास न पावए माँग उपाति); राम० १०४ (साँठल भारहि भार उपाति); चन्द्र० २५४ (उपाति हेतु भारी); मी० २६–२७–२४ (अपन उपहार उपाति प्रस्तुत कैने); प्रया० १६० (एक चङ्गेरा उपाति मण्डार परसँ पहुँचि गेलैन्ह); ललरकानी ७७। *u pāti*—A basket of foodgrain, fruit, clothes as a complimentary present to guests.

उपादान—ग्रहण करब, कोनो वस्तुक मूल कारण। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव० उपादान; राज० उपादान। खट्ट० १३७ (माल एकहि उपादानक दू भिन्न स्वरूप थिक); विरा० २ (नारीक रचना कोमल उपादान सँ); रङ्ग ४० (अनेक दोषक उपादान होइत छैक)। *upādāna*—Acceptance; material out of which something is made.

उपादेय—वि०। कार्यक, उत्तम, नीक, लेबा जोगर, श्रेष्ठ, स्वीकार करबा योग्य। [सं० उप+आ+दा—यत्]। तु० क० हि०, बं०, राज०, ने० उपादेय। मिहि० २८–२–११ (अत्यन्त उपादेय पवि ग्रन्थक); नक्षत्र ५६)। *upādeya*—*Adj.* Acceptable, excellent.

उपादेयता—श्रेष्ठता; उत्तमता, स्वीकार्य। [सं० उप+आदेय+ता]। मिहि० १५–१६–१६ (ऐ पक्षक सर्वोत्कृष्ट उपादेयता छै संसार भरिक उपादेय ओर मान्य ग्रन्थ गीता मे सेहो विशद रूपे वर्णित अछि)। *upādeyatā*—Virtuousness, beneficial.

उपाधि—पदवी, पदवी; प्रतिष्ठात्मक पद, चिन्ह; उपद्रव (रोगादिमे), छल कपट। [सं० उप+आ+धा—कि]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, अव०, भोज० उपाधि। राम० २१ (सुनिकुल पाइल बहुत उपाधि); मि० २४० (पश्चात माला ओ गजा उक्त श्रीमानसँ पओने ओ चौधरी उपाधि पाओल); मों० ६०–७ (संसारक कबकी उपाधि); पुरु० १८४ (पहन उपाधि पाओल); विरा० १६० (नाना उपाधिसँ विभूषित करैत कहलीह)। *upādhi*—Title, surname, (ironically) virtues (evil qualifications, abuses, complaints in illness, etc. showered (on somebody).

उपाध्या—उपाध्याय (दे०) केर संक्षिप्त अशु० रू०। वि० प० ६१ (कहथि पूर्व उपाध्या)। *upādhyā*—Short Err. form of *upādhyāya* (q.v.).

उपाध्याय—वेदशास्त्र पढ़ओनिहार, आचार्य, गुरु, प्राध्यापक, शिक्षक, व्याख्याता, मन्त्रक व्याख्या कएनिहार, ब्राह्मणक एक उपजाति क नाम। [सं० उप+अधि+इङ—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, अव०, भोज० उपाध्याय। राम० २६ (उपाध्याय को सँग लगाए); (आइयो कालिह कतेक उपाध्याय ब्राह्मणक घर मिथिला मध्य अछि)। *upādhyāya*—Teacher of the Vedas.

उपानह—पनही, जूता, चर्मपादुका। [सं० उप+नह—क्विप्]। तु० क० हि०, बं०, राज० उपानह; पा० उपानह; प्राकृ० उवाणाहा, ओाणा; उवाहणाहा, वाणाहा, वाहणा, पाहणा पं० पाहना; हि० भोज० पनही; प्रा० गु० पाणही; पहाण; वाहो। अम० २३१ (पादु उपानह); FML 119. *upānaha*—Shoe, sandal.

उपानहि—उपानह-युक्त। [सं० उपानह+ई] राम० १३८ (शिखी उपानहि दिव्य कमण्डलु)। उपानहीक का० रू०। *upānahi*—Wearer of shoes.

उपान्त(न्त्य)—कात-करोट; अन्तक समीप, आँखिक कोन। [सं०]। तु० क० हि० हाशिया। मि० भा० वि० १६०; नरोत्तम ७३। *upānta(tya)*—Margin, border, edge, corner of eye, penultimate.

उपाम(मा)(मे)—उपमा (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं०, असं०, ने०, उ० उपाम। वि० पदा० मञ्जु० १६६, न० गु० ७६; अ० ४ (नमहत मदक उपाम); राग० १०७ (ओवन सन्हिक उपाम दे); मि० (उपामा); FML ६०० राग० ४२ (मनतु न अवतर नयन उपाम); महा० ना० ७ (सुपुरुष सुन्दर मदन उपामे); वि० पदा० मञ्जु० १११; मि० ४१; नव० गु० ४७३, अ० ४८७ (निसिपति हरिन उपामे)। *upāma (mā) (me)*—*Poet.* form of *upamā* (q.v.).

उपाय—उपाए (दे०) केर सं० रू०। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, पा० उपाय; प्राकृ० उवाय, उआव; पं० उआ-वाई। वि० पदा० मञ्जु० १४५ (साजनि रचह दे न उपाय); मन० कृष्ण० २१ (आन करिअ अब एकर उपाय); वि० वि० ५ (नृप भूपतीन्द्र कह देखल उपाय); मि०; मै० हि० सा० ५ (स्त्री तुलल रहे क्षुधि तकर कोन उपाय); नौ० ६६–१ (शुभ उपायक मूल सुभास कैं); राम० बालकाण्ड ४ (की तकर उपाय); प्रया० ६ (आब कोन उपाय); पारो २० (एकटा उपाय सम्बल)। *upāya*—Sanskrit form of *upāe* (q.v.).

उपायन—लग जाएब, उपहार, भेन (दे०)। [सं० उप+अय—ल्युट्]। तु० क० हि० बं०, असं०, ने०, राज०, पा० उपायन; प्राकृ० उवायण; उवाओ; गु० उवायणुँ; बं० उवाण; हि० बायन; बापुना, बयन, बेन। पुरु० १२४ (मनिय रायस पुत्रसी उपायन कयल)। *upāyana*—going near, meet, a present.

उपायान्तर—क्रि० वि०। उपाय वा साधन केर विभिन्नता वा अन्तर। [उपाय + अन्तर]। पुरु० १०५ (जौं उपायान्तर मौं ब्राह्मण जीवथि); पुरु० १११ (हरिणी समाना उपायान्तर करवह)। *upayāntara—Adv.* Different means or effort.

उपायी—उपायमे लागल छथि उपाय (दे०) केर का० रू०। गोरख विजय ६ (क) (अठारह महादेविक मन उपायी)। ***upāyī*** *-Poet.* form or ***upāya*** (q.v.).

उपाये—उपाय हि० केर का० रू०। चर्या० ३८/२; विरा० १७७ (विनु गाम ऐने उपाये नहि छैन्ह); प्रण० १२१ (बिना वेश्या भेने कोनो उपाये नहि)। *upāye-Poet.* form of *upāyahi*

उपारजित—उपार्जित (दे०) केर वा० रू०। BPL 1215. *upārajita—Coll.* form of *upārjita* (q.v.).

उपारब—उपाड़ब (दे०) केर वा० रू०। ग्रि०; IAL Turner 83—1809. ***upāraba—Coll.*** form of *upāḍaba* (q.v.).

उपारल—उपाड़ल (दे०) केर का० रू०। मन० कृष्ण० १६ (जुगुति उपारल दुलहन हाथ)। *upāḍala—Poetic* of ***upāḍala*** (q.v.).

उपारि—उपाड़ि (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मजु० ३३, न० गु० तालपत्र १५, अ० ६० (आनब कओने उपारि); FML 75; शतदल ६१। *upāri—Coll.* form of *upāḍi* (q.v.).

उपार्जक—वि०। उपार्जन कएनिहार, उपजओनिहार, अर्जन कएनिहार, कमएनिहार। [सं० उप + अर्जक]। तु० क० हि० **उपार्जक**। (उपार्जकलोकनि यदि उपार्जन नहि करताह त खएताह की?)। ***upārjaka—Adj.*** (One) who earns.

उपार्जन—अर्जन, कमाएब, एकत्र करब, संचित करब। [सं० उप + अर्जन]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **उपार्जन**; राज० **उपारजण(न)**। राम० बाल० ३ (धनक उपार्जन मे व्याकुल चित्त); मै० हि० सा० (३—४) १६ (पश्चात संघ ग्राम उपार्जन कएलकन्हि); विरा० १६ (उपार्जन करबाक शक्ति एकरा आबि जेतैक); प्रण० १५२ (फूसि फटक क क उपार्जन करब)। *upārjana*—Earning.

उपार्जित—वि०। कमाएल, परिश्रममें प्राप्त कएल गेल। [सं० उप + अर्जित]। तु० क० हि०, अस०, ने० **उपार्जित**। राम० ६१ (हमर उपार्जित सब जन खाय); चन्द्र० ३०८ (ककर उपार्जित के धन भोगत); मो० ६१—११ (उपार्जित धनौक भाग नहि); पुरु० २०१ (पिताक उपार्जित राज्यमे)। ***upārjita—Adj.*** Earned, acquired.

उपालम्भ—व्यंग्य, उलहन, उपराग, निन्दा, दुर्वाक्य, अनादर, उपहास। [सं० उप – आ [illegible]]। [illegible] बं० अस०, ने० **उपालम्भ**; हि० राज० उपालंभ; [illegible] उ० **उलहणा**; कु० **उलाणो**। वर्ण० ५ (सर्व-गुण [illegible]) अम० ३८ (**उपालम्भ** ई उलहन वा उपराग [illegible]) प्रण० २२६ (सरस्वती दाइ **उपालम्भ**पूर्वक पत्र लिखि [illegible])। *upālambha*—Blame, abuse, joke, angry words.

उपाश्रित—वि०। अवलम्बित, ककरो सहायता पर रहनिहार, ओ नियम जे दोसर नियमपर आश्रित हो, आश्रित। (उपाश्रित व्यक्तिक दशापर विचार करब आवश्यक)। ***upāśrita—Adj.*** Dependent, who depends on another person.

उपास—सहब, विनु भोजनक रहब, व्रत जाहिमे किछु खाइ नहि। [सं० उपवास]। तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, अव०, राज० **उपास** कीर्तिलता ४४ (अहह किक्करउ गण्डमे मधिअ उपास); वि० पदा० मजु० ३५८ (कतय भमर मोर पड़ल उपास); ग्रि०; मि० ३७५ (ठक कतहु उपास पड़ऽलैन्ह); शतदल ६८, FML 90, 517; आशाक बिन्दु ४७१। ***upāsa***—Full fast without food and water.

उपासक—वि०। उपास वा व्रत कएनिहार, पूजा, आराधना कएनिहार, भक्त, सेवा करनिहार, श्रद्धा रखनिहार। [सं० उप + आस—ण्वुल्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज०, भोज०, पा० **उपासक**; प्राकृ० **उवासअ**, **ओसिआ**; प्रा० सि० **उपासक**। मि० ११ (नैष्ठिक उपासक छलाह); विरा० ४६ हम एक देवीक अनन्य उपासक थिकहुँ); प्रण० १८७ (सौन्दर्यक उपासक छलाह); नव० ७६ (पंचदेवताक उपासक)। *upāsaka—Adj.* Devotee, worshipper, servant.

उपासना—आराधना, पूजा, सेवा, प्रार्थना साधना। [सं० **उपासना**]। तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, अव० **उपासना**; राज० **उपासणा**। मि० वि० ४६ (शक्ति उपासना सँ जे जे सिद्धि ओ प्राप्त कयलन्हि); मो० ६८—१३ (परमेश्वरक उपासना करबाक स्वतन्त्र अधिकार पौने छी); विरा० ७७ (जे उपासना योग्य हो); पुरु० १७० (अद्यापि उपासना विषय कहयित छथि); नव० ६७ (ई सदुखक उपासना हुनका धैर्यक नाओ देने छलइन)। *upāsanā*—Worship, prayer, service.

उपासल—उपास (दे०) केर भू० रू०। राम० ३६१ (कहल उपासल छलहुँ हम); पुरु० १८५ (अहाँ दू [illegible] उपासल छी)। *upāsala—Past* tense form of *upāsa* (q.v.).

उपासिनी—उपासना (दे०) केर स्त्री० रू०। वन कुसुम ४६। *upāsinī—Fem.* form of *upāsaka* (q.v.).

उपासी[1]—उपास (दे०) केर [illegible]

नै० ३६ (मिरिहय पलल उपासी) । *upāsi*[1]—*Poet.* form of *upāsa* (q.v.).

उपासी[2]—वि० । उपासना करनिहार, भक्त सेवक, अनुरक्त । [सं० उपास + ई] । तु० क० हि०, राज० उपासी । मोदलता १२० । *upāsi*[2]—*Adj.* Devotee, worshipper, servant.

उपासीत—उपासित (दे०) केर अशु० रू० । व्या० वि० २३६ । *upāsita*—*Err.* form of *upāsita*.

उपास्य—वि० । आराध्य, पूज्य, योग्य, जकर सेवा कएल जाइत हो । [सं० उप + आस—ण्यत्] । तु० क० हि०, बं०, असु०, नै०, अव०, राज० उपास्य । माधवी माधव २२ । *upāsya*—*Adj.* Who is to be worshipped.

उपांग—उपाङ्ग केर विक० रू० । गी० शृ० २ अमर ८ (उमक रचाव उपाङ्ग पखावज, करतल ताल सुमेलि करी); स्फु० ८६ (नृत्य गीतक उपाङ्ग मात्र थीक) । *upāṅga*—*All.* of *upāṅga* (q.v.).

उपेख—उपेक्षा (दे०) केर का० रू० । FML 79; कि० । *upekha*—*Poet.* form of *upekṣā* (q.v.).

उपेखति(थि)—उपेख (दे०) केर मध्य० पुरु० रू० । FML 498 (जौ ति); कर्ण० ३७ (धन प्रतिष्ठा उपेखथि); चन्द्र० २०२ (थिरह अमर मा० उपेखथि) । *upekhati(thi)*—Second person form of *upekha* (q.v.).

उपेखन—उपेक्षण (दे०) केर का० रू० । गी० शृ० १ अमर ५० (आव मोर जीवन उपेखन होय । गोविन्द दस भो मुख हेरि रोय) । *upekhana*—Neglect.

उपेखब—क्रि० । उपेख (दे०) केर भवि० रू० । वि० पदा० मजु० २२७ (पिरित करने जीव उपेखब; गी० शृ० १ अम० २४ (जनहि उपेखब मोहि मोर बध लागत तोहि; वि० । *upekhaba*- *V. Future* tense form of *upekha* (q.v.).

उपेखल—उपेख (दे०) केर भू० रू० । गी० शृ० १ अम० ४० (गजकुल गमन चान उपेखल दामिनि मानिक लागि); चन्द्र० १४२ (राजक काम उपेखल); IAL Turner 108-233. *upekhala*—*Past* tense form of *upekha* (q.v.).

उपेखसि—उपेख (दे०) केर मध्य० पुरु० रू० । गी० शृ० १ अमर० ६० (हमरि मिलेहेँ तँह नारि न उपेखसि कुबजा रति अभाव) । *upekhasi*—Second person form of *upekha* (q.v.).

उपेखह—उपेख (दे०) केर आज्ञा० रू० । वि० नै० ११२ (आसा दुरय उपेखह आज) । *upekhaha*—*Imp.* form of *upekha* (q.v.).

उपेखि—उपेख (दे०) केर पू० क्रि० रू० । गी० शृ० १ अमर २० (कबहुँ बहन पर कहीं दिगम्बर शङ्कर नियम उपेखि); FML 538. *upekhi*-*Part.* form of *upekha* (q.v.).

उपेखिए—उपेखि (दे०) केर प्रेरणा० रू० । वि० पदा० मजु० २७६ (प्रेमक कारन जिउ उपेखिए) । *upekhie*—*Caus.* form of *upekhi* (q.v.).

उपेखो—उपेखि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १८७, नै० मु० तालपत्र ७८ (बिनु बिरोधे उपेखो); FML 306. *upekhi*—*Poet.* form of *upekhi* (q.v.).

उपेन्द्र—इन्द्रक छोट भाय विष्णु, चक्रपाणि । पंचम वामनावतारमे विष्णुक नाम [सं० उप + इन्द्र] । तु० क० हि०, बं०, असु०, नै०, उपेन्द्र । अम० ६ (उपेन्द्र इन्दुविरज, चक्रपाणि) । *upendra*—The younger brother of Indra, Viṣṇu. in vāmanāvatāra.

उपेषि—उपेखि (दे०) केर अशु० रू० । वि० नै० ५६ (केहो सखि रहल उपेषि) । *upeṣi*—*Err.* form of *upekhi* (q.v.).

उपेषी—उपेखि (दे०) केर का० रू० । वि० नै० ८६ (सुहुल नयन सुख वचन उपेषी) । *upeṣi*—*Poet.* form of *upekhi* (q.v.).

उपेषखइ—उपेष (दे०) केर वर्त० अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता ४६ (सरबस उपेष्खइ अक्ष काज) । *upeṣkhai*—*Present* tense avahaṭṭha form of *upeṣi* (q.v.).

उपेक्षक—वि० । उपेक्षा करनिहार, अनादर, तिरस्कार करनिहार । [सं० उप + ईक्ष + ण्वुल्] । तु० क० बं० उपेक्षक । (उपेक्षककमर्हँ सावधान रहिहतिसँ रही) । *upekṣaka*—*Adj.* Who igoores, who disrespects, who is indifferent.

उपेक्षण—तिरस्कार, उपेक्षा, विरक्ति, उपेक्षा करबाक कार्य, अवहेलना, त्याग । [सं०] । तु० क० हि०, राज० उपेक्षण । (वास्तविक उपेक्षणसँ मनुष्यक हृदय काँपि उठैछ) । *upekṣaṇa*—Disregard, indifference, sadness.

उपेक्षणीय—वि० । छोड़बाक योग्य; उपेक्षा, त्याग, तिरस्कार, अवहेलना करबाक योग्य । [सं०] । तु० क० हि० राज० उपेक्षणीय । पद्मावली परिणय १३१ । *upekṣaṇīya*—*Adj.* Fit to be neglected, to be disregarded.

उपेक्षा—तिरस्कार, त्याग, घृणा, विरक्ति, उदासीनता, अनादर । [सं० उप + ईक्षा—अ + टाप्] तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अव०, राज० उपेक्षा, प्राकृ० उपेक्ख । मि० २६७ (कन्याक बौरत तकर परिवार उपेक्षा नहि कैलकार कथी कुटुम्बवर्ग मे से होथि); मै० हि० सा० १८ (उपेक्षा भय रहल छथि); कन्या० १४६ (उपेक्षा और उपाय भाव आयुत न जाइ छैक); प्रणा० २७ (मिथी

उपेक्षा सूचक मुँह बनौलन्हि); नव० २७ (छोट छोन पोखरि छलइक उपेक्षाक प्रतीक) । ***upekṣā***—Neglect, sadness, indiference.

𑒇𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 **उपेक्षित**—वि० । तिरस्कृत, त्यागल, परित्यक्त, जकर तिरस्कार वा अवहेलना भए गेल होइक । [सं० उप+ईक्ष—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उपेक्षित** । वर्ण० ६६ (सलभ अइसन उपेक्षित मृत्यु); मो० १०१–४ (प्रश्न उपेक्षित कै देल गेल); द्विरा० ६१ (अपन **उपेक्षित** प्रेम काव्य उठौलन्हि); चित्रा ७ (**उपेक्षित** छी फूल जनु टूटल रही) । *upekṣita*—*Adj.* Neglected.

𑒇𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞𑒰 **उपेक्षिता**—उपेक्षित (दे०) केर स्त्री० रू० । मङ्कार ३२ । *upekṣitā*—*Fem.* form of ***upekṣita*** (q.v.).

𑒇𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑓂𑒨 **उपेक्ष्य**—वि० । छोड़बाक योग्य, त्याज्य, तिरस्कार वा अवहेलनाक जोगर । [सं०] । तु० क० हि० **उपेक्ष्य** । (**उपेक्ष्य** वस्तुक उपेक्षा आवश्यक) । ***upekṣya***—*Adj.* Fit to be neglected, indifferent.

𑒇𑒣𑒻(𑒨) **उपै(य)**—उपाए (दे०) केर अशु० रू० । FML 182. *upai(ya)*—*Err.* form of ***upāe*** (q.v.).

𑒇𑒣𑒼𑒠𑓂𑒒𑒰𑒞 **उपोद्घात**—उद्‌घाटन, भूमिका, प्रस्तावना, परिचय । [सं०] । तु० क० हि०, राज० **उपोद्घात** । मिहिर ३८-११-८ (विद्यापतिक अनन्य ग्रन्थक **उपोद्घातमे** लिखल) । ***upod-ghāta***—Introduction, inauguration.

𑒇𑒣𑒼𑒭𑒱𑒞 **उपोषित**—वि० । उपवासित, सहल, निराहार व्रत कएल । [सं०] । तु० क० हि०, राज० **उपोषित** । प्रतिपदा एक अध्ययन ७८ । *upoṣita*—*Adj.* Fasted.

𑒇𑓀𑒣𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒇𑓀 **उँप्पन्नउँ**— **उपपन्नहु** अथवा उत्पनहु केर अवहट्ट रू० । कीर्तिलता १२ (किम उँप्पन्नउँ वैरिपण किम उँद्धरिउँ तेथ) । *ũppannaũ*—*Avahaṭṭha* form of ***upapannahũ*** or *utpannahũ*.

𑒇𑒣𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒧𑒞𑒱 **उप्पन्नमति**—प्रत्युत्पन्नमति (दे०) केर अवहट्ट रू० । की० ल० ८ (जज्जम्मिअ उप्पन्नमति कामेसर सन राए) । ***uppannamati***—*Avahaṭṭha* form of ***pratyut-pannamati*** (q.v.).

𑒇𑒣𑓂𑒣𑒩 **उप्पर**—उपर (दे०) केर अवहट्ट वा निश्च० रू० । कीर्तिलता ५५ (धाऐ चलथि गिरि उप्पर घोरैँ) । ***uppara***—*Avahaṭṭha* or emph. form of ***upara*** (q. v.)

𑒇𑓀𑒣𑓂𑒣𑒪𑒳 **उँप्पलु**—आन्दोलित होबए लागल, उत्फालित होबए लागल । अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ४६ (लद्दावधि पयदाक शब्द वाथ पङ्क परवषत उँप्पलु) । ***ũppalu***—*Avahaṭṭha* form of ***utphālita***.

𑒇𑒣𑓂𑒪𑒼𑒑𑒯𑒱 **उप्लोगहि**—वि० । उछलनिहार, कुदनिहार । [सं० उत्प्लव] । राम० १६८ (छथि उप्लोगहि मध्य करैत) । ***upl̥o-gahi***—*Adj.* Who jumps.

𑒇𑒤 **उफ**—अव्यय । चिन्ता, कष्ट, अफसोस, वेदना आदि व्यक्त करबाक शब्द । [अर०] । तु० क० हि०, राज० । *upha*—*Ind.* Ah !

𑒇𑒤𑒢𑒅𑒌 **उफनइए**—**उफान** (दे०) केर वर्त० रू० । त्वरगन्धा १० । ***uphanaie***—Present tense form of ***uphāna*** (q.v.).

𑒇𑒤𑒢𑒪 **उफनल**—उफलल (दे०) केर बा० रू० । गोधूलि ६ । ***uphanala***—*Coll.* form of ***uphalala*** (q.v.).

𑒇𑒤𑒩𑒱 **उफरि**—क्रि० । खाए तृप्त होएब, भोजनसँ अकच्छ होएब । [अर०] । कीर्तिलता ६५ (रकतक राङ्गल माँथ **उफरि** फेरवी फोरि धा) । ***uphari***—*V.* To feel about having taken excess food, to be in a state of flatulence.

𑒇𑒤𑒪𑒪 **उफलल**—उफान (दे०) केर भू० रू० । दिनमणि ३२ । ***uphalala***—*Past* tense form of ***uphāna*** (q.v.).

𑒇𑒤𑒰𑒢 **उफान**—गरमी पाबि फेनक सहित उपर उठब, उधिआन । [सं० उत्+फान(फे)] । तु० क० हि०, बं०, अस०, **उफान**; राज० **उफाण** । रङ्ग ६० (शोणितमे रञ्चमात्र **उफान** किएक ने उठलन्हि) । *uphāna*—Increase in volume (as milk does); fermentation.

𑒇𑒤𑒰𑓀𑒙(𑒙𑒱)[1] **उफाँट(टि)**[1]—अप्रेषित भूत (दी०), एक प्रकारक भूत सदृश, संशयात्मक वायु जकरा लगलासँ लोक दुखित पड़ि जाइछ । [सं० उत्+फाट] । गद्य चन्द्रिका ४४ (**उफाँटि** लागब) = बसात लागब (हिनका **उफाँट** लागि गेलासँ ज्वरक सन्देह छन्हि) । ***uphāṭa(ṭi)***—Polluted wind, superstitiously regarded as an evil spirit or demonic influence.

𑒇𑒤𑒰𑓀𑒙𑒱[2] **उफाँटि**[2]—वि० । पचीसी वा शतरञ्ज खेड़हा, वा खेडिमे कटबाक योग्य स्थानगत (गोटी), मन्दिर आ चिरासँ अतिरिक्त स्थान गेल (गोटी), सुरक्षित नहि । [उफाँट+इ] । मिहि० १८ (४-६३-१६२) (सभक गोटी **उफाँटिये** भेल रहतैक आ से मेला उत्तर सभ चट-पट मरबे करतैक) । ***uphāṭi***[2]—*Adj.* (A pawn or player's piece) not in safe position.

𑒇𑒤𑓂𑒤𑒪𑒅 **उफ्फलइ**—**उफनइए** (दे०) केर अव० रू० । कीर्तिलता ६३ (खग्गे खग्गे संघलिअ फुलुग **उफ्फलइ** अग्गिके) । ***uphphalai***—*Avahaṭṭha* form of ***uphanaie*** (q.v.).

𑒇𑒥𑒙𑒢 **उबटन**—**उकटन** (दे०) केर विक० रू० । तु० क० सं० उद्वर्तन; हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव०, भोज० **उबटन** । BPL 1308; 1314, 1368. ***ubaṭana***—*Alt.* of ***ukaṭana*** (q.v.).

𑒅𑒥𑒙𑒱 **उबटि**— उबाट (दे०) केर ग्रा० रू० । कीर्ति० २० (उबटि मह्नु न पाइआ); वि० पदा० मजु० ३०, तालपत्र न० गु० ६२, श्मा० २० (उबटि न मेलिहु संग परिपाटी); राग० १०० (उलटि ईतेँ उबटि पसल) । *ubaṭi—Coll.* form of *ubāṭa* (q.v.).

𑒅𑒥𑒛𑒳𑒥 **उबडुब**—पानिमे डूबब आ फेर उगब, अर्थात् डुबला करार बहार होएबाक कठिन स्थितिमे, अतिशय सुख वा समृद्धिक स्थिति (बहुधा व्यङ्ग प्रयोगी)। [उगब + डुबब] । तु० क० उबाडुब; उर्दू उबडुब; उबेहु डुबेहु । (एकटा छओँ डा पानिमे उबडुब कए रहल अछि, ओकरा केओ ऊपर कएनिहार नहि छैक) । *ubaḍuba*—State of sinking and rising in the water.

𑒅𑒥𑒪𑒰 **उबला**—उगलाह (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५१५ (हर नहि उबला तोहहि भोरि) । *ubalā—Obs.* Old poet. form of *ugalāha* (q.v.).

𑒅𑒥𑒢𑓂𑒢 **उबन्न**—उबानि (दे०) केर ग्रा० रू० । FML 268. *ubanna—Coll.* form of *ubāni* (q.v.).

𑒅𑒥𑒩(𑒥) **उबर(ब)**—क्रि० । मुक्ति, बाँचब, उद्धार भए बहराएब, भोजमे भोजनादि शेष बाँचब, उबेर । [उगरब(दे०)] तु० क० उगारब (दे०) तु० क० हि० उबरना; प्राकृ० उववारिहु; सि० उबारणु । त्रि० (बाड उबर) । *ubara(ba)—V.* To escape (drowning or death), to get an escape, salvation.

𑒅𑒥𑒩𑒪 **उबरल**—उबरब (दे०) केर भू० रू० । वि० पदा० मजु० १६६, नेपाल १६२, न० गु० ४०१ (जे सबे उबरल कादि नकातील); वि० ४१४ (भगवानक भीम रामसँ उबरल); FML 41 *ubarala—Past* tense form of *ubaraba* (q.v.).

𑒅𑒥𑒩𑒰 **उबरा**—उगरा (दे०) केर ग्रा० रू० । FML 174 *ubarā—Coll.* form of *ugarā* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒞 **उबहत**—उगहत (दे०) केर ग्रा० रू० । त्रि० (उबहत है) । *ubahata—Coll.* form of *ugahata* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒢(𑒢𑒱) **उबहन(नि)**—उगह(घ)नि (दे०) केर ग्रा० रू० । [सं० उदग्रहणी] । BPL 115, 930. *ubahana(ni) Coll.* form of *ugaha(gha)ni.*

𑒅𑒥𑒯𑒥 **उबहब**—उग(घ)हब (दे०) केर ग्रा० रू० । FML 175. *ubahaba—Coll.* form of *ugaha(gha)ba* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒪 **उबहल**—उग(घ)हल (दे०) केर भू० का० रू० । कीर्तिलता १८ (काहु उबहल भार बोझ) । *ubahala—Past* tense form of *uga(gha)hala* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒱 **उबहि**—उग(घ)हि केर ग्रा० रू० । (उबहि के बोझ राखि आएल) । *ubahi—Coll.* of *uga(gha)hi* (q. v.).

𑒅𑒥𑒯𑒻𑒢 **उबहैन**—उघैन अथवा उबहनि (दे०) केर ग्रा० रू० । BPL 115. *ubahaina—Coll.* form of *ughaina* or *ubahani* (q.v.).

𑒅𑒥𑒰𑒙 **उबाट**—कुमार्ग । [सं० उद्वाट] । उबाटे जाओ कि सुबाटे जाओ = नीके केने वा अधलाहे केने काज दीहत छैक । तु० क० उबटि (दे०) । *ubāṭa*—Wrong or undesirable path.

𑒅𑒥𑒰𑒢𑒱 **उबानि**—वि० । अनुचित वा दोषयुक्त बान्ह, वा दोष आदि, अनुचित बानि (दे०) । खाट, टाट आदि बुनबा काल मान्यता नहि देब । मान्य वा प्राप्त बान्ह छैक जेना इक, ओक, चौक धम ताहिमे 'धम' बाला बानि नहि तु० क० उफाँटि तान बान्ह वा गोटी । [सं० उ (=उनटा, अशुद्ध) + बान्ह (बन्धन) उबन्ध] । (उबानि किएक बीनि रहल छी) । *ubāni—Adj.* Incorrect, or inauspicious tie or stitch, turn (in weaving, tying a thatch)

𑒅𑒥𑒱𑒂(𑒨𑒰)𑒋𑒥 **उबिआ(या)एब**—क्रि० । अकच्छ भए जाएब । [हि० ऊब]। *ubiā(yā)eba—V.* To be bored.

𑒅𑒥𑒱𑒂(𑒨𑒰)𑒟𑒳 **उबिआ(या)थु**—

𑒅𑒥𑒺𑒩 **उबेर**—वर्षाक मध्यक दुर्दिनक अन्त भेला पर रौद्र भेलाक बाद क समय । [उ + सं० वेला > बेर अथवा उबरल (दे०) सँ] BPL 1447; FML 268; श्मा० वि० ११६ (माल चाल तँ नै पकर मै उबेर फलहु रहाइ बीहमे ठाढ़ रहल) । *ubera*—Clear weather.

𑒅𑒥𑓂𑒥𑒺 **उब्बे**—आब वा एखन (दे०) केर अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ११ (बक दूर बद इबक उब्बे जनि उनकल लड्डा) । *ubbe—Avahaṭṭha* form of *āba* or *ekhana* (q.v)

𑒅𑒥𑓂𑒥𑒺𑒁 **उब्बेअ**—उद्वेग (दे०) केर अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ५० (कुच्छे सिज्झइ जम्म पर कज्जहेँ उब्बेअ न करिषु) । *ubbea—Avahaṭṭha* form of *udvega* (q.v.).

𑒅𑒥𑓂𑒦𑒲[1] **उब्भी**—[1]—बाँसक फराठी जकर अग्रभाग छुलका जकाँ बनल होइक, झगरक बेरमे उब्भी हए बोम सुगरकेँ मारैत अछि । उद् + भिद् (सं०) केर विकृत रू० । *ubbhī*[1]—A bamboo stick sharpened at one end used, as a weapon.

𑒅𑒥𑓂𑒦𑒲[2] **उब्भी**[2]- एक बाँसक वा भाभनाक टाटमे सुअगर भूर कए बोहरा बाती पैसबाक हेतु प्रयुक्त छुच्छा बाँस । [उभरी] । *ubbhī*[2]—Name of a strong hole-pierced kind of bamboo used in making thatches.

𑒅𑒦𑒁 **उभअ**—उभय (दे०) केर का० रू० । राम० ५ (उभए मन धरि अनुरागे) । *ubhaa—Poet.* form of *ubhaya* (q.v.).

𑒅𑒦𑒋𑒕𑒳 **उभएछु**—उभअ (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० १९५, पं० रमानाथ झा (उभएछु संसार धारतहु के शान करइमे सिखाइ) । *ubhaechu—Emph.* form of *ubhaa* (q.v.).

𑒅𑒦𑒏𑒪 **उभकल**—उझकल केर वि० रू० । उझकब (दे०)। राम० २७ (भरि **उभकल** अवे तौहर सिनेह)। ***u**bhakala—Alt.* of *ujhakala* (q.v.).

𑒅𑒦𑒔𑒳𑒦 **उभचुभ**—उबडुब (दे०) केर वा० रू०। सनेस ३८। ***u**bhacubha—Coll.* of *ubadu**b**a* (q.v.).

𑒅𑒦𑒛𑓃𑒪 **उभड़ल**—उपर दिसि भरल, ऊँच भेल। **उभरल** (दे०) केर वा० रू०। खट्ट० १३८ (उभड़ल पयोधरसँ)। *ubhadala—Alt.* form of ***u**bharala* (q.v.).

𑒅𑒦𑒨 **उभय**—वि०। दूनू, युगल, जोड़ा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, नेo, अव०, राज०, पा० **उभय**; प्राकृ० **अवह**। वि० पदा० मजु० ७६, रामभद्रपुर पोथी ३५, (**उभय** मन यदि अनुरागे); राम० १७६ (साधक सुख-दुख **उभय** सव); पुरु० २६२ (**उभय** विद्या सिद्धि); कन्या० २३ (नाककेर **उभय** पूड़ामे कोँचि)। *ubhaya—Adj.* Both.

𑒅𑒦𑒨𑒟𑒰 **उभयथा**—क्रि० वि०। दूनू तरहेँ। [सं०]। मो० २६-२७-२६ (नामी तँ **उभयथा** धोती नहि)। ***u**bhayathā—Adv.* In both ways.

𑒅𑒦𑒨𑒣𑒠𑒲 **उभयपदी**—वि०। उभय वा दूनू पद युक्त, आत्मनेपद आ परस्मैपद दूनू मे प्रयुक्त (धातु)। [सं०]। तु० क० बं० **उभयपदी**। (**उभयपदी** वाक्य विचार करब व्याकरणमे आवश्यक होइछ)। *ubhayapadī—Adj.* Both conjugational forms (of Sanskrit verbs).

𑒅𑒦𑒨𑒣𑒏𑓂𑒭 **उभयपक्ष**—वि०। दूनू पक्ष, पितृ-मातृ कुल, वर-कन्या पक्ष। कृष्ण पक्ष ओ शुक्लपक्ष। [सं०]। तु० क० बं० **उभय-पक्ष**। (**उभयपक्ष**मे लागल ग्रहणकेँ उभयपक्षी ग्रहण कहल जाइछ)। *ubhayapakṣa—Adj.* Both derk and bright fortnights (of the month; belonging to either side.)

𑒅𑒦𑒨𑒦𑒼𑒑𑒲 **उभयभोगी**—वि०। दूनूक भोग लगओनिहार वा उपभोग कएनिहार। [उभय+भोग+ई]। खट्ट० १६ (हमरालोकनि **उभयभोगी** प्राणी थिकहुँ)। *ubhayabhogi—Adj.* Who enjoys both (systems, methods).

𑒅𑒦𑒨𑒞𑓂𑒩 **उभयत्र**—क्रि० वि०। दूनू ठाम, दूनू लोकमे। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, उभयत्र। निबन्ध चन्द्रिका ५१। ***u**bhayatra—Adv.* At both places.

𑒅𑒦𑒩𑒐𑒰𑒦𑒩 **उभरखाभर**—क्रि० वि०। नीच-ऊँच, समतल नहि। [उभरब+सं० खात>ध्वन्यानुकरण]। BPL 792. ***u**bharakhābhara—Adv.* Uneven.

𑒅𑒦𑒩𑒥 **उभरब**—क्रि०। उपर उठब, ऊँच होएब, व्यक्त होएब। [उघरब>उद्धारते FML 174]। *ubharaba—V.* Appear in relief.

𑒅𑒦𑒩𑒪 **उभरल**—उभरब (दे०) केर पू० का० रू०। राग० १०३ (उभरल कुसुम माल वर अङ्ग)। ***u**bharala—Past* tense form of *ubharaba* (q.v.).

𑒅𑒦𑒩𑒱 **उभरि**—उभरब (दे०) केर पू० का० रू०। वर्ण० ४५ (ओके भूमि पालि ० राषि **उभरि** एक ठार भउअइ)। ***u**bhari—Part.* of ***u**bharaba* (q.v.).

𑒅𑒦𑒩𑒱𑒞𑒯𑒳 **उभरितहु**—उभरि (दे०) केर निश्च० रू०। वर्ण० ४५ (याके भरे विद्यान राषि मेलनि डाड **उभरितहु** भवधा भउअइ)। ***u**bharitahu*—Even on coming up.

𑒅𑒦𑒰𑒩𑒦𑒳𑒖 **उभारभुज**—चित्रकारिताक प्रभेद। [सं०]। वर्ण० ६३ (मोन **उभारभुज** अधोरग, पोरग कण्ठाभरण)। *ubhārabhuja*—A kind of drawing.

𑒅𑒦𑒰𑒩𑒱 **उभारि**—ककरो विरुद्ध ककरो भड़काएब, [उघारि (दे०) केर वा० रू० अथवा उपर+भार करब]। कीर्तिलता २४ (**उभारि** उभारि केश पाश बन्धन्ते)। *ubhāri—P.P.* form of *ugharaba* (q.v.). Bringing out in relief or loops.

𑒅𑒦𑒱𑒪 **उभिल**—चर्या० ४/५। *ubhila*—

𑒅𑒦𑒲 **उभी**—उब्भी[2] (दे०) केर विकृ० रू०। ***u**bhī—Alt.* of ***u**bbhi*[2] (q.v.).

𑒅𑒦𑓂𑒦𑒛𑓃 𑒐𑒰𑒥𑒛𑓃 **उभ्भड़ खाबड़**—उभर खाभर (दे०) केर वा० रू०। विडम्बना ६८। *ubhbhaḍa khābhaḍa—Coll.* form of *ubharakhābhara* (q.v.).

𑒅𑒧𑒏 **उमक**—उमकब (दे०)। गो० ५० २ अमर ८ (उमक रबाब उपाँग पखावज करतल ताल सुमेलि करी); मि० भा० वि० २४५। ***u**maka*—See *umakaba.*

𑒅𑒧𑒏𑒥 **उमकब**—क्रि०। मदजन्य बाल क्रीड़ा (दी०), उन्मत्त भए छोट बच्चा जकाँ खेल करब, पानिमे अपने इच्छेँ खूब आनन्दित भए क्रीड़ा करब। [उत्+मद+अब]। (एतेक **उमकब** हमरा नीक नहि लगैत अछि)। *umakaba—V.* To play overenthusiastically.

𑒅𑒧𑒏𑒪 **उमकल**—उमकब (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मजु० ६२, रामभद्रपुर पोथी १६५ (भरि **उमकल** अवे तोहर सिनेह); गोधूलि २। *umakala—Past* tense form of *umakaba* (q.v.).

𑒅𑒧𑒏𑒱 **उमकि**—उमकब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। नै० मे विहारी ७४; द्विरा० १४३ (ईकहि ओ **उमकि** क बोल उठा देलन्हि)। *umaki—Part.* form of *umakaba* (q.v.).

𑒅𑒧𑒑 **उमग**—उमंग(ङ्ग) (दे०) केर का० रू०। गौरी परिणय ६ (**उमग** प्रेममय ओ-ओरे बाढ़ल)। *umaga—P...* form of *umaṅga* (q.v.).

𑒅𑒧𑒑𑒅𑒿 **उमगउँ**—उमग (दे०) केर हिन्दी क्रि० रू० ... प० २७ (गावि मगन **उमगउँ**)। *umagaũ*—[illegible]

of verb *umaga*(q.v.).

𑒅𑒧𑒑𑒥 **उमगब**—उमङ्ग (दे०) केर क्रि० रू०। तु० क० हि० उमगना। FML 150. *umagaba*—*Verbal* form of *umaṅga* (q.v.).

𑒅𑒧𑒑𑒪 **उमगल**—उमङ्ग (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५१७ (उमगल फिरे मूल भौरी मोर कन्ती); FML 116. *umagala*—*Past.* tense form of *umagaba* (q.v.).

𑒅𑒧𑒑𑒰𑒯𑒴𑒃 **उमगाहुँ**—उमगब (दे०) केर हिन्दी रू०। मोदलता २६। *umagahū̃*—Hindi form of *umagaba* (q.v.).

𑒅𑒧𑒑𑒰𑒫𑒢 **उमगावन**—उमङ्ग करब, उल्लसित होएब। हिन्दी रूप [उमग+आवन]। मोदलता २६। *umagāvana*—(Hindi form) To get inspired.

𑒅𑒧𑒑𑒱(𑒑𑓂𑒑𑒲) **उमगि(ग्गी)**—उमग (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५५४ (उमदि उमगि रस देहे); चन्द्र० २५८ (नदी उमगिग कै मिलैह); मिहिर ५ (२-६१-५२)। *umagi (ggi)*—*Part.* form of *umaga* (q.v.).

𑒅𑒧𑒓𑓂𑒑 **उमङ्ग**—उत्साह, आनन्द, उल्लास, कोनो विषयक प्रति मन वा चित्तकेर आनन्दवर्धक वेग। [सं० उन्मग्न अथवा प्राकृ० उम्मग्ग]। तु० क० हि० राज० उमंग; बं०, असा०, ने० उमङ्ग; प्राकृ० उम्मग्ग। मो० १०४-४१ (गुह बाढ़ल हृदय उमङ्ग); शतदल १३ (सकल सकल उमङ्ग अछक)। *umaṅga*—Emotion, joy, delight.

𑒅𑒧𑒖𑒥 **उमजब**—दूरा मालक किञ्चित् पुष्ट होएब (दे०)। दुबर माल मालक शरीरपर किछु माँसु चढ़ब वा कनियेँ मोटाएब। [१ उद्+मज्जा+अब]। (मालक उमजब ओकर देखभाल एवं आरथाप्राप्ति करता पर निर्भर करैछ)। *umajaba*—To get slightly fat.

𑒅𑒧𑒙𑒰𑒧¹ **उमटाम¹**—वि०। अत्यधिक भरल [उमडल]। तु० क० पृथ्वीक लोक उमटि कए कुम्भमे आएल अछि। *umaṭāma¹*—*Adj.* Excessively filled.

𑒅𑒧𑒙𑒰𑒧² **उमटाम²**—क्रि० वि०। कोनो कार्यक, विशेषतः विवाहक शुभारम्भे गौतनाद होएब। [उँ+शब्द-नुकरण]। *umaṭāma²*—Beginning ceremony (particularly of marriage).

𑒅𑒧𑒚𑒍 **उमठओ**—क्रि वि०। वर्ण० २६ (ओनओ उमठओ अवधारहो आह)। *umaṭhao*—*Adv.* *Early.* obs. of *umaṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒧𑒚𑒥 **उमठब**—क्रि०। अति भोजनसँ तृप्ति होएब, मोन करतो परसँ छब, [(१) अस्ट>उकट>उमट (२) सं० उन्मथ+अब अथवा (३) उम्मट+ऐंठब (दे०)]। (अतिभोजन करबासँ उमठब कोनो हास्यास्पद नहि)। *umaṭhaba*—*V.* To be satiated.

𑒅𑒧𑒚𑒪𑒆𑒋 **उमठलइए**—उमठलैक अछि केर ना० रू०। ना० २६ (मामोसँ कतरो मोन उमठलइए)। *umaṭhalaie*—*Coll.* of *umaṭhalaika achi.*

𑒅𑒧𑒚𑒱 **उमठि**—उमठब (दे०) केर पू० का० रू०। मोन फिरब, तृप्ति भए पुनः अभिलाषा नहि करब। कन्या० ३७ (सो उमठि गेल अछि); रेखाचित्र ६६। *umaṭhi*—*Part.* of *umaṭhaba.*

𑒅𑒧𑒛𑒻𑒞 **उमड़ैत**—उमड़ब (दे०) केर वर्त० रू०। नव० २६ (कम पात पड़ल जे उमड़इत मेघकेँ बाँदि रहल सौ,)। *umaḍaita*—*Present tense* form of *umaḍaba* (q.v.).

𑒅𑒧𑒛𑒥 **उमड़ब**—क्रि०। आधार परिपूर्ण होएब,भरि आएब। [(१) उन्माद+अब (२) उत्कट अथवा उन्दा>उमड़+अब]। (वार्षिक आगमनसँ पोखरिक उमड़ब स्वाभाविक अछि)। *umaḍaba*—*V.* To overflow.

𑒅𑒧𑒛𑒪 **उमड़ल**—क्रि० भू० रू०। भरल, परिपूर्ण, कोनो सानो व्याप्त। [उमड+ल]। किरा० ६६ (मादवक नदी जकाँ उमड़ल अछि); जड़० १२८ (उमड़ल पथोधरसँ)। *umaḍala*—*V. Past tense.* Inundated, overflowed.

𑒅𑒧𑒛𑒪𑒱 **उमड़लि**—उमड़ल (दे०) केर स्त्री० रू०। सासौन मादव १०। *umaḍali*—*Fem.* form of *umaḍala* (q. v.).

𑒅𑒧𑒛𑒱 **उमड़ि**—उमड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। कन्या० ३ (आरू आकाशँ मेघ उमड़ि रहल अछि)। *umaḍi*—*Part.* form of *umaḍaba* (q.v.).

𑒅𑒧𑒞 **उमत**—उन्मत्त (दे०) केर का० रू०। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव०, राज० उमत; प्राकृ० उम्मत्त; पा० उम्मत्त; ओभक; म० म० उमतएल; सि० उमतु। वि० पदा० मञ्जु० ६, नेपाल २६, न० गु० परकीया १५, अ० १०२६ (चाहु हेरि बिछुलहो उमत अनङ्ग); चन्द्र० २०२ (अवर सत्य है उमत मरम गेलहुँ); वि०; FML 388; चन्द्रा० २८/२। *umata*—*Poet.* form of *unmatta* (q.v.).

𑒅𑒧𑒞𑒍𑒪𑒰 **उमतओला**—उमत (दे०) केर भू० प्रेरणा० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५२२ (कभी ने उमतओला है तैलोकनाथ)। *umataolā*—*Past.* tense *Caus.* form of *umata* (q.v.).

𑒅𑒧𑒞𑒰 **उमता**—उमत (दे०) केर का रू०। राम० ६५ (औहि उमताक उदेस)। *umatā*—*Poet.* form of *umata* (q.v.).

𑒅𑒧𑒞𑒰𑒋 **उमताए**—उमत (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ११०, तालपत्र न० गु० २३० (मनसिज मदबल बाजो उमताए)। *umatāe*—*Part.* form of *umata* (q.v.).

𑒅𑒧𑒞𑒰𑒥𑒋 **उमताबए**—उमत (दे०) केर प्रेरणा० रू०। FML 179. *umatābae*—*Caus.* form of *umata*

(q.v.).

ꣁमताय **उमताय**—उमताए (दि०) केर विक० रू० । मै० हि० सा० ३ (२-३) २ (तरुण बयस सँ हम गेलौ **उमताय** मा) । *umatāya*—*Alt.* form of *umatāe* (q.v.).

ꣁमतायल **उमतायल**—उमताय (दि०) केर भू० रू० । गो० श्० २ अमर ६ (ऋतुपति गीत चित्र **उमतायल** हेरि वृन्दावन रङ्ग) । *umatāyala*—*Past* tense form of *umatāya* (q.v.).

ꣁमतायिलि **उमतायिलि**—उमतायल (दि०) केर स्त्री० रू० । गो० श्० २ अमर० ३१ (अचमत कुलपति मति **उमतायिलि** किय हुँह मोहिनी जान) । *umatāyili*—*Fem.* form of *umatāyala* (q.v.).

ꣁमताये **उमताये**—उमताय (दि०) केर का० रू० । वि० ने० १४५ (जति उधमति **उमताये** मोहि) । *umatāye*—P.F. of *umatāya* (q.v.).

ꣁमति **उमति**—उमत (दि०) केर पू० रू० । वि० ने० २६० (अओके **उमति** जेहि खेलावए); गो० श्० १ अमर ७८ (खंजन ध्वनि सुनि **उमति** धावइ तोहर नूपुर मानि) । *umati*-*Part.* form of *umata* (q.v.).

ꣁमतै **उमतै**—उमतैक क वर्त० क्रि० केर वा० रू० । महेश० ४४ (कि करब मन **उमतै**) । *umatai*—*Coll.* form of *umataika* (q.v.).

ꣁमरल **उमरल**—उमड़ल (दि०) केर वा० रू० । अम्बचरित *umarala*—*Coll.* form of *umaḍala* (q.v.).

ꣁमरा(व) **उमरा(व)**—वि० । प्रतिष्ठित लोक, सरदार, प्रमुख लोक, जागीरदार, मुसलमान बादशाहक दरबारक अमीर लोक, अमीर केर बहुवचन । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू० बं० **उमराव**; अस० **उमराओ** । अकबरनामा ८६; मि० ३७२ (**उमराव** स्वभावक अत्यन्त सुकुमार) । *umarā(va)*—A Noble man, plural form of *amira.*

ꣁमारा **उँमारा**—उमरा (दि०) केर अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ३८ (खान **उँमारा** सब्ब के तँषणे भो फरमान) । *ũmārā*—*Avahaṭṭa.* form of *umarā* (q.v.).

ꣁमरैत **उमरैत**—उमड़ैत केर विक० रू० । मोदलता १२४ । *umaraita*—*Alt.* form of *umaḍaita* (q.v.).

ꣁमस **उमस**—वर्षाक पूर्वक वर्षासूचक गर्मी, ओ गरमी जाहिमे हवा नहि चलैत अछि, वितु वायुक ताप, आउल बाउल । [सं० ऊष्मन्] । तु० क० हि०, राज० **उमस** । साओन भादव २० । *umasa*—Hot without breeze; stuffiness.

ꣁमस्से **उमस्से**—उमसाकए, क्रि० । आउल बाउल भएकें । [सं० उष्मन्] कीर्तिलता ६५ (**उमस्से** निसस्से विमुक्केइ पाणी) । *umasse*—*V.* To be suffocuted.

ꣁमा **उमा**—भगवान शिवक पत्नी, गौरि, पार्वती, हिमालय ओ मेनकाक कन्या, दुर्गा । [सं० उ + मा—क + टाप्] । तु० क० हि०, बं०, अव०, राज०, पा०, प्राकृ०, उ० **उमा** । वि० ने० ७४३ (ए **उमा** सखि सङ्गे निकेहि अछलो), वि० पदा० नगु० ४।७, (आहत सुनिअ **उमा** भल परिपाटी); महेश० ७ (वस वाम अङ्ग **उमा** दाह) । *umā*—A Name of Parvati, the Goddess Durgā.

ꣁमानाथ **उमानाथ**—उमाक पति वा स्वामी, शिव, महादेव । [सं०] । महेश० ७२ (त्राहि-त्राहि **उमानाथ** दीन जन जानी) । *umānātha*—Husband of Pārvatī.

ꣁमापति **उमापति**—उमा वा पार्वतीक पति वा स्वामी, महादेव, शिव, एक मिथिलाक प्रसिद्ध विद्वानक नाम । [सं० उमापति] । तु० क० हि०, अस०, ने०, राज०, अव० **उमापति** । महेश० १६ (सेवलहुँ हम ने **उमापति**); महेश० ३८ (विसरू न देव **उमापति**); अम० ६ (स्थाणु रुद्र, **उमापति**); (विद्यापति, गोविन्ददास ओ **उमापति**क अमर कीर्ति सभ दिनुक हेतु स्थायी अछि) । *umāpati*—Husband of Pārvatī, Śiva, the name of a Maithili writer.

ꣁमाह **उमाह**—उन्मदाह केर का० रू० । तु० क० हि०, राज०, उयाह । सुभद्राहरण १५३ (लाज आज पताल पैशथु मन **उमाह** काटि टारब) । *umāha*—*Poet.* form of *unmadāha.*

ꣁमरि **उमरि**—उम्र (दि०) केर ग्रा० रू० । तु० क० उमिरि । चोर १६ (एतेक कम **उमिरि**मे पितृहीन भए गेलै । *umari*—*Folk* form of *umra* (q.v.).

ꣁमिल **उमिल**—वि० । निर्मल, स्वच्छ । तु० क० उमिला । चर्या ४ (नरअ नारी माँझे **उमिल** चीरा) । *umila*-*Adj. Obs.* Clear, uncovered.

ꣁम्मी(मे)द **उम्मी(मे)द**—आशा, भरोसा, आसरा । [फा० उम्मीद] । तु० क० राज०, बं०, **उमेद**; हि० उम्मेद, उम्मीद FML 126. *ummī(me)da*—Hope.

ꣁमेदवार(री) **उमेदवार(री)**—वि० । अभिलाषी, प्रार्थी, अभ्यर्थी, विवाहक हेतु इच्छुक । [फा० उम्मेदवार] । तु० क० हि० **उम्मेदवार**; बं०, अस० **उमेदार**; राज०; उर्दू **उमेदवार** । प्रस० १४८ (कैओ नोकरीक **उमेदवार**); मलमानुस ५०; नव० १५ **उमेदवार**लोकनि आजीवन समधानि समधानि क कन्यागतलोकनिकें चिन्त करथि) । *umedavāra(rī)*—*Adj.* Who desires or wishes, applicant, candidate for marriage or for a post etc.

ꣁमेनं **उमेनं**—वि० वि० ८ (रस रम उमेन

umenaṁ—

उमेर(रि)—उम्र (दे०) केर बा० रू० । तु० बं० नेत० उमेर । मिहिर १५-२५-१० (सरकारी नवे उमेरक छी); जग० ६० (चहिल उमेरमे देखैत बलाकप पकरा बस रखने रहलक); FML 119. *umera(ri)*—*Coll.* form of *umra* (q.v.)

उमेश—उमाक ईश, पार्वतीक स्वामी, शिव, महादेव । [सं० उमा + ईश] । तु० क० बं०, असं०, ने० उमेश, राज० उमेस । राम० ६२२ (करथि उमेश तनिक प्रतिपाल); महेश २३ (कुमा जनव जौ देव उमेश) । *umeśa*—Husband of Umā, Śiva.

उम्मग्गो—कुमार्ग, अधलाह रास्ता । [सं० उन्मार्ग] । कीर्तिलता ८ (जेन्हि न पाबै उम्मग्गो विभिण्ण) । *ummago*—Not real path, bad path.

उम्र—वयस, अवस्था, आयु । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उम्र । (अपनेक उम्र कतेक अछि) । *umra*—Age.

उम्हर—ओम्हर (दे०) केर बा० रू० । कन्या० १५ (उम्हर निश्चित सहजहि); FML 480. *umhara*—*Coll.* form of *omhara* (q.v.).

उम्हरहि—उम्हर (दे०) केर निश्च० रू० । मि० ९०० (ओ उम्हरहि देने श्री १०८ अमरनाथ धाम सुदूरस्थ ओ दुर्गम मार्ग भेलहु गेल) । *umharahi*—*Emph.* form of *umhara* (q.v.).

उयल—उगल (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २१ (जनु रविशशि संगहि उयल) । *uyala*—*Poetic* form of *ugala* (q.v.).

उर—हृदय, मन, चित्त, छाती, वक्षःस्थल । [सं० उरस्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, मैथ०, गु०, प्राकृ० उर; पा० उरो; पं० उर; सिं० उरु; म० उर । वि० पदा० मजु० २१० (समुद्र अवैसन निरित पारिक्ष उर); गी० अ० १ कमर ५ (उर पर कमल पाथि अवलम्बन दूर कयल मानी आन); वि० वि० २ (रजत धवल तनु उर फनि हार); मन० कृष्ण० ११ (आनन्दक नन्दक उर नर समायल); श्री कृष्ण जन्म रहस्य २४ (घन पाए गिरधन मगन मन आनन्द उर समाए भौ); गौरी परिणय १ (आइ सखि कण्ठमाल बनमाल व्याल उर उवर हो); राम० २१ (बार-बार उर कण्ठ लगाय); मि० (उरगासलि उमापति ?) । *ura*—Heart, breast.

उरकुसी(स्सी)—उदकुस्सी (दे०) केर विक० रू० । एक प्रकारक विषाक्त गाछ जकरा शरीरमे लगलासँ कुडिकाहत ठैक तथा भीतर्बी वडि काटत ठैक सतहि बिलबिलाहती ठैक । उरकुसीक गाछ मे कनाछु फरैत छैक । [उद + कुर्सी] । BPL 1075 व्य० वि० १५८ (उरकुसी सुतने भयकारक) । *urakusī(ssī)*—*Alt.* form of *udakussī* (q.v.).

उरग—साँप, छातीक भरेँ चलनिहार जन्तु । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उरग वि० ने० १६४ (फाजरे बाढु उरग सित काग, विष मलयज धुनु भलबत पाडु); अम० ३६७ (उरगा कलल, नाग) । *uraga*—Snake.

उरगार—गरुड़ । [सं० उरग + अरि > अर] । तु० क० राज० उरगारि । मानि० ५८ । *uragara*—Garura, eagle.

उरगेश—उरग केर ईश्वर, सापक मालिक वा प्रतिपालक [सं० उरग + ईश] । चन्द्र० २६६ (बिनु भारति उरगेश) । *urageśa*—God of Sankes.

उर छाउत—क्रि० । हृदयमे नुका भावत । [उर + छाबीत] । क० म० । तु० क० ओम्हराओत । वि० पदा० मजु० ४०४; नेपाल १३५; न० गु० (हर मन) ५२२ (इस आगा मुह उघर उरछाउत अबे कुमारीक लेली) । *urachauta*—*V. P. F.*—Spread over the breast (hide, conceal).

उरज¹—उरोज (दे०) केर का० रू० । तु० क० हि०, बं० उरज । वि० पदा० मजु० २१, नग० गु० तालपत्र ११७ न० १२०३ (उनत उरज चिरे झपायब); मि० । *uraja¹*—*Poet* form of *uroja* (q.v.).

उरज²—वि० । पेट वा हृदयसँ उत्पन्न । [उर + जा > ज] मि० मिश्र० २०३ (कठिन हृदय उपजे सदा उरज सहोदर गुल) । *uraja²*—*Adj.* What is born in heart.

उरज³—वि० । गुथा-भिडुआ, आप्त (अन) । [उर] । वर्ण २६ (कलीस उरज, नील गमक, पीअर राकीर) । *uraja³*—*Adj.* Intimate.

उरड़—हर जोतबामे हरमे लागल बुचिया दुसादि (दी०), हर जोतबा कालमे हरमे लागल माटि वा खर । [उद्धृत + औता] । (रओ मनुआँ ! हर मदक उरड़ पहिने हटा लै भा तखन जीक जर्मा जोत) । *urada*—Rubbish stuck in the plough.

उरदि(दी)¹—उडीद (दे०) केर बा० रू० । BPL 997. *uradi(dī)¹*-*Coll.* form of *udida* (q.v.).

उरदी²—वर्दी (दे०) केर बा० रू० । वि० प० ५५ (पहिरि उरदी बस्त्र नवीन) । *uradī²*—*Coll.* form of *vardī* (q.v.).

उर(ड़)नपेटारा—आकाशमे उड़यवला रबरक पेटार, रबारसवला पेटार, प्लास्टिक वा रबरक बनाओल गोल पेटीक आकारक काहिमे एक गोट छोटका छोटकीन तार लगाओल रहैत ओहिमे कपड़ा लेपटा आगि लगाय छोडि देल जाइछ ओ आगिक ताप पबितहि ऊपर दिश उडि जाइछ । [उड़न > उड़न + पेटार] तु० क० उड़ता पेटाक; गोबारा; पेटाडा; उड़नपेटारा । BPL 5850. *ura(da)napeṭara*—Balloon.

उरमा¹—मनक बात (दी०) । [उर + मा = मध्य] । *urmā¹*—In the mind.

उरमा²—कपड़ा बनयबामे देल गेल दर्जी द्वारा बखरका सीअनि । [अर०] । BPL 748. *uramā¹*—Seam at the

top.

ऊँवम्हवँ **उरम्हब**—पुनः प्रादुर्भाव (दी०), फेरकेँ जनमब। [आरम्भ]। (परबाक पाँखि **उरम्हब** छैक)। ***uramhaba***—(Something) born again.

ऊँवलुव **उँरलुर**—वि०। लदफद, लटकल, अस्त-व्यस्त। लु० प्र०। [उड़ल+लटकल] राग० (१०४ **उँरलुर** सामर वेनी)। ***ūralura*** --*Adj*. Clumsily hanging.

ऊँववव **उरवर**—क्रि० वि०। मौन, चुप्प, सन्नद्ध वा ओकर भाव। [सं० तु० क० उर्वर] तु० क० राज० **उरबड़**। द्विरा० १५० (बहुत दिनसँ **उरवर** बाबाक हेतु सपरै छलीह)। ***uravara***—*Adj*. Silent.

ऊँववसी **उरवसी**—उर्वशी (दे०) केर का० रू०। राग० ५० (**उरवसी** बस हे रस राग निवेश)। ***uravasi***—*Poet*. form of ***urvasi*** (q.v.).

ऊँवसिज **उरसिज**—स्तन, पयोधर। [सं० उरसि+जन ड्]। महा० ना० ६ (हेम कमल जनि **उरसिज** तोर)। ***urasija***—*P.F*. Breast.

ऊँवावे **उरावै**—उड़ावए (दे०) केर ग्राम्य० रू०। राम० २६४ (भोजन बहुत **उरावै**)। ***urāvai***—Folk form of ***uḍāvae*** (q. v.).

ऊँवि **उरि**—उड़ि (दे०) केर वा० रू०। वि० ने० २५८ (**उरि उरि** परेवा सब गोपि मेलि)। ***uri***—*Coll*. form of ***uḍi*** (q.v.).

ऊँविव(न) **उरिण(न)**—उऋण (दे०) केर वि० रू०। [उ+ऋण] (आब सभ गोटा किछुए दिनमे **उरिण** भए जएताह)। ***uriṇa(na)***—*Alt*. form of ***urṇa*** (q.v.).

ऊँवीद **उरीद**—माष अन्न विशेष (दी०)। उड़ीद (दे०) केर विक० रू०। ***urida***—*Alt*. form of ***uḍida*** (q.v.).

ऊँवीन **उरीन**—उरिन (दे०) केर वा० रू०। FML 278. ***urina***—*Coll*. form of ***urina*** (q.v.).

ऊँरु **उरु**--जाँघ, पैघ, विशाल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० ने०, भव० उरु। वि० पदा० मजु० ७१, पं० तं० २१६, न० गु० २५०, अ० २४६ (उरु जुग कदलि करिकर जिनि); राग० ४४ (**उरु** युग युगल करम अनुमान)। ***uru***—Thigh.

ऊँवेवँ **उरेब**—वि०। असमीचीन, अयुक्त सङ्गत, अधलाह, सीटल वा सरिआएल नहि। [फा०]। तु० क० उर्दू **उरेब**। FML 268; तु० क० उफाँटि, उबानि। ***ureba***—*Adj*. Disorderly, crooked.

ऊँवेवी **उरेबी**—एक प्रकारक उनटा काटि क जोड़ल गंजीक नाम। [उरेब+ई]। व्य० वि० २११। ***urevi***—Name of au underwear.

ऊँवेहल **उरेहल**—वि०। रेहल खेहल (बाट)। [उत्कीर्ण (सं०) +रेहल (दे०)]। मैथिली लोक गीत १०८। ***urehala***—*Adj*. Beaten (tracks).

ऊँवोज **उरोज**—स्तन, पयोधर। [सं० उरसि+जन—ड्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उरोज**। राग० ५० (नीरज नयनि गिरिराज **उरोजे**); खट्ट० १३७ (कतहु **उरोज** बनि रसिक केरि झपैत छथि); शतदल ४६। ***uroja***—Breast.

ऊर्द्धमुख **उर्द्धमुख**—उपर मुंह, आकाश दिसि मुँह। [सं० ऊर्द्ध्वमुख]। राम० ३११ (भरत **उर्द्धमुख** जोड़ल हाथ)। ***urddhamukha***—Upward face.

ऊर्दी **उर्दी**--सिपाहीसभक वहिरबाक वस्त्र विशेष। [वर्दी]। तु० क० ने० उर्दि, उर्दी। (उर्दी लगाए सिपाही चालि चलि रहल छथि)। ***urdi***--Uniform.

ऊर्ध्वश्वास **उर्ध्वश्वास**—मरबा कालक अन्तिम साँस वा उछ्वास। [सं० ऊर्ध्व+श्वास]। वि० पदा० मजु० २५२ (मैं **उर्ध्वस्वास** नवाकैं); मि० का० रू० **उर्ध्वस्वास**। ***urdhvaśvāsa***—Last panting breath.

ऊर्फ **उर्फ**—दोसर, अन्यथा, बनौआ (नाम), उपमान। [फा०] तु० क० **उलर्फा**, (दे०) **उर्ला** तु० क० **उलर्फी** (दे०), **उली** (दे०) पारो १ (संगे नेने आइलि रहथिन्ह पार्वती **उर्फ** पारो कें)। ***urpha***—Alias.

ऊर्मिला **उर्मिला**—जनकक एकटा बेटीक नाम, जानकीक छोट बहिनिक नाम, लक्ष्मणजीक पत्नी। [सं०]। राम० ४५ (जनकात्मजा **उर्मिला** नाम)। ***urmilā***—The name of a daughter of Janaka or younger sister of Janakī, name of the wife of Lakṣmaṇa.

ऊर्वरा **उर्वरा**—उपजाउ (भूमि, पृथ्वी)। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, **उर्वरा**। मि० ३७८ (जखन ओ भूमि **उर्वरा** भेलि); खट्ट० ११७ (अहल्या के **उर्वरा** बनेबामे)। ***urvarā***—Fertile (land).

ऊर्व(र्ब्ब)शी **उर्व(र्ब्ब)शी**—स्वर्गक वेश्याक नाम, अप्सरा विशेषक नाम। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उर्वशी**। वर्ण० ५ (घृताची **उर्व्वशी**); अमर० १२ (**उर्वशी** आदि स्वर्गक वेश्याक नाम)। ***urva(rbba)śi***—Name of a heavenly Nymph.

ऊलका **उलका**—उल्का, आकाशमे एक ग्रह विभिन्न ग्रहसँ टकरएलासँ प्रज्वलित आगिक समान खसैत प्रस्तर स्फुलिंग अगिनबान, अन्हर, अचानक उत्पात। [सं० उल्का]। तु० क० बं० उल्का (**उलका** पात देखब अशुभ मानल जाइछ)। ***ulakā***—Meteor. forabrding of calamtiy.

ऊलङ्ग **उलङ्ग**—वि०। नग्न, वस्त्रहीन, निर्विकार दर्शन देव लोक, सब हिनका **उलङ्ग** कए देलकैन्ह। [सं० उन्नग्न] तु० क० हि०, राज०, अव०, **उलंग**; बं० अस०, ने० उलङ्ग। हैदेहं ... १५-२५८ (**उलंग** पर फुलङ्ग तै घर दू गो ...; उलङ्ग ... नायिकाकेँ कथमपि नहि देखि सकैत छी)। ... —...

Naked harassed.

उलङ्घन—छोड़ब, नाँघब, अतिक्रमण, सीमासँ बहिर्भूत होएब। [सं० उद्+लङ्घन]। तु० क० हि०, मरा० उलंघन; राज० उलांघणी; बं०, असं०, ने० उलङ्घन। मि० ३११ (भोजनक समय उलङ्घन भेल जाइथ)। *ulanghana*—Transgressing, surpassing.

उलझन—बाधा, व्यग्रता, चिन्ता, परेशानी, रुकावट। [हिन्दी > सं० अवरुन्धन]। तु० क० हि० उलझन। (उलझनमे छेव)। *ulajhana*—Obustruction, confusion.

उलटइ(त)—उनटब (दे०) केर वर्त० का० हि० रू०। IAL Turner 2868 (III) । तु० क० प्राकृ० उल्लट्ट; प० उल्टणा; असं० उलटिब; बं० उलटिब; प्रा० मा० उलटो; सं० उलटयोँ; गु० उलटवू। (बच्चा आब उलटइ अछि)। *ulatai (ta)*—*Present* tense Coll. Hindi form of *unataba* (q.v.)-

उलटफेर—क्रि० वि०। हेर-फेर, परिवर्तन, अदला-बदली, संशोधन। [उलटब+फेर]। मिथिला १-२६६ (पूर्व निर्धारित व्यवस्था नहुँ उलट फेर भेल)। *ulat phera*—*Adv.* Topsyturvy.

उलटब—क्रि०। विपरीत होएब, परिवर्तन होएब। [उलट+अब]। (बच्चा कादक हेँग के उलटब असम्भव अछि)। *ulataba*—*V.* To reverse or oppose.

उलटल—उनटब (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ७७, राग० त० १२१; न० गु० तालपत्र २४६, अ० २५७ (उलटल कनक कटोरा); राम० २४२ (लङ्का उलटब भल सामर्थ); BPL 1486. *ulatala*—*Past* tense form of *ulataba* (q.v.).

उलटा—उनटा (दे०) केर भा० रू०। BPL 749, मोदलता ३७। *ulatā*-*Coll.* form of *unatā* (q.v.).

उलटाए—उलटा (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २१, न० गु० तालपत्र ११७, प० त० १३३६, अ० १२०, ४८५ (अलि भरे उलटाए)। *ulatāe*—*Part.* form of *ulatā* (q.v.).

उलटा खोदहा—उनटा खोदहा (दे०) केर वि० रू०। (ग्री०)। *ulatā khodahā*—*Alt.* form of *unatā khodahā* (q.v.).

उलटाय—उलटाए (दे०) केर विक० रू०। राम० २२७ (लङ्का कसहुँ देता उलटाय)। *ulatāya*—*Alt.* form of *ulatāe* (q.v.).

उलटायसि—उलटा (दे०) केर मध्य० पुरु० का० रू०। गो० श्रृ० १ अमर २६ (पुरुष पहिले पाछि उलटायसि परिजन करि मान)। *ulatāyasi*—Second person P.F. form of *ulatā* (q.v.).

उलटा सरिसओ—उनटा सरिसओ (दे०) केर विक० रू०। (ग्री०)। *ulatāsarisao*—*Alt.* form of *unatāsarisao* (q.v.).

उलटि—उलटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। राम० १०० (उलटि हेरि तेँ उनटि परल)। *ulati*—*Part.* form of *ulataba* (q.v.).

उँलटि—उनटि वा उलटि (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ५४ (एम भीरे कौल अहि भीर कर कुकम उँलटि करबह दे)। *ũlati*—*Avahattha* form of *unati* or *ulati* (q.v.).

उलटे—उलटहि (दे०) केर भा० रू०। राम० २१५ (उलटे भावक वचर कोप); मि० मित्र १७८ (उलटे चोर कोतवालकेँ डाँटे)। *ulate*—*Coll.* form of *ulatahi* (q.v.)

उलट्टो—उलटब (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ६५ (उलट्टो पलट्टो पेलन्ती कवन्धी)। *ulatto*—*Old avahattha* form of *ulataba* (q.v.).

उलथा—अनुवाद, भाषान्तर, उलटा। [सं० उत्था]। तु० क० हि० उलथा। (किछुलोकनि अन्य भाषाक उलथा करबामे लागल छथि)। *ulathā*—Translation.

उलथाइत—उलटा करइत, उतारैत, नकल करैत। [सं० उत्था > उलथा+इत]। वर्णा० ३४ (चमोनिहार उलथाइत); FML 233 *ulathāita*—Transforming.

उलफी—बाहली, जकर स्वामित्व प्रमाणपूर्वक नहि। [फा०, सं० उद्लब्धि]। तु० क० इलफ, उर्फ (दे०), बनी (दे०)। (ई अपना बाड़ीक आमंत्रक आ बलबरीदमे राखल उलफी थिक)। *ulaphī*—(Ownerahip of land etc., legally not in one's own name but in some) pretended name.

उलफुल—अत्यन्त प्रसन्नतासँ व्याप्त। [सं० उत्फुल्ल]। मिहिर ४७-४१-६ (ई आदर सत्कार आ उलफुल कै विदा क देत)। *ulaphula*—Full of high spirits.

उलब—उलबा (दे०) केर मू० रू०। धातु पाठ ५०। *ulava*—Root form of *ulavā* (q.v.).

उलबा—कलाओल (अन्न विशेष), खापरिमे बालु राखि आगिसँ आँच दए सेंकित मात्रामे भूजल अन्न। ई अपना सँ भिन्न थिक। [उ+लावा > सं० लाजा] तु० क० लबा (दे०)। (उलबा दालि खएबामे खूब स्वादिष्ट होइछ); BPL 1272. *ulavā*—Dry-fried foodgrain etc, storm revolt.

उलबुला—वि०। उलबुल होएब, उलबुला भाएब, की करी की नहि, किंकर्तव्यविमूढ़, घबराएल गेल। [सं० वद्याकुल]। स्वदेश १-५-२५६ (घरमे उलबुला गेलाह)। *ulavulā*—*Adj.* Confused.

𑒅𑒪𑒫𑒳𑒪𑒰𑒃𑒞 **उलवुलाइत**—उलवुलाएब (दे०) केर वर्त० रू०। चन्द्रकला १६६। *ulavulāita*—*Present* tense form of *ulavulāeba* (q.v.).

𑒅𑒪𑒫𑒳𑒪𑒰𑒋𑒥 **उलवुलाएब**—क्रि०। परतारल जाएब, पोलहाओल जाएब। [उलवुल + अब]। *ulavulāeba*—*V.* To pamper (a child etc.), to divert the attention, to confuse, diverting, confusing.

𑒅𑒪𑒫𑒳𑒪𑒰𑒢 **उलवुलान**—प्रतारणा (दी०), फुसिआएबाक कार्य। [उलवुल + आन]। *ulavulāna*—Act of diverting, confusing.

𑒅𑒪𑒮𑒢𑓂𑒞 **उलसन्त**—उल्लसित (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ३२७ (देखि देखि माधव मन उलसन्त)। *ulasanta*—*Poet.* form of *ullasita* (q.v.).

𑒅𑒪𑒮𑒱𑒞 **उलसित**—उल्लसित (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं० उलसित। गो० श्र० १ अमर० ७६ (से चिर **उलसित** कान तुअ आशै आओब जान)। *ulasita*—*Poet.* form of *ullasita* (q.v.).

𑒅𑒪𑒯𑒢 **उलहन**—निन्दा, उपराग, कोनो दोष वा अपराधक प्रतिवादमे कहल गेल कटु कथन। [सं० उपालम्भ]। तु० क० हि० उलाहना; प्राकृ० उवलंभ; उ० उलहण; प० उलाहणा; कु० उलाणो। मि० ३४३; मि०; चित्रा ६२ (**उलहन उपराग** दैत); मो० १३८-३१-६१ (ई **उलहन** जे आइ सुरूपकें कुरूप एक लाठी मारि फौजदारी कैलन्हि अछि)। *ulahana*—Blame, complaint.

𑒅𑒪𑒯𑒢𑒱 **उलहनि**—उलहन (दे०) केर वा० रू०। मो० २६-२७-७ (उलहनि मांगी होमए पड़ैत अछि)। *ulahani*—*Coll.* form of *ulahana* (q.v.).

𑒅𑒪𑒰𑒋𑒥 **उलाएब**—क्रि०। किञ्चिन्मात्र मर्जन दालहि आदिक (दी०), कनिये दालि आदिकें भूजब। *ulāeba*—*V.* To dry fry lightly.

𑒅𑒪𑒰𑒌𑒪 **उलाओल**—वि०। किञ्चिन्मात्र भूजल [उलाब]। (उलाओल फँकबामे स्वादिष्ट होइछ)। *ulāola*—*Adj.* Shighthy dry fried.

𑒅𑒪𑒰𑒩 **उलार**—वि०। पाछू दिसि अधिक भारयुक्त (गाड़ी) (दी०)। आगू दिसि उठल आ पाछू दिसि अधिक भारसँ नीचाँ झुकल। [उनार(दे०)]। तु० क० हि० **उलार**; S. Sen 33 वैदेही १६-२४८ (पाठकक मनोरंजन लेल कथाक सृजन होइछ एकमग्गू **उलार**)। *ulāra*-*Adj.* Excess loading of (Bullock Cart etc.) the back portion.

𑒅𑒪𑒰𑒫𑒪 **उलावल**—उलाओल (दे०) केर वा० रू०। BPL 1272. *ulāvala*—*Coll.* of *ulāola* (q. v.).

𑒅𑒪𑒰𑒮(𑒮𑒹) **उलास(से)**—उल्लास (दे०) केर का० रू०। वि० वि० १४ (भूत वेताल करत **उलास**); [illegible] ओतहि **उलासे**); चर्या० ३०/३; वि० पदा० मञ्जु० [illegible] पारिअ हृदय **उलास**); वि० वि० ५ (होयत ननक उलासे [illegible] (*se*)—*Poet.* form of *ullāsa* (q.v).

𑒅𑒪𑒰𑓀𑒏 **उलाँक**—किछु बुझनिहार सुननिहार नहि, [illegible] [सं० उ(ल)लू > उलू + आँक] BPL 230। *ulāṅka*—*Adj.* Foolish, dull, who heeds not.

𑒅𑒪𑒰𑓀𑒏𑒲 **उलाँकी**—नाजिर कल्याणी धान सन, एक प्रकारक मेही धान जकर भात फूल सन होइछ। *ulāṅkī*—Name of a special variety of paddy.

𑒅𑒪𑒰𑓀𑒔 **उलाँच**—उलोँच (दे०) केर अशु० रू०। मै० पदावली १२। *ulāca*—*Err.* form of *ulōca* (q.v.).

𑒅𑒪𑒲 **उली**—मि० भा० वि० ५८। वली [फा०]। तु० क० उर्फ (उ०), उलफी (हि०)। *ulī*—Heir.

𑒅𑒪𑒳𑒂𑒯 **उलुआह**—उल्लू सन (मुँह)। [उलूक > उलु + आह]। *uluāha*—(Face) like an owl.

𑒅𑒪𑒴𑒏 **उलूक**—उल्लू, पक्षी विशेष, एकरा दिनकें कम सुझैत छैक आँखि पैघ-पैघ भयानक होइछ। [सं० उलूक]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० **उलूक** प्राकृ० **उलुग**। मि० ८ (**उलूक** पक्षीक निन्दें सूर्यकें खेद नहि भए सकैत छन्हि); मि० उ० १५७-११ (देखै यदि न उलूक); अम० ११६। *ulūka*—An owl.

𑒅𑒪𑒹𑓀𑒔 **उलेँच**—उलैँच (दे०) केर वा० रू०। नव० ५६ (चौकी पर कम्बल आ उलेँच ओहिना ओछाओल)। *uleca*—*Coll.* form of *ulaica* (q.v.).

𑒅𑒪𑒻𑓀𑒔 **उलैँच**—उलोँच (दे०) केर अशु० रू०। पारो ३१ (नाना प्रकार पशु-पक्षीक नक्काशी सँ रुमाल उलैँच गेड़ुआक खोल आ चद्दरिकेँ चमकाबए अबै छन्हि)। *ulaica*—*Erro.* form of *ulōca* (q.v.).

𑒅𑒪𑒼𑓀𑒔 **उलोँच**—उत्तरच्छद (दी०), ओछाओनक ऊपरक वस्त्र अर्थात् उपरका आवरण। [सं० उत्तरच्छद] (उलोँच आ गेड़ुआ बेसीए सुन्दर अछि)। *ulōca*—Bed-sheet.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰 **उल्का**—आकाश सँ खसैत अग्नि समान प्रकाश, अग्नि-पिण्ड, आकाश वह्नि, ऊक (दे०)। [सं०]। तु० क० प्राकृ० उक्का; हि०, बं०, उल्का। अम० १३ (उल्का ई आकाशमे [illegible]) *ulkā*—Meteor.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒣𑒰𑒞 **उल्कापात**—आकाशसँ अग्निपिण्ड वा उल्काक पतन वा खसब। [सं० उल्का + पात]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज०, अव० **उल्कापात**। राम० २४८ (**उल्कापात** [illegible] भ्रम)। *ulkāpāta*—The fall of a Meteor.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒦𑒩𑒝 **उल्काभरण**—[illegible] सन चमकैत गहना। [सं०] [illegible]

परिधान की पूजल)। *ulkābharaṇa*—Err. of *ulkā-bhramaṇa* (q.v.). ornament shinig like a meteor.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒦𑓂𑒩𑒧𑒝 **उल्काभ्रमण**— कक (दि०) नाँचब। [सं०]। ***ulkābharamaṇa***—Waving a lighted torch, particularly as a part of ritual in honour of the dead.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒧𑒳𑒐 **उल्कामुख**—एक प्रकारक जे से मरघटा गीदड़ वा फकिहार (फौदार) कुकरा मुँहसँ आगि बहराइछ, राक्षस, अगिया बेताल, महादेवक एक नाम। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० अप० उल्कामुख। वर्ण० ५२ (अग्निमुख उल्कामुख)। ***ulkāmukha***—A kind of fox, a name of Śiva.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑓀𑒒𑒢 **उल्लङ्घन**—अनुचित कार्य, अतिक्रमण, सीमासँ बाहर भए जाएब, नाँघब, अवज्ञा करब, पार करब। [सं० उद्+लङ्घन]। तु० क० हि०, राज०, बं०, असं०, नै० उल्लङ्घन। मो० १००-१२ (उल्लङ्घन मैलासँ मनुष्य मात्र काँ अशान्ति भै आइछ); कन्या० १११ (कहिओ उल्लङ्घन नव सकैत छी); अम० १६५। *ullaṅghana*—Transgress, disobedience, going across.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑓀𑒒𑒪𑒰 **उल्लङ्घला**—उल्लङ्घन (दि०) केर भू० रू०। मि० २७५ (ज्योतिष पारक उल्लङ्घला पर ओ दूहू कनफुका बाबू साहेब काँ कहि सकलीह)। *ullaṅghalā*—*Past* form of *ullaṅghana* (q.v.).

𑒅𑒪𑓂𑒪𑓀𑒒𑒱𑒞 **उल्लङ्घित**—वि०। अतिक्रमण कयल, (लाँघल, पार कयल। [सं० उल्लङ्घ्+इत], (दरवाजा नव उल्लङ्घित करैत आगु बढ़लाह। *ullaṅghita*—*Adj.* Crossed, violated.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒮𑒱𑒞 **उल्लसित**—वि०। प्रसन्न, आनन्दित, हर्षित, प्रकाशित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं० नै०, अप० राज० उल्लसित; प्राकृ० उल्लसइ; प्रा० बं० हुलसाइ; गु० उलसुकें म० उल्लासणें वर्ण० ३६ (समुद्र उल्लसित भए गेलु); विरा० ३६ (लालकाकी उल्लसित स्वरसँ कहलीह); प्रय० २०७ (अंजन की उल्लसित होइत कहलाह)। ***ullasita***—*Adj.* Happy, delighted.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒰𑒮 **उल्लास**—हर्ष, आनन्द, प्रसन्नता, चमक [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० राज० उल्लास; उ० उलसा। राम० ४ (मन उल्लास); राम० बा० ४ (राशि अवतरना मय उल्लास); मो० ९७-२१ (उल्लास लै अवतीर्ण भेलि कवि); कन्या० १५० (ओ उल्लास कहाँ ओ तेज कहाँ ?)। ***ullāsa***—Gladness, joy, light.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒰𑒮𑒲 **उल्लासी**—उल्लास (दि०) केर का० रू०। वि० प० २२ (बहल हृदय उल्लासी)। ***ullāsī***—*Poet.* form of ***ullāsa*** (q. v.).

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒱𑒐𑒱𑒞 **उल्लिखित**—वि०। ऊपर लिखल, उल्लेख कयल संकेत कयल गेल, खोधल। [सं० उत्+लिख्—क्त]। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै० उल्लिखित। मि० ३ (वहि मध्य उल्लिखित कयल गेल अछि)। *ullikhita*—*Adj.* Above-mentioned, written.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒴 **उल्लू**—मूर्ख, बुद्धिहीन, अज्ञानी, पक्षी विशेष। [सं० उलूक]। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, राज०, उर्दू उल्लू उर्दू उल्लु। मो० १०८-१२ (मुरली मे डूबि उल्लू तुल्लू भरि पानि मे) FML 630; राघव वध ३०। (उल्लू बनौलक) = बुड़िबक बनौलक। ***ullū***—Stupid, foolish, owl, making a fool of someone.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐 **उल्लेख**—वर्णन, चर्चा, संकेत, निर्देश, लेख। [सं० उद्+लेख]। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अप०, राज० उल्लेख। मि० २१४ (मौखिक उत्तरक उल्लेख कैल); मिहि० उद० १५७-८ (एक मात्र उल्लेख कै अपन लेख समाप्त करैत छी); मै० हि० सा० (८-२२) ज्यो० ३ (ज्योतिषिक उल्लेख अनेक अछि)। ***ullekha***—Description, writing, mention.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐𑒢𑒲𑒨 **उल्लेखनीय**—वि०। लिखबा योग्य, उल्लेख वा संकेत करबा जोगर। [सं० उत्+लेखनीय]। तु० क० हि०, बं० असं०, नै०, अप, राज० उल्लेखनीय। मो० ४३-२ (एक विषय और उल्लेखनीय छैठ प्रकाशित करैत छी)। *ullekhanīya*—*Adj.* Fit to write, mention, or describe.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐𑒹 **उल्लेखे**—उल्लेखहि केर का० रू०। प्रय० १३६ (महलमे उज्ज्वल रहक उल्लेखे नहि छैक)। *ullekhe*—*Coll.* of ***ullekhahi***.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐𑓂𑒨 **उल्लेख्य**—वि०। जे लिखल वा संकेत अछि, जकर परिचय वा वर्णन कयल जाइत छैक। [सं०]। मो० १७२-२१ (तकरहि उल्लेख्य होइत छथि)। *ullekhya*—*Adj.* Describable, fit to quote.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒭𑒝 **उल्लेषण**—लेखन, चित्रण। [सं०]। तु० क० हि० उल्लेखन। वर्ण० ६४ (लिखन उपेतपन उल्लेषण)। *ulle-ṣaṇa*—Mentioning, writing, drawing.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒼𑒪 **उल्लोल**—बड़ तरङ्ग, कल्लोल, वीर्य्यमान। [सं०]। अम० ५५ (उल्लोल कल्लोल); चर्च्या० ३८/४। *ullola*—A large wave.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒼𑒿𑒔 **उल्लोँच**—उलोँच (दि०) केर का० रू०। शालदल ३६। ***ullõca***—*Coll.* form of ***ulõca*** (q.v.).

𑒅𑒫𑒙𑒢 **उवटन**—उबटन (दि०) केर विक० रू०। वर्ण० १२ (उवटने उवलिलु); वि० पदा० मजु० ५५७ (एक हाथ उवटन एक हाथ तेल); कन्द० ५८ (उवटन लहमे लाम); म० वि० ११८ (उवटन तेल सुगन्धित लगाय); नदीयम ७; FML 299. ***uvaṭana***—*Alt.* form of ***ubaṭana*** (q.v.).

𑒅𑒥𑒙𑒰𑒍𑒢 **उबटाओन**—उपटा कए पुनः लगायब। [उपटा+ओन]। मौदलता १९। ***uvaṭāona***—Act of transplantation.

ऊवटि उवटि—क्रि० । बाट छोड़ि कात देने चलब । वि० पदा० मजु० ५७; नेपाल १४८, न० गु० तालपत्र ३२८, ग्रि० ४०, अ० ३२५ (सोंझि बाट उवटि कह चललहुँ); वर्ण० १२ (उवटने उवटि हलु) । *uvaṭi—V. P.P.* Having left the proper path, going by the side.

ऊवड़ुव उवड़ुव—उवड़ुव (दे०) केर विक० रू० । विश्वेश्वर चम्पू २७; राम० ६३ (उवडुव होइछि दुख पयोधि); मिहि० ३५–३५–८ (उवडुव करइत के ग्लान दान ई); व्य० वि० ११४; नव० ११४ (एहि प्रकारैं आनन्द सागरमे उवडुव करइत देखि) । *uvaḍuva—Alt.* form of *ubaḍuba* (q.v.).

ऊवरब उवरब—उबरब (दे०) केर विक० रू० । ना० प० ६७ (कौन विधि उवरव रे की) । *uvaraba—Alt.* form of *ubaraba* (q.v.).

ऊवरलैक उवरलैक—उगरलैक केर बा० रू० । मय० १७ (फलाहारी लोकनिसँ जे उवरलैक) । *uvaralaika—Coll.* form of *ugaralaika*.

ऊवरव उवरव—उवरब (दे०) केर विक० रू० । चन्द्र० १०६ (कौन गति उवरव ने बुझि अनङ्ग); महेश ७६ (कतय अपन उतै उवरव); मैथिल० ३६ । *uvarava—Alt.* form of *uvaraba* (q.v.).

ऊवरि उवरि—उवरव (दे०) केर पू०, क्रि० रू० । वि० पदा० मजु० २५० (उवरि अएलाहुँ अङ्ग भागे); ऐ० ३३७ (उवरि अएलहुँ सखि पूरव पुने) । *uvari—Part.* form of *uvarava* (q.v.).

ऊवहनि उवहनि—उघनि उगहनि वा उवहनि (दे०) केर विक० रू० । मिथिला २-७५ (ढोल पुरान भ गेल उवहनि सड़ल जा रहल छैक); कन्या० (१५ उवहनि सड़ल जाइत छैक) । *uvahani Alt.* form of *ubahani* (q.v).

ऊवाक उवाक—गरुड़ जातीय पक्षी विशेष । पैघ लोल युक्त पक्षी होइछ । मूलग्राम सेहो एकटा छलैक कारण "कर्महे उवाक" भेटैछ । *uvāka*—Name of a bird with long beak.

ऊवानि उवानि—विपरीत स्वभाव, उवानि (दे०)। [उत्+वाणी वा बन्ध] । वि० पदा० मजु० ५१३ (वस ससुरा रत कर उवानि); माधवी माधव ६० । *uvāni—Alt.* form of *ubāni* (q.v.).

ऊवार उवार—उबार (दे०) केर विक० रू० । महेश० ३३ (होयत अन्न उवार); ग० मि० ९ (पति रुष्टैं नहि तकर उवार) । *uvāra—Alt.* form of *ubāra* (q.v.).

ऊवारि उवारि—उबारि (दे०) केर विक० रू० । कन्या० ७६ (वड़ संकटमे आबि उवारि देलहुँ) । *uvāri—Alt.* form of *ubāri* (q.v,).

ऊवाह उवाह—उपर लए गेनिहार । [सं० उत्+सं० वह] वर्ण० २१ (दो रोज उवाह) । *uvāha*—One who raises, takes out.

ऊवियाइत उवियाइत—उबियाइत (दे० केर विक० रू० । मिहि० ४३-१५-९ (जेना मन उवियाइत रहैत अछि *uviyāita—Alt.* form of *ubiyāita* (q.v.).

ऊवेर(ल)लि उवेर(ल)लि—क्रि० । खोललि । [सं० उत्+वारल] । तु० क० उवाड़लहि वि० ने० २२२ (माधव आए कवाल उवेलत्ति) । *uvera(la)li—V.* Opened.

ऊवेसैं उवेसैं—उद्देश्यैं (दे०) केर प्रा० तु० का० रू० । चर्च्या० ८ (आइल कालहि गेलए उवेसैं) । *uvesĕ—Old Obs. Poet.* form of *uddeśyĕ* (q.v.).

ऊर्वर (रा) उर्वर(रा)—वि० । उपजाउ । [सं०] । *urvara (rā)*—*Adj.* Fertile.

ऊर्वरित उर्वरित—उर्वर (दे०) केर विशेषण रू० । धातु पाठ ५९; ६३ । *urvarita—Adj.* form of *urvarā* (q.v.).

ऊर्वरिता उर्वरिता—उर्वरित (दे०) केर स्त्री० रू० । अर्चना ३४ । *urvaritā—Fem.* form of *urvarita* (q. v.).

ऊर्वसी उर्वसी—उर्वशी (दे०) केर बा० रू० । वि० व० ८ (स्नान उर्वसी कुण्डक कयलन्हि) । *urvasī—Coll.* form. of *urvaśī* (q.v.).

ऊशना उशना—शुक्राचार्यक एकटा नाम उशना थिकन्हि । हुनके निर्मित स्मृति । [सं०] । वर्ण० ६० (नारद, उशना, पराशर, व्यास) । *uśanā*—Name of a *Smṛti* written by *uśanā* i. e. Śukrācārya.

ऊशिद्ध उशिद्ध—आठ प्रकारक महासिद्धिमे सँ एकक नाम । [सं०] । वर्ण० ३ (अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, उशिद्ध, वशिद्ध, प्राकाम्य, कामावशायिता आठओ ये महासिद्धि तंक पराग) । *uśiddha*—Name of a *Mahāsiddhi* out of the eight *Mahāsiddhis*.

ऊशीर उशीर—कतरा, खस, गाँड़रिक जड़ि, वेनानूल, नन्द । [सं० उश+ईरन्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० । मि० मित्र ३२८ (हिम विदलित किसलय सय्या पर मृदु उशीर के कय विस्तार); अम० ११० (उशीर अमल नलद); मृच्छकटिक २०३ । *uśīra*—A scented grass, the fragrant root of the plant Andropogon muricatus.

ऊशुआ उशुआ—काछुक एक प्रभेदक नाम । [सं०] (ठोड उशुआ पतकाछु, प्रभृति अनेक कच्छप मे ...) *uśuā*—A kind of tortoise.

𑒅𑒭 **उष**—उषा (दे०) केर प्रा० रू० । वर्ण० ६६ (ते उष बिचलि हुष पैरल); अन० ६६ । *uṣa—Poet.* form of *uṣā* (q.v.).

𑒅𑒭𑒧 **उषम**—उष्म (दे०) केर का० रू० । साक्षीन-मादव १०; वनकुसुम ५५ । *uṣama—Poet.* form of *uṣma* (q.v.).

𑒅𑒭𑒧𑒯𑒳 **उषमहु**—उषम (दे०) केर निश्च० रू० । अन्य-चरित ३ । *uṣamahu—Emph* form of *uṣama* (q.v.).

𑒅𑒭𑒰 **उषा**—सूर्योदय सँ पहिने पूर्वक लाली छिटकबाक समय, भिनसर, रात्रिशेष, सन्ध्या, अनिरुद्धक पत्नीक नाम । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० उषा; प्राकृ० उसा; राज० उसा; ऊसा । (सोमेर, कुबेर उषा ब्रावद जीविपो लेखा जोखा) । *uṣā—Morning*, dawn, name of the wife of *Aniruddha.*

𑒅𑒭𑒰𑒏𑒰𑒪 **उषाकाल**—भोर वा प्रभातक समय । [उषा + काल] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, उषाकाल । मी० १३०-१६ (पुनः उषाकाल) । *uṣākāla*—Early morning.

𑒅𑒭𑒰𑒣𑒞𑒱 **उषापति**—अनिरुद्ध, सूर्य । [सं०] । तु० क० हि० उषापति । (उषापति आब, अस्ताचल जयताह) । *uṣāpati*—Sun, name of Aniruddha.

𑒅𑒭𑓂𑒝 **उष्ण**—वि० । विपल, तपत, गरम, तेज । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० उष्ण; प्राकृ० उण्ह; उसिण; गु० उनू म० उन्ह; ऊन; सि० उष्णु; हुइ । वर्ण० १२ (रार उष्ण मधु); पुरु० २१५ (तन मधुमुक्ता नलक उष्ण पीडरीक स्वेद पानि); अन० २८ (उष्णा उष्णागम); शतदल ८८ । *uṣṇa*—Heat.

𑒅𑒭𑓂𑒝𑒞𑒰 **उष्णता**—गरमी, ताप, [सं०] । तु० क० हि०, बं० असा०, ने० उष्णता । हिरा० ४६ (कृत्रिम उष्णताक संचार करब आवश्यक बुझि पड़लैन्ह); आमक० ४४ (बसात मे उष्णता छलैक) । *uṣṇatā*—Warmth.

𑒅𑒭𑓂𑒝𑒞𑓂𑒫 **उष्णत्व**—गरमी, ताप, [सं०] । तु० क० हि० उष्णत्व । रावण वध ३७ । *uṣṇatva*—Warmth.

𑒅𑒭𑓂𑒧(𑒏) **उष्म(क)**—ग्रीष्म काल, गरमी, ताप, गरमी ऋतु । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, उष्म; सि० उस; गु० ऊष; पा० उसुमा, उस्मा, प्राकृ० ओहा; उम्ह; लहन्दा हुस । वर्ण० १५ (उष्मक बाहुल्य); अम० २८ (ग्रीष्म उष्मक) । *uṣma-(ka)*—Summer, heat.

𑒅𑒭𑓂𑒧𑒯𑒰𑒩𑒲 **उष्महारी**—वि० । गरमी वा ग्रीष्मकेँ हरनि-हार । [उष्म + हरण = हारी] । पदावली परिचय १७२ । *uṣmahārī—Adj*. Which reduces heat.

𑒅𑒮𑒏𑒞 **उसकत**—उसकब (दे०) केर भवि० रू० । धातु शब्द १६ । *usakata—Future* tense form of *usakaba* (q. v.).

𑒅𑒮𑒏𑒥 **उसकब**—क्रि० । उत्सरण, आगू बाढ़ब । [सं० उत्सरण] । (बेसी मैला रहबाक कारणेँ उसकब कठिन अछि) । *usakaba—V.* To go ahead, to inspire.

𑒅𑒮𑒏𑒰 **उसका**—उसकाएब, प्रेरित करब, डिबी वा लालटेन अन्नादिकेँ सरिआएब, कार्य करब । [उसकाएब] । तु० क० बं० उसका । मि० १४६ (ओकरा बजाय उसका देलक) । *usakā*—To instigate.

𑒅𑒮𑒏𑒰𑒅 **उसकाउ**—उसकाएब (दे०) केर आज्ञा० रू० । धातु शब्द १६ । *usakāu—Imp.* form of *usakāeva* (q.v.).

𑒅𑒮𑒏𑒰𑒋(𑒨)𑒥 **उसकाए(य)ब**—प्रेरित वा उत्साहित करब, जरि गेला उपर डिबी बढ़ाएब, ढेकी वा उक्खरिमे कुटए काल अन्नादिके सरिआएब, कार्य करब । [सं० उत्कर्षति IAL Turner 1715] तु० क० उकसा-पुकसा (दे०) । मैथिलीक गद्य शैली २४ । *usakāe(ya) ba*—To Instigate, to raise the wick in the lamp, to turn over rice etc, in the rural pounding machine.

𑒅𑒮𑒏𑒾𑒞𑒲 **उसकौती**—उसकाएब (दे०) केर भवि० कालमे स्त्री० रू० । मिहि० ४४-२२-८ (कहाँ ती कौसल खाँ एक उस-कौती); प्रेम० ३ । *usakautī—Fem.* form of *usakāeba* (q.v.).

𑒅𑒮𑒑𑒾𑒩 **उसगौर**—उत्सर्गि (दे०) केर अशु० प्रा० रू० । व्य० विहान ७ (दशहरा दिन कौनहुना उसगौर लितहु) । *usageara—Erro.* Coll. form of *utsargi* (q.v.)

𑒅𑒮𑒕𑒪 **उसझल**—लाल० १४ । का० रू० । ओझराएल (दे०) । *usajhala*—P. F. Of *ojharāela* (q.v.).

𑒅𑒮(𑒩)𑒚(𑒙𑓂𑒚) **उस(र)ठ(ट्ठ)**—वि० । बिना रसक, बैरस मादि, अनउपजाऊ भूमि, बंजर । [सं० ऊषर + ठ > ऊसरठ > उसठ] । तु० क० मै० उसठ; पा० प्राकृ० ऊसज, गु० ऊस । नि० पदा० मधु० ५३, रामभद्रपुर पोथी ४०६ (उसठ न कर सठ बहाओल प्रेम); B.P.L. 800. *usa(ra)ṭha(ṭṭha)—Adj.* Barren, (land), unsociable, indifferent,

𑒅𑒮𑒢𑒪 **उसनल**—वि० । गरम जल वा उष्णताजमे सिद्ध कएल वस्तु, उदासीन । [सं० उष्ण > उषन > उसन + अल] । (उसनल अल्हुआ सन सूँघ लगैत छैक) । *usanala—Adj.* Boiled.

𑒅𑒮𑒢𑒰 **उसना**—वि० । उसिन कए बनाओल गेल (चाउर चूड़ा आदि) । [सं० उष्ण > उषण > उसन + आ] । (उसना चाउरक भात खूब स्वादिष्ट होइछ) । *usanā—Adj.* (Rice) made of boiled paddy.

𑒅𑒮𑒢𑒱𑒏𑒰 **उसनिका**—अगहन मासमे धान उसिनबाक क्रिया । *usanikā*—The act of boiling paddy for making rice in the paddy season.

𑒅𑒮𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 **उसनिहार**—वि० । अन्नादि केँ गर्म पानिमे सिद्ध कएनिहार । [उस + अनिहार] । मि० भा० वि० २३८ ।

usan hāra—*Adj*. Who boils.

ऊसम **उसम**—उषम (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३४४ (सिसिर वसन्त **उसम** मेल सजनी) । *usama*—*Coll.* form of *uṣama* (q.v.).

ऊसर **उसर**—वि० । अनउपजाउ (जमीन); नोनछराह, नष्ट प्राय । [सं० ऊषर] । तु० क० बं० उसर । मि० (**उसर** भूमिक किछु दाम नहि) । ***u**sara*—*Adj.* Barren (land).

ऊसर्ग **उसरग**—उत्सर्ग (दे०) केर बा० रू० । मि० **उसरग** करा दिऔन्ह) । ***u**sarga*—*Coll.* form of ***u**tsarga* (q.v.).

ऊसर्गल **उसरगल**—उसरगब (दे०) केर भू० रू० । चित्रा १२ (**उसरगल** छलन्हि की दनही छलन्हि) । ***u**saragala*—*Past* tense form of ***u**saragaba* (q.v.).

ऊसर्गबँ **उसरगब**—उसरग (दे०) केर भवि० रू० । व्य० विज्ञान ३२१ (चाउर **उसरगब** तिलवा खाएब ओ दान करब तकर कौन अर्थ) । *usaragaba*—***Future*** tense form of *usaraga* (q.v.).

ऊसर्गा **उसरगा**—वि० । उत्सर्ग वा उसरग कएल गेल वस्तु, आमक गाछ उत्सृष्ट (दी०) । [उसरग + आ] । (**उसरगा** चाउर आ तिल ब्राह्मणकेँ दय दियौक) । *usaragā* —***Adj.*** Which has been given away.

ऊसर्गि **उसरगि**—उसरग (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मैथिली भाषा ४ । *usaragi*—*Part.* form of *usaraga* (q. v.).

ऊसरड़ **उसरड़**—वि० । उसर बला (भूमि) [सं० उत्सरण] । (**उसरड़** बला भूमिमे निरर्थक गाछ लगाएब) । ***u**saraḍa*—*Adj.* Barren (heath).

ऊसरन **उसरन**—नष्ट होएब, बरबाद होएब, विनष्ट वा समाप्त होएब, बाँचल खुचल स्थिति, उत्सव आदिक पश्चात्, उदासीन होएब । [उसर + अन] । (माए मुइलाक बाद हिनक नैहर **उसरन** भए गेल) = नष्ट भए जाएब । *usarana*—To be vanished, the dregs, the remainis.

ऊसरबँ **उसरब**—क्रि० । समाप्त होयब, जल्दी कार्य होएब । [IAL Turner 1874 उत्सरति] । (पावनि तिहारक **उसरब** गरीबक लेखे नीके भेल) । *usaraba*—To come to an end, to accomplish with speed.

ऊसरल **उसरल**—**उसरब** (दे०) केर भू० रू० । IAL Turner 862. शतदल ३१ (**उसरल** जग भरि सिसिर पसार) । ***u**sarala*—*Past tense* form of *usaraba* (q.v.).

ऊसराक्षु **उसराहु**—वि० । **उसरब** (दे०) केर अल्पता मि० भा० वि० २३८ । *usarāh**u***—***Adj.*** Becoming a little spent.

ऊसरि **उसरि**—उसरब (दे०) केर पू० क्रि० रू० वि० पदा० मञ्जु० ३१८ (बादल प्रेम उसरि गेल नारी) । ***u**sari*—*Part.* form of ***u**saraba* (q.v.).

ऊससि **उससि**—उसासि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ६८, अ० ८४ (**उससि** उससि मैशासा); राग० १०९ (**उससि** ऊठलि सुनि नाम तोहरी); मैथिली लोकगीत ११५ । *usari*—*Poet.* form of ***u**sāsi* (q.v.).

ऊसार(बँ) **उसार(ब)**—क्रि० । राखब, सम्हारब, समाप्त करब [सं० उत्सार + अब] । प्रण० १५४ (अपने हाथसँ धरब **उसारब**) । ***u**sāra(ba)*—*V.* To keep, to finish.

ऊसास **उसास**—शान्ति, विश्राम, सन्तोष, उपर दिशकेँ खीचल स्वास । [सं० उत्स्वास] । तु० क० हिं०, बं०, असं०, ने० उसस IAL Turner 1868 । वि० पदा० मञ्जु० १३, न० गु० (हर) ३८, अ० ९४५ (कोरि आउ लेबा के नहिं **उसास**); ग० प० ४१ (हृदय **उसास** विछिन मन); मि०; द्विरा० २१० (**उसास** मेटि गेलैन्ह); मि० भा० प्र० ४४ (**उसास** लेब) = शान्ति वा सन्तोष लेब । ***u**sāsa*—Peace, solace, comfort, consolation.

ऊसासि **उसासि**—उसास (दे०) केर पू० का० क्रि० । *usāsi*—Part. form of *usāsa* (q. v.).

ऊसाहबँ **उसाहब**—उचमन (दी०), उद्योग करब, ककरो मारबाक हेतु हाथ वा अन्य वस्तु उठायब, बखारी, चार वा ठाठ केँ चाँछ लगाए उठाएब । [उत्साह + अब] । (ककरो पर हाथ **उसाहब** ठीक नहि) । ***u**sāhaba*—To be ready (for beating with hand .).

ऊसाहल **उसाहल**—उसाहब (दे०) केर भू० रू० । मिहि० ४७-२७ (हम थापर **उसाहल** मारबाजय ओकरा); नव० २८ (रानी-सरी पर हाथ नहि **उसाहलथीन**) । *usāhala*—*Past* tense form of ***u**sāhaba* (q v.).

ऊसिनबँ **उसिनब**—उसनब (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० कोष । (अल्हुआ उसिनब से नहि) । ***u**sinaba*—*Alt.* form of ***u**sanaba* (q.v.).

ऊसिनल **उसिनल**—उसिनब (दे०) केर भू० रू० । चि० २९ (**उसिनल** चिनिया बदाम) । ***u**sinala*—*Past tense* form of *usinabe* (q.v.).

ऊसिना **उसिना**—उसना (दे०) केर विक० रू० मि० १६२ (कोनो दोकानसँ उसिना चाउर लए आनब) ... ४६ (नवका उसिना चाउरक भात); मि० भा० कोष, ... ४६ । ***u**sinā*—*Alt.* form of ***u**sanā* (q.v.).

ऊसिनै **उसिनै**—उसिनब (दे०) केर वि० रू० । व्य० विज्ञान २२ । *usinai*—*Present* tense form of ***u**sinaba* (q.v.).

ऊसीनि **उसीनि**—उसिनब (दे०) केर पू० क्रि० रू०

खड़० ११ (सैह उसीनि क चूरू सौंफ लैबाक चाही)। *usīnī*—*East*. form of *usinaba* (q.v.).

उसीर—उशीर (दे०) केर ग्रा० रू०। कन्द० १६६ (उसीर ओ कपूर पंक अंगमे लगाउ); सि० ३०७ (गरमीमे उसीर क बहुत उपयोग विशेष रूपें ओहिमे पसल जाइत छलैक)। *usīra*—*Coll*. form of *usira* (q.v.).

उस्सर—ऊसर (दे०) केर विकृ० रू०। FML 75; BPL 616; IAL Turner 1746; नव० ८ (वहा कड़ा उस्सर खेत या आइ धुर दौड़)। *ussara*—*Alt*. form of *usara* (q.v.).

उह¹—ओहि (दे०) केर प्रा० का० रू०। गी० श्लो० २ का० २१ (कंत मधुकप नति उह बचन हलि आजु पेसल परतीक); राम० १४४ (कुटुम्ब उह सँ पर उतार)। *uha¹*—*Poet*. form of *ohi* (q.v.).

उह²—उद्देश्य, चिन्ह। [ओ (दे०)] भाषा० २५/४, २१/४; FML 314 (C. B. XXIX) (तोहर उह न दिश)। *uha²*—Trace.

उह³—दुख वा खेद सूचक शब्द। [ध्वन्यानुकरण]। तु० बं० ५८० उह। (उह बहुत चोट लागल)। *uha³*—Exclamation of fatigue.

उहइत—ऊपर धधकैत। [सं० उद + दह + ऐत]। भानोदाह १८ (लंकेमे धुंह उहइत-उहइत मिस्ता गेल छलक)। *uhaita*—Sending up flames.

उहमा—ओलए (दे०) केर दक्षिणी, पश्चिमी सै रू०। मौवलता १६६। *uhamā*—Southern and western form of *Olae* (q.v.).

उहलसित—उल्लसित (दे०) प्रा० का० रू०। FML 87 (27)। *uhalasitu*—*P. F.* Obs. form of *ullasita* (q.v.).

उहि—वि०। स्फूर्ति, बल, सामर्थ्य, फुराबाक शक्ति। [सं० ऊह]। (हिनका त उहि किछु छन्हिएँ नहि)। *uhi*—Initiative; intelligence.

उहु—अव्यय। प्रा० मैथिली उत्तम पुरु० रू०। खेद सूचक शब्द। [उह² + उ]। FML 505. *uhu*—*Ind*. Early Maithili first person form of *uhũ*.

उहुँ—उहूँ (दे०) केर विकृ० रू०। राम० २७ (कत शुत पातोव करति उहुँ-उहुँ); नव० ११३ उहुँ ! की हाथ)। *uhũ*—*Alt* form of *uhū̃* (q.v.).

उहूँ—नहि, नकारात्मक सूचक शब्द। [ध्वन्यानुकरण]। कन्या० १७ (उहूँ। आब कहाँ); नव० १६ (उहूँ ई कोना हैतइ ?)। *uhū̃*—Negative word, no.

उहे—उएह (दे०) केर प्रा० तु० रू०। वि० ने० २६६ (उहे थी फल पओलह वीसी); FML 406. *uhe*—*Old* obs. form of *ueha* (q.v.).

उहो¹—ओहो (दे०) केर अशु० ग्रा० रू०। रघुवंश ४१। *uho¹*—*Erro*. Coll form of *oho* (q.v.)

उहो²—ओतय, अतय, कुकुर कें हुलकाबाक शब्द वा प्रेरित करब। [उह³ + ओ]। तु० फ० हुले-हुले। (आहु आः आ ......उहो-उहो)। *uho²*—Imperative word for commanding a dog to go to the object of its quest.

उह्य—ऊह्य (दे०) केर ग्रा० रू०। स्वदेश १-१-१२ (ई स्वयं उह्य थीक)। *uhya*—*Coll*. form of *ūhya* (q.v.).

ऊ

ऊ¹—छठम स्वर वर्ण, जकर उच्चारण ओष्ठ सँ होइत अछि। [सं० ऊ]। तु० फ० हि०, बं०, असा०, ने०, मग०, राज०, भद्द० ऊ, FML 75. *ū¹*—The sixth vowel.

ऊ²—प्रत्यय। उत्पन्न मैनिहार ओ रहनिहार इत्यादि भाव क कहबैत अछि। भव अर्थमे ऊ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ६६ संख्यासँ पूर्वक ऊ = मास ओ वर्षसँ एकमास मे उत्पन्न (एक मस्सू मैना; दुमस्सू बच्चू); संज्ञा अर्थात् मनुष्यक नामसँ पर आदर द्योतित करबाक हेतु ऊ प्रत्यय होइत अछि) ल० वि० ४६ (बौकू अपलाउ, झुमरुक, सोनू, माधू); नियुक्त अर्थमे टहल शब्दसँ ऊ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ५१ (टहल मे नियुक्त पुरुष टहलू); अलक लोक मैला पर देखाक उपर एवसँ लग आदि धातुसँ ऊ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० ८१ (पित मरल पितमरू, पनिमरू जरलग्गू; दुधकट्टू प्राध्यादि बहुव्रीहि समस्त लोक मैला पर आदर मे ऊ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० ८६ (ओ नककट्टू छथि); प्रेरणामे धातुसँ पर सामान्यतः ऊ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०० (हम नाच देखू, अहाँ कार्य करू); प्रेरणामे ऊ प्रत्ययक आउ आदेश होइत अछि। ल० वि० १०६, १११ (पढ़ + ऊ = पढ़ाउँ, आउँ, पाउँ); भूतकालमे कर्तामेक प्रत्यय अबैत अछि। अधिकरण पूर्वक पकू धातु सँ। ल० वि० १३४ (परिते पाकल घरिपक्कू; गाछ मे पाकल गाछुपक्कू); भूतकाल अर्थमे ऊ प्रत्यय कट् धातुसँ पराजित अर्थमे अबैत अछि। ल० वि० १३७ (कटट्टू बरेर अर्थात् पराजित); पानि पूर्वक जेंत ओ भिज धातुसँ ऊ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १३७ (पनि जत्तू = पानिसँ जाँतल धान, पनिभिज्जू = पानिसँ भिजल

वस्त्र); । $\bar{u}^2$—Suffix.

ऊँ³ ऊ³—सर्व० । ओ (दे०) केर प्रा० का० रू । वि० पदा० मञु० ५७२ (घर आङ्गन ऊ बनौलन्हि कहिया) । $\bar{u}^3$—*Pronoun. Old poet.* form of *O* (q. v.).

ऊँ¹ ऊँ¹—प्रत्यय । अवधारण ओ अन्वय मे अहाँ शब्दस पर सर्वत्र ऊ प्रत्यय लगैत अछि । ल० वि० ११५ (अहूँ, अहूँ केँ); FML 500 (Southern). $\bar{u}$—Suffix.

ऊँ² ऊँ²—प्रश्नसूचक, विरोधात्मक ध्वनि, बहुत सुतल वा सुतबाक उपक्रममे लागल व्यक्ति । (ओ बौआ ! उठू ने ऊँ ऊँ की करै छी) । $\bar{u}^2$—Interjectional word, to express disapproval or opposition.

ऊअल ऊअल—उगल (दे०) केर प्रा० का० रू । मिथिला मित्र ५१४–४२ (जनु सुमेरु उपर मिलि ऊअल चान्द दिहुँन सब तारा) । *ūala—Poet.* Obs. form of *Ugala* (q.v.).

ऊआँ ऊआँ—ऊ³ (दे०) केर दक्षिणी ग्रा० रू० । FML 408. *ūã*—Southern folk form of $\bar{u}^3$ (q. v.).

ऊइआ ऊइआ—उदय (दे०) केर प्रा० लु० रू० । FML 75 (c44). *ūia—old* obs form of ***udaya*** (q.v.)

ऊक—ऊक—मशाल, मुखमे प्रज्वलित लम्बा बद्धतृणपुञ्ज (दी०), बान्हल, एक मूठ खढ़ जकरा अग्र भागमे आगि लागल हो; पथ प्रदर्शक-प्रकाश । [सं० उल्का] । तु० क० पा० प्राकृ० उक्का; उ० उक; हि० ऊक । राम० २४२ (हँसि हँसि हाँस कहलनि फूजल ऊक); मो० १३८–३१–६० (ग्रामक ऊक होथि हुनक नाम सर्वत्र विख्यात हो), कन्या० १४६ (एकाएक ऊक जकाँ आबि); चित्रा ५१ (राड़ भए गेल आइ फूजल ऊक); ग्रि०; मिहि० ४ (२–६१–५०); FML 74, 118. ऊक भाँजब वा फेरब (सुकराती मे) । (पूर्मे ऊक लए आम बीछल जाइत छलैक । फूजल ऊक = स्वेच्छाचारी, अनिष्टकारक लोक । *ūka*—A torch, a flaming bundle of grass.

ऊकाऊकी ऊकाऊकी—ऊकक क्रीड़ा, सुखरात्रिक (दी०), दीपावलीक अवसरमे मिथिला मे खढ़क ऊक बनाए ओतरा प्रज्वलित कए घुमाओल जाइछ वा भाँजल जाइत । [ऊक + आ + ऊक + ई] । (ऊकाऊकीक बेरमे कियो कानए) । *ūkāũki*—The fireplay on the occasion of Dīpavali festival in Mithila.

ऊकार ऊकार—दीर्घ ऊक मात्रा, द्वित उकारक मात्रा] [सं०] । तु० क० ने०, उर्दू ऊकार । टहलू मे ऊकारक मात्रा अन्तमे लगाउ) । *ūkāra*—The letter *ū*.

ऊख ऊख—कुसिआर (दी०) । [सं० इक्षु] । तु० क० अव० ऊख । FML 121. BPL 1005, ग्रि० । *ūkha*—Sugar cane.

ऊखरि ऊखरि—उक्कखरि (दे०) केर वा० रू० । तु० क० राज० ऊँखल; ऊँखली; बं० उखलि । [उद्खल] । प्रण० २३ (ऊखरिमे माथ देल त मूसरक चोट सहियारहि पड़त); ग्रि० ऊखर । *ūkhari—Coll.* form of ***u***[illegible]

ऊखि ऊखि—ऊख (दे०) केर वा० रू० । [illegible] —Coll. form of *ūkha* (q. v.).

ऊघट ऊघट—वि० । अधलाह घाट, नीक घाट नहि । तु० रू० । [उ + घट] । तु० क० औघट । वि० पदा० मञु० २४६ (आरत ऊघट घाटे कन्हैया) । *ūghaṭa—Adj.* Not the proper place for bathing etc. in a tank etc.

ऊच ऊच—ऊँच (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञु० ३१८ (गुनहि बुझिअ ऊच नीच रे); राम० ५२ (ना बड़ ऊच कान बूच) । *ūca—Poet.* form of *ũca* (q.v)

ऊँच ऊँच—वि० । उपर, उत्तुङ्ग, आकाश दिश, नीचाँ नहि । [सं० उच्च] । तु० क० बं०, अव०, असा० ऊँच, उर्दू उच्च, ऊँच । राम० ४१ (ऊँच न जा जलधारा); चन्द्र० ८७ (नीच ऊँच वर जनव ततय); प्रण० ३६ (किछु ऊँच भुनैत छलाह); BPL 793 FML 115, 563 153; (ऊँच बड़ेरी फोंक बाँस, ऋण खाथि बारहो मास); (ऊँच नीचक भेद करब) = अपनाके पैच बुझब । ऊँच स = उचरस = (land) on an high level. तु० क० बैरस *ũca—Adj.* High, lofty.

ऊँचहि ऊँचहि—ऊँच (दे०) निश्च० रू० । (ऊँचहि पर पर प्रबल बसात) = पैघहिकेँ प्रथम बेरि सामूहिक धक्का लगैछ । *ũcahi—Emph.* form of *ũca* (q.v.).

ऊँचा (चू)(चे) ऊँचा (चू)(चे)—ऊँच (दे०) केर वा० रू० । FML 75, 113, 590 (ऊँचे नीचे चास धीये पुते बास); (ऊँचा चढ़ि-चढ़ि देखल सब घर एके लेखल) । *ũcā(cū) (ce)—Coll.* form of *ũca* (q. v.).

ऊँचाँ ऊँचाँ—ऊँच (दे०) केर वा० रू० । चर्या० २८ । *ũcã—Coll.* form of *ũca* (q. v.).

ऊचित ऊचित—उचित (दे०) केर का० रू० । चन्द्र० २५ (तनिक पाणि गृहीत ऊचित कइ सज्जन) । *ūcita—Poet.* form of ***ucita*** (q.v.).

ऊञ्च ऊञ्च—वि० । सुन्दर दुर्लभ वस्त्र वा आच्छादन । [सं०] । वर्ण० ६० (ऊञ्च विचित्र पञ्चमय, देवाभरि, दुर्लभ वे दिव्याम्बर ते वृद्धि स्त्रीं पहिराउलि) । *ũñca—Adj.* A decent [illegible] invaluable clothes.

ऊजर ऊजर—उजर (दे०) केर का० रू० । गो० [illegible] अमर १२ (ऊजर शशधर दीपक जारल अलेकुन [illegible] *ūjara—Poet.* form of ***ujjara*** (q.v.).

ऊजरि ऊजरि—ऊजर (दे०) केर स्त्री० रू० [illegible] (अति सिसा देखी) । *ūjari—Fem.* [illegible] (q.v.).

ऊँद(नी) ऊँद(नी)—पुरुष (वा स्त्री) [illegible]

[सं० उष्ट्रिका]। तु० क० ओष्ट्र; प्राकृ० उट्ठ; प० लह० उट्ठ; उ० उट
क्ष० ऊँ; बं० गु० ऊँट; म्रा० मा० उट। वर्ण० ३६ (ऊँटक वीतकार); राम० २५१ (महिष ऊँट खर सिंह सवार); पुरुषसं० १६; मि०; मिथिर २१ (२-६२-८६) (लम्बतमे ऊँट महमाम); BPL. 1131; FML. 159; मिथिला दर्शन ३, ३३ (ऊँटक पूँछ मे ...); (ऊँट ...) = ... ; (ऊँटक पहान पश्चिम मुँह); ऊँट ... । *Ūta*—Camel (she camel).

ऊठि—ऊँट्य (दे०) अथवा उठि। (दे०) कैर प्रा० तु० पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मनु० १७६, नेपाल १६२, म० तु० ४०५, (उपरला ... ऊठि ..., ...) । *ūṭi*—Early obs. part. form of *ūṭhaba* or *uṭhi* (q.v.).

ऊठिनी—ऊँठनी (दे०) कैर बा० रू०। चन्द्र० २२४ (ऊठिनी ...) । *ūṭinī*—Coll. form of *ūṭanī* (q.v.).

ऊँठ—? कीर्तिलता ६३ (... ऊँठ ...) । *ūṭha*—

ऊठब—उठब (दे०) कैर बा० रू०। मि० भा० कोष ३१। *ūṭhaba*—Coll. form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठय—उठए (दे०) कैर का० रू०। गी० ग० १ अमर ११ (... ऊठय ...); गी० ग० १ अमर ३१ (... ऊठय ...)। *ūṭhaya*—Poet. form of *uṭhae* (q.v.).

ऊठल—उठल (दे०) कैर बा० रू०। नव० ५१ (... ऊठल)। *ūṭhala*—Coll. form of *uṭhala* (q.v.)

ऊठलि—ऊठल (दे०) कैर स्त्री० रू०। नव० ११ (... ऊठलि ...)। *ūṭhali*—Fem. form of *ūṭhala* (q.v.).

ऊठि—उठइ (दे०) कैर पू० क्रि० रू०। नव० १०२ (... ऊठि ...); वि० पद० १६१-१९ (... ऊठि ...); ऊठि बैसब = ... । *ūṭhi*—Part. form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊड़ब—उड़ब (दे०) कैर का० रू०। मि० भा० कोष ३६, FML. 169. *ūḍaba*—Coll. form of *uḍaba* (q.v.).

ऊड़ल—उड़ल (दे०) कैर का० रू० गी० ५० २ (... ऊड़ल ...)। *ūḍala*—Poet. form of *Uḍala* (q.v.).

ऊढ़ा—विवाहिता स्त्री। [सं०]। ... माला ५। *ūḍhā*—Married girl.

ऊद—ऊद (दे०) कैर बा० रू०। मि० भा० कोष ३२ मि०; का० रू० मा० वि० ६७; (ऊदक संग ...) = ... । *ūda*—Coll. form of *Udda* (q.v.).

ऊधब—उधब (दे०) कैर विक० । वि०। *ūdhaba*—Alt. form of *udhaba* (q.v.).

ऊधम—उधम (दे०) कैर बा० रू०। मि० भा० कोष ३३; (ऊधम मचौनाइ) = हल्ला गुल्ला करब। *ūdhama*—Coll. form of *udhama* (q.v.).

ऊन[1]—क्रि० वि०। कम, न्यून, छोट। का० प्र०। [सं० ऊन अथवा न्यून]। तु० क० बं०, ... ; प० ऊणा; म० ऊणा; ... ; पा० ऊन। वि० ने० २२४ (... ऊन ...)। *ūna*[1]—Adv. Less, smaller.

ऊन[2]—भेड़ा, भेड़ीक केशसँ बनाओल वस्तु। [सं० ऊर्णा]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, ... ; पा० प्राकृ० उण्णा; सि० उन; ... ; ... ऊन। मि०; नव० ६७ (... ऊनक ...)। *ūna*[2]—Wool.

ऊनी—वि०। ऊनसँ बनल (वस्त्र वा परिधान)। [ऊन + ई]। तु० क० प्रा० ओर्ण्णीय; हि० ऊनी; बं० ... ; सि० ओनी। BPL. 877, 930, अम० १४६ (शाल, कम्बल, आदि ऊनी वस्त्र); न्य० वि० २०० (सूती, ऊनी, रेशमी)। *ūnī*—Adj. Wollen (cloth).

ऊनैस—उन्नैस (दे०) कैर प्रा० तु० रू०। वि० पदा० मनु० २८६, वि० ५० (... ऊनैस ...)। *unesa*—Old Obs. form of *Unnaisa* (q.v.).

ऊपटाप—ऊपटाप (दे०) कैर बा० रू०। ... १२५ (... ऊपटाप ...)। *ūpaṭāpa*—Coll. form of *ūnaṭāma* (q.v.).

ऊपर—क्रि० वि०। ऊँच स्थान पर, ऊँच पर आश्रय क लिए, अधिक, बेसी, अतिरिक्त, अतिरिक्त। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, राज०, ने०, अव० ऊपर। राम० पद (... ऊपर ...); ... २१० (... ऊपर ...); गीरी परिणय ३ (... ऊपर ३); मै० हि० का० ३ (२-३) २ (... ऊपर); मि० ... १९८–६ (... ऊपर ...); प्रया० ४ (... ऊपर ...); FML. 825, 555, चित्रा १२ (... ऊपर ...); ... २ (... ऊपर ...); मि०; (ऊपर ...) = ... । *ūpara*—Adv. Rise, above, excess, besides.

ऊपरें—क्रि० वि०। ऊपरमे वा ऊपरसँ। [सं०

ऊपरि] । वर्ण० १४ (माड़ल ऊपरँ देल अद्ध); बि० रा० ५५ (ऊपरँ मोतिमहार); FML 581 *ūparã—Adv.* One above.

ऊपरहि(हिं)— ऊपर (दे०) केर निश्च० रू० । कन्या० ६६ (एखन ऊपरहि ऊपर उड़ि रहल छथि); रङ्ग० १५ (एहन ने हो जे ऊपरहिं सँ छड़पि कउ भागि जाओ) । *ūparahi (hĩ) (hi)—Emph.* form of *ūpara* (q. v.).

ऊपरी(रे) - ऊपर (दे०) केर वा० रू० । आमक० ३० (खाली ऊपरी शिष्टाचार); प्रण० ५ (जे छुट्टी सँ ऊपरे रहि गेलैन्ह) । तु० क० ऊपरी आमदनी *ūpari (re)—Coll.* Form of *ūpare* (q.v.).

ऊभड़खाभड़ - उभड़खाबड़ (दे०) केर वा० रू० । कन्या० १३ (ऊभड़खाभड़ मन्त्रक रोड़ा गड़गड़ाका उभीलय लगलाह) । *ūbhaḍakhābhaḍa—Coll.* Form of *ubhaḍakhābaḍa* (q.v.).

ऊँमग्गे—उमङ्ग (दे०) केर अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ६३ (आरूठ्ठा सुरा आवन्ता ऊँमग्गे मग्गे धावन्ता) । *ūmagge—Avahaṭṭha.* form of *umaṅga* (q.v.).

ऊमटाम—वि० । एकदम कानोकान भरल, परिपूर्ण गजागज भरल, खचाखच भरल । [उमडब] । उमटाम (दे०) । मिहिर २२ (३-६२-१०७) (आब ई देश मनुक्खसँ ऊमटाम भरि गेल अछि); पारो ४५ (पोखरि साओनमे जा कँ ऊमटाम भ क भरैत छल); नव० ७३ (टाका तेलसँ बीचहि ऊमटाम भ गेल रहइक) । *ūmaṭāma—Adj.* Fully engaged or filled.

ऊमी—काँच मडुआक झाँटा (दी०) । [IAL Turner 2343 उम्बी अथवा प्राकृ० ऊँमी] । तु० क० प्राकृ० ऊँमी; हि० ऊमी म० ओंबी; गु० उँबी; कु० उमी०, उमा० । BPL 9901 *ūmi*—The green ear of coracun or millet roasted for chewing.

ऊयत—उगत (दे०) केर प्रा० लु० रू० । गो० श्र० १ अमर० ६५ (की फल नियर हुताशन मन्द नित-नित ऊयत गगनहि चन्द) । *ūyata—Old* Obs. of *ugata* (q. v.).

ऊयल—उगल (दे०) क प्रा० लु० का० रू० । गो० श्र० १ अमर ५० (ऊयल नव-नव मेह, दुर रह श्यामर देह) । *ūyala—Obs.* Poet. form of *ugala* (q.v.).

ऊर—उर (दे०) केर का० रू० । राग० ११५ (दूरहि ऊर रहल जहि ठाम) । *ūra—Poet.* form of *ura* (q.v.).

ऊरपूर—वि० । जकर सभ अङ्ग पूर भए गेल छलैक (म० म० उमेश मिश्र); अथवा सुरपुर क अवहट्ट रूप कहल जाए सकैत अछि । [उर + पूर] । कीर्तिलता ५१ (समथ्य सूर ऊरपूर चार पाञेँ चक्करेँ) । *ūrapūra—Adj.* Grown up (animal).

ऊरीबीरी-मनक अस्थैर्य (दी०) । [उड़ब + शब्दानुकरण] । (ऊरीबीरी लागब) = इतस्ततः होएब । *ūribiri*—Impatience.

ऊर्जा—वि० । तेज, बल, शक्ति । [ऊर्ज-अच्] । तु० क० बं० ऊर्ज । मिहिर ४ (४-६३-१६२) (एहन प्रयत्न कएल जा रहल छैक जाहिसँ सूर्य ऊर्जा केँ रेडियो, रेलगाड़ी आ जहाज आदि चलयबाक काजमे आनल जाय) । *ūrjā—Adj.* Strength energy.

ऊर्ध्व—वि० । उच्च, ऊपर । [सं० तु० क० बं० ऊर्ध्व । मि० उद० १५७-२० (कपाल कुण्डला चकित भै ऊर्ध्व दृष्टि कै देखलन्हि) । *ūrdhva-Adj.* High, above.

ऊर्ध्वरेखा—एकटा तरहत्थी वा तरवा परक रेखा जे जीवनक विशिष्ट समृद्धि विषय इंगित करैत छैक । [सं० ऊर्ध्व + रेखा] । तु० क० ने० ऊर्ध्वरेखा । (ऊर्ध्वरेखा देखला पर ई स्पष्ट भेलैन्ह जे ओ विशिष्ट लोक होएताह) । *ūrdhvarekhā*—The line on the palm indicating prosperity.

ऊर्मि(र्म्मि)—तरंग, वेग, स्रोत, धारा । [सं० ऋ—मि] । तु० क० हि०, अस०, बं०, ने०, ऊर्मि । अमर० ३६७ (ऊर्मि वराटक); नवब ७१; सनेस १७ । *ūrmi(rmmi)*—Wave, force.

ऊष—गर्त, खाधि, भूर । [सं०] । चन्द्र० १२४ (निम्ब कीट ऊष मे न जाथि) । *ūṣa*—Hole.

ऊषरि—उखरि (दे०) केर विक० रू० । स्त्रीशिक्षा ५२ (ऊषरि मूशर, सूप) । *ūṣari—Alt.* form of *ukhari* (q.v.).

ऊषि—ऊखि (दे०) केर विक० रू० । अमर ११० (ऊषि कुसियारक नाम) । *ūṣi—Alt.* form of *ūkhi* (q. v.).

ऊस—नोनछराह माटि, ई माटि नोनक छोट-छोट कण जकाँ होइछ तथा उज्जर रङ्गक होइत अछि । बहुधा धोबिआ ऊससँ कपड़ा साफ करैत अछि । [सं० ऊष] । तु० क० प्राकृ० ऊष; पा० ऊस; अवहट्ट ऊह; उ० ऊस । FML 74; व्य० वि० ५१ (धोआओल वा ऊस सँ तथा सनलाइट साबुनसँ); नव० ५८ (स्कूलक मास्टरी छोड़ि-छाड़ि ऊस बरकाबए लगलाह) । *ūsa*—Saline earth.

ऊसर—उसर (दे०) केर वा० रू० । तु० क० पा०, प्राकृ०; उ०, कु० ऊसर; प्रा० अव० ऊसर । BPL 816; (दी०); प्रण० १०१ (ने ऊसर भूमिमे) अम० ६६ (ई दुई ऊसर भूमिक नाम); (ऊसरमे बीया बौग करब) = व्यर्थ काज करब । *ūsara—Coll.* form of *Usara* (q.v.).

ऊह[1]—तर्क, विचार, अध्याहार, परिवर्तन । [सं० ऊह घञ्] । तु० क० बं०, अस०, राज०, ऊह, म० उहू; प्राकृ० ऊह; उ० उहा; अव० उह । वर्ण० ३ (ऊह आपोह); राम० १०४ (कि नव कर किछु ऊह); अम० ३२ (अध्याहार, तर्क, ऊह); मि० मि० ३१ (विना कैने की होएत ऊह) । *ūha*[1]—Consideration.

ऊह[2]—दर्द सूचक शब्द । [अनुकरण] FML

579, *ūha*²—Indication of pain.

ऊँह्—नै, नहि, नकारात्मक सूचक शब्द। [अव्यानु-करण]। FML 570. *ũha*—Negative indication.

ऊहापोह—तर्क विचार, विचार-विवेक-शक्ति। [सं० ऊह + अपोह]। तु० क० बं० प्राकृ० ऊहापोह। वैदेही १५-६२ (यदि ऊहापोह मे सत्रह दिन बीति गेलैक); रा० ६५ (हम व्यर्थ ऊहापोह पड़ल छी)। *ūhāpoha*—Hesitation, doubt.

ऊँहाँ—ओतए (दि०) केर दक्षिणी पा० रू०। FML 735. तु० क० हि० वहाँ। *ũhā̃*—Southern folk form of *Otae* (q.v.).

ऋ

ऋ—वर्णमालाक सातम स्वरवर्ण। एकर उच्चारणक स्थान मूर्द्धन्य मानल जाइछ ठीक। निन्दा, परिहास, स्वर्ग। [आकार मूर्द्धन्य]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० अव० ऋ। *ṛa*—The seventh vowel, censure, jest, heaven.

ऋकार—ऋ वर्ण अर्थात ऋ। [ऋ + कार]। तु० क० बं० ऋकार। (ऋकारक मात्रा लगबैत छी ऋतु होइछ)। *ṛkāra*—The mark of the letter *ṛ*.

ऋग्वे(ग)वेद—आदि वा प्रथम वेद जाहिमे प्रकृति केर विभिन्न रूपकेँ वर्णन देवताक रूपमे कल्पना कय कयल गेल अछि। [ऋक् + वेद]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० ऋग्वेद, ऋगवेद। (ऋग्वेद, सामवेद यजुर्वेद, अथर्ववेद चारि वेद)। *ṛgve (gaveda)*—The first Veda, called Ṛgveda.

ऋचा—वेद मन्त्र, वेदमन्त्र जे पद्यमे होइक। [ऋच + टाप्]। तु० क० हि०, ने० ऋचा; बं०, असo ऋच। (वेदमन्त्रक ऋचा पैघ-पैघ एवं क्लिष्ट होइछ)। *ṛcā*—A Vedic verse.

ऋचीक—जमदग्निक पिताक नाम। [सं०]। तु० क० बं० ऋचीक। *ṛcīka*—Name of Jamadag's father.

ऋच्छ—ऋक्ष (दि०) केर विक० रू०। तु० क० हि० ऋच्छ। (ऋच्छ वानर सब रामक सहायता कयलकैन्ह)। *ṛccha*—*Alt.* form of *ṛkṣa* (q.v.).

ऋजु—वि०। सरल सरल, सीधा, ईमानदार। [सं० ऋज + उ]। तु० क० बं०, असo, ने०, ऋजु, पा० ओउक, उजु; प्राकृ० उजु; ओउअ ऋजु म० उजु सि० उजु)। (ऋजु पथ पर चललाक होयबाक चाही)। *ṛju* *Adj.* Simple, easy, straight.

ऋण—कर्ज, उधार, उधार कतहुसँ किछु समयक हेतु लेल गेल द्रव्य वा सूद पर लेल गेल द्रव्य। [सं० ऋ + क्त]। तु० क० रीन (दि०), हि०, बं०, असo, ने०, अव० ऋण; पा० इण; प्राकृ० अण, रीण, रिण, हृरिण, लहन्दा रिण्ण; प० रिन; ब० रिण, गु० रण; म० रीण। मै० हि० सा० ३-२४ (धन स्थानमे ऋण प्रयोग परिवर्तित देखैत छी); (ऋण लेनिहार आयल छथि)। *ṛṇa*—Debt.

ऋणी—वि०। कर्जदार, देनदार, धारलेनिहार, आभारी, उपकृत, उपकार माननिहार। [सं० ऋणिन्]। तु० क० हि०, असo, बं०, ने० ऋणी; प्राकृ० रिणिअ; पं० रिणी; गु० रणीयुँ; म० रिणी। (ऋणीलोकनिक शीघ्रातिशीघ्र कर्ज चुकाबथु); (हम अहाँक एहि कार्यक हेतु आजीवन ऋणी रहब)। *ṛṇī*—*Adj.* Indebted, debtor, grateful.

ऋतु—हेमन्त, शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद इएह छओ काल विशेष; जाड़, गरमी, वर्षाक आधार पर वर्षक दू-दू मासक फूल-फूट विभाग, स्त्रीक मासिक धर्म; [सं० ऋ + तु]। तु० क० हि०, ने०, अव० ऋतु बं०, असo ऋतु। गीतिका ४० १ अमर ५६ (आयल मधु ऋतु मधुर कामिनी कामिनि चित चकोर); प्रि०। *ṛtu*—Season, monthly discharge of a woman.

ऋतुपति—ऋतु केर स्वामी, ऋतुमे श्रेष्ठ, वसन्त। [सं० ऋतु + पति]। तु० क० बं०, असo ऋतुपति। गी० ४० १ अमर १२ (ऋतुपति राति अवधि नव नागरि शीतल श्यामर चन्द)। *ṛtupati*—Lord or husband of Ritu, Spring (Season).

ऋतुपर्ण—सूर्यवंशीय अयोध्याक राजा, ई नलसँ अश्वविद्या अध्ययन कयने छलाह तथा पाशा आदि खेलक गणना कयनिहार महान पण्डित। [सं०]। तु० क० असo, ने०, बं० ऋतुपर्ण। (ऋतुपर्ण राजाक चर्चा ज्योतिरीश्वरक वर्णरत्नाकरमे भेटैछ)। *ṛtuparṇa*—A king of Ayodhya.

ऋतुम(व)ती—रजस्वला, पुष्पवती, मासिक धर्म युक्ता (स्त्री)। [सं० ऋतु + मतुप + ङीप्]। तु० क० हि०, ने० ऋतुमती; ऋतुवती; बं०, असo (ऋतुमती। ऋतुमती वा ऋतुवती नारी अपन पतिक स्पर्श नहि करैत अछि मान्य अवधि पर्यन्त)। *ṛtuma(va)tī*—A woman having menstruation.

ऋतुराज—ऋतुक राजा, वसन्त, [सं० ऋतु + राजन् + टच्]। तु० क० ऋतु पति (दि०)। प्रि०; (ऋतुराज आब सपगए गेल)। *ṛturāja*—The king of Seasons, Spring season.

ऋतुवर्ण—ऋतुपर्ण (दि०) केर अशु० रू० वर्ण० ३० (नल, शालिहोत्र, ऋतुवर्ण, अरुण, माहति; रैवन्त, कुवलयाश्व, शल्य आदिको से सम्हट्टयमेंचा अधिकह)। *ṛtuvarṇa*—*Coll.* form of *ṛtuparṇa* (q.v.).

ऋत्विक—वि०। यज्ञ करनिहार, यजक जे व्यक्ति जकरा संकल्पक बरण केल जाइछ, अनुष्ठान कर्ता। [सं० ऋत्विज्]। तु० क० हि० ऋत्विज; बं०, असo ऋत्विक, ऋत्विज। मै० हि०

सा० मि० ई० (यज्ञमे **ऋत्विक** केँ माला देलथिन्ह) । *ṛtvika*—*Adj*. Sacrificial priest.

𑒇𑒠𑓂𑒡𑒱 **ऋद्धि**—सब तरहेँ उन्नति, बढ़ती तथा शुभ मंगल समृद्धि । [सं० ऋध + क्तिन्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० ऋद्धि; पा० **इद्धि**; प्राकृ० अद्धि, **इद्धि**; **इद्धी**; रिद्धि; प० रिद्ध; गु० रीध; सि० एद्धि । राम० ११ (चिरजीवी सन्तति अति **ऋद्धि**) । *ṛddhi*–Prosperity, all sorts of welfare or progress.

𑒇𑒠𑓂𑒡𑒱 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱 **ऋद्धि सिद्धि**—गणेश जीक दासी वा खवासिनी, समृद्धि तथा सफलता । [सं०] । तु० क० हि०,ने० ऋद्धि-सिद्धि । (प्रत्येक मनुष्य अपन **ऋद्धि-सिद्धिक** मनोकामना करैछ) । *ṛddhi siddhi*—Maid-servant of Ganeśa, wealth and success.

𑒇𑒭𑒦 **ऋषभ**—बड़द, सङ्गीतक स्वर विशेष, औषधि, मुनि एवं पर्वत विशेषक नाम, श्रेष्ठ । [सं० ऋष् + अभक] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, **ऋषभ**; पा० **उसभ**; प्राकृ० **उसभ**; ओअह; **रिसभ**; काश्मीरी **रिशु**; सि० **उसब्या** । वर्ण० ४७ (षड्ज, मध्यम, गन्धार, निषाद, **ऋषभ**, वैवत, पञ्चक सातहु स्वरे संयुक्त) । *ṛṣabha*—A bull, a musical tone.

𑒇𑒭𑒱 **ऋषि**–मुनि, तपस्वी, स्वार्थशून्य एवं ईश्वर-परायण व्यक्ति, तत्पस, आध्यात्मिक एवं भौतिक तत्त्व केर साक्षात्कार कएनिहार, मन्त्रक बलेँ देखनिहार; गायक । [सं० ऋष् + इन] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **ऋषि**, सि० पा० **इसि**; प्राकृ० **इसि रिसि** । (**ऋषिलोकनिक** पर्णकुटी एकान्त एवं निर्जन स्थानमे छैन्ह) । *ṛṣi*—A sage. very wise and pious man.

𑒇𑒭𑒱𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 **ऋषिकुमार**—मुनि पुत्र अथवा शिष्य । [सं०] । वर्ण० ४३ ऋषिकुमार देपुअह) । *ṛsikumāra*—A son or disciple of a Sage.

𑒇𑒭𑓂𑒙𑒱 **ऋष्टि**—दूनू कात धार युक्त खड्ग वा तरुआरि । [सं० ऋष—क्तिन्] । तु० क० बं० **ऋष्टि**, प्राकृ० **रिट्टि**; म० वीट, इट्टा, विओ; सि० इटि । वर्ण० ६१ (यष्टि **ऋष्टि** डाङ उछुस, दण्ड मुशल) । *ṛṣṭi*—A double edged sword.

𑒇𑒭𑓂𑒨𑒣𑒰𑒠 **ऋष्यपाद**–उञ्चास प्रकारक वायुमेसँ एकक नाम । [सं०] । वर्ण० (५६ अग्निमुक्त, युगब्रह्म, **ऋष्यपाद** सह, सरभ) । *ṛṣyapāda*—Name of a wind among fortynine vāyus.

𑒇𑒭𑓂𑒨𑒧𑒴𑒏 **ऋष्यमूक**—पर्वतविशेषक नाम, ई दक्षिण भारत मे महाराष्ट्र प्रान्त स्थित प्राचीन पम्पानगर वा पम्पापुरक लगमहक पर्वत जतए रामायण कालक पम्पापुरक राजा सुग्रीव अपन ज्येष्ठ भाइक भयसँ वास करैत छलाह । [सं० ऋष्य + मूक) । तु० क० हि०, बं०, अस० ने० **ऋष्यमूक** । वर्ण० ५७ (पुष्कर पुण्डरीक, **ऋष्यमूक**, सुवेल श्री पर्वत इन्द्रनील) । *ṛsyamūka*—Name of a mountain in south India.

𑒋

𑒋[1] **ए**[1]—मिथिला भाषाक एगारहम स्वर वर्णः एकर उच्चारण कण्ठ आओर तालुक माध्यम सँ होइत छैक । तु० क० बं०, अस०, ने० **ए** । e^1—The eleventh vowel.

𑒋[2] **ए**[2]—**प्रत्यय** । कर तथा धर धातुसं पर भूत मे प्रत्ययादि अ केँ—ए आदेश तथा धातुक र क लोप होइत अछि । ल० वि० ११६ (**कएल, धएल, कएलकैक, कएलकन्हि** इत्यादि); ओकारान्त धातुसँ पर भूत ओ भविष्यमे अ केँ ए आदेश होइछ । ल० वि० ११६ (**धोएलक, धोएत, धोएब**); पड़ धातुक योगमे सेहो धातुसँ पर आकस्मिक होएब अर्थ मे ए प्रत्यय होइत अछि तथा हो केँ म आदेश होइत अछि । ल० वि० १४४ (एहि वस्तुक कार्य भए पड़त; कखनहु भए पड़ैत अछि); ओकारान्त धातुसँ पर इ केँ ए आदेश विकार रूपमे होइत अछि । ल० वि० १४४ (ग) (धोए, बोए); करकेँ क, धर् केँ ध, द् केँ द, ल केँ ल तथा हो केँ भ आदेश ओ ताहि पर इ प्रत्यय केँ ए आदेश होइछ, ल० वि० १४४ (**कए, धए, लए, दए, भए**); पदक अन्तमे ए रहला सन्ताँ गुरु उच्चारण नहि होइत अछि । ल० वि० १५१ (कार्य वए **देखए** गेलहुँ); अवधारण ओ समुच्चयमे–ए प्रत्यय लगाओल जाइत अछि । ल० वि० १५२ (मालि + ए = मालिए, **अछिए**); अवधारणा ओ सम्मुच्चयमे तीनि ओ चारि शब्द सँ पर एवक स्थानमे सामान्यतः ए अबैत अछि तथा इ क लोप होइत अछि । ल० वि० १५५ (तीनिए चारिए); एव तथा अपि (अर्थात् ए) सामान्यतः शब्दक अन्तमे लगाओल जाइत अछि परन्तु स्वेच्छया मिश्र, ठाकुर, चौधरी उपाधिसँ युक्त संज्ञामे नामसँ पर वा उपाधिसँ पर लगाओल जाइत अछि । ल० वि० १५५ (राम **मिश्रे चौधरिए, ठाकुरे**) क्रिया पदमे जखन एव अपि प्रत्यय लगएबाक होइत अछि तखन धातु सँ पर अब प्रत्यय होइत अछि ओ ताहि अब प्रत्ययान्त सँ पर ए प्रत्यय लगाओल जाइत अछि तथा ताहिसँ पर कर् धातुक अनुप्रयोग होइत अछि आ तकरा परसँ तिङ प्रत्यय अबैत अछि अर्थात धातु ओ प्रत्ययक बीच मे अबेकर शब्द आबि जाइत अछि । ल० वि० १५७ देख + अबेकर + एत अछि = (देखबे करैत अछि); बहुधा अनुप्रयोगक विनहु साक्षात् क्रिया पदक अन्तमे ए प्रत्यय लगाओल जाइत आछि । (बसलाहे अथवा दसबो कएलाह); FML 76, 75, 91. e^2—Suffix.

𑒋[3] **ए**[3]—**अव्यय** । एकर प्रयोग सम्बोधन ओ जोर करबाक हेतु कएल जाइत अछि । [सं० हे] । तु० क० अव०, हि०, बं०, अस०, ने० **ए** । वि० पदा० मजु० १, राग त० ८६, गु० न० (हर) १, अ० ९१७ (रवि मण्डल परचण्डा कहिअ **ए**); वि० पदा० मजु० ८, ३० सा० प० पत्रिका ३०, १३०१, न० गु० ६, अ० १००३ (रन्ध्र कर लइलन नब **ए**); गो० श्र० १ अमर २ (**ए** हरि ... रसाल । विघटित वेश बनाइ पुन भाल); वि० वि० ११ (**ए** ... मोहि **सुनबन** नीर); ग्रि०; ग० वि० प० ४१ (जद ...

९७-१ (मैया ए) FML 32, चर्या ६ । ४ । *e*[3]—*Ind.* Interjectional word.

एँ **एँ**[1]—प्रत्यय । क धातुसँ वर्त्तमानमे सामान्यतः सप्त तिङ प्रत्यय अबैत अछि विशेष ई जे अहिं प्रत्ययक स्थानमे एँ प्रत्यय होइत अछि, ओ धातुसँ पूर्व अकार आगम होइत अछि । ल० वि० ११४ (क्+अहिँ=छेँ); संस्कृत पद ओ अधिक स्थानमे एँ प्रत्ययअछि मे ही अनुनासिक प्रधान शब्दमे लगैत अछि । ल० वि० १२२ (नहिएँ मेहिएँ); विकल्पान्त ई पर पाभर धातुसँ—एँ प्रत्यय लगैत अछि । ल० वि० १५३ (पाभर+एँ=पभरेँ) । *ẽ*[1]—Suffix.

एँ[2] **एँ**[2]—एहि (दे०) केर प्रा० मै० रू० । वि० पदा० मजु० १८२, गोपाल ९१५, न० गु० ६२ (सामर सुन्दर एँ बाट आएल); वि० पदा० मजु० २२७ (एँ मरे कुलक गारि); वि० पदा० मजु० ५३६ (आज कन्हाथी एँ बाटे आओब); FML 335 (एँ परि रातक मण्डल भैल); FML 429; 474. *ẽ*[2]—*Early* Maithili form of *Ehi* (q.v.).

एआमे **एआमे**—ऐयाम (दे०) केर का० रू० । लो० रा० ४५ (एआमे परगट होत हम); राम० ८२ (एआमे परगट होति) । *eāme*—*Poet.* Form of *Aiyāma* (q.v.).

एइ **एइ**—एहि (दे०) केर प्रा० मै० रू० तु० व० See 116 एइ । वि० ने० ब० २ (जओ खिड़िका एइ मति गोरि); FML 40?, रघुवंश (पंचम) ५६ । *ei*—Early Maithili form of *Ehi* (q.v).

एक **एक**—वि० । संख्याक प्रथम अंक, प्रथम, पहिल, श्रेष्ठ, बेजोड़, अनुपम, एसकर, सुन्दर, अनिश्चित, तुल्य, अन्य, एक सुहरा, एके रंगक । [सं० इण्+कन्] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव०, राज०, पा०, गु०, म०, ब० एक; प्राकृ० एकक, इक्को; लहन्दा हेक्क, हिबची प० इक्क, इक्का, हेको; हिको; उ० एक; ओ० एको सि० एक, इक, गु० एको, उर्दू यकक, एक । वर्ण० ११ (कहलि नौपति एक); गोरक्ष विजय २ (क) (रति एक दिन मेटाय × × = हि अधि); वि० पदा० मजु० ३०, न० गु० तालपत्र २६, अ० २८ (एक ठाम रहू बसी), राम० ८५ (भाओ अनुपम एक बाभा); मी० गु० १ अमर २ (आत्म प्रमाद कहै नहि पारिय गोविन्द दास एक साखि); मन० कृष्ण० १२ (एक दिन जसोमति निन्द अलसाय); राम० बाल० ४ (एक समय गिरिराज कुमारि); चर्या० ३ (एक से शुण्डी दुइ घरे सान्धअ); युग० १६४ (पहिने एक दिन बिचारि कयल); एक सँ एक्कैस < आशीर्वाद, सम्पत्ति-वंश बढ़ओ । *eka*—*Adj.* One, alone, best, first, indefinite number.

एकअनियाँ **एकअनियाँ**—एकअन्नी (दे०) केर विशेषण रू० । ना० वि० । *ekanaiyā*—*Adj.* Form of *eka-annī* (q.v.).

एकअन्नी **एकअन्नी**—प्राचीन रुपैयाक सोलहम हिस्सा, ६ नया प्रमाणक द्रव्य । [एक+प्राकृ० आणा > आना+ई] तु० क० बं०, असा०, ने० एकअन्नी; असा०, बं० एकआनी, एकानी । *ekaannī*—One ānā.

एकइशा **एकइशा**—एकइस (दे०) केर का० रू० । राम० ५१ (क्षत्रिय क्षय एकइशा बार); राम० २३० (एकइशा योजन सेतु); राम० ३५० (एकइशा गोट मुद्रिका नाम) । *ekhaśa*—*Coll.* Form of *ekaisa* (q.v.).

एकइ(कै)स **एकइ(कै)स**—बीससँ एक बेशी । [सं० एकविंशति] तु० क० अव० एकइस । FML 93,367; राम० ५५ (गारब क्षत्रिय एकइस बेरि); नच० १२ (पैरसँ एकइस देतहक) । *ekaisa*—Twenty one, 21.

एकउल्हा **एकउल्हा**—एकचुल्हिया (दे०) केर मै० पश्चिमी रू० FML 144 (एक चुल्ह) । *ekaulha*—*Western* Maithili form of *Ekaculhiā* (q.v.).

एक-एक **एक-एक**—क्रि० वि० । एक-एक के पृथक कए क, बेराबेरी अलगस्थाय, एक केर बाद एक । [सं०] FML 575; एक-एक कए देबनि = एक अन्तिम निर्णय कए लेब । *eka-eka*—*Adv.* One by one.

एकक **एकक**—एक-एक (दे०) केर संयुक्त रू० । अथवा एक केर । वि० पदा० मजु० ३१; न० गु० तालपत्र ७५, अ० २ (एकक हृदय अओक न पाओल); राम० १७० (एक एकक कोटि सेना) । *ekaka*—Of one, short form of *eka-eka* (q.v.).

एक्कें **एक्कें**—एक-एक (दे०) केर अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता ९६ (एक्कें ककें मेहवा परारी लच्छी मेहुला) । *ekakkẽ*—*Avahaṭṭha* form of *eka-eka* (q.v.).

एकओ **एकओ**—एकहु (दे०) केर प्रा० मै० रू० । कीर्ति० ४१ (पद एकओ छुअए न पाइअ); कीर्ति० ७०, वि० ने० २३४ (अधि हम लेद एकओ न भेल); वि० पदा० मजु० १२, राम० रा० ८, न० गु० (हर) ४, अ० ११३ (एकओ न जान तुअ आदि मरने); चन्द १९० (सब मत सुनि लेल एकओ न फल भेल) FML 362. *ekao*—*Early* Maithili emph. form of *eka* (q.v.).

एककइ **एककइ**—एक-एक (दे०) केर प्रा० रू० । वर्ण० ३५ (एककइ गल भारि) । *ekakai*—*Old* form of *eka-eka* (q.v.).

एककालीन **एककालीन**—वि० । एककाल सम्बन्धी, समकालिक । [एक काल+ईन] । तु० क० बं०, असा० एककालीन । (एककालीन समयक कविक चर्चा समान रूपेँ करब आवश्यक) । *ekakālīna*-*Adj.* Relating to one time, contemporarys.

एकगोट(ए) **एकगोट(ए)**—वि० । एकटा वा एक (मनुष्य) । [एकगोट+ए] । तु० क० कतगोट । आमक० २८ (एकगोटए केँ पत्र लिखने रहथि) । *ekagoṭa*(e)–*Adj.* One particular (man).

एकगोटिया **एकगोटिया**—खाट वा पलंग केर पहिल बेरक मोराव केँ वा मराकेँ दक्षिणी भागलपुरमे एकगोटिया कहल

जाइछ । [एकगोट + इआ > इया] । तु० क० दुगोटिया; चरगोटिया; ओरचन, एकजोरिया । B. P. L. 639. *ekagoṭiyā*—Bed made of one string is called *ekagoṭiyā*.

एकगोला—समस्त बस्ती वा समाज एकतापन्न होयब । दुगोला आदि नहि रहब । मि० भा० वि० १३७ । *ekagolā*—Absence of disunity in society.

एकघरा—वि० । स्वतुल्य दोसरा घरसँ रहित गाममे बसनिहार (दी०); अर्थात जाहि गाममे बसल अछि ओहिगाममे ओ अपन जाति वा अन्य प्रकारेँ एकसर । मि० भा० वि० १३७; मै० न० सा० ८४; सहोदर ३ । *ekagharā*—*Adj.* Alone in status or group (Mulagrāma) (q.v.).

एकघरिआ—एकघरा (दे०) केर हीनार्थक प्रयोग । बहुधा डोमकेँ एकघरिआ कहल जाइछ । [एक + घर + इआ] । (एकघरिया त हमरा गाममे केओ नहि छथि) । *ekaghariā*—Non-h. form of *Ekagharā* (q. v.).

एकचारा(री)—वि० । पृथक एकेटा चारसँ बनल घर, वा असओरा, एकचारी ओ चारी असओरा सेहवान सेहो कहबैछ । [एक+चार+आ (ई)] । तु० क० बं० एकचारी; दोसचारा; दोचारी; एकपलिया; दोपलिया BPL 1245; मधुश्रावणी १; नव० ६६ (मनसाक हेतु एकचारी) । *ekacārā(rī)*—*Adj.* A house single thatch.

एकचित—वि० । एकाग्र, स्थिरमन, शान्त चित्त, एकटक । [सं०] । तु० क० अस० एकचित्त । (एकचित सँ समस्त पुस्तक पढ़ि गेला) । *ekacita*—*Adj.* With fixed niud, intent upon one thing.

एकचुल्हिआ—वि० । एक मुँहवला चुल्हा जाहि पर कोनो एके तरहक पाक कएल जाए सकैक । [एक + चुल्हि + आ] । IAL Turner 120–2503; (एकचुल्हिआ पर जल्दी भानस चढ़ा दियौक) । *ekaculhiā*—*Adj.* Stove with one oven.

एकचोइ—एकचोपा (दे०) केर लु० रु० । वर्ण० २३ (एकचोइ दो चोइ धन, पलरा) । *ekacoi*—*Obs.* form of *ekacopā* (q.v.).

एकचोपा—तम्बूक एक प्रभेद (दी०); जाहिमे एकेटा चोप रहैछ । [एक + चोप] । *ekacopā*—Tent having single pole.

एकच्छ(छ)त्र—वि० । सार्वभौम (राजा); मात्र एक राजा द्वारा कएल गेल शासन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० एकछत्र; पा० एकच्छत्र; प्राकृ० एकच्छत्त; सि० एकसत । वि० पदा० मजु० १३; न० गु० (ह्र) ३८, अ० ९४५ (राय सिवसिंघ एकछत्र राज) । *ekac(ch)atra*—*Adj.* Sovereign (rule).

एकछा(छो)हा—वि० । [illegible] नहि, अगबे एक वस्तु (बहुधा धान्यादि); विशुद्ध [illegible] [एक + चेत्र (छाहा)] । मि० भा० प्रकार ३४ । *ekachā(cho)hā*—*Adj.* not mixed, of pure variety.

एकजनिआँ—वि० । एकहिटा [illegible] खाट, चौकी (पाक पात्रादि) [एक + जन + इआ] । (एकजनिआँ बर्तन तथा खाट तात्कालिक किनल अछि) । *ekajaniā̃*—*Adj.* Fit for one person (bed, utensil).

एकजाति—वि० । अभिन्न जाति, एक धर्मक समान आकृतिक सजाति, समान जति । [एक-जाति] । तु० क० बं० एकजाति, असाज्ज ति । (हमरा लोकनि एकजातिक पत्र नहि लेब) । *ekajāti*—*Adj.* Of the same caste or religion.

एकजिदिया—वि० । सुराह, एके वस्तु पर जोर देनिहार, अपन जिद्द पर अटल रहनिहार । [एक + जिद + इआ < इया] । तु० क० एकबोलिया । मै० न० सा० १०१ । *ekajidiyā*—*Adj.* One who is firm upon his whim, one-track minded, obstinate.

एकजुतिआ—वि० । जाहिमे एक व्यक्तिक जुति हो (दी०), जाहिमे एक व्यक्तिक अलावा अन्यक हस्तक्षेप नहि होइक । [एक + जुति + इआ] । मि० भा० वि० । (एकजुतिया कार्य उत्तम जकाँ सम्पादित होइछ) । *ekujutiā*—*Adj.* In which only one man prevails.

एकज्योति—उञ्चास प्रकारक वायुमेसँ एक केर नाम । ल० प्र० । [सं०] । वर्ण० ५६ (एकज्योति उभयज्योति [illegible]) । *ekajyoti*—Name of one of the traditional, forty-nine Vayus (q.v.).

एकटक—क्रि० वि० । निर्निमेष ताकब, बिना [illegible] खसओने देखब, ध्यानसँ ताकब, अपलक । [एक + टक] । मन० कृष्ण० २२ (एकटक नन्द तनय मुख ताक); राम० ३१५ (एकटक [illegible] निहारि); लाल० राम० ११४; प्रण० २०५ (एकटक निहारय [illegible]) । *ekaṭaka*—*Adv.* To look intently.

एकटकिया—वि० । एक रुपैयाक (नोट वा द्रव्य) । [एक + टाका + इआ] ससरफानी १५३ । *ekaṭakiyā*—*Adj.* Of one rupee (coin or note).

एकटङ्गा(ङ्गा)—वि० । एक टाङ्गपर स्थिति वा ठाढ़ । [एक + टाङ्ग + आ] । (एकटङ्गा देब) = एक टाङ्गपर ठाढ़ रहब, दीनतापूर्वक प्रार्थी होएब, उपासना करब, [illegible] *ekaṭṅā(ṅgā)*—*Adj.* [Standing on one foot.

एकटा—वि० । एक, कोनो एक अनिश्चित वस्तु एककेर विशेष रूप । [एक + (गो?)टा] । तु० क० [illegible] एकेटा । राम० ३१ (वत्स करक थिक एकटा [illegible]) (एकटा अनुपम वर आयल छथि); राम० ८६ [illegible]

मारि), प्रय० ४ (एकटा काजिल धोती रहय); चित्रा १२ (सकलि धोबीक एकटा पका फैलन्हि); पुरु० ६२ (सकल मनोरथ स्थान एकटा बेरा); मि०; (एकटा सुनय दसटा कहब)। *ekaṭā—Adj.* One, a particular (thing).

एकटार—पृथक महासनादिक परस्पर सम्बन्ध (दी०); अन्य अवसाह वस्तुक सम्पर्क या एक सेभर सब वर्णक लोक भोजनमे भाग-पिवए लागब। *ekaṭāra*—Mingling of different communities in eating etc.

एकटंगा—एकटङ्गा (दि०) केर क्रि० रू०। राज० ६५ (जकमत जकाँ एकटंगा देने ठाढ़ छी)। *ekaṭāṅgā—Alt.* Form of *ekaṭaṅga* (q.v.).

एकट्ठा—क्रि० वि०। एकत्रित, मिलल, गोलसारा, [सं० एकस्थ]। तु० क० बं० एकठाई; प्राकृ० एगत्थ, एगट्ठम; प० इक्कट्ठ; अको; इकट्ठा; उ० एकाठि; हि० एकत्रा एकठा; इकट्ठ; गु० एकठु। मी० २८-२९-६१ (जाँ दश पण्डित एकट्ठा मेलहुँ); द्विरा० ६१ (अपना ओहिठाम एकट्ठा करक चाहि छिऐक); अम० ३७ (एकट्ठा करबाक मन्त्र); मि०। *ekaṭṭha-Adv.* Jointly in one place, together.

एकठहुरी—क्रि० वि०। एकमुष्ट, एकहि बेरमे [एक+मुहिठ अथवा ठहरब, ठौर, ठहुरी]। एकठहुरी (एकटा उठा लिय)। *ekaṭhahurī—Adv.* At a time.

एकठा—एक काठक बनाओल (नाओ) (दी०); [एक+काठ]। (एकठा नाओ पर नहि पार पार करबहुँ); BPL. 35. एक बात पर अवश्य परम सैद्धान्तिक लोकनि सेहो एकठा नाओ कहल जाइत छैक कारण एक काठ बला नाओ मे कतहु भूर नहि होइत छैक जाहिसँ भीतर पानि आइक। *ekaṭhā*—A boat made of one piece of wood.

एकठाम—क्रि० वि०। एकत्रित, एकट्ठा, मिलल, साथी, गोलसारा, एक स्थान पर। [एक+ठाम]। तु० क० बं० एकठाँइ। राम० १५२ (कपट रहित मिलि मिलि एकठाम); प्रया० ३५ (एकठाम हमरो रहल नयद्दूर सरकार भेल); पुरु० १६४ (एकठाम कय अद्भुत सौ सिक्क अयल)। *ekaṭhāma—Adv.* In one place, joint, together.

एकढ़ुवा—वि०। एकाढ (दे०) केर ग्रा० रू०। (एकढ़ुवा पानर जार पर सगरो सबमानि जाय गेल); (हिनका लोक एकढ़ुवा पानर बना देने छैन्हि सबसँ जकरा लोक पुरा देलक)। *ekaḍhbā—Adj. Coll.* form of *ekāḍha* (q. v.).

एकतरफा—वि०। एकदिशाय, एके दिसिसँ, दोसर दिसिसँ नहि। [फा०]। तु० क० अस० एकतर्फा; एकतरफा; उर्दू एकआदिसा। छद्र० १२७ (जहाँ एकतरफा फैसला करैत छी); प्रया० १२८ (मुदद पार्टीक एकतरफा किछो मेहि गेलैक)। *ekatarphā-Adj.* Pertaining to one side, one-sided.

एकता—ऐक्य; मेल, संहति, अभेद। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० एकता; पा० एकत्त; सि० एकतु। राम० १७६ (मेल एकता देह सम); नव० ३६। (ई कथा बिनु एकता आ बिनु धर्मक कोना सत्य हयत?)। *ekatā*—Unity, identity.

एकतान—वि०। एकाग्र चित्त, तन्मय, लीन, व्यस्त। [सं०]। तु० क० एकतानी हि०, ने० एकतान। (एकतानसँ भावना देत रहलाह)। *ekatāna—Adj.* Concentrated, attentive.

एकताब—क्रि० वि०। पूर्ण जोरसँ, बिना कोनो व्यवधान आ कि विश्राम कए कार्य। [एक+ताप>ताओ (अग्नि)? अथवा फा०]। कान्ति ५१। *ekatāba-Adv.* With enthusiasm and without any break.

एकतारा—एक तारवला सितार वा बाजा। [एक+तार+आ]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० एकतारा। व्य० वि० १८६ (चर्म, एकतारा)। *ekatārā*—One stringed musical instrument.

एकताल(ली)—वि०। संगीतक १२ मात्रावाला ताल विशेष, लगातार। [सं०]। तु० क० अस०, बं०, ने०, राज० एकताल। वर्ण० ४८ (निसाङ, परिताली एकतालली); (एकतालसँ संगीत होइत रहल)। *ekatāla(lī)—Adj.* Musical note for tone of 12 matras.

एकतालिस—वि०। चालिस आओर एक, चालिससँ एक बेसीक, गणना। [सं० एकचत्वारिंशत]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० राज० एकतालिस, एकतालीस; पा० एकचत्तालिसं; प्राकृ० इगयाल; इयालिस; सि० एकेतालीह; लहन्दा इकताली; पं० अकताली; उ० एकचालिस; म० एकतआ; ओड़िसा उर्दू एकचालिस। FML 369, 375 *ekatālisa—Adj.* Forty-one, 41.

एकतालिसम—वि०। एकतालिस केर संख्या वा स्थान। [सं० एकचत्वारिंशतम]। मि० भा० विवेतन ५३। *ekatālisama—Adj.* The number or place of 41.

एक तिल—वि०। एको तिल सदृश अर्थात् एको रत्ती नहि। [सं०]। तु० क० एक रत्ती (दे०), कुरमिसिभा (दे०); (तिल एक सयन जयन रब करइछ)। *eka tila-Adj.* Not even a bit slight.

एकतिस—वि०। एकतिस संख्या बोधक शब्द, तीस आर एक संख्या। [सं० एकत्रिंशत्]। तु० क० बं०, हि०, अव० एकतिस; हि० इकतीस; सि० एकट्टिह; लहन्दा; इकत्री. प० इकत्तरी, इकत्ती; म० एकतिस। FML 368. *ekatisa—Adj.* Thirty-one, 31.

एकतिसम—वि०। एकतिस केर संख्या वा स्थान। [सं० चकत्रिंशततम्] मि० भा० वि० ५३। *ekatisama* —*Adj*. The number or place of thirty-one.

एकतुरिआ—वि०। एकवयस्क (दी०), समान वयस्क केर वा समवयस्क। [एक + तुल्य > तुर + इआ]। (एकतुरिआ सभ अपन फराके एकटा दल बनओलक)। *ekaturiyā*—*Adj*. Of the same age, of equal age.

एकत्व—एक होएब, एकता, एकताक भाव, एसकरुआ [सं०]। तु० क० असं०, बं०, हि० एकत्व; पा० एकत्त; सि० एकतु; ओतुव। (हमरासभमे एकत्वक भाव उत्पन्न करब अहाँक कार्य थिक)। *ekatva*—Unity, identity, oneness.

एकतन्त्र—एकच्छत्र, एक राजा द्वारा शासन। [सं०]। तु० क० हि० एकतन्त्र। (एकतन्त्र राज्य विरले भेटत)। *ekatantra*—*Adj*. Monarchy.

एकतन्त्रीय—वि०। एक राजा द्वारा अनुशासित (राज्य)। [सं०]। मिहिर १ (२-६२-८०)। *ekatantrīya*—*Adj*. Monarchic.

एकदन्त—वि०। एक दाँत बला, गणेशक नाम। [सं०]। तु० क० हि०, राज० एकदन्त; असं० एकदन्त। अमर १० (एकदन्त, हेरम्ब, लम्बोदर)। *ekadanta*—*Adj*. Who has one tooth, name of Ganesh.

एकदम—वि०। नितान्त (दी०), अत्यन्त, अत्यधिक, शीघ्र, जल्दी। [एक दम]। तु० क० बं० एकदम; हिं० उर्दू एकदम। छट्ठ० ६ (एकदम मौलिक); पारो २७ (मौसम्मात बला विषय बुझि एकदम अंठिया दैत गेलैक); ग्रि०। *ekadama*—*Adj*. Whole-heartedly, completely, at once.

एकदम्म—एकदम (दे०) केर वा० रू०। श्री जगन्नाथ पुरी यात्रा २०; रङ्ग० ६६ (हमरा लोकनिकेँ एकदम्मे बिसरि गेलाह)। *ekadamma*—*Coll.* form of *Ekadama* (q.v.).

एकदा—क्रि० वि०। एक समय, एक बेर। [सं०]। तु० क० असं०, हि०, बं०, ने० एकदा। पुरु० १७३ (एकदा सूर्य्य ग्रहण काल)। *ekadā*—*Adv*. Once upon a time.

एकदाय—एकदाक प्रा० लु० रू०। वर्ण० २८ (से एकदाय नायक काँ शरीर लागि गउ)। *ekadāya*—*Obs.* form of *ekadā* (q.v.).

एकदिना—वि०। एक दिनमे सम्पन्न भेनिहार। [एक + दिन + आ]। मि० भा० वि० १४०। *ekadinā*—*Adj*. Which ends in a day.

एकदिसाह—क्रि० वि०। एक तरफा (दी०); एक दिसि सँ, एक पक्षसँ एकभग्गू, पक्षपाती, एक दिसि झुकल वा टेढ़। [एक + दिशा + आह]। (ओ एकदिसाह गारि देने चल जाइत छथिन्ह)। *ekadisāha*—*Adv*. One sided.

एकधा—अव्यय एक प्रकार, एक तरहक ... [सं०]। तु० क० बं० एकधा। अलयी कुल प्रकाश ३६ ... —*Ind*. In one way.

एकनिष्ठ—वि०। जकरा एक पर श्रद्धा वा निष्ठा हो, एकाग्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० एकनिष्ठ। अम० ३२५। *ekaniṣṭha*—*Adj*. Who has devotion upon one, determined, concentrated.

एकन्त—एकान्त (दे०) केर का० रू०। गो० ... १ अमर ४६ (एतहु विपद रहय एकन्त। गोविन्ददास कह लाज ने अन्त)। *ekanta*—*Poet.* form of *Ekānta* (q.v.).

एकन्नी—एकअन्नी (दे०) केर वि० रू०। मिहिर ६ (२-६१-५१)। *ekannī*—*Alt.* form of *ekaannī* (q.v.).

एकपट्टा—वि०। एक पाटक ओढ़ना विशेष। [भोज० एक + पाट + आ]। तु० क० एकपल्लिया; दो पट्टा। (एकपट्टा कार्य नहि चलत); डा० उ० ना० ति० ७५। *ekapaṭṭā*—*Adj*. Wrapper of single-piece.

एकपरतार—वि०। कोनो एक समय (दी०)। [एक + प्रस्तार]। एकपरतार विदेशिया गीत खूब चलल रहैक। *ekaparatāra*—*Adj*. At one time.

एकपर्णा—अठारह पतिव्रता नारीमे सँ एकक नाम। [सं०]। वर्ण० ५६ (आदिति, दिति, एकपर्णा, रुक्मिणी, रोहिनी)। *ekaparṇā*—Name of one of the proverbially known eighteen chaste women.

एकपलिया—सजगाक अर्थ मे। छोट लोकक ग्राम्य बोली। [एक + पल्ला + इआ]। तु० क० एकपट्टा। BPL 1254; तु० क० एकपल्ला। *ekapaliyā*—*Folk* form, a thin cotton wrapper.

एकपाद—उत्तान वा उतान होएबाक सोड़ ... आसन मे सँ एकक नाम। [सं०]। तु० क० बं० एकपाद। वर्ण० २६ (एकपाद; अर्द्धपाद, कर्क्कटक)। *ekapāda*—Name of a yogic exercise.

एकपादा—एकपदारिक मन्त्र जाहिमे एके पाद होइक [सं०]। वर्ण० ४१ (एकपादा दण्डपादा, समकर्णी तुल ...)। *ekapādā*—*Adj*. Name of one-syllabled chant or spell.

एकपिठिया—वि०। पीठे पर जन्म लेनिहार (बच्चा)। बहुधा अपना जेठ छोटक विचार नहि कए जे ... सँ उपरा-उपरी करैछ, एक पृष्ठ लिखल कागज। [एक — पीठ + इआ]। तु० क० असं० एकपिठिया। मिथिलादर्शन ६-४ ... एकपिठिया जकाँ होइत रहै अछि); (एकपिठिया मे गेलैक ...

ṭhiyā—*Adj.* Who is like one born next and behaves as an equal.

एकपुरुषिआ—वि० । एक पुरुष योग्य धनादि (दी०); जकरा वंशमे बहुत पुरुषमे एके पुरुष समाज जीवित हो, एक सन्तति क्रम । [एक + पुरुष + इआ] । (एकपुरुषिआ वंश ठीक नहि) । *ekapuruṣiā*—*Adj.* Which has had single progeny generation after generation.

एकपे(पें)ड़ि(रि)आ(या)—वि० । एकगोटाक योग्य चलबाक संकीर्ण रास्ता (दी०), बड़ी कम चौड़ाइक संकीर्ण मार्ग । [एक + संपथ > पेड़ा + इआ] । मिथि० १०–२५–१२ (लगक रास्ता एकपेड़िया छलैन्हि); मि० भा० प्रकाश २४ (एकपेड़िया एकपेड़िया); हिरा० २११ (चाहि हारे सबक छोटि एकपेड़िया पेल गेल); नव० ११ (टीलन सिधुक एकपेड़िया सप्रतन्हि) । *ekape(p̃)ḍi (ri) ā(yā)*—*Adj.* Which path is fit for one man, only a narrow foot path.

एकफक्का—आधा फाँक कयल (सुपारी) (दी०) । [एक + फाँक + आ] । (एकफक्का सुपारी नेने आयब) । *ekaphakkā*—*Adj.* Halved betel nut.

एकफसिला (ली)—वि० । एक बेर उपजनिहार खेत वा वृक्ष । [एक + वि० फसल + आ (ई)] । BPL 803 (एकफसिली अम गछ); (ओ खेत एकफसिला अछि) । *ekaphasilā(lī)*—*Adj.* Land or tree which produces only once in the year.

एकबग्घा—खेला-विशेष (दी०) । [एक + बाघ + आ] । *ekabagghā*—A kind of play.

एकबट्टी—भनसा घरसँ लए भोजनस्थली पर्यन्त एक गोटे चलबा योग्य पानिसँ नीपल वा सिक्त पवित्र मार्ग । [एक + बाट + ई] । *ekabaṭṭī*—A passage purified with water from the kitchen to the dining place.

एकबटिया—वि० । एकबट्टी क विक० रू० । (रिक्तलोकनि माइ-द्वितीया दिन भोरे कहि एकबटिआ नीपैत छथि) । *ekabaṭṭiyā*—*Adj.* Alt. of *Ekabaṭṭi*.

एकबट्टू—वि० । जकरा दोसर बाट नहि हो । [एक + बाट + ऊ] । *ekabaṭṭū*—*Adj.* Having only one way or track; track fit for one man.

एकबतरिआ—वि० । एक वयसक (दी०), समवयस्क, समान वयस केर । [एक + बतारि + आ] । (दुनू विदिघीत मालमे विरोध स्नेहक कारणे अवसमे एक दोसरा सँ बेड़ रहतहुँ एकबतरिआ जकाँ डोलत रहैत छन्हि) । *ekabatariā*—*Adj.* Of same age.

एकबधा—वि० । सौंसे बाधमे एक जनाति सेंजैना एकबधा मूग, एकबधा मकै । [एक + बाध] । *ekabadhā*—*Adj.* Having same crop throughout the *bādha* (q. v.).

एकबरखा(खू)—वि० । एक वर्षक निर्मित, एक वर्ष रहनिहार (दी०) । [एक + वर्ष > बरख + आ(ऊ)] । (ई मखान एकबरखा थिक) । *ekabarakhā(khū)*—*Adj.* That which has lasted a year.

एकबार—अकबार (दे०) केर मा० रू० । तु० क० उर्दू फा० एखबार । मि० भा० कोष ३०; (एकबार कहे जल्दी आनब) । *ekabāra*—*Coll.* form of *akhabāra* (q.v.).

एकबाल—तेज, प्रभाव, प्रताप, भाग्य, सौभाग्य, भीक भाग्य । [अर० इकबाल] । तु० क० हि०, उर्दू इकबाल । (हुनकर इकबाल बुलन्द छलन्हि मरैत-मरैत बचलाह) । *ekabāla*—Luck, prosperity.

एकबाहि—वि० । एक दिशा वा भाग झुकल, एकलगाह । [एक + भाग > बाहि] । FML 322. *ekabāhi*—*Adj.* Leaning on one side.

एकबोलिआ—वि० । जे बोल मुँह सँ बहराय गेल ताहिपर दृढ़ रहनिहार, एके बात पर अटल रहनिहार (व्यक्ति); जिद्दी, सिद्धान्तक पक्का । [एक + बोल + इआ] । *ekaboliā*—*Adj.* Who sticks to what one happens to speak once.

एकभ(ग्गा)हा(ग्गू)—एक भाग झुकल (दी०) । [एक—भाग + आदि] । तु० क० एकबाहि मुग्धबोधिनी २२६ । *ekabhagāha(ggū)*—Bent on one side.

एकभुक्त—संयम पूर्वक व्रतादिक हेतु एके साँझक भोजन । मि० ३४१ (हुनका सबदिनँ एकभुक्त हविष्य भोजन) । *ekabhaukta*—Fast of taking one time meal.

एकभूमि—(मल्लयुद्धक) अखाड़ा । सं० प्र० । [एक + भूमि] । वर्ण० ४५ (तदनन्तर एकभूमि भल) । *ekabhūmi*—Wrestling ground.

एकमत—वि० । एक वा समान मतक, एक विचार केर । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, उ० एकमत । चन्द्र० ३३६ (एकमत बनि रहू); मौ० ६८–१२ (सम्पूर्ण ग्रामवासी एकमत भै बालकलोकनिकेँ पढ़ाबी); नव० ११ (ताहिमे सब एकमत छल) । *ekamata*—*Adj.* Having the same mind upon one object.

एकमतिआ—वि० । एकहि वा समान विचार रखनिहार । [एक + मति + इआ] । तु० क० सोझमतिया । मि० भा० विद्योतन १३७ । *ekamatiā*—*Adj.* Who has fixed or similar views.

एकमत्य—एकमत (दे०) केर मा० रू० । आमक०

१६ (एहि विषयमे एकमत्य होएब कठिन)। *ekamatya*—*Coll.* form of *ekamata* (q. v.).

एकमसिआ **एकमसिआ**—वि०। एक मासक जनमल नेना (दे०)। [एक+मास+इआ]। मि० भा० वि० ६२ (एकमसिआ नेनाक हेतु विशेष कष्ट उठबए पड़ैत छैक)। *ekamasiā*—*Adj.* (A child) of one month.

एकमस्सू **एकमस्सू**—एकमसिआ (दे०) केर विक० रू०। मि० भा० वि० ६२। (एकमस्सू नेना सन देखबा मे नहि लगैछ)। *ekamassū*—Alt form of *Ekamasiā* (q.v.).

एकमहला **एकमहला**—वि०। एक महलक (दी०), (कोठा)। [एक+महल+आ]। मि० भाषा कोष ३७ तु० क० उर्दू एकतल्ल, एकमहल। *ekamahalā*—*Adj.* Having one storey only.

एकमान **एकमान**-सईस, एक्काकेँ चलओनिहार। [एक्का+वान]। प्रण० २५५ (एकमान कहलकैन्ह), प्रण० २५६ (आब एकमानो अड़ि गेलैन्ह)। *ekamāna*—*Ekka* (q.v.) driver or owner.

एकमात्र **एकमात्र**—वि०। दोसर नहि, केवल एक। [सं० एक+मात्र]। तु० क० बं०, अस० एकमात्र। मि० उद० १५६–१८ (मैथिलीक एकमात्र साप्ताहिक पत्र इएहटा अछि); आमक० १८ (एकमात्र भाइ हुनका सँगे आएल रहथिन्ह)। *ekamātra*—*Adj.* Only one.

एकमुखी **एकमुखी**—वि०। एकमुँह बला (रुद्राक्ष)। [एक+मुख+ई]। तु० क० हि० एकमुखी। (एकमुखी रुद्राक्ष)। *ekamukhī*—*Adj.* Having one face (*Rudrākṣa.*)

एकमुहिया **एकमुहिया**—वि०। एकोन्मुख (दी०), एके दिस सभटा मुँह कएल। [एक+मुह+इआ]। (क्रम देखैत छी एकमुहिआ भए गेल छैक)। *ekamuhia*—*Adj.* One-sided.

एकमोनी **एकमोनी**—वि०। कच्ची अठतालिस सेर प्रमाणक तौल वा बटिखारा। [एक+मोन+ई]। मि० भा० वि० २४२। *ekamonī*—*Adj.* Which is of one *maund* (q.v.) weight.

एकम्मा **एकम्मा**—वि०। पृथक लटकल मात्र एक आम। [एक+आम+आ]। मि० भा० कोष ३७ (एकम्मा मे निशान साधि कए मारू जे टुटिकए खसि पड़ए)। *ekmmā*—*Adj.* Which is a separately hanging single mango.

एकर **एकर**—सर्व०। एहि (वस्तुक) तथा हिनकर केर अनादरार्थक रूप। वि० ने० ११४ (नागरि करब एकर जए); मन० कृष्ण० ५ (एकर उचित फल पयबह काली); राम० २६६ रंग एकर लगइछ नीक); चन्द्र० ३६ (पाप की एकर सन अछि जग); मै० हि० सा० (मि० ई०) ३ (एकर तीन विभाग छल)। *ekara*—*Pron.* Of this and Nonh. form of *Hinakara* (q.v.).

एकरङ्गा **एकरङ्गा**—वि०। वस्त्र विशेष [illegible] लाल अथवा एक वर्ण केर (वस्त्र), विशेष कए सालू [illegible] रँगलाहा सूतसँ तैआर (कपड़ा)। [एक+रङ्ग+आ]। [illegible] एकरङ्ग। मौ० ११–११ (एकरङ्गा अस्तर लगवाद [illegible] ३४ (ताहि दिन ककरो सासुर सँ एकरङ्गा अबैक)। *ekarangā*—*Adj.* Of one (red) coolured (cloth).

एकरत्ती **एकरत्ती**—क्रि० वि०। एकदम अल्प, कनिर्हें सँ कनिएँ, एको मिसिआ। [एक+रत्ती]। तु० क० बं० एकरत्ती। (एकरत्ती दही जोरनक हेतु पठा देब)। *ekarattī*—*Adv.* Extraordinarily little, infinitesimal.

एकरदन **एकरदन**—एक दाँतबला गणेश। [सं०]। तु० क० हि०; राज० एकरदन। गौरी स्वयम्बर ६ (लम्बोदर करिवदन एकरदन अभिराम); ग० प० १५ (एकरदन गणनाथ प्रणत)। *ekaradana*—Gaṇesha, son of Shiva.

एकरहि(हु) **एकरहि(हु)**—एकर (दे०) केर निश्च० रू०। मौ० १७–८ (एकरहि बुझथि बड़ा यन्त्र)। *ekarahi(hu)*—*Emph.* form of *ekara* (q.v.).

एकरा **एकरा**—एकर (दे०) केर विक० रू०। प्रण० ६५ (एकरा छोड़ि क तोरे पर चढ़ि जेबौक); नव० ५ (सगौरव एकरा स्वीकार कएलक); मि० उद० १५७–१७ (एकरा प्यूलासँ (पिउलासँ) बलिष्ठ भए जाएब)। *ekarā*—Alt. form of *ekara* (q.v.).

एकरार **एकरार**—इकरार (दे०) केर विक० रू०। मि०। *ekarāra*—*Alt.* form of *ikarāra* (q. v.).

एकरि(री) **एकरि(री)**—एकर (दे०) केर प्रा० स्त्री० रू०। व० २३ (एकरी अनुपति); वर्ण० २४ (चार पाँच एकरि अनुगति); *ekari(ri)*—*Early* Maithili form of *ekara* (q.v.).

एकरेँ **एकरेँ**—एकर (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वर्ण० १३ (एकरेँ संयोगेँ ल (गा) ओल); FML 409. *ekarẽ*—*Early* Maithili form of *ekarahu* (q. v.).

एकरो **एकरो**—एकरहु (दे०) केर वा० रू०। मिहि० उद० १५८–७ (एकरोक फल परिपाटी झलकै लागल)। *ekaro*—*Coll.* form of *ekara* (q.v.).

एकल **एकल**—वि०। एसकर वा एसगर, एकमात्र, अद्वितीय, दोसर केयो नहि, मात्र एक गोटए। लु० रू०, का० रू० [illegible] एकल्ल]। तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, ने०, [illegible] प्राकृ० एक्कल्ल; इक्किल; लहन्दा इक्कुल; पं० अकल्ल; इ[illegible] उ० एकला; म० एकला; सि० एकलो; गु० एकल; [illegible] गु० एकलउँ। गो० वि० ७ (ख) (बहुल कामिनी एकल [illegible] ने० ४४ (एकल भमर बहुत कुसुम कमन ताहेरि [illegible] (एकल विक्रमादित्य सन्ध्या समय) *ekala*—*Adj.* [illegible] only one

एकलखत **एकलखत** –वि० [illegible]

सदृश; समतुल्य । [एक + लेखा + त] । मि० भा० कोष ३७ । *ekalakhata—Adj.* Equal.

एकलव्य—एकटा भील जातिक युवक जे आचार्य द्रोणाचार्यक प्रतिमाकेँ गुरुक सदृश मानिकए तथा अपन समय राखि धनुर्विद्या प्राप्त कएलक आ गुरु द्वारा गुरु दक्षिणा मँगला पर अपन दहिना हाथक आँठा काटि कए दए देलकन्हि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० ओड़ि०, अव०, एकलव्य । (एकलव्ये न भेल अछि) = एकलव्यक समान बुद्धिमान ओ साहसी शिष्य बनब । *ekalavya* —Name of devoted disciple of Dronācārya.

एकलि—एकल (दे०) केर स्त्री० तु० रू० । वि० पदा० मजु० ६०, नेपाल १६७; तालपत्र नं० तु० २०६, अ० २०७ (एकलि नारि कत अनुरंजब); वि० प० मजु० ८१; तालपत्र नं० तु० २६१, अम० २८६ (धन दल एकलि हरिणी); गो० न्० १ अमर १३ (एकलि निकुंज धनि फुल शर नरन्नर पन्थ निहारए तोरा) । *ekali—Fem.* obs. form of *ekala* (q.v.). a way.

एकलेखे—क्रि० वि० । एकर्गोदक मत वा विचार सँ, एक तरहेँ । [एक + लेखा + हि] । *ekalekhe—Adv.* In

एकलेब—वि० । एक बेर लेबल (दी०) । [एक + लेबल] । *ekaleba—Adj.* Single coated.

एकल(लें)य—एकार मात्राक चिन्ह । मि० भा० कोष ३७; FML 26 । *ekala(lẽ)ya*—Mark of the mātrā of *ekāra*.

एकवचन—व्याकरण मे ओ वचन जाहिसँ एक केर बोध वा ज्ञान होइक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, राज०, अव०, नै० एकवचन । द्विरा० ११६ (कुन्चीदाह केँ एकवचन बहुवचन बुझाबय लगलन्हि । *ekavacana*—Singuler number.

एकवट्टी—एकवट्टी (दे०) केर विक० रू० । प्रवा० ६० (साथ एकवट्टी क नेने अविनीन); बैदेही १४-२७१ (एकवट्टी दिशसँ एबनहि); अमिलही ३० । *ekavaṭṭī—Alt.* form of *ekabaṭṭī* (q.v.).

एकवर्ण—वि० । एक रंगक वा एक समान, एक वा समान प्रकारक । [सं०] । तु० क० बं० एकवर्ण । (ई फूल सभटा एकवर्णक अछि) । *ekavarṇa—Adj.* Coloured of equal veriety.

एकवर्षिआ—वि० । एक वर्ष मे उत्पन्न भे-निहार वा एक वर्षक होना । [एक + वर्ष + इआ] मि० भा० वि० ६१ । *ekavarṣiā—Adj.* One year old (child).

एकवर्षु—एकवर्षिआ (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० वि० ६२ । *ekavarṣū—Coll.* form of *ekavarṣiyā* (q.v.).

एकवार—एकबार (दे०) केर विक० रू० । नव० ११० (किवाड़ी खोलने एकवार बैसल छलाह); नव० ६ (गोड़ तिमिषक एकबारो आबए लागल रहए) । *ekavāra—Coll.* form of *ekabāra* (q.v.).

एकविसओ—एकइस (दे०) केर प्रा० मै० रू० । FML 367 । *ekavisao—Early* Maithili form of *ekaisa* (q.v.).

एकश्रम—उनचास प्रकार वायुमेसँ एक केर नाम । तु० रू० । [सं०] । वर्णं० ६६ (एकश्रम समित, सित, जित, नह) । *ekaśrama*—Name of a vayu among forty-nine vayus.

एकश्वरे—एकसर (दे०) केर अशु० वा० मि० रू० । कथा २० (मायमे सेहो एकश्वरे अधि) । *ekaśvare—Err. Coll.* Emph. form of *ekasara* (q.v.).

एकसओँ—वि० । एकसम, बराबरि, अनुच्चा-वच, समतल । [एक + सम > सओँ] । तु० क० हि० एकसाँ । मि० भा० कोष ३७; FML 512. *ekasaõ—Adj.* Plain, not uneven and low.

एकसठि—वि० । साठि आ एक एकसठि, साठि सँ एक बेशी संख्या । [सं० एकषष्ठि] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै०, अव०, राज० इकसठ; एकसठि; प्राकृ० एगसट्ठि कोती एकहठ सिहा० एकहठि लहन्दा, पं० इकाहठ; पं० अकाहठ उ० एकसाठि; गु० एकसठि; FML 371. *ekasaṭhi—Adj.* Sixty-one, 61.

एकसट्ठिम—वि० । एकसठि संख्याक अंक वा स्थान वस्तु । [सं० एकषष्ठितम] । मि० भा० वि० ४४ । *ekasaṭṭhima—Adj.* Sixty-first.

एकसर—वि० । असकर, असगर, एकाकी । [एक + सर] । तु० क० बं०, अव०, नै० ४४ (एकसर वन चन्दा); वि० पदा० मजु० ६म, न० तु० तालपत्र ३७१ अ० ३६म (एकसर मनमथ छह जिव मारए); मन० कृष्णा० २१ एकसर नहि संग कुल परिवार); राम० १३२ (एकसर बचलहुँ हमरा समाज); पुरु० १६० (एकसर नहि निर्णय करी, बन्ध कुटम्ब विधि आनि)) मि०;FML 262; (एकसर वृहस्पतियो भुट) = एक वाहि सँ किछु नहि भए सकत । *ekasara—Adj.* Alone, not with another.

एकसरि—एकसर (दे०) केर स्त्री० रू० । तु० क० बं०, एकसरि । वि० गी० २६६ (हमे एकसरि पियतम नहि गाम); वि० पदा० मजु० ११६; तालपत्र नव० तु० ५०७, अ० ३१४ (की हमे एकिक एकसरि तारा); राम० ६८ (एकसरि कहँ कहँ बधि परिपाल); चित्रा ६ (एकसरि नहु नहु विमल आकाश सँ) । *ekasari—Fem.* form of *ekasara* (q. v.).

एकसरिये—एकसरि (दे०) केर निश्च० रू० ।

चन्दा झा ओ प्रकृति प्रेम ५; कन्या० ११ (फुलमतिया एकसरिये अछि)। *ekasariye—Emph.* form of *ekasari* (q. v.).

𑒋𑒏𑒮𑒩𑒹 **एकसरे**-एकसर (दे०) केर बा० नि० रू०। मो० ७१-३५ (सब कार्य राक्षण एकसरे करैत छलाह); चित्रा ५२ (एकसरे अछि ठाढ़ तारक गाछ)। *ekasare—Coll. Emph.* form of *ekasara* (q.v.).

𑒋𑒏𑒮𑒰𑒪𑒰 **एकसाला** –वि०। एक सालक (वस्तु), एक वर्षक। [एक + साल + आ]। मि० भा० वि० ६२ BPL 803 **एकसलिया**। *ekasālā—Adj.* (A thing) of one year.

𑒋𑒏𑒮𑒱𑒓𑓂𑒒𑒰 **एकसिङ्घा**—वि०। बड़दक एकटा सिंघ टूटल, जाहि बड़दक एकटा सिंघ टूटल होइक, सिंघटुट्टा। [एक + सिंघ + आ]। BPL 1108; (एकसिंघा बड़दक चालि त देखू)। *ekasiṅghā —Adj.* (A bullock) with only one horn.)

𑒋𑒏𑒮𑒱𑒩𑒰 **एकसिरा**—अण्कोशक रोग विशेष जाहिमे एक भागक सिर फुलि जाइछ। [एक + शिरा]। *ekasirā*—One-sided swelling in testicles.

𑒋𑒏𑒮𑓀𑒗𑒰 **एकसंझा**—वि०। एक बेरुका भोजन पर भरि दिन वा राति रहब (रविव्रत) जाहि मे बिना नोनक सङ्ग अपराह्न मे भोजन कयल जाइत अछि। [एक + साँझ + आ]। तु० क० प्राकृ० **एगासण** गु० एकासणुँ; सिहा० एकहणो। एकभुक्त (दे०) व्य० वि० ३२३ (केओ एकसन्झे करैत छथि); मधुश्रा० ११। *ekasainjhā —Adv.* Eating only once a day.

𑒋𑒏𑒮𑓀𑒦𑒩 **एकसंभर**—एकटार, एक दोसर अपवित्र वस्तु सँ सम्पर्क वा छूति। [एक + संभर]। मि० भा० कोष ३८ (अइँठ काँठ कात क राखू, नहि त एकसंभर भए जाएत)। *ekasambhara*— —Contamination with an impure thing.

𑒋𑒏𑒯𑒏 **एकहक**—वि०। एक एक, अलग-अलग, बेरा-बारी। [एक + ए(ह)क]। एहि शब्दक एकक (दे०) सेहो रूप होइछ। मन० कृष्ण० ३६ (दुइ कृष्णक विच एकहक नारि); नव० १०२ (तकरा एकहक टाकँ छोड़ाबउ लागल)) *ekahaka—Adj.* One by one, consecutively.

𑒋𑒏𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱 **एकहत्तरि**—वि०। सत्तरिसँ एक बेशी, सत्तरि एक एकहत्तरि। [सं० एकसप्तति]। तु० क० हि० एकहत्तर; बं०, एकहत्तरि, प्राकृ० एकहत्तरि; काती एकसत्थ; सिहा० एकहत्तरि; लहन्दा इकहत्तर; पं० इकहत्तर; अहो; उ० एकस्तरि; ओतुरि; गु० एकोतेर; म० एकेहत्तर। FML 372; 76? अम० २१ (एकहत्तरि उक्त दिव्य युगक)। *ekuhattari—Adj.* seventy one 71

𑒋𑒏𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱𑒧 **एकहत्तरिम**—वि०। एकहत्तरि संख्याक वस्तु वा स्थान वा अङ्क। [एकसप्ततितम्]। तु० क० प्राकृ० **एकसत्तरिम**। मि० भा० वि० ५४। *ekahattarim—Adj.* (A thing, place or point) of the number seventy-one.

𑒋𑒏𑒯𑒟𑒰 (𑒟𑒲) (𑒟𑒴) एकहथा (थी) (थू) —वि० जकरा एक हाथ होइक वा एक हाथ वला मनुष्य; जे वस्तु [illegible] उपयोग करए। [एक + हाथ]। वर्ण० ११ ([illegible] एकहथा दोहथा); FML 62; 510. *ekahathā* [illegible] —*Adj.* One-handed, which is handled by one man only.

𑒋𑒏𑒯𑒢¹ **एकहन¹**—वि०। अन्न रखवाक विभिन्न विभाग मे सँ एक भागक नाम, एक हन्ना, अन्न रखवाक स्थान वा विभाग। [एक + हन्ना <खाना> हन्न + हन]। FML 263, *ekahana¹ —Adj.* (Room for a) single species of grain.

𑒋𑒏𑒯𑒢² **एकहन²**—एकहन बीआ जाहिमे एके तरहक अन्न होइक। [एक + अन्न]। *ekahana*—Seeds of the same quality of paddy.

𑒋𑒏𑒯𑒩𑒰(𑒩𑒲) **एकहरा(री)**—वि०। छोट-छीन, [illegible] केर, विशेष भारी नहि, ने विशेष पातर ने मोट। [एक + हर (हर—अंश)]। FML 266; मिहिर ३८-३६-११ (देह एकहरा; एकहरा गेना फूल देखबा मे बढ़िया नहि लगैत छैक); (एकहरी पथिआ)। *ekaharā(rī)—Adj.* Single, thin.

𑒋𑒏𑒯𑒰𑒟 **एकहाथ**—वि०। एक हाथ प्रमाणक (अन्तर)। [एक + हाथ]। वर्ण० ३३ (निर्म्मलि चमोजा एकहाथ तंका परिचर्ने वाटि)। *ekahātha—Adj.* of one hand (measure).

𑒋𑒏𑒯𑒰𑒩𑒰 **एकहारा**—एक तरहक वस्तु (दी०); एक प्रकारक वस्तु। [एक + हरा]। एकहरा (दे०) क विक०(ई सभटा एक-हारा। गेना थिक) तु० क० हजारा। *ekahārā*—of one kind, single thin Equal status.

𑒋𑒏𑒯𑒱(𑒯𑒱𑒿) **एकहि(हिँ)**—एक (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० १४, रामभद्रपुर पोथी १८७ एकहि जनने इन्द्रदत्त आन); वि० पदा० मजु० २५५ (एकहि नगर बसु माधव रे जनु कर बटमारी); राम० २७ (एकहि ठाम देख पड़त नरेश); मि० रद० १५८-१६ एकहि बेरि कलम रोपि); FML 315, *ekahi(hi̐)— Emph.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒯𑒳 **एकहु**—एक (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० ११२, राग त० ८१; न० गु० ४७५, अ० ४८३, (एकहु भवन बसि दरसन बाध); राम० ३७ (एकहु जनक [illegible] लहतैन्हि); FML 577. *ekahu—Emph.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒯𑒳𑒪𑓂𑒪𑒰 **एकहुल्ला**—वि०। [illegible] निर्बाध घास आदि खएलक तेँ मोटाएल, मस्त। [एक + [illegible] —आ]। *ekahullā—Adj.* Which is brought up undisturbed by the presence of others.

𑒋𑒏𑒯𑒹𑒛𑓃𑒱𑒁𑒰 **एकहेड़िआ**—वि०। [illegible] एक हेड़ वा जेरमे रहनिहार। [एक + हेड़ [illegible]] [illegible]

देव; (एकहेड़िया बन्ना संबक साल तक देखू)। *ekahedīā—Adj.* Gregarious.

𑒋𑒏𑒯𑒼(𑒯𑒿𑒼)𑒏 **एकहो(हों)क**—एकहक (दे०) केर भा० रू०। वर्णा० ३३ (तलवारि एकहोंक करनें); वि० पदा० मजु० ३३; न० गु० तालपत्र १५; अ० ६० (दुभओ मथन लइ एकहोंक लाग्य)। *ekaho(hõ)ka—Coll.* form of *ekahaka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒞𑓂𑒩 **एकत्र**—क्रि० वि०। एक ठाम जमा, अर्जन, सङ्कलन, एकट्ठा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव० एकत्र। मि० उद० १५८-९ (जेना विश्वविद्यालयक हेतु धन एकत्र भेल); पुरु० २६ (तत्र एकत्र संग्राम प्रवेश); प्रया० १५६ (प्रदीलनीय वस्तु एकत्र केला उपर); नव० ६२ (चारिटा छओंरा एकत्र भैल आ नाच मे कतओ मारिधोँ किनका लोकनिकें नहला देलकन्हि)। *ekatra—Adv.* In one place, together, gathered.

𑒋𑒏𑒞𑓂𑒩𑒱𑒞 **एकत्रित**—वि०। एक संग मिलल, जमा कएल, उपार्जित, सङ्कलित, एकट्ठा कएल। [एकत्र+इत]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० एकत्रित। मि० १७० (हम एकत्रित अछि)। *ekatrita—Adj.* Together, gathered.

𑒋𑒏𑒰 **एका**—एक (दे०) केर का० रू०। एकता। चन्द्र० ७ (सोढ़ों एका सर्वाधार)। *ekā—Poet.* form of *Eka* (q.v.), unity.

𑒋𑒏𑒰𑒃(𑒄) **एकाइ(ई)**—संख्याक तालिकाक प्रथम अङ्क, एकसँ लए नवसए धरिक गणना। [एक+आइ]। एकसँ नओ धरिक संख्या जे एक अङ्क मे लिखल जाए। FML 380. *ekāi*—The first digit in the table of numbers.

𑒋𑒏𑒰𑒍𑒢 **एकाओन**—एकावन (दे०) केर ग्रा० रू०। FML 370. *ekāona—Coll.* form of *ekābana* (q.v.).

𑒋𑒏𑒰𑒋𑒏 **एकाएक**—क्रि० वि०। अकस्मात, अति-शीघ्र, सहसा, अचानक [फा० यकायक]। तु० क० हि० एकबारगी, बं० एकबारे। वि० स्वा० मजु० १ राम्ला० ६१; न० गु० (हर) १, अ० ६२१ (एकाएक सहस्र जौ धारिनि); मि० ३६६ (मन्दिरक द्वारसभ एकाएक भड़ाक बन्द भ गेल (छल)); प्रया० ८१ (आइ एकाएक चिनगारी प्रकट भ गेलैन्ह); नव० ५० (सैन्हल एकाएक भक द बरि उठलह)। *ekāeka—Adv.* Suddenly, by chance.

𑒋𑒏𑒰𑒋𑒏𑒲 **एकाएकी**—क्रि० वि०। एक एकटा क्रमसँ, एक एक कएकें। [एका+एक+ई]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० एकाएकी। (सभगोटा मन्दिर सँ एकाएकी बहराइत गेलाह)। *ekāekī—Adv.* One by one, by turn.

𑒋𑒏𑒰𑒏𑒰𑒩 **एकाकार**—एक आकार भए जाएब, मिलि जाएब, मिश्रित होएब, मिश्रण होएब, एकरूपता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं० ने०, राज० एकाकार। प्रग० ४२ (कागज मे सटि कए एकाकार भ गेल छलैक)। *ekākāra*—Mixture, having the same form.

𑒋𑒏𑒰𑒏𑒱𑒢𑒱(𑒢𑒲) **एकाकिनि(नी)**—एकाकी (दे०) केर स्त्री० रू०। राम० ३२६ (चिन्ता एकाकिनि मन बाढ़ि); पुरु० २३३ (तत्र एकाकिनि रानी महावीर वन मे); रत्न ६४ (परन्तु एकाकिनि महिलासँ की फइल जाओ)। *ekākini(nī)—Fem.* form of *ekākī* (q.v.).

𑒋𑒏𑒰𑒏𑒲 **एकाकी**—वि०। असगर, दोसर लोकक संग नहि, एके गोटा, असहाय। [सं० एकाकिन्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव०, राज० एकाकी। राम० १६६ (एकाकी कानन बसथि); चन्द्र० १६० (एकाकी धन कानन भ्रमलहुँ), मि० उद० १५९-१५ (एकदिशि एकाकी दुर्बल ब्राह्मण); पुरु० २२० (एकाकी नर धनवान); म० वि० १३५ (वर एकाकी धन नहि धाम)। *ekākī—Adj.* Alone, helpless.

𑒋𑒏𑒰𑒑𑓂𑒩 **एकाग्र**—वि०। जकर ध्यान एक दिश गड़ल हो, चञ्चलतारहित, निश्चल, जकर चित्त एकमे लीन हो, स्थिर, एक दिश स्थिर। [सं० एक+अग्र]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव० राज० एकाग्र। राम० १२ (मन एकाग्र सुजप हम कयल); प्रग० १६७ (मन कैं एकाग्र नहि कए सकलाह); रत्न ६७ (हम एकाग्र चित्तसँ निर्निमेष दृष्टि अवैत रहलहुँ)। *ekāgra-Adj.* Concentrated on one thing.

𑒋𑒏𑒰𑒑𑓂𑒩𑒞𑒰 **एकाग्रता**—निश्चलता, निश्चितता, एक दिश चित्त वा ध्यान होएबाक भाव, तल्लीनता, ध्यानावस्था, चित्तक स्थिर होएब। [सं० एकाग्र+तल्–टाप्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० राज० एकाग्रता। मि० उद० १५७-२० (तावि काल एकाग्रता के कारणें); लइ० ५० (जहाँ एकाग्रता तथा मनः शुद्धिक प्रश्न छैक)। *ekāgratā*—Concentration.

𑒋𑒏𑒰𑒓𑓂𑒏𑒲 **एकाङ्की**—एक अङ्क बला नाटक। [एक+अङ्क+ई]। मि० १ (एहि एकाङ्की)। *ekānkī—Adj.* One act play.

𑒋𑒏𑒰𑒓𑓂𑒑𑒲 **एकाङ्गी**—वि०। एक अङ्गक। [एकाङ्ग+ई]। वि० पदा० मजु० १५४, न० गु० १३ अ० १०२४ (कुच एकाङ्गी एकल थीर)। *ekāngī*—One limbed, one-sided.

𑒋𑒏𑒰𑒙𑒰𑒩 **एकाटार**—एकतम्भर, परस्पर सम्बन्ध (दो०)। [एक+टारब वा टार]। मि० भा० फोष ३८ अपवित्र वस्तुक संङ्ग आनो वस्तु एकाटार भए रहल अछि)। *ekāṭāra*—Contaminated with an impure thing.

𑒋𑒏𑒰𑒜𑓃 **एकाढ़**—नेर फुद्दू मुख्य वानर। [एक+सं० आढ्य]। (दो०)। *ekāṛha*—A misguided chief monkey.

𑒋𑒏𑒰𑒞𑒣𑒞𑓂𑒩 **एकातपत्र**—वि०। एकाधिकार। [सं०]। *ekātapatra—Adj.* Sovereign.

𑒋𑒏𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 **एकात्मक**—वि०। एक आत्माक, एक अङ्ग द्वारा संचालित (सरकार)। [सं०]। मिहि० १३ (३६२-११६); (एकात्मक सरकार नेपाल मे अछि)। *ekātmaka—Adj.* Unitary.

𑒋𑒏𑒰𑒠𑒬 **एकादश**—त्रि०। एगारह, दस आ एक। [सं०]।

तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० एकादश; प्राकृ० एक.दसि; गु० एगिय रसि; पा० एकदस; उ० एगार प्रा० गु० इग्यार, गु० अग्यार; म० अक्रा; सि० एकोलस; एकोलस; लहन्दा यरहरौं; पं० यारौं; गियारौं; अव० गेरा। ग्रि०; आमक ६२ (सावित्री एकादश श्रेणीक छात्रा)। *ekādaśa—Adj.* Eleven.

𑒋𑒏𑒰𑒠𑒬𑒰(𑒯) **एकादशा(ह)**—कोनो व्यक्तिक मृत्युक एगारहम दिन मे कएल गेल कृत्य वा श्राद्ध। [सं०]। तु० क० हि० एकादशा। मि० उद० १५७–१५ (एकादशाह ओ द्वादशाहक कार्य); खट्ट० २५ (एकादशा पर्यन्त कैँ नहि छोड़ी)। *ekādaśa (ha)*—The *śraddha* ceremony which occurs on the eleventh day after the date of death.

𑒋𑒏𑒰𑒠𑒬𑒱 **एकादशि**—एकादशी (दे०) केर का० रू०। राम० बालकाण्ड ४ (एकदशि तिथि कय उपवास)। *ekādaśi—Poet.* form of *ekādaśī* (q.v.).

𑒋𑒏𑒰𑒠𑒬𑒲 **एकादशी**—प्रत्येक चान्द्र मासक कृष्ण पक्ष वा शुक्ल पक्षक एगारहम पवित्र व्रतयोग्य तिथि। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० एकादशी। मि० उद० १५८–२२ (विगत पौष शुक्ल एकादशी); दत्त० ६१ (परसू एकादशीक उपवास); पारो ३२ (पौसी के एकादशी रहैन्ह); चित्रा ५७ (आधुनिक विज्ञानसँ यदि बाढ़ि तैँ रा बुझि पड़इ एकादशी माहात्म्य)। *ekādaśī*—The eleventh day of a lunar fortnight.

𑒋𑒏𑒰𑒠𑒮 **एकादस**—एकादश (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ३७५ (प्रथम एकादस दइ पहु गेल)। *ekādsa—Poet.* form of *ekādaśa* (q.v.).

𑒋𑒏𑒰𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩 **एकाधिकार**—वि०। पूर्ण प्रभुत्व, अक्षुण्ण अधिकार, कोनो वस्तु व्यापार कार्य देश आदि पर एकमात्र अधिकार। [सं० एक + अधिकार]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० एकाधिकार। रंग ८० (अपन एकाधिकार स्थापित कएने छलाह)। *ekādhikāra—Adj.* State of being in supreme power.

𑒋𑒏𑒰𑒢𑒥𑒹𑒿 **एकानबे**—वि०। नब्बेसँ एक वेशी, [सं० एकानवतिः]। तु० क० बं० एकानइ; एकानब्बइ; प्राकृ० एकाणउइम; काती अकनमय; ने०एकानबे; सि० एकानवे; लहन्दा एकानबे; पं० इकाणमे; ओण्वेँ; अकानवेँ उ० एकाणोइ; एकाणोइ; अव० इक्यानबे; हि० एकानबे; गु० एकाणुँ; म० एक्याण्णव। FML 373. *ekānabe—Adj.* Ninety-one, 91.

𑒋𑒏𑒰𑒢𑒹𑒏 **एकानेक**—क्रि० वि०। एकसँ अनेक होएब। [एक + अनेक]। वि० पदा० मजु० १, राग त० ८६, न० गु० (हर), अ० ६११ (एकानेक सहस की धारिणी अरि रंगा पुरनन्ती)। *ekāneka—Adv.* Countless forms from one.

𑒋𑒏𑒰𑒢𑒾𑒮𑒹 **एकानौसे**—वि०। एक सए एकानबे। [सं० एकनवतिशत]। FML 376. *ekānause—Adj.* One hundred ninety-one.

𑒋𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞 **एकान्त**—वि०। निर्जन, [illegible] होइक वा नहि रहैत हो,। [सं० एक – अन्त]। तु० [illegible] अस०, एकान्त; पा० एकन्त; प्राकृ० एगन्त, [illegible] राम० ९८ (अपने विनु नहि रहथि एकान्त); [illegible] (एकान्त स्वार्थपरता छाड़ि); मि० उद० १५७–१९ (एकान्त [illegible] शक्ति प्रसाद प्रार्थिनी भेलि छलिहि); प्रण० ६८ (एकान्त [illegible] [illegible]ना जेवाक ई प्रथमे अवसर छलैन्ह); पुरु० १६५ (यावत एक [illegible] अपेक्षा तकितहि छलाह); पारो २१ (अपने धरि जखन एकान्त [illegible]। *ekānta—Adj.* Solitary, alone, most lonely spot.

𑒋𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 **एकान्तर**—क्रि० वि०। एक केर अन्तर अर्थात् एक केर बाद दू नहि, तीन; एकव्यवहित, तृतीय; एक पुरुष व्यवधान युक्त। [सं० एक + अन्तर]। तु० क० बं० एकान्तर; म० एकाँत्रा। (कोनो स्त्रिगणक एकान्तर पुरुष बच्चा केर बाद स्त्री बच्चा जनमैत छैक)। *ekāntara—Adv.* Alternately.

𑒋𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞𑒯𑒱 **एकान्तहि**—एकान्त (दे०) केर निश्च० रू०। राम० १२४ (एकान्तहि कर जोड़ी); नव० (६४ सौंसे एकान्तहि ने ककरो सुनबाक थिक)। *ekāntahi—Emph.* form of *ekānta* (q.v).

𑒋𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒏 **एकान्तिक**—एकान्त (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं० एकान्तिक। चन्द्र० ३१२ (कैलह नहि एकान्तिक ध्यान); मिहि० ३६–२४–८ (जीवन यात्रामे एकान्तिक ओतेक भार स्वरूप नहि प्रतीत होइत छैक)। *ekāntika*—P[illegible] form of *ekānta* (q.v.).

𑒋𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞𑒲 **एकान्ती**—कनफुसकी, लोक समसँ हटि कम जोरसँ गप्प करब। [एकान्त + ई]। कन्या० २८ (हटि कए एकान्ती करए गेलाह) नव० ४२ (हुनक भागिन सेहो ताहि एकान्तीमे अपन कानकेँ भिड़औने छलाह)। *ekāntī*—Whisper, aside, talk secretively.

𑒋𑒏𑒰𑒥𑒢 **एकाबन**—वि०। पचाससँ एक वेशी, पचास आ एक एकाबन। [सं० एकपञ्चाश अथवा प्राकृ० एकावण्ण]। तु० क० हि० एक्यावन, ने० एकावन; प्राकृ० एगावण्ण; सिन्धी एकवञ्जाह; लहन्दा इक्वञ्ज; पं० इक्वञ्जा; उ० एकावन; म० गु० एकावन। *ekābana—Adj.* Fifty-one, 51.

𑒋𑒏𑒰𑒥𑒢𑒧 **एकाबनम**—वि०। एकावन अङ्कक वस्तु स्थान वा संख्या [सं० एकपञ्चाशम्]। मि० भा० वि० ५३। [illegible] *nama*—The thing, place or number of fifty-one.

𑒋𑒏𑒰𑒩¹ **एकार¹**—मिथिला मे एकलेँक मात्रा द्वारा [illegible] एकलेँ (दे०) क चिन्ह। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने०, एकार मि० भा० वि० ६६; मि० भा० प्र० ४४। [illegible]—The letter e, the mark of *e* (in Mithilakṣara).

𑒋𑒏𑒰𑒩² **एकार²**—तिरस्कारमय वचन [illegible] [रिकार]। (एकार मारि सभ सङ्ग गप्प करब [illegible]

—Non-h. coll. addressing of (someone).

𑒋𑒏𑒰𑒩𑒥𑒰𑒿 **एकारबाँ**—एक समय । [एक (दे०)] वर्ण० ५३ (मांस एक रबाँ चला) । *ekārbā̃*—One time, once.

𑒋𑒏𑒰𑒩𑒱 **एकारि**—वि० । जकर चारू दिशि कटाति कटल हो, एकर सभासिकता खेत । [एक + आरि] । मि० भा० कोष ३८; (चारू दिशिक खेतक धान कटने हमर खेत एकारि मे पड़ि गेल) । *ekāri—Adj.* Which has corn fields reaped on all sides but its own corn lies unreaped.

𑒋𑒏𑒰𑒩𑒹𑒿 **एकारेँ**—[एककरैत<एकारैत>एकारेँ] । वर्ण० ११/२ । *ekārẽ*—

𑒋𑒏𑒰𑒩𑓂𑒝𑒫𑒰 **एकार्णवा**—स्त्री० । जलमग्न, प्रलय पयोधि, वस्तुक भिन्नता नहि रहि जाइत छैक तेहन दीपन । [सं० एक + अर्णव] । तु० क० बं० एकार्णव पु० । पारी ४५ (पृथ्वी एकार्णवा भुमि पत्रविन्द) । *ekārṇavā—Fem.* Over-flooded so that distinctness is lost.

𑒋𑒏𑒰𑒩𑓂𑒟 **एकार्थ**—क्रि० वि० । एक अर्थ या भाव । [एक + अर्थ] । मि० २ (मण्डल शब्दक एकार्थ भेल) । *ekārtha—Adv.* One or same meaning.

𑒋𑒏𑒰𑒫𑒪𑒲 **एकावली**—एक प्रकारक अलंकारक नाम, एक प्रकारक मौक्तिक एकतार लरा हार वा माल्यक नाम, एक स्त्रीक नाम । [सं० एक + अवली] । तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, म० राज० एकावली; एकपंक्ति । वर्ण० ४ (मुक्ता एकावली); अमर १४२ (एकावली मुक्ता हारक नाम); (एकावली परिणय) । *ekāvalī*—A single stringed necklace, a figure of speech, name of a woman.

𑒋𑒏𑒰𑒬𑓂𑒩𑒧 **एकाश्रम**—सम्मिलित आश्रम वा परिवार, एक परिवार । [एक + आश्रम] । मौ० ९३-१३ (एकाश्रम मे निर्वाह करताह से नहि) । *ekāśrama*—Joint family.

𑒋𑒏𑒰𑒮𑒢 **एकासन**—लगातार आसन पर बैसब, एक बैसबाक मुद्रा । [एक + आसन] । राम० १०१ (एक आसनसँस्थित सुर रह) । *ekāsana*—One seat, one mood of seating.

𑒋𑒏𑒰𑒮𑒲[1] **एकासी**[1]—वि० । अस्सी सँ एक बेसी, अस्सी आ एक । [सं० एकाशिति] । तु० क० हि० इक्यासी; असा० एकाशी; बं० ने० एकासी; प्राकृ० एक्कासीई कासी अकासिय, सि० एकासी; लहन्दा, पं० इकासी; स्वा०, उ० एकासी गु० म० इक्यासी । FML 375 नव कुसुम १७ । *ekāsī—Adj.* Eighty-one, 81.

𑒋𑒏𑒰𑒮𑒲𑒧 **एकासीम**—वि० । एकासी संख्याक वस्तु वा स्थान [एकाशीतितम्] । मि० भा० वि० ५४ । *ekāsīma*—*Adj.* Place or thing at number eighty-one.

𑒋𑒏𑒰𑒯 **एकाह**—वि० । एके दिनुक पाठ [पाठ, अनुष्ठान आदि] । बेला सुन्दरकाण्डक एकाह पाठ । [सं०] । *ekāha*—Lasting one day (religious vow etc).

𑒋𑒏𑒰𑒯𑒳𑒞 **एकाहुत**—एक भाग झुकल, एकतरह । [एक + आहुत] । बीर कन्या ३६ । *ekāhuta*—Bent towards one side.

𑒋𑒏𑒰𑒏𑓂𑒭 **एकाक्ष**—वि० । कनाह । [सं०] । *ekākṣa*—*Adj.* One-eyed.

𑒋𑒏𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩 **एकाक्षर**—वि० । एक अक्षरक वा आखरक । [एक + अक्षर] । तु० क० बं० एकाक्षर । मौ० १०३-२४ (जे एकाक्षर ज्ञान देलिहार व्यक्ति कैँ गुरु बुझैत छल ह); (एकाक्षर मात्र) । *ekākṣara—Adj.* One letter.

𑒋𑒏𑒱[1] **एकि**[1]—एक (दे०) केर प्रा० रू० । वि० पदा० मनु० २४६, न० गु० तालपत्र ७६०; मि० ३२, अ० ७६८ (सपना एकि सखि देखल मोर्य आज) । *eki*[1]*—old poet.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒱[2] **एकि**[2]—एक (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० पदा० मनु० ५३८, न० गु० तालपत्र १७४ (एकि आ अबलहु न आएल गेलि) । *eki*[2]—*Fem.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒱𑒏𑒱𑒁𑒞 **एकिकिअत**—सबटा केँ एकमे मिलाएब, मिश्रित करब, एकीकरण । [सं० एकीकरण] । वर्ण० १७/१ । *ekikiata*—To make into one; uniting.

𑒋𑒏𑒲𑒏𑒩𑒝 **एकीकरण**—एकमे मिलएबाक क्रिया, एकठा करबाक कार्य । [सं०] । तु० क० बं० एकीकरण । (सभ वस्तुक एकीकरण उपरान्त कार्य आरम्भ होएबाक चाही) । *ekīkaraṇa*—The act of making one.

𑒋𑒏𑒳 **एकु**—एक (दे०) केर प्रा० तु० का० रू० । तु० क० अव० एकु । वर्ण० ८ (कौडि मार्ग एकु दिसहि समाइ) । *eku*—*old.* Obs. poet. form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒳𑒧𑒢𑒰 **एकुमना**—एक तरहक वा समान मन वा विचार [सं० एकमनः] । वर्ण० २३/२ । *ekumanā*—Same thinking, equal thinking, like-minded.

𑒋𑒏𑒹 **एके**—एक (दे०) केर बा० ओ का० नि० रू० । वि० मे० ७८ (एके अबला दे कुपित पञ्चबान); वि० मै० २१४ (एके पए विधाता मोर, सम कर कामिनि सिरजल तोर); राम० १५० (देह दुइ एके मन जीव); वर्ण० २८/६; मौ० ९३-८ (एके शास्त्र पढ़ैत छथि); मि० उत० १५७ म (किन्तु धर्मीगा एके मोदें'; प्रभा० ६ (एके बेरि जे हैतैक से खा लैब); नवा० १२ (एके परिवार मध्य दुइक भोजनक प्रबन्ध रहबाक) । *eke*—*Coll.* and poet. form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒹𑒙𑒰 **एकेटा**—एकटा (दे०) केर निश्च० रू० । तु० क० अव० एकेटा । प्रभा० १११ (परन्तु एकेटा रहए सकल ने), *ekeṭā*—*Emph.* form of *ekaṭā* (q.v).

एकेलि—एकलि (दे०) केर प्रा० छ० रू०। चर्या० २८/३। *ekeli—old* obs. poet. form of *ekali* (q.v.).

एकेले—एकल (दे०) केर प्रा० छ० का० रू०। चर्या० ३९/५। *ekele—old* Obs. poet. form of *ekala* (q.v.).

एकेहिँ—एके (दे०) केर निश्च० रू०। राम० १९ (एकेहिँ वेरि अनुराग बढ़ाओल)। *ekehĩ—Emph.* form of *eke* (q.v.)

एकैँ—एकटा (दे०) केर प्रा० वा० रू०। वर्ण० ६ (एकैँ अपूर्वे विश्वकर्माओ)। *ekẽ—Old.* Coll form of *ekaṭā* (q.v.).

एकैस—वि०। बीससँ एक अधिक, बीस आ एक। [सं० एकविंशति]। तु० क० हि० इकीस, प्राकृ० एगविसा; एआइस; एक्कविसई, प० इक्की; लहन्दा एक्की; सि० एकहि; उ० एकाइस अव०, बं० एकौस; गु०, म० एक्कीस। मि० भा० कोष ३८। *ekaisa—Adj.* Twenty-one, 21.

एकैसम-वि०। एकैसक पूरक। [कएविंशतितम्]। तु० क० प्राकृ० एकविंशम्। मि० भा० कोष ३८। *ekaisama—Adj.* The number 21.

एको—एक (दे०) केर निश्च० ओ० का० रू०। वि० पदा० मजु० १२१; नव० ग्र० ६५२; अ० ७६७ (सहजहि एको नहि मोरा); वि० पदा० मजु० ३२४ (हीरा मनि मानिक एको नहि माँगव); राम० ३९ (एहन न अछि एको प्रस्ताव); महेश० १४ (एको न देखै छी पुण्य कथा); ग्रि०; मि० उद० १५७–३ (एको व्यक्ति नहि); प्रण० ४२ (पानि एको चूरु छैके नहि); चित्रा ३७ (जँ होए एको रत्ती सिनेह बेटाक हेतु); पारो ४ (हाथ एको रत्ती नहि सुग्बुगौलै)। *eko—Emph.* and *Poet.* form of *eka* (q.v.).

एकोटा-एकटा (दे०) केर नि० वा० रू०। खट्ट० ३६ (एकोटा दृष्टान्त दिय); प्रण० ३० (एकोटा बात त हमर रहए)। *ekoṭā—Coll. Emph.* form of *ekaṭā* (q. v.

एकोद्दिष्ट—वार्षिक श्राद्ध, कोनो व्यक्तिक मृत्युक तिथिक अनुसार प्रत्येक वर्ष मे कएल गेल श्राद्ध। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० एकोदिष्ट। द्विरा० १५८ (तोरा की एकोद्दिष्ट करबाक छोक), रंग ७५ (मौजीक एकोद्दिष्ट कएने रहथि); नव० ७७ (पूजा पाठ पार्वण एकोद्दिष्ट)। *ekoddiṣṭa*—A śrāddha for one person every year according to *tithi*.

एकोन—एक दिश टेढ़। [एक+कोन(नाह) अथवा एक+ऊन]। *ekona*—Not straight on one side.

एकोपक्रम—एक उपक्रमसँ; एक प्रकारेँ क्रमशः समुचित रूपेँ। [एक+उपक्रम]। मो० ९७-१२ (एकोपक्रम [illegible] वर्ष नहि)। *ekopakrama*—Continually, in proper sequence.

एकोर[1]—एक भगाह, एक दिश कम [illegible] दबल। [एक+ओह]। तु० क० एकोन। (माछक चङेरा एकोर लगै छैक मधुरक चङेरासँ)। *ekora*[1]–Less loaded on one side.

एकोर[2]—एक छोर पर, अन्तमे, बीच वा मध्यमे नहि अपितु ओहिसँ हटिकेँ। [एक+छोर>ओर]। (हुनक घर एकोर मे पड़ैत छन्हि)। *ekora*[2]—In the last (place).

एकोरत्ती—क्रि० वि०। अल्प मात्रा, कनिञे। [एक+रत्ती]। प्रण० १४ (देखब एकोरत्ती संकोच नहि करब)। *ekoratti—Adv.* Even little.

एकोलप—वि०। एकहु लप, अर्थात् एक हाथमे जतबा अन्नादि अँटए [एक+लप]। मि० उद० १५७–९ (निज परिजन हेतु एकोलप ने)। *ekolapa—Adj.* One handful at least.

एकोँछ—एकदिशाह, एक दिश ऊँच वा दोसर झुकल (खाम्ही प्रभृति)। [एक+ऊँच]। *ekõcha*—Uneven height.

एकौ—एको (दे०) केर वा० रू०। राम० २३९ (एकौ गोटय नै बाहर जाह)। *ekau—Coll.* form of *eko* (q.v.).

एकौटा—एकोटा (दे०) केर वा० रू०। मो० १७१–१० (एहन टाका एकौटा राजमे पहुँचैत छैक); मि० उद० १५७–५ (एकौटा हँस अपन चोंच सावधान कै)। *ekauṭā—Coll.* form of *ekoṭā* (q.v.).

एकौर[1]-एकोर[2] (दे०) केर वा० रू०। खट्ट० १५ (महादेवसँ एकौर भ क रहैत छलाह)। *ekaura*[1]*—Coll.* form of *ekora*[2] (q.v.).

एकौर[2]—वि०। तेसरा दिन पर लागए वला अथवा एकसँझू लागएवला (महीँस) [एक+हु+ओर]। *ekaura*[2]—(Buffalo or cow) (Which yields milk) on alternate days, which yields milk one time a day only.

एकौल्हा—एकहुल्ल (दे०) केर वि० रू०। FML 77. *ekau'hā—Alt.* form of *ekahu'lā* (q.v.).

एकौँस—एक दिश लबल वा लदल [एक+अंश]। मि० भा० कोष ३९। *ekaũsa*—Tilted [illegible] side.

एकक—एक (दे०) केर अवहट्ट रू० [illegible] (अकुशल बेवाह एकक पइ आर तुम्ह परताप) [illegible] form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒍 **एक्कओ**—एक (दे०) केर निश्च० रू०। कीर्तिलता ४५ (तब्बहु न मुक्किय एक्कओ दिरि केशव कायस्थ)। *ekkao—Emph.* form of *ekka* (q. v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒞𑓂𑒟 **एक्कत्थ**—एकत्र (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ७ (पुनु एक्कत्थ न पाबिअइ भुजबे अरु भूतेव)। *ekkattha—Avahattha* form of *ekatra* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰[1] **एक्का**[1]—एक प्रकारक दुइ पहियाबला गाड़ी जाहिमे घोड़ा जोतल जाइत छै, बैठि कए चारि जन चढ़ि सकैत अछि। [एक+का]। तु० क० हि० इक्का, एक्क; बं०, ने० एक्का। BPL 146; प्रबा० ३२ (तीन चारि कोस त एक्कापर गेलहु); चित्रा १९ (सकलि भीड़ोक एक्का एक्का कैलन्हि); (एक्का ओहिना भरल, ई तीन्न् पटना मे सवार)। *ekkā*[1]—A two-wheeled cart drawn by one horse.

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰[2] **एक्का**[2]—एक (दे०) केर अवहट्ठ स्त्री० रू०। कीर्तिलता ३८ (वे भूपाला मेइनी बेक्का एक्का नारि); FML 76. *ekkā*[2]—*Avahattha* fem. form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰[3] **एक्का**[3]—एक अंकवला तासक पात। [एक]। *ekkā*[3]—Ace.

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰𑒫𑒝𑓂𑒝 **एक्कावण्ण**—एकावन (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 370. *ekkāvaṇṇa*—Old Maithili form of *ekkābana* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰𑒬𑒲𑒯 **एक्काशीह**—एकासी (दे०) केर प्रारम्भिक मै० रू०। FML 373. *ekkāsīha—Early Mai.* form of *ekāsī* (q. v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹 **एक्के**—एक (दे०) केर निश्च० रू०। FML 97;; मिथिला ७ (२-६१-५३; प्रबा० ४७ (किन्तु दुइ एक्के पैरक); चित्रा (सब एक्के थिक); पारो ७ (बेचारि एक्के हमरे हाथे ने जुबटि गेला)। *ekke—Emph.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢 **एखन**—क्रि० वि०। तत्काल, एहि समय, एहि मुहूर्त, एहि क्षण [एक+क्षण > खण]। तु० क० बं०, एखन; असम० एखने; प्रा० अक्कखणे; अक्खन। नि० पदा० मञ्जु० २०; रामभद्रपुर पोथी १७१ (एखनहु आरति हर पद दन्हि); मन० पुष्प० १ (एखन जनी अंश अमन अबाइ); रामे० २०५ (करब उपाय एखन की फयल); ब्रह्म० ४६ (एखन कि किछो भाल लाभ देत); चित्रा १६ (एखन चलन हमरो)। *ekhana—Adv.* Now, at present, at the moment.

𑒋𑒐𑒢𑒃 **एखनइ**—क्रि० वि०। तुरत एही समय मे, एहि क्षणमे, अखनिहें। [एखन+इ]। तु० क० बं० एखनइ। (एखनइ बाहुन भएल छलाह)। *ekhanai—Adv.* Just now,, just this moment.

𑒋𑒐𑒢𑒞𑒏 **एखनतक**—क्रि० वि०। एहि क्षण वा मुहूर्त तक, उपस्थित समय तक। [एक+सं० क्षण+तक]। तु० क० एखनधुरि। (एखनतक सामर्थ्य केओ नहि बनलाह)। *ekhanataka*—Till this time or moment.

𑒋𑒐𑒢𑒡𑒩𑒱 **एखनधरि**—क्रि० वि०। एखनतक (दे०) केर विक० रू०। कीं० ९९-२६ (एखनधरि पहरा हेतु स्वतन्त्र स्थानो निर्धारित करबाक उपाय नहि); मि० वद० १५०-१० (भिन्न-भिन्न रूपमे एखनधरि चल अबैत अछि)। *ekhanadhari—Adv. Alt.* form of *ekhanataka* (q. v.).

𑒋𑒐𑒢𑒣𑒩𑓂𑒨𑒢𑓂𑒞 **एखनपर्यन्त**—एखनधरि (दे०) केर सं० रू०। मी० १३३-२३ (एखनपर्यन्त मिथिलामे प्रायश्च छथि)। *ekhanaparyanta*—Sanskrit of *ekhanadhari* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒯𑒱(𑒯𑒳)(𑒯𑒳𑒿) **एखनहि(हु)(हुँ)**—एखन (दे०) केर निश्च० रू०। राम० ५१ (एखनहि मौ नौ बढ त्याग); मि० उद० १५७-३ (एखनहु अत्यवादि गौरवान्वित भए); राम ६० (एखनहि धरि चरणो केर भार)। *ekhanahi(hu)(hũ)—Emph.* form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒱 **एखनि**—एखन (दे०) केर प्रा० रू०। गोविन्द शु० १ अमर० १ (एखनि सुन्दरि। कर अवधान); FML 437. *ekhani—Old* form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒲 **एखनी**—एखन (दे०) केर बा० ओ ग्रा० रू०। FML 437. *ekhanī—Coll.* folk form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒳𑒏 **एखनुक**—एखन केर विं० पदा० मञ्जु० २०४ (एखनुक रंग नहन सन लगइछ)। *ekhanuka—Poet.* form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒹(𑒢𑒼) **एखने(नो)**—एखन (दे०) केर निश्च० ओ बा० रू०। तु० क० असम०, उ० एखने। वि० नै० १०० (एखने ऐइसि अहेन साइ); वि० वि० ४ (चरअनि होयति एखने भवानि); FML 511; ब० बा० १८; प्रबा० ३१ (एखने पुलिस आबि कए घेरि लेत); प्रबा० ६३ (एखनो धरि मिनेमाक दृश्य बाकी आँखिमे नाचि रहल अछि)। *ekhane(no)—Emph.* and coll. form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒳𑒪𑓂𑒪𑒰 **एखुल्ला**—वि०। अबाध, मुक्त, स्वतन्त्र, ककरो अधिकार मे नहि। [एक+खुल्ला]। लाल गौरी १। *ekhullā—Adj.* Unchecked, unrestrained.

𑒋𑒐𑒼𑒞𑒩𑒰𑒮𑒋 **एखोतरासए**—वि०। एकसय एकहत्तरि। [सं० एकसप्ततिशत]। FML 376. *ekhotarāsae—Adj.* One hundred seventy-one.

𑒋𑒑𑒰𑒩𑒯 **एगारह**—वि०। एक अधिक दश, दश आ एक। [सं० एकादश]। तु० क० हि० इग्यारह; अव० एगारह; पा० एकादस; प्राकृ० एगारस्स, एगार स; असम० एघार; एगारह; ब० एगार; भो० एगारह; गु० अगिआर; अका; सिन्धी यारहां; गु० जिअस; ने० एगाराह। वर्ण० ६८ (एगारह आगर बाती पललि); राम० २८६ (रथमे चक्र एगारहु पाँच); अम० २१ (ई एगारह किरण

तेज वा ज्योतिक नाम); मि०; FML 142; 365 चित्रा ६८ (गत; सात वर्षक भीतर **एगारह** वेर जहल गेल छल)। *egāraha—Adj*. Eleven, 11.

एगारहम—वि०। एगारह संख्या वा वस्तु वा स्थान। [सं० एकादशम्]। मो० १७४-५५ (सभाक **एगारहम** अधिवेशनपर)। *egārahama—Adj*. The number or thing, place of elevea.

एगुन—वि०। एक गुन, समयक हेतु तुल्य अर्थमे समानता ओ असमानता क सूचक। [सं० एक+गुण]। तु० क० एकगुन्ना; दुगुन्ना (दे०) अस० एगून। FML 249. *eguna—Adj*. One time or single twined.

एगुनिआ—वि०। एक गुन केर (रस्सी आदि)। [सं० एकगुन]। तु० क० एगुनिआ; दोगुनिया। (**एगुनिया** रस्सी मजगूत नहि होएत)। *egunia—Adj*. Single brand (rope etc.).

एगे—अव्य०। सम्बोधन सूचक ग्रा० रू०। तु० क० S. Sen 131 (**एगे** माइ, कनी भोर दिहीते)। *ege*—Interjectional folk form of address.

एगो—एकटा (दे०) केर ग्रा० रू०। प्रण० ६० (बहुआनी जी के **एगो** आँध बाँकीए रह गेलन)। *ego—Folk* form of *ekaṭā* (q.v.).

एगोटा—एकगोटा केर बा० रू०। कन्या० ५७ (**एगोटा** स्थूल काय नेने); प्रण० ४१ (**एगोटा** बजलीह)। *egoṭā—Coll.* form of *ekagoṭā* (q.v.).

एजन—ऐजन (दे०) केर बा० अथवा अशु० रू०। गोरक्ष विजय ६ (क) (**एजन** अवसर अछ महेन्द्र भूप)। *ejana—Coll.* Form of *aijana* (q. v.).

एटनदोटन—क्रीडा विशेष। एखन (दे०) केर अशु० रू०। [एक+टन्ना>टन+दुइ+टन्ना>टन]। तु० क० अटकन-मटकन। मि० भा० कोष ३९। *eṭanadoṭana*—A kind of game.

एड़—लातक प्रहार, लातसँ मारब। [एड़ि>एड़]। (तेहन **एड़** मारब जे सब बदमाशी बहार भ जाएत)। *eḍa*—Kick with foot.

एड़ा—जूताक एड़ी लगक तरी। [IAL 191 एड्डी एड़+आ]। मि० भा० कोष ३६; (जूताक **एड़ा** खिआ क पानिक पस्थ भए गेल)। *eḍā*—Heel sole of shoes.

एड़ि—चर्य्या० १ (**एड़ि** ए छान्दक बान्ध करणक पाटैर आस)। *eḍi*—Heel.

एड़ी—पएरक तरक गोल भाग। [IAL 191, अड्डी>अड्डी>एड्डी]। तु० क० लहन्दा, पं० अड्डी; मार० अड़ि; उ० एड़ि; मो० एड़ि गु० एड्डी; म० एड़। मि० भा० कोष ३६; (एड़ी चोटी एक करब) = अधिक परिश्रम करब; (एड़ी [illegible] = [illegible] करब; (एड़ीक तामस मगज पर चढ़ब) = अत्यधिक [illegible]: *eḍi*—Heel.

एड़ीदोड़ी—गुल्ली डण्टाक एक खेल। [एड़ि+दौड़ब]। मि० भा० कोष ३६। *eḍidoḍi*—A kind of game of (Gulliḍanṭā).

एत[1]—एतेक (दे०) केर का० रू०। वि० ने० (एत गुनि मने विमुख सुमुखि तोंह मने नहि लाज); वि० पदा० मजु० ३, तालपत्र न० गु० २६९, अ० २६२ (**एत** सम लछन विच्छन कपट रहत कतखन जे धस); राम० १९ (बनलि सुरूप **एत** जन केओ परखन) मन० कृष्ण० १५ (मानिअ नहिँ **एत** एत वरजीअ); (**एत** गोट शेष कौन अपराध); चर्य्या० ३०/५, ३५/१; FML 325, 431, 430, 300. मि०। *eta*[1]*—Poet.* form of *eteka* (q. v.)

एत[2]—एतए (दे०) केर का० रू०। गं० श्र० १ अमर (एत जौँ रोखबि काँचन गौरी, गोविन्ददास पुनि गायब होरी); चन्द्र० ३३ (एत ओत उधव बधाव'; चित्रा ४० (ल जाथु **एतउसँ** ओ हमरा)। *eta*[2]*—Poet.* form of *etae* (q. v.).

एतए—सर्व०। एहिठाम, एहि स्थानपर सम्मुखस्थ। [सं० अत्र अथवा प्राकृ० एत्तह]। तु० क० बं० **एतय**। वि० पदा० मजु० ७१; तालपत्र न० गु० २४२, अ० २४२ (ओतए अछए पिया आसे, **एतय** बेढ़ल गिम मनमय पासे); वि० ने० २६० (**एतए** अनल बम चन्दा); राग० ६१ (देख हो गे माइ-हे जोगि **एतए** कतए); [एत्तहु> एतउ] *etae—Pron.* Here, in this place.

एतएक—एतेक (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १५५, पं० रामनाथ झा (**एतएक** एसनि कजगति ········ एत उरतल वरनाह)। *etaeka—Poet.* form of *eteka* (q.v.).

एतगोट—वि०। एतेक पैघ, एतेकटा। [एत+गोट]। राम० १२८ (**एतगोट** दर्प हमर वनवास)। *etagoṭa—Ind.* So big.

एतटा—एतेकटा (दे०) केर का रू०। चन्द्र० (अवला ऊपर **एतटा** रोष)। *etaṭā—Poet* form of *etekaṭā* (q.v.).

एतदतिरिक्त—क्रि० वि०। एतदिरिक्त (दे०) केर शु० रू०। एकर अतिरिक्त, एकर अलावा, एहिसँ बेसी [illegible] आओर। [एतत(द)+अतिरिक्त]। मो० १७१-२२ (**एतदिरिक्त** [illegible] मैथिली ब्राह्मण कैँ), मिथिला दर्शन ३२। *etadatirikta—Adv.* Besides this, Sanskrit form of *etadirikta* (q. v.).

एतदर्थ—क्रि० वि०। एहि निमित्त, एहि [illegible], एहि उद्देश्यसँ, तएँ, एहि अभिप्रायेँ। [एतत(द्) (एह)—अर्थ]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० एतदर्थ। मि० उद० [illegible] (**एतदर्थ** पड़ल घोल की); मो० १०३—१२ (**एतदर्थ** [illegible] कर्त्तव्य हो)। *etadartha—Adv.* For this reason or purpose.

𑒋𑒞𑒠𑒱𑒢 **एतदिन**—क्रि० वि० । एतेक दिन, अधिक दिनसँ । [एत+दिन] । गोरख विजय ११ (ख) (एतदिन ....भेल से बिसारि); वि० पदा० मजु० ५०; न० गु० तालपत्र ६५०, त्रि० ३०, १२६ (एतदिन शैशव लाओल साठ, अब भए मदन पत्राओल पाठ); मै० हि० (८–१२) २० (एतदिन तुलसीमे पानि देल) । *etadina*—*Adv.* So long, for so many days.

𑒋𑒞𑒠𑒱𑒩𑒱𑒏𑓂𑒞 **एतदिरिक्त**-क्रि०वि० । वा० रू० । एकर अलावे, एकर अतिरिक्त एहिसँ अन्य । [एतद्+अतिरिक्त] । मिथिला १–२७१ (एतदिरिक्त भोजन द्रव्य देबा मे सेहो चूकी) । *etadirikta*–*Adv.* Besides this.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒑𑒩𑓂𑒦𑒮𑒧𑓂𑒦𑒴𑒞 **एतद्गर्भसम्भूत**—वि० । एहन जे गर्भ वा पेटमे स्थित, गर्भ मध्य स्थित । [एतद्+गर्भ+सम्भूत] । मो० १७१–६ (एतद्गर्भसम्भूत अद्यौक पुत्र बड़े पराक्रमी होएताह) । *etadgarbhasmbhūta*—*Adv.* Situated thus in this foetus.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬(𑒬𑒲𑒨) **एतद्देश(शीय)**—वि० । एहि देश, एहि स्थान, एहि देश सम्बन्धी, एहि देशक । [एतद्+देश] । तु० क० वि० एतद्देश; एतद्देशीय । मै० सा० इ० भूमिका (ख) (एतद्देशीय भाषा कहि परिगणित भेल अछि) । *etaddeśa*(*śīya*)—*Adj.* This country or place, relating to this country.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒫𑒱𑒣𑒩𑒲𑒞 **एतद्विपरीत**—वि० । एकर विपरीत, एकर उनटा । [एतद्+विपरीत] । मि० २२० (एतद्विपरीतमे दुइ पक्ष समान राखब) । *etadviparīta*—*Adj.* Reverse of this, opposite of this.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒫𑒱𑒭𑒨𑒏 **एतद्विषयक**—वि० । एहि विषयकेर, एहि बातक । [एतद्+विषयक] । मो० १७१–२२ (पुनः अवसर पौने एतद्विषयक चर्चा करब) । *etadviṣayaka*—*Adj.* of this suboect.

𑒋𑒞𑒢𑒰 **एतना**—एतेक (दे०) केर पश्चिमी मै० रू० । तु० क० हा० ज० ना० सि० १०६ एतना; अव० एतना । त्रि०; । *etanā* The western Mai. form of *etaka* (q. v.).

𑒋𑒞𑒢𑒱𑒋𑒿 **एतनिएँ**—वि० । नि० । मात्र कनिएँ, एकदम अल्प । तु० क० अव० एतनिअ । (एतनिएँ सनेस अनलहुँ) । *etaniẽ*—*Adj.* Only so little.

𑒋𑒞𑒢𑒲 **एतनी**—वि० । एतबए अत्यन्त अल्प कनिएँ । तु० क० अव० एतनी; FML 432 (हम एतनी ने लैब) । *etanī*—*Adj.* So little.

𑒋𑒞𑒢𑒲𑒙𑒰 **एतनीटा**—वि० । अत्यन्त छोट, पैघ नहि, एकदम छोट । मि० भा० वि० ४८; (एतनीटा बच्चा काज करैत अछि) । *etanīṭā*—*Adj.* Only so small.

𑒋𑒞𑒢𑒹 **एतने**—एतनी (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० वि० ७० । *etane*—*Coll.* form of *etanī* (q.v.).

𑒋𑒞𑒢𑓂𑒢𑒱𑒧𑒱𑒞𑓂𑒞 **एतन्निमित्त**—क्रि० वि० । एहि कारण सँ, एहि हुनारे, एहि नाते । [एतद्+निमित्त] । मि० वव० १५७–२ (प्रथमतः एतन्निमित्त) । *etannimitta*—*Adv.* For this reason or purpose.

𑒋𑒞𑒢𑓂𑒧𑒨 **एतन्मय**—वि० । एहि तरहेँ तन्मय, एहि अर्थेँ सम्बन्धित । [ए (त) + तन्मय] । वर्ष० ५२ (शिर एतन्मय शरीर) । *etanmaya*—*Adj.* Which is so absorbed in it.

𑒋𑒞𑒥𑒨 **एतबय**—एतबहि (दे०) केर का० ओ पूर्वी रू० । मन० कृष्ण ३६ (नारद मुनिकाँ एतबय वृत्ति); FML 431 *etabaya*—*Poet.* and eastern form of *etabahi* (q.v.).

𑒋𑒞𑒥𑒯𑒱(𑒯𑒳) **एतबहि (हु)**—एतबा (दे०) केर निश्च० रू० । गी० श्रु० १ अमर १४ (एतबहि वचन सुनल जब माधव चलला कुंज कुटीर); मो० ९८–२ (एतबहु धन्यवाद) । *etabahi*(*hu*)—*Emph.* form of *etabā* (q.v). Even so much.

𑒋𑒞𑒥𑒰 **एतबा**—वि० । मात्रामे अधिक, कमसँ कमिएँ बेशी, मात्र एतबा । ? [सं० एतावत्] गी० श्रु० १ अमर १५ (एतबा सुनि राइ पाइ मनोदुख चललिह अब निज गेह); मो० १०३–१६ (एतबा कहब............); FML 431; प्रबा० ३ (परन्तु एतबा बुझबामे भाकड़ नहि रहल) । *etabā*—*Adj.* This much.

𑒋𑒞𑒥𑒰𑒩 **एतबार**—रवि दिन, रविवार । [सं० आदित्यवार] । तु० क० हि०, उर्दू० एतबार । FML 96. *etabāra*—Sunday.

𑒋𑒞𑒥𑒹(𑒥𑒻)(𑒥𑒲) **एतबे(बै)(बी)**—एतबय (दे०) केर वा० रू० । FML 431; मो० ९०–२ (काज एतबै); मि० ६ (एहिमे केवल एतबै रहैत अछि) । *etabe*(*bai*)(*bī*)—*Coll.* form of *etabaya* (q.v.).

𑒋𑒞𑒥𑒼 **एतबो**—एतबहु (दे०) केर वा० का० रू० । गी० श्रु० १ अमर २१ (एतबो मिलति श्याम जब नयनहि तबहु न हेरल बमान) । *etabo*—*Coll.* of poet. form *etabahu* (q.v.).

𑒋𑒞𑒨 **एतय**—एतए (दे०) केर विक० रू० । गी० श्रु० १ अमर० १३ (प्रिय सहचरि बलि मोहि पठाओल एतय भवनी तुअ ठामा); राम० ४२ (प्रगट एतय सब दिन ऋतुराज); पुरु० १९३ (सेवा करबाक मनोरथसँ एतय आयल छी); मिथिला मिह ४२६ (एतय कौतय बिचरैत दिव्य महिपाले), प्रबा० १६२ (एहि खातिर तीरा एतय अनलियौक) । *etaya*—*Alt.* form of *etae* (q.v.).

𑒋𑒞𑒩𑒰𑒖 **एतराज**—क्रोध, विरोध, आक्षेप, आपत्ति । [अर०] । तु० क० हि० एतराज । FML 637. *etarāja*—Anger, objection.

𑒋𑒞𑒫𑒯𑒱 **एतवहि**—एतबहि (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ९९, रामभद्रपुर पोथी १६४, (पुस्तक की दिअ एतवहि दोष); राम० ५४ (त्याग करबु मन सोच मान्ब एतवहि दिन बालक); महेश० १४ (एतवहि मिनवै वौ हम देखल); पुरु० ३० (एतवहि

वचनहि सौँ भहाँक); कन्या० २ (एतवहि मे बिलरी के अवैत देखि); प्रण० ५५ (नहि एतवहि सँ बुझना गेल); नव० ८ (दलक कर्त्तव्य धरि सीमित छलइक); नव० ३४ (परंच विसेसरी कें एतवहि सँ सतोष होइतइ); FML 578. *etavahi*–*Coll.* form of *etabahi* (q.v.).

𑒋𑒞𑒫𑒰 **एतवा**—एतबा (दे०) केर वा० रू० । वि० ने० ४० (ए सखि **एतवा** भागञो तोहि); वि० ने० ७६ (**एतवा** निज मने हलव विचारि); वि० पदा० मजु० २५; रामभद्रपुर पोथी ४०२ (**एतवा** अच्छ किछु तुलना भास); वि० पदा० १२१; तालपत्र न० गु० ६४८, अ० ८६८ (**ऐतवा** बोलि कहब मोरि सेवा); राम० ७२ (उत्साह अछि नहि **एतणा** काल), चन्द्र० ३० (**एतवा** रुचि तत्काल); मि० उद० १५७–१३ (**एतवा** कहब जे); मै० हि० सा० २ (**एतवा** कहि बिदा भेलाह); चित्रा ९ (बाजि **एतवा** भ गेली मौन माँ); पारो ५ (**एतवा** तो नहि बुझैत हेवहक से त नहिये) । *etavā*—*Coll.* form of *etabā* (q.v.).

𑒋𑒞𑒫𑒰𑒨 **एतवाय**—एतबा (दे०) केर प्रा० रू० । वि० पदा० मजु० ३७१ (हरि हरि सिव सिव **एतवाए** बोली); FML 430. *etavāya*—*Early* Maithili form of *etabā* (q.v.).

𑒋𑒞𑒫𑒰𑒙𑒰 **एतवाटा**—एतेक सीमा धरि । राम० १३४ (कहल हमर **एतवाटा** काह); मि० उद० १५८–६ (किन्तु **एतवाटा** अवश्य बुझैत छथि) । *etavāṭā*—Up to this extent.

𑒋𑒞𑒫𑒹(𑒫𑒻) **एतवे(वै)**—एतवे (बै) (दे०) केर वा० रू० । प्रण० ४५ (कुशल **एतवे** जे हमरालोकनि निशानक बाहर रही); मि० २५२ (भेद **एतवै** जे उक्त मिश्रजी अपना गामहिक नामे पाँजि चलवाओल); मि० उद० १५७–१९ (ताहि सम्बन्ध मे **एतवै** कहब बहुत अधिक थिक); चित्रा ३९ (**एतवे** दिन मे ओ कोना विसरना गेल एइ) । *etave(vai)*—*Adv.* So far. ***Emph.*** of *etavā* (q.v.).

𑒋𑒞𑒫𑒻(𑒫𑒼)𑒙𑒰 **एतवै(वो)टा**—एतवहिटा (दे०) केर वा० रू० । मो० १००–६ (चिन्ता **एतवैटा** रहैत छन्हि), मो० १७–६ (**एतवोटा** कतहु क्यो नहि कहैछ) । *etavai(vo)ṭā*—*Coll.* form of *etavbahitā* (q.v.).

𑒋𑒞𑒫𑒼(𑒫𑒾) **एतवो(वौ)**—एतबहु (दे०) केर वा० रू० । राम० २६२ (थावत अछि एतवो तन शक्ति); मि० ३२२ अहाँ **एतवौ** नहि बुझैत छिऐक); मि० उद० १५७ (**एतवौ** बहुत थिक) । *etavo*—*Coll.* form of *etabahu* (q.v.).

𑒋𑒞𑒯𑒱(𑒯𑒳) **एतहि(हु)**—एतए (दे०) केर निश्च० रू० । तु० क० बं० **एतहि**, उर्दू **एठारे** । वि० ने० (५८ **एतहि** जानिअ सखि पियतम कथा); वि० ने० ४४ (**एतहु** अधिक विमुख जाएब); गो० श्र० १ अमर ११ (पाविय पिरिति **एतहु** नहि समुझिय दोसर मदन गोआर); राम० २५ (हिनका गौतम **एतहि** राखि); राम० २१२ (**एतहु** सकल कपि वालि किशोर); मि० उद० १५७–१४ (इहो सबलोक **एतहि** छलथिन्ह); पुरु० ११३ (तावत तौँ एतहि रह); FML 322, 523. *etahi(hu)*—*Emph.* form of [illegible]

𑒋𑒞𑒰𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏 **एताजातिक**—एतेक [illegible], [illegible] प्रा० रू० । वर्ण० ६५ (एताजातिक तत्वज्ञ) । *etājātika*—Of so many castes.

𑒋𑒞𑒰𑒠𑒵𑒬 **एतादृश**—वि० । एहन, एहि प्रकारक, [illegible] हक । [सं० एतत् + दृश—क्विप्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **एतादृश**; प्राकृ० **एयासिद्ध, एईस** । मोद० १७४-५८ एतादृश विश्वास आस्तिक हिन्दू जातिक अछि) । *etādṛśa*—*Adj.* Such.

𑒋𑒞𑒰𑒫𑒞𑒰 **एतावता**—क्रि० वि० । पूर्वोक्त विषय द्वारा, एहि वास्ते, तएँ, एहि प्रकारेँ, एहि परिमित सँ । [सं० एतावत् = एतद् – मतुप्] । तु० क० बं०, अस०, ने०, **एतावता** । मो० १२८–४४ (**एतावता** बुझैत छी हकारासवहिक प्रस्तावमे परस्पर विरोध परिहार); मैं० हि० सा० (३–४) मि० इ० ६ (**एतावता** ई सिद्धान्त अछि); रंग ११४ (**एतावता** ई श्रीमतीजीक भातिज होइथिन्ह) । *etāvatā*—*Adv.* For this reason.

𑒋𑒞𑒰𑒫𑒢𑓂𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 **एतावन्मात्र**—वि० । मात्र एतबे । मि० २०३ (किन्तु श्री महन्थ जी **एतावन्मात्र** शापानुग्रह कैल); मि० भा० वि० २३० । *etāvanmātra*—*Adj.* Only this much.

𑒋𑒞𑒱 **एति**—एतेक (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० (५४६१) (एतए संगति **एति** परतर कोन गति); FML 431. *eti*—*Poet.* form of *eteka* (q.v.).

𑒋𑒞𑒲 **एती**—वि० । एते काल (एती काल) । [सं० इयती] । FML 121. *etī*—*Adv.* So far long.

𑒋𑒞𑒲𑒏𑒰𑒪 **एतीकाल**—वि० । एतेक (बेशी) समय, एतबा समय । [सं० इयत् > इयती + ई + काल] । द्विरा० १४१ (**एतीकाल** सँ गहकी नजरिसँ चउधरिक मूँह दिश ताकि रहल छल) । *etīkāla*—*Adv.* This much (time).

𑒋𑒞𑒲𑒐𑒢 **एतीखन**—क्रि वि० । **एतीकाल** पर [एतद् – क्षण > खन] । मि० भा० कोष ३९ । *etīkhana*—*Adj.* So long.

𑒋𑒞𑒳𑒏𑒰(𑒏𑓂𑒏𑒰)(𑒏𑓂𑒏𑒻) **एतुका(क्का)(क्कै)**—एतए [illegible] केर निश्च० रू० । मो० ३०–३१–१५१ (एहि दिन एतुक [illegible] दर्शनीय छल); मृच्छकटिक ४४ (एतुका); मधुश्रावणी ७५ (एतुक [illegible] द्विरा० १८० (लेकिन **एतुका** ओरिआओन परिआओन [illegible] हैतैक) । *etukā* (*kkā*) (*kkai*)—Of this place.

𑒋𑒞𑒹 **एते**—एतेक (दे०) केर संक्षि० वा का० रू० [illegible] **एत्ते** । वि० ने० ६० (देखिअ सुनिअ एते लाभ); गो० [illegible] १७ (कैसन पराण के एते सह फुलबाण); राम० [illegible] वानर पर एते सेना व्यर्थ पठयलहुँ); चित्रा ८७ [illegible] सहइ छेँ) । *ete*–*Short* or poet. form of [illegible]

𑒋𑒞𑒹𑒏 **एतेक**—क्रि वि० । [illegible]

कारवाचिक। [सं० एतत् + क (पर्यन्त); अथवा एक या० प्रतीक] । तु० क० बं०, असः०, एतेक; प्राकृ० इत्तिअ; उ० एति हिं० इत्ता इतना; प्रा० मार० ईतो; सि० इत्ता; लहन्दा इत्तरा; इत्ता; इकणा; पं० इत्तला; इत्तणा; कुमा० इत्रो; इत्ती; इतुक; प्रा० म० ईअरो; ईतनो; म० इतके; पा० इत्तक; भोज० ईता; मा० गु० एतलौ; गु० इतलूँ। गो० गी० १ अक्षर २७ (तोहर प्रेम भर वचन न निकसय एतेक कि मानति थोर); मन० कृष्ण० १६ (की फल भेल मोहि एतेक भगोरि); गौरी परिणय ५ (अति सुकुमारि कुमारि एतेक करए कथि लागी); मो० ६७–११ (एतेक कलेश नहि होइत छलैक); मि० उद० १५८–१५ (एतेक लेखन प्रणाली); कन्या० १ (परिश्रम लोक एतेक करयर्स आयत); प्र०० २ (एतेक मानमीयता देखा रहल अछि); (एतेक दूर के चूलत) = विशेष परिश्रम के कारण; BPL 1451; FML 434. *eteka—Adv.* So much, So many.

एउँ **एतें**—प्रत्यय। प्रा० तु० रू०। (सुख देखैतें निश्चित मरिगइ)। *etẽ—Obs.* Suffix.

एउे¹ **एतै¹**—एतए (दि०) केर विक० रू०। महेश ५९ (एतै विरथ कछु आनो); मि० उद० १५७–१४ (गत अनाइतनि एतै आवि)। *etai¹—Alt.* form of *etae* (q.v.).

एउे² **एतै²**—एतहि (दि०) केर वा० रू०। *etai²*—Coll. of *etahi* (q. v.).

एउौ **एतौ**—एतहु। एतए (दि०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० ८४; रामभद्रपुर पोथी ४०६ (एतौ निचा ओढाओल देम); FML 577. *etau—Emph.* form of *etae* (q.v.).

एत्त **एत्त**—एत¹ (दि०) केर वा० रू०। FML 439; नव० १४ (एत्त बड़ प्रतापी भाइ हमरा दलानकें आपन चरण धूलिसँ पवित्र करताह न)। *etta—Coll.* form of *eta¹* (q. v.).

एत्तहि **एत्तहि**—एत्त (दि०) केर निश्च० रू०। कन्या० ४८ (आब अहाँ एत्तहि सुरलहुँ)। *ettahi—Emph.* form of *etta* (q.v.).

एत्ता **एत्ता¹**—वि०। परिमाण, सीमा, परिधि, ठेकाना। [सं० इयत्ता]। तु० क० अस० इयत्ता। FML 97; (औ जी महाराज ! सब वस्तुक एत्ता छैक)। *ettā-Adj.* Boundary, limit.

एत्ता **एत्ता²**—एतेक (दि०) केर ग्राम्य रू०। तु० क० इयत्ता (दि०)। FML 433 (सब एत्ता चावर ल क की करबै)। *ettā²—Folk* form of *eteka* (q. v.).

एत्ते **एत्ते**—एते (दि०) केर निश्च० वा रू०। कीर्तिलता ५ (एत्ते सकलहो लक्खिअइ पुरुष पसंसओ वीर); चित्रा ५७ (कोना नचइए कोना गबइए एत्ते ओँ का-ओँ के)। *ette—Coll. Emph.* form of *ete* (q.v.).

एथा **एथा**—एहिठाम (दि०) क प्रा० का० रू०। [सं० अत्रस्था]। तु० क० बं०, अस० एथा; दक्षिण इआँ; हीयाँ; पश्चिम हिआँ; इठमाँ; अठान; इठवाँ; छिआछिमी एहिआँ; हीयाँ। वि० ने० ४४ (पथिक एथा लेहे बिसराम); FML 435 (V.N. 18a)। *ethā*—Early Maithili form of *ehiṭhāma* (q.v.).

एथाँ **एथाँ**—एहिठाम (दि०) केर प्रा० का० रू०। राम० ४६ (एथाँ मनमथ सर साजे); FML 409. तु० क० एथा (दि०) *ethā̃*—Early Maithili form of *ehiṭhāma* (q.v.).

एथिवाल **एथिवाल**—नृत्यादिमे चालिविशेषक नाम। वर्ण० ५१ (एथिवाल;चापक दुक्रपाल, हरलाह)। *ethivāla*—Name of a turn in dancing etc.

एथु **एथु**—एथाँ (दि०) केर वा० रू०। FML 409 वर्ण० १६ / ५। *ethu—Coll.* form of *ethā̃* (q.v.).

एथन्तर **एथन्तर**—एहि अन्तरमे, एहि बीचमे, अवहट्ठ रू०। [एतत् + अन्तर]। तु० क० सं० एतदन्तर। कीर्तिलता ३९ (एथन्तर वत्त विनित्त किछु सुरतानहुसँ पाइअ)। *eththantara*—Within this gap; *avahṭṭha* form.

एधे **एधे**—मध्ये केर तु० का० रू०। [सं० मध्ये]। राग० ११२ (शिव तुअ पर एधे आने)। *edhe*—P.F. of *Madhye*; in the middle.

एन **एन¹**—प्रत्यय। कर्ममे ल् ओ द् धातुसँ आवश्यकता अर्थमे एन प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १३६ (देन अवश्य, लेन गृहीतव्य); कीर्तिपताका १ (भीषम कीर सुहेन)। *ena¹—Suffix* in the sense of necessary.

एन **एन²**—एहन (दि०) केर प्रा० मै० रू०। वि० पदा० मजु० ६६, रागत० ५५, नव० गु० ११९, कं० १२२ (राजा सिवसिंह भाओल एन); पुरु० १९३ (ततय एन तरह कतोक काल गल सम्भा)। *ena²—Early* Maithili form of *ehana* (q.v.).

एनमेन **एनमेन**—अव्यय। हूबहु, देखबामे बिलकुल एक दोसराक स्वरूप। [हिं० आइना अथवा ऐन अरबी + शब्दानुकरण अथवा सं० एना + अन्यादेशें इदम् शब्दक एनम् + मेन]। तु० क० अनमन (दि०)। मृच्छकटिक ७०; मिहिर २ (३१.५१); पारी ४९ (देख मे एनमेन बी सन)। *enamena—Ind.* Likewise, same. Same in looks, Indentical form and colour.

एना **एना**—अव्यय। एहि प्रकारें, एहि तरहें, एहन। [सं० अधुना]। तु० क० बं०, अस० एना। महेश० २२ (जहि एना करता-कर); प्रम० १ (के एना केवाड़ पीटि रहल अछि); FML 487. (एना नहि करी)। *enā—Ind.* In this manner, thus.

एनाएनी **एनाएनी**—अव्यय। बलतदर्शित दिशानुसार (दी०), हाथ द्वारा देखाओल गेल बरतावक अनुसार। [एना + एन + ई]। मि० मा० कोष १६, एनाएनी युद्ध)। *enāenī—Innabes*cative. Thus (this side) and thus (that side).

এনে **एने**—एम्हर (दे०) केर ग्रा० रू० । ग्रि० (एने आवत) । डा० उ० ना० ति० ५७,२४१ (एने) । *ene—Folk* form of *Emhara* (q. v.).

এনে(নী)মিয়া **एने(नी)मिया**—एक प्रकाराक रोगविशेष, रक्ताल्पता । [आंग्ल] मि० मित्र ३१० (कृत्तिमो सूर्यक प्रकाशक द्वारा एनेमिया और क्षयरोग आदि अनेको भंयकर रोगक नाश होइत अछि) । *ene(nī)miyā*—A kind of disease, anaemia.

এন্ন **एन्न**—एम्ह (दे०) केर पूर्वीय रू० । [सं० एतत्] । FML 439, (हौं एन्न आव) । *enna*—The eastern form of *emhara* (q.v.).

এন্ন-ওন্ন **एन्न-ओन्न**—एम्हर-ओम्हर (दे०) केर बा० रू० । मैथिली लेख शैली २; (रौ तोरी भला के ! ओ त एन्न ओन्न भागल फिरैत अछि) । *enna-onna—Coll.* form of *Emhara Omhara* (q.v.).

এন্নী **एन्नी**—एम्हर (दे०) केर पश्चिमी रू० [एतत् + ई] । FML 489; (हौं एन्नी कोना जेबह) । *ennī*—The western form of *Emhara* (q.v.).

এন্হিকা **एन्हिका**—हिनका (दे०) केर प्रा० मै० रू० । वर्ण० (३१ एन्हिकाकेँ रजा एस भउ); FML 409. *enhikā*—*Early* Maithili form of *hinakā* (q.v.).

এম **एम**—एना (दे०) केर अवहट्ट रु० । कीर्त्तिलता ३८ (एम कोप्पि सुनिअ सुरतान) । *ema—Avahattha* form of *enā* (q. v.).

এম० এ० **एम० ए०**—स्नानकोत्तर परीक्षाक नाम । *Em. e. a*—Master of Arts exminaton.

এমহর **एमहर**—अव्य० । एहि दिशि । तु० क० सं० इत; [अस्मिन + हर] बं० ए दिके; हि० इधर । मि० भा० कोष ३६; (एमहर शीघ्र आएब) । *emahara—Ind.* This side.

এমাঢ় **एमाढ़**—तृण विशेष, एक प्रकारक पानिमे भेनिहार घासक नाम । [सेमार > एमार] तु० क० म० इकड़े । मि० भा० कोष ३६ । *emādha*—Name of a kind of grass.

এম্হর **एम्हर**—एमहर (दे०) केर विक० रु० । (एम्हर-ओम्हर करब) = बात पर स्थिर नहि रहब; एम्हर ओम्हर घूमब, यत्र-तत्र जाएब; (एम्हर ओम्हर मे रहब) = व्यर्थ समय बिताएब; (एम्हर कियो कुम्हड़क बतिया नहि जे आङुर देखौने सड़ि जाएत) = केओ अवल नहि अछि; मो० ६७-६५ (एम्हर आउ) । *emhara—Alt.* form of *emahara* (q.v.).

এম্হরুকা **एम्हरुका**—एम्हर (दे०) केर निश्च रु० । मो० १७४-४८ (एम्हरुक' भाषा डोगरी अछि); (एम्हरुका ओम्हर आ ओम्हरुका एम्हर करब) = झगड़ा लगाएब । *emharukā*—*Emph.* form of *emhara* (q.v.).

এরণ্ড **एरण्ड**—अण्डी, एकर तेल तैयार कएल जाइत; [सं०] तु० क० बं० एरण्ड । अम० ८४ (एरण्ड उरुबूक) । *eranda*—The castor oil plant.

এরা **एरा**—प्रत्यय । साधारणतया भाव ने तुर्, बन आदि धातुमे एरा प्रत्यय लगाओल जाइत अछि । मै० व्याकरण ८६ [illegible] *erā*—Suffix.

এরিং **एरिंग**—कान (दे०) कानमे पहिरबाक अउँठीक आकारक गहनाविशेष । [आंग्ल] । तु० क० हि० बाली, बं० एरिंग, उर्दू इरिङ्ग (कानमे एरिंग आ माथमे मनटीकाक शोभा त आओर विलक्षण दृष्टि-गोचर भए रहल अछि) । *eringa*—Earring, an ornament which is worn on the ear.

এরূপ **एरूप**—श्रेष्ठा, अपूर्व, स्त्री० का० रू० । [एइत > के + रूप] । वि० पदा० मजु० २१ (भन विद्यापति सुनह सुजान एतत्र एरूप जान) । *erupa—Fem.* Poet. form. Such high beauty.

এরে **एरे**—सम्बोधन सूचक शब्द । [सं० अरे] । वि० ने० ६८ (एरे राधे जानि न जान तोरे विरहे विमुख कान्ह); वि० पदा० १८५, नेपाल १३६ (एरे नागरि मन दए सुत) । *ere*—Interjectional word. Hello.

এল **एल**—आएल (दे०) केर बा० रू० । (एल पानि गेल पानि बाटहि बिलाएल पानि) = बड़ कम वर्षा । *ela—Coll.* farm of *āela* (q. v.).

এলই(ন) **एलइ(न)**—आएब (दे०) केर भू० रू० । मिथा २५ (हैत एलइ से सदै संयोग आ कि वियोग); नव० ३६ (लदउरवाली रामेसरी लग एलइन) । *elai(na)—Past* tense form of *āeba* (q. v.).

এলউँ **एलउँ**—आएब (दे०) केर वर्त० प्र० पु० वाच्य रू० । नव० २१ एलउँ) । *elaũ*—Present tense first person coll. form of *āeba* (q. v.)

এলউँএ **एलउँए**—अएलहुँ अछि (दे०) केर वा० रू० । नव० ४१ (जाइलए त नइ एलउँए पण्डित बाबा); नव० १०५ (काज = अहाँक तेहेन क एलउँए जे रसगुल्ला खोआउ) । *elaũe—Coll.* form *aelhũ achi* (q.v.).

এলউँহে **एलउँहे**—एलउँए (दे०) केर वा० रू० । पारो ३३ (कौन हम पैरे एलउँहे जे थाकब) । *elaũhe—Coll.* form of *elaũe* (q.v.).

এলথিন্হ **एलथिन्ह**—आएल (दे०) केर भू० आ० रू० प्रण० १६ (कहए एलथिन्ह जे अजेन्द्रकेँ रद मैं [illegible] *elathinha—Past* tense hon. form [illegible]

এলথীন **एलथीन**—एलथिन्ह (दे०) केर [illegible] १३ (खोखाइ पण्डित हिनकहि दर न एलथीन [illegible] *Coll.* form of *elathinha* [illegible]

एलन्हि—अएलन्हि (दे०) केर वा० रू० । नव० २० (बूझ मे नहि एलन्हि जे माँडे आ दिगम्बर बुते ई काज कोना होएत कहतौ) । *elanhi*—Coll. form of *aelanhi* (q.v.).

एलहु(हुँ)—अ.एब (दे०) प्र० पु० वर्त० रू० । मि० पदा० मजु० १२० ... (ई सभ एलहु जानी); वि० पदा० मजु० १५२ (एलहुँ तनिकर आनी); महेश० १२ (कौ नहि एलहुँ एतय); चिंता २५ (जखन डीह लग एलहुँ फेर); हलधर ३ (एलहुँ हम जखनहि) । *elahu(hũ)*—*Present tense* first pers. form of *aeba* (q.v.).

एलहुन—एलहु (दे०) केर मध्य० पु० अना० रू० । प्रण० २७ (नैनै एलहुन त आब तोहीं किछ कहुन) । *elahuna*—*Seocnd Person* nonh. form of *elahu* (q.v.).

एला[1]—अएलह (दे०) केर संक्षि० रू० । (राम एला आ पुरत औदीफाल श्याम मेला) । *elā*[1]—*Short* form of *aelāha* (q.v.).

एला[2]—इलाची, सुगन्धित स्वाद वाला फलविशेष । [सं०] । तु० क० बं०, असम० एला । वर्ण० १३ (औहडुक एला); अम० १०२ (चन्द्रवाला एला) । *elā*[2]—Condommon.

एलातैल—इलाचीक तेल । [सं०] । वर्ण० ११ (सुगन्ध एलातैल) । *elātaila*—Condommon oil.

एलान—घोषणा, आदेश, प्रकाश करब । [अर०] । तु० क० उर्दू एलान । (आइ मिथिला वासी एलान कए रहल छथि जे मैथिलीकें उचित स्थान भेटओ अन्यथा क्रान्तिक मार्ग अवलम्बन करऽ पड़त) । *elāna*—Announcement.

एलाबन्धक—वि० । सुगन्धित वस्तुक संग्राहक । [एला + बन्धक] । स० प्र० । वर्ण० ६५ (भाषाशिर, ताम्बाव, केतक एलाबन्धक आइ) । *elāvandhaka*—*Adj*. Who keeps perfumes (for trade).

एलाबीज—इलाचीक बीआ । [सं०] । वर्ण० ६५ (सहेला एलाबीज, खण्डखर्स गुलाबक) । *elāvīja*—Condommon seeds.

एलाह—अएलाह (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ३०६ (पुनि एलाह तकर सनेस); मि० भद० १५७—२५ (दुनक घर मेला पर ई धनी एलाह); प्रण० ६६ (रुपया सबावल एलाह छथि); नव० ६ (हडाहल एलाह) । *elāha*—*Past tense* form of *aeba* (q.v.) Coll. form of *aelāha* (q. v.)

एलिए(ऐ)—अएलिऐक (दे०) केर का० रू० । राम० ३६ (तुरतु एलिए जथा गेलि है) । *elie(ai)*—*Poet.* form of *aeliaika* (q. v.)

एलिऔह—अ.एब (दे०) भू० रू० । प्रण० १३ (एहिठाम ल एलिऔह तैं ने एतन भोग्य पदार्थ देखि अइ) । *eliauha*—*Past* form of *aeba* (q. v.).

एलिहु(हुँ)—अएलिअहु(हुँ) (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० पदा० मजु० ६७; रागत० ११६, न० गु० ४०७, अ० ४६१ (दुसह जाउन एलिहुँ भाँगि); रागत० ११६ (दुसह जमुना तरि एलिहु भाँगि) । *elihu(hũ)*-*Old poet.* form of *aeliahu* (*hũ*) (q. v.).

एली—एलीहि (दे०) केर संक्षि० रू० । राग० ११८ (तैं तोहि पिया गेल एली); मि० । *eli*—*Short* form of *elihi* (q. v.).

एलीह(हि)—एलाह (दे०) केर स्त्री० रू० । मध्य० ८० (सभ दौगलि दुरखा पर एलीह); रंग० १५१ (तों जखन नवे एलीह अछि) । *eliha(hi)*—*Fem.* form of *elāha* (q. v.).

एलु—(अ)एलहुँ (दे०) केर प्रा० तु० रू० । मि० सा० ६० ११ । *elu*—*obs.* form of *(a)elahũ* (q.v.).

एलेँ—आएब (दे०) वर्त० अना० म० पु० रू० । नव० ४२ (आब तों एलेँ हमरा घरमे आगि लगत) । *elẽ*—*Nonh.* second pers. Present tense form of *aeba* (q. v.).

एलै—अएलइक (दे०) केर वा० रू० । चिंता २५ (एहिना एलै) । *elai*—*Coll.* form of *aelaika* (q.v.).

एलैन्हि—अएलैन्हि (दे०) केर वा० रू० । प्रण० ६० (बीच पर चमकैत एलैन्हि) । *elainhi*—*Coll.* form of *aelainhi* (q. v.).

एवं—अव्यय । एक निश्चयात्मक शब्द । आओर, एहि प्रकारें, एहिना । [सं० एवं] । का० रू० । वर्ण० २१; वि० पदा० मजु० ११३, पदामृत समुद्र १११, पदकल्पतरु (एवं भेल विपरीत भ्रामर देह); FML 438. *evā(evaṁ)*—*Ind.* And, thus.

एवञ्च—अव्यय । आओरो, अपितु, तथा । [सं०] । कीर्तिलता ६० (एवञ्च दूर दीपान्तर राजन्हि करी निद्रा हरन्ते) । *evañca*—*Ind.* And, also.

एवमस्तु—अव्यय । जेहने चाहैत छी तेहने होअए वरदान । [सं०] । तु० क० हि० बं० अस०, ते०, मल एवमस्तु । (रामेश्वर अपन परीक्षाक कापीक पता लगाए सौ प्रो० साहेबसँ एवमस्तु कहाए निश्चिन्त भए गेल छथि) । *evamastu*—*Ind.* Boon that it will happen as you like.

एवम्प्रकार—क्रि० वि० । एहि तरहें, एहि प्रकारें (एवं + प्रकार) । तु० क० बं० एवम्प्रकार । सखी शिक्षा ८६ (एवम्प्रकार स्वामीक सेवा कए) । *evamprakāra*—*Adv.* Like this, in this manner.

एवम्बिध—क्रि० वि० । एहि विधिएँ, एहि प्रकारें, एहि तरहें । [एवं + विधि > विध] । तु० क० बं०, अस०, एवम्बिध । वर्ण० १ (एवंविध दशलंकार संयुक्तार) FML 111,

614 *evambidha—Adv.* Like this manner.

एवह **एवह्**—अएवह (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० १५३, न० गु० ७; अ० १००५ (**एवह** कोनो वेला); पारो ८ (**एवह** जे से गर्मी छुट्टीसँ पूर्व नहिये) । *evaha—Coll.* Of *aebaha* (q. v.).

एवा **एवा**—मिरजइ, चपकन उपरसँ पहिरएवला अंगा । **एवा** से बटम नहि रहैत छल, केवल चोंगा जकाँ पीठ हाथ मात्र रहैत छलैक । [?] *evā—*Name of an obs. dress worn over a *capakana* (q. v.). as a cover.

एवाकाल **एवाकाल**—अएवाकाल केर वा० रू० । नव० ४७ (सभा **एवाकाल** आन किओ नहि भेटलन्हि त अही मतसुग्नकेँ सङ कऽक सङगठ पहुँचलाह) । *evākāla—Coll.* form of *aevākāla* (q. v.).

एवाय **एवाय**—एकर (दे०) केर अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता ३४ (**एवाय** अभ्यन्तर करी वार्ता के जान) । *evāya—Avahaṭṭha* form of *ekara* (q. v.).

एशिआ **एशिआ**—भूमण्डलक एक भागक नाम एशिया महादेशक नाम । [सं०] । एशिया महादेशक अन्तर्गत विभिन्न राष्ट्र सभ अछि) । *eśiā*—Asia.

एषन (ने) **एषन(ने)**—एखन (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० ने० ३६ (**एषने** पावओ ताहि विधाता); वि० पदा० मजु० २६, रागत० ५६, नेपाल २३५, न० गु० तालपत्र २२८, प० त० १०६१ (**एषने** दूषण लागल तोहि]; FML 139; पुरु० ४१ (राजा कहल **एषन** सन्धि कय लेवक) । *eṣ(=kh)ana(ne)—Old.* Poet form of *ekhana* (q.v.).

एषनहि **एषनहि**—**एषन** (दे०) केर निश्च० रू० । पुरु० २१७ (**एषनहि** किएक नहि कथल जायत) । *eṣanahi—Emph.* form of *eṣ(=kh)ana* (q)v').

एषा **एषा**—ई । [सं०] । तु० क० अव० **एषा** । वर्ण० ६६ (तेरिआमहिसि पाडी कम सात हाथ षागल ओरा **एषा** दिन एक लाग); चर्या० १५।४ । *eṣā* —This.

एसकरि **एसकरि**—एकसरि (दे०) केर वा० रू० । प्रण० ६६ (तोरा **एसकरि** पौतोक त सूदि माँफ करक हेतु तंग करतौक) । *esakari—Coll.* form of *ekasari* (q. v.).

एसकरहि **एसकरहि**—एकसर (दे०) केर निश्च० वा रू० । चयनिका ७२ । *esakarahi—Emph.* Coll form of *ekasara* (q.v.).

एसकरे(रो) **एसकरे(रो)**—एकसरहि (हु) (दे०) केर वा० रू० । प्रण० ३६ (**एसकरे** कुटलन्हि अछि); नव० ६६ (**एसकरो** क्वार्टरमे रहइ छली) । *e akare (ro)—Coll.* form of *ekasarahi (hu)* (q. v.).

एसगर **एसगर**—एसकर (दे०) केर विक० रू० FML 151, 143; पारो ४० (**एसगर** नहि जा हेतहु मोतिहारी); मिहिर ३२ (२-६२-८४) (**एसगर** वृहस्पतिदो स्ुठ *esagara*—[illegible] form of *esakara* (q.v.).

एसगरिए **एसगरिए**—एसगर (दे०) केर स्त्री० रू० अपूर्व रसगुल्ला ५ (**एसगरिए** अहोराति वहवै कोना) । *esagarie*—*Fem.* form of *esagara* (q.v.).

एसगरुआ **एसगरुआ**—एसगर (दे०) केर स्थितिमे । [illegible] ६१ (भैया भेल **एसगरुआ**); नव० ५८ (छलीओ **एसगरुआ** *esagaruā—Coll.* In the state of *esagara* (q. v.).

एसगरे **एसगरे**—एसगर (दे०) केर निश्च० रू० । [illegible] ११६ (हम **एसगरे** कुल असबावो चढ़ा लेव); चित्रा ७५ (दुनू [illegible] **एसगरे** सतघरा) । *esagare—Emph.* form of *esagara* (q.v.).

एसन(ना) **एसन(ना)**—एहन (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । वि० ने० ४८ (**एसन** नहि महि-मण्डल जे पर वेरन जान); वि० पदा० मजु० ४७; रामभद्रपुर पोथी ४०३ (अब आवह पुनु **एसना** कासे) । *esana(nā)—Old* Obs. poet. form of *ehana* form (q.v.).

एसनि **एसनि**—एहन (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । वि० पदा० मजु० ५३, रामभद्रपुर पोथी ४०४ (क) (**एसनि** एक परबोधि पठइहइ पुनु न आवए अनुरागी) । *esani—Old.* obs. poet of *ehana* (q.v.).

एसने **एसने**—एसन (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० ८४, रामभद्रपुर पोथी ४०६ (**एसने** हन लाग) । *esane—Emph.* form of *esana* (q.v.).

एँसो **एँसो**—एहन (दे०) केर अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता ५७ (**एँसो** कटकहि लटक व जाइनेँ देषिअ बहुत) । *ẽso—Avahaṭṭha* form of *ehana* (q.v.).

एह[1] **एह्[1]**—प्रत्यय । (अवधारण ओ समुच्चयमे इ तथा ओ शब्दसँ (इ)एह (उ)ओएह) । *eha[1]—Suffix* added in the sense of emphasis.

एह[2] **एह्[2]**—अव्य । खेद, वा दुख पीड़ा सूचक शब्द । [दे०] चित्रा ३१ (**एह** धन्य रहू); (**एह** बापरौ; बड़ जोरसँ टीस मारैत अछि *eha[2]—Ind.* An exclamation of pain.

एह[3] **एह्[3]**—एएह अथवा **एहन** (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ७; नव० गु० ७६३, अ० ७५८ (भनइ विद्यापति **एह** रसभान); वि० वि० ३३ (नृप भूपतीन्द्र भन **एह** निम [illegible]; [illegible] *eha[3]—Poet.* form of *ehana* (q.v.).

एहन **एहन**—वि० । ईदृश, एहन प्रकार, [illegible] रूपक । [सं० ईदृश] । तु० क० बं० मै० अइसन; हि० [illegible] पदा० मजु० २३, ग्रि० १४, न० गु० १७, [illegible] नहि जाने); गो० शृ० १ अमर ७ (**एहन** [illegible] प्रातक पहिल रजनि भेल भान); वि० वि० ३ **एहन** [illegible]

आन); मा० का० २२० (कतय एहन गय पहनक दौन); हि० सा० ४ (किदैक एहन तेजोमय जल); चित्रा ३२ (फसँ एक एहन निरुपमा युग सुन्दरी राज-रात किशोरी के) FML 191, 433, 356, 96. (एहन जवानी मोर मे आबे ! सौंफ कीले सँ हँसी लागे) = अहेंदे काप आगव। *chana—Adj.* Such.

एँहन(न्नि) एँहन(न्नि)—एहन (दे०) केर प्रा० मै० रू०। राम० २०० (एँहन विशुद्ध आनके दार); FML (एँहन R 18); FML (एँहनि R. 74)। *ēhana(ni)-Early* Maithili form of *ehana* (q.v.).

एहनसन एहनसन—क्रि० वि०। एहि तरहक, एहि प्रकारक, एहन सन। [एहन+सं० सम]। मो० २०३-२४ (एहनसन क्रम से हम गुरुकैं नहि देखलियन्हि)। *ehanasana—Adv.* Like such, as if.

एहना एहना—एहन (दे०) केर तिर्यक् रू०। वि० पदा० मञ्जु० ६७, रामा० ६२६, न० गु० ७७३, अ० ४६१ (एहना तेजि कमलाहु निक मेह); वि० पदा० मञ्जु० ३२३ (एहना शिथिल कुसल तुअ नेह); मि० अद० ३०-१६७-६ (एहना शिथिले), प्रभा० (एहना कठिन समयमे बहुत हिसाबसँ खर्च करबा चाही); पारो ३१ (तइयो एहना ठाँ पलसन ल क देखाक चाही)। *ehanā—Poet.* and coll. form of *ehana* (q.v.).

एहनाइ एहनाइ—एहना (दे०) केर चिकाचिकी रू०। FML 438। तु० क० एहनाइ=किछु एहन सन। *ehanāi—Chikāchiki* form of *ehanā* (q.v.).

एहनि एहनि—एहन (दे०) केर स्त्री वा० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २१ (एहनि सुन्दरि गुनक आगरि); वि० पदा० मञ्जु० १०८ (न सुनलि एहनि अवाकनि राति); राम० २४ (कोनहु लोक एहनि के सुन्दरि); पुरु० २४ (एहनि मति होइ की)। *ehani—Fem. Poet.* form of *ehana* (q.v.).

एहनिये एहनिये—एहनि (दे०) केर निश्च० रू०। पुरु० ५७ (एहनिये दशा परिणत अरबि)। *ehaniye—Emph.* form of *ehani* (q.v.).

एहनी ओ(तो)हनी एहनी ओ(तो)हनी—वि० स्त्री। अनादरार्थक अपमान सूचक शब्द; [एहन+ई+ओहन+ई]। मिहिर ११ (२-६२-५३) (एहनी-तोहनी) (हाँ गे ! तोँ त एहनी-ओहनी भाउगसँ सादि-बादि कयने छेँ)। *ehanī o(to)hanī—Adj. Fem.* Nonh. Insignificant.

एहनु एहनु—एहन (दे०) केर पूर्वी मै० रू०। FML 434 *ehanu*—The eastern Maithili form of *ehana* (q.v.).

एहने(नो) एहने(नो)—एहन (दे०) केर निश्च० रू०। राम० ३२६ (अपनहुँ सौं जौं एहने हयत); मो० ६७-१२ (बहुत शब्द एहने रहैछ); चन्द्र० ४५ (आनन्दित एहने दिवस मनाव); मि० अद० १५७-३ (एहनो निर्मलतानी मिथिलामे जन्म लै); हिरा० २०२ (श्रीदिमे कतेक एहनो अदाल्त मक छलाह); चित्रा ३६ (एहने अनूप मीन पकए रूप); पारो १० (एहनो-एहनो बात कहो मुँहसँ बहार करैथ)। *ehane (no)—Emph.* form of *ehana* (q.v.).

एहर एहर—एहरि (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ४०४ (एहर मीनाखे नहि, मो देहु न नेपिह)। *ehara—Coll.* form of *ehari* (q.v.).

एहरि एहरि—अव्य०। हे स्वामी, हे नाथ, हे कान्ह नाश करनिहार। [हे+हर]। वि० पदा० मञ्जु० १९८, नेपाल १०५ (एहरि जति तीरे परवस पेमे चित रस)। *ehari—Ind.* O Hari.

एहसान एहसान—उपकार [अर०]। तु० क० हि०, एहसान; उर्दू एहसान। (अहाँक एहसान हम जन्म भरि नहि बिसरब)। *ehasāna*—Favour, help.

एहाँ एहाँ—अहाँ (दे०) केर प्रा० छ० आद० मध्य० पु० मै० रू०। FML 421 (मै० सा० इ० dated 12 0 Sala) (बहुत दिन तक एँहा एतए आएल नहि छीअ); मो० १०१-२ (एहाँ अवस्था मे पढ़बाक अवसर पबैत छथि)। *ēhā—Old* Obs. second person Maithili form of *ahā* (q.v.).

एँहाँ एँहाँ—अहाँ (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 396, 435. *ēhā—Early* Maithili form of *ahā* (q.v.).

एहा(हाँ)क एहा(हाँ)क—अहाँक (दे०) केर प्रा० छ० का० रू०। वि० वि० २८ (एहाक वचन मध, मेल अपमाने) वि० वि० २८ (देखिअ एहाक बिलापे); मै० सा० इ० २२७ (१२२१ साल) (एहाँक)। *ehā(hā)ka—Old* Obs. poet. form of *ahāka* (q.v.).

एँहाक एँहाँक—अहाँक (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 396 (एँहाक कुशल) (Maharaja Viṣṇusimha's letter to Lala Jha 1147 Sal=1739 A. D.) *ēhāka—Early* Maithili form of *ahāka* (q.v.).

एहाङ्क एहाङ्क—ईहामृग। [सं० ईहामृग+अंक]। वर्ण० ६४ (तीस बीस एहाङ्क आकल, देश लक्षालक्ष बोअबे आइ)। *ehāṅka*—Name of a type of Sanskrit drama.

एँहानलोक एँहानलोक—एहनलोक (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 398 (आवत एहानलोक के लिखीय नहि)। *ēhānaloka—Early* Maithili form of *ehanaloka* (q.v.).

एहि एहि—क्रि० वि०। अइ, ई, एहन, एकर, इसक, [सं० एष]। तु० क० बंग० अस०, बं०, एहि। वर्ण० (जनि एहि आलिङ्गव); वि० ने० १६ (एहि वेभावि औषध लोहर अवर अनिब केर धार); वि० वि० ६ (तुअहि एहि सनी लेह); म० कृष्ण० ३३ (एहि सँ सुन्दर साप बस खाय); गौरी परिणय ६२ (एहि नाटक एतवा परवेश); चित्रा ६ (कखिक एहि कुठोरमे बैसल रही); BPL 1002,

1113, FML 312, 409, **311**, 306, 191, चन्द्र (लोकोक्ति) (एहि संसारक ई व्यवहार उत्पति धरनि होइछ संहार)। *ehi—Adv.* This, like this, like.

एँहि— एहि (दे०) केर प्रा० मै० रू० । FML 429. *ẽhi—Early* Maithili form of *ehi* (q.v.).

एहिकरि—हिनकर (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू० । FML 409. *ehikari—Early* obs. Maithili form of *hinakara* (q. v.).

एहिखन—एखन (दे०) केर विक० रू० । [सं०]। श्रीकृष्ण केलिमाला 40. *ehikhana-Alt.* form of *ekhana* (q. v.).

एहिखने—एहिखन (दे०) केर निश्च० रू० । वि० वि० ४ (एहिखने जायब अपन निवासे) । *ehikhane—Emph.* form of *ehikhana* (q. v.).

एहिगत—वि० । एहि गतिसँ वा एहि शरीर सँ । का० रू० । [एहि + गति अथवा गत अथवा गात्र > गत] । पुरु० २०० (अग्नि प्रवेश करब एहिग०) । *ehigata—Adj.* From this mood, or belonging to this body.

एहिठाम— एहि स्थान वा जगह मे । [एहि + ठाम] तु० क० एहिठाँ । राम० ३६ (गुरु प्रसाद अयलहु **एहिठाम**); पुरु० १६४ (कारण **एहिठाम** जानक चाहो) । *ehiṭhāma—* This place.

एहितह—एतए सँ (दे०) केर प्रा० का० रू० । [एहि + सं० तः, अथवा सं० इहतः] । श्री कृष्ण केलिमाला १० (**एहितह** ओहि बरु थोर कलेवे) । *ehitaha—Early* Maithili *poet.* form of *etae* (q. v.).

एहिन—एहन (दे०) केर छिकाछिकी रू० । FML 434. *ehina—Chikāchiki* form of *ehana* (q.v.).

एहिना—क्रि० वि० । बिनु विशेष कारणेँ, एहि तरहेँ, एही प्रकारेँ । [सं० अमुना, एह + ?ना = नहि] । तु० क० **ओहिना**, ओहुना (दे०) । मै० हि० सा० ७ (**एहिना** पठाओल गेल अछि); मो० ६७-८ (एहिना नित रहत स्वतन्त्र); मि० उद० १५६-१ (सृष्टि कैँ **एहिना** बदलैत छी); प्रण० ४ (व्रजेन्द्र नायक **एहिना** उच्चारण कैलन्हि); चित्रा ६ (आइ गूड़ा कालिह खुद्दी **एहिना**) । *ehinā—Adv.* Thus, for no particular reason.

एहिपर—एहिसँ दोसर, एहि अथवा एकहिटा पर । [एहि + उपरि > पर] । FML 385. *ehipara—Adv.* Upon this, different from this.

एहिलो(लौ)किक—वि० । एहि पृथ्वीपर रहनिहार मनुष्य सम्बन्धी, एहि लोककेर, परलोक वा दोसर लोकमे नहि । [सं० ऐहलौकिक] । मि० उद० १५७-१६ (एहिलौकिको ग्रन्थ अनेक छल); (एहिलौकिक [illegible] परिवर्तन देखबामे नहि अबैछ) । *ehilo(lau)kika—Adj.* Related to the inhabitants of the earth.

एही— एहि (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० ५७४ (हमरि धीया के **एही** वर होएता); मै० हि० सा० ३-६ ३७ (सत्व, रज, तम, **एही** तीनू द्रव्यक त नाम प्रकृति थीक); निर्दे० ४ (६१-५३); मि० उद० १५७-१ (**एही** एक दू मासमे); प्रण० २ (**एही** तर्क वितर्कमे छलहुँ) । *ehi—Coll. Emph.* form of *ehi* (q.y.).

एहु—एहू (दे०) केर प्रा० मै० रू० । कीर्तिलता ७ (राद चरित्त रसाल एहु थोह न रालहि गेह); गो० वि० २ (ख) (महन करथु जगत एहु ब्रह्म); बं० सा० प० १३०१, न० गु० ६, अ० १००७ (विज्जावइ कविवर **एहु** वर गावए); पा० ३०२ (एहु निलज वच चान्द चकोर); FML 311, 409. *ehu—Early* Maithili form of *iho* (q.v.).

एहुना— क्रि० वि० । एहू प्रकारेँ कोनहुना, बिना कहेँ । [एहू (दे०) + ना] । *ehunā—Adv.* Thus also, somehow also.

एहू—एहि (दे०) केर निश्च० रू० । वि० राग० ५२(सुकवि **एहू** कण्ठहारे गाओल रूप सकल सरूप); मै० हि० सा० (३-४) २ **एहू** दूनू संस्कार रत्नमे चोरयबा लय लोक कटिबद्ध भय रहल अछि ।); मो० ६७-२ (**एहू** रुपेँ मुदित होथु); मि० उद० १५८-१३ (**एहूँ** होइछ जे) । *ehū—Emph.* form of *ehi* (q.v.).

एहूठाम—एहिठाम (दे०) निश्च० रू० । पुरु० १६७ (**एहूठाम** सौं आनठाम जाई) । *ehūṭhāma—Emph.* form of *ehiṭhāma* (q. v.).

एहे—इएह (दे०) क प्रा० मै० रू० । तु० क० अस० **एइ**; S. Sen 117 **एहे** । वि० ने० ४४ (**एहे तोर** बड भाग); वि० पदा० मजु० १३; न० गु० (हर) ३८, अ० ६४५ (**एहे** गउरि मोन करैत दोस); राग० ५० (रोस बिसरि **एहे** नितपाअ सुजाने); वि० नै० ४ (नीति विनय गुण **एहे** भूप जान); FML 409. *ehe—Early* Maithili form of *ieha* (q. v.).

एहे(हेँ)न—एहन (दे०) केर [illegible] तु० क० बं०, अस० **एहेन** । राग० ७४ (अरजल एहेँन [illegible]); [illegible] ३३७ (**एहेन** सृष्टि नहि दोसर ठाम); मि० उद० १५७-१६ [illegible] **एहेन** उपाय कैल जाइत); चित्रा ६ (भ रहल अछि **एहेन** कोनो [illegible]); शतदल ६ (ग्रह नयनक आग्रह **एहेन** प्रकृति); ग्रि० । *ehe(hẽ)na—Coll.* form of *ehana* (q.v.).

एँहेन—एहेन (दे०) केर प्रा० मै० रू० चन्द्र० ३७ (किअ हिअ देलनि एँहेन विधि [illegible]) [illegible] Maithili form of *ehena* [illegible]



𑒌¹ **ऐ¹**—मिथिलाक्षरक बारहम स्वरवर्ण। [सं०]। तु० क० अव०, बं०, असं०, ने० ऐ। *ai¹*—The Twelfth Vowel.

𑒌² **ऐ²**—स्त्रीकेँ सम्बोधन करबाक शब्द। [सं० हे > अइ]। तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, अव० ऐ; भए। प्रणा० ४० (ऐ! एतेक जोरसँ नहि बाजू)। *ai²*—Interjectional word for drawing the attention of a wo an.

𑒌³ **ऐ³**—अइ वा एहि (दे०) केर का० रू०। राम० ४४ (ऐ महानन्दसँ स्नान्त के सम्बन्ध)। *ai³*—*Poet.* form of *Ai* or *ehi* (q. v.).

𑒌⁴ **ऐ⁴**—प्रत्यय। अइ केँ ऐ परिवर्तन भए जाइछ। मि० भा० वि० ६६; FML 77. (प्राकृ० चइत > चैत)। *ai⁴*—Suffix. *Ai.* is pronounced as *ai*.

𑒌𑒀 **ऐँ**—अव्यय। हि० उच्चारणसँ पुनरावृत्ति सूचक शब्द अर्थात् एक बेर नहि सुनल वा बुझला सन्ताँ पुनः दोसर बेर कहबाक हेतु कहल गेल शब्द, आश्चर्य सूचक शब्द। [ए + (चन्द्र बिन्दु)]। तु० क० हि० ऐँ। *ai—Ind.* Hindi spelling of *aĕ* used for asking som ething to be repeated.

𑒌𑒂 **ऐआ**—प्रत्यय। उत्तक भेनिहार भो रहनिहार इत्यादि अर्थ प्रयुक्त होइत अछि। भव अर्थमे गाम, घर, समय, तथा वन शब्दमे ऐआ प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० ३८ (गमैआ, घरैआ, समैआ तथा बनैआ); भाव अथवा भविष्यत्कालिक क्रियामे अव धातुमे —ऐआ प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० १४२ (पढ़ैआ भविष्यत्कालिक आगमन)। *aiā*—Suffix.

𑒌𑒂𑒧 **ऐआम**—वर्त्तमान युग, जमाना। [अ० = समय, अवधि]। मि० भा० कोष ३३। तु० क० हि० आयाम। *aiāma*—Present day.

𑒌𑒏𑒧𑒞𑓂𑒨 **ऐकमत्य**—मतैक्य, समान वा एक रूपकेर भाव। [सं० एकमत + ष्यञ्]। तु० क० ने०, बं०, ऐकमत्य। मि० १८८ (किसीदार सभ अपनामे ऐकमत्य कै)। *aikamatya*—Unanimity.

𑒌𑒏𑒰𑒩 **ऐकार**—ऐकार वा दोसि (ै, ौ) केर मात्रा, ऐ आखर। [सं०]। तु० क० बं०, असं०, ने० ऐकार। (ऐकारक मात्रा लगाउ)। *aikāra*—The letter ai, especially its symbol (ै, ौ).

𑒌𑒏𑒰𑒑𑒰𑒩𑒱𑒏 **ऐकागारिक**—वि०। घरक अध्यक्ष, चोर, डकैत। [सं०]। अम० २३१ (चोर ऐकागारिक सैन)। *aikagarika—Adj.* Thief, robber, President of a house.

𑒌𑒏𑒱𑒏 𑒢𑒱𑒨𑒧 **ऐकिक नियम**—गणितक एक प्रकारक हिसाब बनयबाक एक रकम नियम। [सं०]। तु० क० एकिक नियम। (आब हमर चौथा ऐकिक नियम सिखताह)। *aikika niyama—Adj.* Unitary method in arithmetic.

𑒌𑒏𑒹 **ऐके**—एकहि (दे०) केर अशु० रू०। पुरु० ७६ (राजा कहँ ऐके बेटा)। *aike—Err.* form of *ekahi* (q. v.).

𑒌𑒏𑓂𑒨 **ऐक्य**—एकता, एक भाव, एकत्व, अभिन्नत्व, समता। [सं० एक + ष्यञ्]। तु० क० बं०, असं०, नै० ऐक्य। रंग ८५ (ऐक्य सहजे बान्हि देल); मी० ६६-६ (करैक थिक ऐक्य सौ शुभ विनीत हो चाहरी)। *aikya*—Unity,

𑒌𑒐𑒢 **ऐखन**—एखन(हि)खन वा एखन (दे०) केर बो० वा निश्च० रू०। मी० ६७-१५ (सेहो दण्ड ऐखन दिआ); प्रणा० १३७ (ऐखन बरियातसँ बिदा भ जाएत); पारो ५० (ऐखन कोना कहु चौधरी)। *aikhana—Coll.* or *Emph.* form of *ehikhana* or *ekhana* (q. v.).

𑒌𑒓𑓂𑒑𑒳𑒠 **ऐङ्गुद**—इङ्गुदी फल। [सं०]। अम० ८० (न्यग्रोध, ऐङ्गुद)। *aiṅguda*—The fruit *Ingudi*.

𑒌𑒀𑒔𑒥 **ऐँचब**—क्रि०। तिर्यक होयब अर्थात् टेढ़ होएब, तिर्यक करब अर्थात् टेढ़ करब। [खीँचब (दे०) अथवा अञ्च > ऐँच + अब]। भा० कोष ३१; मि० (देहकेँ बरेत ऐँचब शुभ थीक)। *aicaba—V.* To twist (body etc.).

𑒌𑒀𑒔𑒰𑒞𑒰𑒢𑒰 **ऐँचाताना**—वि०। जे एक दिस देखलक दोसर दिस नहि सुझलैक। [ऐँचब + तानब]। तु० क० खींचातानी (खिचातानी)। (ऐँचाताना कहए पुकारि हम मानल कुबरा सँ हारि)। *aicatānā—Adj.* One sided, oblique eyed.

𑒌𑒀𑒔𑒱 **ऐँचि**—ऐँचब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। तु० क० ने० ऐंचि। (देहकेँ बच्चा ऐँचि कैल छल)। *aicai—Part.* form of *aicaba* (q.v.).

𑒌𑒔𑒻𑒞 **ऐचैत**—ऐँचब (दे०) केर वर्त० रू०। विरा० ११ (तावदाइ ऐचैत-मैचैत आगाँ बढ़ि)। *aicaita—Present* tense form of *aicaita* (q. v.).

𑒌𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏 **ऐच्छिक**—वि०। इच्छासँ राखल गेल वा पसन्द कयल गेल। [इच्छा]। तु० क० ने० ऐच्छिक। (की पौ बाजू।

ऐच्छिक विषय कओलेजमे की सब राखल अछि)। *aicchika—Adj*. Optional.

ऐंछ—अछि (दे०) केर बा० रू०। रेखाचित्र ५२। *aicha* *Coll.* form of *achi* (q. v.).

ऐंछन—ऐसन (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं० असा० **ऐछन**। वि० पदा० मजु० ४२, पण्डित बाबाजी पोथी ९८ (यत किछु कहल सबहु ऐछन भेल)। *aichana*—P.F. of *aisana* (q. v.).

ऐंजन—सर्व०। उएह व्यक्ति (दी०), दोहराय कें पुनः उएह पोथी, गीत। [ने० शब्दकोष ५९ इएह + जन अथवा अर०]। तु० क० ने० ऐजन। मि० भा० कोष ३९। *aijana—Pron* Ditto, the same repeated.

ऐंठ—वि०। उच्छिष्ट, अइँठ, खाएल वस्तु, बचल अंश। [सं० उच्छिष्ट वा IAL Turner 1067]। तु० क० हि० जूठ, उ० अइँठा, गु० एँठि; पा० आमट्ट; प्राकृ० अम्मुट्ठठ। वि० ने० २४२ (अँठ कए जाएत चकोरे); वि० पदा० मजु० ७८, तालपत्र न० मु० २२१, रामभद्रपुर पोथी ३०६, अ० २२८ (ऐँठ कए जाएत चकोरे); पुरु० ३२ (अँट जूठ अन्न (यल भोजन); ग्रि०; कन्या० ५६ (जहिना कुकुर ऐँठ पात देखि चारूकातसँ झपटैत अछि)। *aiṭha—Adj.* Tasted, leavings of a meal.

ऐंठकच(ठा)र--जल मिश्रित अधिक ऐंठ। [ऐँठ + खिचाड़ > खचार > कचार (कठार = कूट > कुठ = समूह)]। तु० क० ऐँठ काँट। (ऐँठकचार भोजवरा आँगनमे होइत छैक); टटका गप्प ४२ (तकरा जुमा क ऐँठकठारपर फेकि देलनि)। *aiṭhaka(ṭha)ra*-Water mixed left over meal.

ऐंठकुठ—उच्छिष्ट तत्सम उभय; अर्थात् अइँठ आओर ओहिसँ सम्पर्कित अवशेष वस्तु। [ऐँठ + कूट = समूह ढेरी]। (ऐँठकूट यदि बचल हो त कने हमरा खवासनीकेँ दए देबैक)। तु० क० ऐँठकाँट। *aiṭhakuṭha*—Left over meal.

ऐंठन—घुमाएब, वा घुमाओल, अमेठी; लटपटाएकेँ बाँटल। (IAL Tuner 1450 आवेष्यते] तु० क० पा० अइँठणा; हि० ऐंठना; ने० ऐँठन (ऐँठन जरल न जरि गेल जोड़); PPL 115 मि० भा० कोष ३९। *aiṭhana*—Twist, yawn, arrogance.

ऐंठब—क्रि०। घुमाएब, घमण्ड करब, अमेढ़ी देब। [IAL Turner 1450 आवेष्ठ्यते]। (डोरीकेँ खूब ऐँठब ओकर बाद कार्यमे आनब); (बेशी बदमाशी त कान ध क ऐँठब); मि० भा० कोष ३९। *aiṭhaba—V.* To wriggle, to twist.

ऐंठल—क्रि० वि०। टेढ़, सुखायल, दुबरायल, घमण्डी, ऐँठब (दे०) केर भू० रू०। BPL 123; मिहि० ३५-३-११ (नेनोक देह ऐठल जाइत छैक); आमकठ २४ (राडक ऐठल हिन्दी मे सुनलन्हि)। तु० क० ऐठलाह; ऐठलराह। *aiṭhala—Adj.* Past tense form of *aiṭhaba* [illegible].

ऐँठलाह(हि)—वि०। [illegible] वा माननिहारि। [ऐँठल + आह + इ]। (आइ कालिक [illegible] बड़ ऐठलाह(हि) भ गेल अछि); मि० भा० कोष ३९। *aiṭhalāha (hi)—Adj.* Who (he or she) does not [illegible].

ऐँठलि—ऐठल (दे०) केर स्त्री० रू०। नच्चत्र ९९। *aiṭhali—Fem.* form *aiṭhala* (q. v.).

ऐँठा—केश बन्धक डोरी। [ऐँठब]। मि० भा० कोष ३९; ब्य० विज्ञान ३३९; BPL 1167; जीमूतवाहन ६६। *aiṭhā*—String used in hair dressing of ladies.

ऐँठाइए—ऐँठ (दे०) केर निश्च० रू०। मै० सा० मन्जरी ७। *aiṭhāie—Emph.* form of *aiṭha* (q. v.).

ऐँठार—उच्छिष्ट वा अइँठ फेकबाक स्थान। [ऐँठ + आड़]। प्रवा० ४८ (पीढ़ी ससरि क ऐठार मे चल गेलैन्ह); मि० भा० कोष ३९। *aiṭhāra*—The place where leavings of a dinner are to be thrown.

ऐँठारहि—ऐँठार (दे०) केर निश्च० रू०। मिहिर ३५-२०-२१ (ऐँठारहि पर रखवावय नृप धन से कतय अयाची)। *aiṭhārahi—Emph.* form of *aiṭhāra* (q. v.).

ऐँठि—ऐँठब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। आन क २७ (दुलार कान ऐँठि देलथिन्ह)। *aiṭhi—Part.* form of *aiṭhaba* (q.v.).

ऐँठुआ—ऐँठल (दे०) केर विशेषण रू०। BPL 756; 769. ऐँठुआ केश)। *aiṭhuā—Adj.* form of *ãiṭhala* (q.v.), curly (hair).

ऐँठी—घमण्ड (जाति वा धनक)। *aiṭhī—Pride* (of wealth or status).

ऐँड़ी—क्रि० एड़ीसँ मारब, अपमान करब। उड़ इ [एड़ी]। *aiḍī—V.* Hit with heel, insult.

ऐँढ़ब—ऐँठब (दे०) केर बा० रू०। ऐँढ़ी [illegible] क्रिया रूप। मि० भा० कोष ४०; (रस्सीकेँ जतेक ऐँढ़ब ओतेक मजगूत होएत)। *ãiḍhaba—Coll.* form of *aiṭhaba* (q. v.). *V.* form of *aiḍhī* (q. v.).

ऐँढ़ी—माजक हेतु घुमाएब, गुन (रस्सी) मे [illegible] अमेढ़ी देब। [IAL Turner 1450 आवेष्ठ्यते] [illegible] नहि दिऔक नहि त डोरी फट्टसँ टुटि जायत); मि० भा० कोष [illegible] *aiḍhī*—Winding of string.

ऐंरा—हरिणक चर्मकेर नाम [illegible] अम० ११४ (ऐरा ई हरिणक चर्मकेर नाम [illegible] —

name of a kind of skin of deer.

𑒌𑒞¹ **ऐत¹**—प्रत्यय । अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्त्ता पद रहने ऐत प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० २०४ (भूतमे नहिं होइत छैं मन उपजैत; भविष्यमे आबहु कोनो अवलम्ब होइत तँ मिर्नाद चलैत; वर्त्तमानमे सब धातुमें ऐत प्रत्यय होइत अछि) । ल० वि० १९४ (चींकैत बालकके देखल); ऐत प्रत्ययकें क्त आदेश होइत अछि । ल० वि० १५२ (देखैत अपनहु कें देखनहिं अबलहुं); मै० व्याकरण ८६ । *aita¹*—Suffix.

𑒌𑒞² **ऐत²**—वि० । अत्यधिक सुन्दर, बहुत बढ़िआं । [अर०] । तु० क० उर्दू अएन, सं० अ.यत । (एहि कनियाँ क मुँह बतैक ऐत छैक) । *aita²*—*Adj.* Very excellent.

𑒌𑒞𑒫𑒰 **ऐतवा**—एतवा (वि०) केर अशु० ग्रा० रू० । मि० २१५ (ऐतवा कथा सुनैत) । *aitavā*—*Erro. Coll.* form of *etavā* (q.v.).

𑒌𑒞𑒱𑒮 **ऐतिस**—अभिमान, घमण्ड । [ऐत+उपस] । मि० भा० कोष ४०; (एतेक ऐतिस हमरा जनु देखाउ) । *aitisa*—Pride.

𑒌𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮𑒱𑒏 **ऐतिहासिक**—वि० । इतिहास जाननिहार, जे इतिहास मे होबक, इतिहास सम्बन्धी । [सं] । तु० क० हि०, बं०, असा०, राज०, मरा०, नै० ऐतिहासिक, प्राकृ० ऐतिहासिअ । मो० १०२-६ (ओकरा ऐतिहासिक दृष्टिसँ देखैत छी), जगन्नाथपुरी यात्रा ४० । *aitihasika*—*Adj.* Historical, pertaining to history, historian.

—𑒌𑒞𑒲 — **ऐती**—प्रत्यय । कर्म अर्थमे धातु सभा पदक, पञ्च शब्द सँ ऐती प्रत्यय लगैत अछि । ल० वि० ४१ (डकैती; सनैती; पट-कैती, पञ्चैती) उद्धम शब्दसँ विवाह=क्रियामे ऐती प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ५१ (हमरा देवदत्त स्नाक ओहिठाम कुटुमैती अछि); मि० भा० वि० ६५, २४६ । *aiti*—Suffix.

𑒌𑒞𑒲-(𑒖𑒻𑒞𑒲) **ऐती-(जैती)**—अबैत जाइत काल । [आएब+ऐत]+जाइत (जैती)] (ऐती जैती तीन टका भाड़ा लगैछ) । *aiti-(jaiti)*—The act of coming and going.

𑒌𑒞𑒾𑒯 **ऐतौह**—आएब (क्रि०) केर अना० मध्य० ओ अन्य पुरु० भविष्य० रूप । प्रण० ८१ (जखन मन ऐतौह तखने विदा भ जैयह); रंग० १० (चोर ऐतौह) । *aitauha*—*honh.* future tense second or third person form of *āeba* (q.v.).

𑒌𑒯𑒼 **ऐहो**—इहो (क्रि०) क प्रा० का० रू० । वि० पदा० मजु० १ ८३, न० गु० (हर) १, अ० (विद्यापति कवि्वरे एहो गाओल) मन० कृष्ण० १६ (ओहि नगरी तँह एहो निकि मैता; वि० । *eho*—*Early* Maithili *Poet.* form of *iho* (q.v.).

𑒌𑒢 **ऐन**—वि० । समुचित, बिलकुल ठीक, वाजिब, कानून । [अर० अयन] । तु० क० हि० ऐन गैन न० १ (ऐन मौका उनका औँठ पिच्छड़ न जाइन्हि); (ऐनक फन) = कलईन, यकदम ठीक । (ऐन कानून छँटैत छल) । *aina*—*Adj.* Proper, exact.

𑒌𑒢𑒯𑒱 **ऐनहि**—आएब (क्रि०) केर निश्च० रू० । सनेस १५ (धन्य हम जकरा ऐनहि सौं विपत्ति भ सभ उसह भागह) । *ainahi* *Emph.* form of *āeba* (q.v.).

𑒌𑒢𑒰 **ऐना**—अएना (क्रि०) केर हि० वर्त्ता रू० । तु० क० सं० आयना; अस० हि० आइना; उर्दू आइना; नै० ऐना, अएना; । मि० ३०० (लैह ऐना सँ अपन-अपन मुह देख लैथै कहौ); भा० विज्ञान २४ (ऐना सतचरा); प्रि० । *ainā*—*Coll.* Hindi spelling form of *Aenā* (q.v.).

𑒌𑒢𑒹 **ऐने**—अएने (क्रि०) केर हि० वर्त्ता रू० । दिरा० १७७ (विनु गाम ऐने उपाये नहि छन्हि); प्रवा० २२ (परन्तु ऐने की ?) । *aina*—*Coll.* Hindi spelling form of *aene* (q. v.).

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 **ऐन्द्र**—इन्द्र सम्बन्धी, अर्जुन, जयन्त, बालि, सुग्रीव । [सं० इन्द्र+अण] । तु० क० बं०, अस० नै० ऐन्द्र । राम० २७२ (कहि-कहि जयमय ऐन्द्र शर) । *aindra*—Jayanta, Arjuna, Bali, Sugrīva, relating to Indra.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒰𑒪𑒱𑒏 **ऐन्द्रजालिक**—वि० । इन्द्रजाल जननिहार, जादूगर, इन्द्रजाल सम्बन्धी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असा०, नै० ऐन्द्रजालिक, मृच्छकटिक ५८ । *aindrajālika*—*Adj.* Magical, relating to magic, a magician.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒡𑒢𑒳 **ऐन्द्रधनु**—इन्द्रधनुष (क्रि०) केर का० रू० । राम० २६५ (सखन ऐन्द्रधनु भराति समान) । *aindradhanu*—*Poet.* form of *Indradhanuṣa* (q.v.).

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 **ऐन्द्रयोग**—इन्द्रयोग केर का० रू० । राम० २५८ (ऐन्द्रयोग मुनि दर सविधान) । *aindrayoga*—*Poet.* form of *Indrayoga*.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 **ऐन्द्रास्त्र**—इन्द्रक अस्त्र । [सं०] । रघुवंश (पाँचम) २०६ । *aindrāstra*—The weapons of Indra.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒨 **ऐन्द्रिय**—वि० । इन्द्रिय सम्बन्धी । [सं०] तु० क० बं० ऐन्द्रिय । *aindriya*—*Adj.* Relating to the senses.

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒱 **ऐन्हि**—प्रत्यय । आदरार्थक अन्य पुरुष क्रियामे जोड़ल जाइछ । FML 474; (देखलिऐन्हि; अबितिऐन्ह; हँसितियैन्ह) । *ainhi*—Suffix. It is added in hon. third person, transitive verbs.

𑒌𑒣𑒢 **ऐपन**—अइपन वा अरिपन (क्रि०) केर विक० रू० । राम० ५६ (उजर ऐपन मुक्ताहार); दिरा० ६६ (पिठारसँ ऐपन द रहल छथि) । *aipana*—Alt. form of *aipana* or *aripana* (q. v.).

ऐपनहि—ऐपन (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० १४० (सेर भरि चाउर मोर ऐपनहि गेल) । *aipanahi*—*Emph.* form of *aipana* (q. v.).

ऐब[1]—आएब (दे०) केर हि० उच्चा० वा० रू० । FML 332 (प.ना म क ऐब); FML 340. *aiba*[1]—Hindi spelling of *Coll.* form of *āeba* (q.v.).

ऐब[2]—वि० । दोष, अवगुण । [अर०] । तु० क० उर्दू ऐब । (अहाँमे समटा गुणे अछि मुदा एकटा बड़ पैघ ऐब अछि) । *aiba*[2]—*Adj.* Defect, fault.

ऐबा(क)—अएबा(क) (दे०) केर हि० उच्चा० वा० रू० । चित्रा ५९ (ओहि-राति ऐबा काल); मि० २२७ (स्वदेश ऐबा ः शुभ समाचार पूर्वहि विज्ञात कराओल); FML 335, प्रण० १७६ (एतए ऐबाक और पेटी अनबाक फले की) । *aibā(ka)*—Hindi spelling of *Coll.* form of *aebā(ka)* (q.v.).

ऐबे—ऐबा (दे०) केर निश्च० रू० । पारो १६ (दशमीक छुट्टीमे ऐबे त करब) । *aiba*—Emph. form of *ailā* (q.v.).

ऐबो—ऐबा (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० १३७ (कहाँसँ ऐबो कैल) । *aibo*—*Past* tense form of *aibā* (q.v.).

ऐया—प्रत्यय । ऐआ (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० वि० ६०, ९०, १६०; ने० शब्दकोष ५८ ऐआ-ऐया; [अढ़ाए+ऐया=अढ़ैया] । *aiyā*—*Suffix* Alt. form of *aiā* (q.v.).

ऐयाम—ऐआम (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० को० ४० । *aiyāma*—*Alt.* form of *aiāma* (q.v.).

ऐयार—वि० । चालाक, धूर्त । [अर०] । तु० क० हि० ऐयारी । रंग १३२ (हम ऐयार सिंह छी) । *aiyāra*—*Adj.* Clever.

ऐयाशी—विषयासक्ति, भोग-विलास । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू ऐयाशी; उर्दू ऐयासी । (ऐयाशी लोकनिक वासना सतत तीव्र होइत रहैत छन्हि) । *aiyāśī*—Sensuality, life of pleasures.

ऐरावण(त)—इन्द्रक हाथीक नाम । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० (ऐरावत । वर्ण ५९ (ऐरावत, पुण्डरीक); अम० (११ ऐरावत अभ्रमातङ्ग ऐरावण); म्रि०, राम० ६१ (चतुर चन्द ऐरावत) । *airāvaṇa(ta)*—Name of Indra's Elephant.

ऐरावती—ऐरावत (दे०) केर स्त्री० रू० । अमर० ११ (ह्रादिनी ऐरावती क्षणप्रभा) । *airāvatī*—*Fem.* for of *airāvata* (q. v.).

ऐल—आएल (दे०) केर हि० उच्चा० वा० रू० । चित्रा ९ (प्रकट भेल मराल ऐल समीप किछु); FML [illegible] प्रिय तेहेन ई ऐल हेहरि) । *aila*—Hindi spelling of *Coll.* form of *āela* (q.v.).

ऐलथि(थु)न्ह—अएलथि(थु)न्ह वा एलथि(थु)न्ह (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । मि० उद० १२७-२२ (हुनक समीप ऐलथिन्ह); कन्या० ८ (बड़की दाइ ऐलथुन्ह); प्रण० २३ (खिचैत तिरैत ल ऐलथिन्ह) । *ailathi(thu)nha*—Hindi spelling of *Coll.* form of *aelathi (thu)nha* or *elathi(thu)nha* (q.v.).

ऐलन—अएलाह (दे०) केर ग्राम० रू० । उमाशंकर विवाह कीर्तन १३ । *ailana*—*Folk* form of *aelāha* (q.v.).

ऐलहुँ—अएलहुँ वा एलहुँ (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । मि० ३११ (आरम्भ कै चुकलहुँ तखन अहाँ ऐलहुँ; क्षमा करब); ने० ३४-१९५ (आश्रममे ऐलहुँ); प्रण० (पुनः विछाओन पर ऐलहुँ) । *ailhũ*—Hindi spelling of *Coll.* form of *Aelahũ* or *Elahũ* (q.v.).

ऐलन्हि—अएलन्हि वा एलन्हि (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । पारो १९ (कोदन कहै छै से ऐलन्हि अछि) । *ailanhi*—Hindt spelling of *Coll.* form of *aelanhi* or *elanhi* (q.v.).

ऐला[1]—अएला (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । चित्रा ११ (रुपैया वान्हि बूढ़ ऐला सौराठ) । *ailā*[1]—Hindi spelling of *Coll.* form of *aelā* (q. v.).

ऐला[2]—रोग विशेष, छोट माँस बढ़ल मसुबिर्धि । मि० भा० कोष ४० । (ऐला मेला पर महादेवकेँ एक भार भाटा चढ़ओलासँ छुटि जाइत छैक) । *ailā*[2]—Mole.

ऐलान—एलान (दे०) केर अशु० रू० । [illegible] *ailāna*—Err. form of *elāna* (q. v.).

ऐलाह—अएलाह (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । मि० उद० १५८-१७ (सोंभे पृथ्वी औते चल ऐलाह); ने० [illegible] (मधुबनी ऐलाह); प्रण० ३ (हमरा संग चल ऐलाह) । *ailāha*—Hindi spelling of *Coll.* form of *aelāha* (q. v.).

ऐलिऐक—एलिऐक केर अशु० रू० । द्विरा० [illegible] (जहिया सँ हम ऐलिऐक तहियासँ); प्रण० ४० (हमद नहि [illegible] नेने किऐक ऐलिऐक) । *ailiaka*—Err. form of *eliaika* (q. v.).

ऐलिऐन्ह—एलिऐन्ह केर अशु० रू० । [illegible] ३५६ (हम दै ऐलिऐन्ह) । *ailiainha*—Err. [illegible] *eliainha* (q. v.).

ऐलिऔह—एलिऔह केर अशु० रू० [illegible]

(किछने बैठने बात कहैत ऐलिऔह)। *ailiauha*—Err. form of *Eliauha*.

ऐलियौ—एलिऔह केर ग्रा० रू०। विद्या० ११८ (तोरा सभक पालु चैनै ऐलियौं)। *ailiyau*—*Coll.* form of *Eliauha*.

ऐलिहुँ—अएलहुँ (दे०) केर प्रा० तु० का० रू०। रामा० ७६ (आज पूनिमाँ तिथि जानि मोरे ऐलिहुँ उचित तोहर अभिसार)। *ailihũ*—*Early* Obs. *poet.* form of *aelahũ* (q. v.).

ऐली—अएलीहि (दे०) केर प्रा० तु० का० रू०। रामा० ६० (सभ जन पुनि गौरी पुरवा काल ऐली)। *ailī*—*Early* obs. *poet.* form of *aelīhi* (q. v.).

ऐलैक—अएलैक (दे०) केर अशु० रू०। मि० २२० (किसानोंमें कथित उमाप ऐलैक); रंग ६० (बाहर जाल ऐलैक प्रणु० ४० रंगर के देखए ऐलैक आंख)। *ailaik*—Err. form of *aelaika* (q. v.).

ऐलैन्ह(न्हि)—अएलन्हि (दे०) के अशु० रू०। कन्या० ५ (ते हैं सभ बातांलाप हुनका सुनमे नहि ऐलैन्ह; प्रण० ५ (ओहाओल मोनक ऐलैन्ह)। *ailainha(nh.)*—Err. form of *aelanhi* (q. v.).

ऐलौ(ह)—अएलौह (दे०) केर अशु० रू०। रामा० २३६ (दोसरो केरि ऐलौ); मि० ३०४ (छौ न छौ है ते ऐलौह सो सरकार के)। *ailau(ha)*—Err. form of *aelauha* (q. v.).

ऐलौँ—अएलहुँ (दे०) केर अशु० रू०। रामा० २०४ (लोचि कैं सिन्धु ऐलौँ)। *ailaũ*—Err. form of *aelahũ* (q. v.).

ऐव—आएव (दे०) केर विक० रू०। महेश० २ (तोहैं सुर ऐवह है); पारी २२ (अहाँक ओहिठाम अवश्य ऐव)। *aiva*—Err. form of *āeva* (q. v.).

ऐवाक—अएवाक (दे०) केर अशु० रू०। प्रण० २ (एना ऐवाक वस्त बतौने छथि)। *aivāka*—Err. form of *aevāka* (q. v.).

ऐवे—ऐव (दे०) केर निश्च० रू०। रामा० २०५ (सह लै फेरि ऐवे)। *aive*—Emph. form of *Aiva* (q. v.).

ऐवेर—एहिबेर केर ग्रा० रू०। व्यवहार विज्ञान ३। *aivera*—*Coll.* form of *ehivera*.

ऐवो—ऐव (दे०) केर निश्च० रू०। पारी ५८ (काम ऐवो कैलहुं त कैसोनिया नहि आ मेल)। *aivo*—Emph. form of *aiva* (q. v.).

ऐश—सुख, आराम, शान्ति, भोगविलास। [अर०]। तु० फ० हि०, उ० ऐश। (आइ काल्हि जमीन्दारलोकनिक ऐश आराम भए गेल छन्हि)। *aiśa*—Peace, luxury.

ऐशान(न्य)—ईशान कोण, पूब आ उत्तर दिशाक कोण। [सं०]। तु० फ० बं०, अस०, नै०, अव० ऐशान; अस० ऐशान्य; राज० ऐसान। (सम्प्रति ऐशान कोणक वायु प्रवाहित भए रहल अछि)। *aiśāna (nya)*—The northeast corner.

ऐश्वर्य—प्रभुत्व, अधिपत्य, समृद्धि, धन-सम्पत्ति, ख्याति, प्रसिद्धि, अणिमादि अष्टविध ऐश्वर्य। [सं० ईश्वर + ष्यञ्]। तु० फ० फ० हि०, बं०, अस०, नै०, अव० ऐश्वर्य; प्राकृ० इस्सरिअ; पा० इस्सरिय; इस्सेर; सि० इसुर। वर्ण० ६ (ऐश्वर्य महादेव); मो० ६७-२२ (ऐश्वर्यशील भारतक अधिकारी थिकहुँ); सहै० ५७ (ओ अतुल ऐश्वर्यक अधिकारी भ रहल अछि); व्याकरण प्रबोध १२। *aiśvarya*—Supremacy, prosperity, the forms of yogic power.

ऐसतैस—क्रोध तथा ईर्ष्याक भाव। (ईर्ष्या + ताडन)। मि० भा० भौ० ४०; प्रण० ७८ (ऐसतैस मारैत काज करबाबए लगलाह)। *aisataisa*—Threatening speech due to anger.

ऐसन—अइसन वा अइसन (दे०) के प्रा० तु० रू०। तु० फ० प्रा० मा० इसो; ईसो; प्रा० गु० इसिउ; इस्यउ; गु० अस्तउँ; प्राकृ० एहस; हि० ऐसा; प्रा० म० अइसा; म० असा; बं०, भोज० ऐसन। वर्ण० २ (सुशमोल ऐसन); गोरक्ष विजय ५ (क) ऐसन कलियुग कतहु न पाए); वि० गे० १६० (ए सखि ऐसन मोर अभाग); वि० पदा० मजु० ८८, नेपाल ५, न० गु० ४२१, अ० ४२७ (तोहर वचन अमिय ऐसन); रामा० ७७१ (सबतक सुनि ऐसन व्यवहार); B.P.L. 1088; FML 64, 96. *aisana*—*Early* obs. Maithili form of *Aisana* or *ehana* (q. v.).

ऐसना—ऐसन (दे०) केर का० रू०। रामा० ५३ (कन आयत पुनु ऐसना काली)। *aisanā*—P. F. *aisana* (q. v.)

ऐसनि—ऐसन (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० पदा० मजु० २२, न० गु० (नाना) ८, अ० १००६ (ऐसनि न कहब शुभा); रामा० ७१ (ऐसनि मनस रसमन्त ए); गो० न० १ अस्र० २४ (ऐसनि कामिनि पुरनवर वुझक दुलह नव बाला); रामा० ५१ (ऐसनि पावलि राति)। *aisani*—*Fem.* form of *aisana* (q. v.).

ऐहु[1]—एहि (दे०) केर प्रा० तु० मै० रू०। गो० न० २ अस्र० ४७ (मान भरम सम ऐहि हैति साथ न जानिय ऐह पतब परमाद)। *aiha[1]*—*Early* obs Maithili form of *ehi* (q. v.).

ऐह्²—इएह (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू० । पुरु० २० (**ऐह** हम चललहुँ) । *aiha²—Early* Obs. Maithili form of *ieha* (q.v.).

ऐह्ब—वि० । अइहव (दे०) केर वि० रू०, अविधवा, सधवा, सौभाग्यवती, BPL 1277; मि० भा० कोष ४०; (आइ ऐहब भोजन कराओल जाएत) । *aihaba—Adj.* A woman whose husband is alive, alt. of *a-ihava.*

ऐह्लौकिक—वि० । एहि लोक सम्बन्धी, एहि विश्व सम्बन्धी । [सं०] । तु० क० बं० **ऐहलौकिक** । मिहिर ३४-४-११ (समस्त ऐहलौकिक सौभाग्यकैं प्राप्त करथि) । *aihalaukika—Adj* Of this world.

ऐह्व—ऐहब (दे०) केर वा० रू० । व्य० विज्ञान ७ (हम दस गोट **ऐहवे** सुहव सँ चरहकड़ो दिन; [illegible] २५ । *aihava—Coll.* form of *aihaba* [illegible].

ऐहिक—वि० । सांसारिक, [illegible], लोक सम्बन्धी । [सं० इह + ठञ्] । तु० क० [illegible] ऐहिक । मो० ६७-१ (ऐहिक प्रशस्त करू) । *aihika—Adj.* Pertaining to this world or life.

ऐहिलौकिक—एहलौकिक (दे०) केर अशु० रू० । मि० उद० १५०-१६ (आध्यात्मिक वा ऐहिलौकिक [illegible] *aihilaukika—Err.* form of *aihalaukika* [illegible].

ऐहैन—एहेन (दे०) केर अशु० वा० रू० । मि० ३३= (मेवा मेटैक ने पुत्र पौत्रादि **एहैन** खाथि) । *aihaina—Err.* form of *ehena* (q. v.).

𑒍

ओ¹—मै० क दसम, संस्कृत मिथिलाक्षरक तेरहम स्वर वर्ण, एकर उच्चारण स्थान कण्ठ आओर ओष्ठ मानल जाइछ । तु० क० बं०, अस०, ने० ओ । (ए, ऐ **ओ** औ) । *o¹*—Thirteenth vowel.

ओ²—प्रत्यय । संस्कृत भाषामे अवधारणमे एवं तथा समुच्चयमे अपि शब्दक प्रयोग होइछ तकर स्थान मिथिला भाषामे कतहु ओ प्रत्यय लगाओल जाइछ । [हु (प्रत्यय > हो > ओ (प्रत्यय)] । ल० वि० १५१ (राम + ओ = **रामो**; कालि + ओ = **कालिओ**; जाएब + ओ = **जएबो**; दहाएब + ओ = **दहएबो**; पाओल + ओ = **पाओलो**) । *o²*—Suffix for emphasis or conjunction.

ओ³—सर्व० । स्त्री वा पुरुषकैं कहल वा इशारासँ देखाओल गेल शब्द; परोक्ष निर्देश । [सं० असौ] । तु० क० बं०, अस०, ने०, अव० ओ । वर्ण० ३ (ओ दण्डायुध); गो० शृ० १ अमर० १६ (नै जानिय रतिरस ओ सुख सम्पद की फल तुअ अनुरागे); गो० शृ० १ अमर० २६ (तुहुँ सुतलि रसमय परयंक । ओ तरि आयल पाँतर पंथ); मन० कृष्ण० ६ (ओ कन्या ल) मो० ७३ (हँसी ठट्ठाक ओ राजनियम विरुद्ध लेख); पुरु० १६६ (ओ एक समय); प्रण० ४ (ओ व्रजेन्द्रनाथक एहिना उच्चारण कैलन्हि); B. P. L 964; 1088, 1092, 1083; चित्रा (७ हमही थिकहुँ ओ देवता); FML 285 (ओ कहलथीन्ह); FML 290 (ओ गेल); FML 89 (ओ मोछा गेल); FML 285 (ओ आओति); FML 290 (ओ गेलाह) *o³—Pron.* That (He, She).

ओ⁴—अव्यय । आओर, एवं, तथा । [आओर (दे०) केर संक्षि०] । राम० (बाल) ५ (पार्वती ओ शम्भुकाँ); मो० ६७-२ (रजौराधीश युग ओ श्रीनगर भूनाथ काँ); मि० उद० १५७-१ (प्रबन्ध ओ नियम भय रहल छैक); वि० व० १८ (ब्राह्मणगण ओ रङ्क) । *o⁴—Ind* And.

ओँ—ओंकार, ब्रह्मवाचक शब्द । [सं०] । FML 474, 477, 500. *õ—Brahma.*

ओअ—ओ³ वा ओहन (दे०) केर प्रा० का० रू० । राम० ४४ (कैसनि मेलि ओअ रीति) । *oa—Early Poet.* Form of *o* or *ohana* (q.v.).

ओआक—पक्षिविशेष । उवाक (दे०) केर [illegible] रू० । [उ + वक] । मि० भा० कोष ४८ । *oāka*—Name of a bird.

ओआजिब—वि० । उचित, ठीक । [illegible] वाजिब] । तु० क० हि०, उर्दू० वाजिब । मि० भा० कोष [illegible] (अहाँक सभटा गप्प ओअजिब अछि) । *oājiba—Adj.* Proper, right.

ओआरब—क्रि० । ओरिआएकैं राखल, [illegible] आगाँ घास ओआरि दिऔ तखन ओकरा दूहू बेसी क । [illegible] ओआर + अब] तु० क० ओगारब (दे०) । *oāraba*—[illegible]. Place something for use. To give plenty of grass etc. for placing it before cattle as a meal.

ओआरन्ट—आदेश, आज्ञा, पकड़क [illegible] सरकारी कागत । [आँग्ल] । मि० ३८४ (गवर्नमेण्ट ओआरन्टक सिपाहीकैं वेष बदलवा) । *oāranṭa* —Warrant.

ओआरी—ओआरब (दे०) केर [illegible] कृष्ण० १२ (तेल सिन्दुर सभ देलन्हि ओआरि [illegible] *oārī*—[illegible] form of *oāraba* (q. v.).

ओआरे—? [illegible]

ओइ—ओहि (दे०) केर [illegible]

गबरा बहिनकी) । पारी० ३ (ओइदिन) । *oi—Coll* form of *Ohi* (q.v.).

ओइठाँ ओइठाँ—ओहिठाम (दे०) केर बा० रू० । FML 425. *oithā—Coll.* form of *ohiṭhāma* (q.v.).

ओइठिआँ(याँ) ओइठिआँ(याँ)—ओहिठाँ (दे०) केर छिकाछिकी रू० । FML 435. *oithā(yā)—Chikachiki* form of *ohiṭhā* (q.v.).

ओइनबार ओइनबार—एक गौड़ प्रसिद्ध वंशक नाम । मिथिला तत्व विमर्श पूर्वार्द्ध १११ । *oinavāra*—Name of famous dynasty.

ओइनिकइ(र) ओइनिकइ(र)—उम्हरे सँ, ओहिठाँ । प्रा० तु० प्र० [ओहि + कइ] । तु० क० ओन्नीपुन्नै । वर्ण० ४५ (ओइनिकइ (Foot note) वाइनाद थाल दुइ सुथाल मउमह) । *oinikai(ra)*—Even from there.

ओइरी ओइरी—धान्य विशेष, नीवार; एकर खेती नहि होइछ स्वतः पानिमे होइछ, कुश्वाक काल नहि होइत छैक, कुश्वाए का फुकि देला सँ एकर चाउर निआर ना जाइछ । [सं० नीवार] । मि०, मि० भा० कोष ४० । *oirī*—Name of a kind of paddy.

ओई ओई—ओहि (दे०) केर प्र० का० रू० । राम० २१२ (की सुख सुनि सुनि ओई देखमि) । *oi—Old poet* form of *ohi* (q.v.).

ओएना ओएना—जुआक प्रभेद वा ओकर कोनो चालि । [ ] । वर्ण० २५ (चंगा मनमला, ओएना) । *oenā*—A kind of gambling or its trick.

ओएह ओएह—ओ³ (दे०) केर बा० निश्च० रू० । उएह (दे०) केर विक० रू० । भानुवाह ७७; (ओएह विकाइ); (ओएह आबि रहल छथि) । *oeha—Alt.* of *ueha, coll.* or emph. form of *O³* (q.v.).

ओक ओक—आश्रय, घर, पक्षी । [सं० उच् + क > ओकस्] । चन्द्र० ५९ (हम दुर्लभ ओक) । *oka*—Shelter, home, bird.

ओकर ओकर—हुनकर (दे०) केर अना० बा० रू० । राम० ३५० (ओकर चातु विश्वास कर मन); मि० २११ (ओकर धैर्य तथा तथा साहस देखि); मि० उद० १५७–२५ (ओकर विवेचना कर्म हमलोकिन); मौ० २७१–८ (ओकर पीठ पर चढ़ि गेलाह); प्रय० ५१ (ओकर दूनू बाहि पकड़ि); चित्रा १३ (कामसँ भए गेलह पोर ओकर मन); B. P. L 1486. डा० उ० ना० तिवारी १३, ४२ FML 406. *okara—Nonh. Coll.* Form of *Hunkara* (q.v).

ओकरहि(हु) ओकरहि(हु)—ओकर (दे०) केर निश्च० रू० । मि० उद० २५६-२७ (ओकरहि कुक्षि पतित छैक); मौ० ६६५ (कओरहु निबाह लिखहु); मि० २२३ (ओकरहु धीयाँ खापाओल) । *okarahi(hu)—Emph.* form of *okara* (q.v.).

ओकरा ओकरा—हुनका (दे०) केर अना० बा० रू० । मि० दे० १६८ (ओकरा हृदय रहय नहि लागि); मि० २०० (आओर ओकरा चिकैत); मौ० ६७–१२ (ओकरा शुमल्लर बादि अन्य योग छैक); मि० उद० २५८–२१ (ब्याला द्वारा ओकरा बीतलनि); प्रय० ७ (ओकरा ओकर हमे की कहैत); *okarā—Nonh. Coll.* form of *Hunahā* (q. v.).

ओकरी ओकरी—ओकर (दे०) केर ग्रा० रू० । FML 286 (ओकरी भाए); (ओकरी ओकरी नानी कें) । *okarī—Folk* form of *Okara* (q.v.)

ओकरे(रो) ओकरे(रो)—ओकर (दे०) केर निश्च० रू० । राम० २१७ (ठाढ़ भेला ओकरे दिश ध्यान); मि० उद० १५७–८ (ओकरे सुत पहिरि); मौ० १३८–१६ (ओते लाभ ओकरे देने); चित्रा ८ (ओकरे अमृत पीबासँ वंचित करए); मि० २२४ (बाहिमे ओकरो पतिव्रतो कमलाकान्त मेलाह); प्रण० २६१ (ओकरो पेटिममे राखि लेलन्हि); पारो ७ (अवस्था ओकरो देखे छै) । *okare ro)—Coll.* form of *okara* (q.v.).

ओका ओका—छोट छोट बच्चा समक खेलक बहिल शब्द, सम्भवतः इहु भरकें एक गोटए राजा आ चौरक निर्णय करै अछि । [शब्दानुकरण ओका बोका तीन तुरका] । *okā*—First word in a children's play.

ओकाइत¹ ओकाइत¹—वि० । धन, विभव, शक्ति बल । [अर०] । (हमरा ए ओकाइत नहि अछि जे सरी देखन आ काल बच्चाक (पालन करब) । *okāita¹—Adj.* Welth, energy.

ओकाइत² ओकाइत²—ओकाएब (दे०) केर वर्त० रू० । पारो ६० (सेसर चारिम मासमे स्त्रीगण कें पहिला भी ओकाइत छैक) । *okāita²—Present* tense form of *okāeba* (q.v).

ओकाएब ओकाएब—क्रि० । वमनोपस्थिति युक्त होएब, की वमनरुच, वमनक सम्भावना होएब । तु० क० प्राकृ० ओक्किअ; उ० ओकिवा; गु० ओकवुँ; म० ओकणें; हि० ओक [ओक (ध्वन्यानुकरण) + भव] । मि० भा० कोष ४०; (पेटक की ओक एब ठीक नहि) । *okāeba-V.* To have a sensation of vomiting.

ओकाय ओकाय—ओकाएब (दे०) केर वर्त० रू० । पारो ६७ (ओकर जो ओकाय लगलैक) । *okāya—Present* form of *Okāeba* (q.v.).

ओकार ओकार—ओ केर मात्रा वा आखर (ो) (ो) । [सं०] । (ओकारक मात्रा लगाउ) । *okāra*—The mark of o (ो, ो).

ओंकार ओंकार—ओङ्कार (दे०) केर वि० रू० । तु० क० सं० ओंकार । कम० ३६ (ओंकार प्रणव) । *oṁkāra—Alt.* form of *oṅkāra* (q.v.).

ओकारान्त—वि०। जकरा अन्तमे ओ अक्षर हो, यथा फोटो। (ओकारान्त शब्द समुच्चय बोधक सेहो मानल जाइछ)। *okārānta—Adj.* Word which has at the end the letter O.

ओकालतनामा—मोकदमा चलएबाक हेतु ओकील के देल गेल पत्र वा कागत, ओकील नियुक्त करबाक कागत। [अर० वकालत + नामा]। तु० क० बं०, असo, ओकालतनामा। (हम अपन ओकालतनामा वीरचन्द्र एडवोकेटकेँ देल अछि)। *okālatanāmā*—Power of attorney.

ओकालति—संज्ञा। ओकीलक कार्य वा व्यवसाय। [अर० वकालत]। तु० क० अस० ओकालति; बं० उकालती। मि० उद० १५७–२६ (ओकालति छोड़ि रहल छथि); मिहिर ४ (२–६१–५३); विडम्बना ६६; चयनिका ७७। *okālati*—Pleadership.

ओकासी—उकासी (दे०) केर अशु० वा० रू०। नव० १०४ (गपशप हँसी ओकासी)। *okāsī—Erro. Coll* form of *ukāsī* (q. v.).

ओकिएला(ह)—क्रि०। रद करए लगलाह। [ओके + अएलाह]। त्रिफला १। *okielā(ha)—V.* Began vomitting.

ओकील—मुकदमा मे बहस वा तर्क देनिहार। ओकालति कएनिहार। [अर० वकील]। तु० क० भोज० ओकील। नव० १५ (कोनो ओकीलक मोहर्रिर); FML 604. *okīla*—A pleader.

ओके—ओकरा (दे०) प्रा० मै० लु० रू०। वर्ण० ४५ (ओके भूमि पालि राषि उभरि एक ठार भउअइ)। *oke—Early* Maithili obs. form of *Okarā* (q.v.).

ओकैलैन्ह—ओकाएब (दे०) केर भू० रू०। द्विरा० २०५ (मारखण्डीक जी ओकैलैन्ह)। *okailainha—Past* tense form of *okāeba* (q.v.).

ओक्कर—ओकर (दे०) केर वा० रू०। चित्रा ७२ (ककरा छैक पुछारी ओक्कर आब)। *okkara—Coll.* Form of *Okara* (q.v.).

ओखनि(नी)—ओहि क्षण, तखन (दे०) केर दक्षिणी मै० रू०। FML 437. *okhani(nī)*—The southern Maithili form of *takhana* (q. v.).

ओंग—अङ्ग (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू०। वि० पदा० मजु० १३०, तालपत्र न० गु० ७१६, अं० ७१५ (जावे न ओंग तरुनत भेल। तावे से कन्त दिगन्तर गेल)। *ŏga—Early* Obs. Maithilī form of *aṅga* (q. v.).

ओगएरह—अव्यय। सभ, आओर-आओर, आदि। [अर० वगैरह = आदि]। तु० क० अस० ओगाइरह [illegible] १२ (मुखिया आ फतुरो ओगएरह)। *ogaera[illegible]—[illegible]* on and so forth.

ओँगठनियाँ—पृथ्वी पर [illegible]। [अंग + ठाम + या] रंग १३ (ज्योतिषी जी ओँगठनियाँ [illegible]लाह)। *õgaṭhaniyã—Folk* form. Rolling on the ground.

ओगर—चाउर विशेषक नाम। तु० क० बरोगर, धरम जे पाठि मे होइछ। वर्ण० ६१ (लोहुरी प्रभृति ओगर हैमन्तक पीटल)। *ogara*—Name of kind of rice.

ओगरब—क्रि०। रक्षार्थ लगमे रहब, रक्षा करब, तकमीना करब। [कोड़ > गोड़ + अब = नुकाएब। अथवा गोप > रक्षा करब + अब]। मि० भा० कोष ४० (यदि वस्तु नहि ओगरब तँ नष्ट भए जायत)। *ogaraba—V.* To protect.

ओगरबाह(हिनी)—वि०। रक्षक, रक्षा कएनिहार वा कएनिहारि। [ओगरब + आह + इनी]। मि० भा० कोष ४०; (ओगरबाह ओगरबाहिनी सभ की मुँहे तकैत रहए)। *ogarbāha(hinī)—Adj.* Who he (or she) protects.

ओगरबाहि—रक्षकता, रक्षा। [ओगरब + आहि]। (की आमक गाछीक ओगरबाहि अहीं करैत छी।); मि० भा० कोष ४०; पारो १० (हमरालोकनिकेँ ओगरबाहि सँ फुरसति भेटि गेल रहए)। *ogarabāhi*—Protection.

ओगरबाही—वि०। रक्षा करबाक हेतु देल गेल वेतन वा पारिश्रमिक। [ओगरब + आही]। मि० भा० वि० ६५; कुमार २२। *ogarabāhī—Adj.* Wages for protecting (something).

ओगरी—ओगरब (दे०) केर इच्छार्थक रू०। रातदिन ६ (अनेक हित सदिखन धन ओगरी)। *ogarī—Opta.* form of *Ogaraba* (q.v.).

ओगरैछ—ओगरब (दे०) केर वर्त्त० रू०। मझार ५२। *ogaraicha—Present* tense form of *Ogaraba* (q.v.).

ओगला—उगल (दे०) केर प्रा० लु० रू०। [illegible] ४५ (ओगला सैचानक अइसनि आँषि कएले)। *ogalā—Obs.* P.F. of *Ugala* (q.v.).

ओगारब—क्रि०। मालकेँ घास [illegible] ओर अथवा उगरबा अथवा सं० उद्धारतम]। मि० भा० कोष [illegible] आगाँमे घास ओगारब तखन खूब दूध होएत) [illegible]— To give plenty of grass to cattle [illegible]

ओघ—क्रि० वि०। समूह, [illegible] गणेश खण्ड ५४; सु० ह० १७ (आनन्द ओघ [illegible]—

Adv. A lot of, stream.

ओंघड़्तियहुँ—ओंकड़ायब (दे०) केर इच्छा० रू०। राम० १६२ (ओंघड़्तियहुँ कपिदल संहार)। *ōghaḍhatiyahū*—Opta. form of *Oṅghaḍāeba* (q.v.).

ओंघड़ा—ओक(ड़)ड़ाएब (दे०) केर भू० क्रि० रू०। पारो ६४ (सबहि कम्बल पर ओंघड़ा आइ)। *ōghaḍā*—*Past* form of *Oṅghaḍhḍāeba* (q. v.).

ओंघड़ाइ—ओड(घ)ड़ाएब (दे०) केर इच्छा० रू०। चित्रा १६ (वर आसनमे ओंघड़ाइ खसी)। *oghaḍāi*—*Opta.* form of *Oṅaḍhāeba* (q. v.).

ओंघड़ाओ—ओड़ड़ाएब (दे०) केर आज्ञा रू० नव० ६० (ओ आय हुआ-हुआ करओ आ माइर मे ओंघड़ाओ)। *oghaḍāo*—*Imp.* form of *Oṅghaḍāeba* (q. v.).

ओंघड़ाय(ए)—ओंकड़ाय केर पू० का० क्रि० रू०। कन्या० ५ (खिलही हँसैत-हँसैत ओंघड़ाय लागल) अर्चना १८। *ogharāya*—*Past kae.* form of *Oṅaḍhāya* (q.v.).

ओंघड़ैल—ओंकड़ाएब (दे०) केर वि० रू०। चित्रा ११। *oghaḍaila*—*Adj.* form of *Oṅaḍhāeba* (q.v.).

ओंघराएल—ओंकड़ाएब (दे०) केर भूत० रू०। मिथिला दर्शन ५-२० (आमक मास ओंघराएल फिरै छै त)। *ogharāela*—*Past* tense form of *Oṅaḍhāeba* (q.v.).

ओंघाय—ओंकही (दे०) केर पू० क्रि० रू०। प्रयु० ६० (कैओ चलैओ ओंघाय बला नहि)। *oṅghāya*—*Past* form of *Oṅahī* (q. v.).

ओंकठओने—क्रि०। कोनो ठाम अड़ कै रखने। नव० ४६ (छक-छकी कम्बलमे पीठ ओंकठओने बइसल रहय)। *oṅaṭhaone*—Resting on (something); pr. cont. form of *Oṅathaeba* (q. v.).

ओंकठन(नी)—जाहिमे सहि पीठक भरेँ बैसी से। [ओंकठ + अन + ई]। तु० क० ओठगन (दे०)। मि० भा० कोष ४० (अपनेक ओंकठन सब बढ़ियाँ अछि)। *oṅaṭhana(nī)*—Something on which one rests one's back.

ओंकठब—क्रि०। पीठक भरेँ बैसब, कोनो वस्तु पर पीठक भरेँ ओंकठि कय बैसब। [अंगस्थ + अब]। मि० भा० मि० ४०; (कोनो वस्तु पर ओंकठब से नेहि नहि रहल अछि)। *Oṅaṭhaba*—*V.* To sit by making something as support on the back side.

ओंकढ़ा—ओंकढ़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। प्रण० २५८ (सुटकेस चरामे ओंकढ़ा गेलैन्ह)। *oṅaḍhā*—*Part.* form of *Oṅaḍhāeba* (q. v.).

ओंकढ़ाइत—ओंकढ़एब (दे०) केर वर्त० रू०। कन्या० ५७ (दैन कनकड ओंकढ़ाइत गेनाजोक धरैने आक विताव लेलक)। *oṅaḍhāita*—*Present* tense form of *Oṅghaḍāeba* (q. v.).

ओंकढ़ा(ड़ा)एब—क्रि०। लुढ़कि कए वा ढरकि कै आवश्यक अथवा असँ खसब, कोनो वस्तु केँ लीयएब, लुढ़काएब। [सं० अङ्क + सं० ओदाप् ओंकड़ा + अब]। (तँब पर सँ टीनकेँ ओंकढ़ाएब से नीक होयत)। *oṅaḍhāeba*—*V.* To roll down.

ओंकढ़ाय—ओंकढ़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। कन्या० ७६ (सबैसुबी ओंकढ़ाय लागलि)। *oṅaḍhāya*—*Part.* form of *oṅ(ḍ)ahāeba* (q. v.).

ओंकही—निन्न, आलस। [अन्य], जीमूतवाहन ५१। *oṅahī*—Sleep, sleepiness.

ओङ्कार—परब्रह्म केर सूचक ॐ शब्द। [सं० ओं + कार]। तु० क० हि० ओंकार; असं० प्राकृ० ओङ्कार। राम० ३३६ (ओ सावित्री ओ ओङ्कार)। *oṅkāra*—The sacred syllable *Om*.

ओचित्य—औचित्य (दे०) केर अशु० ना० रू०। मो० ११-१२ (ओतेक ओचित्य आत्माक सम्बन्धमे देल जाइछ)। *ocitya*—*Erro.* Coll. form of *Aucitya* (q. v.).

ओछ—वि०। छोट, कृपण, नीच। [सं० तुच्छ प्राकृ० उच्छ]। तु० क० प्राकृ० उच्छ; दामोली उँच्छैं; सिं० ओछो; लहन्दा ओछा; पं० ओछा; कुमा० ओच्छो; ड० ओछ; भोज० ओछ; हि० ओछा; प्राकृ० पु० उछउँ गु० ओछुँ; म० ओत्सा। मि० भाषा कोष ४०; (सभक हृदय ओछ नहि होइत छैक); (ओछ व्यक्तिसँ माँगब उचित नहि)। *ocha*—*Adj.* Mean, small, miser.

ओछओना—बासतरय (दे०), सूतबाक हेतु ओछा-ओन, जाहि पर लोक सूतय। [सं० आस्तरय]। मि० भा० कोष ४० (ओछओना ठीक क दियौक)। *ochaonā*—Bed.

ओछओलक—ओछाएब (दे०) केर भू० रू०। नव० १०४ (कम्बल ओछओलक आ पड़ि रहल)। *ochaolaka*—Past tense form of *ochāeba* (q. v.).

ओछ्वैत—ओछाएब (दे०) केर वर्त० रू०। प्रबु० ४१ (कम्बल ओछ्वैत बजलाह)। *ochabaita*—*Present* tense form of *ochāeba* (q. v.).

ओछव(वा)—ओछएबाक भाव वा क्रिया। ओछा-एब (दे०) केर बा० रू०। धातु पाठ ४६; कन्या० १०४ (शतरंजी ओछवा देबैक)। *ochava(vā)*—*Coll.* form of *ochāeba* (q. v.).

ओछ्वैत—ओछ्वैत (दे०) केर विक० रू०। धातु पाठ ४८। *ochavaita*—*Alt.* form of *ochabaita* (q. v.).

ওছা[1] **ओछा[1]**—ओछाए (दे०) केर वा० रू०। प्रण ५० (हौलमे ओछा देलकैन्ह)। *ochā*[1]—*Coll.* form of *Ochāe* (q. v.).

ওছা[2] **ओछा[2]**—ओछ (दे०) केर का० रू०। वि० १५६ (ओछा सओं हरि न करिअए सरिपरि); FML 360. *ochā*[2]—*Poet.* form of *Ocha* (q. v.).

ওছাএ **ओछाए**—ओछाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५५५ (आँचर ओछाए हमहुँ संग देल); राम० १६ (सुनहुँ चिन्ता सेज ओछाओन ओछाए); आमक० ४४ (तौनी ओछाए ठेहुन मोड़ने पड़ल)। *ochāe*—*Part.* form of *Ochāeba* (q. v.).

ওছাএবঁ **ओछाएब**—क्रि०। पसारब, ओछाओन कें सरिआएकें सुतबाक हेतु तैयार करब। [आस्तरण+अव]। तु० क० उदू बुछ्छूबा। (ओछाओन ओछाएब तकर बाद किछु करब)। *ochāeba*—*V.* To spread (a bedding).

ওছান(ওন) **ओछान(ओन)**—सुतबाक हेतु ओछाओलवस्त्रादि, सुतबाक साधन। [सं० आस्तरण अथवा आच्छादन, अवच्छादन]। राम० १६ (सुनहुँ चिन्ता सेज ओछाओन ओछाए); FML 94, 316; प्रण० ५ ओछाओन माँगय पेलैन्ह); पारो ६५ (खाट पर ओछाओन मेल)। *ochāona*—Bed for sleeping.

ওছাওল **ओछाओल**—ओछाएब (दे०) केर भू० रू०। द्विरा० १८८ (कम्बल चौपेत क ओछाओल गेलैन्ह)। *ochāola*—*Past* tense form of *Ochāeba* (q. v.).

ওছায **ओछाय**—ओछाए (दे०) केर विक० रू०। राम० १०४ (शयन कयल जत घास ओछाय); FML 305. *ochāya*—*Alt.* form of *ochāe* (q. v.).

ওছাহ(হি) **ओछाह(हि)**—वि०। नीच प्रकृतिक, अधलाह विचारक। [ओछ+आह+ई] मि० भा० कोष ४० (ओछाह वा ओछाहि सँ गप्प करबामे भोन नहि लगैछ)। *ochāha(hi)*—*Adj.* A man (or woman) of bad nature.

ওছী **ओछी**—वि०। नीक नहि, तुच्छ; एक प्रकारक गारि। [सं० तुच्छ]। का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० १०५; नेपाल २२८, न० गु० तालपत्र ६०७, अ० ६१३ (एहओ जुगुति नहि ओछी)। तु० क० अनुदार। *ochī*—*Adj.* Not good, *Poet.* form.

ওছে **ओछे**—ओछ (दे०) केर का० रू०। तुच्छ, अच्छ प्रा० वि० पदा० मञ्जु० ६२; नेपाल २५३ (ओछे ओ जाति जोलहा जेओ)। *oche*—*Poet.* form of *Ocha* (q. v.).

ওছৈ(ছো)(ছৌ)ন **ओछै(छो)(छौ)न**—ओछाओन (दे०) केर वा० रू०। कपाल कुण्डला २६ (अपन मनसाधरमे ओछैन कए देलथिन्ह); FML 96 ओछोन; वेकफिल्डक पादरी २४ (ओछौन)। *ochai(cho)(chau)na*—*Coll.* form of *ochāona* (q. v.).

ওছৌনা **ओछौना**—ओछाओन (दे०) केर ग्रा० रू०। BPL 637. *ochaunā*—*Folk* form of *ochāona* (q. v.).

ওছৌল(ক) **ओछौल(क)**—ओछाएब (दे०) केर भू० रू०। कन्या० २२ (ताहि परअपन अङ्गपोछा ओछौलक); विरूप २१ (ओछौल); ज्वाला ३५ (ओछौल); कान्ति ३२ (ओछौल)। *ochaula(ka)*—*Past* of *ochāba* (q. v.).

ওজ **ओज**—तेज, बल, शक्ति, योग्यता, काव्यक गुण विशेष, प्रताप। [सं० ओजस्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज, ओज०; पा० ओजा; प्राकृ० ओय, ओया, सि० ओद। वर्ण० ४७ (उचित, अनाकलित, ओज); राग० १०३ (पिअ मुख दुदुख तेज ओज); खट्ट० (तरुणीक गाल पर जे ओज बनि जाइत अछि); प्रण० ११८ (मुखमण्डलमे ओजक लाली नहि आएल अछि); मैथिल मित्र ५१४–१२१ (नव ओज दान होयत महान); प्रवास जीवन ११२। *oja*—Strength, vigour, a quality of poetry.

ওজন **ओजन**—तौल, जोख, भारक परिमाण, तराजू द्वारा परिमाण निर्णय। [अर० वजन]। तु० क०, बं०, अस०, ने० ओजन मि० भा० वि० ४८। *ojana*—Weight.

ওজনগর **ओजनगर**—वि०। भरिगर, हल्लुक नहि, भारी। [ओजन+गर]। FML 630 (ओजनगर बात)। *ojanagara*—*Adj* Weighty.

ওজস্বনী **ओजस्वनी**—वि०। ओजस्वी (दे०) केर स्त्री० रू०। प्रण० २३६ (ओजस्वनी महिला छेलीह); नव० १२ (द्रौपदी ओ सुभद्रा सन सुन्दरी ओजस्वनी)। *ojasvanī*—*Fem.* form of *ojasvī* (q. v.).

ওজস্বিতা **ओजस्विता**—तेज, कान्ति, दीप्ति, प्रभाव। [सं०]। तु० क० हि० ओजस्विता। रामायण शिक्षा ५७, मि० उद० १५०–२६ (ओजस्विता पसरल अछि)। *ojasvitā*—Sharpness, vigour, impressiveness.

ওজস্বী **ओजस्वी**—वि०। तेजस्वी, बलवान, शक्तिशाली, ओजगुण युक्त। [सं० ओजस्विन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज० ओजस्वी; प्राकृ० ओयंसि। मिहिर ३८–५–४ (नरेन्द्रनाथ दास अत्यन्त ओजस्वी शब्दमे); प्रण० २०० (किन्तु वीर रसक ओजस्वी कवित्त सुनि पड़ा गेल)। *ojasvī*—*Adj.* Forcerful, strong.

ওজহ **ओजह**—कारण, मतलब, भाव। [अर० वजह]। मिहिर ४१–१८–१६–६ (लगनक ओजह सँ काए दिन ल क एको कनमा दूध नहि बाँच पबैत अछि); मैथिली भाषा १०; पारो ४५ (बाह जे भेल तकर की ओजह?)। *ojaha*—Reason.

ওজহা **ओजहा**—ओझा (दे०) केर अशु० रू०। व्यवहार विज्ञान ३०। *ojahā*—*Err.* form of *ojhā* (q. v.).

ওজা **ओजा**—ओज (दे०) केर प्रा० का० लु० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५५२ (ताहि तर तरुन पयोधर धनी। ओजा संकर कृष्ण जनी)। *ojā*—P. F. of *oja* (q. v.).

𑒌𑒖𑒰𑒩 **ओजार**—एकटा गेयधर्मक नाम । तु० रू० । वर्ण० ४७ (ओज, अन्धारग, ओजार) । *ojāra*—*obs*. A Musical term.

𑒌𑒖𑒱𑒞 **ओजित**—वि० । वहैत, प्रकाशित, ओजसँ परिपूर्ण । [सं० ओजस] । मि० मित्र १२७ (यदि आवनाकेँ ओजित करैत) । *ojita*—*Adj*. Declared forcefully.

𑒌𑒖𑒱𑒢𑒱𑒫𑒰𑒩 **ओजिनिवार**—ओइनिवार (दे०) केर बा० रू० । स्व० वि० ४१ । *ojinivāra*—*Coll*. form of *oinivāra* (q. v.).

𑒌(𑒒)𑒖𑒲 **ओ(औ)जी**—काज, प्रतिनिधि (दी०), प्रमुख व्यक्ति केर स्थान पर दोसर व्यक्ति । [अर०] । मि० भा० कोष ४० (हुनका ओजी पर हम छी) । *oa(u)jī*—Act of Officiating.

𑒌𑒖𑒲𑒩 **ओजीर**—सचिव, मन्त्री, आमात्य, [अर० वजीर] । तु० म० असा०, भोज० ओजीर ; (ओजीर साहेब सम्पति अमयक हेतु बहार गेलाह) । *ojīra*—Secretary, minister.

𑒌𑒗𑒛𑓃𑒰 **ओझड़ा**—ओझरा (दे०) केर बा० रू० । मिहिर ४०–१३–११ (ओझड़ा गेल छैक) । *ojhaḍā*—*Coll*. form of *ojharā* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩 **ओझर**—ओझल (दे०) केर बा० रू० । हिरा० ४१ (अपना आँखिसँ ओझर नहि करैत छिऐक) । *ojhara*—*Coll*. form of *ojhala* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒰(𑒋) **ओझरा(ए)**—ओझराएब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मिहिर १३ (२-९२-५३) ३३–२ (मिहिर मे ओझरा रहल छी) । *ojharā(e)*—*Part*. form of *ojharāeba* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒰𑒃𑒞 **ओझराइत**—ओझराएब (दे०) केर वर्त० रू० । मिहिर २५–म (ओझराइत छी सत्यक पथमे) *ojharāita*—*Present* tense form of *ojharāeba* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒰𑒅 **ओझराउ**—ओझराएब (दे०) केर आज्ञा० रू० । क्वाला २५ । *ojharāu*—*Imp*. form of *ojharāeba* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒰𑒋𑒥 **ओझराएब**—क्रि० । अव्यवासेँ उद्धारक अयोग्य होएब (दी०); बाझब, तत्पताय आयब, अवरुद्ध होएब, बाधित होएब, बाधामे पड़ब । [सं० अवरुध्यते अथवा प्राकृ० ओरुज्झन] । मि० भा० कोष ४०; (यदि अहाँक बातमे ओझराएब त ओझरायले रहब) । *ojharāeba*—*V*. To be obstructed, entangled, dishevelled.

𑒌𑒗𑒩𑒰𑒋(𑒨)𑒪 **ओझराए(य)ल**—ओझराएब (दे०) केर वर्त० ओ० भूत० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २१८ (अधर सुधाएल केश ओझराएल); मिहिर ११ (२–९१–५३); प्रया० ११ (आँखिमे ओझराएल छी); स्त्री शिक्षा १२० (ओझरायल रहैन्ह) । *ojharāe(ya)la*—*Present* and *Past* tense form of *Ojharāeba* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒰𑒫𑒲 **ओझरावी**—ओझराएब (दे०) केर इच्छा० रू० । गुदगुदी २९ (कोनो नपकेँ ओझरावी की नहि से हमरा ऊपर निर्भर करैछ) । *ojharāvī*—*Opt*. form of *Ojharāeba* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒰𑒯𑒙𑒱 **ओझराहटि**—एक दोसरासँ आबद्ध होएब, बाधा, अवरुद्ध वा समतक भाव वा अवस्था । [ओझराएब (दे०)+इट+इ] FML. 261. *ojharāhaṭi*—Entanglement.

𑒌𑒗𑒩𑒹𑒪𑒯𑒰 **ओझरेलहा**—वि० । ओझराहटि (दे०) केर वि० रू० । त्रिकला १३ । *ojharelahā*—*Adj*. form of *ojharāhaṭi* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒻𑒥 **ओझरैब**—ओझराएब (दे०) केर विक० रू० । FML. 157. *ojharaiba*—*Alt*. form of *ojharāeba* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒻𑒪 **ओझरैल**—ओझराएल (दे०) केर विक० रू० । मिहि० २८–५–७ (पात्रीजीक रचना वर्तमान युगक समसँ कड़ सत्य समसँ ओझरैल) । *ojharaila*—*Alt*. form of *ojharāela* (q. v.).

𑒌𑒗𑒩𑒼𑒙(𑒚) **ओझरोट(ठ)**—ओझराहटि (दे०) केर बा० रू० । FML. 243 (ओझरोट); मि० भाषा कोष ४० (ओझरोट) । तु० क० ओझराव । *ojharoṭa(ṭha)*—*Coll*. form of *ojharāhaṭi* (q. v.).

𑒌𑒗𑒪 **ओझल**—क्रि० वि० । दृष्ट नहि अछ, व्यवधान, ओट । [सं० अव+ज्वल प्राकृ० ओझल्लन] । तु० क० राज० पं० हि०, तु० प्रम० ओझल । ५७ (आँखिक ओझल कोना होमय दितथि) । *ojhala*—Away from visibility.

𑒌𑒗𑒰 **ओझा**—उपाधि, जमायकेँ आदरार्थक शब्द, भूत-प्रेतकेँ झाड़फुक करनिहार गुनी । [सं० उपाध्याय प्राकृ० ओज्झाओ] । तु० क० बं०, असा०, ओझा; ओझा तु० झा, अव० ओझा । वि० नै० २५४ (किओ बोल ओझा आनि चाहु); कीर्तिलता २६ (कतहुँ ओझा पोआ); मि० वि० २४ (ओझाक लेलेँ गाम बसाय; गाम लेलेँ ओझा बसाय); प्रया० ३० (ओझा पर तमकैं पलैन्ह); ओझा केँ गाय खुटल बाप मेल = कोनो वस्तुमे क्षति होन अप आजब । *Ojhā*—A title of the Maithil Brahmins, hon. form of addressing son-in-law or his father, a professional Sorcerer.

𑒌𑒗𑒻𑒑𑒱𑒩𑒲 **ओझैगिरी**—यन्त्र मन्त्र प्रयोग क व्यवसाय (दी०) । [ओझा+गिरी] । (की औ ! एतद केओ ओझैगिरी करैत छथि की नहि ?); मि० भा० कोष ४० । *ojhaigirī*—The act of professing the use of yantra-mantra for curing (the effects of evil spirts etc).

𑒌𑒙¹ **ओट¹**—व्य, व्यवधान, ओझल रुकावट वा पर्दा जाहिसँ कोनो वस्तु नहि देखाइ पड़ैक । [सं० अवरुन्धन] । तु० क० हि०, पं०, सि०, लहन्दा, गु० ओट; कु० ओट; म० ओटी; ओट । राम० ३४

(लता ओटसँ राम लक्ष्मण); महेश० ६८३ (सासु ओट-ओटसँ देखथि); खट्ट० ४६ (गाछक ओटसँ छथिक किएक मारलथिन्ह)। तु० क० कर अटो। *oṭa*¹—Shelter, screen, obstruction.

ओट² ओट²—रोक, गाड़ी केवाड़, वा कोनो पहिआके रोकबाक हेतु ओट लगाओल जाइछ। *oṭa*²—A check for the wheels of a cart.

ओँटब ओँटब—क्रि०। बाड़ (कपास) मे सँ ओकर बीआ बहार कए साफ करब। [औँटब]। BPL 1017. *õṭaba—V.* To disentangle the seeds from cotton.

ओटय ओटय—ओँटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। कन्या १६ (वश लागल चरखा ओटय)। *oṭaya—Part.* form of *Aũṭaba* (q. v.).

ओटाओल ओटाओल—लोटाओल (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वि० पदा० मजु० ८४, रामभद्र पुर पोथी ४०१ (एतौ निचा ओटाओल हेम)। *oṭāola—Early* Maithili form of *loṭāola* (q. v.).

ओटित ओटित—उनटाएब, चित्त गोटी राखब। [उनटा]। तु० क० पट कौड़ी, चित्त कौड़ी। वर्ण० २६ (ओटित पाट)। *oṭitā*—Act of turning up cowries

ओँटी ओँटी—नाभीसँ नीचा भाग (पेटमे)। [ओँटी (दे०); सं० वस्ति]। मि० भाषा कोष ४२ (ओटी मे कने-कने दर्द भए रहल छन्हि)। *õṭī*—Stomach below navel.

ओठ¹ ओठ¹—ठोर, ओष्ठ, मुँहक दूनू ऊपर ओ निचुलका भाग, अधर। [सं० ओष्ठ]। तु० क० पा० ओट्ठ, प्राकृ० ओट्ठ, उटो, होट्ठ हुटो; कु० उँठ, कश्मीरी वुठ, अव० ओँठ,म० ओठ ओँठ, गु० ओठ होठ, हि०, भोज० ओठ; उ० ओंठ, लहन्दा, प० होठ, हौँठ। वि० ६६ (तजे ओंठ पातरि कि बोलिबो तोहि); वि० पदा० मजु० ३३२ नै० (ओठ मलिन मेल चन्दा); सुभद्राहरण ४८ (ओट चाटि पिबात धूटब सन दशा मम जानबे); राम० २८६ (दाँतय ओठ काटय दशभाल); महेश ११८ (ओठ आबिके बटैछ); FML 160,344. *oṭha*¹—Lip.

ओठ² ओठ²—प्रत्यय। भाव अर्थात् (क्रियामे) ओझर, आदि सँ ओठ प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० १४१ (ओझरोठ फरिछोर, घरिओठ)। *oṭha*²—Suffix.

ओठग(ङ)न ओठग(ङ)न—उपवासार्थ रात्रिक अन्तमे भोजन करब (जितिया व्रतमे)। [ओठङ्गि + अन]। व्यवहार विज्ञान २४४ (तैँ जितिया पावनि जकाँ ओठगन करथि); मै० लो० ८६; BPL P259, *oṭhaga-(ṅa)na*—To take meal at the end of night early morning resting against something (like a wall, pillar) for fasting.

ओठग(ङ)न(नी) ओठग(ङ)न(नी)—ओङठन (नी) (दे०) केर विक० रू०। मि० भा० कोष ४१। *oṭhaga(ṅa) na(nī)* —*Alt.* form of *oṭhga(ṅa)ana(nī)* (q. v.).

ओठगब ओठगब—ओङठब (दे०) केर विक० रू० [ओ + अङ्ग + अब]। मि० भाषा कोष ४१। *oṭhagaba—Alt.* form of *oṅaṭhaba* (q. v.).

ओठङलि ओठङलि—ओठङब (दे०) केर स्त्री० रू० ... ४ (सन्दुक सँ ओठङलि पार्वती प्रतिमा जकाँ निश्चेतन ...)। *oṭhaṅali—Fem.* form of *oṅaṭhala* (q. v.).

ओठङा ओठङा—ओठङब (दे०) केर क्रि० रू०। नव० ... (भरिगर माथा के अपन पीठमे ओठङा लेलथीन्ह)। *oṭhaṅā—Opta.* form of *oṭhaṅāe* (q. v.).

ओठङि ओठङि—ओठङब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मिहिर १३ (२-६१-५३); प्रण० १८६ (ओ मसनदि पर ओठङि कए ...)। *oṭhaṅi—Part.* form of *oṭhaṅaba* (q. u.).

ओठवा ओठवा—ओठ (दे०) केर ग्रा० रू०। मैथिली लोकगीत १३७। *oṭhavā—Folk* form of *oṭha* (q. v.).

ओठहिँ ओठहिँ—ओठ (दे०) केर निश्च० रू०। वर्ण० २३ (ओठहिँ लागा राखी)। *oṭhahĩ—Emph.* form of *oṭha* (q. v.).

ओठे ओठे—ओठ हिँ (दे०) केर बा० रू०। द्विरा० १०६ (गाछे कटहर ओठे तेल)। *oṭhe—Coll.* form of *oṭhahĩ* (q. v.).

ओठेँग ओठेँग—ओठङि (दे०) केर बा० रू०। मिथिला दर्पण १२४। *oṭhẽga—Coll* form of *oṭhaṅi* (q. v.).

ओठँग ओठँग—ओरङ (दे०) केर विक० रू०। धतु पद २०। *oṭhãga—Alt.* form of *oṭhaṅa* (q. v.).

ओड ओड—एक जाति विशेषक नाम। [सं० ओड़ देश] वर्ण० १ (ओड शुण्डि, साव)। *oḍa*—A name of a race.

ओडकार ओडकार—शिल्पी विशेष। [सं०]। वर्ण० ६३ (बयकार, ओडकार शिशिकार प्रभृति अनेक चोषा)। *oḍakāra* Name of a technician.

ओडफलित ओडफलित—नृत्य विशेष जाहिमे उछलबाक क्रिया रहैछ। [उत्फलित]। वर्ण० ५० (ओडफलित अवच्छेद)। *oḍa-phalita*—Style of a dance.

ओडहुल ओडहुल—ओड़हुल (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वर्ण० ४५ (ओडहुलक माला एक हीक)। *oḍahula—Early* Maithili form of *oḍahula* (q. v.).

ओडी ओडी—ओड़री (दे०) केर प्रा० रू०। ... ६-२५) (M 204) (U. R.). *oḍī—Early* form of ... (q. v.).

ओड़¹ ओड़¹—एक जाति। तु० क० ओड़ ... ओड़]। FML 163. *oḍa*¹—A Caste.

ओड़² ओड़²—अन्त, शेष, ... [सं० ...]

बि० पदा० मञ्जु० ६४, ता० न० गु० ३३४, अ० ६६१ (मानिनि मान आबहु कर ओड़), बि० पदा० मञ्जु० १२५, तालपत्र न० गु० ६८६, अ० ६८४ (अकुलिन बोल नहि ओड़ धरि निरबह धरए अपन व्यवहारे); बि० पदा० मञ्जु० ५३८ से सबे पेम ओड़ धरि न रहल)। *Oḍa*²—End; rest, last.

ओड़³—प्रत्यय। भाव अर्थात् (क्रियामे) चिचिअब, धातुसँ ओड़ प्रत्यय लगैत अछि। ल० बि० १४१ (चिचिओड़ (अवसर लोप)। *Oḍa*³—Suffix.

ओड़नी—डोम आदिक वाद्य विशेष (दी०)। मि० भा० कोष ४१। *Oḍanī*—A kind of musical insturment of doma caste.

ओड़ने—ओलठिकए बैसब, सटओने। नव० [ओर (दे०)+ने] ५५ (जेठि जो छोटि जनी चलकठिमे पीठ ओड़ने बइसलि रहथि); चन्द्रकला ८२। *Oḍane—Coll.* form of *oṅaṭhala* (q.v.).

ओड़ल—क्रि०। पकड़ल, ओकिवैल, थाम्हल। [ओड़]। बि० पदा० मञ्जु० १४४, तालपत्र न० गु० ६५५, अ० ८७३ (नाह निरवध सेजि ओड़ल डमर माथो)। *Oḍala—V.* Kept as obstruction.

ओड़ल पेरब—क्रि०। मालकेँ ठेहुनसँ उपर छानय ओड़ल कहबैत अछि ओकरिसँ नीचा पेरल कहबैत अछि। [ओड़ल+पर+अब]। *Oḍala Peraba—V.* To tie the feet of a milch cow on the knee and below it.

ओड़हा—चना अथवा मकईक ओरहा ओकर काँचे दाना केँ मद्दुर मद्दुर आगिमे पकाएब [उ+दग्ध]। *Oḍahā*-Slightly fried green gram or maize seeds.

ओड़हाडारही—क्रि० वि०। तङ्ग करब, अकच्छ करब। ओड़हा+डाड़+ई, [ओड़हा देबा योग डाढ़ देब अर्थात् ताप देब]। चौनीक लडू ४२। *Oḍhāḍārahī—Adv.* To get disturbed.

ओड़हातिए—वि०। अड़तिआ, आढ़त पर रहनिहार। जतए थोकमाल राखल रहत तकरा आढ़त कहल जाइछ। [आढ़त+इआ] विश्व भूषण १२। *Oḍahatie—Adj.* Who the stock of wholesale material.

ओड़हि—ओड़² (बि०) केर निश्च० रू०। मो० १०७-१९ (ओड़हि नहि सुजान)। *Oḍhahi-Emph.* form of *oḍa*² (q. v.).

ओड़हुल—पुष्प विशेष (दी०), एकर फूल लाल रंगक होइत तथा ई अनेक मुँहक होइछ यथा पंचमुखी, एकमुखी आदि, एकर गाछ बेरा कैक झमटगर होइछ तथा एकर पात हरियर पानक आकारक होइछ। तु० का० सं० जपा। प्रया० २१ (माथ पर ओड़हुलक फूल सन पाग); अम० ६२ (ई छूह ओड़हुलक नाम)। *Oḍahula*—A kind of flower, Chinese rose.

ओ(उ)ड़िआ—उड़ीसा वा उड़ीसाक भाषा। [सं० उत्कल]। मि० भा० कोष ४१ (ओड़िआ प्रान्त बिहारक दक्षिण भागमे अछि)। *O(u)ḍiā*—Orissa, the language of Orissa.

ओड़िआणे—कथा ४/२ (गणिकुले वड़िया ओड़िआणो समान)। *Oḍiāṇe*—

ओड़िका—दूध लाइबाक तथा परसबाक पात्र विशेष जे नारिकेरक खोइयाके आरीसँ काटि बनाओल जाइछ। [ओँरव+क कड़छी]। जयवार १०; मि० भा० कोष ४१। *Oḍikā*—A ladle made of coconut.

ओढ़ए—ओढ़ब (दे०) केर वर्त्त० रू०। बि० पदा० मञ्जु० ५७५ (आप ओढ़ए सुगहालना)। *Oḍhae—Present* tense form of *oḍhaba* (q. v.).

ओढ़क—गीत वा संगीतक एकगोट कला विशेष। तु० रू० ढोलक (हि०)। वर्ण० ४८ (बाघल, ओढ़क मालसि)। *Oḍhaka*—An art of music.

ओढ़थि—ओढ़ब (दे०) केर आद० वर्त्त० अन्य पुरु० रू०। चन्द्र० ७५ (अपने ओढ़थि बघचाम)। *Oḍhathi—Hon. V.* Present tense third person form of *oḍhaba* (q. v.).

ओढ़न—ओढ़ना (दे०) केर का० रू०। बि० पदा० मञ्जु० ५७३ (बसन बिहुन ओढ़न बघछाला) चन्द्र० १६४ (पर ओढ़न बघछाला)। *Oḍhana—Poet.* form of *oḍhanā* (q. v.).

ओढ़ना—देह झाँपबाक वा ओढ़बाक कोनो वस्त्र विशेष। [प्राकृ० ओड्ढणा]। तु० का० उर्दू ओढ़ना; भोज०, अव०ओढ़ना। BPL 133, दिरा १६३ (मिश्रजी केँ ओढ़ना तरसँ ध्यान भेलैन्ह)। *Oḍhanā*—Cover for the body.

ओढ़नाएब—क्रि०। उनटि पुनटि सर्वाङ्ग लगाएब। [ओढ़न+अब]। मि० भा० कोष ४१। *Oḍhanāeba—V.* To place (something) on all limbs.

ओढ़निहार—वि०। जे वस्त्र ओढ़ए। [ओढ़ना+हार]। मि० ५०८ (कम्बल ओढ़निहारो व्यक्तिचहुँके इनाम मे शाल दोशाला देल गेलैक)। *Oḍhanihara—Adj.* Who covers himself.

ओढ़नी—ओढ़बाक छोट वस्त्र (दी०), स्त्रीकेँ ओढ़बाक वस्त्र। [ओढ़न+ई]। मि० भा० कोष ४१; प० प० ६३ (खराब किसी ओढ़नी); म० वि० १२२ (बघचाम लालपेट छोपी ओढ़नी); सलौना ४९ (लाका ओढ़नी आनि देत); अम० १५० (निर्जीव प्राकृत! ओढ़नीक नाम); *Oḍhanī*—Small thin wrapper for body, covering for a female.

ओढ़ब—क्रि०। वस्त्रसँ शरीरकेँ झाँपब सलगा वा

तुराइसँ [ऊर्ध्वं + धारण + अब] । तु० क० उर्दू ओढ़िबा; हि० ढकना । मि० भा० कोष ४१; (कम्बल ओढ़ब कि चद्दरि) । *oḍhaba—V.* To cover the body with cloth, to wrap the body.

ওঢ়বাঁ **ओढ़बा**—ओढ़ब (दे०) केर वा० रू० । मो० ६६–६ (ओढ़बा ले कम्बल पर्याप्त नहि) । *oḍhabā—Coll.* form of *oḍhaba* (q. v.).

ওঢ়ল(লা) **ओढ़ल(ला)**—ओढ़ब (दे०) विशे० भूत रू० । (हम तौनी ओढ़ल); मो० ६७–११ (ओढ़ला सँ फल एतबैआ) । *oḍhava—Adj. Past* form of *oḍhaba* (q. v.).

ওঢ়ব **ओढ़व**—ओढ़ब (दे०) केर विक० रू० । जयवार १४२ । *oḍhava—Alt.* form of *oḍhaba* (q. v.).

ওঢ়বৈত **ओढ़वैत**—ओढ़ब (दे०) केर वर्त० रू० । द्विरा० ४८ (ओढ़वैत छलहु) । *oḍhavaita—Pres.* tense form of *oḍhava* (q. v.).

ওঢ়াএ **ओढ़ाए**—ओढ़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । प्रश्न० ७१ (नेनाक चादर सँ ओढ़ाए) । *oḍhāe—Part.* form of *oḍhāeba* (q. v.).

ওঢ়াএবঁ **ओढ़ाएब**—प्रेरणा० क्रि० । वस्त्रसँ सर्वाङ्ग झाँपब । [ओढ़ + अब] । (वस्त्रसँ बच्चाकेँ ओढ़ाएब तखन कोनो कार्य करब) । *oḍhāeba—V. Passive* To cover the body (some one) wtih cloth.

ওঢ়াবাঁ **ओढ़ाबा**—पहिरबाक वस्त्रादि । [ओढ़ + आबा] । FML 212. *oḍhābā*—Dress.

ওঢ়াবে **ओढ़ावे**—ओढ़ाएब (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५७५ (सक्के ओढ़ावे भोला साल दोसलवा) । *oḍhāve—Poet.* form of *oḍhāeba* (q. v.).

ওঢ়ি(ঢ়ী) **ओढ़ि(ढ़ी)**—ओढ़ब (दे०) केर आज्ञा० क्रि० रू० । चन्द्र० १५३ (जागल सतत ओढ़ि बघछाला); मि० उद० १५९-११ (मिथ्याक कन्था ओढ़ि जनतामे); द्विरा० ३४ (आँचरकेँ दोवर क के ओढ़ी); नव० ६३ (आधा धोतो ओढ़ि लेलन्हि) । *oḍhi(ḍhī)—Part. Imp.* form of *oḍhaba* (q. v.).

ওঢ়ুল **ओढ़ुल**—ओड़हुल (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० कोष ४१ । *oḍhula—Alt.* form of *oḍahula* (q.v.)

ওঢ়ূ **ओढ़ू**—ओढ़ब (दे०) केर आज्ञा० रू० । महेश० ४४ (पाग माथ ओढ़ू) । *oḍhū—Imp.* form of *oḍhaba* (q. v.).

ওত **ओत**—ओतए (दे०) केर का० वा वा० रू० । वि० ने० १३४ (नयन ओत भेले सबे किछु आन); वि० पदा० मजु० ६८, तालपत्र न० गु० ३७१, अ० ३६८ (दीठिहुक ओत देसाँतर रे), चन्द्र० ३३ (एत ओत उधव बधाव) । चित्रा ४२ (मुद्रा ओत नहि ल सकैत छी इच्चो माछक नाम); नव २३ (गहना गुड़िआक अमार लागल रहइत हेतह ओकरा ओत); पारो १७ (दू दिन हनरे ओत); FML 548, 522. *ota—Coll* and poet. form of *otae* (q. v.).

ওতএ **ओतए**—ओहिठाम, ओहि स्थान पर, ओम्हर । [सं० तत्र] । बं० ओथा, हि० वहाँ । वि० पदा० मजु० ७९ न० गु० तालपत्र २४२, अ० २४२, (ओतए अछए पिआ आसे); प्रश्न० (ओतए गेला पर बुझल जेतैक) । *otae—Ind.* There.

ওতনা **ओतना**—ओतबा (दे०) केर दक्षिणी मै० रू० । [एतावत] । तु० क० भोज०, अव० ओतना हि० उतना; बं० ओतना । FML 431 *otanā*—The Southern maithili form of *otabā* (q. v.).

ওতনী **ओतनी**—अव्यय । ओहि परिमाणक अल्प, ओतेक, ओते, ओतेक । [एतनी] । मि० भा० कोष ४१; मि० भा० वि० ४८ । *otanī—Ind.* That much.

ওতনে **ओतने**—अव्य० । ओतबे, ओहि अल्प परिमाणक मि० भा० कोष ४१; (ओतने हम नहि लेब) । *otane—Ind.* That little.

ওতপোত **ओतपोत**—ओतप्रोत (दे०) केर वा० रू० । शतदल ६४ (ओतपोत खिल्ली लगाउ) । *otapota—Coll.* form of *otaprota* (q. v.).

ওতপ্রোত **ओतप्रोत**—वि० । सराबोर, नीक जकाँ मिलल, डुबल, सर्वाङ्ग, व्याप्त, भरल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० ओतप्रोत; राज० ओतपोत । द्विरा० ६ (मानसिक संकीर्णतासँ ओतप्रोत छैन्ह) । *otaprota—Adj.* Fully dissolved, fully filled, soaked, extending in all directions.

ওতবএ **ओतबए**—ओतबा (दे०) केर निश्च० रू० । मन० कृष्ण० ४ (ओहि छओहुँ काँ ओतबए भवितव्य) । *otabae—Emph.* form of *Otabā* (q. v.).

ওতবস্থিত **ओतबस्थित**-क्रि० वि० । तदवस्थित, तद्रूप [उद्वस्थित; ओतबा + अवस्थित] । मि० भा० कोष ४१; (अहाँक वस्तु ओत अवस्थित अछि) । *otabasthita—Adv obs.* In the same state.

ওতবা **ओतबा**—क्रि० वि० । तत्परिमाण, ओत, ओतेक [सं० एतावद्] मि० भा० कोष ४१; मो० १०१–१० (ओतबा कहि लोकनिक खुजल मुँहे नहि करैत छी) FML 431. *otabā—Ind.* That much.

ওতবায় **ओतबाय**—ओतबए (दे०) केर विक० रू० । FML 431. *otabāya—Alt* form of *otabae* (q. v.).

ওতবে **ओतबे**—ओतबए केर विक० रू० । [illegible] (सुनि-सुनि कि कहत ओतयक लोक [illegible]) (अपने लोकनिक ओतय आएब [illegible])

ओतब); FML 435. *otabe—Emph.* form of *otabā* (q. v.).

ওতবৈ **ओतबै**—ओतबए (दे०) केर अशु० रू० । मि०—२६४ (उत्तर ओतबै दुलक पाबि); मि० उद० १५०–५ (संस्कृत पियाक आदर ओतबै बहुत)। *otavai—Err.* spelling of *otabae* (q. v.).

ওতহি(হু) **ओतहि(हु)**—ओतए (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मधु० ११० (ओहि पति मन भेल ओतहि ओहओ भेल); चन्द्र० १४० (चतुहु ओतहु पुरहुबै) मि० उद० ९५०–३६ (ओतहु आय कनेक अवपान कय)। *otahi (hu)*—There itself.

ওতা **ओता**—अओता केर अशु० रू० । राम० ४८ (पति ओता अवच्छेद)। *otā—Err.* form of *aotā*.

ওতি **ओति**—ओतबा (दे०) केर का० रू० । मन० कृष्ण० १४ (ऊंनी नहि छुमल युति भेल आलि)। *oti—Poet.* form of *otabā* (q. v.).

ওতীকাল **ओतीकाल**—क्रि० वि० । ओतबा काल (दी०)। [ओत + ई + काल] । मि० भाषा० कोष ४१; ओतीकाल सँ हम ठाढ़ छी)। *otikāla—Adv.* That much time.

ওতীখন **ओतीखन**—क्रि० वि० । ओतबा क्षण वा समय (दी०) । [ओती + क्षण > खन] । मि० भा० कोष ४१ (ओतीखन हम ठाढ़ नहि रहब)। *otikhana—Adj.* That much time.

ওতীরাতি **ओतीराति**—क्रि० वि० । ओतेक राति (दी०) [ओती + रात्रि > राति] । मि० भा० कोष ४१ (ओतीरातिकेँ हम जनगरे कोना आयब)। *otirāti—Adv.* That much night.

ওতুক্কা(ক্কে) **ओतुक्का(क्के)**—वि० । ओतहीआमक, ओही स्थानक । [ओत FML 229] । हिरा० ७० (ई ओतुक्के पढ़ल छैक); रम ५२ (ई ओतुक्का ध्यान मग्न छथि); नव० ६८ (ओतुक्का मिदिल पास); पारो ६५ (नवीन रहए तीर ओतुक्का हाल समाचार) । *otukkā (kke)—Ind.* Of that very place.

ওতে(ক) **ओते(क)**—ओतबा (दे०) केर निश्च० रू० । वि० मि० २६० (ओतएक तन्त्र उबन्त न जाचिक); वि० पदा० मधु० ७६, राग० न० ३६, न० गु० १०६, अ० २६० (न हम काहुक डीठि निवारवि न हम करब ओते); FML 431, 385, 435 प्रण० २६५ (नकाभे ओतेक वस्तु हाथ लागि गेलैक)। *ote (ka)—Emph.* form of *otabā* (q. v.).

ওতৈ **ओतै**—ओतए (दे०) केर अशु० रू० । महेश ७५ (आनन्द रहथि नख ओतै); मोद ७३ (जवर) (जनिका ओतै जतबा सुहृद अवशिष्ट अछि); मि० उद० १५०–२५ (अपना ओतै किछु खिचड़ी कीलन्हि)। *otai-Err.* spelling of *otae* (q. v.).

ওত্ত[1] **ओत्त[1]**—ओतबा (दे०) केर छिकाछिकी रू० । FML 431. *otta[1]—Chikāchikī* form of *Otaba* (q. v.).

ওত্ত[2] **ओत्त[2]**—ओत[2] (दे०) केर बा० रू० । चित्रा ४७ (हम ओत्त परि)। *otta—Coll.* form of *ota[2]* (q. v.).

ওত্তহি **ओत्तहि**—ओत्त[2] (दे०) केर निश्च० रू० । कन्या० १२ (बुढ़ीमे ओत्तहि रहि गेलाह); हिरा० ४१ (बलकन्हि ओत्तहि सँ शिक्षा देलथ)। *ottahi—Emph.* form of *otta[2]* (q. v.).

ওত্তে **ओत्ते**—ओते (दे०) केर उत्तरी मै० रू० । FML 431; (ओत्ते हम कि करब) । *otte*—The Northern Maithili form of *ote* (q. v.).

ওথয **ओथय**—ओतय (दे०) केर प्रा० पु० मै० रू० । मा० क० २१५ (पाओत मान ओथय जाथि)। *othaya—Early,* Obs. Maithili form of *Otaya* (q. v.).

ওদন **ओदन**—अन्न, भात । [सं० उन्द + युच्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, मरा० ओदन; प्राकृ० ओदण । गोविन्द श्रृङ्गार १ मन० १० (हरिक रीति जिरह जिवनि तैति ओदन पान); अम० २४ (अन्न गरम ओदन जनि हृदयमे प्रयुक्त रहथि)। *odana*—Boied rice as food.

ওদর[1] **ओदर[1]**—उदर (दे०) केर का० रू० । तु० क० भोज० ओदर । वि० पदा० मधु० ५३१ (आदि ओदर सँ बाहर भेलि)। *odara[1]—Poet.* form of *udara* (q. v.).

ওদর[2] **ओदर[2]**—ओदरब (दे०) केर मू० रू० । [सं० वि > ओ + दृ] धातु पाठ ६१ । *odara[2]*—Root of *odaraba* (q. v.).

ওদর(ড়)ব **ओदर(ड़)ब**—क्रि० । स्व. विदरण (दी०), स्वतः अलग होयब, स्वतः फाटब । [ओदर + अब] । मि० भा० कोष ४१; कुड़हरि के जोर सँ काठ पर पड़कता सँ गेठक ओदरब लगलैक नहि)। *odaraba*—V. To get peeled.

ওদরি **ओदरि**—ओदरब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । कन्या० ६० (ओकर कनबा ओदरि गेल छलैक) । *odari—Part.* form of *odaraba* (q. v.).

ওদাঊজ(দ) **ओदाउज(द)**—वि० । घमण्ड, अड़ँ, टक्कर, दावी, प्रतिस्पर्धी । [उत + दर्प + अज] । वैदेही २६–२१७ (दूनू रानीमे स्वामीक समर्थ बढ़ि प्रेमेसँ होयबाक ओदाउज छलैक)। *odāuja (da)—Adj.* Vie, compete.

ওদার **ओदार**—विदरण (दी०), कोनो वस्तुक अलग भेला परक वस्तु । [ओ + दृ] । मि० भा० कोष ४१; धातुपाठ ६५; वैदेही २५–२५८ (तेकर खाटी ओदार गेलर माउस मजेदार)। *odāra*—Peel.

ওদারব **ओदारब**—क्रि० । विदारण (दी०), अलग करब, चीरब । [ओदार + अब] । मि० भाषा कोष ४१, (गाछसँ बकलोइया ओदारब सहज भावसँ बढ़ल) । *odāraba*—To peel.

ওদাৰল ओदारल—ओदारब (दे०) केर भूत० रू० । (जारन ओदारल अछि); डा० उ० ना० ति० ११८ । *odārala* *Past* tense form of *odāraba.*

ওদাবর্ত ओदावर्त—परिच्छेद (दी०) । [उत+आवर्त] । मि० भा० कोष ४१ । *odāvarta*—Keeping under separate heads.

ওদাসোখা ओदासोखा—वि० । किछु शुष्क किछु तीतल वस्त्रादि (दी०) । [आर्द्र+शुष्क+आ] । मि० भा० कोष ४१ । *odāsokhā—Adj.* Somewhat wet and somewhat dry (cloth).

ওদি ओदि—गुर्विणीक स्वाभाविक रोग । [सं० दोहद] । मि० भा० कोष ४१ । *odi*—A kind of natural disease of pregnant woman.

ওধক ओधक—बोधक (दे०) केर वा० रू० । मिहिर ३८-६-११ (आनन्द ओधक प्रवाह) । *odhaka–Coll.* form of *bodhaka* (q. v.).

ওধি ओधि—बाँसक नीचाँक (बीआ वा) जड़ि । [अधः] । मि० भा० कोष ४१; चित्रा ८२ (जहिना ज्वैल बँसबिटीक दमगर ओधि); वैदेही १३-६३ (ओधि कोड़ो गाछ फुनगी छोप) । *odhi*—Bamboo root.

–ওন –ओन—प्रत्यय । साधारणतया भाव अर्थमे ओन प्रत्यय बदरी आदि शब्द सँ लगाओल जाइछ । मि० भा० वि० ९० (बदरि-ओन) । FML 477. *-ona–Saffix.* It is added for making abstract noun.

ওনা¹ ओना¹—प्रत्यय । साधारणतया खेल, लड़ आदि धातुसँ ओना प्रत्यय लगाओल जाइछ । मै० व्याकरण ९० (खेलौना लड़ोना) । *onā¹–Suffix.*

ওনা² ओना²—अव्यय । ओहि तरहेँ, ओहि प्रकारेँ । [ओहिना] । मि० ६ (ओना तँ मधुप जकाँ केवल रसग्रहण कैने कोनो दोषदायक नहि); प्रण० २१७ (तोरा ओना करैत छलौक); नव० १८ (ओना हुनक नाम एकटा नहि टूटा रहइन्ह) । *onā²—Ind.* That manner, that type.

ওনাওনী ओनाओनी—अव्यय । हस्त निर्दिष्ट दूर सरल दिगनुसार (दी०) अर्थात् हाथ द्वारा दूरमे देखाओल गेल दिशाक अनुसार) [ओना+ओन+ई] । तु० क० एना-एनी । मि० भाषा शब्द कोष ४१ (औ बौआ ! आहाँ ओना ओनी सुति रहू) । *onā onī=Ind.* A side pointed by one hand.

ওনামাসী ओनामासी—शिक्षारम्भमे सिखाओल जाइछ, सिद्धि रस्तु केर बाद । [ॐ नमः सिद्धः] । तु० क० मराठी ओनामा । (ओनामासी ढङ्ग गुरुजी कसल चितङ्ग तइ पर सँ हम तइ पर सँ करड़िक थम्म) । तु० क० ओँजा सिद्धिरस्तु (दे०) *onāmasī*—Formula of bowing down for suceess (in learning), a kind of benedition.

ওনাৰব ओनारब—उगाँरब (दे०) अथवा उनारब (दे०) केर विक० रू० । तु० ओगारब; ओवारब । FML 174. *onāraba—Verbal* form of *uṅāraba* (q. v.). or form of *uṅaraba* (q. v.). or *unāraba* (q. v.).

ওন্ন ओन्न—ओमहर (दे०) केर दक्षिणी मै० रू० । FML 439. *onna*—The southern form of *omahara* (q. v.).

ওন্নী ओन्नी—ओमहर (दे०) केर पश्चिमी रू० । FML 439. *onnī*—The western form of *omhara* (q.v.).

ওন্হ ओन्ह—ओम्हर (दे०) केर छिकाछीकी रू० । तु० क० अ० ओन्ह; FML 477. *onha—Chikāchākī.* form of *omhara* (q. v.).

ওপ ओप—आभा कान्ति,चमक, दीप्ति, छवि । लु० रू० [सं० दिव् अथवा प्राकृ० ओप्प] । तु० क० हि०, राज०, अव०:ओप । वर्ण० ४७ (छवि ओप कला कान्ति) । *opa – Obs.* Shining.

ওফ¹ ओफ¹—रौदक आगर (दी०) [?] मि० भा० वि० ४१ (ओफ) । *opha¹*—Brilliance of sunlight.

ওফ² ओफ²—अव्यय । दुख, खेद, आश्चर्य सूचक शब्द । तु० क० हि० ओफ । (ओफ ! हाथसँ छुटि गेल) । *opha²*—Oh, expression of regret.

ওবা ओबा—वमनयुक्त संक्रामक रोग विशेष, हएजा । मि० भा० कोष ४१, (टिकजरुआक वास्ते ओबा फौती नहि अबैछ) । *obā*—Cholera.

ওভৰকোট ओभरकोट—कोट परसँ पहिरएवला कोट । [आंग्ल] । चयनिका ३; व्यवहार विज्ञान २३ (ओभरकोट, गलमकोट, हाफपेन्ट) । *overakoṭa*—Overcoat.

ওম ओम—प्रणव मन्त्र, मङ्गल, ब्रह्म । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असः०, राज०, अव० ओम । अम० ३६ (ओम शब्दक अर्थ बिक ब्रह्मा, विष्णु, महेश) । *oma*—The sacred syuable om.

ওমহৰ ओमहर—अव्यय । ओहि दिशि, ओहि भाग । [ओ (दे०) अथवा उत् अथवा] । तु० क० उधर (हि०) । मि० भा० कोष ५१; चित्रा ३१ (अहाँ ओमहर हो जेना);FML 439. *omahara—Ind.* That side.

ওমহুৰকা ओमहुरका—ओम्हरुका (दे०) केर वा० रू० । आनक० ११२ (ओमहुरका लोक सभ एकदम पहाड़ी गुच्चड़) *omahurakā—Coll.* form of *omharukā* (q. v.).

ওম্হৰ ओम्हर—ओमहर (दे०) केर विक० रू० । [illegible] १७४-११ (तावत ओम्हर सहायता करैत छथि; [illegible] अपने मने हनहनाइत कहाँ बढ़ल जाइत छथि; [illegible] देखबह हथकड़ी सँ बद्धकर) । *omhara*—[illegible]

hara (q. v.).

ओम्हरहि—ओम्हर (दे०) केर निश्च० रू०। मि० उद० १६९-१३ (ओम्हरहि पठाएल)। *omharahi*—*Emph.* form of **omahara** (q. v).

ओम्हरुका—वि०। ओहिभागक, ओहिदिशाक। [ओम्हर + उका]। धारी ६५ (ओम्हरुका भकुआ मातमे तकरा संगेत हम महजिनैक)। *omharukā*—*Adj.* Belongiag to that side.

ओम्हरे(रै)—ओम्हर (दे०) केर निश्च० रू०। मि० उव० १६७-२१ (ओम्हरे देखलन्हि जे रघारङ्गिनी खलबल), कपाल कुण्डला २७ (ओम्हरे देखए लगलाह)। *omhare(rai)*—*Coll.* form of **omhara** (q. v.).

ओर¹—अन्त, शेष। [सं० अवर अथवा छोर (दे०)]। तु० रू० हि०, बं० असं० ने०, राज० ओर। मि० पदा० मजु० ६०, नेपाल तालपत्र नं० ग्रु० २०६ (ओर धरि मैल न बोली); मि० पदा० मजु० १६७, ९५, रामभद्रपुर पोथी ४०४ (ख) ओर धरि मैल बिचारे); गी० म० १ अमर० ४६ (जानल है सखि मौनक ओर। पिया परदेशिया चलल मोहि छोड़); BPL 964, 1058, FML 95, 333, गा० प० ३७ (आपन जीवन ओर)। *ora*¹—End.

ओर²—दिशा, सीमा। [सं० अवर अथवा छोर (दे०)]। तु० बं० हि० बं० असं०, ने० ओर। राम० ३३ (शिव शिव धुमि धुमिया चहु ओर); महेश० ६ (एकेरि मोर ओर)। *ora*²—Side, itermnation.

ओर³—आओर (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 425, 425. *ora*³—*Early* Maithili form of **āora** (q. v.).

ओरक—दोसराक, आनकर। [अओर + क अथवा ओर + क]। FML 425 (ओरक बात की करैत छी)। *oraka*—Of another, of others.

ओरग(ओट)—सर्पाकार आसन। [सं० उरग]। वर्ण० १० (सिंहासन, खट्वासन ओरग ओरगओट प्रभृति के अनेक राज प्रभिया लैं आस्थान भीतर बनर सीक सभो व्याकुल राजा भुमिक लैं आस्थान)। *oraga(oṭa)*—Seat of the shaye of a as pest.

ओरङ्गल—शिकारीक एक प्रभेद। [सं० उरग + अङ्ग]। वर्ण० ३६ (वरङ्गल ओरङ्गल, जुराठी, धुरिकार)। *oraṅgala*—A kind of hunter.

ओरने—ओढ़ने (दे०) केर विक० रू०। हिरा० २०४ (चारखानी चूर ओरने घड़ घड़ करैत चिठ्ठने जाथि)। *orane*—*Alt.* form of **orane** (q. v.).

ओरमल—उरमा (दे०) केर ग्रा० रू०। मै० लो० ९३। *oramala*—*Folk* form of **uramā** (q. v.).

ओरस—औरस (दे०) केर ग्रा० रू०। मि० मित्र ५२६ (ओरस पुत्र समान पूजा पालथि औ लड़वर)। *orasa*—*Coll.* form of **Aurasa** (q. v.).

ओरसिअर—सर्वेक्षण कर्मचारी, अन्दाज लगौनिहार। [आंग्ल]। FML 144. *orasiara*—Overseer.

ओरहा—साकाल आगिमें छिम्मड़ि सहित पकब छिरल (दी०) अर्थात् कोनो वस्तुक छिम्मड़ि सहित आगिमे पकाओल। ओठराक विक० रू०। [उड़ + दग्धा]। मि० मा० कोष ४१; अहेंर खबरी व (मटर खेसारी ओरहा); BPL 177. *oraha*—*Alt.* of **oḍaha** (q. v.).

ओरा¹—ओर¹ (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० २८८ (कैलन्हि जन्मक ओरा)। *orā*¹—*Poet.* form of **ora** (q. v.).

ओरा²—वि०। ओकल, छानल। [ओर]। वर्ण० ६९ (तिरिआमहिषि पाली कम सात दाम पागल ओरा एखा एक दिन लाग)। *orā*²—*Adj.* With tied up legs.

ओरा³—आमड़ा, कुषराहा बैर। तु० क० आओरा [सं० आमलक]। FML 96. *orā*³—Hogplum.

ओराश—औरास। [FML 276 ओर]। FML (S. N. 11. 6. 114 ओराश)। *orāśa*—Breadth.

ओराहब—क्रि०। साकाल आगिमे छिम्मड़ि सहित चना आदि पकाएब (दी०), [ओरहा + अब]। मि० मा० कोष ४१, (आगिमे मटरक बालि ओराहब तखन खाएब)। *orāhaba*—Frying dry in fue (green) palses with seeds.

ओरि¹—स्त्री रोग विशेष, जखन स्त्रीगण के पेटमे बच्चा रहैत छैक ओहि अवस्थामे ई रोग होइत। एहिमे देह फुलि जाइत छैक तथा देह पीअर भए जाइत छैक। [उरस]। मि० मा० कोष ४२; (से मैआ! ई त ओरिक लछन सन बुझैत)। *ori*¹—A kind of female disease in the prigonant stage.

ओरि²—भारक (प्रथम भागक सदृश) द्वितीय भाग। [ओर + इ]। मि० मा० कोष ४२। *ori*²—Second side of a **Bhāra** (q. v.).

ओरि³—लेढ़ाए बाद, अर्पण कए क, ओड़ब केर पू० क्रि० रू०। [सं० अर्प]। मिहिर ३५-८-११ (सम्पत्ति देनै कत देह ओरि)। *ori*³—*Part.* form of **Oraba** (q. v.).

ओरिअओन—ओरिआओन (दे०) केर विक० रू०। [सं० अभियोजन]। नव० २ (पंडितादन सभ वस्तुक ओरिअओन केने रहथि); सुच्छ ३। *oriaona*—*Alt* form of **oriāona** (q. v.)

ओरिआ¹—उड़ीसा देशीय। [सं० औड्रियक]। FML *oriā*—Of Orissa (language, man etc).

ওৰিশ্বা² ओरिआ²—ओरिआएव (दे०) केर पू०क्रि० रू० । नव० २४ (बड़का प्रकाश यन्त्रकेँ ओरिआक रखवा लेलन्हि)। *oriā*²—*Part* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিশ্বাওন **ओरिआओन**—प्रबन्ध, व्यवस्था [ओरिआ + ओन]। मि० भा० कोष ४२; द्विरा० ४५ (अन्न-तीमनक ओरिआ-ओन अछि की नहि)। *oriāona*—Management.

ওৰিশ্বাএবঁ **ओरिआएब**—क्रि०। वस्तु ठीक करब (दी०) सरिआएब। [ओरिआ + अब]। मि० भा० कोष ४२; (वस्तु जात ओरिआएब से नहि)। *oriāeba*—*V.* To keep rightly.

ওৰিশ্বাএল **ओरिआएल**—ओरिआएव (दे०) केर भू० रू०। मो० ६८-२ (की मडुवा खैवा लै ओरिआएल)। *ariāela ela*—*Past* tense form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিশ্বান **ओरिआन**—ओरिआओन (दे०) केर वा० रू०। मि० ८० (जाह तोह ओरिआन करह गै)। *oriāna*—*Coll* form of *oriāona* (q. v.).

ওৰিশ্বানী **ओरिआनी**—वि०। प्रबन्धित, व्यवस्थित वस्तु [ओरिआन + ई]। चित्रा २७ (दच्छिना योग ओरिआनी मे); FML 212 *oriānī*—*Adj.* Managed thing.

ওৰিশ্বায **ओरिआय**—ओरिआएव (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० ८१ (ओकर सम्भार ओरिआय; म० वि० १२० (वस्तु विवाहक गिरि ओरिआय)। *oriāya*—*Part* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিশ্বাবও **ओरिआवओ**—ओरिआएव (दे०) केर प्रेरणा० रू०। लठौवलि १६२ (तो ओरिआवओ अपन समान)। *oriāvao*—*Caus* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিশ্বাবথি(থু) **ओरिआवथि(थु)**—ओरिआएव (दे०) केर इच्छा० रू०। लठौवली १६१। *oriāvathi (thu)*—*opta.* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিবাবয **ओरिआवय**—ओरिआएव (दे०) केर वा० रू०। लठौवलि १६२। *oriāvaya*—*Coll* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিশ্বাবহ **ओरिआवह**—ओरिआएव (दे०) केर प्रेरणा० रू०। लठौवलि १६१। *oriāvha*—*Cause.* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিশ্বাবহি(হু) **ओरिआवहि(हु)**—ओरिआएव (दे०) केर निश्च० रू०। लठौवलि १६१। *oriāvahi(hu)*—*Emph.* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰীশ্বাবী **ओरीआवी**—ओरिआएव (दे०) केर इच्छा० रू०। लठौवलि १९२। *oriāvi*—*opta.* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিঔন **ओरिऔन**—ओरिआओन (दे०) केर वा० रू०। चित्रा १४ (कन्यादानक ओरिऔन करु ग)। *oriauna*—*Coll* form of *oriāona* (q. v.).

ওৰিঔলে **ओरिऔलै**—ओरिआएल (दे०) केर वा० रू०। व्य० वि० १४६। *oriaule*—*Coll* form of *oriāela* (q. v.).

ওৰিযা **ओरिया**—ओरिआ (दे०) केर विक० रू०। क्रान्ति ५४; पारो १८ (ओकरा पुनि ओरिया क लिफाफ मे धैल)। *oriyā*—*Alt.* form of *oriā* (q. v.).

ওৰিযাওন **ओरियाओन**—ओरिआओन (दे०) केर विक० रू०। पारो ४५ (मोतिहारी जैवाक सभ ओरियाओन भेल बृच्छल)। *oriyāona*—*Coli.* form of *oriāona* (q. v.).

ওৰিযানী **ओरियानी**—ओरियानी² (दे०) केर वा० रू०। BPL 1252, मिहिर ३४-१२-६६ (ओरियानी लग कुर्यो काठ तुल्य भै ठाढ़ि हटा लट छन ताकथि)। *oriryānt Coll.* form of *oriānī*² (q. v.).

ওৰে **ओरे**—अरे (दे०) केर प्रा० का० रू०। राग० ८० तन्हि मन अछ ओहे माँन); राम २६१ (ओरे से दिन भेल); महेश० १४ (शिव-शिव कहिओ ओरे जागह)। *ore*—*Early* Poet form of *Are* (q. v.).

ওল¹ **ओल¹**—खाद्य कन्द विशेष। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अ०, राज० म० उरुल; उ० ओल, ओलुअ, उल। व०ं० २५ (चुआ ओल कुम्भिर); मि० वि० १९६ (ओल खम्हार, वेल जे अनायास उत्पन्न होइन्ह); चित्रा ५८ (खूब खैइह ओल ओ अरिकोंछ)। *ola*¹—The Telingu potato; amorphophallus Campanulatna; Bignonia Indica.

ওল² **ओल²**-ओर (दे०) केर प्रा० पै० तु० रू०। वि० ने० ४ (सुन्दरि नहि मनोरथ ओल); कीर्तिलता २३ (एक हाट करेओ ओल; औकी हाट करेओ ओल); FML 302. V. S. P 70 (सुमुखि मोरे ओल नहि होए)। *ola*²—*Early obs.* Maithili form of *ora* (q. v.).

ওলকৈত **ओलकैत**—क्रि०। लोकैत [ओलव (दे०)। तु० क० औलैत। चन्द्र २४७ (कयति श्री उकैत ओलकैत वाद चोर)। *olakaita*—V. playing, pampering.

ওলকোবী **ओलकोबी**—गाँठकोबी, कन्द विशेष। [ओल + कोबी]। तु० क० अस० ओलकवि। मि० भा० कोष ४२; ओलकोबी क तरकारी खूब स्वादिष्ट होइछ)। *olakobi*—A kind of cabboge.

ওলতী **ओलती**—ओसारासँ बढ़ल चारक निचला भूमि जतए चारक पानि खसैत छैक। [ओर + ती]। तु० क० हि० ओलती। BPL 1252; मि० ७७ (ओलती स जलतर लघुशंका निवृत कैलन्हि); वैदेही १११-४ (फराकेसँ ओलती उजरलाहा वरेरी देखि के चोर के इनहनाइत कोठीक अन्दाज भऽ सकइछ)। *olatī*—The eaves.

ওলবঁ **ओलब**—क्रि० । गर्दा सर करैत हाथ घुमाए नीक वस्तु कें उपर आनव । [ओल + अब] । मि० भा० कोष ४२ (चाउर के ओलब तखन समटा नीकहा चाउर उपर आओत) । *olaba*—*V.* Bring out unwanted parts and leave the substance cleanias to wisnnowk.

ওলৰবঁ **ओलरब**—क्रि० । पसरब (दी०) आलसक कारणे चारू नाल चित्त भए पसब । [अवलुण्ठ > ओलर + अब] । मि० भा० कोष ४२; (जा बदि करबक दिनमे ओलरब तें समटा काज पछले रहि जाएत) । *olaraba*—*V.* To lie downfreely for rest.

ওলৰল **ओलरल**—पसरल । ओलरब (दे०), केर भू० कृ० । मिथिला दर्शन १२० (आशा अलह शीतसौ बाँचल ओलरल नार दुआर मे । *olarala*—*Past* tense form of *olaraba.*

ওলা **ओला**—अतिसंशोधित वर्तुलाकार चीनी (दी०), मेघसँ खसय वला बर्फक टुकड़ा । पाथर । [सं० उपल] । तु० क० हि०, राज०, बं० ओला मि० भा० कोष ४२; (आइ ठकुरी दिश बेश पैब पैब ओला खसलैक) । *olā*—A small purfive round lump of sugar, hail (ice).

ওলিআ **ओलिआ**—सिद्ध मनमौजी मुसलमान बाबाजी । [अर०] । मि० भा० कोष ४२ । *oliā*—A Muslim saint.

ওলিপালি **ओलिपालि**—ओलब (दे०) केर पू० क्रि० कृ० । बं० शब्दकोष ६२१ (ओलिपालि कर सब बात गायक आगू दए दियौक) । *olipāli*—*Part.* form of *olaba* (q. v.).

ওলে **ओले**—ओली² (दे०) केर वा० कृ० । मि० पदा० मधु० ६२, २५३ (ओले धरि नहि हुलए ओ तै) । *ole*—*Coll.* form of *ola²* (q. v.).

ওল্তী **ओल्ती**—ओलती (दे०) केर वा० कृ० । सतरकानी ५१ । *olti*—*Coll.* form of *olati* (q. v.).

ওল্ল **ओल्ल**—ओल¹ (दे०) केर प्रा० मै० तु० रू० । Sarvanand's 11-4-57) (ओल्ल); FML 76 (ओल्ल S. N. 11.4-57) । *olla*—*Early* Maithili obs. form of *ola* (q. v.).

ওবারী **ओवारी**—भीतर (मे चमकैत) । [सं० अवर, अभ्यन्तर] । वर्णां० ५२ (ओवारी दीप लेसल) । *ovāri*—Inside (lamp).

ওবাস **ओवास**—कर्द्धवस्त्र । [सं० ऊर्ध्व + वास] । वर्णां० ६३ (बैकवरिक आठरक ओवास कैं) । *ovāsa*—Upper garment.

ওশা **ओशा**—ओस (दे०) केर अशु० वा० कृ० । वनकुसुम ६ (दुखदायक ओशा कतु वाल) । *ośa*—*Erro. Coll.* form of *Osa* (q. v.).

ওষধি **ओषधि**—औषधि (दे०) केर वा० कृ० । वर्णा० ४२ (औषधिक प्रभाव एवम्बिध भीषणता); राम० २६० (ओषधि संजीवनक समीप) । *oṣadhi*—*Poet.* form of *Auṣadhi* (q. v.).

ওষধীশ **ओषधीश**—चन्द्रमा, कपूर । [सं०] । तु० क० हि० ओषधीश । अम० २० (ओषधीश निशापति) । *oṣadhīśa*—The moon, comphor.

ওষ্ঠ **ओष्ठ**—ठोर, ओठ । [सं०] । तु० क० हि० बं०, असo, नै० ओष्ठ; पा० ओट्ठ; प्राकृ० ओट्ठ होट्ठ; हुटो; काठी हुट्ठ कु० ठँठ; ओठ ह० गीज०, ओठ; अव० ओंठ, होंठ । क्ष० वि० १४० (ओष्ठमे चुम्बन; मी० ११०-१५ (शोकावस्थाक कारण ओष्ठ द्वय शुष्क भै गेल छैक); दिरा० १६४ (वर्ण सन्धि विचार ओष्ठ सन्धि पर जाय समाप्त होइछ) । *oṣṭha*—Lip.

ওস **ओस**—बिन्दु मेघक आकाश पतित अति सूक्ष्म तुषार; हिम, बरफ । [सं० अवश्याय अथवा प्राकृ० ओआस] । तु० क० बं०, हि०, नै०, अव०, ओस; बं० ओस । चित्रा ५१ (हिम सुख ओस सँ भीज गेल); प्रतिपदा एक अध्ययन ३७; FML 139. *osa*—Dew.

ওসথি **ओसथि**—क्रि० । उसिनब, गर्म करब । [उष्ण] । बाल वनमालसी भाग प्रथम १० । *osathi*—*V.* Hon. Boil.

ওসয়েত **ओसयैत**—क्रि० । उसिनैत । गर्म करैत । [उष्ण] । धातुपाठ ५१ । *osayaita*—*V.* Having boiled.

ওসরা **ओसरा**—ओसारा (दे०) केर वा० कृ० । BPL 1242; ला० ह० गा० ति० ७२, ११८ । *osara*—*Coll.* form of *osārā* (q. v.).

ওসাএবঁ **ओसाएब**—क्रि० । बसात सँ अन्नकें साफ करब (दी०) । [ओसार + अब] । BPL 497; मि० भा० कोष ४२ । *osāeba*—*V.* To winnow.

ওসাওন **ओसाओन**—ओसाओनिहारक वेतन, पारिश्रमिक, ओसयला सँ पृथक भेल तुसादि । [ओसाए + आओन] । मि० भा० कोष ४२; मि० भा० वि० ६१ । *osāona*—Wages for winnowing; the husks separated by winnowing.

ওসাওল **ओसाओल**—ओसाएब (दे०) केर भू० कृ० । अमर २०४; (ओसाएल धान कोठीमे रखलाक बुझारे नष्ट भए रहल अछि) । *osāola*—*Past* tense form of *osāeba* (q.v.).

ওসারা **ओसारा**—घरक बाह्य अनावृत कोष्ठ (दी०) । [सं० उत् + आश्रय] । तु० क० हि० ओसार । मी० १२०-१७ (दूतू गौरे राक्षस मल्हीक घरक ओसारा पर आबत छथि); मि० दर्शन २० (केर अस्पतालक ओसारा पर ठाढ़ छल); कन्या० १५२ (ओसारा पर ठाढ़ि छथि); BPL 1243. *osārā*—Veranda.

ওসীঅতনামা **ओसीअतनामा**—मरबासँ पहिने अपन उत्तराधिकारक हेतु लिखल गेल कागत । [अर० वसिअतनामा] । FML 256. *osiatanāmā*—Will.

ওসুলৈত **ओसुलैत**—ओसुलब (दे०) केर पू० क्रि० कृ० । खड्ग १७१ (बातबातमे कर ओसुलैत छथिन्ह) । *osulaita*—

Part. form of *osūla* (q. v.).

ওসুল **ओसूल**—आसादित (आदेय धन) (दी०); [अर० वसूल] । रंग १०५ (हमरासँ **ओसूल** करै लागयि त कोन आश्चर्य); मि० भा० कोष ४२ । *osūla*—Collection of (wealth).

ওসুলী **ओसूली**—आदेय धनक आसादान । [ओसूल + ई] । मि० भा० कोष ४२ । *osūlī*—The act of collecting the dues.

ওসৌনী **ओसौनी**—अन्न ओसाएब वा अन्न ओसएबाक कार्य । [ओसाएब + औनी] । प्रण० १४२ (कोन नक्षत्रमे **ओसौनी** करी); FPL 497. *osaunī*—The act of winnowing grain.

ওস্তা **ओस्ता**—वैद्य विशेष (दी०) । [उस्ताद] । मि० भा० कोष ४२ । *ostā*—Expert (medical practitioner).

ওস্তাজ **ओस्ताज**—ओस्ताद (दे०) केर वा० रू० । FML 156. *ostāja—Coll* form of *ostāda* (q. v.).

ওস্তাদ **ओस्ताद**—पार्थं, उपदेशक, शिक्षक, निपुण । [फा० उस्ताद] । तु० क० बं०, अस०, ओस्ताद; अर०, उर्दू, **उस्ताद**; भोज० ओस्ताद । (आब एतय एक **ओस्ताद** अपने सभक समक्ष प्रस्तुत होएताह) । *ostāda*—Master; proficient, instructor, skilful expert.

ওস্তাদী **ओस्तादी**—शिक्षा देबाक कार्य, निपुणता, चालाकी, अनुभव, नीक जकाँ व्यक्त करब । [फा० उस्तादी] । तु० क० बं०, अस०, ओस्तादी । FML 623. *ostādī*—The state of being an expert, teacher, specialist.

ওহ[1] **ओह[1]**—अव्यय । (डर, दुख, खेद, आश्चर्य सूचक शब्द) । [सं० ओः] । तु० क० हि०, बं०, अस०; ने०, अव०, राज० ओह । FML 570; (ओह ! ई गप हम कथमपि नहि मानब) । *oha*[1]—*Intery.* (Expressing surpise, grief, wonder, displeasure, and fear or just indicatinga negative).

ওহ[2] **ओह[2]**—ओ[2] मै (दे०) केर प्रा० मै० लु० रू० । वि० पदा० मजु० ५१० (ओह सिद्धेश्वर थिका मोर पति हे); मन० कृष्ण० १९ (एक दिन **ओह** मानथु मोर पोस); राम० १४६ (निकटहि कुटि देखक थिक **ओह**) । *oha*[2]—*Early.* Obs. *Maithilī* form of O[3] (q. v.)

ওহও **ओहओ**—ओ(उ)एह वा ओहो (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० ने० ९० (**ओहओ** कान्ह जदुकुल गोप); मन० कृष्ण० ४ (**ओहओ** हमहि हलधर अवतार); FML 406. *ohao*—*Early* Obs Maithili form of *o(u)eha* or *oha* (q. v.).

ওহদযিতেঁ **ओहदयितेँ**—ओहदा (दे०) केर पू० क्रि० रू० । वर्ण० १५ (अहदयितेँ ओहदा अवलोकन); FML 233. *ohadayitĕ*—*Part.* form of *ohadā* (q·v.).

ওহদা **ओहदा**—पद, स्थान, आसन । [फा०] । तु० क० हि० ओहदा । वर्ण १५ (ओहदयितेँ ओहदा अवलोकन) । *ohadā*—Post, position.

ওহন **ओहन**—वि० । ओहि प्रकारक, ओहि तरहक, [ओहि + सम] । मन० कृष्ण० १४ (ओहन महाप्रभु मोहन विकट); नव० ९ (अनका लेखे ओहन प्रियदर्शन केओ नहि); FML 317 (ओहन काज करब तेँ लागु) । *ohana*—*Adj.* That kind; that sort of, in that way.

ওহনা **ओह्ना**—ओहन (दे०) केर छिकाछिकी रू० । FML 438. *ohanā*—*Chikāchikī* form of *ohnā* (q. v.).

ওহনি **ओहनि**—ओहन (दे०) केर स्त्री० रू० । मन० कृष्ण ९ (ओहनि दुर्ग जमुना भेल थाहि) । *ohani*—*Fem.* form of *ohana* (q. v.).

ওহনে **ओहने**—ओहन + हि (दे०) केर वा० रू० । मन० कृष्ण २ (ओतहु मनोरथ ओहने रहल) । *ohane*—*Coll.* form of *ohana + hi* (q. v.).

ওহন্তু **ओहन्तू**—वि० । स्त्री.पशु, ओहएबा योग्य, बाहबाक योग्य । [ओहाएब अथवा उह + अन्तू] । तु० क० बहन्तू । FML 20. *ohantū*—*Adj.* A Female animal fit for paising.

ওহরিয়া **ओहरिया**—ओहार (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० डा० उ० ना० ति० २४२, मै० लोकगीत १८७ । *ohariya* *Folk* form of *ohāra* (q. v.).

ওহরী **ओहरी**—ओडी (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू० । Sarvananda 11–9–65 *oharī*—*Early obs.* form of *odī* (q. v.).

ওহাএব **ओहाएब**—क्रि० । बाहब (दी०); स्त्री पशुक पाल खाएब वा गर्भ धारण करब । [सं० उह + आएब] । मि० भा० कोष ४२; BPL 1115. *ohāeba*—*V.* To copulate (of animals).

ওহার **ओहार**—आवरण, परदा, झाँप । [सं० आवार] । तु० क० हि०, भोज० ओहार । द्विरा० २०८ (ओहार तर दमाद बौंके छथि) । *ohāra*—Cover made of cloth, screen.

ওহারি **ओहारि**—ओकर (दे०) केर प्रा० मै० रू० । वि० ने० २६६ (तोहि वितु नागरि कओने ओहारि) । FML 406. *ohāri*—*Early* Maithili form of *okara* (q. v.).

ওহারী(লী) **ओहारी(ली)**—ओहाली केर प्रा० लु० मै० रू० । चारक जड़िक ओर या अन्त । V. P. 97 Sarvanand (11-2-14); FML 121 ओहारी (विवाद चिन्तामणि ८७ नं० अग्रसर); BPL 490. *ohārī(lī)*—Edge of a thatched roof.

ओहासी—बलिष्ठ मूसल सहित जल (दो०); विशेष पानिक कारणेँ एक खेतसँ आरि दऽ दोसर खेतमे विशेष तीव्र गतिसँ पानि बहब वा खसब जाहठामसँ ओलतीमे नीचा पानिक खसब। [सं० वह + आशु वा अंश]। व्य० वि० १९४ (सब ओहासी मे भरिआ गेलैन)। *ohāsī*—Where the water of all the land naturally falls.

ओहि—अव्यय। ओ, ओह, दूरक हेतु संकेत। [सं० ओ + हि]। तु० क० अव० ओहि; हि० उस। वि० ने० २०३ (तोहि नहि कर ओहि नहि लाज); मन० कुम्भ० २ (ओहि अवसर बरनी भेल आनू) चित्रा २१ (किछ ककर दिन जैत ओहि पर); FML 408. *ohi—Ind.* That itself, used in the sense of distance).

ओहिठाम—अव्यय। ओहि जगह वा स्थान पर। [ओहि + ठाम]। राम० २०१ हम आयल ओहिठाम)। *ohiṭhāma—Ind.* That place.

ओहिना—अव्यय। ओहि तरहेँ, ओही प्रकारेँ। [ओहन + हि > आ]। मो० १०७ (ओहिना छोट बेड मार्वक रवी पर मानुषत भाव राखथि); मग० ५ (दिगम्बर ओहिना रहि गेलाह); चित्रा ३९ (ओकरा तँ ओहिना मोन छिलइ)। *ohinā—Ind.* Verily of that sort or kind.

ओहिया—तहिआ (या) (दे०) केर पूर्वीय मै० रू०। FML 437. *ohiyā*—The eastern Maithili form of *tahiā(yā)* (q. v.).

ओही—ओहि (दे०) केर निश्च० रू० वि० मै०। (ओही पाथ इ तुरुक कहाँ ऐ लागल); २० चित्रा (ओही मे ई मुलुक बस जाय)। *ohī—Emph.* form of *ohi* (q. v.).

ओहीन(नु)—ओहन (दे०) केर पूर्वीय रू०। FML 434. *ohīna(nu)*—The eastern Maithily form of *ohana* (q. v.).

ओहु—ओहि (दे०) केर निश्चय रू०। FML 406; 296 (ओहु राहु भीत)। *ohu—Emph.* form of *ohi* (q. v.).

ओहुना—ओहिना (दे०) केर ग्रा० रू०। पारो ४६ (ओहुना दऽ दिते)। *ohunā—Coll* form of *ohinā* (q. v.).

ओहू—ओहु (दे०) केर ग्रा० रू०। वि० पदा० मधु० २५, रामभद्रपुर पोथी ४०१ (ओहू राहु भीत मधु निशंक); प्रभा० २६ (सेठ जी व्यापारिक बुद्धि ओहू काल संग नहि छोड़लक); चित्रा २५ (ओहू दिन देखने रहिअइ ऐ)। *ohū—Emph.* form of *ohu* (q. v.).

ओहे¹—ओ³ (दे०) केर प्रा० मै० रू०। राग० ८० (पिआ मन ओहे संदेस); FML 406. *ohe¹—Early* Maithili form of *O³* (q. v.).

ओहे²—ओएह (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वि० वि० ४ (मिलब सुजन गए ओहे मोरा काज)। *ohe²—Early* Maithili form of *Oeha* (q. v.).

ओहेन—ओहन (दे०) केर ग्रा० रू०। पारो ४४ (ओहेन गोर देह); FML 434. *ohena—Coll* form of *ohana* (q. v.).

ओहो¹—ओ³ (दे०) केर निश्च० रू०। मि० उ० १५१-७ (अन्यथा ओहो किछु नहि); मो० ६७-२ (ओहि एखनि की करत उद्यम); प्रभा० १४५ (ओहो शीघ्रतासँ विदा भेलाह); चित्रा १७ (ओहो भए गेला बेस समर्थ)। *oho¹—Emph.* form of *O³* (q. v.).

ओहो²—अव्यय। (आनन्द वा विस्मय सूचक शब्द) तु० फा० सं०, असा०, बै०, हि० ओहो। (ओहो! अहूँ आबि गेलहुँ)। *oho²—Intej.* (exptenig asertment or jug).

ओहो³—ओहो¹ (दे०) केर प्रा० मै० रू०। मि० २०१ (ओहो अपना गुरु मञ्जरीक तान्त्रिक)। *ohau³—Early* Maithili form of *Oho¹* (q. v.).

औ

औ¹—मिथिलाक्षरक चौदहम स्वर वर्ण, एकर उच्चारण स्थान कण्ठ ओष्ठ मानल जाइछ [सं०] तु० फा० सं० असा० ने०; अव० राज०, हि० औ। (ए, ऐ, ओ, औ)। *au¹*—The fourteenth vowel in Maithili script.

औ²—प्रत्यय। विन् आदि धातु ने धातु पाठमे परिगणित अछि ताहिसँ पर औ प्रत्ययकेँ आउ आदेश होइछ। ला० वि० १०६। FML 76-77 *au²*—Suffix.

औ³—अव्यय। अपनासँ सम वा छोटकेँ सम्बोधन करबाक शब्द। [सं० अहो]। तु० फा० असा० औ। मो० ६७-३ (निर्दासी लोभ अछि जानु औ); मो० १५७-८ (औ यौ (दे०) बाबूलोकनि); प्रभा० १० (औ परमेश्वर बाबू!); (औ मिलाँ! अपने लोकनिकेँ); मि०; FML 474. *au³—Ind*—term used in addressing

a person of an inferior or equal rank.

ꯀँ² औँ²—औ² (दे०) केर वा० रू०। $\bar{a}\tilde{u}^2$—*Coll.* for u of *au²* (q. v.).

ꯀआ(आँ)¹ **औआ(आँ¹)**—**प्रत्यय**। प्रभेद अर्थमे उजर-आदि शब्दसँ—आ प्रत्यय लगाओल जाइछ। ल० वि० ४४, ३६ (अमत शब्दसँ—हा-तथा-औआ प्रत्यय); मधुर शब्दसँ—हा,-बा, तथा औआ तोन प्रत्यय (मधुरहा, मधुरबा, मधुरौआ); कर्ममे चोरब आदि धातुसँ। औआ प्रत्यय (चोरौआ, छपौआ; लुकौआ। सर्वत्र 'अब' क लोप होइत अछि)। ल० वि० १३६; मि० भा० भा० विद्योतन साधारणतया भाव अर्थमे गाम आदि शब्दसँ औआ प्रत्यय लगैत अछि। मि० भा० वि० ५८ (गोआँ)। *auā(ā)*¹—Suffix.

ꯀआ **औआ²**—औआएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मिथिला दर्शन १०–३७ (जे भयसँ भुवनभीर औआ रहल छथि) *auā*—*Parti.* form of *auāeba* (q. v.).

ꯀआएब **औआएब**—क्रि०। व्याकुल होएब (दी०) आकुल होएब [औ + अब]। मि० भा० कोष ४२; (यदि स्थिर चित नहि करबतँ आकुल औआएब)। *auāeba*-*V.* To be perplexed

ꯀक¹ **औक¹**—**प्रत्यय**। प्रेरणामे धातुसँ पर क्रियाफल अनादरणीय सन्ताँ-औक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ६६ (नोकर नेना लग रहौक, ओकर कार्य देखौक); प्रेरणामे धातुसँ पर क्रियाफल अनादरणीय तोँ शब्दार्थगत सन्ताँ औक प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ६६ (लोक तोरा देखौक, तोहर कार्य करौक) इच्छामे धातुसँ पर क्रियाफल अनादरणीय तोँ शब्दार्थगत सन्ताँ-औक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०१ (रओ लोक सभ तोरा पर प्रसन्न रहतौक); FML 474. *auka¹*—*Suffix.*

ꯀक² **औक²**—क्रि०। सं०। वमन (दी०) बोकार (बोकरब)। [शब्दानुकरण]। तु० क० ओक, बोकरब। मि० वि० भा० कोष ४२; (बस पर चढ़ला पर स्त्रिगणादिकेँ औक होएबाक सम्भव रहैछ)। -*auka²*—Vomit.

ꯀक³ **औक³**—वि०। लु० प्र० संख्या एक केर प्राचीन रू०। (औक मौक चौक चीरा जाओ बजार खाओ खीरा = एकटा पचीसी खेलक घर लिखबाक रोचक फकड़ामे घर संख्या एक हेतु औक प्रयुक्त होइछ। *auka³* —Obs. Adj. one.

ꯀकठ **औकठ**—[सं०]। अधलाह काठ, नीक काठ नहि, सारिल रहित। [अकाठ]। तु० क० अस० आओकाठ; अकाठ,अकठ। (औकठ केर नाव मजगूत होइछ)। *aukaṭha*—*Adj.* Wood of inferior quality.

ꯀकरा **औकरा**—ओकरा (दे०) केर अशु० रू०। मि० मि० २११ (औकरा मारैक हेतु)। मो० ९८–६ (औकरा कातहिमे ठाढ़ भै कपैत रही से निमित अछि)। *aukarā*—*Err.* form of *okarā* (q. v.).

ꯀँकसी **औँकसी**—गाछसँ फल फुल वा पात तोड़बाक हेतु लग्गीमे बान्हल टेढ़ छोट-छीन मकुआ। [सं० अंकुश]। चन्द्रकला २। *aukasī*-Device tied at the top of a bamboo pote for easy plucking of fruit etc. from high trees.

ꯀकात(ति) **औकात(ति)**—सामर्थ्य, ताकत हैसियत, शक्ति। [अ०] तु० क० राज० औकात। मिहिर १९ (२–६१–५३) (औकात)। *aukāta(ti)*—Force, energy.

ꯀकार(ो) **औकार(ो)**—औकार मात्रा वा अक्षर 'मानविसाने' नामक मिथिला भरते नाम। [सं०] तु० क० ने० औकार। मि० भा० कोष २ (औकार मात्रा लगओलासँ खपचारसँ औपचारिक शब्द बनत)। *aukāra*—The letter 'au' or its mark.

ꯀखद **औखद्**—औषध (दे०) केर वा० रू०। तु० क० बं० औखद। FML 771 *aukhada*—*Coll.* form of *auṣadha* (q. v.).

ꯀखध **औखध**—औषध (दे०) केर वा० रू०। FML 525; मि० भा० कोष ४२। *aukhadha*—*Emph.* form of *auṣadha* (q. v.).

ꯀखधार **औखधार**—औषध विद्या उपयोगी (दी०)। [औखध + आर] मि० भा० कोष ४२। *aukhadhāra*—Useful in medical science.

ꯀखन **औखन**—अखन (दे०) केर निश्च० रू०। तु० क० एहुखन (दे०)। वि० व० ४० (निपुण योग साधन औखन); मो० १००–२१ (छल औखन मैथिल बड़ पण्डित) कन्या ५४ (एकटा पाग-धारी औखन आबि रहल छथि); प्रण० ३५(औखन देह सिहरि उठैत अछि); चित्रा २ (औखन धरि जे भाँपि रहल अछि)। *aukhana*—Emph. of *okhan* (q. v.).

ꯀघट **औघट**—वि०। अघट (दे०) केर वा० रू०। [अव + घट] तु० क० राज० औघट। मि० मिहिर [सं० अवघट] ३४–४–११ औघट-घाट अटाक नागर)। *aughaṭa*—*Adj. Coll.* form of *Aghaṭa* (q. v.).

ꯀघड़ **औघड़**—कुढंब, अनसोहात गढ़ल, कुरूप, असुन्दर, अविवेकी, कार्य मे नीक अधलाह नहि कएनिहार। [सं० अवघट्ट अथवा अव + गढ़ल]। वि० वि० ३६ (नाम खराब दास औघड एक); मैथिली लेख शैली ६। *aughaḍa*—*Adj.* Ugly, indiscriminate.

ꯀँघाएल **औँघाएलै**—औँघाएल (दे०) केर वा० रू०। मिहिर ३८–३१–७ (स्त्रीवर्ग अयन जीविकाक हेतु औँघाएलै आँखिएँ जातमे अन्न दैत)। *aũghāela*—*Coll.* form of *aũghā ela* (q. v.).

ꯀघड़ायित **औघड़ायित**—ओघड़ायित (दे०) केर वा० रू०। राम० २६५ औघड़ायित दौड़ल से फेर)। *aũghaḍāyita*—*Coll.* form of *oghaḍāyita* (q. v.).

औंघाइत—औंघाएब (दे०) वर्त० रू०। पारो। ५ (औंघाइत काल नक द केओ अहांक समध कहियो वारि देने हो)। *aũghāita*—Present tense form of *aũghāeba* (q. v.).

औंघाएब—क्रि०। झुकनी लागब, औंघडीक कारणे लागब वा झुकब। [सं० अवघूर्ण]। तु० क० हि० ऊँघना ऊँघाना; पं० ऊँघणा। (रातिकेँ देरीसँ सब दिन सुतबाक कारणेँ औंघाएब स्वाभाविक थिक)। *aũghāeba*—V. To be slightly sleepy's to doze.

औंघायले—औंघाएले (दे०) केर वा० रू०। प्रण० ६ (ई बनेक औंघाएलेक कें उत्तर देलिऐन्हि)। *aũghāyale*—Whild stillsleepy.

औंघाएब—औंघाएब (दे०) केर वर्त० रू०। हि०; हम औंघाएल छी)। *aũghāela*—Present tense form of *aũghāeba* (q. v.).

औंघाह(हि)—वि०। औंघीसँ युक्त पुरुष स्त्री (दी०)। [औंघाएब] मि० भा० कोष ४२। *aũghāha(hi)*—Adj. A male female who is sleepy.

औंघी—नींदक पूर्वरूप। मि० भा० कोष ४२; मि०; कन्या० ८३ (आब औंघी होअ); पारो ३३ (पलान की औंघी लागल अछि)। *aũghi*—Sleepness.

औचक—अचानक वा अचानचक (दे०) केर का० रू०। चन्द्र० ११० (औचक प्राण पक्षि उडि जायत)। *aucaka*—Poet form of *acānaka* or *acāncaka* (q. v.).

औचिती—औचिती (दे०) केर वा० रू०। A Tricingual Dictionary 91; मि० २२२ (अवीव औचिती देखाओल)। *auciti*—Coll. form of *Uciti* (q. v.).

औचित्य—उपयुक्तता, न्यायता, उचितक भाव। [सं० उचित+ष्यञ्]। तु० क० हि०, बं०, असम०, मै०, अव०, राज० औचित्य। रमेशचन्द्र ३; अमर बापू ४; मिहिर १४ (२-६२-४३)। *aucitya*—Propriety.

औजी[1]—प्रत्यय स्त्रीक बोध अभिप्रेत रहला पर तत्कालिक शब्दसँ भाए शब्दसँ औजी प्रत्यय लगा भाए कें भ आदेश। ल० वि० ६६; (भौजी); मि० भा० वि० १०९। *auji*[1]—Suffix.

औजी[2]—अव्यय सम वा अपनासँ छोटक हेतु सम्बोधन सूचक शब्द। [सं० अहो]। रंग० ४१ (औजी। अहांकि छिप्पटन छी); मल्हार ११। *auji*[2]—Ind. Interjectional word for inferior or equal.

औट—प्रत्यय। साधारणतया शिला शब्दसँ औट प्रत्यय लगैछ। ल० वि० ५२ (शिला निर्मित पिसबाक पात्र सिलौट मि० भा० वि० ८७; FML 94 *auta*—Suffix.

औंट[1]—औंटि (दे०) केर वा० रू०। कन्या० ८० (लालकाकीक भी पीति औंट न गेलैन्ह)। *aũta*[1]—Coll. form of *ãta* (q. v.).

औंट[2]—औंटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। प्रण० ७७ (दधि क पानि औंटक सरसार करय लगलाह)। *aũta*[2]—Past. form of *Aũṭaba* (q. v.).

औंटन—दुग्धादिक पाक (दी०), औंटबाक क्रिया। [I A L Turner 64-14-0 आवर्तन]। तु० क० पा० आवटन; प्राकृ० आवट्टण; उ० अउटण; हि० औंटना; लहन्दा आटणा; सि० अटणु; म० अटणें। मि० भा० कोष ४२; (दूधमे बेशी औंटन लागए देबैक)। *aũṭana*—The act of stirring milk over a fire.

औंटब—क्रि०। दुग्धादिक पाक (दी०); आगि पर कोनो वर्तनमे दूध दए ओकरा गर्म करब। [IAL Turner 64-1420 आवर्तयति]। तु० क० हि० औंटब; उ० आउटिबा; पं० औटणा; असं० औंटिबा; भोज० अवँटिल; गु० अवटवाटुँ प्राकृ० आवट्टइ; पा० आवट्टेति। मि० भा० कोष ४२; (दूध औंटब हमरी सिखाए दिअ)। *aũṭaba*—V. The out of sterring milk over a fire.

औंटल—औंटब (दे०) केर भा० रू०। वर्षा० ६२ (अवरिरह वर्षक बेहिया तैं औंटल)। *auṭala*—Early. Coll form of *aũṭaba* (q. v.).

औंटल—औंटब (दे०) केर भू० रू०। रंग ७५ (पन्द्रहदाह दिन जे दूध औंटल गेलन्हि)। *aũṭala*—Past tense form of *aũṭaba* (q. v.).

औंटाइत—औंटब (दे०) केर भू० रू०। मि० दर्शन ७ (औंट हुत दूधक सोन्हीन गन्ध औंजीक नाकमे उड़ति कए पैसि गेलै)। *aũṭaita*—Past tense form of *Aũṭaba* (q. v.).

औंटि—औंटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० ने० १५० (बपरल कलक औंटि बहुप्पल)। *auṭi*—Past form of *Aũṭaba* (q. v.).

औटी—प्रत्यय। साधारणतया काजर औ चून शब्दसँ औटी प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ५२ (काजर रखबाक पात्र कजरौटी; चून रखबाक पात्र चुनौटी)। *auṭi*—Suffix.

औंटैत—औंटब (दे०) केर भू० रू०। चाहु पाठ ३१; पा रो २९ (गो दूध औंटैत छल)। *aũṭaita*—Past tens form of *Aũṭaba* (q. v.).

औंठ—वस्त्रादिक प्रान्त (दी०); वस्त्र वा सूतबाक साथनक कोर वा दुनू कातक अन्तिम अंश। [ओढ़ना अछलीनाक औंठ मोकि देलासँ ओकरा फटबाक संभावना नहि रहैत छैक] [सं० ओष्ठ] *aũṭha*—Edge of a cloth.

मि० भा० कोष ४३, (साड़ीक औँठ के नीक जकाँ सीबि दियौक)। *aũṭha*—Edge of the clothes etc.

औठाओन—अठाबन (दे०) केर पूर्वीय रू०। FML 371. *auṭhāona*—The eastern form of *aṭhābana* (q. v.).

औँठा—अँगुठा, अँगुठाक भूषण (दी०); पयरक बुढ़वा अँगुरी; तथा ओकर चानीक गहना विशेष। [सं० अङ्गुष्ठ + आ]। कन्या० ७६ (पैरक औँठा के भीजैत बजलीह); प्रपा० १४४ (गुरूक औँठामे यवक चिन्ह देखवामे एलैन्ह); पारो ४ (हमरा देखैतहि दाहिना पैरक औँठाक नहसँ माटि खखोड़ै लागल)। *aũṭhā*---Toe, oranament of toe.

औँठिया—वि०। घूमल, ऐँठल, अँगुठी आकारक (केश)। [ऐँठल]। अम० १४६ (औँठिया लटकेँ टारि माथ पर क देलकैक)। *aũṭhiyā*--*Adj.* Curly.

औँठी—अउँठी (दे०) केर वि० रू०। राम० २१५ (कर औँठी केश मध्य नुका रखने छी)। *aũṭhī*—*Alt.* form of aunṭhī (q. v.).

औड़व—५ स्वर वाला राग रागिनीक वर्गीकरणक पारिभाषिक शब्द। [सं०]। जीमूत वाहन १२। *auḍaba*—A techuical musical word.

औड़ा—औंरा (दे०) केर वा० रू०। [सं० आमलक]। तु० क० भोज० अँवँरा; अव० औंरा, म० आँवला; गु० आवलूँ हि० आँवला; उ० आँला अँर्रा; प० आम्ला; आँउला; लहन्दा आवला; सि० आँवरो; आँविरो। *auḍā*—*Coll.* form of amara or *Aurā* (q. v.).

-औड़ी—प्रत्यय। तिल आदिसँ औड़ी प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० ५२ (तिल मिलाए बनाओल बड़ी तिलौड़ी; कुम्हर मिलाए बनाओल कुम्हड़ौरी)। *-auḍī*—A suffix.

औढरढरन—अढ़रनढ़रन (दे०) केर वा० रू०। केर वा० रू०। (अ + ढ़रन + ढरन) खट्ट० १२८ (बर देमय काल औढ़रढ़रन)। *audharaḍharana*—*Coll.* form of *aḍharanaḍharaua* (q. v.).

औणचालिस—उनचालिस (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 369. *auṇacālisa*—*Cate.* Maithili form of *unacālisa* (q. v.).

औणसट्ठि—उनसठि (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 37. *auṇasaṭṭhi*—Cate Maithili form of *unasaiṭhi* (q. v.),

औत¹—प्रत्यय। पात्र अर्थमे काठसँ औत प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० ५२ (काठक पात्र कठौत); अपत्य तथा साक्षात् सन्तति अर्थमे माउस, पिउसि, पित्ती, बहिनि, समधि ओ सौतिनि शब्द सँ औत प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० ४७ (मसिऔत, पितिऔत, बहिनौत, समधौत, सतौत); मि० भा० वि० ८०। *-auta¹*—A suffix.

औत²—आओत (दे०) केर वा० रू०। शतदल ३५ (लट फुजल औत की तोहरतर)। *auta²*—*Coll.* form of *āota* (q. v.).

औतकलि—उत्कल केर भाषा। [सं० औत्कल]। वर्ण० ४४ (सावली, द्रावली, औतकलि)। *autakali*—Language of *utkala.*

औतम—चौदह मनुमेसँ एक केर नाम। उत्तम नामक मनुक वंशज। [सं० औत्तमी]। वर्ण० ५८ (चाक्षुष औतम, तामस, रैवत)। *autama*—One of the 14 Manus.

औतहि(हु)—आओत (दे०) केर निश्च० रू०। चन्द्र० ५७ (जत हे औतहि वाला); चित्रा २७ (गै क्यो नहि औतहु काज)। *autahi (hu)*—*Emph.* form of *āota* (q. v.).

औता(ह)—अओताह (दे०) केर विक० रू०। राम १७८ (औता करता माया मानुष); मो० १७४–११ (तखन योग्य पुरुष कहाँ सँ औताह); मि० २६७ (श्रीमान ड्यौढ़ी मौड़ागढ़ी औताह); कन्या० १२ (मास दिनसँ बाँकी रहतैन्ह त औताह); पारो १७ (दसमीक तातिलमे गाम औताह); क्रान्ति १६। *autā(ha)*—*Alt* form of *aotāha* (q. v.).

औती (ह)—औतीहि (दे०) केर वा० ओ० का० रु०। राम० ३२५ (हमर प्रतिष्ठित औती नारि); द्विरा० १०३ (बुच्चीदाइ औतीह कोना ?)। *autī(ha)*—*Coll.* or poet. form of *autihī* (q. v.).

औतीहि—औताह (दे०) केर स्त्री० रू०। मो० ९७-२२ (देवी कुटीमे औतीहि)। *autihi*—*Fem.* form of *autāha* (q. v.).

औते—आओत (दे०) केर वा० रू०। मैथिलीमे विहारी १३। *aute*—*Coll.* or poet. form of *āota* (q. v.).

औतैक—आएत (दे०) अना० भविष्य० रु०। मि० ३१६ (नहि जैताह तँ आपस चल औतैक); द्विरा० १८० (जखन समय औतैक त बूझल जेतैक)। *autaika*—*Nonh* future tense form of *āeba* (q. v.).

औतैन्ह—आएत (दे०) आद० मध्य० पुरु० भवि० रू०। प्रपा० ७६ (तावत दड औतैन्ह)। *autainha*—*Hon.* Second person future tense form of *āeba* (q. v.).

औत्पातिक—उत्पात वा उपद्रव सम्बन्धी। [सं० तु० क० असo, ने० बं० औत्पातिक। (कोनो औत्पातिक विचारधारा सँ कएल गेल हो)। *autpātika*—Ominous.

औत्सुक्य—आग्रह, उत्कण्ठा, उत्सुकता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०; अस०, ने० औत्सुक्य। एकावली परिचय ३८। *autsukya*—Curiosity.

𑒌𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 **औथिन्ह**—आएब (दे०) केर आद० गम्य० एवं अन्य० पुरु० भवि० रू० । द्विरा० १७६ (नहि औथिन्ह त चिन्हबनि कोना ?) *authinha*—*Hon* Second or third person form of *āeba* (q. v.).

𑒌𑒠𑒢𑒱𑒏 **औदनिक**—वि० । भनसिया, पाचक सम्बन्धी । [सं० ओदन + ठक् > इक्] । अम० २०५ (आरालिक, आन्धसिक, सूद औदनिक) *audanika*—*Adj*.Relating to, Cook.

𑒌𑒠𑒩𑒱𑒏 **औदरिक**—वि० । पेटू, खाधुर । [सं० उदर + ठक् > इक] । अम० २४३ (आदमून औदरिक) । *audarika*—*Adj*. A glutton.

𑒌𑒠𑒰𑒩𑓂𑒨 **औदार्य**—उदार गुण, उदारता, महत्व, भावकता, सच्चता । [सं० उदार + ष्यञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव औदार्य वर्ण० ५१ (औदार्य; माधुर्य); अमरनाथ झा; मह्लार ३६ । *audarya*—Magnanimity, Sincerity, generosity.

𑒌𑒠𑒰𑒮𑒲𑒢𑓂𑒨 **औदासीन्य**—उदासीनता, उपेक्षा, वैराग्य । [सं० उदासीन + ष्यञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० औदासीन्य । मो० १३३–२४ (मिथिला मातृभाषा पर औदासीन्य ?); प्रवास जीवन १७६ । *audāsinya*–Indifference, detachment.

𑒌𑒠𑒰𑒮𑓂𑒨 **औदास्य**—उदासीनता, वैराग्य, उपेक्षा । [सं० उत् + आस—अच् + ष्यञ्] । तु० क० हि०, ने०, अस०, बं० औदास्य । विवमना ८३ । *audāsya*—Indifference, detachment.

𑒌𑒠𑓂𑒡𑒞𑓂𑒨 **औद्धत्य**—धृष्टता, चंचलता, उजड्डपन । [सं० उद्धत + ष्यञ्] । तु० क० हि०, बं०, ने० औद्धत्य । मिहिर २३ (२–६१–५४) (औद्धत्य प्रदर्शन); वैकल्पिकक मादरी । *auddhatya*—Impudence.

𑒌𑒠𑓂𑒨𑒼𑒑𑒱𑒏 **औद्योगिक**—वि० । व्यवसाय वा व्यापारसँ सम्बन्ध रखनिहार । [सं० उद्योग + ठक् > इक] । तु० क० हि०, बं०, ने० औद्योगिक मिथिला औद्योगिक व्यापार १०२ । *audyogika*—*Adj*. A person who is related with Industry.

𑒌𑒡𑒞𑓂𑒨 **औधत्य**—औद्धत्य (दे०) केर बा० रू० । मि० ३७३ (ओ औधत्य बरा कहैछ अपमान कथमपि नहि करताह) । *audhatya*—*Coll*. form of *auddhatya* (q. v.).

𑒌𑒢𑒰𑒃𑒞 **औनाइत**—औनाएब (दे०) केर वर्त० रू० । कल्या० १४६ (भीतरहि भीतर औनाइत रहैत अछि) । *aunāita*—*Present* tense form of *aunāeba* (q. v.).

𑒌𑒢𑒰𑒋𑒥 **औनाएब**—क्रि० । औलबौल होएब, असमस्थिति (दी०) । [सं० अन्ध] । मि० भा० कोष ४३ (कतबो औनाएब तैयो बस्था पतेष नहि भेटत) । [सं० अन्ध] *aunāeba*—V. To be utterly perplexed, to be lost in the darkness.

𑒌𑒢𑒰𑒣𑒟𑒰𑒩𑒲 **औनापथारी**—आकुलता पूर्वक अन्वेषण (दी०); व्यग्रता पूर्वक ताकबाक क्रिया । [औनाएब + पथार] । (एकटा बस्तार सेता मे हेएला उत्तर औनापथारी जहि जाइत छैक) । *aunāpathārī*—The researching with Anxiety.

𑒌𑒢𑓂𑒯 **औन्ह**—औन्हब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मि०; (बर्तनके औन्ह दियौक) *aunha*—*Part*. form of *aunhaba* (q. v.).

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒥 **औन्हब**—क्रि० । कोनो वस्तुकेँ मुँहक भरेँ करबाक न्युब्जीकरण (दी०) । [IAL 804 अवमूर्ध अथवा (दी०) औन्ह + अब अथवा सं० न्युब्जीकरण] । तु० क० प्राकृ० अमुण्ण; लहन्दा अमुन्धा; मूधा; पं० ऊँधा; कु० उंद्रो; हि० औंधा; ओंधा; गु० ऊँधुँ [बर्तन के औन्हबा]; मि० भा० कोष ४३ । *aunhaba*—*V*. To turn over the head, or makre up side down.

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒪 **औन्हल**—औन्हब (दे०) केर भू० रू० । चिना ११ (हाथ खलहि औन्हल छथि अछि) । *aunhala*—*Past* tense form of *aunhaba* (q. v.).

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒰 **औन्हा**—मिरगी विशेष, बिना मुँहक गूब (बाभी) [औन्हब + आ] । मि० भा० कोष० ४२; (रोगीकेँ औन्हा गुर भऽ गेलैक अछि) । *aunhā*—A kind of cook, a boil without opening.

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒰𑒣𑒟𑒰𑒩𑒲 **औन्हापथारी**–औनापथारी (दे०) केर बा० रू० । मि० भा० कोष ४३; औन्हापथारी उठब = व्याकुलता पूर्वक अन्वेषणक हेतु सभकेँ चिन्तित होएब । *aunhāpathārī*—*Coll* form of *aunāpathārī* (q. v.).

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒱 **औन्हि**—औन्हब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मिथिला १–३८७ (माथ पर वस्त्र औन्हि कै रनी बा सकैछ) । *aunhi*—*Part* form of *aunhaba* (q. v.).

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒲 **औन्ही**—पयरक औंगुरीमे पहिरबाक गहना । [सं० मञ्जरी] । तु० क० अव० औन्ही । मि०; व्यवहार विधान ४१६ (औन्ही औंगुरमे पसिक दोष लागैत); मि० भा० कोष ४३ । *aunhī*—An ornament of foot finger.

𑒌𑒣𑒔𑒰𑒩𑒱𑒏 **औपचारिक**—वि० । उपचार सम्बन्धी, देखाबटी । सं० तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० औपचारिक (औपचारिक रूपमे कार्य सम्पत्ति भए रहल अछि) । *aupacārika*—*Adj*. Formal relating to *imposition*.

𑒌𑒣𑒢𑒱𑒫𑒹𑒬𑒱𑒏 **औपनिवेशिक**—वि० । उपनिवेश सम्बन्धी, नव बसाओल गेल प्रदेश । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० औपनिवेशिक रमेश चन्द्र ६ । *aupaniveśika*—*Adj*. Colonial.

𑒌𑒣𑒢𑒱𑒭𑒠 **औपनिषद**—वि० । उपनिषद सम्बन्धी, ब्रह्मप्रतिपादक ग्रन्थ । [सं०] । तु० क० बं० औपनिषद । (औपनिषद ज्ञान सन सिद्धान्तकेँ नहि रहैछ) । *aupanisda*—*Adj*.

Relating to the *upaniṣads.*

𑒎𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮𑒱𑒏 **औपन्यासिक**—वि० । उपन्यासमे वर्णन करबाक योग्य, अद्‌भुत, उपन्यास सम्बन्धी, [सं०] । तु० क० बं०, ने०, अव०, हि० औपन्यासिक । प्रबo २७६ (औपन्यासिक घटना भेल) । ***aupanyāsika—Adj.*** A Novelist, pertaining to a novel.

𑒎𑒣𑒧𑓂𑒨 **औपम्य**—उपमा, तुलना, सादृश्य । [सं० उपमा + ष्यञ्] तु० क० बं० औपम्य । (विशद औपम्य देबा जोकर पदार्थक किछु विशेष विशेषता होइछ) । *aupamya*—Similarity, comparability.

𑒎𑒣𑒮𑒩𑓂𑒑𑒱𑒏 **औपसर्गिक**—वि० । उपसर्ग सम्बन्धी । [सं०] तु० क० बं०, हि०, असo औपसर्गिक । (औपसर्गिक नियम मिथिला भाषामे विशेष रूप मानल जाइछ) । *aupasargika—Adj.* Relating to a prefix.

𑒎𑒿𑒤 **औँफ**—औफ[1] (दे०) केर करण कारकमे वा० रू० । मि० २६८ (रौंदक औंफे बैसल छाहरि दिश कनेक कनेक अमलके तकितहुँ) । *auphé-Coll.* Instrumental form of *auph*[1] (q. v.).

𑒎𑒿𑒥𑒪 (𑒪𑒱) **औँबल (लि)**—औवल (दे०) केर वा० रु० । मि० भा० कोष ४३; FML 382. *aubala(li)—Coll.* form of *auvala* (q. v.).

𑒎𑒿𑒥𑒪𑒱 **औँबलि**—प्रत्यय । भाव अर्थात क्रियामे देखौ आदि धातुसँ परस्पर क्रियामे औबलि प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० १४२ देखौबलि; लठौबलि । *aubali*—A suffix.

𑒎𑒩[1] **और**[1]—आओर आर वा (दे०) केर हि० रु० । तु० क० पा० ऊपर; प्राकृ० अवर; लहन्दा; पं० होर; कु० अरको; अस० आरु; वि० आर, आरु; उ० आर; हि० और प्रा० मार० और; सि० अवर; प्रा० अव० अरु वि० पदा० मजु० ५४६ (और साँठल पकमाने); शतदल २ (रहलै की चिन्ता और शान्ति); पारो १९ (ओहि बाड़ीमे और की रहैक) । ***aura*[1]—Hindi form of *āora*** or ***āra*** (q. v.).

𑒎𑒩[2] **और**[2]—आरु (दे0) केर वा० रु० । (बाड़ीमे और दमाइन ओ तेकुना अछिए) । *aura*[2]*—Coll.* form of ***āru*** (q. v.).

𑒎𑒩𑒮 **औरस**—वि० । विधिवत विवाहिता स्त्रीसँ जन्मल सन्तान, आत्मजात । [सं० उरस् + अण्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० राज० औरस पा० ओरस; प्राकृ० उरस; ओरस सि० ओरय; प्रा० म० वोरस । वर्ण० ६५ (औरस, क्षेत्रज, पौन बर्भव, पौषिक, दत्तक); म० वि० ७८ (शिवक औरस पुत्र विनु नहि मरन दुष्ट महाबली); मि० ३३३ (जखन औरस पुत्र होएबाक बहुत प्रकारक यत्न कैलहुँ); रंग० १०५ (जखन अपन औरस पुत्रक ओ हाल) । ***aurasa–Adj.*** (Child) produced by oneself.

𑒎𑒩𑒯𑒳 **औरहु**—और (दि०) केर निश्चय० रू० । मैथिली बन्धु १९५२-५७ (एकरा औरहु नष्ट भ्रष्ट कए) । *aurahu*—*Emph.* form of ***aura*** (q. v.).

𑒎𑒩𑒰 **औरा**—अओरा (दे०) केर वा० रू० । ग्रि० । *aurā—Coll* form of *aorā* (q. v.).

𑒎𑒩𑒱(𑒩𑒲) **औरि(री)**—वि० । क्रोध । [सं० अरि] वि० पदा० मजु० ५७७ (गौरी औरी ककरा पर करतो); गौरी परिणय १३ (गौरिक औरि सम्भारत को लय को देत भोजन ताहि) । *auri(rī)—Adj.* Anger.

𑒎𑒩𑒼 **औरो**—और[1] (दि०) केर वा० रु० । वि० पदा० मजु० ५५१ (मानि समान औरो नहि दोसर); मि० उद० १५८-२१ (औरो जे अवनीश होथि); मो० ९७-२ (औरो सबहि); प्रबo ६४ (औरो उछन्नर करत) । *auro—Emph.* form of *aura*[1] (q. v.).

𑒎𑒩𑓂𑒫 **और्व**—वाड़वानल भृगुवंशी ऋषि [सं० ऊर्व + अण्] । अम० १३ (और्व वाड़व व ड़वानल) । *aurva*—The subterranean fire.

𑒎𑒩𑓂𑒡𑓂𑒫𑒠𑒻𑒯𑒱𑒏 **और्ध्वदैहिक**—अन्त्यष्टि क्रिया विषेय, प्रेत-कार्य [सं० ऊर्ध्वदेह + ठञ्] । तु० क० अस० बं० और्ध्वदैहिक । मि० ३५९ (हुनका और्ध्वदैहिक क्रियाक हेतु २०००) रु० नगदक संग फरमाइसमे भेटलन्हि) । *aurdhvadaihika*—Relating to funeral rites.

𑒎𑒪 **औल**—वि० । अतिशय गर्म । [सं० आतप] IAL Turner 50-1419 आतपल] । तु० क० ने० औल । मि० भा० कोष ४३ (औलवौल)=गरमीसँ मनक व्याकुली भाव (दी०); (अकाजु औल त बुझि पड़ैत अछि जेना सिद्ध कए देत) । *aula*—Hot.

𑒎𑒪𑒱 **औलि**—सं० मौलिकेर अपभ्रंश, का० रू० माथ । मै० सा० इ० ने० १६३ नाटक १७ (हम शताब्द (आध औलि मण्डन फुलमाले; आध तरङ्गित सुरसरि धारे); सुन्दर संयोग ३२ । ***auli***—Poetic form of Sanskrit ***mauli*** (head).

𑒎𑒪𑒱𑒂 **औलिआ**—अत्यधिक पहुँचल व्यक्ति, सिद्ध, मित्र । [फा० ओ अर०] तु० क० हि० औलिया । FML 638 । (मुसलमान फकीर, निष्कपट मनमौजी लोक) । *auliā*—Friendly saint, hermit.

𑒎𑒫𑒪 **औवल**—वि० । मुख्य, प्रथम, प्रधान, उत्तम, सर्वश्रेष्ठ [अर०] । तु० क० हि० औवल । मै० सा० इ० ३०-११६१ साल (खेतक औवल विगहाक) । *auvala—Adj.* First, Chief, Great.

𑒎𑒫𑒪𑒱 **औवलि**—प्रत्यय । औबल[2] (दे०) केर वा० रु० । मि० भा० वि० ९३; मि० भा० प्र० २९; लठौवलि २३३ । ***auvali—Coll.*** form of ***auvala*** (q. v.).

औषद—औषध (दे०) केर वा० रू०। तु० फा० अव० औषद। वि० नै० १६ (एहि बेआधि, औषद तौहर अधर अमिय फेर धार); राग० ७२ (आन औषद कर आन बेआधी)। *ausada*—*Coll.* form of *ausadha* (q. v.).

औषदार्थ—औषध वा दवाईक हेतु। [औषध+अर्थ]। प्रवा० ११८ (औषदार्थ मदिरो मांस भक्षण मे दोष नहि लगैत छैक)। *ausadārtha*—For the purpose of medicine.

औषध(धि)—दवाई, रोग नाशक द्रव्य। [सं० ओषधि+अण्]। तु० क० हि०, मं०, असा० ने० अव० औषद, राज० औसध पा० ओसध; प्राकृ० औसद् औसह; उ० ओसो; अयुआ; गु० ओखद सिं० ओसुव म० औषधि। वर्ण० ४२ (औषध अधले), राम० २३५ (औषध करइ आइ मिल गेड); पुरु० २४२ (बहुत बैद औषध कयल); । *ausadhai(dhi)*—Medicine.

क

क¹—मिथिलाक्षर लिपिक प्रथम व्यंजन वर्ण, एकर उच्चारणक स्थान कण्ठ होइत अछि। [सं०] तु० फा० दे० बं० आदि क। *ka¹*—The first consonant letter in Tirhuta Script.

—**क²**—षष्ठी विभक्ति [सं० प्रा० कृत > कर > क]। कारण, निमित्त, हेतु इत्यादि कारण वाचक शब्द योग मे ओकर समानाधिकरण विशेषण वाचक शब्दसँ षष्ठी अबैत अछि। पढ़बाक कारणेँ चलइ, देखबाक हेतु गेलाह, अधिकरणार्थक अव्यय जहाँ, जहाँ, तहाँ इत्यादि अधिकरण रूप अर्थ होइ केवल स्थान अर्थ मे प्रयुक्त होइत अछि। तखन ओहि शब्दसँ सम्बन्ध मे षष्ठी विभक्ति होइत अछि। ई पण्डित कहाँक थिकाह ल० वि० ७८। सुतएक कुशल मानव, ओतएक कुशल अपेक्षित। यथा! (एहि एक आन्दक बाध मारथाक पाटैर आए); कीर्तिलता-७ (ओइनी वंश प्रसिद्ध जगाक बहु करउ वा सेव); गी० मं० ६६ (अधर पहीर दशन मग जोति, होचन तिलक मैनाक जोति पा० ६० समासार लोकक लीग-मन कृष्ण० २ (बरनिक लक्ष्म सबजन गेल; राम० [illegible] २६ (जानकिनाथक करिय प्रणाम)। —*ka²*—Post—position form in genitive sense.

कअए—विभक्ति। FML 64 (Rāg. 101) *kae*—Postpositional form.

कइ¹—वि०। अनेक, बहुत, पचासँ अधिक। अवहट्ट तु० क० हि०। [सं० कति] कीर्तिलता ५ (बीर पुरुष कइ जन्मिअइ नाह न अन्पइ नाम); वि० पदा० मजु० १२३ त्रि० (मास मास कइ दिवस गमाओलि)। *kai¹*—*Adj.* Many, several.

कइ²—कके (दे०) केर प्रा० रू०। वि० पदा० मजु० २६६ (ह अति अति कि कति कइ काटी)। *kai²*—*Early* form of *kake* (q. v.).

कइए—क्रि०। कए (दे०) केर नित्य० रू०। वि० पदा० मजु० १२२, नेपाल ६६ ख, न० गु० ६५४ अ० ७६८ (अवधि कइए दिया गेला); वि० पदा० मजु० ६६ राम त० ६२, नेपाल २२६ (कोप कइए परओगल मानव रू० परि० २६ (कइए प्रणाम भगति अनुरूप)। *kaie*—*Emph* form of *kae* (q. v.).

कइएक—वि०। अनेक, असगनित, बहुत, पचासँ अधिक [सं० कति + एक] तु० क० हि० कइ एक मन० कृष्ण० ७४ (से विधि रहलाह कइएक बेरी); खट्ट० १३० (ओहिमे कइएकटा पड़ैत छलैक)। *kaieka*—*Adj.* Several.

कइक—वि०। अनेक, बहुत, बेसी, असगनित। [सं० एक+एक]। FML 477. *kaika*—*Adj.* countless, many.

कइँची—लोहाक बनल औजार, जाहिसँ कपड़ा कागज आदि कतरल जाइछ। [फा०] तु० क० कैंची (हि०)। FML 153. *kāīcī*—Scissors.

कइठाँ—कतएक ठाम [सं० कति + स्थान > कतेकइ ठाम]। (दे०) केर वा० रू०। FML 436. तु० क० अव कइठा *kaithā*—*Coll.* form of *kataeka ṭhama* (q. v.).

कइठिआँ—कतए (दे०) केर छिकाछिकी रू०। FML 436. *kaiṭhiā*—*Chikāchiki* form of *katae* (q. v.)

कइतबे—कैतव (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मजु० १००, तालपत्र न० गु० ४५०, अ० ४४५ (कइतबे हास गोप [illegible] मे कएलथि)। राग० ४ कइतबे बारि सखी [illegible]। *kaitabe* *Coll.* form of *kaitava* (q. v.).

कइथिन—कायस्थक स्त्री। [कायस्थ+नी]। FML 220. *kaithina*—A kayastha woman.